Annex XVI

भोट विद्या संस्थानम्

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2022-2023

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
Central Institute of Higher Tibetan Studies

(Deemed University)

SARNATH, VARANASI-221007

www.cihts.ac.in

विषय-सूची

परिच्छेद — पृष्ठ संख्या

1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय 3
2. संकाय 11
3. शोध विभाग 76
4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय 109
5. प्रशासन 122
6. गतिविधियाँ 133

परिशिष्ट

1. संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें उपाधि से सम्मानित विशिष्ट विद्वानों की सूची 194
2. सोसायटी के सदस्यों की सूची 196
3. प्रबन्ध परिषद् के सदस्यों की सूची 198
4. विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची 200
5. वित्त समिति के सदस्यों की सूची 203
6. योजना एवं प्रबोधक परिषद के सदस्यों की सूची 204
7. प्रकाशन समिति के सदस्यों की सूची 205

सम्पादन समिति

अध्यक्ष :
प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी
प्रोफेसर, शब्दविद्या सङ्काय प्रमुख
अध्यक्ष, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

सदस्य :
गेशे तेन्जिन नोर्बू
सहायक प्रोफेसर (मूलशास्त्र विभाग)

डॉ. ल्हक्पा छेरिंग
सहायक प्रोफेसर (तिब्बती)
तिब्बती विभाग

डॉ. अनुराग त्रिपाठी
सहायक प्रोफेसर (हिन्दी)
प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

डॉ. ज्योति सिंह
सहायक प्रोफेसर (हिन्दी)
प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

गेशे नवाङ् तेनफेल
अतिथि प्राध्यापक (गेलुग सम्प्रदाय)

डॉ. जस्मित गिल
अतिथि प्राध्यापक (अंग्रेजी)
प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

डॉ. पी. सुस्मिता वात्स्यायन
अतिथि प्राध्यापक (अंग्रेजी)
शिक्षक शिक्षण केन्द्र विभाग

श्री लोब्संग वाङ्दू
व्यावसायिक सहायक
शान्तरक्षित ग्रन्थालय

सदस्य सचिव :
श्री दीपंकर
व्यक्तिगत सहायक (कुलसचिव)

1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय

तिब्बती तथा सीमान्त हिमालय क्षेत्र के विद्यार्थियों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य से, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू तथा परम पावन 14वें दलाई लामा के पवित्र प्रयासों से सन् 1967 में स्थापित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान एक अद्वितीय सुप्रतिष्ठित संस्थान है।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के संघटक विभाग के रूप में शुभारम्भ करके सन् 1977 में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान नाम के साथ, संस्थान ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्थान का दर्जा प्राप्त किया।

दिनांक 5 अप्रैल, 1988 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा धारा 3 के अन्तर्गत की गई अनुशंसा के आधार पर भारत सरकार ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की अद्वितीय कार्यपद्धति तथा उपलब्धियों के आधार पर संस्थान को मान्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया।

प्रो. समदोंग रिनपोछे, पूर्व निदेशक एवं भूतपूर्व कालोन ठ्रिपा, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन के कुशल नेतृत्व में सन् 2000 तक संस्थान प्रगति पथ पर अग्रसर रहा।

इस समय यह संस्थान, प्रो. गेशे ङवङ् समतेन, कुलपति के कुशल नेतृत्व तथा संकायों के विद्वान् सदस्यों के समर्पित सहयोग से, पूर्ण कुशलता के साथ, भोट अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा हिमालयी अध्ययन के क्षेत्र में अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत अग्रसर है।

निर्धारित विषयों के अध्ययन-अध्यापन के साथ यह संस्थान अपने शोध विद्यार्थियों एवं देश-विदेश से आने वाले शोध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहा है। इस सन्दर्भ में यह संस्थान बौद्ध एवं बौद्धेतर भारतीय दार्शनिक विचारधाराओं, बौद्ध एवं पाश्चात्य दार्शनिक विचारधाराओं तथा बौद्ध दार्शनिकों एवं वैज्ञानिकों के मध्य विचार विनिमय एवं संवाद के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है।

इसे मान्यता देते हुए संस्थान कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ पूरे विश्व के संगठनों के साथ सहयोग और विनिमय कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

उद्देश्य एवं योजनाएँ

भारत सरकार तथा परम पावन दलाई लामा जी द्वारा स्थापित संस्थान की परिकल्पना एवं लक्ष्य को संस्थान के निम्नलिखित उद्देश्यों में समाहित किया गया है, जिनकी सतत पूर्ति हेतु संस्थान पिछले चार दशकों से प्रयासरत है।

- तिब्बती संस्कृति एवं परम्पराओं का संरक्षण।
- ऐसे भारतीय ज्ञान-विज्ञान एवं साहित्य का पुनरुद्धार, जो मूल भाषा में समाप्त हो चुके हैं, परन्तु तिब्बती भाषा में उपलब्ध हैं।
- ऐसे सीमान्त भारतीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना, जो पूर्व में इस तरह की उच्च शिक्षा तिब्बत जाकर प्राप्त करते थे।
- आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली के अन्तर्गत पारम्परिक विषयों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रदान करना तथा तिब्बती अध्ययन के क्षेत्र में उपाधियाँ प्रदान करना है।

- बौद्ध दर्शन और तिब्बती अध्ययन की शिक्षा प्रदान करना एवं इसके माध्यम से व्यक्तित्व में नैतिक मूल्यों का विकास करना।

संस्थान के उपर्युक्त उद्देश्यों के आधार पर संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था को निम्नानुसार संगठित किया गया है।

(1) शैक्षणिक

(क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

(i) मूलशास्त्र विभाग

(ii) सम्प्रदायशास्त्र विभाग

(iii) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

(ख) शब्द विद्या संकाय

(i) संस्कृत विभाग

(ii) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग

(iii) प्राचीन एवं आधुनिक भाषा विभाग

(iv) शिक्षाशास्त्र विभाग

(ग) आधुनिक विद्या संकाय

(i) समाजशास्त्र विभाग

(घ) शिल्प विद्या संकाय

(i) तिब्बती काष्ठकला विभाग

(ii) तिब्बती चित्रकला विभाग

(ङ) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

(i) सोवा रिग्-पा विभाग

(ii) भोट ज्योतिष विभाग

(2) शोध विभाग

(क) पुनरुद्धार विभाग

(ख) अनुवाद विभाग

(ग) दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

(घ) कोश विभाग

(ङ) तिब्बती साहित्य केन्द्र

(3) शान्तरक्षित ग्रन्थालय

(क) अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग

(ख) सामयिकी, पत्र-पत्रिका, इनफ्लिबनेट एवं सन्दर्भ अनुभाग

(ग) तिब्बती अनुभाग

(घ) आदान-प्रदान अनुभाग

(ङ) संचयागार अनुभाग

(च) मल्टीमीडिया अनुभाग

(छ) कम्प्यूटर अनुभाग

(ज) भण्डार एवं अनुरक्षण अनुभाग

(4) प्रशासन

(क) प्रशासन अनुभाग-1

(ख) प्रशासन अनुभाग-2

(ग) परीक्षा अनुभाग

(घ) सम्पत्ति अनुभाग

(ङ) वित्त अनुभाग

(च) प्रकाशन अनुभाग

उपर्युक्त शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों की संगठनात्मक रूपरेखा निम्नलिखित प्रकार से की गयी है—

संस्थान की संगठनात्मक रूपरेखा

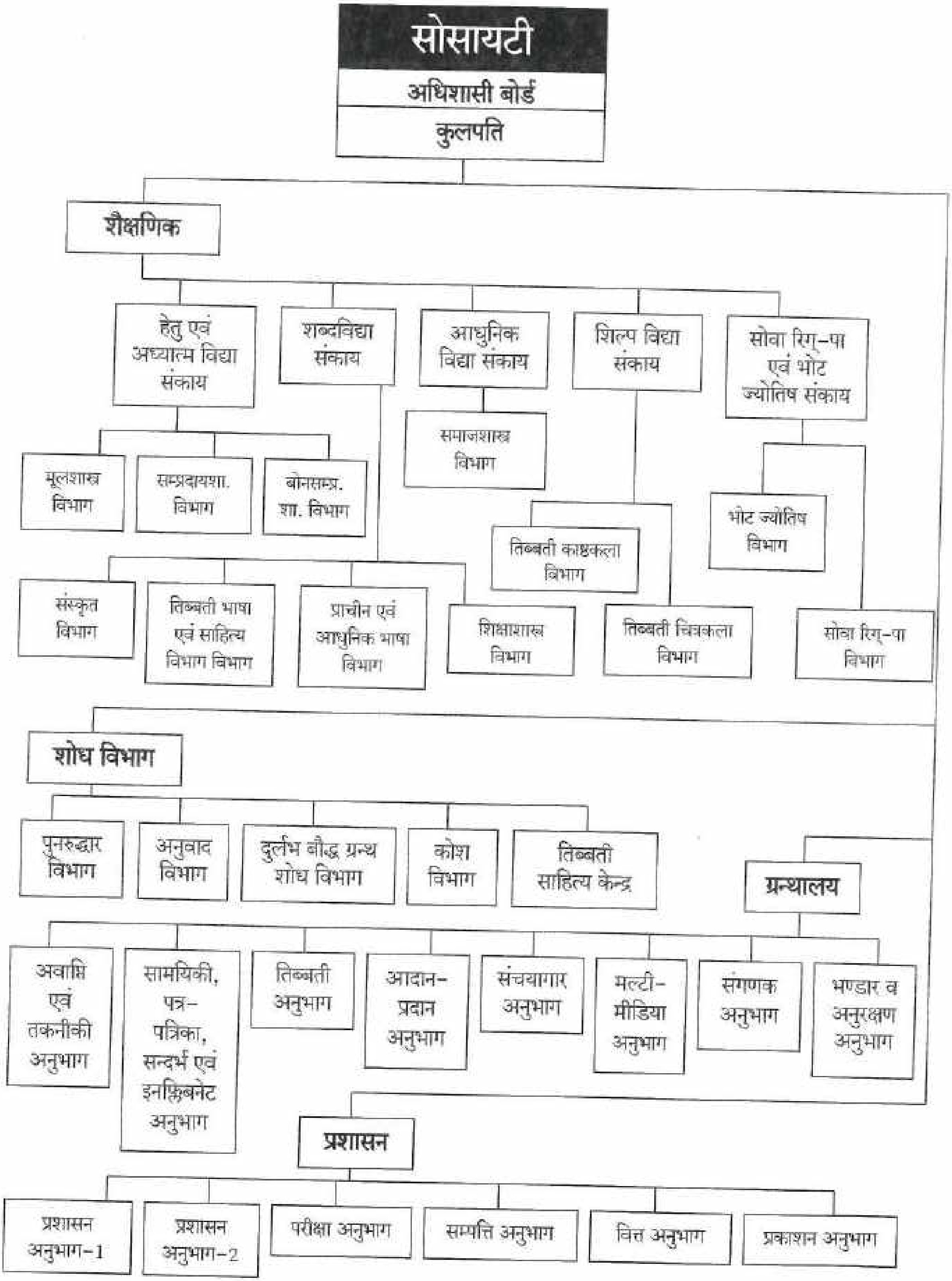

शैक्षणिक : पंजीकरण/नामांकन एवं परीक्षा 2022-23

संस्थान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र नामाङ्कित किए जाते हैं। वर्ष 2022-23 का परीक्षा फल निम्नाङ्कित तालिका में प्रस्तुत किया जा रहा है।

विषम अधिसत्र परीक्षा (सत्र 2022-2023)

परीक्षा का नाम	कुल नामांकित छात्र	अनुपस्थित छात्रों की संख्या	उपस्थित छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
पू.म., प्रथम अधिसत्र	44	00	44	02	42
पू.म., तृतीय अधिसत्र	31	01	30	00	30
उ.म., प्रथम अधिसत्र	32	00	32	03	29
उ.म., तृतीय अधिसत्र	36	00	36	00	36
शास्त्री, प्रथम अधिसत्र	24	02	22	00	22
शास्त्री, तृतीय अधिसत्र	22	01	21	00	21
शास्त्री, पंचम अधिसत्र	34	01	33	00	33
आचार्य, प्रथम अधिसत्र (बी.पी.)	11	00	11	00	11
आचार्य, प्रथम अधिसत्र (टी.एल.)	04	00	04	00	04
आचार्य, प्रथम अधिसत्र (टी.एच.)	02	00	02	00	02
आचार्य, तृतीय अधिसत्र (बी.पी.)	12	00	12	00	12
आचार्य, तृतीय अधिसत्र (टी.एल.)	03	00	03	00	03
आचार्य, तृतीय अधिसत्र (टी.एच.)	03	00	03	00	03
फाइन आर्ट्स, उ.म. प्रथम अधिसत्र	06	00	06	00	06
फाइन आर्ट्स, उ.म. तृतीय अधिसत्र	04	01	03	00	03
बी.एफ.ए. प्रथम अधिसत्र	01	00	01	00	01
बी.एफ.ए. तृतीय अधिसत्र	04	01	03	00	03
बी.एफ.ए. पंचम अधिसत्र	07	00	07	00	07

एम.एफ.ए. प्रथम अधिसत्र	01	00	01	00	01
एम.एफ.ए. द्वितीय अधिसत्र	02	00	02	00	02
भोट ज्योतिष, उ.म. प्रथम अधिसत्र	01	00	01	00	01
सोवा-रिग्पा, उ.म. तृतीय अधिसत्र	09	00	09	01	08
भोट ज्योतिष, पंचम अधिसत्र	01	00	01	00	01
बी.एस.आर.एम.एस., प्रथम अधिसत्र	15	01	14	01	13
बी.एस.आर.एम.एस., पंचम वर्ष, प्रथम अधिसत्र	11	00	11	00	11
बी.एड., प्रथम अधिसत्र	22	00	22	00	22
बी.एड., तृतीय अधिसत्र	21	00	21	00	21
बी.ए. बी.एड. प्रथम अधिसत्र	15	03	12	03	09
बी.ए. बी.एड. द्वितीय अधिसत्र	20	00	20	00	20
बी.ए. बी.एड. तृतीय अधिसत्र	08	00	08	00	08
बी.ए. बी.एड. चतुर्थ अधिसत्र	08	00	08	00	08
कम्प्यूटर प्रथम अधिसत्र	11	06	05	00	05
कम्प्यूटर तृतीय अधिसत्र	05	01	04	00	04
कम्प्यूटर प्रथम अधिसत्र	06	00	06	00	06
कम्प्यूटर तृतीय अधिसत्र	04	00	04	00	04
कुल योग	**440**	**18**	**422**	**10**	**412**

सम अधिसत्र परीक्षा (सत्र 2022-2023)

परीक्षा का नाम	कुल नामांकित छात्र	अनुपस्थित छात्रों की संख्या	उपस्थित छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
पू.म., द्वितीय अधिसत्र	49	--	49	04	45
पू.म., चतुर्थ अधिसत्र	32	--	32	--	32
उ.म., द्वितीय अधिसत्र	31	--	31	01	30
उ.म., चतुर्थ अधिसत्र	38	--	38	02	36
शास्त्री, द्वितीय अधिसत्र	22	--	22	02	20
शास्त्री, चतुर्थ अधिसत्र	21	01	20	02	18
शास्त्री, षष्ठ अधिसत्र	32	--	32	--	32

आचार्य (बी.पी.) द्वितीय अधिसत्र	11	--	11	--	11
आचार्य (टी.एल.) द्वितीय अधिसत्र	04	--	04	--	04
आचार्य (टी.एच.) द्वितीय अधिसत्र	02	--	02	--	02
आचार्य (बी.पी.) चतुर्थ अधिसत्र	12	--	12	--	12
आचार्य (टी.एल.) चतुर्थ अधिसत्र	02	--	02	--	02
आचार्य (टी.एच.) चतुर्थ अधिसत्र	03	--	03	--	03
फाइन आर्ट्स, उ.म. द्वितीय अधिसत्र	05	01	04	--	04
फाइन आर्ट्स, उ.म. चतुर्थ अधिसत्र	03	--	03	--	03
बी.एफ.ए., द्वितीय अधिसत्र	01	--	01	--	01
बी.एफ.ए., चतुर्थ अधिसत्र	03	--	03	--	03
बी.एफ.ए., षष्ठ अधिसत्र	07	--	07	--	07
एम.एफ.ए., द्वितीय अधिसत्र	01	--	01	--	01
एम.एफ.ए., चतुर्थ अधिसत्र	02	--	02	--	02
भोट ज्योतिष उ.म., द्वितीय अधिसत्र	03	--	03	--	03
सोवा-रिग्पा, उ.म. चतुर्थ अधिसत्र	08	--	08	--	08
भोट ज्योतिष, शास्त्री चतुर्थ अधिसत्र	01	--	01	01	00
बी.एस.आर.एम.एस., तृतीय वर्ष	14	--	14	05	09
बी.एस.आर.एम.एस., पंचम वर्ष	11	--	11	00	11
बी.एड., द्वितीय अधिसत्र	22	--	22	--	22
बी.एड., चतुर्थ अधिसत्र	21	--	21	--	21
बी.ए. बी.एड., द्वितीय अधिसत्र	11	--	11	--	11
बी.ए. बी.एड., चतुर्थ अधिसत्र	19	--	19	--	19
बी.ए. बी.एड., षष्ठ अधिसत्र	08	--	08	--	08
बी.ए. बी.एड., अष्टम अधिसत्र	08	--	08	--	08

कम्प्यूटर, द्वितीय अधिसत्र	03	--	03	--	03
कम्प्यूटर, चतुर्थ अधिसत्र	07	--	07	02	05
कम्प्यूटर, द्वितीय अधिसत्र	06	--	06	---	06
कम्प्यूटर, चतुर्थ अधिसत्र	02	--	02	--	02
कुल योग	**425**	**02**	**423**	**19**	**404**

2. संकाय

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ मुख्यतः अध्ययन-अध्यापन एवं शोध-कार्य है। परीक्षाओं के प्रमाण-पत्र संस्थान स्वयं जारी करता है।

संस्थान बौद्ध अध्ययन, तिब्बती आयुर्विज्ञान (सोवा रिग्-पा) एवं ज्योतिष में शास्त्री, आचार्य, एम. फिल., पी-एच्. डी. एवं एम.डी./एम.एस. पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। इसमें विद्यार्थियों को पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष (नौवीं कक्षा) से ही प्रवेश दिया जाता है और उन्हें पूर्व स्नातक तक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम को पूरा करना होता है, जो उन्हें आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली में दी जा रही परम्परागत शिक्षा के निमित्त तैयार करता है। पूर्वमध्यमा से लेकर आचार्य तक, नौ वर्षीय बौद्ध अध्ययन के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को तिब्बती, संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषाओं का तथा भारतीय बौद्ध शास्त्रों एवं उनकी तिब्बती टीकाओं का अध्ययन कराया जाता है। इसके साथ-साथ सम्प्रदाय शास्त्र, बोन परम्परा, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र का भी अध्ययन कराया जाता है।

सोवा रिग्-पा संकाय में परम्परागत तिब्बती चिकित्सा शिक्षा पद्धति के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन के साथ आधुनिक चिकित्सा-विज्ञान के विकृति-विज्ञान, शरीर-रचना-विज्ञान एवं शरीर-क्रिया-विज्ञान का अध्ययन कराया जाता है। विद्यार्थियों को तिब्बती चिकित्सा पद्धति में निपुण बनाने हेतु उन्हें नैदानिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

तिब्बती ललित कला के विद्यार्थियों को थंका चित्रपट के निर्माण की विधि तथा तिब्बती काष्ठकला के विद्यार्थियों को काष्ठ-तक्षण-कला सिखाई जाती है। इसके साथ ही बौद्ध दर्शन, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, अंग्रेजी या हिन्दी एवं कला का इतिहास का भी ज्ञान कराया जाता है।

शिक्षण प्रविधि एवं अधिगम

संस्थान के उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न पाठ्यक्रमों की संरचना की गयी है। अध्यापकों के सुझावों तथा उन पर अध्ययन परिषद् के विषय-विशेषज्ञों की सहमति के आधार पर पाठ्यक्रमों की संरचना एवं उनमें परिवर्तन-परिवर्द्धन किया जाता है तथा इन्हें अन्तिम रूप में विद्वत् परिषद एवं अधिशासी बोर्ड द्वारा पारित किया जाता है।

इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए संस्थान परिसर में सामूहिक एवं वैयक्तिक स्तर पर और भी अनेक गतिविधियाँ होती रहती हैं, जिनमें सामूहिक परिचर्चा, व्याख्यान, खेल-कूद, शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम एवं समाज सेवा सम्मिलित हैं। यह संस्थान पूर्णरूप से आवासीय है। सभी पाठ्यक्रम परिसर में ही चलाये जाते हैं।

परीक्षा एवं मूल्यांकन

पंजीकृत विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कम से कम 85% उपस्थिति अनिवार्य है। परीक्षा अधिसत्रों में संचालित होती हैं।

आलोच्य वर्ष में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के परिणाम निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित किए गए हैं-

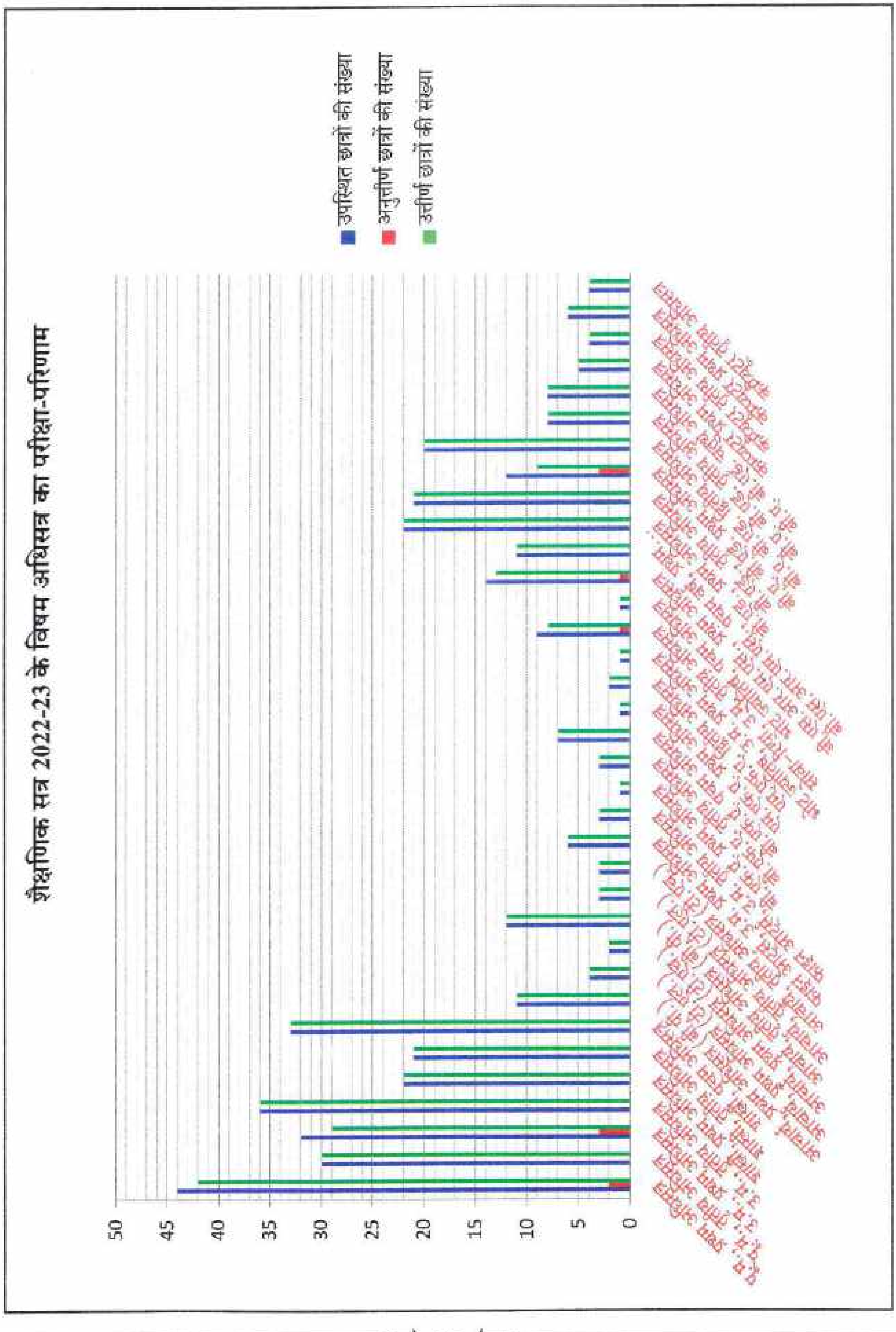
शैक्षणिक सत्र 2022-23 के विषम अधिसत्र का परीक्षा-परिणाम
उपस्थित छात्रों की संख्या
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
50
45
40
35
30
25
20
15
10
5
0

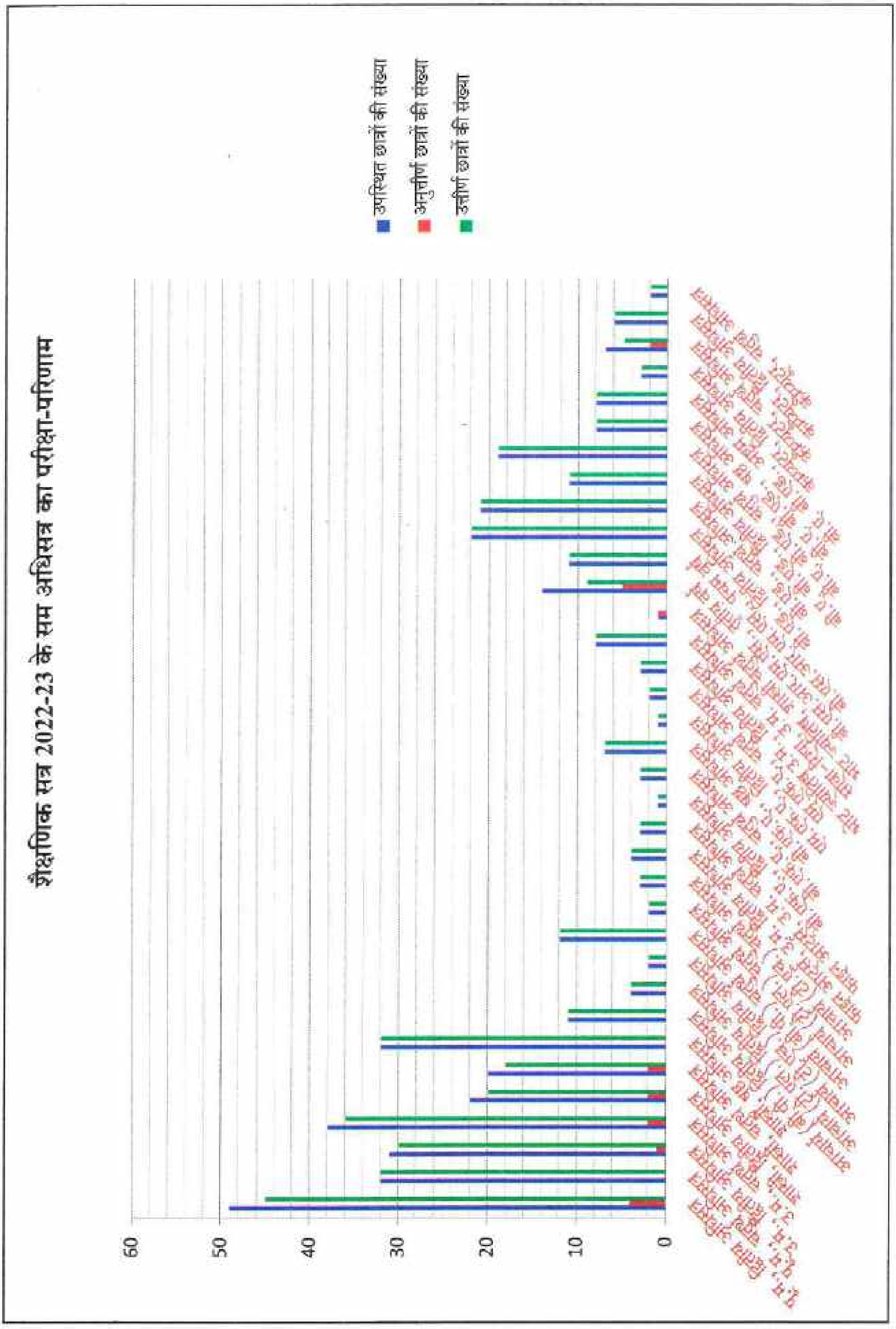
शैक्षणिक सत्र 2022-23 के सम अधिसत्र का परीक्षा-परिणाम
उपस्थित छात्रों की संख्या
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
60
50
40
30
20
10
0

शैक्षणिक विभागों का परिचय

(क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

प्रो. वङ्छुक दोर्जे नेगी - संकायाध्यक्ष

(I) मूलशास्त्र विभाग

मानव-जीवन की वास्तविकता एवं उसके उद्देश्य को समझने तथा सक्षम बनाने के निमित्त बौद्ध दर्शन एवं संस्कृति का संरक्षण एवं विकास करना, इस विभाग का उद्देश्य है। इस विभाग में बौद्ध-दर्शन, न्याय, मनोविज्ञान आदि विषय, बुद्धवचन तथा भारतीय आचार्यों द्वारा रचित शास्त्रों का अध्यापन होता है। मानव एवं अन्य प्राणियों के लिये इस जगत् को बेहतर बनाने में सहायता करना भी इस विभाग का उद्देश्य है। मात्र अपने कल्याण की बात न सोचकर करुणा एवं शान्ति का आश्रय लेकर वर्तमान जगत् की आवश्यकतानुसार इन गुणों का प्रसार करना भी इसके उद्देश्यों में शामिल है। यह विभाग बौद्ध दर्शन के अध्यापन के साथ-साथ शोध-कार्य भी कर रहा है। वैश्वीकरण के इस युग में नागार्जुन के शिष्यों एवं महासिद्धों के विचारों के पुनरुद्धार एवं उनके युगानुकूल समायोजन पर उपर्युक्त विभाग शोधरत है।

(1) प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी - प्रोफेसर

(2) गेशे तेनज़िन नोरबू - असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

(3) गेशे लोसंग वांगड्ग - असिस्टेंट प्रोफेसर

(4) गेशे लोब्संग थरख्ये - अतिथि प्राध्यापक

(5) भिक्षु छुलठिम ग्युरमेद - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी

1. 02 दिसम्बर 2021 से 12 अप्रैल 2022 : प्रभारी कुलपति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया गया।
2. 6 मई 2022 : तिब्बती बौद्ध सांस्कृतिक संस्थानों/कलाओं के लिए वित्तीय अनुदान योजना के सन्दर्भ में विशेषज्ञ सलाहकार समिति की बैठक में 2021-2022 की बी.टी.आई. संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में भाग लिया।
3. सितंबर 2022 : डी.के. प्रिंटवर्ल्ड, दिल्ली द्वारा प्रकाशित संपादित पुस्तक 'धम्म-अनुशीलन' में बौद्ध धर्म: मन का विज्ञान, एक अध्याय प्रकाशित किया गया।
4. 18-20 अक्टूबर 2022 : हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय के अध्यक्ष के रूप में, संस्थान में नैक पीयर टीम के निरीक्षण के दौरान संकाय की एक पीपीटी प्रस्तुत की।
5. 24 नवंबर 2022 : वेन द्वारा आयोजित व्हाट्सएप के माध्यम से हिमालयन ग्रुप में अतिशा के बोधिपथप्रदीप पर द्वि-साप्ताहिक शिक्षण पूरा किया। थिकसे मठ, लद्दाख के स्टैनज़िन ग्यात्सो की शुरुआत 02 दिसंबर 2021 से हुई।
6. 14 दिसंबर 2022 : भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा स्थापित बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार (2022-23) की निर्णायक समिति बैठक में भाग लिया।

7. 29 दिसंबर 2022 - 1 जनवरी 2023 : बोधगया में परम पावन दलाई लामा के उपदेश-प्रवचन में भाग लिया।
8. 2-11 जनवरी 2023 : ओदंतपुरी, बिहार शरीफ, बिहार में एकान्तवास लेखन-'ओरिजिन ऑफ तारा' पर एक पेपर लिखा।
9. 12 से 23 जनवरी 2023 : बोधगया, बिहार में 10 दिवसीय विपश्यना रिट्रीट कोर्स में भाग लिया।
10. 10 मार्च 2023 : लद्दाख और अन्य हिमालयी क्षेत्रों के समूह के अनुरोध पर 'सिक्स सेशन गुरु योग' पाठ पर व्हाट्सएप समूह के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण देना शुरू किया।
11. 25 मार्च 2023 : भारतीय उच्चायोग के सहयोग से नागानंद इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, कोलंबो, श्रीलंका में इंडो-श्रीलंका इंटरकल्चरल फेस्टिवल - 2023 में भाग लिया।
12. 17-24; 26-29 मार्च 2023 : "बुद्धिस्ट पिल्ग्रीमेज साइट्स इन इण्डिया एण्ड नाइबोरिंग कन्ट्रीज" पर मेरे पुस्तक प्रोजेक्ट के लिए श्रीलंका में प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों का भ्रमण।

निकायों के सदस्य:

1. सदस्य, वित्तसमिति, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह, लद्दाख।
2. सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह, लद्दाख।
3. सदस्य, निर्णायक समिति - बौद्ध अध्ययन के प्रोत्साहन हेतु आईसीसीआर-पुरस्कार, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।
4. सदस्य, तिब्बती बौद्ध संगठनों के संरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायता योजना के लिए विशेषज्ञ सलाहकार समिति, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।
5. निदेशक, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ।
6. सदस्य, अकादमिक परिषद, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।
7. सदस्य, अकादमिक परिषद, निंगमा संस्थान, सिक्किम (एसएसवीवी, वाराणसी से संबद्ध)।
8. सदस्य, अकादमिक परिषद, ड्रिकुंग काग्यू कॉलेज, देहरादून (एसएसवीवी, वाराणसी से संबद्ध)।
9. सदस्य, रिसर्च डिग्री अवार्ड कमेटी, श्रमण विद्या संकाय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय, वाराणसी।
10. सदस्य, शैक्षिक सलाहकार समिति, ड्रिकुंग काग्यू कॉलेज, देहरादून (एसएसवीवी, वाराणसी से संबद्ध)।
11. सदस्य, आरडीसी (अनुसंधान विकास समिति) - बौद्ध अध्ययन, बौद्ध दर्शन विभाग, सांची बौद्ध-इंडिक अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची, म.प्र.।

गेशे तेनज़िन नोरबू

प्रशासन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

मूलशास्त्र विभाग के अध्यक्ष व गेलुक छात्र कल्याण समिति के अध्यक्ष।

समिति सदस्य

1. 13 जुलाई 2022 : भारत सरकार द्वारा सारनाथ में आयोजित धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस के रूप में आषाढ़ पूर्णिमा को शास्त्रार्थ की प्रस्तुति की जिम्मेदारी का निर्वहन किया।
2. 12 जनवरी 2023 : शिक्षक शिक्षण केन्द्र के रिग्लैम टेस्ट मूल्यांकन के लिए अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 6 जुलाई, 2022 : अतिशा हॉल में परमपावन 14वें दलाई लामा के 87वें जन्मदिन पर "यूनिवर्सल रिस्पॉन्सिबिलिटी" विषय पर संगोष्ठी में भाग लिया।
2. 30 जुलाई 2022 : सीटीई द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020' पर आयोजित दो दिवसीय 'राष्ट्रीय सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
3. 11 सितंबर, 2022 : सोवा रिग्पा के संकायाध्यक्ष के निमंत्रण के पर एपी गेस्ट हाउस में सोवा रिग्पा दिवस समारोह में भाग लिया।
4. 28 सितंबर, 2022 : संस्थान के नियमों के अनुसार मेंटरशिप कार्यक्रम की जिम्मेदारी ली और 6 छात्रों की शिक्षा, अनुशासन आदि के क्षेत्र में देखभाल व उपदेशक का कार्य किया।
5. 6 नवंबर 2022 : 'सी.आई.एच.टी.एस. एलुमनाई ऑन तिब्बतन एण्ड हिमालयन स्टडी' विषय पर के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
6. 29 दिसंबर 2022 से 20 जनवरी 2023 : पांच कॉलेजों, मास, यूएसए और के.उ.ति.शि.सं. वाराणसी के बीच 30वें एक्सचेंज प्रोग्राम में मध्यमकवतार बाई चन्द्रकीर्ति के पाठ पर व्याख्यान दिया।

गेशे लोसंग वांगड्रग

प्रशासन एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 6 जुलाई 2022 : "यूनिवर्सल रिस्पॉन्सिबिलिटी" पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया परमपावन 14वें दलाई लामा की 87वीं जयंती के अवसर पर ।
2. 15 अगस्त 2022 : स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों का महत्व" विषय पर प्रतियोगिता में भाग लिया ।

भिक्षु छुलठिम ग्युरमेद

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 18 जनवरी, 2023 : अतिशा हॉल में "बिटवीन अभिनवगुप्त एण्ड दया कृष्ण : के.सी. भट्टाचार्य ऑन अदर माइंड्स" विषय पर प्रोफेसर जे. गारफील्ड के व्याख्यान में भाग लिया।
2. 6 जुलाई, 2022 : अतिशा हॉल में परमपावन 14वें दलाई लामा के 87वें जन्मदिन पर "यूनिवर्सल रिस्पॉन्सिबिलिटी" विषय पर संगोष्ठी में भाग लिया।
3. 6 नवंबर 2022 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ एवं छात्र समिति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
4. 12-13 फरवरी 2023 : छात्र कल्याण संघ, के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ द्वारा आयोजित शीतकालीन वरिष्ठ छात्रों के शिविर में "इस्टैब्लिशमेंट ऑफ इंडिपेंडेस अकॉर्डिंग टू फोर स्कूल्स इन बुद्धिस्ट" पर एक व्याख्यान दिया।
5. सितंबर 2022 से मई 2023 : सोंगत्सेन लाइब्रेरी, देहरादून के अनुरोध पर अभिधर्म एण्ड मैत्रेय ऑर्नाम्ट फॉर क्लीयर रिलाइजेशन (अभिसमयालंकार) की ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे हैं।

(II) सम्प्रदायशास्त्र विभाग

इस विभाग में तिब्बती विद्वानों द्वारा बुद्धवचन एवं भारतीय आचार्यों के ग्रन्थों पर रचित टीका तथा स्वतन्त्र ग्रन्थों पर अध्यापन-कार्य होता है। भिक्षु एवं सामान्य विद्यार्थियों को तिब्बती बौद्ध परम्परा के चारों सम्प्रदायों की शिक्षा एक स्थान

पर देना, इस संस्थान की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। यद्यपि भिक्षु, बौद्ध-विहारों में रहकर बौद्ध धर्म एवं दर्शन का अध्ययन कर सकते हैं, परन्तु उनमें चारों सम्प्रदायों की एक साथ शिक्षण की व्यवस्था नहीं है। इसके अतिरिक्त सामान्य विद्यार्थियों के लिए तिब्बती बौद्ध विहारों में अध्ययन की कोई व्यवस्था नहीं है।

उक्त सिद्धान्त एवं तथ्यों के आधार पर यह विभाग तिब्बती बौद्ध परम्परा के निम्नलिखित चार सम्प्रदायों की परम्पराओं के अध्ययन एवं शोध में कार्यरत है–

(क) कर्ग्युद सम्प्रदाय

(1) डॉ. टशी सम्फेल - एसोसिएट प्रोफेसर

(2) डॉ. रमेशचन्द्र नेगी - एसोसिएट प्रोफेसर, प्रभारी- कोश विभाग

(3) डॉ. मेहर सिंह नेगी - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

भिक्षु मेहर सिंह नेगी

पुस्तक प्रकाशन:

1. उडाना पालि पालि भाषा से तिब्बती में अनुवादित।
2. चेंगा रिनचेन जांगचुब की बौद्ध दार्शनिक पुस्तक का संपादन किया गया जिसका शीर्षक है "डैम चोस डीगोंगपा जीचिग पा' आरनाम बशाद रिन पो चे' जीटेर एमडीज़ोड"।

सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लिया।

1. 24 अप्रैल 2022 : अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिषद सारनाथ में वक्ता के रूप में भाग लिया।
2. 6 जुलाई, 2022 : आतिशा हॉल में परमपावन 14वें दलाई लामा के 87वें जन्मदिन पर "यूनिवर्सल रिस्पॉन्सिबिलिटी" विषय पर संगोष्ठी में भाग लिया।
3. 2 अगस्त 2022 : छात्र कल्याण संघ द्वारा आयोजित नवप्रवेशित विद्यार्थियों के परिचय कार्यक्रम में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में काग्युद वंश और उसका दर्शन विषय पर वक्ता के रूप में भाग लिया।
4. 6 नवम्बर 2022 : पुरातन छात्र समिति, के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ द्वारा तिब्बती एवं हिमालयी अध्ययन पर आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता के रूप में भाग लिया।
5. 10 फरवरी - 12 फरवरी 2023 : भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के मध्य बहुआयामी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्पर्क पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सह संयोजक एवं वक्ता के रूप में भाग लिया।

समिति सदस्य के लिए मनोनीत:

1. 4 से 6 नवंबर, 2022 : के.उ.ति.शि.सं. एवं पुरातन छात्र समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित सी.आई.एच.टी.एस. एलुमनाई ऑन तिब्बतन एण्ड हिमालयन स्टडीज और "प्रो. एस. रिनपोछेस टीचिंग" तथा "शॉर्ट पूजा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान पारंपरिक अनुष्ठान की प्रस्तुति के लिए नियुक्त किया गया।

(ख) साक्या सम्प्रदाय

(1) प्रो. टशी छेरिङ् (एस.) - प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, सम्प्रदाय शास्त्र

(2) भिक्षु डक्पा सेङ्गे - एसोसिएट प्रोफेसर

(3) भिक्षु नवांग जोद्पा - अतिथि प्राध्यापक

(4) श्री छेरिंग समडुप - सहायक शिक्षक

(5) लोपन नवांग थोकमे - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

प्रो. टशी छेरिङ् (एस.)

1. मुख्य सतर्कता अधिकारी
2. डीन, अकादमिक, के.उ.ति.शि.सं.
3. सम्प्रदाय विभागाध्यक्ष
4. पुस्तकालय प्रभारी, अध्यक्ष
5. शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक
6. संस्थानीय अधिशासी बोर्ड के सदस्य
7. संस्थानीय सोसायटी सदस्य
8. विभिन्न समितियों जैसे पुस्तक चयन समिति आदि के अध्यक्ष।
9. 25 वर्षों से अधिक समय तक सेवा देने के लिए के.उ.ति.शि.सं. के छात्र कल्याण संघ से मोमेंटो प्राप्त किया।
10. तारा साधना, शाक्य पंडिता द्वारा लिखित और मेरे द्वारा अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत में अनुवादित, धीः जर्नल, के.उ.ति.शि.सं. से मई 2022 में प्रकाशित हुआ।
11. जुलाई 2022 : के.उ.ति.शि.सं. में अपने चार दिवसीय प्रवास के दौरान "अमेरिका से भारत में ओबेरियो शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम" के प्रतिभागियों को बौद्ध धर्म दर्शन का शिक्षण किया।
12. "अंतर धार्मिक सद्भाव (तर्क के माध्यम से सिद्ध करना)" विषय पर लेख जुलाई 2022 में धर्म व्हाइट कोंच जर्नल, देहरादून में प्रकाशित हुआ।
13. 6 जुलाई 2022 : के.उ.ति.शि.सं. में परम पूज्य दलाई लामा के 87वें जन्मदिन समारोह के दौरान सार्वभौमिक उत्तरदायित्व विषय पर भाषण दिया गया।
14. अंग्रेजी में शाक्य धार्मिक इतिहास का अनुवाद शाक्य कॉलेज, देहरादून द्वारा अक्टूबर 2022 में उनके स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान प्रकाशित किया गया।
15. अक्टूबर 2022 : "ध्यान का अभ्यास" विषय पर लेख डी.के. प्रिंट वर्ल्ड लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित किया गया।
16. स्वातंत्रिक और प्रासंगिक माध्यमिक विद्यालय के बीच मतभेद के विषय पर लेख अक्टूबर 2022 में शाक्य कॉलेज, देहरादून द्वारा प्रकाशित किया गया।
17. शाक्य और गेलुग स्कूल के बीच मतभेद के विषय पर मेरा लेख नवंबर 2022 में के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्र संघ द्वारा प्रकाशित किया गया था।
18. 28-29 अक्टूबर 2022 : शाक्य कॉलेज, देहरादून द्वारा आयोजित "चतुर्थ परिषद" के सेमिनार में भाग लिया और पेपर पढ़ा, जिसका उद्घाटन परम पूज्य शाक्य त्रिचेन और भारतीय सांसद मीनाक्षी लेखी जी ने किया।

19. एमईए और एमओई, भारत सरकार के तहत बौद्ध दर्शन की यूजीसी एमओओसी कोर्स वीडियो शूटिंग पूरी की। मॉड्यूल थे: आश्रित उत्पत्ति, शून्यता, माध्यमिक में प्रवेश का सार और कीमती माला।
20. 31 अक्टूबर - 6 नवंबर 2022 : के.उ.ति.शि.सं. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन।
21. 4-6 नवंबर 2022 : प्रोफेसर सम्दोंग रिनपोछे के 83वें जन्मदिन समारोह के दौरान के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर पढ़े।
22. महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, आईएसएसएन द्वारा धर्मदूत, यूजीसी केयर जर्नल में "माइंडफुलनेस, डिपेंडेंट ओरिजिनेशन एंड द फोर सील्स" विषय पर लेख प्रकाशित, एस.एस.एन.: 2347 3428
23. 27-28 दिसंबर 2022 : वाटपा, बोधगया में परमपावन दलाई लामा के दक्षिण पूर्व एशियाई कार्यालय द्वारा आयोजित पालि और संस्कृत अंतर्राष्ट्रीय भिक्खु विनिमय कार्यक्रम 2022 में संचालन और भाग लिया।
24. अगस्त 2022 : डॉ. अनिमेष प्रकाश का प्रकाशन "टैमिंग द सर्पेंट किंग नंदोपानाना: हिस्ट्री, ट्रांसमिशन एंड ट्रांसलेशन ऑफ पाली एंड तिब्बती डिस्कोर्स" पर मेरी समीक्षा महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता, यूजीसी केयर जर्नल द्वारा प्रकाशित किया गया। आईएसएसएन: 0025 0406
25. यूएसए के अकादमिक एक्सचेंज प्रोग्राम के छात्रों को बौद्ध दर्शन पढ़ाया।
26. 4-13 जनवरी 2023 : के.उ.ति.शि.सं. में "द्वंद्वात्मकता के माध्यम से आधुनिक विज्ञान का शिक्षाशास्त्र" विषय पर पूरे भारत के तिब्बती भाषा शिक्षकों के लिए कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान भाषण दिया।
27. 10-12 फरवरी 2023 : पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

भिक्षु डक्पा सेड्गे

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 2 अगस्त 2022 : 50वें छात्र कल्याण संघ द्वारा आयोजित पीएम प्रथम वर्ष की कार्यशाला के दौरान तिब्बती बौद्ध धर्म के शाक्य स्कूल के दर्शन पर व्याख्यान दिया।
2. 28 सितंबर, 2022 : संस्थान के नियमों के अनुसार मेंटरशिप कार्यक्रम की जिम्मेदारी ली और शास्त्री, तृतीय वर्ष के 6 छात्रों को मार्गदर्शन दिया। शिक्षा, अनुशासन और समग्र व्यक्तिगत विकास के क्षेत्र में उनकी देखभाल करने के लिए।
3. सीआईबेएस, लेह लद्दाख के शोध छात्र रेव्ह त्सेवांग दोरजी के सह-निदेशक, शीर्षक पर : कुन्झी ला डीबीयू सेम्स ग्नीस क्यी ग्रेंग्स नगेस त्शुल डांग डे डेग ला बोड क्यी चोस रग्युड सेनपो बझी' बझेदपा म्थुन मिन ला दप्याद पा पर सहायता दी।
4. पीएचडी छात्र वेन डेचेन वांग्मो के लिए अपने शोध शीर्षक : बौद्ध दर्शन में "गोत्र" शब्द किस प्रकार स्पष्ट हुआ और समानता में इसकी प्रासंगिकता क्या है? विषय पर निर्देशन किया।
5. 30 दिसंबर 2022 से 17 जनवरी 2023 : अकादमिक एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आने वाले छात्रों को बोधिसत्व-चर्यावतार (बोधिसत्व के जीवन जीने का तरीका) पर व्याख्यान दिया।

शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया:

1. 13 जुलाई 2022 : आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतीक के रूप में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ और संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस (धर्मचक्र प्रवर्तन सारनाथ, भारत) पर आषाढ़ पूर्णिमा सम्मेलन के लिए प्रतिनिधि के तौर पर भाग लिया।

2. 13 जुलाई, 2022 : धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस के धर्मचक्र प्रवर्तन सूत्र समारोह में भाग लिया।
3. 25 से 30 अक्टूबर 2022 : गैंड तिब्बतन सेमिनार के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित: देहरादून में शाक्य कॉलेज की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के दौरान शाक्य परंपरा परिषद के सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया।
4. 4 से 6 नवंबर, 2022 : सी.आई.एच.टी.एस. एलुमनाई ऑन तिब्बतन एण्ड हिमालयन स्टडीज पर आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रो. एस. रिनपोछे टीचिंग ऑन पैथ ऑफ श्री पर्सन शॉन इन बोधिसत्त्वचर्यावतार विषयक व्याख्यान में भाग लिया।
5. 4-6 नवंबर 2022 : तिब्बती विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। एल्युमिनी एसोसिएशन ऑफ सीआईएचटीएस और सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बती स्टडीज सारनाथ वाराणसी द्वारा हिमालयन स्टडीज का आयोजन किया गया।
6. 18 जनवरी, 2023 : अतिशा हॉल में "अभिनवगुप्त और दया कृष्ण के बीच : के.सी. भट्टाचार्य ऑन अदर माईड्स" विषय पर प्रो. जे. गारफील्ड के व्याख्यान में भाग लिया।

लघु परियोजनाएँ

1. 'ए त्सद्रा फाउंडेशन इनिशिएटिव' और शेचेन मठ, काठमांडू नेपाल के प्रकाशन में लेख "लॉर्ड रोंटोंग और अन्य द्वारा बुद्ध प्रकृति पर विचार" का सार प्रकाशित।
2. 25 से 30 अक्टूबर 2022 : शाक्य कॉलेज देहरादून भारत द्वारा शाक्य की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के दौरान 'स्प्लेंडिफेरस 50 इयर्स 1972-2022' के प्रकाशन में लेख "मन की प्रकृति पर माध्यमिक और चित्तमात्रिता के विचार" प्रकाशित कॉलेज, देहरादून।

समितियों के सदस्य के रूप में नामांकित

1. 15 जुलाई, 2022 : शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में नामांकित।
2. 26 जुलाई, 2022 : शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए शुरू हुई बौद्ध दर्शन पीएम प्रथम वर्ष, ललित कला यूएम प्रथम वर्ष और भोट ज्योतिष यूएम प्रथम वर्ष की कक्षाओं के लिए शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।
3. 2 अगस्त, 2022 : पहले और दूसरे अधिसत्र की जांच समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
4. 28 सितंबर, 2022 : 2022-2023 के लिए एसएसयू के अध्यक्ष के रूप में चुने गए।
5. विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी) 2022-23 के सदस्य के रूप में नामांकित।
6. रिग्लैम (दार्शनिक वाद-विवाद) परीक्षण मूल्यांकन "डायलेक्टिक्स 2022-23" के माध्यम से आधुनिक विषयों व शिक्षाशास्त्र के सदस्य के रूप में नामांकित।
7. नवंबर, 2022 में संस्थान में नैक पीयर टीम के दौरे के दौरान महा-शास्त्रार्थ (दार्शनिक द्वंद्वात्मक बहस) प्रस्तुति के आयोजन के लिए टीम के सदस्य के रूप में नामांकित।
8. कंठ वाक-परीक्षा (वार्षिक मौखिक परीक्षा) 2022-2023 के सदस्य के रूप में नामांकित।

(ग) ञिङ्मा सम्प्रदाय

(1) खेनपो सङ्गा तेनज़िन	-	असिस्टेंट प्रोफेसर
(2) भिक्षु सोनम दोर्जे	-	अतिथि प्राध्यापक
(3) खेनपो ओग्येन जम्पा	-	अतिथि प्राध्यापक
(4) पेल्जङ् थरगे गुरुन	-	अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

खेनपो सङ्गा तेनज़िन

समिति सदस्य के लिए नामांकित:

1. निंगमा संप्रदाय, 2022 के विषय हेतु मॉडरेशन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।
2. 2 अगस्त, 2022 : प्रथम एवं द्वितीय अधिसत्र की संवीक्षा समिति एवं पुरस्कार वितरण समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
3. 15 अगस्त, 2022 : अतिशा हॉल में छात्रों के बीच 'स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों का महत्व' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
4. 12 जनवरी, 2023 : "द्वंद्वात्मकता के माध्यम से आधुनिक विषय का शिक्षाशास्त्र" में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का मूल्यांकन करने हेतु संस्थान के नालंदा भवन में आयोजित रिग्लैम टेस्ट मूल्यांकन के लिए शिक्षक समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त।
5. 1 मार्च 2023 से 15 मार्च, 2023 : सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा बीएसआरएमएस के लिए आयोजित 15 दिनों का प्रेरणा कार्यक्रम भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग द्वारा निर्धारित पहले व्यावसायिक बीएसआरएमएस पर चर्चा करने के लिए नियुक्त।

खेनपो ओग्येन जम्पा

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 28 सितंबर, 2022 : संस्थान के नियमों के अनुसार मेंटरशिप कार्यक्रम की जिम्मेदारी ली और 6 छात्रों की शिक्षा, अनुशासन आदि के क्षेत्र में देखभाल करने के लिए उनके गुरु का दायित्व निभाया।

(घ) गेलुक् सम्प्रदाय

(1) भिक्षु लोब्संग ज्ञलछेन	-	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सम्प्रदाय शास्त्र)
(2) डॉ. नवांग तेनफेल	-	असिस्टेंट प्रोफेसर
(3) गेशे थर्ख्ये	-	असिस्टेंट प्रोफेसर

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

गेशे नवांग तेनफेल

समिति सदस्य के रूप में नामांकित:

1. 6 जुलाई, 2022 : परमपावन 14वें दलाई लामा की 87वीं जयंती मनाने के लिए "सार्वभौमिक जिम्मेदारी" पर एक दिवसीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य के रूप में नामांकित।
2. वर्ष 2022-2023 के लिए गेलुग्पा छात्र कल्याण समिति (जीएसडब्ल्यूसी) के प्रभारी के रूप में चुने गए।
3. के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों हेतु 2022-2023 के अध्यक्ष चुने गए।
4. 13 जुलाई, 2022 : धम्मेख स्तूप पर भिक्षु छात्रों को धर्म चक्र प्रवर्तन सूत्र का जाप करने और धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस के समारोह में भाग लेने के लिए छात्रों और शिक्षकों की व्यवस्था करने का दायित्व सौंपा गया।
5. 15 जुलाई, 2022 : शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए प्रवेश समिति के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत।

6. 1 और 3 अगस्त, 2022 : अतिशा हॉल में सभी छात्रों और कर्मचारियों द्वारा तिब्बती में संपूर्ण अनुवाद के सूत्रपाठ को पढ़ने की समग्र व्यवस्था की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया।
7. 2 अगस्त, 2022 : पुरस्कार वितरण समिति के लिए जाँच समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।
8. 15 अगस्त, 2022 : अतिशा हॉल में छात्रों के बीच 'स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों का महत्व' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
9. कंठस्थ या मौखिक पाठ 2022-2023 के सदस्य के रूप में नामांकित।
10. के.उ.ति.शि.सं. सत्र 2022-2023 की संगोष्ठी, सम्मेलन, शिक्षण और उद्घाटन के लिए चैन्टिंग कमेटी का सदस्य नामित।
11. 18 से 20 अक्टूबर, 2022 : हमारे संस्थान में नैक पीयर टीम के दौरे के दौरान संस्थान के पूर्व छात्रों और अभिभावकों की देखभाल की जिम्मेदारी संस्थान के प्राधिकार से प्राप्त आदेश के अनुसार सफलतापूर्वक निभाई गई थी।
12. 4 से 6 नवंबर, 2022 : सभी कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों की छोएज़ुग में दिखाए गए तीन व्यक्तियों के मार्ग पर प्रो. एस. रिनपोछे के शिक्षण तिब्बती और हिमालयी अध्ययन विषय पर के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय दिवसीय कार्यक्रम की आयोजन समिति के अध्यक्ष सम्मेलन और लघु पूजा सभा के तीन के रूप में नामित।
13. 4 से 6 नवंबर, 2022 : तिब्बती और हिमालय अध्ययन और "प्रो. एस. रिनपोछे का शिक्षण" और "लघु पूजा" विषय पर के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान पारंपरिक अनुष्ठान तैयार करने की जिम्मेदारी के रूप में नियुक्त किया गया।
14. प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 2022-2023 के दौरान अधीक्षक के रूप में नामांकित।
15. 5 नवंबर, 2022: महामहिम प्रो. समदोंग रिनपोछे के जन्मदिन के उत्सव के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, शिक्षण और अभिनंदन के लिए एक आयोजन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
16. 29 दिसंबर, 2022 से 2 जनवरी, 2023 : परम पावन 14वें दलाई लामा के बोधगया शिक्षण के दौरान छात्र कल्याण के डीन के रूप में कार्य किया, संस्थान ने सत्र के दौरान छात्रों की अनुशासन बनाए रखने के साथ-साथ बोधगया यात्रा की समग्र व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी दी।
17. ग्युटो तांत्रिक मठ से संपर्क करने और भिक्षु कलाकारों को मंडला बनाने के लिए आमंत्रित करने और हमारे संस्थान में नैक दौरे के दौरान उनके आतिथ्य और संस्कार और अनुष्ठानों के प्रदर्शन की देखभाल करने के लिए नियुक्त किया गया और 1 सितंबर को सफलतापूर्वक कार्यभार संभाला।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 10 जून 2022 : हिमालयन बौद्ध पुस्तकालय और सांस्कृतिक केंद्र काठमांडू, नेपाल द्वारा आयोजित पूजा के इरादे पर विशेष व्याख्यान दिया है।
2. 5 जुलाई, 2022 : के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों के अध्यक्ष होने के नाते, अवलोकितेश्वर के मंत्र का पाठ का आयोजन किया और के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्र संघ द्वारा परम पावन 14वें दलाई लामा को उनके जन्मदिन पर पढ़े गए मंत्रों की सूची सौंपी गई।

3. 3 सितंबर, 2022 : नैक पीयर टीम के दौरे के लिए नालंदा भवन के समिति कक्ष में छात्र कल्याण डीन की जिम्मेदारी के संबंध में एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन बनाया गया।
4. 5 सितंबर, 2022 : के.उ.ति.शि.सं. के आईक्यूएसी द्वारा अतिशा हॉल में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह के दौरान भाग लिया और 'शिक्षण में उत्कृष्टता का पुरस्कार' प्राप्त किया।
5. 28 सितंबर, 2022 : संस्थान के नियमों के अनुसार मेंटरशिप प्रोग्राम की जिम्मेदारी ली और शास्त्री तृतीय वर्ष के 6 छात्रों की शिक्षा, अनुशासन आदि के क्षेत्र में देखभाल करने के लिए उनके मेंटर का काम किया।
6. 2 अक्टूबर, 2022 : स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा आयोजित गांधी जयंती स्टूडेंट्स टैलेंट शो में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
7. अक्टूबर, 2022 : 50वें एसडब्ल्यूए द्वारा आयोजित "बीडीआरसी और "फ़ोटोशॉप तथा संलेखन" के माध्यम से बुद्ध की शिक्षाओं की खोज कैसे करें" विषय पर कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान के.उ.ति.शि.सं. के छात्रों के लिए "बुद्ध की शिक्षाओं का महत्व" पर व्याख्यान दिया।
8. 4-6 नवंबर, 2022 : के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में, के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्र और के.उ.ति.शि.सं. ने संयुक्त रूप से तिब्बती एवं तिब्बती विषय पर के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्रों का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। आचार्य दीपंकरश्रीज्ञान के बोधिपथप्रदीप पर हिमालयी अध्ययन और शिक्षण (प्रेरणा के तीन चरणों का व्यावहारिक पहलू) एच.ई. प्रो. समदोंग रिनपोछे द्वारा।
9. 6 नवंबर, 2022 : आतिशा हॉल में आयोजित तिब्बती और हिमालय अध्ययन विषय पर के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्रों के अध्यक्ष के रूप में स्वागत भाषण दिया।
10. 16 जनवरी, 2023 : 50वीं एसडब्ल्यूए द्वारा आयोजित के.उ.ति.शि.सं. छात्रों के अन्तर्विद्यालयी (इंटरक्लास) बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
11. 19 जनवरी, 2023 : एसडब्ल्यूए स्वर्ण जयंती के अवसर पर 50वीं एसडब्ल्यूए द्वारा आयोजित 'इंटर-क्लास तिब्बती एक्सटेम्पोर भाषण प्रतियोगिता' के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और सीआईएचटीएस के छात्रों को व्याख्यान दिया।
12. 26 जनवरी, 2023 : भारत के गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इंटरक्लास बास्केटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
13. छात्र कल्याण संघ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी, 2023 के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान छात्र कल्याण के डीन के रूप में "विभिन्न विषयों पर छात्रों के एकत्रित लेख" किताब की प्रस्तावना लिखी।
14. वर्ष 2023 में आयोजित **छात्र कल्याण संघ की स्वर्ण जयंती स्मारिका** छात्र कल्याण के डीन के रूप में एक संदेश में योगदान दिया।

लघु परियोजना:

1. के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2022 की पुस्तक "तिब्बती और हिमालयी अध्ययन पर लेखों का संग्रह" के लिए संपादकीय सदस्य के रूप में काम किया। धीः प्रकाशन, सत्तनाम प्रिंटर्स, पांडेपुर, वाराणसी। आईएसबीएन: 9781948203180.

2. वेन गोए पेमा ग्यलत्सेन की एकत्रित रचनाएँ (खंड IV) नई दिल्ली, भारत में मुद्रित "गोस पद+मा रग्याल मतशान गी गसुंग रत्सोम फ्योग्स बीएसआरआईजीएस ल्हाग बीएसएम डीकर पो/(पॉड बझी पा/) के सह-संपादक के रूप में काम किया।
3. "खेन रिनपोछे कर्मा तेनसुंग के एकत्रित भाषण" 8वें संस्करण की पुस्तक के संपादक के रूप में काम किया। धीः प्रकाशन, 2023 में मुद्रित। आईएसबीएन: 9781948203197।
4. वर्ष 2023 में मनाई गई स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की स्वर्ण जयंती स्मारिका के संपादक के रूप में कार्य किया।
5. स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी के स्वर्ण जयंती समारोह, 2023 के दौरान "विभिन्न विषयों पर छात्रों के एकत्रित लेख" पुस्तक के लिए संपादकीय समिति के सलाहकार के रूप में काम किया।
6. जीएसडब्ल्यूसी, 2022 द्वारा प्रकाशित "गेलुग चोएजोड" के सह-संपादक के रूप में काम किया।

गेशे थर्ख्ये

समिति सदस्य के लिए मनोनीत:

1. 6 जुलाई, 2022 : परमपावन 14वें दलाई लामा के 87वें जन्मदिन को मनाने के लिए "सार्वभौमिक जिम्मेदारी" पर एक दिवसीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।
2. 2022-2023 - जीएसडब्ल्यूसी के प्रभारी चुने गए।
3. 13 जुलाई, 2022 : धम्मेख स्तूप पर भिक्षु छात्रों को धर्म चक्र प्रवर्तन सूत्र का जाप करने और धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस के समारोह में भाग लेने के लिए छात्रों और शिक्षकों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी गई।
4. 1 और 3 अगस्त, 2022 : आतिशा हॉल में सभी छात्रों और कर्मचारियों द्वारा तिब्बती में संपूर्ण अनुवाद के सूत्रपाठ को पढ़ने की समग्र व्यवस्था की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया।
5. 15 अगस्त, 2022 : आतिशा हॉल में छात्रों के बीच 'स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों का महत्व' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता की आयोजन समिति में काम किया।
6. 2022-2023 - कण्ठस्थ या मौखिक परीक्षा के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।
7. 2022-2023 - "जप समिति" के सदस्य; सेमिनार के लिए. सीआईएचटीएस के सम्मेलन, शिक्षण और उद्घाटन समारोह।
8. 4 से 6 नवंबर, 2022 : तिब्बती और तिब्बती विषय पर सीआईएचटीएस पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान पारंपरिक अनुष्ठान की तैयारी के लिए सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। हिमालय अध्ययन" और "प्रो. एस. रिनपोछे की शिक्षा" और "लघु पूजा" विषय पर।
9. 5 नवंबर, 2022 : महामहिम प्रोफेसर समदोंग रिनपोछे के जन्मदिन के उत्सव के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, शिक्षण और अभिनंदन की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 28 सितंबर, 2022 : संस्थान के नियमों के अनुसार मेंटरशिप कार्यक्रम की जिम्मेदारी ली और शास्त्री तृतीय वर्ष के 6 छात्रों की शिक्षा, अनुशासन आदि के क्षेत्र में देखभाल के लिए उनके गुरु का दायित्व निभाया।

2. 4-6 नवंबर, 2022 : सीआईएचटीए के पूर्व छात्रों और छात्रों ने भाग लिया। सीआईएचटीएस ने संयुक्त रूप से तिब्बती एवं तिब्बती विषय पर सीआईएचटीएस पूर्व छात्रों का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। आचार्य दीपंकर श्रीज्ञान के बोधिपथप्रदीप पर हिमालयी अध्ययन और शिक्षण (प्रेरणा के तीन चरणों का व्यावहारिक पहलू) एच.ई. प्रो. समदोंग रिनपोछे द्वारा।

(III) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

बोन सम्प्रदाय तिब्बत का एक प्राचीन धर्म है। इसकी हजारों वर्षों से अविच्छिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक एवं दार्शनिक परम्परा चली आ रही है। इस सम्प्रदाय में प्रचुर मात्रा में दर्शन, तर्क-शास्त्र आदि विषयों के साहित्य उपलब्ध हैं।

इस संस्थान में बोन सम्प्रदाय के साहित्य को दो भागों में विभाजित कर सुयोग्य अध्यापकों द्वारा अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की गयी है। प्रथम भाग में बोन सम्प्रदाय के शास्ता शेनरब द्वारा उपदिष्ट वचनों और पूर्व के आचार्यों के ग्रन्थों को तथा द्वितीय भाग में 8वीं शताब्दी के पश्चाद्वर्ती आचार्यों के ग्रन्थों को रखा गया है।

(1) भिक्षु गोरिग तेन्जिन छोगदेन - एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (अवकाश पर)
(2) भिक्षु गोरिग लुङरिग् लोदेन वांगछुक - एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, छात्र कल्याण सङ्काय
(3) भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोक त्रिमा - असिस्टेंट प्रोफेसर
(4) भिक्षु नमदक छुकफुद - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोक त्रिमा

सेमिनार, कार्यशालाएँ, पुस्तक-संपादन और शोध लेख

1. पुस्तक के लेखक मेटन शेरब वोसर का परिचय लिखा «ང་རྒྱལ་སྒྲུབ་བྲགས་ཀྱི་རྣོན་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་སུམ་བརྒྱ་ཉི་ཤུ་པ།» बयांग चुब सग्रब थाब्स की बॉन टीशिम्स सु बीसीएडी पीए सम ब्रग्या नई श्‌ पा, आईएसबीएन 978-81-948913-8-3 2022, दिल्ली में प्रकाशित।
2. पुस्तक का संपादन किया गया «མཛོད་བཅུ་དང་རྣམ་རྒྱལ་བསྐོར་ཐུག་གི་འགྲེལ་པ།» मदज्राद बचू डांग रनम ग्याल बस्टोड फयाग गी ग्रेल बा 2022 में नई दिल्ली से प्रकाशित।
3. 13 जुलाई 2022 : आषाढ़ पूर्णिमा धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस (धर्मचक्र प्रवर्तन दिवस) में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।
4. 2022 में राष्ट्रीय असाम्प्रदायिक सपन सेमिनार में भाग लिया।
5. 13-14 सितंबर 2022 : बोन अध्ययन संगोष्ठी पर एक पेपर प्रस्तुति दी।
6. 4-6 नवंबर 2022 : तिब्बती और हिमालय अध्ययन विषय पर सीआईएचटीएस पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
7. ग्रीष्मकालीन अभियान, "युंगड्रंग बॉन का परिचय", चिट्स, 2022 में एक पेपर प्रस्तुति दी।
8. एसमेनरी मठ के 30वें बॉन-एसजीओ जर्नल में एक शोध लेख प्रकाशित हुआ «བན་དེའི་གསུང་རབ་ཁྲོད་ནས་རྙེད་པའི་ཞང་ཞུང་གི་སྐད།»

9. 12-14 फरवरी 2023 : वरिष्ठ छात्रों के शीतकालीन अभियान, चिट्स पर पेपर प्रस्तुति दी।

विभिन्न संगठनों और समितियों के सदस्य

1. बॉन संप्रदाय 2022-2023 के विभाग प्रमुख के रूप में नियुक्त
2. अकादमिक परिषद सीआईएचटीएस, वाराणसी 2022-2023 के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया
3. प्रवेश समिति, सीआईएचटीएस 2022-2023 के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया
4. अनुसंधान डिग्री समिति (आरडीसी) 2022-2023 के सदस्य
5. महाशास्त्रार्थ 2022-2023 के सदस्य

भिक्षु नमदक छुकफुद

शिक्षण आचरण:

1. 30वीं युंड्रुंग बॉन छात्र समिति, सीआईएचटीएस 2022-2023 के अध्यक्ष के रूप में चुने गए।
2. 10 जून 2022 को हिमालयन बुद्धिस्ट लाइब्रेरी द्वारा आयोजित पूजा के इरादे पर एक विशेष सांस्कृतिक केंद्र काठमांडू, नेपाल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

(ख) शब्द विद्या संकाय

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - संकायाध्यक्ष

इस संकाय में भारतीय प्राचीन एवं अर्वाचीन भाषाओं तथा तिब्बती भाषा के स्वरूप का परिचय तथा उनके साहित्य की शिक्षा प्रदान की जाती है। बौद्धधर्म व विशेषतः महायान दर्शन, साहित्य की मूल भाषा संस्कृत के व्याकरण, गद्य, पद्य, महाकाव्य, नाटक, छन्द आदि की शिक्षा अनिवार्य संस्कृत के अन्तर्गत तथा खवर्ग वैकल्पिक संस्कृत पाठ्यक्रम के तहत बौद्ध जातक, अवदान, नीतिशास्त्र, काव्यशास्त्र, सांख्य वेदान्त तथा प्रमाण आदि का अध्ययन किया जाता है। स्नातकोत्तर के बाद पी-एच.डी. उपाधि हेतु संस्कृत पुनरुद्धार भी छात्र-छात्रायें करते हैं। इस दिशा में अनेक वरिष्ठ ऐसे शोधछात्रों का शोध पुनरुद्धार भी सम्पन्न कराया है, जो उच्च पदों पर आसीन हैं। इसके लिए इस संकाय में संस्कृत विभाग की स्वतन्त्र स्थापना की गई है। तिब्बती भाषा व उसके साहित्य के अध्ययन हेतु स्वतन्त्र तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग कार्यरत हैं। इस भाषा का अध्ययन छात्रों के लिए अनिवार्य रूप में करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त हिन्दी, अंग्रेजी तथा पालि का अध्ययन प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग के अन्तर्गत किया जाता है। इसमें हिन्दी या अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किसी एक का अनिवार्य रूप से अध्ययन अपेक्षित है। वहीं पालि भाषा व उसके वाङ्मय की शिक्षा वैकल्पिक खवर्ग पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दी जाती है।

(I) संस्कृत विभाग

(1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - प्रोफेसर, शब्दविद्यासङ्कायाध्यक्ष व संस्कृत विभागाध्यक्ष (नवम्बर 2022 से)

(2) डॉ. अनिर्वाण दाश - एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (नवम्बर 2022 से डिपुटेशन अवकाश पर)

(3) दो पद रिक्त - प्रोफेसर-1, सहायक प्रोफेसर-1

विभागीय गतिविधियाँ

अतिरिक्त विभागीय आचार्यों के द्वारा शिक्षण

(1) प्रो. पेमा तेनजिन, अध्यक्ष- अनुवाद विभाग - उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष, अनिवार्य संस्कृत कक्षा।

(2) डॉ. रामजी सिंह, सहायक आचार्य, अनुवाद विभाग - पूर्वमध्यमा तथा उत्तरमध्यमा के दोनों खण्डों में चार संस्कृत कक्षायें।

(3) डॉ. दावा शेर्पा - पूर्वमध्यमा प्रथम, शास्त्री प्रथम, अनिवार्य संस्कृत तथा सोवा-रिग्पा विभाग की उत्तरमध्यमा प्रथम व द्वितीय वर्षीय कक्षायें।

(4) डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी, शोध सहायक (संविदा), कोश विभाग – पूर्वमध्यमा द्वितीय अनिवार्य संस्कृत, शास्त्री तृतीय खवर्ग संस्कृत कक्षा।

(5) डॉ. उमाशंकर शर्मा, अतिथि प्राध्यापक ज्योतिष, उत्तरमध्यमा द्वितीय, शास्त्री द्वितीय अनिवार्य संस्कृत व शास्त्री, प्रथम खवर्ग संस्कृत कक्षायें।

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी

विभागीय गतिविधियाँ-

1. 18 अक्टूबर 2022 - नैक मूल्यांकन टीम के समक्ष संस्कृत विभागीय पंचवर्षीय विवरण पी.पी.टी. माध्यम से प्रस्तुत किया।

2. 18 अक्टूबर 2022 - संस्कृत विभाग के माध्यम से नैक मूल्यांकन समिति के आगमन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत स्व प्रणीत व निर्देशित भोट एवं भारतीय ज्ञान-परम्परा की झलक शीर्षकीय नाटक का मंचन अतिश सभागार में किया गया।

3. 6 फरवरी 2023 से एक मास पर्यन्त संस्कृत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कक्षाओं के छात्रों ने संस्कृत सम्भाषण, अनुवाद व प्रयोग का विशेष अभ्यास किया।

शोध निबन्ध प्रकाशन

1. "उत्तररामचरित नाटक के चित्र-दर्शन प्रथम अंक का दाम्पत्य सन्देश" शीर्षकीय निबन्ध राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा बोधिप्रभ अंक-2, सन् 2022 में प्रकाशित।
2. "सारंगनाथ शिव मन्दिर परिचय एवं विमर्श" शीर्षकीय शोध निबन्ध काशी के शिव विग्रह एवं शिव मन्दिर नामक ग्रन्थ सन् 2022 में प्रकाशित, प्रकाशक- ज्ञानप्रवाह अध्ययन एवं शोध केन्द्र, सामनेघाट, वाराणसी।
3. "मुक्तालतावदानकथाकाव्यगतं भावसौन्दर्यम्" शीर्षकीय निबन्ध "राजेन्द्रयशोभूषणम्" नामक ग्रन्थ, सन् 2023 में प्रकाशित, प्रकाशक- प्रोफेसर राजेन्द्र नानवती कॉमरमोरेशन कमेटी, बड़ोदरा, गुजरात से प्रकाशित।
4. "श्लाघनीय शोधप्रबन्ध का शुभाशंसन" शीर्षकीय रचना "श्रीकृष्णकर्णामृत - एक अनुशीलन ग्रन्थ" में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन.- 978-93-91297-08-4
5. "गोपाङ्गनावैभवम्" डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा एसो. प्रो. जे.एन.यू., नई दिल्ली द्वारा रचित काव्य में भूमिका, पृ. 33-91, लेखन- आई.एस.बी.एन.- 978-93-95533-03-4, 2022, लिटरेरी सर्किल सी. 13, प्रथम तल, खण्डेलवाल गर्ल्स कालेज के सामने, संसार चन्द्र रोड, जयपुर-303001
6. "अहो कवित्वं मधुरामृतं पिबेः" शीर्षकीय रचना "अर्वाचीनकविसंस्तवः"- ग्रन्थ में प्रकाशित, लेखक महाचार्य मनतोष भट्टाचार्य, सम्पादक वत्स देशराज शर्मा, प्रकाशक-सी. 26, बी. गली नं.3 सादतपुर विस्तार करावलनगर रोड, नई दिल्ली, सन् 2022, आई.एस.बी.एन.- 81-85504-54-7

पुरस्कार व सम्मान

1. 20 मार्च 2023 – श्री स्वामी नारायण मन्दिर भुज, जनपद कच्छ, गुजरात में "व्याकरण काव्यविद्या कौस्तुभमणि" नामक सम्मान की प्राप्ति।

2. 29 मार्च 2023 – उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान भाषा विभाग, लखनऊ के माध्यम से महर्षि नारद पुरस्कार-2021, एक लाख, 1 हजार धनराशि चेक सहित प्राप्त।

3. 25 वर्षीय सेवा सम्पूर्ति पर छात्रकल्याण समिति के द्वारा स्वर्ण जयन्ती पर मोमेन्टो प्राप्त किया।

सम्मानित व्याख्यान

1. 25 सितम्बर 2022 - काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी साप्ताहिक रविवासरीय मालवीय भवन गीता प्रवचन के अन्तर्गत गीता के तृतीय अध्याय पर व्याख्यान दिया गया।

2. 29 सितम्बर 2022 – राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
3. 9 अक्टूबर 2022 – उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित वाल्मीकि जयन्ती के अन्तर्गत शास्त्रार्थ प्रतियोगिता के निर्णायक का दायित्व निभाया तथा व्याख्यान दिया।
4. 3 नवम्बर 2022 – शंकराचार्य परिषत् द्वारा आयोजित "मठाम्नाय महानुशासन विमर्श" संगोष्ठी में वक्तव्य दिया।
5. 4 दिसम्बर 2022 – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में गीता समिति द्वारा आयोजित प्रति रविवासरीय गीता प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
6. 11 दिसम्बर 2022 – भारतभाषा उत्सव कार्यक्रम में नोडल अधिकारी के तौर पर अध्यक्ष पद से व्याख्यान दिया।
7. 20 दिसम्बर 2022 – ज्योतिष्पीठाधीश्वर शङ्कराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के अभिनन्दन कार्यक्रम – श्रीविद्यामठ, केदारघाट, वाराणसी में व्याख्यान दिया।
8. 3 जनवरी 2023 – पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री जी की जन्मतिथि पर रंगभरी एकादशी को दो विद्वानों के प्रशस्ति पत्र की प्रस्तुति की।
9. 5 जनवरी 2023 – "बुद्ध की धरती पर कविता" विषयक द्विदिवसीय संगोष्ठी ने नोडल अधिकारी व अध्यक्ष के रूप में एक सत्रीय व्याख्यान दिया।
10. जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती बद्रिकापीठ शंकराचार्य तथा जगद्गुरु स्वामी सदानन्द महाराज शारदापीठ शंकराचार्य के पट्टाभिषेक पर संस्कृत अभिनन्दनपत्रम् लिखकर प्रस्तुत किया।
11. 19 जनवरी 2023 – उत्तर प्रदेश शासन पर्यटन एवं वन विभाग द्वारा रेणुसागर, अनपरा सोनभद्र में आयोजित "वायु प्रदूषण के शमन के उपाय एवं संस्कृत साहित्य" विषय पर व्याख्यान दिया।
12. 18 फरवरी 2023 – पद्मश्री प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी की पुण्यतिथि पर अनाथपिण्डद सभागार, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी में आयोजित संगोष्ठी में "वैश्विक परिदृश्य में करुणा" विषय पर व्याख्यान दिया।
13. 18 फरवरी 2023 – संस्कृतशौर्यम् फेशबुक पटल पर "प्रो. राधावल्लभत्रिपाठिनां रचनात्मकं योगदानम्" विषय पर आनलाईन व्याख्यान दिया।

कवि सम्मेलनों में कविता प्रस्तुति

1. 27 अप्रैल 2022 – वैदिक गण समूह फेसबुक पटल पर आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की तथा काव्यपाठ किया।
2. 14 अगस्त 2022 – उत्कल संस्कृत समिति द्वारा आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में ऑनलाईन संस्कृत काव्यपाठ की प्रस्तुत की।
3. 26 अगस्त 2022 – स्व. प्रो. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय की पुण्य स्मृति में नान्दी सेवा न्यास समिति सिगरा, वाराणसी द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में काव्यपाठ किया।
4. 7 नवम्बर 2022 – विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह के अन्तर्गत संस्कृत कवि सम्मेलन में कविता प्रस्तुति।
5. 30 दिसम्बर 2022 – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के दीक्षान्त समारोह पर आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में "दीक्षोत्सवे देवभाषायाः स्वागतवन्दनमाङ्गल्यम्" कविता की प्रस्तुति की।
6. 14 फरवरी 2023 – पद्मभूषण प्रो. विद्यानिवास मिश्र की पुण्य स्मृति पर सं.सं.वि.वि., वाराणसी में आयोजित संस्कृत कवि गोष्ठी में संस्कृत काव्यपाठ किया।

7. 22 मार्च 2023 – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय मालवीय भवन में आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में काव्यपाठ किया।
8. 25 मार्च 2023 – सं.सं.वि.वि., वाराणसी में अष्टावधानी कविता परीक्षण में निषिद्धाक्षरी प्राश्निक विशेषज्ञ का दायित्व निभाया।

संस्कृत कार्यक्रमों में सहभागिता व प्रस्तुति

1. 12 मई 2022 – प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी जी की पुण्यतिथि पर 28 महामनापुरी, वाराणसी में आयोजित श्रद्धाञ्जलि सभा में सहभाग किया व सम्मान प्राप्त किया।
2. 26 मई 2022 – पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री जी पुण्यतिथि पर आयोजित संस्कृत संगोष्ठी में दो विद्वानों के प्रशस्ति पत्र की ऑनलाईन प्रस्तुत की।
3. 4 जून 2022 – रामलला सदन रामकोट अयोध्या में रामलला मन्दिर प्रतिष्ठोत्सव में जगद्गुरु स्वामी राघवाचार्य से सम्मान प्राप्ति तथा उनके 'अभिनन्दनपत्रम्' की प्रस्तुति।
4. त्रिदण्डी आश्रम अयोध्या में जगद्गुरु विद्याभास्कर स्वामी जी की सभा में संस्कृत भाषण दिया तथा अभिनन्दनपत्रम् की प्रस्तुति की।

समितियों में सहभागिता

1. 2 मई 2022 – माननीय कुलपति जी अध्यक्षता में आयोजित रिसर्च डिग्री कमेटी की बैठक में सदस्य के रूप में सहभाग किया।
2. 9 मई 2022 – आई.क्यू.ए.सी. द्वारा आहूत नैक समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
3. 10 सितम्बर 2022 – नैक कोर समिति की बैठक में सदस्य के रूप में सहभाग किया।
4. 16 सितम्बर 2022 – वार्षिक रिपोर्ट समिति 2021-22 के अध्यक्ष के तौर पर सदस्यों की बैठक आहूत की गयी।
5. 12 जनवरी 2023 – के.उ.ति.शि.सं. – बोर्ड ऑफ गवनर्स समिति में सदस्य के तौर पर भाग लिया।
6. 1 मार्च 2023 – संस्थानीय एकेडमिक काउन्सिल में सदस्य के रूप में सहभाग किया।

7. 4-5 मार्च 2023 – "बुद्ध की धरती पर कविता" विषय पर प्रेमचन्द साहित्य संस्थान गोरखपुर तथा के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ के संयुक्त इण्डरनेशनल सेमिनार में नोडल अधिकारी के दायित्व का निर्वाह किया।

शोध-प्रबन्ध मूल्याङ्कन एवं मौखिक परीक्षा (वायवा)

1. 22 अप्रैल 2022 – सं.सं.वि.वि., वाराणसी द्वारा प्राप्त "चातुर्वर्ण्यसंस्कृतिविमर्शः" शीर्षकीय शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन कर परीक्षण रिपोर्ट प्रेषित की।
2. 24 अप्रैल 2022 – श्री गुरुकार्ष्णि विद्याभवन दुर्गाकुण्ड, वाराणसी में संस्कृत भारती संस्था द्वारा आयोजित शलाका परीक्षा में मौखिक प्राश्निक परीक्षक का कार्य सम्पन्न किया।
3. 07 मई 2022 – डॉ. अनिर्वाण दाश सम्पादित संस्कृत-पालि धातुकोश का परिष्कार किया।
4. 10 मई 2022 – सं.सं.वि.वि., वाराणसी के पूर्वमीमांसा विभाग के पी-एच.डी. छात्र मृत्युञ्जय पाण्डेय के शोध वायवा परीक्षक का कार्य किया।
5. 22 अगस्त 2022 – बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी में संस्कृत प्रोफेसर पद की चयन प्रक्रिया में संस्कृत विषय-विशेषज्ञ का दायित्व निर्वाह किया।
6. 19 दिसम्बर 2022 – "बुद्धचरिताश्रितनाटके काव्यतत्त्वानि इति" शीर्षकीय शोधप्रबन्ध, संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का परीक्षण कर रिपोर्ट आख्या प्रेषित की।
7. 26 दिसम्बर 2022 – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के शोधछात्र – 'पी-एच.डी.' का वायवा लिया।
8. 28 दिसम्बर 2022 – 'बोधिप्रभ' पत्रिका के लेखों का संशोधन किया।

सेमिनार

1. 21 जुलाई 2022 – वेदवाणी वितान केन्द्र, सतना म.प्र. में केन्द्रीय संस्कृत वि.वि., नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित "भाषाविज्ञान एवं व्याकरण" विषयक कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन भाषण किया।

2. 24-25 नवम्बर 2022 – श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली में आयोजित "सर्वदर्शनसंग्रह - अध्यापन" विषयक कार्यशाला में द्विदिवसीय ग्रन्थ शिक्षण, सहायक प्रोफेसर, सह प्रोफेसर व शोधछात्रों के लिये किया।
3. 15 फरवरी 2023 – गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, आजाद पार्क प्रयागराज में आयोजित व्याकरण अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किया।
4. 4-5 मार्च 2023 – "बुद्ध की धरती पर कविता" विषयक इण्टरनेशनल सेमिनार के एक सत्र की अध्यक्षता के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में की।
5. 17 मार्च 2023 – श्री स्वामिनारायण मन्दिर भुज, कच्छ गुजरात में आयोजित विद्वत्संगोष्ठी में "शिक्षापत्र्यां नारीविमर्शः" पर शोध निबन्ध प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
6. विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह के अन्तर्गत राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में "रघुवंशमहाकाव्ये पतिपत्नीविवाहपदानां प्रयोगस्थितिविमर्शः" विषय पर शोध निबन्ध प्रस्तुत किया।

शोध-निर्देशन

1. पासंग तेनजिन शोधछात्र के शोधकार्य का निर्देशन।
2. कोनछोक समडुप शोधछात्र के शोधकार्य का निर्देश व संशोधन।
3. ङवङ् ग्यलछन नेगी शोधछात्र के शोधकार्य का सहनिर्देशन।
4. लोब्सङ् छोडक शोधछात्र के शोधकार्य में सहनिर्देशन का दायित्व निर्वाह।
5. बुद्धा लामा शोधछात्र के शोधकार्य का मुख्य निर्देशन।
6. विमलमित्र शोधछात्र के शोधकार्य का मुख्य निर्देशन।

शोध-व्याख्यान

1. 4 अप्रैल 2022 – सन्त गणिनाथ पोस्ट ग्रेजुएट कालेज गोहना, मऊ (उ.प्र.) द्वारा आयोजित राष्ट्रिय संस्कृत शोध संगोष्ठी में अध्यक्ष के तौर पर व्याख्यान दिया।
2. 9 अगस्त 2022 – चातुर्वेद संस्कृत संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित "संस्कृतसंस्थाप्रचारप्रमुखाणां परिचयः" विषयक व्याख्यानमाला में पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री के संस्कृत प्रचार विषयक योगदान पर ऑनलाईन व्याख्यान दिया।
3. 12 अगस्त 2022 – श्री विनोद विहारी मेहतो कोयलाँचल विश्वविद्यालय धनबाद झारखण्ड में आयोजित संस्कृत संगोष्ठी में "संस्कृत की भाषावैज्ञानिक उपयोगिता" विषय पर व्याख्यान दिया।
4. 12 अगस्त 2022 – गया संस्कृत महाविद्यालय द्वारा आयोजित संस्कृत दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आनलाईन व्याख्यान दिया।
5. 15 अगस्त 2022 – श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार उत्तराखण्ड में स्वतन्त्रता दिवस पर उपस्थित विद्यालय समूह के लिये संस्कृत वक्तव्य दिया।
6. 27 मार्च 2023 – श्री कालिकावेदान्त आश्रम सोनारपुरा, वाराणसी में वैदिक सम्मेलन के अन्तर्गत व्याख्यान दिया व सम्मान प्राप्त किया।

डॉ. अनिर्वाण दाश

1. आई.क्यू.ए.सी., के.उ.ति.शि.सं. के समन्वयक पद से नैक पियर टीम के दौरे पर सम्पूर्ण दायित्व का निर्वाह भली-भाँति निभाया।
2. राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक पद पर डिपुटेशन अवकाश लेकर नवम्बर 2022 को कार्यभार ग्रहण किया।

(II) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग

(1) डॉ. ल्हक्पा छेरिंग - असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

(2) श्री लोब्सङ् तोन्देन - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियां:

डॉ. ल्हक्पा छेरिंग

1. 28 अप्रैल 2022 : अखिल भारतीय रेडियो स्टेशन वाराणसी द्वारा पुस्तकालय के सम्मेलन कक्ष में तिब्बती भाषा और साहित्य पर मेजबान स्टेशन निदेशक, अखिल भारतीय वाराणसी के साथ चर्चा में भाग लिया।
2. 7 जून 2022 : शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित सीआईएचटीएस की 24वीं सोसाइटी बैठक में भाग लिया।
3. 20-28 जून 2022 : कार्यालय, सीटीए निर्वासन सरकार के शिक्षा विभाग की शिक्षा परिषद और सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में तिब्बत के तीन तिब्बती बस्तियों और चार स्कूलों में शिक्षा भ्रमण के लिए गए।
4. 20 जून 2022 : संभोता गोठनगांव स्कूल के अभिभावकों के लिए "बच्चों की शिक्षा और नैतिकता में माता-पिता कैसे सहयोग करें" पर व्याख्यान दिया और शिक्षा विभाग कार्यालय, सीटीए धर्मशाला के निर्देशानुसार स्कूल द्वारा बैठक आयोजित की गई।
5. 20 जून 2022 : संभोतो गोठनगांव स्कूल के शिक्षकों के लिए "निर्वासित तिब्बती की नई शिक्षा नीति का परिचय" पर व्याख्यान दिया और शिक्षकों के सवालों के जवाब भी दिए।
6. 20 जून 2022 : शिक्षण एवं विद्यालय पुस्तकालय, वाचनालय, कक्षा-कक्ष एवं छात्रावास आदि का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से भी चर्चा की।
7. 22 जून 2022 : मैनपाट संभोट स्कूल में अभिभावकों के लिए व्याख्यान दिया "पारिवारिक शिक्षा का महत्व और माता-पिता की भूमिका" बैठक का आयोजन विद्यालय की ओर से किया गया।
8. 23 से 24 जून 2022 : स्कूल के शिक्षकों के लिए "निर्वासित तिब्बती की नई शिक्षा नीति का परिचय" व्याख्यान दिया और शिक्षकों के सवालों के जवाब भी दिए तथा शिक्षण एवं विद्यालय पुस्तकालय, वाचनालय आदि का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से भी चर्चा की।
9. 27 जून 2022 : ओडिशा के चंद्रगिरि सम्भोट स्कूल के अभिभावकों को व्याख्यान दिया "युवाओं का समर्थन कैसे करें और बच्चों के जीवन में माता-पिता की भूमिका कैसे महत्वपूर्ण है और माता-पिता के सवालों के जवाब भी दिए।
10. 28 जून 2022 : स्कूल के शिक्षकों को व्याख्यान दिया और स्कूल की सभी सुविधाओं का निरीक्षण किया और प्रत्येक कक्षा के छात्रों से मुलाकात की।

11. अतिशा हॉल में सीआईएचटीएस के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित 4वें छात्र अभिमुखीकरण पर व्याख्यान दिया।
12. 4 जुलाई 2022 : अनाथपिंडद गेस्ट हाउस में IQAC द्वारा आयोजित CIHTS के डीन और प्रमुखों की IQAC बैठक में भाग लिया।
13. 13-15 जुलाई 2022 : अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली में बीएसआरएमएस कार्यक्रम के प्रथम पेशेवर के लिए आयोजित पाठ्यक्रम निर्धारण कार्यशाला में भाग लिया।
14. 26-28 जुलाई 2022 : पीएच.डी. दलाई लामा कॉलेज, बैंगलोर की प्रगतिशील बैठक में भाग लिया।
15. 30-31 जुलाई 2022 : राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
16. 31 जुलाई 2022 : "तिब्बती भाषा का महत्व और इसकी सीखने की विधि" विषय पर व्याख्यान दिया और अमम आईक्यूएसी, सीआईएचटीएस द्वारा आयोजित संस्थान के फ्रेशर्स इंडक्शन प्रोग्राम पर प्रश्न का उत्तर दिया।
17. 6 नवंबर 2022 : सीआईएचटीएस के पूर्व छात्र संघ द्वारा तिब्बती और हिमालयी अध्ययन (सामान्य साहित्य) पर आयोजित सीआईएचटीएस सारनाथ पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।
18. 11 नवंबर 2022 : अतिशा हॉल में श्रेष्ठ सरकार व सर्वोत्तम प्रथाओं के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जो सीआईएचटीएस द्वारा आयोजित किया गया।
19. 18 दिसंबर 2022 : दलाई लामा कॉलेज के एमए छात्रों के लिए उनकी कक्षा में संबंधित शिक्षक और छात्रों द्वारा आयोजित भाषाविज्ञान पर एक व्याख्यान दिया गया।
20. 25 दिसंबर 2022 : दलाई लामा कॉलेज बेंगलुरु में शोध छात्रों की एक बैठक में व्याख्यान दिया गया और सवालों के जवाब दिए गए।
21. 19 जनवरी 2023 : कक्षा शिक्षक और छात्रों द्वारा संबंधित कक्षा में संस्थान के वरिष्ठ छात्रों की व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान दिया गया।
22. 29 जनवरी 2023 : मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और सीआईएचटीएस और बीएचयू के छात्रों द्वारा बीएचयू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम में सीआईएचटीएस के इंटर-कॉलेज के छात्रों के लिए एक व्याख्यान दिया।
23. 10 फरवरी 2023 : सीटीए धर्मशाला के टीडब्ल्यूओ द्वारा लाइब्रेरी हॉल में आयोजित एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण कार्यशाला में भाग लिया।
24. 12 फरवरी 2023 : सीआईएचटीएस के एसडब्ल्यूए द्वारा एपी गेस्ट हाउस में आयोजित शिविर के दौरान सीआईएचटीएस के वरिष्ठ छात्रों के लिए सम्माननीय तिब्बती भाषा पर व्याख्यान दिया गया।
25. 2-7 मार्च 2023 : सीआईएचटीएस, सारनाथ के सोवरिग्पा द्वारा आयोजित सोवारिग्पा हॉल में बीएसआरएमएस प्रथम वर्ष के छात्रों की कार्यशाला में तिब्बती भाषा और साहित्य पर पांच व्याख्यान दिए।

(III) प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

(1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - विभागाध्यक्ष
(2) डॉ. अनुराग त्रिपाठी - असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
(3) डॉ. ज्योति सिंह - असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
(4) डॉ. अनिमेष प्रकाश - असिस्टेंट प्रोफेसर (पालि)

(5) डॉ. महेश शर्मा - असिस्टेंट प्रोफेसर (अंग्रेज़ी)
(6) डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी - अतिथि प्राध्यापक (पालि)
(7) डॉ. जसमीत गिल - अतिथि प्राध्यापक (अंग्रेज़ी)

विभागीय गतिविधियाँ-

1. 5 जुलाई 2022 – "परमपावन 14वें दलाई लामा के दर्शन और कार्य" विषय पर एक दिवसीय आनलाईन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
2. 6 जुलाई, 2022 – केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में "परमपावन 14वें दलाई लामा के 87वें जन्मदिन पर सार्वभौमिक उत्तरदायित्व" विषयक एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
3. 16-23 अगस्त 2022 – 'शुद्ध हिन्दी' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रो. बाबूराम त्रिपाठी, प्रो. रामसुधार सिंह, प्रो. श्रद्धानन्द, डॉ. अनुराग त्रिपाठी, डॉ. ज्योति सिंह एवं डॉ. सुशील कुमार सिंह ने व्याख्यान दिये।

4. 11 दिसम्बर 2022 – स्वतन्त्रता की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना के अनुरूप महाकवि सुब्रह्मण्यम् भारती की जयंती के शुभ अवसर पर 11 दिसम्बर को भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। उक्त अवसर पर मेरी भाषा मेरा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया एवं "भारत के विकास में भारतीय भाषाओं का योगदान" विषय पर संगोष्ठी एवं काव्यपाठ का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए शब्दविद्या संकाय के अध्यक्ष प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने कहा कि भारत की समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत है और हम सभी लोगों को कम से कम दो भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। मुख्य वक्ता प्रो. रामसुधार सिंह, पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग, उदय प्रताप स्वायत्तशासी कालेज, वाराणसी ने कहा कि अपनी मातृभाषा के साथ-साथ अधिक से अधिक भाषा सीखने के लिए विश्वविद्यालय में अनुकूल वातावरण बनाने और पड़ोसी भाषा के प्रति प्रेम और आनन्द की अनुभूति के लिए भाषाई सौहार्द विकसित करने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि संस्थान के कुलसचिव डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने कहा कि महाकवि सुब्रह्मण्यम भारती आधुनिक तमिल साहित्य के अग्रदूत हैं। उनकी रचनाओं ने देशभक्ति और राष्ट्रवाद जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान के छात्र-छात्राओं ने अपनी भाषा में काव्य-पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी और धन्यवाद डॉ. शुचिता शर्मा एवं डॉ. ज्योति सिंह ने स्वागत किया। डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. उमाशंकर शर्मा, डॉ. प्रशान्त कुमार मौर्य, डॉ. रविरंजन द्विवेदी, डॉ. कृष्णा पाण्डेय, श्री दीपंकर, श्री सर्वजित सिंह, श्री एम. एल. सिंह आदि उपस्थित थे।

5. 23 जनवरी - 23 फरवरी 2023 – केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के 80 छात्रों के लिए "अंग्रेजी भाषा, भाषा विज्ञान और फोनेटिक्स" विषय पर 30 घण्टे का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

6. 4-5 मार्च 2023 – प्रेमचन्द साहित्य संस्थान गोरखपुर तथा प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में "बुद्ध की धरती पर कविता" विषयक दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 4 मार्च 2023 को संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में 'संवाद पुरुष बुद्ध' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि संवाद से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है, शांति स्थापित हो सकती है। बुद्ध ने भी लोगों से संवाद कर तमाम समस्याओं को सुलझाया था। संवाद टूटने से अहंकार उत्पन्न होता है। यह विषमताओं की जड़ है। बुद्ध का मार्ग ही विश्व में शांति स्थापित कर सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. आनन्द कुमार ने कहा कि वर्तमान में सद्भावना का क्षरण हो रहा है। इसकी वजह से द्वेष व घृणा उत्पन्न हो गये हैं। इसका निराकरण बुद्ध की मैत्री व करुणा से ही सम्भव है। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रो. वांगछुग दोर्जे नेगी ने कहा कि करुणा, मैत्री व प्रेम द्वारा सम्पूर्ण विश्व में समरसता व शांति

स्थापित हो सकती है। स्वागत प्रो. सदानन्द शाही, संचालन डॉ. रामसुधार सिंह व धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के कुलसचिव डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने किया। संगोष्ठी में प्रो. संध्या सिंह, नेशनल विश्वविद्यालय, सिंगापुर, प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी कार्यक्रम नोडल अधिकारी, प्रो. हरीश त्रिवेदी, प्रो. अरुण कमल, डॉ. शुचिता शर्मा, डॉ. अनुराग त्रिपाठी, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. रघुवंश मणि आदि ने विचार व्यक्त किये। नरेश सक्सेना की अध्यक्षता में अरुण कमल, मदन कश्यप, स्वप्निल श्रीवास्तव, राजेश मल, उषा रानी राव, बृजराज सिंह ने काव्यपाठ किया।

डॉ. अनुराग त्रिपाठी

कार्यशाला/संगोष्ठी में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुति-

1. 16-23 अगस्त 2022 – 'शुद्ध हिन्दी' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
2. 26 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2022 – केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में राजभाषा सप्ताह समारोह का आयोजन किया।
3. 19-20 नवम्बर, 2022 – अखिल भारतीय इतिहास संकलन पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्त्री विमर्श और महिला उपन्यासकार" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
4. 11 दिसम्बर, 2022 – स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना के अनुरूप महाकवि सुब्रह्मण्यम् भारती की जयंती के शुभ अवसर पर मेरी भाषा मेरा हस्ताक्षर अभियान एवं "भारत के विकास में भारतीय भाषाओं का योगदान" विषय पर संगोष्ठी एवं काव्यपाठ का आयोजन किया।

5. 14-16 जनवरी, 2023 – उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चन्दौली के सहयोग से विद्याश्री न्यास द्वारा आयोजित "मध्यकालीन कविता : अवधारणाओं का पुनराविष्कार" विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मध्यकालीन कविता में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
6. 4-5 मार्च, 2023 – प्रेमचन्द साहित्य संस्थान गोरखपुर तथा प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित "बुद्ध की धरती पर कविता" विषयक दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आधुनिक हिन्दी कविता और बौद्धधर्म" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
7. 28 मार्च, 2023 – अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में "प्रौद्योगिकी और डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया।

प्रकाशन-

1. "भारतीय संस्कृति का संवाहक - इण्डोनेशिया" (यात्रा-साहित्य) डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा द्वारा सम्पादित पुस्तक डॉ. निशंक का साहित्य सृजन, मनन एवं मूल्यांकन अनंग प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022 में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन.- 978-93-80845-24-1
2. "राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में योगदान" – डॉ. ओकेन्द्र द्वारा सम्पादित पुस्तक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, जे.टी. एस. प्रकाशन, नई दिल्ली 2023 में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन.- 978-93-5912782-8
3. "तिब्बत में वर्तमान सांस्कृतिक शैक्षणिक परिदृश्य" – डॉ. सचिन श्रीवास्तव एवं डॉ. रवि कुमार गौड़ द्वारा सम्पादित पुस्तक तिब्बत वर्तमान परिदृश्य एवं जन-भविष्य, अनंग प्रकाशन, नई दिल्ली 2023 में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन.- 978-93-91881-42-9

समिति के सदस्य-

(क) सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।

(ख) सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।

(ग) सदस्य, वेबसाईट समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।

(घ) सदस्य, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।

(ङ) सदस्य, विद्वत परिषद, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।

डॉ. ज्योति सिंह

कार्यशाला/संगोष्ठी में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुति-

1. 16-23 अगस्त, 2022 – 'शुद्ध हिन्दी' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
2. 14-16 जनवरी, 2023 – उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चन्दौली के सहयोग से विद्याश्री न्यास द्वारा आयोजित "मध्यकालीन कविता : अवधारणाओं का पुनराविष्कार" विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मध्यमकालीन कविता में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

3. 4-5 मार्च, 2023 – प्रेमचन्द साहित्य संस्थान गोरखपुर तथा प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित "बुद्ध की धरती पर कविता" विषयक दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आधुनिक हिन्दी कविता और बौद्धधर्म" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

संस्थानीय अन्य जिम्मेदारियां-

1. यौन उत्पीड़न प्रकोष्ठ के अध्यक्ष
2. सदस्य अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग अनुपालन
3. सदस्य वार्षिक रिपोर्ट समिति
4. सदस्य पुस्तक चयन समिति
5. संपादन समिति 'बोधिप्रभ' पत्रिका के सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।
6. जर्नल 'द इटरनिटी' (एक अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक शोध पत्रिका) के समीक्षा बोर्ड के सदस्य।

डॉ. अनिमेष प्रकाश

प्रकाशन (जर्नल में शोध-पत्र)

प्रकाश अनिमेष.(2022). गच्छ गच्छ कोरोना त्वं वीसपूरे निघातिके.महाबोधि.131.79.ISSN: 0025- 0406.

आमन्त्रित व्याख्यान

1. सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "बौद्ध धर्म के परिप्रेक्ष्य में पालि और संस्कृत की प्रासंगिकता" विषयक राष्ट्रिय संगोष्ठी, मई 16, 2022
   प्रपत्र का विषय: ट्रांसलेशंस एंड ट्रांसलेटर्स ऑफ़ पालि इन तिब्बत
2. पार्श्वनाथ विद्यापीठ, बी॰एच॰ यू॰ द्वारा आयोजित "भारतीय संस्कृति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा" विषयक राष्ट्रिय संगोष्ठी, नवम्बर 11, 2022
   प्रपत्र का विषय: सम रिफ्लेक्शन ऑन द आईडिया और नेशनलिज़्म इन पालि लिटरेचर

अन्य सहभागिता

1. 17-18 जुलाई, 2022 : ओबेरॉय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, संयुक्त राज्य अमेरिका से दौरे पर आए समूह के लिए बौद्ध-धर्म पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में "थेरवाद परंपरा" पर दो व्याख्यान, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।
2. 31 अगस्त - 01 सितम्बर, 2022 : प्रोफेसर एन॰के॰ भागवत स्मृति व्याख्यान, पालि विभाग, मुम्बई विद्यापीठ, मुम्बई।
3. 06-12 जनवरी, 2023 : सी॰आई॰एच॰टी॰एस॰, सारनाथ और द फाइव कॉलेज कंसोर्टियम, यू॰एस॰ए॰ के बीच 30वें विनिमय कार्यक्रम में "थेरवाद अध्ययन" पर तीन व्याख्यान, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

अन्य क्रियाकलाप

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्वयं (SWAYAM) पोर्टल पर MOOC के लिए छः मॉड्यूल तैयार

बौद्ध दर्शन MOOC

क. कांसेप्ट ऑफ़ निर्वाण एण्ड द पाथ लीडिंग टू निर्वाण

अभिधम्म (पालि) MOOC

क. मटेरियल क्वालिटी (रूप) इन थेरवाद अभिधम्म
ख. द फोरजनरेटिंग प्रिंसिपल्स एण्ड ग्रुपिंग ऑफ़ मटेरियल क्वालिटी
ग. निब्बान इन थेरवाद अभिधम्म
घ. मोरालिटी इन थेरवाद बुद्धिज्म
ङ. कांसेंट्रेशन इन थेरवाद बुद्धिज्म

डॉ. महेश शर्मा

1. 2022-23 - अंग्रेजी शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीटीई), अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद से 'ए' ग्रेड के साथ एक वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ध्वन्यात्मकता, भाषाविज्ञान, भाषा और साहित्य का परीक्षण, भाषा शिक्षण के सिद्धांत और शैलीविज्ञान में विशेषज्ञता)।
2. 6 जुलाई 2022 - सीआईएचटीएस में परमपावन 14वें दलाई लामा के 87वें जन्मदिन पर एक दिवसीय "सार्वभौमिक उत्तरदायित्व" संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
3. 5 जुलाई 2022 - "परम पावन 14वें दलाई लामा के दर्शन और कार्य" विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।
4. 29 अगस्त-4 सितंबर 2022 - एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय और पीएमएमएनएमटीटी के सहयोग से टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा ए ग्रेड के साथ "एनईपी-2020, उच्च शिक्षा में नए रुझान" का आयोजन किया गया।
5. 26 सितंबर 2022 - एमएमवी, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित 'पाठ और संदर्भ: साहित्यिक अध्ययन में पढ़ना और लेखन कौशल' में 'साहित्यिक सिद्धांत को समझना' विषय पर एक पूर्ण व्याख्यान दिया।
6. 26 सितंबर 2022 - ऐलिस बोनर इंस्टीट्यूट, वाराणसी द्वारा आयोजित 'लॉन्ग नाइट ऑफ लिटरेचर्स' में पुर्तगाली लेखिका डोरा नून्स गागो के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र का संचालन किया।
7. 27 सितंबर 2022 - एमएमवी, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित पाठ और संदर्भ में "साहित्यिक और सांस्कृतिक ग्रंथों पर सिद्धांत लागू करना" : साहित्यिक अध्ययन में पढ़ना और लिखना कौशल पर एक पूर्ण व्याख्यान दिया गया।
8. 20 दिसंबर 2022 - 04 जनवरी 2023 - ब्रिटिश काउंसिल, लंदन द्वारा "साहित्य के माध्यम से अंग्रेजी शिक्षण" में अंग्रेजी शिक्षण का 12 घंटे का ऑनलाइन व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम।
9. 2-16 जनवरी 2023 - मानव संसाधन विकास मंत्रालय और पीएमएमएनएमटीटी के सहयोग से टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित ए+ ग्रेड के साथ "अंग्रेजी अध्ययन और रुझान" पर दो सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा किया गया।
10. 2-8 जनवरी 2023 - मानव संसाधन विकास मंत्रालय और पीएमएमएनएमटीटी के सहयोग से टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित ए ग्रेड के साथ "शैक्षणिक अनुसंधान लेखन" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
11. 18 जनवरी 2023 - भारतीय ज्ञान प्रणाली विशेष व्याख्यान शृंखला के रूप में प्रोफेसर जे. गारफील्ड द्वारा "अभिनवगुप्त और दया कृष्ण के बीच : अन्य दिमागों पर केसी भट्टाचार्य" पर एक पूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया।

12. 23 जनवरी - 23 फरवरी 2023 – के.उ.ति.शि.सं. (80 छात्र) के छात्रों के लिए "अंग्रेजी भाषा, भाषाविज्ञान और फोनेटिक्स" पर 30 घंटे का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
13. 22-25 जनवरी 2023 - सोवा-रिग्पा इंडक्शन प्रोग्राम में तीन व्याख्यान दिए।
14. 14 फरवरी 2023 - एसडब्ल्यूए, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित 'महामारी के दर्शन' पर व्याख्यान दिया गया।
15. 15 मार्च 2023 - आईक्यूएसी, वसंता कॉलेज, वाराणसी में एसएसआर की तैयारी के लिए प्रशिक्षण व्याख्यान दिया गया।

प्रकाशन

1. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ट्रेंड्स इन इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर, एक इंटरनेशनल पीयर-रिव्यूड इंग्लिश जर्नल में "वर्तमान महामारी और कक्षा विश्लेषण सिद्धांतों की बदलती भूमिका"; आईएसएसएन: 2582-8487, खंड-3, अंक-3; जून 2022।
2. इंटरनेशनल पीयर-रिव्यूड इंग्लिश जर्नल रिसर्च जर्नल ऑफ इंग्लिश में "नई आलोचना और शैलीविज्ञान का शैक्षणिक निहितार्थ", प्रभाव कारक: 6.67 (एसजेआईएफ), आईएसएसएन: 2456-2696, वॉल्यूम-7, अंक-3, जुलाई 2022, 137-145।
3. लिटरेरी हेराल्ड में "तिब्बती अंग्रेजी कक्षा के लिए दृष्टिकोण और महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र का संश्लेषण": एक अंतर्राष्ट्रीय रेफरीड/पीयर-समीक्षित अंग्रेजी ई-जर्नल, आईएसएसएन: 2454-3365, प्रभाव कारक : 6.292, खंड 8, अंक 2, अगस्त 2022।
4. राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षा पत्रिका द क्रिएटिव लॉन्चर, वॉल्यूम में "एप्लाइड स्टाइलिस्टिक्स के क्षेत्र में सॉसर और जैकबसन का पुनर्मूल्यांकन"। 7 और अंक 4, आईएसएसएन एन0-2455-6580, अगस्त 2022।
5. आर.के. में उत्तर औपनिवेशिक शैली नारायण की 'ए हॉर्स एंड टू गोट्स'" द क्राइटेरियन में: एन इंटरनेशनल जर्नल इन इंग्लिश, आईएसएसएन: 0976-8165, पीयर-रिव्यूड एंड इंडेक्स्ड ओपन एक्सेस जर्नल, इम्पैक्ट फैक्टर: 7.86, सितंबर 2022।

अन्य जिम्मेदारियाँ

1. सदस्य सचिव- आईक्यूएसी, सीआईएचटीएस
2. सदस्य सचिव- शिक्षक एवं छात्र फीडबैक समिति
3. सदस्य सचिव- अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ
4. सदस्य- विश्वविद्यालय क्रय समिति
5. समन्वयक- सीआईएचटीएस इंग्लिश लर्निंग एंड डॉक्यूमेंट्री क्लब

डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी

कार्यशाला/विशेष व्याख्यान

1. 31 जनवरी 2023 – 04 फरवरी 2023 - "अर्थशास्त्र की बुनियादी (सामान्य) अवधारणाएँ" विषय पर समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।
2. 13 अगस्त 2022 - हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत "राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय चिन्हों का महत्त्व" विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।

3. 26 नवम्बर 2022 - संविधान दिवस के अवसर पर "भारतीय संविधान के सैद्धांतिक मूल्य एवं मौलिक सिद्धांत" विषय पर पर आयोजित विशेष व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।
4. 28 मार्च 2023 - महिला दिवस के उपलक्ष्य में "प्रायोगिकी एवं डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान" पर आयोजित व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।
5. 16-23 अगस्त, 2023 - "शुद्ध हिन्दी" विषय पर पर आयोजित विशेष व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।

सेमिनार/सम्मेलन

1. 4-5 मार्च, 2023 - "बुद्ध की धरती पर कविता" विषय पर के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समिति सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।

शोध पत्र प्रकाशन

1. "कुशल एवं अकुशल धर्मों का प्रविचय एवं सम्यक् प्रधान" विषय पर प्रकाशित शोध-पत्र, शोध दर्पण (अन्तराष्ट्रिय रेफ्रीड जर्नल आई.एस.एस.एन. नंबर- 2231-1688)।

डॉ. जसमीत गिल

1. अप्रैल, 2022 : सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बती स्टडीज, सारनाथ, वाराणसी के 'मोनपा स्टूडेंट्स एजुकेशनल कमेटी' के संपादकीय बोर्ड में काम किया, जिसने 'द न्यू डॉन ऑफ मोन्युल' प्रकाशित किया।
2. 2 अगस्त 2022 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में 'भाषा कौशल में सुधार' पर फ्रेशर्स इंडक्शन में अतिथि व्याख्यान दिया।
3. 19 नवंबर, 2022 : अतिशा हॉल में स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, के.उ.ति.शि.सं. के सहयोग से बुक क्लब, 'बुक्स एंड बियॉन्ड' के तहत एक दिवसीय 'लघु फिल्म महोत्सव' का आयोजन किया गया।
4. 2-16 जनवरी 2023 : टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से ए+ ग्रेड के साथ अंग्रेजी में दो सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया।
5. संपादकीय बोर्ड में काम किया और लद्दाखी स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा प्रकाशित 'लद्दाखी सांस्कृतिक पत्रिका', 2023 का संपादन किया।
6. 12 मार्च 2023 : बुक क्लब, 'बुक्स एंड बियॉन्ड' के सहयोग से क्षेत्रीय तिब्बती महिला संघ द्वारा आयोजित एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन और संचालन किया गया।

समिति सदस्य –

1. संस्थान वार्षिक रिपोर्ट समिति,
2. इंग्लिश लर्निंग एंड डॉक्यूमेंट्री क्लब, सीआईएचटीएस, सारनाथ।
3. इन्क्यूबेशन और स्टूडेंट प्लेसमेंट सेल

(IV) शिक्षाशास्त्र विभाग

किसी भी राष्ट्र और समाज के विकास के लिए शिक्षा आधार स्तंभ होती है। शिक्षा के महत्व को संदर्भित करते हुए केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान ने योग्य शिक्षकों के निर्माण हेतु एनसीटीई से अनुमोदन लेकर शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ किया। एनसीटीई ने संस्थान के महत्व को देखते हुए 2014-15 में बीए.बीएड/

बीएससी.बीएड तथा बीएड पाठ्यक्रम को संचालित करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया। इसके साथ ही एनसीटीई ने एम.एड कोर्स को संचालित करने हेतु 2018 में अनुमोदित किया है। सीआईएचटीएस ने उपर्युक्त कार्यक्रमों के लिए अपना खुद का पाठ्यक्रम तैयार किया है जिसे एनसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है और सीआईएचटीएस के तहत शिक्षक शिक्षा केंद्र (सीटीई) के रूप में चल रहा है।

शिक्षक शिक्षण केंद्र के पाठ्यक्रम की विशिष्टता यह है कि यहां अध्ययन और अनुशासन के अलावा, तिब्बती भाषा और साहित्य का अनिवार्य ज्ञान तथा बौद्ध दर्शन (नालंदा परंपरा), मन के विज्ञान, ज्ञानमीमांसा, तर्क, मनोविज्ञान, तत्वमीमांसा, तथा आधुनिक शिक्षा, कौशल पर विशेष जोर दिया जाता है। पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाने और कार्यक्रम के उद्देश्यों को साकार करने के लिए विज्ञान को भी ध्यान में रखा जाता है।

शिक्षक शिक्षण केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रम-

1. दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम
2. चार वर्षीय इनोवेटिव इंटीग्रेटेड बी.ए.बी.एड.कार्यक्रम

शिक्षक शिक्षण केंद्र के सदस्य:

1. डॉ. हिमांशु पांडे - निदेशक (प्रभारी)
2. डॉ. हुमा कयूम - शैक्षणिक समन्वयक और सहायक आ. (शिक्षा)
3. डॉ जम्पा थुपटेन - सहायक आचार्य, भूगोल
4. वेन ताशी धोंडुप - सहायक आचार्य, तिब्बती भाषा और साहित्य
5. वेन लोबसंग ग्यात्सो - सहायक आचार्य, बौद्ध दर्शन/तर्क
6. श्री थिनले वांगचुक - सहायक आचार्य, इतिहास
7. डॉ. कृष्णा पांडेय - सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान
8. डॉ. सुशील कुमार सिंह - सहायक आचार्य, हिंदी
9. सुश्री पी. सुष्मिता वात्स्यायन - सहायक आचार्य, अंग्रेजी
10. श्री तेनज़िन नामगांग - सहायक आचार्य, तिब्बती इतिहास
11. डॉ. शिखा शर्मा - सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र
12. श्री अनिल कुमार गुप्ता - सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र

प्रशासन स्टाफ:

1. श्रीमती रीना पांडेय - कार्यालय सहायक
2. श्री तेनज़िन त्सेटन - कार्यालय सहायक
3. श्री विशाल पटेल - कार्यालय सहायक
4. सुश्री यांगचेन संगमो - लाइब्रेरियन (सीटीई लाइब्रेरी)
5. श्री राजू भारद्वाज - एमटीएस

शैक्षणिक गतिविधियां:

शिक्षक शिक्षा केंद्र ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 के दौरान विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया।

गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है:

1. 13-14 अप्रैल, 2022 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ने सीटीई के छात्रों के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया। दो वर्षीय बी.एड. और बीएबीएड अंतिम वर्ष के छात्रों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भ्रमण में भाग

लिया। संकाय सदस्य डॉ. हुमा कयूम, डॉ. जम्पा थुप्टेन, डॉ. सुशील कुमार सिंह, श्री तेनज़िन नामगांग, छात्रों के साथ बोधगया, मगध विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अभियान में शामिल हुए। कार्यालय सहायक श्रीमती रीना पांडेय भी पूरे स्टाफ और छात्रों के साथ थीं।

2. 19 अप्रैल, 2022 : शिक्षक शिक्षा केंद्र ने केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के साथ संयुक्त रूप से "विश्व विरासत दिवस" का आयोजन किया। कार्यक्रम में सभी सीटीई स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

3. 21 अप्रैल, 2022 : शिक्षक शिक्षा केंद्र ने बी.ए.बी.एड-IV वर्ष और बी.एड द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए "समावेशी शिक्षा : आवश्यकता और चुनौतियां" विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट वक्ता डॉ. सुनीता सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय बीएचयू वाराणसी थे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. हुमा कयूम (सहायक प्रो. शिक्षा) द्वारा किया गया।

4. 30-31 जुलाई 2022 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ने हाइब्रिड मोड में छात्रों और संकायों के लिए ड्रोइट पेनाले ग्रुप, एनआईटीटीआर, भोपाल और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत के सहयोग से "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रोफेसर रमाशंकर वर्मा, निदेशक एमएनआईटी प्रयागराज, प्रोफेसर सुरजीत कुमार दुबे आईएमएस, बीएचयू, प्रोफेसर धनंजय चोपड़ा, मीडिया स्टडीज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, और डॉ. अमित कंबोज, रजिस्ट्रार, बीबीएयू, सोनीपत, हरियाणा, सहभागी अतिथि थे। अध्यक्षीय भाषण प्रोफेसर नवांग समतेन, वीसी, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी द्वारा दिया गया।

5. 11-12 नवंबर, 2022 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ने ड्रोइट पेनाले ग्रुप, एनआईटीटीआर, भोपाल और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा के सहयोग से "सुशासन में सर्वोत्तम अभ्यास" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सहयोगी विद्वानों में थे प्रोफेसर पी.के. जोशी, पूर्व अध्यक्ष यूपीएससी, प्रोफेसर वी. विजयकुमार, वीसी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, भोपाल, प्रोफेसर अर्चना मिश्रा, वीसी, डॉ. बीआर अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत, डॉ. आरसी मिश्रा, डी.जी. सरकार, हरियाणा के, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, नई दिल्ली, श्री संतोष गुप्ता, सीईओ, आईएसआरएन, नई दिल्ली। अध्यक्षीय भाषण प्रोफेसर नवांग समतेन, वीसी, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी द्वारा दिया गया।

6. 01 दिसंबर, 2022 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ने इस विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया "किशोरों के बीच ड्रग आदत में परामर्शदाता की भूमिका" बीएड और बीए बीएड के छात्रों के लिए। कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ के सभी सदस्यों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर आलोक मुखर्जी, प्रिंसिपल, आईओपी, यूसीईआर, प्रयागराज थे।

7. 4-13 जनवरी, 2023 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ने डायलेक्टिक्स के माध्यम से आधुनिक विषयों के शिक्षाशास्त्र विषय पर शिक्षकों के लिए दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रतिभागी देश भर के विभिन्न संभोट तिब्बती स्कूलों के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक थे। सहभागी गेशे लोबसांग ग्यात्सो, मूल्यांकन कर्ताओं में गेशे शेराप नामग्याल, खेनपो पलसांग दरगे, डॉ. खेनपो ताशी सम्फेल और गेशे रेइग्जिन दोरजी शामिल थे। उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण गेशे नवांग समतेन, कुलपति, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी ने दिया।

8. 30 जनवरी, 2023 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बती स्टडीज ने एक विरासत स्थल की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया भारतीय सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता सीटीई के छात्रों के लिए। भ्रमण में दो वर्षीय बीएड कार्यक्रम और चार वर्षीय एकीकृत बीएबीएड कार्यक्रम के सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संकाय सदस्य डॉ हुमा कयूम, श्री थिनले वांगचुक, डॉ जाम्पा थुप्टेन, डॉ कृष्णा पांडे, सुश्री सुष्मिता वात्स्यायन और अन्य ने सारनाथ विरासत स्थल पर एक दिवसीय अभियान के लिए छात्रों के साथ भाग लिया। कार्यालय सहायक श्रीमती रीना पांडे भी पूरे स्टाफ और छात्रों के साथ थीं।

9. 17 फरवरी, 2023 : "परीक्षा के तनाव से निपटने के लिए छात्र-शिक्षक का परामर्श" 17 को सीटीई में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के निर्देशानुसार "आजादी का अमृत महोत्सव" समारोह के तहत दो वर्षीय बीएड और चार वर्षीय बीए बीएड कार्यक्रम के छात्रों के लिए आयोजित किया गया। इस सत्र के लिए सहभागी व्यक्ति प्रोफेसर पीसी शुक्ला, पूर्व एचओडी और डीन, शिक्षा संकाय और कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक समन्वयक थे। सीटीई के निदेशक डॉ. हिमांशु पांडे ने रिसोर्स पर्सन का संक्षिप्त परिचय, अतिथि व्याख्यान का उद्देश्य प्रस्तुत किया और सर को पारंपरिक खटक और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

10. 29 मार्च, 2023 : सेंटर फॉर टीचर्स एजुकेशन, सीआईएचटीएस ने इस पर एक वृत्तचित्र फिल्म की स्क्रीनिंग सफलतापूर्वक आयोजित की गयी। असम की जनजातियाँ: चाय बागान जनजातियाँ डॉक्यूमेंट्री फिल्म जनजातीय सशक्तिकरण। पहले 10 मिनट के दौरान, सीटीई, सीआईएचटीएस के श्री थिनले वांगचुक (इतिहास में सहायक प्रोफेसर) ने असम की जनजातियों की आजीविका से संबंधित विभिन्न पहलुओं, उनकी दिन-प्रतिदिन की समस्याओं और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं, मजदूरी भुगतान प्रणाली और राज्य सरकार को उनकी मांग के बारे में बताया। डॉक्यूमेंट्री असम की चाय जनजाति की दुर्दशा पर थी, जो औपनिवेशिक काल के दौरान असम में लाए गए विभिन्न आदिवासियों का एक समूह था। सदियों से चाय बागान में काम करने के बाद, हालांकि, यह (चाय जनजाति) अभी भी असम के आदिवासियों में से एक रूप में पहचाने जाने के लिए संघर्ष कर रही है।

संकाय शैक्षणिक गतिविधियां:

डॉ. हुमा कयूम

गतिविधियाँ – आयोजक और समन्वयक:

1. 13 अप्रैल, 2022 : सीटीई के छात्रों के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण (बोधगया) का आयोजन किया।
2. 21 अप्रैल, 2022 : "समावेशी शिक्षा : आवश्यकता और चुनौतियां" विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन बी.ए.बी.एड-IV वर्ष और बी.एड द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए किया गया।
3. 21 से 30 अप्रैल, 2022 : अमर मेमोरियल सेंट जार्ज प्रिपरेटरी स्कूल, सारनाथ, वाराणसी में बीएबीएड प्रथम वर्ष के लिए 10 दिवसीय स्कूल अटैचमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।
4. 25 से 26 अप्रैल, 2022 : "B.A.B.Ed अंतिम वर्ष तथा B.Ed अंतिम वर्ष के छात्र/छात्राओं लिए समावेशी स्कूल का दौरा" जीवन ज्योति स्कूल, सारनाथ, वाराणसी में आयोजित किया।
5. 30-31 जुलाई, 2022 : "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वय।
6. 11-12 नवंबर, 2022 : "सुशासन में सर्वोत्तम प्रथाएं" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वय।
7. 01 दिसंबर, 2022 : "किशोरों के बीच ड्रग हैबिचुएशन में काउंसलर की भूमिका" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया।
8. 30 जनवरी, 2023 : "भारतीय सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता" के लिए एक विरासत स्थल की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया।

गेशे लोबसांग ग्यात्सो

गतिविधियाँ - आयोजक और समन्वयक:

1. 4-13 जनवरी, 2023 : डायलेक्टिक्स के माध्यम से आधुनिक विषयों के साथ शिक्षाशास्त्र विषय पर शिक्षकों के लिए दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

श्री अनिल कुमार गुप्ता

गतिविधियाँ - आयोजक और समन्वयक:

1. 17 फरवरी, 2023 : "परीक्षा के तनाव से निपटने के लिए छात्र-शिक्षक की काउंसिलिंग" पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

श्री थिनले वांगचुक

गतिविधियाँ - आयोजक और समन्वयक:

1. 29 मार्च, 2023: **आदिवासी सशक्तिकरण** विषय के तहत **असम की जनजाति: चाय बागान जनजाति** पर एक वृत्तचित्र फिल्म की स्क्रीनिंग आयोजित की।

डॉ. कृष्णा पांडेय

प्रकाशन:

1. "विनोबा भावे और स्वतंत्रता की अवधारणा" जून 2022 इम्पैक्ट फैक्टर: 5.427 शोध दृष्टि (एक इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफरीड रिसर्च जर्नल), वॉल्यूम। 13 नंबर, 6 जून, 2022, आईएसएसएन: 0976-6650

डॉ. सुशील कुमार सिंह

प्रकाशित शोध आलेख -

1. "प्रेमचंद के साहित्य में किसान सवालों की पड़ताल", एशियन जर्नल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित रेफरीड शोध पत्रिका), आईएसएसएन: 2395-4965, एसजेआईएफ- 6.069, जुलाई-सितंबर 2022
2. "प्रेमचंद के साहित्य में किसान: सामाजिक, आर्थिक स्थिति का विवेचन", मानविकी और संस्कृति जर्नल एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित रेफरीड शोध पत्रिका, आईएसएसएन: 2393-8285, प्रभाव कारक - 3.915, जुलाई-सितंबर 2022
3. "भारत भाषा की समस्या", बोधिप्रभ पत्रिका- 2022, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की राजभाषा कार्यकारी समिति द्वारा प्रकाशित।

(ग) आधुनिक विद्या संकाय

प्रो. उमेश चन्द्र सिंह	-	प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष

(I) समाजशास्त्र विभाग

(1) प्रो. जम्पा समतेन	-	पुनर्नियुक्त, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (तिब्बती इतिहास)
(2) प्रो. उमेश चन्द्र सिंह	-	प्रोफेसर (एशिया-इतिहास)
(3) डॉ. अमित मिश्रा	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
(4) डॉ. उग्येन	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (तिब्बती इतिहास)
(5) डॉ. प्रशांत कुमार मौर्य	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र)
(6) डॉ. सौरभ दुबे	-	अतिथि प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)
(7) डॉ. पूर्णिमा त्रिपाठी	-	अतिथि प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

तिब्बती इतिहास और संस्कृति में आचार्य (मास्टर डिग्री) पाठ्यक्रम जुलाई, 2017 से सामाजिक विज्ञान विभाग के पाठ्यक्रम में जोड़ा गया सबसे नया विषय है। यह पाठ्यक्रम तिब्बती प्रवासी में अपनी तरह का पहला है, और चूंकि कोई पाठ्यपुस्तक नहीं थी। मौजूदा मॉडल को आधार बनाने के लिए, संकाय को इसे शुरू से ही डिजाइन करना पड़ा। इस व्यापक पाठ्यक्रम में तिब्बत और उसके पड़ोसी एशियाई देशों के सांस्कृतिक और राजनीतिक इतिहास दोनों को शामिल किया गया है। इस पाठ्यक्रम में पुरातत्व, नृविज्ञान, इतिहासलेखन और मुद्राशास्त्र पर परिचयात्मक पाठ भी शामिल हैं जो ऐतिहासिक अध्ययन का अनिवार्य हिस्सा है। छात्रों के पहले बैच ने 2019 में उक्त पाठ्यक्रम पूरा किया। 4 छात्रों में से, उनमें से दो पीएच.डी. पाठ्यक्रम और एम.फिल में एक। उनमें से एक ने सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, सीआईएचटीएस द्वारा संचालित मास्टर इन एजुकेशन कोर्स को चुना।

डॉ. अमित मिश्रा

1. 3 मार्च, 2023 : सरकार में सतत वैश्विक विकास की संभावनाओं पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। पीजी कॉलेज, ओबरा में "अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए उभरती चुनौतियाँ और जी-20 में भारत की राजनीति कौशल" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

2. 10 मार्च, 2023 : भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियों पर मार डायोनिसियस कॉलेज, पझानजी, केरल में राजनीति विज्ञान विभाग और संसदीय मामलों के संस्थान द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया तथा "भारत की विदेश नीति में उभरती चुनौतियां" पर पेपर प्रस्तुत किया।
3. 27 मार्च, 2023 : पीएच.डी. अनुसंधान पद्धति में व्याख्यान देने के लिए विशेष रूप से स्वामी रामानंदतीर्थ मराठावाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़ से संबद्ध शिवाजी कॉलेज, उदगीर, लातूर, महाराष्ट्र में आमंत्रित किया गया।

डॉ. उर्ग्येन

1. 3-9 जुलाई, 2022 : इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ तिब्बती स्टडीज, IATS 2022 के 16वें सेमिनार में भाग लिया। सेमिनार गणराज्य के चार्ल्स विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। 9 जुलाई को ओल्ड कैसल, बिग क्लॉक, चार्ल्स ब्रिज का दौरा। 10 तारीख को हमने संगीत समारोह में भाग लिया।
2. 4 जुलाई, 2022 : चार्ल्स यूनिवर्सिटी के कला संकाय में, हॉल नंबर 217 में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। विषय: ༄༅། །ནར་ཁམས་ཁྲི་རྡོའི་ཡུལ་གྱི་གནའ་དཔྱད་ཡུལ་གྲགས་ཅན་ཁམས་སྲིན་མོ་རྫོང་གི་རབ་དཔྱད་པ། (तिब्बत में त्रिधो क्षेत्र में खाम सिनमो-ज़ोन के प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल पर शोध)
3. 1 अगस्त, 2022 : पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए सारनाथ स्थलों के महत्व के बारे में व्याख्यान दिया। यह सीआईएचटीएस के एसडब्ल्यूए द्वारा नए प्रवेशित छात्रों के लिए शरद ऋतु अभियान आयोजित किया गया।
4. 14-20 नवंबर 2022 : ज्ञान-प्रवाह, सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र अनुसंधान में "पाषाण युग पर परिचयात्मक पाठ्यक्रम: पुरुष, उपकरण और संस्कृतियाँ" में भाग लिया। प्रो. विदुला जयसवाल (बीएचयू से सेवानिवृत्त) और बी.एच.यू. प्रो. जोस राफेल ने हमें पाषाण युग का पूरा पाठ्यक्रम पढ़ाया।
5. शैक्षणिक सत्र 2022 : श्री ताशी शोधछात्र का पीएच.डी. कार्य निर्देशन किया।
6. शैक्षणिक सत्र 2022 : श्री ल्हामो क्याब का पीएच.डी. नवीन शोधछात्र का निर्देशन किया।

डॉ. प्रशान्त कुमार मौर्य

कार्यशाला/विशेष व्याख्यान

1. दिनांक 13 अगस्त 2022 - हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत "राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों का महत्व" विषय पर समन्वयक के रूप में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
2. 16-23 अगस्त, 2023 - "शुद्ध हिंदी" विषय पर कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।
3. दिनांक 26 नवम्बर 2023 - संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के सैद्धान्तिक मूल्य एवं मौलिक सिद्धांत" विषय पर समन्वयक के रूप में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
4. 31 जनवरी 2023 से 04 फरवरी 2023 - "अर्थशास्त्र की बुनियादी (सामान्य) अवधारणाएँ" विषय पर संयोजक के रूप में एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया।
5. दिनांक 13 फरवरी 2023 - "बैंकिंग एवं वित्तीय जागरूकता शिविर" में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।
6. दिनांक 28 मार्च 2023 - महिला दिवस के उपलक्ष्य में "प्रयोगिकी एवं डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान" विषय पर संयोजक के रूप में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।
7. भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत काव्य प्रतियोगिता/व्याख्यान/हस्ताक्षर अभियान की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

वाद-विवाद/भाषण प्रतियोगिता

1. दिनांक 31.10.2022 - स्वच्छता अभियान के अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में भाग लिया।
2. दिनांक 15.11.2022 - बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर "स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों का महत्व" विषय पर समन्वयक के रूप में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन

1. दिनांक 4-5 मार्च, 2023 - अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "बुद्ध की धरती पर कविता-4" में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

शोधपत्र प्रकाशन

1. "गैर-कर राजस्व और जीएसडीपी के बीच संबंध : एक केस स्टडी" विषय पर प्रकाशित पेपर उत्तर प्रदेश के जर्नल वाराणसी मैनेजमेंट रिव्यू में, एक अंतरराष्ट्रीय रेफरीड जर्नल आई.एस.एस.एन. नं. 2395-0390.

डॉ. सौरभ दुबे

कार्यशाला/विशेष व्याख्यान

1. 13 अगस्त 2022 - हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत "राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय चिन्हों का महत्त्व" विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।
2. 16-23 अगस्त, 2022 - "शुद्ध हिन्दी" विषय पर पर आयोजित विशेष व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।
3. 31 जनवरी 2023 से 04 फरवरी 2023 - "अर्थशास्त्र की बुनियादी (सामान्य) अवधारणाएँ" विषय पर सह-संयोजक के रूप में एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. 28 मार्च 2023 - महिला दिवस के उपलक्ष्य में "प्रयोगिकी एवं डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान" पर आयोजिय व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।

वाद-विवाद/भाषण प्रतियोगिता

1. 15 नवम्बर 2022 - बिरसा मुंडा जन्म दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में भाग लिया।

सेमीनार/सम्मेलन

1. 11-12 नवंबर 2022 - "सुशासन में सर्वोत्तम अभ्यास" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
2. 4-5 मार्च, 2023 - "बुद्ध की धरती पर कविता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समिति सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।

शोध पर प्रकाशन

1. 'सुट्टे अरिमा का उपयोग करके भारत में कोविड-19 और स्टॉक मूल्य का पूर्वानुमान" विषय पर सह-लेखक के रूप में प्रकाशित पेपर, रवीन्द्र भारती जर्नल ऑफ फिलॉसफी, आईएसएसएन: 0973-0087, 2023। (यूजीसी केयर स्वीकृत)

घ) शिल्प-विद्या संकाय

डॉ. दोर्जे दमडुल - संकायाध्यक्ष

(I) तिब्बती चित्रकला विभाग

(II) तिब्बती काष्ठकला विभाग

(1) डॉ. शुचिता शर्मा - सहायक आचार्य (इतिहास एवं सौन्दर्यशास्त्र)

(2) श्री कुंगा ञिङ्पो - सहायक शिक्षक (चित्रकला)

(3) लोप्सङ् शेरब - सहायक शिक्षक (चित्रकला)

(4) छेरिंग सम्डुप - सहायक शिक्षक (काष्ठकला)

क. तिब्बती चित्रकला विभाग

इस विभाग का उद्देश्य है- महत्त्वाकांक्षी विद्यार्थियों को तिब्बती पटचित्र निर्माण के साथ बौद्ध दर्शन, चित्रकला-इतिहास, हस्तकला-दर्शन एवं इतिहास, भारतीय एवं पाश्चात्य कला, इतिहास और सौन्दर्यशास्त्र, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, हिन्दी व अंग्रेजी का ज्ञान देना। विद्यार्थियों को हमें अपने पूर्वजों से प्राप्त चित्रलेखन कला की धरोहर तथा उसकी तकनीक सिखायी जाती है। रंग-मिश्रण, चित्रलेखन में प्रयुक्त उपकरण आदि सभी विषयों को बारीकी से सिखाया जाता है। शिक्षण के अतिरिक्त विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ - ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण, कार्यशाला आदि का आयोजन भी किया जाता है।

विभागीय गतिविधियाँ-

1. 23 जनवरी से 5 फरवरी, 2023 : ललित कला विभाग में आयोजित **थंका कार्यशाला** द्वारा प्रतिभागियों को थंका पेंटिंग के पारंपरिक कला रूप में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। थंका, तिब्बती बौद्ध कला का एक विशिष्ट रूप है, जिसमें जटिल ब्रशवर्क, जीवंत रंग और देवताओं और आध्यात्मिक अवधारणाओं के प्रतीकात्मक चित्रण शामिल हैं।

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

डॉ. शुचिता शर्मा

सदस्य

1. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "बुद्ध की धरती पर कविता-4" 2022-23 - आयोजन सदस्य
2. एक दिवसीय वार्ता महिला दिवस 2022-23 - आयोजन सदस्य
3. शुद्ध हिन्दी कार्यशाला 2022-23 - आयोजन सदस्य
4. भारतीय भाषा महोत्सव हस्ताक्षर अभियान 2022-23 - आयोजन सदस्य
5. सदस्य, बैंकिंग और वित्तीय जागरूकता शिविर 2022-23 - आयोजन सदस्य
6. अर्थशास्त्र पर कार्यशाला 2022-23 - आयोजन सदस्य
7. सुशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2022-23 - संयुक्त आयोजन सचिव
8. वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में भारत-तिब्बत समाज की शिक्षा और संस्कृति पर सम्मेलन 2022-23 सदस्य - सलाहकार समिति
9. काशी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 2023 आईएफए वाराणसी - आयोजक सदस्य
10. धर्म संस्कृति संगम, काशी द्वारा हिमालय बचाओ मानवता बढ़ाओ 2023 विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन - आयोजक सदस्य।

समन्वयक

1. थांगका पेंटिंग पर कार्यशाला, तिब्बती पेंटिंग विभाग, सीआईएचटीएस, 2022-23

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय

1. भारतीय पर्यटन एवं तीर्थाटन हिमाचल की मंदिर स्थापना परंपरा 2023, जेटीएस प्रकाशन, नई दिल्ली, 978-93-5913-212-9
2. तिब्बत: वर्तमान परिदृश्य: सार्वजनिक रोष वर्तमान भारत में तिब्बती कला और शिल्प शिक्षा 2023, अनंग प्रकाशन नई दिल्ली, 978-93-91881-42-9

सम्मेलन/संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुति

1. नवंबर 2022 - भारतीय चित्रकला और बदलती गतिशीलता में महिलाओं का चित्रण, आईसीएचआर नई दिल्ली और अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना सिलीगुड़ी द्वारा आयोजित, सिलीगुड़ी ।
2. 26 से 28 दिसंबर 2022 - अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना और आईसीएचआर नई दिल्ली द्वारा "स्व', स्वतंत्रता और प्रतिरोध : अतीत से वर्तमान तक" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार, मेडिकल कॉलेज, सासाराम में आयोजित।
3. 14-16 जनवरी, 2023 – उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चन्दौली के सहयोग से विद्याश्री न्यास द्वारा आयोजित "मध्यकालीन कविता : अवधारणाओं का पुनराविष्कार" विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मध्यकालीन हिन्दी साहित्य आधारित लघु चित्र" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
4. मार्च 2023 - DIET, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित NEP-2020 की संभावनाओं के विविध पहलू।
5. 2022-23 - वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में भारत-तिब्बत समाज की शिक्षा एवं संस्कृति पर सम्मेलन।
6. 2022-23 - अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "बुद्ध की धरती पर कविता-4"

प्रदर्शनी में भागीदारी

1. 2023 - आईएफए, वाराणसी में आयोजित काशी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, जिसका उद्घाटन यूपी की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने किया।
2. 12-18 मार्च 2023 : महिला कलाकारों की पेंटिंग पर राष्ट्रीय प्रदर्शनी IFA वाराणसी में आयोजित।

श्री कुंगा जिङ्पो

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 30-31, जुलाई 2022 : राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय सम्मेलन । सेंट्रल फॉर टीचिंग एजुकेशन, (PMMMNMYY) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित।
2. 4 से 6 नवंबर 2022 : छोएजुग में दिखाए गए तीन व्यक्तियों के मार्ग पर प्रो. एस. रिनपोछे के शिक्षण के 3 दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन समिति के सदस्य, तिब्बती और तिब्बती विषय पर सीआईएचटीएस पूर्व छात्रों का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; हिमालय अध्ययन और सभी कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों की लघु पूजा सभा।

3. 4 से 6 नवंबर, 2022 : तिब्बती और तिब्बती विषय पर सीआईएचटीएस पूर्व छात्रों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान पारंपरिक अनुष्ठान तैयार करने की जिम्मेदारी नियुक्त की गई। हिमालय अध्ययन" और "प्रो. एस. रिनपोछे की शिक्षा" और "लघु पूजा"।
4. 11-12 नवंबर 2022 : सुशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, सेंट्रल फॉर टीचिंग एजुकेशन (PMMMNMTT) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, मान्य विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी।
5. 23 जनवरी से 5 फरवरी 2023 : ललित कला विभाग के कार्यक्रम समन्वयक ने थांगका पेंटिंग पर पंद्रह दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया है। विशेषज्ञ श्री कुंगा दोरजी को आमंत्रित किया जा रहा है थांगका पेंटिंग, नोरबुलिंग्का इंस्टीट्यूट धर्मशाला।
6. 1 मार्च से 15 मार्च 2023 : ओरिएंटेशन व्याख्यान; सीआईएचटीएस में बीएसआरएमएस छात्रों को ललित कला का परिचय।
7. ग्युटो तांत्रिक मठ से संपर्क करने और भिक्षु कलाकारों को मंडला बनाने के लिए आमंत्रित करने और हमारे संस्थान में एनएएसी दौरे के दौरान उनके आतिथ्य और अनुष्ठानों और अनुष्ठानों के प्रदर्शन की देखभाल करने के लिए नियुक्त किया गया और 1 सितंबर को सफलतापूर्वक कार्यभार संभाला।
8. मुझे शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए पीएचडी कार्यक्रम के तहत पंजीकृत किया गया है।

ख. तिब्बती काष्ठकला विभाग

तिब्बती पारम्परिक काष्ठकला के साथ बौद्ध दर्शन आदि का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से यह विभाग स्थापित है। विद्यार्थियों को विशेषकर तिब्बती परम्परा की काष्ठ कला, उसका इतिहास तथा अवधारणा की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त भारतीय एवं पाश्चात्य कला का इतिहास, सौन्दर्य शास्त्र तथा भाषाएँ सिखायी जाती हैं। वर्ष 2018-19 में शिक्षण के अतिरिक्त - शैक्षणिक भ्रमण तथा अनेक काष्ठकला कार्यशालाओं के आयोजन आदि विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में विभागीय सदस्यों तथा छात्रों ने भाग लिया।

(ङ) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

डॉ. दोर्जे दमडुल - संकायाध्यक्ष

(I) सोवा रिग्-पा विभाग

शैक्षणिक गतिविधियां :-

भारत में सोवा रिग्पा की स्थिति-

1. भारत सरकार ने इस चिकित्सा प्रणाली को वर्ष 2010 में मान्यता दी और वर्ष 2017 में आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना को प्रकाशित किया।
2. वर्तमान में यह चिकित्सा प्रणाली आयुष मंत्रालय भारत सरकार के नियंत्रण में है।
3. भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) के द्वारा प्रथम बार फरवरी में (एनईईटी) राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा शैक्षणिक सत्र 2021-2022 का आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसकी जिम्मेदारी हमारे संस्थान को दी गई, जिसे हमारे विश्वविद्यालय द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया। उन्होंने हमारे

विश्वविद्यालय को शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के लिए दूसरी राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा आयोजित करने के लिए भी नामित किया, उसे भी 28 अगस्त 2022 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया तथा परीक्षा परिणाम 5 सितंबर 2022 को घोषित किया गया।

4. सोवा रिग्पा विभाग भारत सरकार की राजपत्र अधिसूचना यानी सोवा रिग्पा एमएसई और एमएसआर के अनुसार पाठ्यक्रम सहित सभी एवं सभी अन्य गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

सोवा रिग्पा विभाग, के.उ.ति.शि. संस्थान

1. सोवा रिग्पा विभाग हमारे विश्वविद्यालय में अकादमिक वर्ष 1993-1994 रूप से स्थापित है।
2. विभाग का मूल उद्देश्य एवं लक्ष्य है:-
   - 2.1. सोवा रिग्पा चिकित्सकीय परम्पराओं को संरक्षित एवं संवर्धित तथा विकसित करना,
   - 2.2. सोवा-रिग्पा विद्यार्थियों को अनुभवजन्य ध्यान आधारित अधिगम प्रणाली का प्रयोग कर महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन-विमर्श करना,
   - 2.3. आम जनता को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना,
   - 2.4. सोवा-रिग्पा के शोधकर्ताओं को अनुसंधान हेतु मार्गदर्शन और सुविधाएं प्रदान करना,
   - 2.5. लुप्तप्राय औषधीय जड़ी-बूटियों और इससे निर्मित औषधियों की निर्माण प्रक्रिया को संरक्षित करना,
   - 2.6. अनुसंधान और अन्य चिकित्सा पद्धतियों के विद्वानों से संवाद के माध्यम से प्रणाली को समृद्ध करना,
3. स्नातक एवं परास्नातक दोनों पाठ्यक्रमों को संचालित करना,
4. विभाग ने वर्ष 2015, 2019 और 2022 में अपने पाठ्यक्रम को संशोधित किया।

सोवा रिग्पा का यूजी कार्यक्रम

- कार्यक्रम: सोवा रिग्पा में स्नातक कार्यक्रम (2015-2020)
- पात्रता: विज्ञान विषय के साथ 12वीं (यूएम II सोवा रिग्पा/+2)
- प्रवेश का तरीका: प्रवेश परीक्षा / एनसीआईएसएम एनईईटी-एसआर-यूजी
- कार्यक्रम की अवधि: साढ़े चार साल और एक साल की इंटर्नशिप(प्रशिक्षु-प्रशिक्षण)

सोवा-रिग्पा यूजी का कार्यक्रम

1. सोवा-रिग्पा में तिब्बत की अति प्राचीन चिकित्सा विज्ञान विधा की विभिन्न शाखाओं में छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
2. सोवा रिग्पा पद्धति अर्थात तिब्बती चिकित्सा प्रणाली की उत्पत्ति विकास और अन्य विभिन्न आयामों का गहन ज्ञान प्रदान करना।
3. यहाँ छात्रों को फिजियोलॉजी, एनाटॉमी, एंड्रोलॉजी, फार्माकोलॉजी, क्लिनिकल मेडिसिन, मटेरियामेडिका और आइडेंटिफिकेशन, टॉक्सिकोलॉजी, गायनोकोलॉजी, सर्जरी, मनोविज्ञान, पैथोलॉजी, महामारी विज्ञान और सामान्य चिकित्सा जैसी विभिन्न चिकित्सकीय पहलुओं का ज्ञान प्रदान कर योग्य तथा सक्षम बनाना।
4. छात्रों को सघन प्रशिक्षण निर्देश और क्षेत्र विशेष की यात्राएं उन्हें निदान और उपचार का प्रत्यक्ष ज्ञान देती हैं। सोवा रिग्पा में विकसित नए क्षेत्र के बारे में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए विशिष्ट कार्यक्रम योजना को अभिकल्पित किया गया है।

5. विभिन्न अनुसंधान निमित प्रयोगशालाएँ संबंधित क्षेत्रों में कक्ष ज्ञान प्रदान करने तथा उनका उपयोग करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

6. सोवा-रिग्पा में सनातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना, व्यवसायिक चिकित्सा, शोधकर्ता चिकित्सक आदि से परिपूर्ण हैं।

संविदा/निश्चित/दैनिक वेतन सहित सोवा-रिग्पा विभाग की जनशक्ति

सोवा- रिग्पा विभाग के संकाय सदस्य एवं कर्मचारी		
क्रमांक	नाम	पद नाम
1	आचार्य राम हर्ष सिंह	संयुक्त आचार्य
2	आचार्य लोबसांग तेनजिन	अभ्यागत आचार्य (पुनर्नियुक्त)
3	डा. दोर्जे दमदुल	सह आचार्य, संकाय प्रमुख, चिकित्सा अधिक्षक
4	डा. तशी दावा	सहायक आचार्य, विभाग प्रमुख
5	डा. ए. के राय	अतिथि संकाय एवं शोध क्रियान्वयक
6	डा. छिमी डोलकर	अतिथि संकाय एवं अस्पताल प्रभारी
7	डा. दावा छेरिंग	अतिथि संकाय एवं औषध निर्माण शाला प्रभारी
8	डा. लोडे मुन्सेल	अतिथि संकाय एवं चिकित्सा प्रभारी
9	डॉ. दावा शेर्पा	संस्कृत प्राध्यापक एवं अनुवाद कार्य
10	डा. तेनजिन देलक	अतिथि संकाय एवं परामर्श चिकित्सक
11	डा. पेम्पा छेरिंग	अतिथि संकाय एवं वाग्भट पुस्तकालय प्रभारी
12	डा. कर्मा थर्चिन	औषधशाला सहायक
13	डा. सेंगे खंडो	चिकित्सा सहायक
14	डा. छेवांग संगमो	शोध एवं विकास सहायक
15	डा. वांगेल दोरजे	भैषज्य विज्ञान सहायक
16	डा. दावा डोल्मा	जोंग सहायक
17	डा. नाग्वांग कुंचेंन	भैषज्य विज्ञान सहायक
18	श्री वी के पाटिल	प्रयोगशाला सहायक
19	श्रीमती केलसंग वांगमो	तकनीकी सहायक एवं व्यक्तिगत सहायक
20	श्री निमा छोगेल	ई डी ऍम जी परियोजना सहायक
21	श्रद्धेय तेनजिन संग्पो	औषधि वितरक
22	श्री मस्त राम	कोषपाल
23	कुमारी सोनम डोल्मा	औषधि वितरक
24	कुमारी यूंद्रोंग वांगमो	औषधि वितरक
25	श्री सेंगे वांगचुक	ई डी ऍम जी परियोजना पर्यवेक्षक
26	श्री सोनम फुन्चोक	ई डी ऍम जी परियोजना चौकीदार
27	श्रीमती रिन्चिन लह्मो	ई डी ऍम जी परियोजना बहुउद्देश्यीय सेवा
28	श्री तेनजिन छोड़ेन्न	ई डी ऍम जी परियोजना बहुउद्देश्यीय सेवा

29	श्री काशीनाथ प्रजापती	अस्पताल चौकीदार
30	श्री लव कुमार	कार्यालय चपरासी
31	श्री बृजमोहन भारद्वाज	औषधशाला बहुउद्देश्यीय सेवा
32	श्री सुभाष	औषधशाला बहुउद्देश्यीय सेवा
33	श्री शिव कुमार यादव	औषधशाला बहुउद्देश्यीय सेवा
34	श्री अनिल कुमार	दैनिक वेतन भोगी
35	श्री अशोक कुमार	दैनिक वेतन भोगी
36	श्री राजेश कुमार	दैनिक वेतन भोगी
37	श्री संजय कुमार भारद्वाज	दैनिक वेतन भोगी
38	श्रीमती सुधा देवी	दैनिक वेतन भोगी
39	श्री रोहित कुमार राजभर	दैनिक वेतन भोगी
40	श्री सुनील कुमार राजभर	दैनिक वेतन भोगी
41	श्री बृज कुमार कनौजिया	अस्पताल सफाई कर्मी
42	श्री वसीम	अस्पताल सफाई कर्मी
43	श्रीमती धन्वन्तरी देवी	अस्पताल सफाई कर्मी
44	श्रीमती माला देवी	अस्पताल सफाई कर्मी
45	श्रीमती स्वाति कुमारी गोड	अस्पताल सफाई कर्मी

1. सम्मेलन, परिसंवाद, कार्यशाला और संगोष्ठी-

- 11 और 12 जुलाई 2022 - डॉ. दोर्जे दमदुल ने धर्मशाला में सीसीटीएम की विशेष बैठक एवं कार्यशाला में भाग लिया।
- 22 से 30 नवंबर 2022 - 8 दिवसीय "तिब्बती में वैज्ञानिक शब्दों के मानकीकरण पर 14वें ईटीएसआई अनुवाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" जो डेपुंगलोसेलिंग विज्ञान केंद्र, मुंडगोड कर्नाटक में आयोजित सम्मलेन में डॉ. ताशी दावा ने भाग लिया साथ ही उन्होंने एसईई के पद्धतिं को भी सीखा।

2. व्याख्यान सह संवाद शृंखला-

- 1 अप्रैल 2022 - पीजीआरएच हॉल में अपराह्न 03:00 बजे विद्यावारिधि- विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम कार्य के अंतर्गत डॉ. ए.एन. सिंह द्वारा "अनुसंधान पद्धति" पर व्याख्यान।
- 2 अप्रैल 2022 - दोपहर 2:30 बजे पीजीआरएच हॉल में ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैंकोवर, कनाडा के एशियाई अध्ययन विभाग के डॉ. त्सुल्ट्रिम ग्यात्सो द्वारा "मानवकीय अध्ययन में अनुसंधान पद्धति का सामान्य परिचय" विषय पर व्याख्यान।
- 4 से 16 अप्रैल 2022 - पीजीआरएच के सम्मलेन कक्ष में सुबह 11:00 बजे विद्यावारिधि- विद्यार्थियों के लिए सेंटर ऑफ बायोस्टैटिक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्रोफेसर और समन्वयक डॉ. आरएन मिश्रा द्वारा अनुसंधान और समस्याओं की पहचान पर व्याख्यान।
- 30 अप्रैल 2022 - पीएचडी विद्वानों के लिए डॉ. अंजना सक्सेना द्वारा स्त्री रोग और अनुसंधान पद्धति पर व्याख्यान।

- 6 मई 2022 - विद्यावारिधि- विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. अजय कुमार पांडे द्वारा अनुसंधान पद्धति पर व्याख्यान।
- 19 अप्रैल से 10 मई 2022 - डॉ. ए.एन. सिंह द्वारा पीएचडी विद्वानों के लिए पादप आधारित अनुसंधान, अनुसंधान पद्धति और पाठ्यक्रम कार्य पर व्याख्यान।
- 11 मई 2022 और 13 मई 2022 - प्रोफेसर किशोर पटवर्धन द्वारा विद्यावारिधि- विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम कार्यक्रम के अंतर्गत, वैज्ञानिक लेखन, शोध पत्र तथा उद्धरण लेखन और अनुसंधान का नीतिशास्त्र के पर व्याख्यान।
- विद्यावारिधि- विद्यार्थियों के लिए प्रोफेसर अजय सिंह द्वारा 17 मई 2022 को आयुर्वेद साहित्य अनुसन्धान में शोध सारांश लिखने की रूपरेखा पर व्याख्यान।
- 25 मई 2022 को विद्यावारिधि- विद्यार्थियों के साथ अनुसन्धान एवं विकास इकाई में पाठ्यक्रम कार्यक्रम विद्यावारिधि योजना संयोजक के साथ अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम एवं भविष्य में अनुसन्धान विषय पर वार्ता।
- 3, 8, 9 और 10 अगस्त 2022 - प्रोफेसर अजय कुमार पांडे द्वारा विद्यावारिधि के डॉ. जिग्मे मेगुअर ने शोध सम्बंधित ज्ञान अर्जित किया।
- 12 से 16 अगस्त 2022 - प्रोफेसर डॉ त्सेरिंग थागचो ड्रंगत्सो एसआरवाईएच सम्मलेन कक्ष में दोपहर 02:00 बजे प्रत्येक विद्यावारिधि- विद्यार्थियों के अनुसार विषय विशेष पर व्याख्यान दिया।
- 6 से 18 जनवरी 2023 - स्मिथ कॉलेज, एमए अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं के पूर्व निदेशक डॉ. लेस जैफी एमडी के व्याख्यान का आयोजन संभोट भवन हॉल-द्वितीय में किया गया।

3. प्रकाशन-

- प्रोफेसर लोबसांग तेनज़िन ने "चरक संहिता" चिकित्सा शास्त्र का अनुवाद पूरा किया।
- सोवा-रिग्पा विभाग के डॉ. दोर्जे दमडुल एसोसिएट प्रोफेसर ने "सोवा-रिग्पा ग्रंथ के अनुसार स्वास्थ्य और स्वच्छता, खंड 5, पृष्ठ संख्या-973, आईएसबीएन संख्या: 978-81-936254-1-4" को प्रकाशित किया।
- सोवा-रिग्पा विभाग के डॉ. दोर्जे दमडुल एसोसिएट प्रोफेसर ने "संतुलित आहार के माध्यम से स्वास्थ्य, खंड 6, पृष्ठ संख्या: 607, आईएसबीएन संख्या: 978-81-950147-4-3" को प्रकाशित किया।

4. शैक्षणिक प्रशासकीय और नियुक्ति सम्बंधित बैठकें-

- 16 अप्रैल 2022 - वर्ष 2022-2023 के यूएम चिकित्सा/ज्योतिष (मेंनसी) विषय में प्रवेश हेतु बैठक संकाय प्रमुख कार्यालय में आयोजित की गई थी।
- 24 मई 2022 - डॉ. दोर्जे दमडुल ने एनसीआईएसएम, नई दिल्ली के कार्यालय में आयोजित सोवा रिग्पा सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।
- 13 जून 2022 - डॉ. दोर्जे दमडुल ने नई दिल्ली में सोवा रिग्पा प्राचार्यों की बैठक में भाग लिया।
- 20 जून 2022 - पीजीआरएच मीटिंग हॉल में सोवा-रिग्पा यूजी कचुपा (बीएसआरएमएस) पाठ्यक्रम को पुनः तैयार करने और संशोधन करने के लिए सोवा-रिग्पा विभाग की अध्ययन समिति की बैठक आयोजित की गई थी।
- 14.06.2022 - भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने एनसीआईएसएम-एनईईटी-एसआर-यूजी-2022-2023 के लिए डॉ. दोर्जे दमडुल, निदेशक और डॉ. ताशी दावा, मुख्य-समन्वयक नामित किया।

- 14 और 15 जुलाई 2022 - डॉ. दोर्जे दमडुल ने 7वीं स्वास्थ्य समीक्षा बैठक, स्वास्थ्य विभाग, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में सह-वक्ता के रूप में भाग लिया।
- 27 जुलाई 2022 - आर एंड डी विंग में एमएसई और एमएसआर की समीक्षा हेतु सभी संकाय सदस्यों के साथ संकाय परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- 11 अगस्त 2022 - ए वाई -2021-2022 और ए वाई 2022-2023 के प्रशिक्षुओं के अभिविन्यास कार्यक्रम एवं विद्यावारिधि- विद्यार्थियों हेतु सोवा-रिग्पा विशेषज्ञ के सन्दर्भ में संकाय परिषद की बैठक आयोजित की गई थी।
- 26 सितंबर 2022 - सोवा-रिग्पा के सभी कर्मचारियों के साथ नए सोवा-रिग्पा भवन के लिए आवश्यक उपकरणों के चयन करने के संबंध में इंजीनियर और प्रबंधक श्री जी. रविंदर के साथ बैठक हुई।
- 8 और 9 सितंबर 2022 - सोवा-रिग्पा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ताशी दावा ने आईएमसीसी अधिनियम, 1970 की धारा 13सी/एनसीआईएसएम अधिनियम की धारा 28 के प्रावधानों के अनुसार वर्तमान एएसयूएस कॉलेजों का निरीक्षण किया। शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए 2020 और उसके प्रासंगिक नियम की उपयुक्तता के सन्दर्भ में समीक्षा हेतु एनसीआईएसएम कार्यालय नई दिल्ली के वर्चुअल मोड बैठक में भाग लिया।
- 14 सितम्बर 2022 - राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) की 13वीं बैठक कमलशील समिति हॉल में आयोजित की गई।
- 19 और 20 सितम्बर 2022 - सोवा-रिग्पा विभाग के एचओडी डॉ. ताशी दावा ने आईएमसीसी अधिनियम, 1970 की धारा 13 सी/ एनसीआईएसएम अधिनियम की धारा 28 के तहत भारतीय चिकित्सा प्रणाली एनसीआईएसएम के लिए मेडिकल असेसमेंट और रेटिंग बोर्ड के एएसयू कॉलेजों का भौतिक सत्यापन अर्थात किया। शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए 2020 और उसके प्रासंगिक नियम की उपयुक्तता के सन्दर्भ में समीक्षा बैठक बैंगलोर में हाइब्रिड माध्यम से भाग लिया।
- 28 सितंबर 2022 - डॉ. दोर्जे दमडुल और डॉ. ताशी दावा ने एनसीआईएसएम के साथ ज़ूम के माध्यम से बैठक में भाग लिया।
- 1 अक्टूबर 2022 - सोवा-रिग्पा विद्यावारिध पाठ्यक्रम की संस्तुति हेतु सोवा-रिग्पा विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक सोवा रिग्पा और भोट ज्योतिष संकाय के संकाय प्रमुख कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्य हैं (1) डॉ. दोर्जे दमडुल, (2) प्रो. जम्पा समतेन, (3) बी.एच.यू. से प्रो. किशोर पटवर्धन (4) प्रो. के. बी.एच.यू. से नर्सिंग मूर्ति (5) डाक्टर ए .के .राय
- 6 और 7 अक्टूबर 2022 - डॉ. ताशी दावा ने एनसीआईएसएम के कार्यालय में सोवा-रिग्पा स्नातक कॉलेजों और अस्पताल हेतु नियमों के प्रारूप को अंतिम रूप देने की समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- 10 अक्टूबर 2022 - डॉ. ताशी दावा, विभागाध्यक्ष नेएनसीआईएसएम के पंजीकरण कार्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए एनसीआईएसएम अधिनियम, 2020 की धारा 28/29 और उसके तहत प्रासंगिक नियमों के तहत आशय पत्र और अनुमति जारी करने से संबंधित मामले में सोवा रिग्पा कॉलेजों की सुनवाई बैठक में भाग लिया।
- 1 अक्टूबर 2022 - सोवा-रिग्पा विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक सोवा रिग्पा और भोट ज्योतिष संकाय के संकाय प्रमुख कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्य - डॉ. दोर्जे दमडुल, प्रो. जम्पा समतेन, बी.एच.यू. से प्रो. किशोर पटवर्धन प्रो. के. बी.एच.यू. से नर्सिंग मूर्ति, डाक्टर ए.के. राय।

- 2 नवंबर 2022 - सोवा-रिग्पा संकाय समिति (एसएफसी) की बैठक में मौखिक परीक्षा, मेंटरशिप, अस्पताल उपकरण और फार्मेसी उपकरण आदि से संबंधित आर एंड डी विंग में आयोजित की गई।
- 18 नवंबर 2022 - एसएससी सोवा-रिग्पा छात्र परिषद के चुनाव के लिए संभोट भवन हॉल में सभी संकाय सदस्यों और छात्रों की बैठक आयोजित की गई।
- शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए हाइब्रिड मोड के माध्यम से डॉ. पेन्पा को पर्यवेक्षक/आगंतुकों में से एक के रूप में नियुक्त किया गया, एएसयूएस कॉलेज में नए कॉलेज/नए पीजी पाठ्यक्रम की स्थापना/प्रवेशक्षमता में वृद्धि के लिए कॉलेजों का दौरा कर सत्यापित करने हेतु।
- 22 दिसंबर 2022 - डॉ. दोर्जे दमडुल, संकाय प्रमुख सोवा-रिग्पा ने गुरुवार माननीय कुलपति की अध्यक्षता में कमलशील भवन के समिति कक्ष में आयोजित अनुसंधान एवं विकास इकाई की बैठक में भाग लिया।
- 28 दिसम्बर 2022 - डॉ. ताशी दावा विभागाध्यक्ष, सोवा-रिग्पा विभाग एनसीआईएसएम कार्यालय में "बीएएमएस स्नातकों के लिए आवश्यक नैदानिक प्रक्रियाओं और उपकरणों की पहचान करने और प्रशिक्षण के तरीके का सुझाव देने के लिए" गठित समिति के एक सदस्य रूप में भाग लिया।
- 29 दिसंबर 2022 - सोवा-रिग्पा विभाग के एचओडी डॉ. ताशी दावा को एएसयू कॉलेजों के लिए ऑनलाइन वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए एक सदस्य नियुक्त किया गया है, जिसे संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन दिल्ली द्वारा वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। दिल्ली में आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध स्नातक के लिए सोवा-रिग्पा वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान किया जाएगा।
- 06/01/2023 - संदर्भ पुस्तकों के मूल्यांकन, मानक मापदंड तय लिए गठित समिति के एक सदस्य रूप में सोवा-रिग्पा विभाग के एचओडी डॉ. ताशी दावा को एनसीआईएसएम कार्यालय दिल्ली में पहली बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 23 जनवरी 2023 - सोवा-रिग्पा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ताशी दावा को एनसीआईएसएम कार्यालय, नई दिल्ली में "आकलन स्केल के विकास" के लिए समिति की दूसरी और अंतिम बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 1 से 5 मार्च 2023 - सोवा-रिग्पा संकाय प्रमुख डॉ. दोर्जे दमडुल ने धर्मशाला में आयोजित सीसीटीएम द्वारा आयोजित सामान्य नियमों और विनियमों के संबंध में 37वीं बोर्ड बैठक में भाग लिया।
- 1 मार्च 2023 - सोवा-रिग्पा संकाय प्रमुख डॉ. दोरजी दमदुल ने कुलपति कार्यालय में आयोजित 32वीं अकादमिक परिषद, की बैठक में भाग लिया जिसका आयोजन सीआईएचटीएस के समिति कक्ष में किया गया।

5. प्रशिक्षण कार्यक्रम

- अप्रैल से अगस्त 2022 - सेंट्रल काउंसिल ऑफ तिब्बती मेडिसिन द्वारा आयोजित चार महीने के चिकित्सकीय एकांतवास और आध्यात्मिक संवर्द्धन में डॉ. लोडो मुन्सेल, डॉ. कर्मा थार्चिन, डॉ. त्सेवांग सांगमो, डॉ. दावा डोलमा, डॉ. सांग्ये खांडो और डॉ. वांग्याल दोरजी भाग लिया। इस सन्दर्भ में तिब्बती चिकित्सकों हिमाचल प्रदेश में 12वें चैमगोन केंटिंग ताई स्तूप के गुरु वज्रधारा द्वारा अभिषेक, वाचन, प्रसारण और निर्देश प्राप्त हुए।
- 7, 23 और 27 जुलाई 2022 - एमएसई और एमएसआर के प्रारूप की समीक्षा हेतु सोवा-रिग्पा संकाय के प्रमुख की अध्यक्षता में संकाय परिषद की बैठक आयोजित की गई।

- 1 से 15 अगस्त 2022 - डॉ. नवांग कुन्चेन के नेतृत्व में, बीएसआरएमएस चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने हिमालयी क्षेत्र, तवांग, अरुणाचल प्रदेश में वार्षिक चिकित्सा भ्रमण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। जड़ी-बूटी पहचान, उनका परीक्षण तथा मूल्यांकन कर मूल्यांकन कर प्राप्तांक प्रारूप परीक्षा इकाई को प्रस्तुत कर डी की गई है। इसके अतिरिक्त सोवा-रिग्पा संकाय सदस्यों के सामने छात्रों ने परिसर में लौटने पर समूह प्रस्तुति भी दी।
- 24 अगस्त 2022 - बीएसआरएमएस चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने तवांग अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्रों में अपना मेडिकल भ्रमण पूरा करने के बाद सभी संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ अपने अर्जित ज्ञान और अनुभव साझा किया।
- 20 नवम्बर 2022 - विद्यावारिधि के अध्ययनरत विद्वानों के अनुसंधान कार्य की व्यक्तिगत स्तर की स्थिति के सन्दर्भ में पर बैठक पीजीआरएच कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई।
- 1 से 15 मार्च 2023 : बीएसआरएमएस नवप्रवेशी छात्रों के लिए 15 दिनों का अभिविन्यास कार्यक्रम चलाया गया।
- 3 जुलाई-14 जुलाई : डॉ. दावा डोल्मा ने दक्षिण भारत के बेलाकोपी में स्वास्थ्य विभाग, सीटीए (कुल 30 सत्र / 60 घंटे) द्वारा आयोजित आधुनिक चिकित्सा पद्धति पर दस दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

6. स्वास्थ्य कार्यक्रम

- 17 अप्रैल 2022 - सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा रविवार युथोक सोवा-रिग्पा अस्पताल में श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, एल.एस नेत्र-आलय केंद्र द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।
- 27 सितंबर से 10 अक्टूबर 2022 - सोवा-रिग्पा विभाग के डॉ. कर्मा थर्चिन ने बीएसआरएमएस के 6 छात्रों के साथ "ट्रांस-हिमालयन आउटरीच प्रोग्राम" परियोजना के अंतर्गत देहरादून और उसके आसपास विशेष रूप से बौद्ध विहारों और तिब्बती वृद्धाश्रम में निदान एवं चिकित्सा सेवा प्रदान किया।
- 11 सितंबर 2022 - रविवार को एक दिवसीय सोवा-रिग्पा दिवस समारोह ए.पी. गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया।

7. नीट (राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा)

- 28 अगस्त 2022 - भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग - शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए सोवा-रिग्पा स्नातक के लिए राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा अति शीघ्र करने के लिए (एनसीआईएसएम) भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् ने (सीआईएचटीएस) केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान को नामित किया है। सोवा-रिग्पा स्नातक के लिए राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (एनसीआईएसएम एनईईटी एसआर-यूजी-2022-2022) परीक्षा को सफलतापूर्वक आयोजित करने पर एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्रशंसा पत्र भी प्राप्त हुआ था।

राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा 2022

तवांग में वार्षिक चिकित्सा भ्रमण

नव प्रवेशियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम

पाल्पुंग शेर्बलिंग मठ हिमांचल प्रदेश के निर्जन स्थान पर युर्थोंग निग्थिंग के लोग

नीट राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा के सफल आयोजन पर, एन सी आई एस एम आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रशंसा पत्र

नीट राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा के सफल आयोजन पर, एन सी आई एस एम आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त किया

औषध बौध दिवस एवं मौखिक संचरण दिवस

सी सी टी एम धर्मशाला द्वारा

लुडरुब औषध निर्माण शाला इकाई फार्मास्युटिकल यूनिट

उद्देश्य एवं लक्ष्य :

इकाई के मुख्य उद्देश्य हैं:-

1. सोवा-रिग्पा औषध निर्माण प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना।
2. युथोक सोवा-रिग्पा अस्पताल के रोगियों के लिए नियमित सोवा-रिग्पा उत्पादों को उपलब्ध कराना।
3. सोवा-रिग्पा उत्पादों के फॉर्मूलेशन (सूत्रीकरण) की मानक आधारित गुणवत्ता को बनाये रखना।
4. छात्रों को नए उत्पादों के निर्माण हेतु शोध परक कार्यों में शामिल करना।

- **इकाई में वर्तमान कार्यरत अधिकारी/अधिकारी**

क्रम	पद/वर्ग	स्थायी	अतिथि संकाय	संविदा (निर्धारित मानदेय)	दैनिक वेतन भोगी
1	प्रबंधक/प्रभारी	-	1	-	-
2	सहायक प्रबंधक/प्रभारी	-	-	1	-
3	बहुविध कार्य कर्मचारी	2	-	1	7
	योग	12			

- **कच्ची औषधि/सामग्रियों का विवरण (परिशिष्ट -1)**

406 प्रकार की कच्ची औषधियाँ (वजन ग्राम में : 395, लीटर : 7, संख्या पैकट : 4)					
	प्रारम्भिक स्थिति	वार्षिक प्राप्ति	वार्षिक उपभोग	वार्षिक नष्ट/खराबी	शुद्ध शेष
मात्रा कि.लो.ग्राम	5285392.24	3265842	3910524	21787	4614203.24
मूल्य (रुपये)	3790000.85	986099.74	1177079.44	2173.23	3596257.91
मात्रा लीटर में	98883	691625	697355	8540	84613
मूल्य (रुपये)	29363.18	97505.60	106884.78	1451.65	15113.24
मात्रा संख्या/पैकेट	114	200	122	0	192
मूल्य (रुपये)	12535.00	20000.00	12200.00	0.00	20335.00
कुल योग	5384389.24	3957667	4608001	30327	4699008.24
कुल योग मूल्य (रुपये)	3831899.03	1103605.34	1296164.22	3624.88	3631706.15

विशेष: मूल्य 1 अप्रैल 2022

- **कच्ची औषधि/सामग्रियों का विवरण**

3. वार्षिक क्रय एवं श्रोत ***(सन्दर्भ : भण्डारण पंजिका : अधिकतम मूल्य /22-23/01)***

कच्ची औषधि श्रोत		मात्रा (किग्रा)	मात्रा (ली)	मात्रा (पैकेट/पीस)	मूल्य (रुपये)
1	हिमालयी क्षेत्र (एच आर)	343.134	0	0	522256.00
2	स्थानीय किसान/बाजार (एल ऍफ़ एम)	1631.980	690.000	201	535442.00
3	जडी बूटी उद्यान (के एच जी)	753.465	0	0	75346.50
4	इडीएमजी तवांग परियोजना (इडी एमजी)	211.500	0	0	193277.44
5	एकत्रित&अनुदान (सी&डी)	264.500	0	0	13375.00
	कुल	**3204.579**	**690.000**	**201**	**1339696.94**

विशेष: वास्तविक पर मूल्य आधारित

सोवा-रिग्पा चिकित्सा इकाई :

सोवा-रिग्पा चिकित्सा इकाई युथोग सोवा-रिग्पा अस्पताल का एक हिस्सा है, जो अपनी स्थापना के बाद से पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह चिकित्सा इकाई 2017 में रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के साथ अपने प्राथमिक उद्देश्य बीएसआरएमएस कार्यक्रम के तहत संचालित पाठ्यक्रम के अंतर्गत कचुपा छात्रों के लिए शिक्षण प्रशिक्षण के दायित्व निर्वहन का निरंतर करता है। प्रशासित उपचार हेतु कुल 4 बहिरंग सेवा सुविधा है, इसके अतिरिक्त विभिन्न चिकित्सकों द्वारा रोग आधारित निर्देशित उपचार किया जाता है जैसे स्नासमेन, शेल, जैम्त्से, जुगपा, जांगबम, शेल बम, रैंगलुम्स, काम खाप, जीटार और गैर-इनवेसिव इत्यादि उपचार शामिल हैं।

मरीजों की संख्या:

महामारी से पहले, 2019-2020 में सोवा-रिग्पा चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने वाले कुल रोगियों की संख्या 3865 थी। कोविड-19 महामारी के कारण थेरेपी सुविधा दो महीने (अप्रैल और मई 2020) के लिए बंद कर दी गई थी। अनलॉक-1 के शुरुआती चरण के बाद, जून 2020 से आवासीय छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा सेवा कोविड प्रतिबंधो के साथ फिर से शुरू किया गया था। 2020-2021 में, चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या 409 थी। 2021-2022 में यह 332 थी। 1 अप्रैल 2022 से 1 अप्रैल 2023 तक चिकित्सा सुविधा लेने वाले मरीजों विवरण निम्नवत् है।

क्रम संख्या	मास/वर्ष	पुरुष	महिला	कुल रोगी
1	अप्रैल 2022	6	14	20
2	मई 2022	5	3	8
3	जून 2022	5	1	6
4	जुलाई 2022	17	26	43
5	अगस्त 2022	40	29	69
6	सितम्बर 2022	69	107	176
7	अक्टूबर 2022	34	61	95
8	नवम्बर 2022	85	123	208

9	दिसंबर 2022	82	95	177
10	जनवरी 2023	68	104	172
11	फरवरी 2023	79	143	222
12	मार्च 2023	79	128	207
कुल मरीजों की संख्या		**569**	**834**	**1403**

चिकित्सा इकाई ने न केवल रोगियों की स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा किया, बल्कि बीएसआरएमएस कार्यक्रम के तहत काचुपा छात्रों के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण की सुविधा को भी प्रदान किया। चिकित्सा इकाई छात्रों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, इस प्रकार पारंपरिक चिकित्सा तकनीकी प्रथाओं के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दिया जा रहा है।

औषधकोश इकाई

सोवा-रिग्पा के बारे में विश्व स्तर पर जागरूकता बढ़ रही है, इसलिए पूरी दुनिया में और विशेष रूप से भारत में रोगियों की संख्या सोवा-रिग्पा उत्पादों/दवा की मांग के साथ तेजी से वृद्धि हो रही है। लेकिन चूंकि, इन उत्पादों/दवाओं की सामान्य वैज्ञानिक स्वीकार्यता बहुत हद तक दवा के गुणवत्ता मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण और इसकी विनिर्माण प्रक्रिया के अनुपालन पर निर्भर करती है। इसलिए वैज्ञानिक मानकों का निर्धारण होना अनिवार्य रूप से आवश्यक है।

परियोजना का उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- सोवा-रिग्पा उत्पाद के क्यूसी (गुणवत्ता नियंत्रण) और क्यूए (गुणवत्ता आश्वासन) प्रदान करना
- एक प्रामाणिक औषधकोश ग्रन्थ प्रकाशित करना
- सोवा-रिग्पा दवा में प्रयुक्त औषध सामग्री और निर्माण प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना।

काम पूरा हुआ:

- सोवा-रिग्पा विभाग के विभाग प्रमुख के निर्देश के अनुसार "सोवा-रिग्पा शरीर रचना" नामक पुस्तक का कार्य संपन्न।

कार्य प्रगति पर है:

- "को-बाई 13वे औषधकोश सूत्रीकरण" पर पुस्तक के तीसरे संस्करण का कार्य प्रगति पर है।

निदान इकाई :

1) सोवा-रिग्पा निदान इकाई में 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच लगभग 644 = रोगी आये जिनका विभिन्न परीक्षण किया गया। जैसे:- रक्त, मूत्र, मल, थूक और जल्द।
2) सोवा-रिग्पा विकृति विज्ञान विभाग में सोवा-रिग्पा मेडिकल कॉलेज के अलग अलग सत्रों के बीएसआरएमएस छात्र अपने समय के अनुसार आते हैं और आवश्यकता के अनुसार व्यावहारिक परीक्षण और प्रौद्योगिकी तकनीकी के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं ताकि भविष्य में रोगी के उपचार में मदद मिले।
3) सोवा-रिग्पा पैथोलॉजी सेंटर में, विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज विभिन्न प्रकार के परीक्षणों के लिए आ रहे हैं, जिनका परीक्षण बिना भेद भाव के चाहे वो अमीर हो या गरीब। सभी रोगियों को प्रदान की जाने वाली सुविधा एक समान तथा इस सेवा से की गयी मदद से रोगी संतुष्ट हैं।
4) सोवा-रिग्पा पैथोलॉजी सेंटर में अलग-अलग क्षेत्रों से मरीज आते हैं, जिसमें मध्य प्रदेश, बिहार, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़, देवरिया, मऊ आदि क्षेत्र शामिल हैं। सभी मरीज इस केंद्र का लाभ उठाते हैं।

5) सोवा-रिग्पा पैथोलॉजी सेंटर के बहिरंग रोगियों की संख्या और छात्रों की संख्या ग्राफ निम्नवत् है। सभी संख्या प्रतिशत में है, 1 अप्रैल से 31 मार्च 2023 तक है।

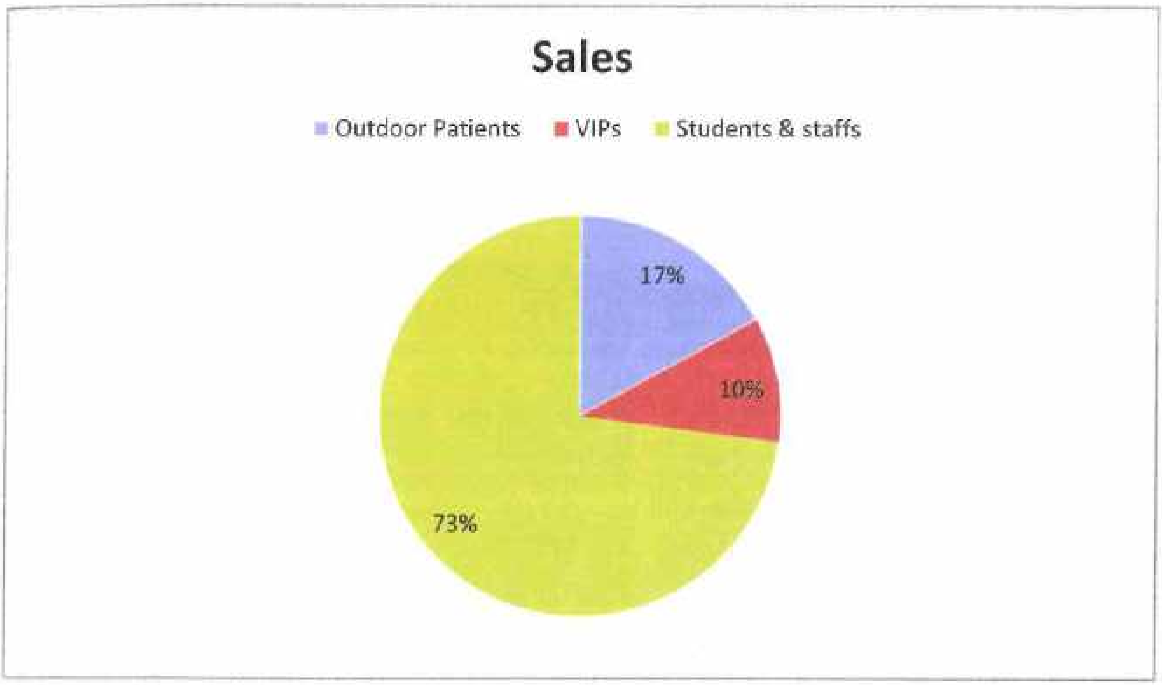

एक वर्ष में कुल रोगियों की संख्या लगभग = 644/-

अनुसंधान इकाई:

अनुसंधान कार्य जो पूरे हो चुके हैं:

1. हिंदी में एक शोध लेख : "तिब्बती चिकित्सा-विज्ञान में चित्त की चिकित्सा।
2. हिंदी में एक लेख लिखा – योगनिद्रा के तरीके और लाभ।
3. हिंदी में एक लेख "बौध मनोविज्ञान मेरी समझ"।
4. प्रायोगिक अध्ययन पूरा हो गया है यज्ञ (हवन) चिकित्सा का अस्थमा पर प्रभाव।
5. पायलट अध्ययन पूरा हो गया है। विषय- "आईबीएस और पाचन विकार पर योगासन का प्रभाव"।
6. विद्यावारिधि के पाठ्यक्रम के लिए शोध विधि एवं बायो-स्टेटिसटिक्स का पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया।
7. विद्यावारिधि के विद्वान विद्यार्थियों हेतु प्रगति विवरण प्रारूप।

अन्य काम:

1. मनोचिकित्सा तकनीकों के साथ रोगियों का इलाज किया।
2. योग तकनीकों के साथ मनोदैहिक रोगियों का इलाज किया।
3. नैदानिक मनोविज्ञान, व्यवहार विकार और मनोचिकित्सा विषय पर (बीएसआरएमएस द्वितीय और तृतीय वर्ष) कक्षाएं लेना।
4. समन्वयक के रूप में बीएसआरएमएस के इंटर्नशिप छात्रों की सहायता और मार्गदर्शन।
5. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का समन्वयन।

6. संकाय के विद्यावारिधि कार्यक्रम का समन्वयन।
7. एनसीआईएसएम कार्यशाला में भाग लिया।
8. सोवा-रिग्पा के राजपत्र का हिंदी में अनुवाद (प्रकाशित)
9. राजभाषा समिति के सदस्य के रूप में राज भाषा कार्य में सहयोग।
10. सोवा-रिग्पा के प्रेरक प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यक्तित्व विकास और योग पर व्याख्यान दिया।
11. आई क्यू ए सी हेतु सहयोग।

भविष्य शोध कार्य :

1. तवांग (अरुणाचल प्रदेश) के लिए एक परियोजना तैयार करना।
2. छात्रों और अन्तरंग एवं बहिरंग रोगियों का तनाव प्रबंधन।
3. प्रो. एल. तेनजिन (तिब्बती-मनोविज्ञान या मनोचिकित्सा) की सहायता से हिन्दी में चित्त-विज्ञान पर एक पुस्तक लिखना।
4. संकाय के विद्यावारिधि छात्रों का सहयोग करना।

वनस्पति संग्रहालय इकाई :

1) उद्देश्य और लक्ष्य: –

- सोवा-रिग्पा आधारित औषधीय जड़ी-बूटियों की सही पहचान, अध्ययन और उपयोग।
- सोवा-रिग्पा चिकित्सा प्रणाली में उपयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों और खनिजों के लिए छात्रों का ज्ञान प्रदान कर परिचय करना।
- हर्बेरिया शीट पर विलुप्त या लुप्तप्राय जड़ी बूटियों के नमूने का संरक्षण।
- बीज और डीएनए नमूने के संरक्षण द्वारा भविष्य में प्रत्येक जड़ी बूटी के गुणवत्ता मानक में सुधार करना।

2) वनस्पति संग्रहालय का कार्य: –

- हिमाचल प्रदेश के मनाली, गर्शा, स्पीति, मणिकर्ण और अन्य क्षेत्रों तथा अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र से कुल 1211 हर्बेरिया नमूने एकत्र किए गए।
- सोवा-रिग्पा (सीआईएचटीएस) के कालचक्र उद्यान से एकत्र की गई कुल 63 जड़ी-बूटियों को हर्बेरियम शीट पर अलग से संलग्न किया गया है।
- सोवा-रिग्पा फार्मास्यूटिक्स में प्रयुक्त खनिजों, प्राकृतिक लवणों, वृक्षों और जड़ी-बूटियों से कच्ची औषधि के कुल 130 नमूने हर्बेरियम यूनिट में अलग से रखे गए हैं।
- हिमालयी क्षेत्र से एकत्र की गई जड़ी-बूटियों के लिए कुल 169 वाउचर नमूने जिनमें से 59 जड़ी-बूटियों को तिब्बती और अंग्रेजी भाषा दोनों में भरने का काम पूरा कर लिया गया है।
- बाजार से खरीदे गए फॉर्मेलिन में संरक्षित कुल 106 संरक्षित छोटे जानवरों और पौधों के नमूने।

3) भविष्य की परियोजना

- नमूनों को एकत्रित करने का कार्य निरंतर जारी रखना।
- कालचक्र वनौषधि उद्यान (के.उ.ति.शि. संस्थान) एवं देश के अन्य हिमालयी क्षेत्रों से जडी बूटियों का संग्रह कर शोध करना।

- परिसर में रहने वाले छात्रों के लिए जड़ी-बूटी आधारित ग्रीष्मकालीन परियोजना।
- वाउचर नमूना भरने का कार्य जारी रखना।
- पौधों के नमूनों की डीएनए फिंगर प्रिंटिंग और दुर्लभता और विलुप्त होने के समय में संभावित प्रसार के लिए उनके जीन को संरक्षित करना।
- जीपीएस के माध्यम से प्रत्येक संग्रह के लिए मानकों को बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों से नमूनों का समन्वित संग्रह करना।

छात्रों द्वारा प्रस्तुति

मौखिक परीक्षा

राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा दिवस समारोह

छात्रों की प्रदर्शनी

चिकित्सा शास्त्र 'सुश्रुत संहिता'

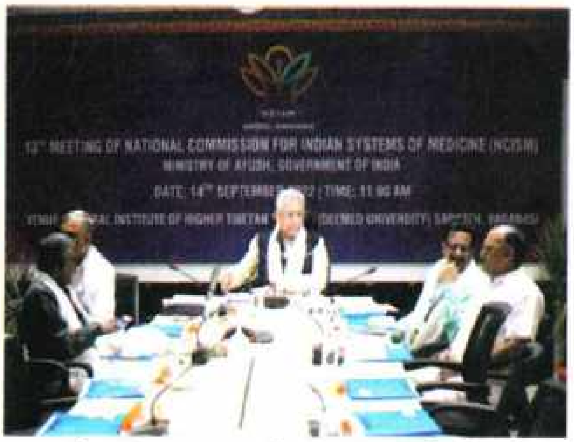

तेरहवीं (एन.सी.आई.एस.एम.) की बैठक

आर. एण्ड डी. की मासिक बैठक

निःशुल्क नेत्र-परीक्षण शिविर

विद्यावारिधि पाठ्यक्रम

आयुक्त वाराणसी द्वारा निरीक्षण

आदान-प्रदान कार्यक्रम

नैक निरीक्षण

वार्षिक एन.सी.आई.एस.एम. निरीक्षण

एन.सी.आई.एस.एम. (एन.वाई.आई.पी.ए.) निरीक्षण

विभाग की भावी योजना

नए शैक्षणिक और अस्पताल भवन निर्माण के बाद में अलग-अलग इकाई के रूप में एक पूर्ण सोवा-रिग्पा उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना और विकास करना।

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI

- प्रोफेसर लोबसांग तेनज़िन द्वारा आरम्यूड-बीज़ी की टिप्पणी, डावे ग्यालपो की टिप्पणी की चालू परियोजना को भविष्य में जारी रखना।
- "तिब्बती चिकित्सा में फार्माकोपिया" को चालू परियोजना।
- तिब्बती और अंग्रेजी में "हर्बेरियम नमूना" को चालू परियोजना।
- औषधीय जड़ी-बूटियों और उत्पादों एवं फॉर्मूलेशन पर शोध करना।
- सोवा-रिग्पा के माध्यम से स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना।

- सदूर क्षेत्र में मातृ-शिशु स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्त्री रोग संबंधी रोग पर सोवा-रिग्पा दवाओं की प्रभावशीलता को समझाना और बढ़ावा देना।
- चिकित्सा की अन्य प्रणालियों के सहयोग से पुरानी और संक्रामक बीमारियों पर नैदानिक अनुसंधान करना।
- अन्य विश्वविद्यालयों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) के सहयोग से दवा के मानकीकरण पर शोध करना।
- भारतीय चिकित्सा के प्राचीन शास्त्रों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करना।
- अधिक ऊंचाई वाले पौधों की लुप्तप्राय और दुर्लभ प्रजातियों की खेती के लिए तवांग, अरुणाचल प्रदेश में हर्बल गार्डन की स्थापना की गई।
- स्नातक कार्यक्रम के लिए छात्रों की संख्या में वृद्धि।
- सोवा-रिग्पा पीजी कार्यक्रम का दूसरा बैच शुरू।
- पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रम कार्यक्रमों हेतु विशेषज्ञो को प्रशिक्षित करना।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोवा-रिग्पा को बढ़ावा देना और विश्व स्तर पर अधिक रोगियों की सेवा करना।
- अलग से नए शैक्षणिक और अस्पताल भवन के निर्माण के साथ पूर्ण विकसित सोवा-रिग्पा उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना और विकास करना।
- निर्धारित लक्ष्य को बनाए रखने और स्थापित करने के लिए शैक्षणिक और अस्पताल प्रबंधन में अधिक जनशक्ति की भर्ती करना।

वर्तमान स्थिति

नए शैक्षणिक, औषधि-निर्माणशाला और अस्पताल भवन के अलग-अलग निर्माण के साथ एक पूर्ण उत्कृष्ट सोवा-रिग्पा केंद्र की स्थापना और विकास की वर्तमान स्थिति

डॉ. दोर्जे दमडुल

प्रशासनिक सेवा समितियों की सदस्यता:

1. डीन, सोवा रिग्पा और भोट ज्योतिष संकाय, शिल्पा विद्या संकाय, के.उ.ति.शि.सं.
2. मुख्य सतर्कता अधिकारी, सीवीओ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी
3. अध्यक्ष, विभागीय अनुसंधान समिति, सोवा रिग्पा विभाग,
4. अध्यक्ष, स्पॉट खरीद समिति, सोवा रिग्पा विभाग, के.उ.ति.शि.सं.

5. निदेशक, एनसीआईएसएम एनईईटी एसआर यूजी सोवा रिग्पा अंडरग्रेजुएट 2022
6. सदस्य, अध्ययन बोर्ड, सोवा रिग्पा, के.बौ.वि.सं., लेह-लद्दाख
7. सदस्य, सोवा-रिग्पा केंद्रीय परामर्श समिति (एसआरसीसी), एनसीआईएसएम
8. सदस्य, सोवा रिग्पा, एनसीआईएसएम, नई दिल्ली के लिए सलाहकार समिति
9. सदस्य, एनआईटी, लेह लद्दाख, यूटी की शैक्षणिक और वैज्ञानिक सलाहकार समिति
10. निदेशक, एनसीआईएसएम एनईईटी एसआर यूजी सोवा रिग्पा अंडरग्रेजुएट 2023
11. चिकित्सा अधीक्षक, सोवा रिग्पा युथोग अस्पताल, के.उ.ति.शि.सं.
12. सह-अन्वेषक, ईडीएमजी, तवांग परियोजना, अरुणाचल प्रदेश

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएँ और अन्य विश्वविद्यालयी गतिविधियाँ

1. 4 मई 2022 : एनसीआईएसएम कार्यालयीय नई दिल्ली में आयोजित "सोवा रिग्पा सलाहकार समिति की बैठक" में भाग लिया।
2. 20-21 मई 2022 : भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एनआईटी सिक्किम के सहयोग से एनआईएसआर लेह द्वारा आयोजित "उत्तर पूर्वी राज्यों के सोवा रिग्पा के अभ्यासकर्ताओं के लिए सोवा रिग्पा पर राष्ट्रीय कार्यशाला" में भाग लिया और व्याख्यान दिया।
3. 13 जून 2022 : एनसीआईएसएम कार्यालय, नई दिल्ली में आयोजित "सोवा रिग्पा प्रिंसिपल्स मीटिंग" में भाग लिया।
4. 14-15 जुलाई 2022 : स्वास्थ्य विभाग, सीटीई द्वारा धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, भारत में आयोजित "7वीं स्वास्थ्य समीक्षा बैठक" में भाग लिया और व्याख्यान दिया।
5. 30-31 जुलाई 2022 : शिक्षक शिक्षा केंद्र, सीआईएचटीएस द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
6. 9 सितंबर 2022 : एनसीआईएसएम कार्यालय, नई दिल्ली में आयोजित "सोवा-रिग्पा सेंट्रल काउंसलिंग कमेटी (एसआरसीसी) की बैठक" में भाग लिया।
7. 8 अक्टूबर 2022 : मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, प्रयागराज, यूपी, भारत के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित "हर्बल थेरेप्यूटिक्स : आधुनिक चिकित्सा में प्रासंगिकता पर एक दिवसीय सम्मेलन" में भाग लिया और व्याख्यान दिया।
8. 4-6 नवंबर 2022 : सीआईएचटीएस के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित "तिब्बती और हिमालयी अध्ययन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
9. 11-12 नवंबर 2022 : सीआईएचटीएस के शिक्षक शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित "सुशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
10. 1-5 मार्च 2023 : धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित "सीसीटीएम 37वीं बोर्ड बैठक" में भाग लिया।

वर्ष का प्रकाशन:

1. मटेरिया मेडिका भाग I, खंड-VII, पृष्ठ-684, आईएसबीएन 97881950147-0-5
2. मटेरिया मेडिका भाग II, खंड-आठवीं, पृष्ठ-759, आईएसबीएन 97881950147-1-2
3. मटेरिया मेडिका भाग III, खंड-IX, पृष्ठ-778, आईएसबीएन 97881950147-8-1

4. मटेरिया मेडिका भाग IV, खंड-X, पृष्ठ-935, आईएसबीएन 97881950147-2-9
5. डायग्नोस्टिक तकनीक, खंड-XI, पृष्ठ-725, आईएसबीएन 97881950147-9-8
6. एथिक्स ऑफ फिजिशियन, खंड-बारहवीं, पृष्ठ-353, आईएसबीएन 97881959731-0-1

(II) भोट ज्योतिष विभाग

(1) डॉ. टशी छेरिंग (जे)	-	एसोसिएट प्रोफेसर
(2) डॉ. जम्पा छोफेल	-	असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
(3) डॉ. उमाशंकर शर्मा	-	अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

डॉ. टशी छेरिंग (जे)

1. 13-15 जुलाई 2023 - NCISM के अनुरोध पर और संस्थान के आदेश के परिणामस्वरूप मैंने तीन दिनों के लिए दिल्ली में सोवरिग्पा के कोर्स के डिज़ाइन करने की मीटिंग में भाग लिया।
2. 26 जुलाई 2023 - मैंने विभाग के सिलेबस संशोधन समिति का हिस्सा बना।
3. CIHTS, सारनाथ के पहले और दूसरे सेमेस्टर के पेपर सेटिंग भी की।
4. CIHTS, सारनाथ के पहले और दूसरे सेमेस्टर की मूल्यांकन भी की।
5. CIHTS, सारनाथ के पहले और दूसरे सेमेस्टर के पेपरों की मॉडरेशन भी की।
6. CIHTS, सारनाथ के पहले और दूसरे सेमेस्टर के क्लास असाइनमेंट की मूल्यांकन भी की।
7. CIHTS, सारनाथ के दूसरे सेमेस्टर 2023 के दौरान इन्विजिलेटर भी की।
8. "स्पोर थांग रटिस क्यी स्कोर गो" नामक पुस्तक का योगदान, जिसका अगस्त 2023 में संस्थान ने प्रकाशित किया गया, ISBN 978-81-953904-8-9।

डॉ. जम्पा छोफेल

31 अगस्त, 2023 की आपकी अधिसूचना के संदर्भ में, जो मुझे 4 सितंबर, 2023 को प्राप्त हुई, जिसमें वर्ष 2022-2023 के लिए वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था, मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि मैंने सभी शिक्षण गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके अलावा, मैं दिए गए चक्र के दौरान आयोजित निम्नलिखित कार्यक्रमों पर प्रकाश डालना चाहूंगा:

1. 6 जुलाई, 2022 को प्राग में एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया, जहाँ मैंने "सेक्सजेनरी और तिब्बती खगोल विज्ञान में इसके अनुप्रयोग" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. सीआईएचटीएस पूर्वतन छात्रों के एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भी भाग लिया और "साठ-वर्षीय गणना प्रणाली" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. नवंबर 2022 में तिब्बती समुदाय में "साठ-वर्षीय गणना प्रणाली" पर एक शोध पत्र में योगदान दिया।
4. 2022 के अंत में नव नालंदा महाविहार की नालंदा संवाद श्रृंखला-I में एक और शोध पत्र जोड़ा।
5. 05 जनवरी, 2023 को विनिमय exchange program कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए तिब्बती ज्योतिष विज्ञान पर व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

6. 7 मार्च, 2023 को सोवारिग्पा इंडक्शन कार्यक्रम के लिए तिब्बती ज्योतिष विज्ञान पर व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

इन शैक्षणिक कार्यक्रमों के अलावा, मैंने NAD, AISHE, AIU के नोडल अधिकारी, स्वच्छ भारत के अध्यक्ष, IQAC के सदस्य, प्रवेश समिति, स्क्रूटनी समिति के सदस्य आदि के रूप में भी कार्य किया और NAAC तैयारी कार्य के विभिन्न वर्गों में सक्रिय रूप से योगदान दिया। मैं सीआईएचटीएस के पूर्वतन छात्र संघ के कोषाध्यक्ष के पद पर भी रहा और निर्बाध शैक्षणिक शिक्षण के साथ-साथ अन्य आधिकारिक गतिविधियों में भी लगा रहा।

डॉ. उमाशंकर शर्मा

कार्यशाला/विशेष व्याख्यान

1. 13 अगस्त 2022 - हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत "राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय चिन्हों का महत्त्व" विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।
2. 28 मार्च 2023 - महिला दिवस के उपलक्ष्य में "प्रयोगिकी एवं डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान" पर आयोजिय व्याख्यान में समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।
3. 31 जनवरी 2023 से 04 फरवरी 2023 - "अर्थशास्त्र की बुनियादी (सामान्य) अवधारणाएँ" विषय पर समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।

सेमिनार/सम्मेलन

1. नवंबर 2022 - भारतीय चित्रकला और बदलती गतिशीलता में महिलाओं का चित्रण, आईसीएचआर नई दिल्ली और अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना सिलीगुड़ी द्वारा आयोजित, सिलीगुड़ी।
2. 10 एवं 11 नवम्बर 2022 - "ज्योतिष शास्त्र में पुरुषार्थ चतुष्ट्य" विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय ज्योतिष सम्मेलन ज्योतिष विभाग संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. 26 से 28 दिसंबर 2022 - अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना और आईसीएचआर नई दिल्ली द्वारा "स्व", स्वतंत्रता और प्रतिरोध : अतीत से वर्तमान तक" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार, मेडिकल कॉलेज, सासाराम में आयोजित।
4. 4-5 मार्च, 2023 - "बुद्ध की धरती पर कविता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समिति सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया।

3. शोध विभाग

प्राचीन लुप्तप्राय ग्रन्थों का पुनरुद्धार, सम्पादन तथा उनका संस्कृत, तिब्बती एवं हिन्दी भाषा में अनुवाद एवं प्रकाशन, संस्थान का प्रमुख शोध एवं प्रकाशन कार्य है। पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन, संकलन एवं प्रकाशन, ये संस्थान की प्रमुख शोध गतिविधियाँ हैं, जो निम्नलिखित विभागों द्वारा संचालित हैं–

1. पुनरुद्धार विभाग

2. अनुवाद विभाग

3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

4. कोश विभाग

5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

1. पुनरुद्धार विभाग

तिब्बती भाषा में उपलब्ध प्राचीन भारतीय बौद्ध वाङ्गमय को पुनः संस्कृत में उपलब्ध कराने हेतु इस विभाग की स्थापना हुई है। यह शोध विभाग का एक स्वतन्त्र विभाग है। इसका उद्देश्य न केवल शोध हेतु ग्रन्थों का पुनरुद्धार करना है, अपितु लुप्त प्राचीन भारतीय बौद्ध परम्परा को पुनर्जीवित करना भी है। विश्व में यह एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जहाँ पर इस तरह का कार्य किया जा रहा है। इसमें प्राथमिकता के आधार पर आचार्य नागार्जुन, आर्यदेव, शान्तरक्षित, कमलशील एवं आचार्य अतीश आदि के ग्रन्थों पर कार्य हो रहा है।

संस्कृत भाषा में उपलब्ध भारतीय बौद्ध वाङ्गमय तिब्बती भाषा में अनुवाद की 7वीं शताब्दी की परम्परा का अनुसरण करते हुए, इस विभाग के विद्वान् आज भी संस्कृत भाषा के विद्वानों के साथ तिब्बती ग्रन्थों का संस्कृत में पुनरुद्धार कर रहे हैं।

प्राचीन समय में तिब्बती अनुवाद के लिए बौद्ध दर्शन के भारतीय विद्वानों के साथ मिलकर कार्य करना आवश्यक था। इस परम्परा के अनुसार विभाग के तिब्बती विद्वान्, बौद्ध दर्शन के भारतीय विद्वानों के साथ कार्य कर रहे हैं। विभाग के लिए यह गर्व का विषय है कि यहाँ राष्ट्रपति एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित बौद्ध दर्शन के ख्याति-प्राप्त विद्वान् स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी एवं प्रो. पी.पी. गोखले जी तिब्बती विद्वानों के साथ कार्यरत थे।

अब तक इस विभाग ने बौद्ध धर्म दर्शन के अनेक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद किया है। विभाग द्वारा प्रकाशित अनेक ग्रन्थ उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कृत भी हो चुके हैं।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ. लोब्संग दोर्जे - एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
2. भिक्षु नवांग ग्यालछेन नेगी - शोध सहायक

वर्तमान सत्र में विभाग की गतिविधियां निम्नवत् हैं –

(क) मुख्य कार्य –

लुप्त बौद्ध संस्कृत ग्रन्थों का तिब्बती भाषा से संस्कृत में पुनरुद्धार, शोध, अन्य बौद्ध ग्रन्थों का अनुवाद, सम्पादन, प्रकाशनार्थ तैयार करना, संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन, अन्य शैक्षणिक कार्य तथा आगन्तुक (Visiting) शोध विद्वानों का सहयोग करना।

प्रकाशित ग्रन्थ:-

1. **मध्यमकरत्नप्रदीप** – आचार्य भावविवेक द्वारा रचित ग्रन्थ के तिब्बती संस्करणों का समालोचनात्मक सम्पादन, हिन्दी अनुवाद एवं भूमिका आदि का कार्य सम्पन्न कर इसे वर्ष 2022 में प्रकाशित किया गया।

(ख) कार्याधीन प्रमुख योजनाएँ-

1. **बोधिचित्त विवरण** – आचार्य नागार्जुन विरचित इस ग्रन्थ का प्रो. पी.पी. गोखले जी (अतिथि प्राध्यापक) के सहयोग से स्व. भिक्षु ग्लछेन नमडोल ने संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न किया जा चुका है। इस ग्रन्थ को पुनः संशोधन कर संस्कृत पुनरुद्धार के पद्यांश को भी द्वितीय संस्करण में प्रकाशित किया जायेगा। इस प्रोजेक्ट के मुख्य धारक के सेवा निवृत्त होने के बाद एकाध साल में उनकी मृत्यु हो गई। जिसके कारण इस प्रोजेक्ट को विभाग द्वारा अपने हाथ में लिया है। सम्प्रति ग्रन्थ के भूमिका एवं परिशिष्ट आदि का कार्य प्रगति पर है।
2. **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका** – आचार्य दीपंकरश्रीज्ञान द्वारा रचित इस ग्रन्थ का स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी के साथ संस्कृत में पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य सम्पन्न किया जा चुका है। लेकिन ग्रन्थ के अधिकांश लम्बे छन्दों के कुछ अंश का अन्तिम रूप देना बाकी रह गया था, उसे प्रो. पी.पी. गोखले जी (अतिथि प्राध्यापक) के सहयोग से सम्पन्न किया गया। सम्प्रति ग्रन्थ के भूमिका एवं परिशिष्ट आदि का कार्य प्रगति पर है।
3. **आर्यसर्वबुद्ध-विषयावतार-ज्ञानलोक-अलंकारनाम महायान सूत्र** – इस सूत्र का तिब्बती संस्करण के साथ संस्कृत पांडुलिपि के महत्वपूर्ण संस्करण का समालोचनात्मक संपादन प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति समीक्षात्मक भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है। इसे जल्द ही प्रकाशित किया जायेगा।
4. **महाव्युत्पत्ति** – 9वीं शताब्दी में भारतीय आचार्य एवं भोट अनुवादकों द्वारा प्रयुक्त विस्तृत संस्कृत-तिब्बती कोश के शब्दावली के संकलन का कार्य सम्पन्न हो चुका है तथा अन्य दो तिब्बती संस्करणों के साथ मिलान का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति समीक्षात्मक भूमिका लेखन एवं परिशिष्ट का कार्य प्रगति पर हैं।
5. **युक्तिषष्टिका** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ पर आचार्य चन्द्रकीर्ति द्वारा इसकी व्याख्या सहित संस्कृत पुनरुद्धार पर पुनः संशोधन का कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से किया जा रहा है। सम्प्रति तिब्बती संस्करण पर भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य योजना अनुवाद विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
6. **धर्मधातुस्तव** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ का पुनरुद्धार, हिन्दी एवं अंग्रेजी में अनुवाद का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। पिछले कुछ वर्ष पहले ऑस्ट्रिया से प्रकाशित एक राजनयिक संस्करण की पाण्डुलिपि का एक प्रतिलिपि प्राप्त हुई है। फिलहाल प्रकाशित नये संस्करण और अन्य पाण्डुलिपियों के साथ पुनः पाठ मिलान तथा चार भाषाओं (संस्कृत, तिब्बती, हिन्दी और अंग्रेजी) का समालोचनात्मक संपादन एवं संशोधन का कार्य प्रो. पी.पी.गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया। सम्प्रति तिब्बती एवं हिन्दी भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
7. **प्रहाणपूरकशतवन्दनानाम महायानसूत्र, करण्डव्यूहमहायानसूत्र, प्रतीत्यसमुत्पादसूत्र एवं दशकुशलसूत्र**- इन चारों सूत्रों का संस्कृत में पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य लगभग सम्पन्न होने जा रहा है। सम्प्रति हिन्दी अनुवाद एवं समालोचनात्मक संपादन आदि का कार्य प्रगति पर है।

8. **महायानपथक्रम** – आचार्य सुभागवज्र द्वारा रचित इस ग्रन्थ का अन्य तिब्बती संस्करणों के साथ समालोचनात्मक संपादन, तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद तथा संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य पूर्ण कर इसे प्रो. पी.पी. गोखले जी के निर्देशन में संपादन का कार्य सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति एक समीक्षात्मक भूमिका सहित सहायक ग्रन्थों की सूची एवं शब्दकोश आदि का कार्य प्रगति पर है।
9. **विनयपरिभाषिक शब्दकोश** – विनय से सम्बद्ध तिब्बती-संस्कृत पारिभाषिक शब्द कोश का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य कोश विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
10. **संक्षिप्तनानादृष्टिविभाजनम्** – आचार्य उमेश सिंह द्वारा रचित इस ग्रन्थ के संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
11. **अबोधबोधकं नाम प्रकरणम्** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ का संस्कृत पुनरुद्धार कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से कार्य पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।

सामूहिक शोध-कार्य-

1. **आचार्य बुद्धपालित द्वारा विरचित मूलमाध्यमिकवृत्ति बुद्धपालित-** इस ग्रन्थ के आंशिक रूप में उपलब्ध मूल संस्कृत पाण्डुलिपि का चीनी विद्वान ई-शाओयाङ द्वारा संपादित किये गये ग्रन्थ के आधार पर पुनरुद्धार विभाग एवं अनुवाद विभाग ने प्रो. पी.पी. गोखले जी के निर्देशन में ग्रन्थ की सातवीं (संस्कृत) परीक्षा के अपूर्ण विलुप्त संस्कृत अंशो को भोट अनुवाद के सहयोग से संपादन और पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न कर दुर्लभ विभाग के धीः पत्रिका के 62वें अंक, पृ. सं. 151-170, ISSN 2395-1524, में प्रकाशित किया गया।
2. **श्रीवनरत्न**-मुखागमरत्न-सारमाला- तनग्युर संस्करण से इस ग्रन्थ का एक अद्भुत बहुभाषी के रूप में पाण्डुलिपि उपलब्ध हुई है। जो भारतीय आचार्य वनरत्न द्वारा रचित अथवा संकलित ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ का मूल संस्कृत पाठ तिब्बती में लिपिबद्ध है और तिब्बती भाषा में अनुवाद भी है। लेकिन संस्कृत पाठ लगभग पूर्ण रूप से अशुद्ध एवं त्रुटिपूर्ण है। इसलिए विभाग द्वारा ग्रन्थ के तिब्बती पाठ का समालोचनात्मक संपादन, मूल संस्कृत पाठ का संपादन, हिन्दी अनुवाद एवं ग्रन्थ में संकलित श्लोकों के स्रोत आगमों की खोज आदि पर कार्य करने का निर्णय लिया है। प्रो. पी.पी. गोखले (सेवा निवृत्त) ने हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृत संस्करण के संपादन में सहयोग करने का आश्वासन दिया है।
3. विभाग के सभी सदस्य परम पावन दलाई लामा जी के निजी कार्यालय की ओर से निर्देशित **'बौद्ध विज्ञान-दर्शन एवं सिद्धान्त समुचय'** ग्रन्थ का तिब्बती भाषा से हिन्दी में अनुवाद का कार्य प्रथम प्रारूप सम्पन्न हो चुका है। सम्प्रति इस ग्रन्थ पर अन्तिम संपादन का कार्य प्रगति पर है।
4. विभाग के सभी सदस्य महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये कग्युर-तन्ग्युर एवं सुङ्बुम का हिन्दी अनुवाद कार्य योजना पर कार्य कर रहे हैं।

प्रो. पी.पी. गोखले जी के निर्देशन में पुनरुद्धार एवं अनुवाद विभाग के सदस्यगण सामूहिक रूप में कार्य करते हुए।

(ख) अन्य शैक्षणिक कार्य:-

1. **भारतीय आचार्य श्रीवनरत्न द्वारा संकलित सिद्धेश्वर महापण्डित श्रीवनरत्न-मुखागमरत्न-सारमाला-** आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने इस ग्रन्थ का तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद कार्य का प्रथम प्रारूप सम्पन्न किया गया। इस ग्रन्थ के द्वितीय चरण का पुनः तिब्बती पाठ के साथ मिलान करते हुए संशोधन का कार्य सम्पन्न किया गया। साथ ही ग्रन्थ में संकलित श्लोकों का तनग्युर से संस्कृत एवं तिब्बती आगम स्रोतों की यथासम्भव खोज कर उद्धरण देने तथा कम्प्यूटर में इन्पुट करने का कार्य किया।
2. **आचार्य बुद्धपालित द्वारा रचित मूलमाध्यमिक भाष्य** – आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने इस ग्रन्थ की सातवीं (संस्कृत) परीक्षा के संपादित संस्कृत संस्करण में कुछ त्रुटियां एवं संपादन का कार्य छूट जाने के कारण पुनः तिब्बती पाठ के साथ मिलान करते हुए संशोधन करने का कार्य किया। तत्पश्चात् धीः पत्रिका के सह-सम्पादक के साथ पुनः तिब्बती पाठ के सहयोग से संस्कृत पाठ में त्रुटियां एवं छूटे गये पाठ को यथासम्भव पूर्ण करने का प्रयास किया। जहाँ सन्देह एवं अस्पष्टता पायी गई, उसे बाद में प्रो. पी.पी. गोखले जी से सम्पर्क कर सम्पादन कार्य को पूर्ण रूप से सम्पन्न कर कम्प्यूटर में संशोधन करने का कार्य किया तथा दुर्लभ शोध विभाग के धीः पत्रिका के 62वें अंक में प्रकाशन हेतु प्रस्तुत किया।
3. डॉ लोबसंग दोर्जे (विभागाध्यक्ष) ने विश्वविद्यालय के मूल्यांकन हेतु संस्थान में नैक पीयर टीम के आगमन पर अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में **"पुनरुद्धार विभाग की संक्षिप्त परिचय एवं उपलब्धियां"** नामक एक ब्रोशर तैयार किया है। जिसमें निम्नलिखित विषयों पर प्रकाश डाला है:- 1. पुनरुद्धार विभाग की स्थापना एवं उद्देश्य 2. तिब्बत में भारतीय साहित्य का संरक्षण 3. पुनरुद्धार का अर्थ एवं स्वरूप 4. पुनरुद्धार कार्य को वैश्विक सत्र पर मिली प्रशंसा 5. पुनरुद्धार की प्रक्रिया 6. भारतीय आचार्यों के कार्यों की प्राथमिकता 7. तिब्बती भाषा और संस्कृत के साथ सम्बन्ध 8. पुनरुद्धार आधारित पारिभाषिक शब्द-ग्रन्थ तथा पुनरुद्धार विभाग द्वारा पुनरुद्धारित, अनूदित एवं संपादित ग्रन्थों की सूची, विभाग के अतिरिक्त पुनरुद्धारित, अनूदित एवं संपादित ग्रन्थों की सूची, प्रकाशित सामूहिक शोध कार्यों के ग्रन्थों की सूची (संपादन एवं पुनरुद्धार) तथा कार्याधीन प्रमुख योजनाएं सम्मिलित हैं।
4. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने संस्थान के वेबसाइट हेतु "पुनरुद्धार विभाग का इतिहास एवं उपलब्धियों" के संक्षिप्त एवं विस्तार परिचय के अंग्रेजी संस्करण का हिन्दी भाषा में अनुवाद किया।
5. विभाग द्वारा संस्थान के पुनरुद्धारित ग्रन्थों की संख्याओं की सूचना हेतु सूची तैयार करने का कार्य किया। जिसमें संस्थान के विद्वानों द्वारा पुनरुद्धार किये गये सम्पूर्ण ग्रन्थों की सूची, पुनरुद्धारित अप्रकाशित ग्रन्थों की सूची, विभाग द्वारा पुनरुद्धारित प्रकाशाधीन ग्रन्थों की सूची, ग्रन्थकारों का नाम एवं ग्रन्थों के दे-गे संस्करण की संख्या देने तथा कम्प्यूटर में इन्पुट कार्य आदि सम्मिलित हैं।
6. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने **'कौशम्बी में बौद्ध धर्म का विकास एवं उपलब्धि'** पर एक लेख प्रस्तुत किया गया। जिसे संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के 'बोधिप्रभ' नामक वार्षिक पत्रिका के द्वितीय खण्ड, पृ.सं. 85-98 में प्रकाशित किया गया है।
7. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने **"थेरवाद और मूलसर्वास्तिवाद परम्परा के सात अभिधर्मों पर विश्लेषण"** विषय पर तिब्बती भाषा में एक लेख प्रस्तुत किया गया। यह लेख तिब्बती कार्य और अभिलेखागार का पुस्तकालय, धर्मशाला के तमछोक नामक पत्रिका (भाग-42) में प्रकाशित किया गया। पृ. सं. 99-124, आईएसएसएन. 2454-5066.
8. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने दिनांक 29 अप्रैल और 11 मई, 2022 को पीएचडी कोर्स वर्क प्रोग्राम के तहत संस्थान के अनाथपिण्डद अतिथिगृह में पीएचडी छात्रों को **"शोध पद्धति"** विषय पर व्याख्यान दिया।

9. दिनांक 22 से 24 मई, 2022 तक गेलुग इन्टरनेशनल फाउंडेशन, मुंडगोड, दक्षिण भारत द्वारा **"शोध पद्धति"** विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. लोबसंग दोर्जे ने दक्षिण भारत के गेलुग सम्प्रदाय के छह विभिन्न मठों से पधारे 20 से अधिक गेशे ल्हारम्पा डिग्री धारकों एवं शोधकर्ताओं को उपर्युक्त विषय पर व्याख्यान दिया। ये सभी सम्मानित गेशे बौद्ध दर्शन के पांच प्रमुख विषयों एवं साधना पर शोध कर रहे हैं।

10. दिनांक 18-20 अक्टूबर, 2023 को संस्थान में नैक पीयर टीम के आगमन के दौरान अतिशसभागार के आंगन में पुनरुद्धार विभाग सहित अन्य शोध विभागों के शोध गतिविधियों एवं प्रकाशनों का प्रदर्शन किया गया। उस अवसर पर नैक पीयर टीम के सदस्यों ने निरीक्षण हेतु दौरा किया। जिसमें विभागाध्यक्ष द्वारा विभाग के पुनरुद्धारित, अनुवादित एवं संपादित ग्रन्थों का परिचय कराया गया तथा विभाग के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

दिनांक 18-20 अक्टूबर, 2022 को संस्थान में नैक पीयर टीम के दौरे के अवसर पर पांच शोध विभागों द्वारा पांच वर्षीय शैक्षणिक गतिविधियों को प्रस्तुत करते हुए

11. डॉ. लोबसंग दोर्जे (विभागाध्यक्ष) ने अन्य शोध विभागों के अध्यक्ष के साथ दिनांक 18.10.2022 को नैक पीयर टीम के समक्ष पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (पी.पी.टी.) के माध्यम से विभाग की पाँच वर्षीय रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

12. डा. लोबसंग दोर्जे ने संस्थान के वेबसाइट हेतु विभाग का परिचय सहित विभाग के सदस्यों का संक्षिप्त परिचय (हिन्दी एवं अंग्रेजी में) तैयार कर प्रस्तुत किया।

13. संस्थान में नैक टीम के आगमन पर शोध विभागीय प्रदर्शनी में नालन्दा के सुप्रसिद्ध 17 भारतीय महान पण्डितों के चित्रपट (=थंका) सहित उनके रचित ग्रन्थों का प्रदर्शन किया गया। जो शोध विभागों में वर्षों से इन महान पण्डितों द्वारा रचित ग्रन्थों पर शोध कार्य किया जाता है। इसलिए उपर्युक्त महान पण्डितों का परिचय कराने हेतु उनके जन्म स्थान, काल, बौद्ध सम्प्रदायों का स्पष्टीकरण, रचित ग्रन्थों की निर्धारित संख्या आदि तथ्यों पर शोध कार्य पूर्ण कर महान पण्डितों के चित्रपट के समक्ष उनकी संक्षिप्त जीवनी को कागजों पर अंकित कर स्थापित किया गया।

14. दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को माननीय श्री किरण रेड्डी, संस्कृति मन्त्री के वाराणसी दौरे के कार्यक्रम अनुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (सारनाथ सर्किल) के साथ समीक्षा बैठक, संस्थान के छात्र-छात्राओं के साथ बातचीत तथा संस्थान भ्रमण के अवसर पर शोध विभाग द्वारा विभागीय ग्रन्थों की प्रदर्शनी तथा समस्त विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित कार्यक्रम में विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

15. डॉ. लोबसंग दोर्जे, के.उ.ति.शि.संस्थान एवं दलाई लामा ट्रस्ट, धर्मशाला के संयुक्त तत्त्वावधान में प्राचीन भारतीय विद्या परियोजना के तहत भारतीय प्राथमिक विद्यालयों के बुनियादी प्राचीन भारतीय पारम्परिक पाठ्यक्रम की रूप रेखा तैयार करने हेतु इस योजना के साथ विगत तीन वर्षों से समन्वयक के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। इस योजना के तहत कुलपति महोदय जी की अध्यक्षता में विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों के साथ चार बार बैठक की गई। जिसमें उन्होंने प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के कक्षाओं के पाठयक्रम का प्रारूप तैयार करने में सहयोग किया है।

नैक पीयर टीम के आगमन के दौरान पांच शोध विभागों के पुनरुद्धारित, संपादित एवं अनूदित प्रकाशित ग्रन्थों की प्रदर्शनी।

(ग) पाण्डुलिपि संबन्धित शैक्षणिक कार्य:-

1. कार्यालयीय आदेश के अनुसार डॉ. लोबसंग दोर्जे (समन्वयक) एवं आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी (सहायक समन्वय) के रूप में महापंडित राहुल सांकृत्यायन जी द्वारा तिब्बत से लाये गये कग्युर-तन्युर एवं सुङबुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत हिन्दी अनुवाद सम्बन्धित सभी कार्यों के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। साथ ही, आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी समिति के सचिव के रूप में परस्पर पत्र-व्यवहार संबन्धित कार्यों की देख-रेख कर रहे हैं।

2. डॉ. लोबसंग दोर्जे एवं आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी द्वारा विगत लगभग चार वर्षों से कग्युर-तन्युर एवं सुङबुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत अपने नियमित कार्य के अतिरिक्त स्थानीय एवं अस्थानीय क्षेत्र के विद्वानों को

अनुवाद से जुड़ने हेतु सम्पर्क करना, इस योजना से जुड़े नये अनुवादकों को भोट संस्करणों के साथ परस्पर समालोचनात्मक संपादन की प्रक्रिया से परिचित कराना, किस प्रकार उद्धरणों को क्रमबद्ध स्थापित करना, टिप्पणी देना, अनुवादकों के साथ समय-समय पर विचार-विमर्श कर सम्बन्धित आवश्यक सामग्रियों की पूर्ति कराना, अनूदित पाठों का संकलन कर पश्चात् अनूदित पाठों की समीक्षा कर समिति द्वारा प्रत्येक अनुवादकों के पारिश्रमिक देय राशि का बिल बना कर भुगतान करने की प्रकिया आदि कार्य सम्मिलित हैं।

3. बिहार सरकार एवं तिब्बती संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में कग्युर-तन्ग्युर एवं सुङबुम के हिन्दी अनुवाद कार्य योजना के तहत लगभग 21 से अधिक लघु ग्रन्थों का समालोचनात्मक संपादन एवं तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद कार्य का प्रथम प्रारूप पूर्ण हो चुका है।वर्तमान समय में अनूदित ग्रन्थों पर संपादन का कार्य निरन्तर हो रहा है। उपर्युक्त सम्पादित ग्रन्थों में से कुछ ग्रन्थों की प्रकाशन हेतु प्रक्रिया चल रही है।

   कालान्तर में कुलपति महोदय जी के मौखिक आदेश के अनुसार बोधगया में परम पावन दलाई लामा जी एवं माननीय मुख्य मन्त्री श्री नीतीश कुमार जी, बिहार सरकार के उपस्थिति में ग्रन्थों का विमोचन करने हेतु हिन्दी अनुवाद कार्य योजना समिति को पांच ग्रन्थों के संपादन आदि का कार्य सम्पन्न करने तथा प्रकाशित करने का दायित्व सौंपा गया। तदनुसार अनुवाद योजना समिति एवं दुर्लभ शोध विभाग के तहत प्रकाशन हेतु तैयार किये गये पांच ग्रन्थों में से चार ग्रन्थ सूत्र एवं शास्त्र तथा एक ग्रन्थ तन्त्र से सम्बद्ध है। उन ग्रन्थों का नाम क्रमबद्ध – 1. तीन विभंग सूत्र, 2. प्रज्ञापारमिताहृदयसूत्र तथा उसकी छह भारतीय टीकायें, 3. आचार्य दीपङ्करश्रीज्ञान विरचित चर्यागीति आदि आठ ग्रन्थ, 4. आचार्य शान्तरक्षित विरचित मध्यमकालङ्कार, वृत्ति तथा कमलशील की पञ्जिका तथा 5. नैरात्म्य भगवत्या आशीःस्तुत्यादि-एकविंशति-वज्रयानग्रन्थाः हैं। उपर्युक्त ग्रन्थों का संपादन एवं प्रकाशन सम्बन्धित सभी कार्यों को पूर्ण रूप से सम्पन्न कर अन्ततोगत्वा प्रतिलिपि (डामी) के रूप में प्रकाशित किया गया। लेकिन माननीय मुख्यमन्त्री (बिहार सरकार) के सन्देश की प्रतीक्षा में प्रेस में प्रकाशन रूका हुआ है।

4. हिन्दी अनुवाद कार्य योजना समिति द्वारा म.प. राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये कग्युर, तन्ग्युर एवं सुङ्-बुम संग्रह से हिन्दी में अनुवाद के कार्याधीन ग्रन्थों की तिब्बती एवं हिन्दी में सूची, ग्रन्थकार का नाम एवं ग्रन्थों का ल्हसा एवं दे-गे संस्करण की संख्या देकर कम्प्यूटर में इन्पुट करने का कार्य किया।

बिहार सरकार एवं के.उ.ति.शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में कग्युर, तनग्युर एवं सुङ्बुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत सर्वेक्षण एवं कार्यशाला में सम्मिलित विद्वानगण।

(घ) सेमिनार / व्याख्यान / कार्याशाला में सहभागिता:-

1. 14 मई, 2022 - संस्थान के अनाथपिण्डद अतिथिगृह के सभागार में सांय 6.30 बजे बुद्धजयन्ती-समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. गेशे ङवङ् समतेन जी ने की। इस अवसर पर **"इक्कीसवीं सदी में बौद्धधर्म"** विषय पर विद्वज्जनों द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया। आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने उपर्युक्त समारोह की व्यवस्था में सहयोग एवं आमन्त्रित अतिथियों को

धन्यवाद ज्ञापन करने का कार्य किया। **इस समारोह में दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ** शोध विभाग की शोध पत्रिका धीः का 62वें अंक भगवान बुद्ध को अर्पित किया गया।

2. 6 जुलाई, 2022 - संस्थान द्वारा 14वें परम पावन दलाई लामा जी के 87वें जन्मदिन के शुभावसर पर **"जागतिक उत्तरदायित्व"** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अध्यक्ष संस्थान के कुलपति प्रो. ङवङ् समतेन, मुख्य अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरे राम त्रिपाठी एवं काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी आदि उपस्थित रहे। उपर्युक्त विषय पर विद्वज्जनों द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया तथा आयोजन समिति के सदस्य के रूप में व्यवस्था सम्बन्धित कार्यों में सहयोग किया।

3. 01 अगस्त, 2022 - संस्थान द्वारा आयोजित बुद्ध के प्रथम धर्मचक्र प्रवर्तन के पुण्य दिवस पर संस्थान के सभी परिवार के द्वारा अतीश सभागार में भोट परम्परा के अनुसार **'बौद्ध त्रिपिटक'** (कग्युर) का पाठ किया गया। इस पुण्य अवसर पर विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

4. 16.08.2022 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के अतिश सभागार में आयोजित "Internal Quality Assurance Cell Orientation" कार्यक्रम में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया।

5. 4-5 नवम्बर, 2022 - पुरातन छात्र संघ (के.उ.ति.शि.संस्थान) तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के संयुक्त तत्त्वावधान में **"तिब्बती एवं हिमालयी अध्ययन"** विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। परम श्रद्धेय संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. समदोंग रिनपोछे द्वारा "आचार्य दीपङ्करश्रीज्ञान के बोधिपथप्रदीप" (त्रिपुरुषमार्ग कर्म) विषय पर प्रवचन दिया गया। पुरातन छात्र संघ (के.उ.ति.शि.संस्थान) तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में "विश्वशान्ति हेतु प्रार्थना सभा" का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

6. 6 नवम्बर, 2022 - पुरातन छात्र संघ एवं संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में "तिब्बती एवं हिमालयी अध्ययन" विषयक "द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन परम श्रद्धेय प्रो. एस. रिनपोछे जी ने किया। इस अवसर पर प्रो. एस. रिनपोछे जी एवं संस्थान के कुलपति द्वारा सभी कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति में पुरातन छात्र संघ के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत निबन्ध "लेख संग्रह ग्रन्थ" का विमोचन किया गया। तत्पश्चात् सेमिनार को 1. दर्शन 2. इतिहास और 3 साहित्य के विषय के अनुसार तीन खण्डों में विभाजित कर सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।

   डॉ. लोबसंग दोर्जे ने उपर्युक्त सम्मेलन में सम्मिलित होकर **"पालि त्रिपिटक का परिचय एवं उसके इतिहास"** विषय पर एक लेख प्रस्तुत कर उसे पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। जिसे पुरातन छात्र संघ द्वारा संकलित "लेख संग्रह ग्रन्थ" में प्रकाशित किया गया है। जिसका पृ. सं. 365-410, आईएसबीएन स. 978-1-948203-18-0 है।

   आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने उपर्युक्त द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा आयोजन समिति के सदस्य के रूप में उपर्युक्त तीन दिवसीय कार्यक्रमों में आमन्त्रित पुरातन छात्र संघ के प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागी अतिथियों के लिए भोजन व्यवस्था के दायित्व को सफलापूर्वक निर्वहन किया।

7. 11-12 नवम्बर, 2022 - सात संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में **'National Conference on Best practices in good Governance'** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हमारे विश्वविद्यालय की ओर से इसका सम्मेलन का आयोजन तिब्बती शिक्षा केन्द्र, पण्डित मदन मोहन मालवीय

नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टिचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। हमारे विभाग की ओर से डॉ. लोबसंग दोर्जे ने भाग लिया।

8. 1-3 दिसम्बर, 2022 - डॉ. लोबसंग दोर्जे रबलिङ ने सेरा जे मठ, मैसूर, कर्नाटक के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित **"चौथे अन्तर्राष्ट्रीय विनय सम्मेलन"** में सम्मिलित होकर **"चार अलग-अलग बौद्ध सिद्धान्तों के बीच 13 संघावशेष नियमों का विश्लेषण एवं स्थापना"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

9. 04.03.2023 से 05.03.2023 - संस्थान के अतिश सभागार में प्रेमचन्द साहित्य संस्थान, गोरखपुर एवं के.उ.ति.शि.संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में **"बुद्ध की धरती पर कविता"** विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

(ङ) व्याख्यान में सहभागिता:-

1. 13.08.2022 - अतिश सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में **"राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों का महत्व"** विषय पर विद्वज्जनों द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया।

2. 20.08.2022 - आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वदेशी जागरणमंच काशी प्रान्त एवं स्वालम्बी भारत अभियान के संयुक्त तत्त्वावधान में अन्तरराष्ट्रीय उद्यमिता दिवस की पूर्व संध्या पर **"समकालीन भारतीय उद्यमिता का वैश्विक प्रभाव"** (Global Impact of Contemporary Indian Entrepreneurship) विषय पर उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अध्यक्ष माननीय अजय कुमार, संगठन मन्त्री, मुख्य वक्ता प्रो. एस के दूबे, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.गेशे ङवङ समतेन आदि विद्वज्जनों द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

3. 11 सितम्बर, 2022 - संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व में बुद्ध थीम, सारनाथ में **"धर्मचक्र प्रवर्तन दिवस"** का आयोजन किया गया। जिसमें आमन्त्रित विभाग के सदस्यों ने भाग लिया।

4. 26.11.2022 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर अतिश सभागार में माननीय कुलपति प्रो. गेशे ङवङ समतेन की अध्यक्षता में **"भारतीय संविधान के संवैधानिक मूल्य और मौलिक सिद्धान्त"** (Constitutional Values and Fundamental Principles of the Indian Constitution) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. सिद्धार्थ सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट वक्ता डॉ. अभय पाण्डेय, विधि अधिकारी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया।

5. 29.12.2022 से 31.12.2022 - बोधगया, बिहार में परम पावन दलाई लामा जी द्वारा आचार्य नागार्जुन विरचित **"बोधिचित्त विवरण"** ग्रन्थ पर उपदेश दिया गया। जिसमें डॉ. लोबसंग दोर्जे ने व्यक्तिगत रूप से अवकाश लेकर उक्त प्रवचन में भाग लिया।

6. 18.01.2023 - संस्थान के अतिश सभागार में आईक्यूएसी द्वारा आयोजित **"Between Abhinava Gupta and Daya Krishana K.C Bhattacharya on other minds"** विषय पर प्रो. जे गार्फिल्ड द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

7. 27.03.2023 - अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्थान में आयोजित **"प्रोद्योगिक और डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान"** विषयक व्याख्यान में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया।

8. 25.03.2023 - संस्थान में वाणी प्रकाशन ग्रूप द्वारा आयोजित **"लोकार्पण एवं परिचर्चा"** कार्यक्रम में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

(च) अन्य प्रशासनिक कार्य-

1. 16.04 2022 से 30.04. 2022 - स्वच्छ भारत मिशन के सन्दर्भ में सक्षमाधिकारी की स्वीकृति से अवर सचिव पत्र सं. F.N.-H/13011/101/2018, Est. दिनांक 5 अप्रैल, 2022 के अनुपालन में स्वच्छता पखवाडा मनाया गया है। जिसके अन्तर्गत दिनांक 20.04.2022 को सभी कर्मचारी अपने-अपने कार्यालय के अन्दर एवं बाहर सफाई हेतु श्रमदान किया। दिनांक 25.04.2022 को कुलपति कार्यालय के कर्मचारी, शोध एवं प्रकाशन अनुभाग के कर्मचारियों द्वारा कमलशील भवन तथा सम्भोट भवन के आस-पास सफाई हेतु श्रमदान, दिनांक 29.04.2022 को संस्थान के कर्मचारी आवास में निवासरत कर्मचारियों द्वारा साफ-सफाई सम्बन्धित श्रमदान कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

2. 09.05.2022, 13.05.2022, तथा 23.05.2022 - आईक्यूएसी के द्वारा आहूत बैठकों में डॉ. लोबसंग दोर्जे सम्मिलित हुए, जिसमें आगामी नैक पीयर टीम के आगमन के समय संस्थान के प्रत्येक विभाग को अपने-अपने दायित्व को वहन करने हेतु दिशा-निर्देशों पर विस्तृत चर्चा हुई।

3. 21 जून 2022 - संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति स्थापित करने हेतु विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इसी सातत्य में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ एवं अन्तर विश्वविद्यालय योग केन्द्र, बेंगलुरू के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 20.06.2022 को प्रातः 7.00 बजे से 9.00 बजे तक ग्रन्थालय उद्यान में राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के कर्मचारियों एवं छात्रों द्वारा हर्ष एवं उल्लास के साथ योग का अभ्यास किया गया। तदुपरान्त माननीय कुलपति द्वारा योग सम्बन्धित विषय पर प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

4. 5 सितम्बर, 2022 - आईक्यूएसी के माध्यम से अतिश सभागार में **"शिक्षक दिवस"** समारोह का आयोजन किया गया। उस अवसर पर छात्र एवं छात्राओं द्वारा संस्थान के समस्त अध्यापकगण एवं कर्मचारियों को फूलों से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात् वरिष्ठ शिक्षकों एवं कुलपति महोदय जी द्वारा समस्त छात्र एवं छात्राओं को संबोधित किया। जिसमें विभाग के सभी सदस्य सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए।

5. 26.09.22 से 01.10.2022 - आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित राजभाषा सप्ताह समारोह के एक विशेष सत्र में **"वैश्वीकरण और हिन्दी दशा, पारिभाषिक शब्दावली एवं मातृभाषा उच्च शिक्षा के विकास में उपयोगी है या नहीं"** विषयों पर विद्वज्जनों द्वारा प्रदत्त व्याख्यान समारोह में भाग लिया।

6. 02.10.2022 - **"गाँधी जयन्ती"** के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा कार्य योजना के तहत संस्थान के नेहरु अतिथि गृह के लॉन में माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण, श्रमदान एवं वृक्षारोपण के कार्यक्रम में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

7. 31.10.2022 से 04.11.2022 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की सतर्कता समिति द्वारा **"सतर्कता सप्ताह समारोह"** के तहत विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

8. 01.11.2022 - नैक पीयर टीम के निरीक्षण के उपरान्त हमारे विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ए ग्रेड प्राप्त होने के उपलब्धि पर माननीय कुलपति जी द्वारा संबोधन में समस्त विश्वविद्यालय परिवार को सन्तुष्टि व्यक्त करते हुए पहले से दौगुना जोश के साथ कार्य करने लिए प्रोत्साहन किया। इस समारोह के शुभावसर पर विभाग के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।

9. 10 नवम्बर, 2022 - डॉ. लोबसंग दोर्जे ने 51वें गेलुग छात्र कल्याण समिति के वार्षिक लेखा-जोखा हेतु लेखा परीक्षक के रूप में नामांकित किया गया। तदनुसार लेखा-जोखा सम्बन्धित सभी कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न किया।

10. 11-12 नवम्बर, 2022 - कार्यालय द्वारा निर्गत आदेश के अनुसार आचार्य नवांग ग्यालछेन को ञिङ्मा छात्र कल्याण समिति के वार्षिक लेखा-जोखा हेतु लेखा परीक्षक के रूप में नामांकित किया गया। तदनुसार उन्होंने ञिङ्मा सम्प्रदाय के वार्षिक लेखा-जोखा सम्बन्धित सभी कार्यों को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया।

11. 14-15 नवम्बर, 2022 - संस्थान के कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को 11वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के द्वारा प्रदर्शित सुरक्षा-कार्यक्रम में विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

12. 15.11.2022 - संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के तीन सदस्य दल ने संस्थान में निरीक्षण हेतु दौरा किया गया। उस दौरान विभाग द्वारा विभागीय शोध कार्यों की प्रदर्शनी एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। जिससे सदस्यीय दल ने उपलबधियों और प्रस्तुतीकरण की व्यवस्था से सन्तुष्ट होकर विभाग की सराहना की।

13. पुनरुद्धार विभाग एवं अनुवाद विभाग सहित शोध-कक्ष के कार्यालयों के भीतरी रूप-रेखा या बनावट का परिवर्तन कर नये सिरे से निर्माण कराने हेतु कार्यालय द्वारा निर्माण कार्यों की देख-रेख का दायित्व सम्बन्धित विभाग को सौंपा गया। तदनुसार विभागाध्यक्ष के सहायक के रूप में आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने दोनों विभागों का प्रारम्भ से लेकर समाप्ति पर्यन्त कार्यालयों की मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की देख-रेख, कार्यालयों के भीतरी फर्नीचर, स्टेशनरी और प्लासटिक मेट लगवाने तथा अन्य सभी कार्यों की व्यवस्था के दायित्व को सफलता पूर्ण सम्पन्न करने में रूप से सहयोग किया।

14. डॉ. लोबसंग दोर्जे, पुनरुद्धार विभाग, के.उ.ति.शि. संस्थान को दलाई लामा इंस्टीटयूट ऑफ हायर एजुकेशन, बैंगलोर द्वारा पीएचडी छात्रों के मार्ग दर्शन हेतु सह-मार्गदर्शक (co-guide) के रूप में नामांकित किया गया। साथ ही, दिनांक 15-16 दिसम्बर, 2022 को संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय पीएचडी प्री सबमिशन सेमिनार में भाग लेने हेतु अनुरोध किया गया। उन्होंने सेमिनार में भाग लिया और अपने विचार साझा किया तथा सुझाव दिया।

15. 13.02.2023 - अतिश सभागार में यूको बैंक द्वारा आयोजित **"साइबर सुरक्षा और वित्तीय जागरूकता"** विषयक कार्यक्रम के चर्चा में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

16. 03.03.2023 - संस्थान में आयोजित **"केदारनाथ सिंह सम्मान समारोह"** के कार्यक्रम में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया।

17. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने तिब्बती भाषा में विभाग के वर्ष 2021-2022 का वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर धर्म एवं संस्कृति विभाग, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला को प्रस्तुत किया।

18. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने विभाग के वर्ष 2021-2022 का वार्षिक रिपोर्ट हिन्दी में तैयार कर प्रस्तुत किया तथा दिनांक 17 मई, 2023 को कग्युर, तनग्युर एवं सुङ्बुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत बिहार सरकार को वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत किया।

19. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने वर्ष 2022-2023 के सत्र के दौरान आवास आवंटन की बैठकों में भाग लिया।

समितियों के सदस्य -

डॉ.लोब्संग दोर्जे-

1. सदस्य:- एच.ए.सी. समिति

2. सदस्यः- समाज सेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ
3. सदस्यः- उपाध्यक्ष, पुरातन छात्र संघ (के.उ.ति.शि. संस्थान)
4. सदस्यः- पदक व्यवस्थापक समिति

आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी

1. सदस्यः- अनुसूचित जनजाति

2. अनुवाद विभाग

उद्देश्यः

अनुवाद विभाग शोध विभाग का एक महत्त्वपूर्ण अंग है, जो बुद्ध वचन के साथ-साथ उन पर प्राचीन भारतीय बौद्धाचार्यों की टीकाओं तथा भोटाचार्यों द्वारा विरचित ग्रन्थों के अनुवाद एवं भोटपाठ का सम्पादन सहित शोधपरक संदर्भों, इन्डेक्स एवं समीक्षात्मक भूमिका लेखन द्वारा शोधपरक ग्रन्थों के प्रकाशन कार्य में संलग्न है।

अनुवाद विभाग के चार प्रमुख आयाम हैं- संस्कृत पाण्डुलिपियों एवं तिब्बती पाठ का सम्पादन, तिब्बती अनुवाद की सहायता से विलुप्त बौद्ध संस्कृत सूत्र-शास्त्र ग्रन्थों का संस्कृत में पुनरुद्धार, तिब्बती, संस्कृत एवं पालि भाषा में विरचित विद्वान् आचार्यों के प्रचलित बौद्ध साहित्यिक ग्रन्थों का हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में अनुवाद तथा महत्त्वपूर्ण संस्कृत ग्रन्थों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करना।

वर्तमान सत्र में सामूहिक कार्य के रूप में आचार्य बुद्धपालित विरचित **संस्कृतपरीक्षा** (सप्तमं प्रकरणम् मूलमध्यमक-वृत्तिः) के त्रुटित अंशों का भोटानुवाद के सहयोग से संस्कृत में पुनरुद्धार एवं सम्पादन किया गया है तथा धीः वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

इसके अतिरिक्त कार्यालयीय आदेशानुसार विभागाध्यक्ष अतिरिक्त कार्य के रूप में अनिवार्य संस्कृत भाषा के अध्यापन का एवं प्रकाशन अनुभाग के प्रभारी का दायित्व भी निभा रहे हैं और साथ ही, कई समितियों के अध्यक्ष हैं।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1.	डॉ० पेमा तेनजिन	-	प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष
2.	डॉ० रामजी सिंह	-	सहायक प्रोफेसर (30 जून 2022 को सेवानिवृत्त)
3.	एसोसिएट प्रोफेसर	-	रिक्त
4.	2 शोध सहायक	-	रिक्त

(1) विभागीय मुख्य कार्य :

क. प्रकाशित ग्रन्थ :

बुद्धपालित विरचित मूलमध्यमकवृत्तिः (सप्तमं प्रकरणम्) संस्कृतपरीक्षा : सामूहिक कार्य के रूप में आचार्य बुद्धपालित विरचित मूलमध्यमकवृत्ति की प्राप्त त्रुटित एवं अपूर्ण पाण्डुलिपि से सातवें प्रकरण के त्रुटित अंशों का भोटानुवाद से संस्कृत में पुनरुद्धार सहित सम्पादन कार्य किया गया, जिसे धीः में प्रकाशित किया गया। धीः-62, ISSN 2395-1524, 2022

ख. प्रमुख कार्य (जो प्रगति पर हैं) :

1. **आर्यसन्धिनिर्मोचनसूत्र :** संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य पूर्ण हो चुका है, इस सत्र में तिब्बती पाठ का मिलान एवं सम्पादन पूर्ण किया गया। सम्प्रति हिन्दी भूमिका लेखन एवं परिशिष्ट आदि पर कार्य चल रहा है।

2. **स्वार्थानुमान का हिन्दी अनुवाद :** स्वर्गीय प्रोफेसर रामशङ्कर त्रिपाठी द्वारा अनूदित स्वार्थानुमान के हिन्दी अनुवाद के पाण्डुलिपि का संशोधन एवं सम्पादन कार्य अन्तिम चरण पर है।
3. **महायानसूत्रालंकार :** ग्रन्थ का टीका सहित हिन्दी अनुवाद एवं भाषागत संशोधन तथा कम्प्यूटरीकरण पूर्ण हो चुका है। भोटपाठ का अन्य संस्करणों से मिलान सहित सम्पादन कार्य सहित भूमिका एवं परिशिष्ट कार्य अवशिष्ट हैं।

नोट: (उक्त ग्रन्थों पर कार्य करते समय ग्रन्थ का अध्ययन, विद्वानों के साथ विषयगत चर्चा, परामर्श, भोट अथवा संस्कृत पाठ का सम्पादन, पारिभाषिक शब्दों का चयन, टीकाओं एवं सहायक ग्रन्थों का अध्ययन, सूचनाएं, पाद-टिप्पणियाँ, बिब्लियोग्राफी, शब्द-कोश, भूमिका, तीन भाषाओं में कम्प्यूटर कम्पोजिंग, कई बार प्रूफ रीडिंग, भाषागत एवं विषयगत संशोधन एवं अन्तिम निर्णयात्मक सम्पादन, कम्प्यूटर में संशोधन कार्य, प्रकाशनार्थ कम्प्यूटराइज्ड कापी तैयार करना इत्यादि कार्य सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर एक उच्च स्तरीय शोधपरक ग्रन्थ तैयार किया जाता है।)

ग. सामूहिक पुनरुद्धार/अनुवाद एवं सम्पादन कार्य :

1. **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका :** (संस्कृत पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद) ग्रन्थ का संस्कृत में पुनरुद्धार, भोटपाठ का अन्य संस्करणों के साथ मिलान कर सम्पादन, हिन्दी अनुवाद का कार्य पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन आदि कार्य प्रगति पर हैं।
2. **युक्तिषष्ठिका एवं वृत्ति :** (आचार्य चन्द्रकीर्ति) सामूहिक कार्य के रूप में इस ग्रन्थ का पुनरुद्धार एवं अनुवाद कार्य बहुत पहले किया जा चुका है, किन्तु भोटपाठ से सम्बन्धित कार्यों में विलम्ब की वजह से कार्य बाधित है।

(2) अध्यापन कार्य :

प्रोफेसर पेमा तेनजिन, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संस्कृत विभाग में उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अनिवार्य संस्कृत भाषा का निरन्तर अध्यापन कर रहे हैं और कक्षा से सम्बन्धित उपस्थिति, प्रस्तुति, एसाइन्मेन्ट, मङ्गलाचरण पाठ, श्लोक-पाठ, श्लोक कण्ठस्थीकरण, प्रश्न-पत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन इत्यादि कार्य का निर्वहन कर रहे हैं।

(3) सेमिनार एवं कार्यशाला में प्रतिभागिता :

द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार 5-6 नवम्बर, 2022" भूतपूर्व छात्र संगठन, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित।

(4) शोध-प्रबन्ध एवं प्रकाशन, व्याख्यान (विभागाध्यक्ष) :

1. 17-18 मई 2022 : पीएच.डी. में प्रविष्ट नये छात्रों के लिए "शोध, सम्पादन एवं अनुवाद" विषय पर दो वक्तव्य दिया।
2. "प्रतीत्यसमुत्पाद : व्युत्पत्ति, स्वरूप एवं सिद्धान्त" भूतपूर्व छात्र संगठन, तिब्बती संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा प्रकाशित वर्ष 2022, आईएसबीएन : 978-1-948203-18-0
3. "आचार्य नागार्जुन एवं भावों की निःस्वभावता" अगरतल्ला विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशनार्थ प्रेषित
4. "प्राचीन भारतीय विद्याओं का तिब्बत पर प्रभाव" नामक लेख तैयार किया।

5. 13 मार्च, 2023 को नवीन शोध छाओं के लिए "know your Campus" (Trans./Restoration/R B Texts/Dictionary /Publication) पर एक व्याख्यान दिया।
6. NAAC Peer Team के दौरे के दौरान् सम्पूर्ण तैयारियों के साथ अनुवाद विभाग की ओर से एक पीपीटी अर्थात् विभागीय पावर प्वाइन्ट प्रस्तुति हिन्दी-अंग्रेजी में की।

(5) अन्य शैक्षणिक क्रियाकलाप :

1. बौद्धविज्ञान एवं सिद्धान्त समुच्चय (तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद) प्रथम भाग प्रायः पूर्ण हो गया है, यथाशीघ्र प्रकाशनार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।
2. केन्द्रीय बौद्ध शिक्षा संस्थान, लेह के एक पीएच. डी. छात्र छेवांग दोर्जे द्वारा तिब्बती भाषा में प्रस्तुत शोध प्रबन्ध "साक्य परम्परा के अनुसार आलयविज्ञान की मान्यता" का मूल्यांकन किया।
3. 19 अप्रैल 2022 : शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्रों का कण्ठस्थ वाक् परीक्षा सम्पादित कर रिपोर्ट प्रस्तुत किया।
4. 7 मई 2022 : डेनमार्क के दो शोधकर्ताओं के साथ बुद्ध एवं ध्यान विषय पर साक्षात्कार में प्रश्नोत्तरी की गयी।
5. 7 सितम्बर 2022 : केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के एक पीएचडी छात्र का ऑनलाइन साक्षात्कार लिया।
6. 30 मार्च 2023 : इंडोनेशिया एलिजाबेथ डी. इनानडिआक के साथ साक्षात्कार एवं प्रश्नोत्तरी।
7. 30 मार्च 2023 : वाइस ऑफ अमेरिका (तिब्बती रेडियो) द्वारा साक्षात्कार में अनुवाद विभाग एवं प्रकाशन अनुभाग की उपलब्धियों एवं कार्यों पर प्रकाश डाला गया तथा व्यक्तिगत प्रश्नोंत्तरी भी की गयी।
8. डॉ. टाशी पलजोर, भूतपूर्व निदेशक, केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के द्वारा हिन्दी में अनूदित मध्यम बोधिपथक्रम के भाषागत संशोधन का कार्य प्रारम्भ किया गया, किन्तु कुछ कारणों से कार्य अवरुद्ध है।

(6) अन्य प्रशासनिक कार्य/प्रकाशन प्रभारी :

1. प्रोफेसर पेमा तेनजिन अनुवाद विभाग एवं अध्यापन के अतिरिक्त प्रकाशन-प्रभारी के रूप में विगत एक दशक से भी अधिक समय से प्रकाशन अनुभाग का कार्यभार सभाँलते हुए प्रकाशन अनुभाग के समस्त कार्यालयीय कार्यों की देख-रेख, ग्रन्थों का सम्पादन, संशोधन एवं प्रकाशनार्थ समस्त प्रक्रियाओं को पूर्ण कर प्रिन्टिंग प्रेस को प्रेषित करना, प्रकाशन में सुधार लाना आदि दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।
2. पटना संग्रहालय का राहुल संग्रह के तहत कग्युर, तन्ग्युर एवं सुङ्बुम का हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृत पाण्डुलिपियों का सम्पादन के अन्तर्गत प्रकाशित किये जाने वाले ग्रन्थों के प्रारूप, मूल्य निर्धारण, कवर पृष्ठ शीर्षक आदि के लिए कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के प्रतिनिधि डॉ. विमल तिवारी के साथ माननीय कुलपति की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें ग्रन्थों के प्रकाशनार्थ छपाई, मुखड़ा, फोन्ट, कागज, आकार आदि का निर्धारण किया गया।

(7) समिति-सदस्यता :

प्रोफेसर पेमा तेनजिन निम्नलिखित समितियों के सदस्य हैं - • पब्लिकेशन समिति, सचिव, पब्लिकेशन विभाग • चेयरमेन- कुलसचिव की नियुक्ति हेतु स्क्रीनिंग समिति • संस्थान के विभिन्न पदों के चयनार्थ स्क्रीनिंग समिति, • स्वच्छता अभियान समिति • रिगरस ट्रेनिंग कोर्स समिति, अध्यक्ष- रजिस्ट्रार चयन-समिति • सदस्य- डीरसी डिपार्टमेन्ट रिसर्च कमेटी • सदस्य, कर्मचारी आवास आवंटन समिति, • अध्यक्ष- वेतन संरक्षण समिति इत्यादि।

3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

1. विभाग की शैक्षिक पृष्ठभूमि–

क. परिकल्पना–

ऐतिहासिक विडम्बना के फलस्वरूप भारत से प्राचीन बौद्ध-संस्कृत साहित्य का अधिकांश भाग प्रायः विलुप्त हो चुका था। भारत के इस प्राचीन बौद्धिक सम्पदा के कुछ अंश भारत के पड़ोसी देशों, विशेषकर नेपाल एवं तिब्बत में पाण्डुलिपियों के रूप में उपलब्ध हुए हैं। परवर्ती समय में इन देशों से अनेक पाण्डुलिपियाँ विश्व के अनेक पुस्तकालयों में पहुँच गयीं। उस विलुप्त साहित्य का विशेषकर "बौद्धतन्त्र-साहित्य" का पुनरुद्धार, सम्पादन, प्रकाशन तथा शोध की परिकल्पना की दृष्टि से इस विभाग की स्थापना की गई है।

ख. स्थापना–

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थों के शोध एवं प्रकाशन की इस अति महत्त्वपूर्ण एवं महत्त्वाकांक्षी योजना को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के सहयोग से केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में *नवम्बर, 1985* से प्रारम्भ किया गया था। प्रारम्भ में इसके कार्य-क्षेत्र एवं अध्ययन तथा शोध के आयामों के निर्धारण के लिए पाँच महीने का पायलेट प्रोजेक्ट संचालित किया गया था। तत्पश्चात् इसकी उपलब्धियों, विषय की महत्ता एवं व्यापकता को दृष्टि में रखते हुए *1 अप्रैल, 1986* से इसे पञ्चवर्षीय योजना का रूप प्रदान कर संचालित किया गया, जिसे बाद में संस्थान के स्थायी अनुभाग के रूप में स्वीकृत किया गया और सम्प्रति संस्थान के शोध-संकाय के अन्तर्गत स्थायी विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। इस शोध विभाग के प्रथम योजना निदेशक एवं द्रष्टा स्व. प्रो. जगन्नाथ उपाध्याय जी थे।

ग. विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1.	प्रो. कामेश्वरनाथ मिश्र	-	विजिटिंग प्रोफेसर (10 जनवरी, 2023 को दिवंगत)
2.	श्री ठिनलेराम शाशनी	-	एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
3.	डॉ. विजयराज वज्राचार्य	-	शोध-सहायक
4.	डॉ. छेरिङ् डोलकर	-	शोध-सहायक
5.	डॉ. रञ्जनकुमार शर्मा	-	शोध-सहायक
6.	डॉ. रवि गुप्त मौर्य	-	शोध-सहायक
7.	रिक्त	-	सहायक प्रोफेसर
8.	रिक्त	-	सहायक प्रोफेसर
9.	रिक्त	-	शोध सहायक

घ. विभागीय पुस्तकालय–

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग में प्रारम्भ से ही पृथक् रूप से विभागीय पुस्तकालय की स्थापना की गई है। शोध कार्य को दृष्टि में रखकर विभागीय पुस्तकालय में मुख्यतः बौद्ध, जैन, शैव, शाक्त, वैष्णव आदि तन्त्रों एवं भारतीय दर्शन से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण साहित्य का संकलन किया जाता है।

ङ. वर्ष 2022-2023 में नये ग्रन्थों का चयन तथा क्रय–

वर्ष 2022-2023 में विभागीय पुस्तकालय के लिए कोई नया ग्रन्थ क्रय नहीं किया गया। इस अवधि में संस्थान के प्रकाशन विभाग से 16 ग्रन्थ निःशुल्क तथा 01 ग्रन्थ भेंट स्वरूप प्राप्त हुए। इनका मूल्य रुपये 3400.00 है। इसमें

13 द्वि-भाषी एवं 04 बहु-भाषी ग्रन्थ हैं। प्रकाशन विभाग से निःशुल्क/भेंट स्वरूप प्राप्त ग्रन्थों को परिग्रहण-पञ्जिका में क्रम-संख्या 02398 से 02414 तक अंकित किया गया है।

2. **प्रकाशन, सम्पादन एवं शोध-कार्य–**

क. **शोध-पत्रिका 'धीः' का संक्षिप्त-परिचय एवं योगदान–**

बौद्धतन्त्रों से सम्बन्धित नवीन शोध-कार्यों और उनसे प्राप्त निष्कर्षों तथा हो रहे शोध कार्यों की नवीनतम सूचनाओं को विश्व के विद्वानों एवं शोधार्थियों तक पहुँचाने के लिए विभाग द्वारा 'धीः' नामक वार्षिक शोध-पत्रिका प्रकाशित की जाती है। विभाग के प्रारम्भ से अब तक यह पत्रिका अविच्छिन्न रूप से प्रकाशित हो रही है। बौद्ध-अध्ययन, विशेषकर बौद्धतन्त्रों के अध्ययन में संलग्न विद्वानों द्वारा इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। सम्प्रति, इस शोध-पत्रिका का देश-विदेश के 15 शोध-पत्रिकाओं के साथ विनियम हो रहा है। इस शोध-पत्रिका के अधिकांश स्तम्भ विभागीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जाते हैं। प्रस्तुत आलोच्य वर्ष तक इसके 62 अंक प्रकाशिक हो चुके हैं।

ख. **'धीः' शोध-पत्रिका के 62वें अंक का प्रकाशन–**

इस वर्ष धीः शोध-पत्रिका के 62 वें अंक का प्रकाशन वैशाख-पूर्णिमा (दिनांक 16 मई, 2022) के शुभ अवसर पर किया गया। इस अंक में राहुल-सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गए बौद्ध संस्कृत पाण्डुलिपियों के प्रकाशन के अन्तर्गत 02 नवीन स्तोत्र तथा 13 लघु ग्रन्थ समाविष्ट हैं। साथ ही, *दुर्लभ ग्रन्थ-परिचय* के अन्तर्गत भूतडामरतन्त्रसंग्रह में उपलब्ध 07 ग्रन्थों का भी परिचय दिया गया है।

ग. **'धीः' शोध-पत्रिका के आगामी 63 वें अंक का शोध एवं सम्पादन-कार्य–**

इस आलोच्य वर्ष में धीः शोध-पत्रिका के आगामी 63 वें अंक में प्रकाशनार्थ राहुल-संग्रह में उपलब्ध स्तोत्र एवं लघु-ग्रन्थों का शोध एवं सम्पादन, अन्य सम्बन्धित शोध-सामग्रियों का संकलन, सम्पादित ग्रन्थों का कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट, प्रूफ रीडिंग तथा संशोधन सहित सम्पादन-कार्य किया जा रहा है।

घ. **'धीः' शोध-पत्रिका के 62 वें अंक में प्रकाशित स्तोत्र, लघु ग्रन्थ एवं अन्य शोध-सामग्री–**

(1) महापण्डितश्रीशून्यसमाधिवज्रपादानां भगवतः श्रीहेवज्रस्य गुणस्रग्धरानामस्तुतिः

(2) नैरात्म्याया भगवत्या आशीःस्तुतिः

(3) दुर्लभ-ग्रन्थ-परिचय (भूतडामरतन्त्र-संग्रहः में उपलब्ध पाण्डुलिपियों का विवरण)

(4) आचार्यचन्द्रकीर्त्तिकृतं वज्रसत्त्वनिष्पादनसूत्रम्

(5) आचार्यचन्द्रकीर्त्तिपादकृतः श्रीगुह्यसमाजमहायोगतन्त्रे उत्पत्तिक्रमसाधनस्य मन्त्रोद्धारः

(6) आचार्यनागबुद्धिपादकृता व्यवस्थोलिः

(7) अमृतप्रभानामसाधनोपायिका हेवज्रस्य नैरात्म्यासाधनम्

(8) आचार्यश्रीमद्-अललवज्रपादानां सहजद्विभुजहेवज्रसाधनम्

(9) पण्डितस्थविर-मञ्जुकीर्तिपादविरचितः आदिकर्मावतारः

(10) आदिकर्मावतारप्रतिबद्धम्

(11) बुद्धादिपूजाविधिः

(12) बुद्धपालित-मूलमध्यमकवृत्तिः (सप्तमं प्रकरणम्) संस्कृत-परीक्षा

(13) आनन्दध्वजश्रीभद्रविरचितः ताराभट्टारिकाभिसमयः (भोट से संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी में अनुवाद)

(14) त्रिस्कन्धकम् (=आर्य-त्रिस्कन्धसूत्रम्) भोट से संस्कृत तथा हिन्दी अनुवाद)

(15) भोटाचार्य ग्यल्-वहि वङ्-पो कुन्-गा पल्-जोर् विरचित अन्तराभव-अध्येषणा (भोट से हिन्दी अनुवाद)

(16) भोटाचार्य कुन्-गा मि-ग्युर दो-र्जे विरचित अन्तराभव-अध्येषणा की गम्भीर-आशु-मार्ग-सोपान-नाम-संक्षिप्त-अभिधेयार्थ-टीका (भोट से हिन्दी में अनुवाद)

3. संस्कृत तथा भोट-ग्रन्थों के सम्पादन एवं प्रकाशन की प्रक्रिया तथा इस आलोच्य वर्ष में सम्पादित शोध-कार्यों का विवरण–

सम्पादन एवं प्रकाशन की प्रक्रिया– प्रथमतः सम्पादन हेतु ग्रन्थ का चयन, चयनित ग्रन्थ पर शोध एवं विभिन्न ग्रन्थागारों से पाण्डुलिपियों का संकलन एवं वर्गीकरण, देवनागरी में लिप्यन्तरण, कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट, विभिन्न संस्कृत-पाण्डुलिपियों तथा क-ग्युर एवं तन-ग्युर के विभिन्न भोट-संस्करणों से पाठ-संकलन, संकलित पाठों के आधार पर पाठ-निर्णय, संस्कृत एवं भोट-संस्करण का परस्पर पाठ-मिलान, निर्णीत पाठों एवं पाद-टिप्पणियों का डाटा-इनपुट, प्रूफ-रीडिंग एवं संशोधन तथा श्लोकार्धानुक्रमणी, उद्धृतवचन-सूची, शब्द-सूची आदि विविध परिशिष्टों का निर्माण, ग्रन्थ से सम्बन्धित अन्य शोध-सामग्रियों का संकलन और प्राक्कथन एवं भूमिका-लेखन सहित चयनित ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर प्रकाशनार्थ सी.आर.सी. तैयार करना।

4. विभाग से प्रकाशित ग्रन्थों के नाम–

(1) श्रीहेवज्रसाधनवज्रप्रदीपनाम टिप्पणी विशुद्धिः (संस्कृत-संस्करण)

(2) श्रीमत्काण्हपाद विरचित दोहाकोशः, सिद्धाचारिणि मेखला प्रणीतया टीकया, पण्डित अमृतवज्रप्रणीतया च टीकया सहिता (संस्कृत-संस्करण)

(3) अभिषेकविधिः (संस्कृत-संस्करण)

(4) श्रीसर्वबुद्धसमायोगडाकिनीजालसंवरनामतन्त्रम् (संस्कृत-संस्करण)

5. प्रकाशन विभाग को प्रकाशनार्थ प्रेषित ग्रन्थ–

(1) **श्रीचतुष्पीठमहातन्त्रराजः (प्रथमो भागः)** (संस्कृत तथा भोट संस्करण)

आत्मपीठ तथा परपीठ प्रकरण के 08 पटलों से युक्त श्रीचतुष्पीठतन्त्रराजः (प्रथमो भागः) के सम्पादन-कार्य को अन्तिम रूप दिया गया तथा श्लोकार्धानुक्रमणी, प्रस्तावना, उपोद्घात, विषय-सूची, पाण्डुलिपियों के विवरण आदि कार्यों को निष्पादित कर प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को सौंपा गया।

(2) **नैरात्म्याया भगवत्या आशीःस्तुत्यादि-एकविंशति-वज्रयानग्रन्थाः [प्रथमो भागः]** (संस्कृत-संस्करण)–

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, (बिहार सरकार) तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के मध्य हुए समझौता-ज्ञापन के तहत इस संग्रह-ग्रन्थ के प्रथम भाग का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये वज्रयान साधनोपायिका से सम्बद्ध 21 स्तोत्र एवं लघु ग्रन्थ संकलित हैं। इस अवधि में उपर्युक्त संग्रह-ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर श्लोकार्धानुक्रमणी, उपोद्घात, पुरोवाक्, विषय-सूची, पाण्डुलिपियों का विवरण आदि कार्यों को निष्पादित कर, परम पावन दलाई लामा जी का संदेश सहित प्रकाशनार्थ तैयार किया गया है, किन्तु मुख्यमन्त्री (बिहार सरकार) के संदेश की प्रतीक्षा में अभी इसका प्रकाशन प्रेस में रुका हुआ है।

6. **आगामी योजनान्तर्गत प्रकाशनाधीन ग्रन्थों का विवरण–**

(1) **श्रीचतुष्पीठतन्त्रराजस्य स्मृतिनिबन्धनाम-टीका** (संस्कृत-संस्करण)

इस ग्रन्थ के आत्मपीठ प्रकरण के द्वितीय पटल का 'क', 'ख' तथा 'ग' पाण्डुलिपियों से पुनः पाठ-मिलान का कार्य सम्पन्न किया गया।

(2) **सम्पुटोद्भवतन्त्रम्** (संस्कृत-संस्करण)

इस ग्रन्थ के तृतीय कल्प का द्वितीय से चतुर्थ प्रकरण; चतुर्थ कल्प का प्रथम से चतुर्थ प्रकरण तथा पञ्चम कल्प का प्रथम से चतुर्थ प्रकरण तक कुल 11 प्रकरणों का पुनः प्रूफ संशोधन का कार्य सम्पन्न किया गया।

(3) **सम्पुटोद्भवतन्त्रम्** (भोट-संस्करण)

इस ग्रन्थ के पाँचवें कल्प का तृतीय तथा चतुर्थ प्रकरण, छठवें कल्प का प्रथम से चतुर्थ प्रकरण तथा सातवें कल्प का प्रथम प्रकरण तक कुल सात प्रकरणों के पाद-टिप्पणियों को पुनः कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट और सेटिंग का कार्य सम्पन्न किया गया।

(4) **पञ्चविंशत्यमनसिकारधर्मग्रन्थाः** (संस्कृत-संस्करण)

इस संग्रह-ग्रन्थ के अन्तर्गत मैत्रीपादविरचित "सेकतात्पर्यसंग्रहः" तथा "सेकनिर्देशः" नामक दो लघु ग्रन्थों का हिन्दी-अनुवाद का कार्य सम्पन्न किया गया।

7. **'धीः' शोध-पत्रिका के 63वें अंक तथा आगामी अंकों में प्रकाशनार्थ लघु ग्रन्थों के सम्पादन-कार्यों का विवरण–**

(1) **नैरात्म्यास्तुतिः**

भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, स्तोत्र में आवश्यक-संशोधन एवं प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर इस स्तोत्र को अन्तिम रूप दिया गया।

(2) **महापण्डित-महामण्डलाचार्य-सुभूतिपालितपादानां श्रीभूतडामरभट्टारकस्य साधनम्**

इस लघु ग्रन्थ का वर्तुल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, आद्योपान्त भोट-पाठ से पाठ-मिलान, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(3) **महाचार्य-सुभूतिपालितपादानां श्रीभूतडामरमण्डलविधिः**

इस लघु ग्रन्थ का वर्तुल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, आद्योपान्त भोट-पाठ से पाठ-मिलान, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(4) **पण्डितरत्नाकरशान्तिपादानां भ्रमहरसाधनं नाम हेवज्रसाधनोपयिका**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, अन्य मुद्रित-पाठ तथा भोट-पाठ के साथ ग्रन्थ का पाठ-मिलान, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(5) **आचार्यसरोरुहवज्रपादानां श्रीहेवज्रस्य साधनोपायिका**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, अन्य मुद्रित-पाठ तथा भोट-पाठ के साथ ग्रन्थ का पाठ-मिलान, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(6) **बलितत्त्वाधिकारः**

इस लघु ग्रन्थ का प्राचीन नेवारी पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(7) **महापण्डित-स्थविर-शाक्यरक्षितपादानां श्रीहेवज्राभिसमयतिलकम्**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(8) **वज्राचार्यदुर्जयचन्द्रोद्धृतं षडङ्गसाधनम्**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(9) **हेवज्रपूजाविधिः**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(10) **पण्डितश्रीदिवाकरचन्द्रस्य-नाडीचक्राभिसम्बोधिनाम-साधनोपायिका (श्रीहेरुकतन्त्रानुगता परम-गम्भीरोत्पन्नक्रमस्वरूपा)**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज तथा उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(11) **नैरात्म्यासाधनम्**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन सहित सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(12) **हेवज्रतन्त्रस्य यथालब्धसाधनम्**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज तथा उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(13) **श्रीहेवज्रतन्त्रोक्तबलिविधिः**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(14) **शाश्वतवज्रस्य बाह्यपूजाविधिसंग्रहः**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(15) **श्रीहेवज्रभट्टारकस्य पूजाविधिः**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(16) **बौद्ध एवं बौद्धेतर तन्त्रों में भगवती तारा का स्वरूप**

'धीः' शोध-पत्रिका के 63 वें अंक में प्रकाशनार्थ प्राप्त इस आलेख का सम्पादन-कार्य पूर्ण किया गया।

(17) **श्रीलघुकालचक्रतन्त्रराज एवं उसकी टीका विमलप्रभा में उद्धृत आयुर्विज्ञान की समीक्षा (3)**

'धी:' शोध-पत्रिका के 63 वें अंक में प्रकाशनार्थ इस लेख की रचना पूर्ण की गयी।

(18) **भोटाचार्य कुन्-गा मि-ग्युर् दो-र्जे विरचित अन्तराभव-अध्येषणा की गम्भीर-आशु-मार्ग-सोपान-नाम-संक्षिप्त-अभिधेयार्थ-टीका**

'धी:' शोध-पत्रिका के 63 वें अंक में इस भोट ग्रन्थ के आगे के अंश का हिन्दी अनुवाद एवं सम्पादन-कार्य पूर्ण किया गया।

(19) **ज्ञानवज्रपादानां सहजसद्बीजचिन्तामणिर्नाम हेवज्रसाधनम्**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट तथा पाण्डुलिपि से द्वितीय चरण का पाठ-मिलान का कार्य सम्पन्न किया गया।

(20) **सिद्धाचार्यश्रीमद्धद्रपादानां द्वेषवज्रसाधनम्**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट तथा पाण्डुलिपि से द्वितीय चरण का पाठ-मिलान का कार्य सम्पन्न किया गया।

(21) **महापण्डिताचार्य दिवाकरचन्द्रपादानां ज्ञानप्रदीपाभिधानं श्रीहेवज्रसाधनम्**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट तथा पाण्डुलिपि से द्वितीय चरण का पाठ-मिलान का कार्य सम्पन्न किया गया।

(22) **बलिचक्रविधि:**

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर, डाटा-इनपुट तथा पाण्डुलिपि से द्वितीय चरण का पाठ-मिलान का कार्य सम्पन्न किया गया।

8. **"बुद्धजयन्ती-समारोह" तथा "धी:" शोध-पत्रिका का "बुद्धार्पण-कार्यक्रम" का आयोजन–**

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग के तत्त्वावधान में दिनांक 14 मई 2022 को संस्थान के अनाथ-पिण्डद अतिथिगृह सभागार में 'वैशाख पूर्णिमा' के दिन विभाग की शोध-पत्रिका 'धी:' के 62 वें अंक का 'बुद्धार्पण-कार्यक्रम' आयोजन किया गया। साथ ही, बुद्धजयन्ती-समारोह के उपलक्ष्य में संस्थान के माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में *"21 वीं सदी में बौद्धधर्म की प्रासंगिकता"* विषयक विद्वद्-गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस समारोह में भदन्त सुमेध थेरो, भूतपूर्व संयुक्त सचिव महाबोधि सोसायटी ऑफ इण्डिया, सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा नव-नालन्दा विश्वविद्यालय, नालन्दा (बिहार) से पधारे हुए सम्मानित बौद्ध-विद्वानों ने उपर्युक्त विषय के आलोक में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। इस समारोह में शहर से तथा सारनाथ स्थित देश-विदेश के विभिन्न बौद्ध-मठों, विहारों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा सम्मानित अतिथियों का आगमन हुआ तथा तिब्बती संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्रों ने भी इस आयोजन में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

9. विश्वविद्यालय-परिसर तथा अन्य शिक्षा केन्द्रों में आयोजित संगोष्ठियों, व्याख्यानों एवं अन्य शैक्षिक-कार्यक्रमों में विभागीय सदस्यों की सहभागिता–

(1) 28 अप्रैल 2022 - श्री टी. आर. शाशनी (विभागाध्यक्ष) ने आकाशवाणी, वाराणसी के अधिकारियों के निवेदन पर ऑल इण्डिया रेडियो, वाराणसी के द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम "लघुरूपक" के लिए "दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग की शोध-गतिविधियाँ" विषयक चर्चा की रेडियो रिकार्डिंग की।

(2) 20 जून 2022 - विभाग के सदस्य, "आजादी का अमृत महोत्सव" के उपलक्ष्य में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ एवं अन्तर विश्वविद्यालय योग केन्द्र, बेंगलुरू के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग-दिवस में सम्मिलित हुए।

(3) 06 जुलाई, 2022 - विभाग के सदस्य, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ में आयोजित परम पावन दलाई लामा जी के जन्मदिन के शुभ-अवसर पर "जागतिक उत्तरदायित्व" विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।

(4) 10 से 11 अगस्त, 2022 - डॉ. छेरिङ् डोलकर, धर्म एवं संस्कृति विभाग, सी.टी.ए., धर्मशाला, कांगड़ा, हि0 प्र0 द्वारा धर्मशाला में आयोजित "The Current Status of Tibetan Culture in Exile and its Future Prospects" विषयक दो-दिवसीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुई।

(5) 13 अगस्त, 2022 - विभाग के सदस्य, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के अतिश सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित "राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों का महत्त्व" विषयक एक-दिवसीय व्याख्यान में सम्मिलित हुए।

(6) 16 अगस्त, 2022 - विभाग के सदस्य, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के अतिश सभागार में आयोजित "Internal Quality Assurance Cell Orientation" कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(7) 20 अगस्त, 2022 - विभाग के सदस्य, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ में स्वावलम्बी भारत अभियान, वाराणसी के तत्त्वावधान में अन्तरराष्ट्रीय उद्यमिता दिवस (21अगस्त) की पूर्व सन्ध्या पर आयोजित "उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन" विषयक व्याख्यान में सम्मिलित हुए।

(8) 01 अक्टूबर 2022 - विभाग के सदस्य, राजभाषा-साप्ताहिक कार्यक्रम के समापन-सत्र में पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन के आयोजन में सम्मिलित हुए।

(9) 02 अक्टूबर 2022 - विभाग के सदस्य, गाँधी जयन्ती के अवसर पर स्वच्छता कार्य योजना के तहत कुलपति महोदय के द्वारा शपथ-ग्रहण तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(10) 28 अक्टूबर 2022 - विभाग के सदस्य, अतिश सभागार में नैक टीम के चेयरमैन के उद्बोधन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(11) 31 अक्टूबर 2022 - विभाग के सदस्य, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के अतिश सभागार में "सतर्कता समारोह" के अन्तर्गत अयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(12) 04 नवम्बर 2022 - डॉ. छेरिङ् डोलकर, पुरातन छात्र संघ, (केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान) तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित "तिब्बती एवं हिमालयी अध्ययन" विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में माननीय प्रो. समदोङ् रिन्पोछे जी द्वारा प्रदत्त "त्रिपुरुषमार्ग-क्रम" विषयक विशिष्ट व्याख्यान में सम्मिलित हुई।

(13) 05 नवम्बर 2022 से 06 नवम्बर 2022 - डॉ. छेरिङ् डोलकर ने पुरातन छात्र संघ (केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान) तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित "तिब्बती एवं हिमालयी अध्ययन" विषयक द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित होकर "तन-ग्युर साहित्य में उपलब्ध बौद्ध योगिनियों का संक्षिप्त परिचय एवं उनकी रचनाएँ" विषय पर निबन्ध प्रस्तुत किया।

(14) 15 नवम्बर 2022 - विभाग के सदस्य, संस्थान के अतिश सभागार में आयोजित 11वीं वाहिनी आपदा मोचन बल के द्वारा प्रदर्शित सुरक्षा-कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(15) 26 नवम्बर 2022 - विभाग के सदस्य, भारत का संविधान की उद्देशिका के शपथ-ग्रहण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(16) 26 नवम्बर 2022 - विभाग के सदस्य, "भारतीय संविधान के संवैधानिक मूल्य और मौलिक सिद्धान्त" विषयक विशिष्ट व्याख्यान में सम्मिलित हुए, इस व्याख्यान में माननीय कुलपति प्रो. ङवङ् समतेन जी सभाध्यक्ष, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. सिद्धार्थ सिंह मुख्य वक्ता तथा डॉ. अभय पाण्डेय विशिष्ट वक्ता थे।

(17) 29 दिसम्बर 2022 से 31 दिसम्बर 2022 - डॉ. छेरिङ् डोलकर, बोधगया, बिहार में परम पावन दलाई लामाजी के द्वारा "आचार्य नागार्जुन विरचित बोधिचित्तविवरण" ग्रन्थ पर दिये गये व्याख्यान एवं धर्मोपदेश में सम्मिलित हुई।

(18) 18 जनवरी 2023 - विभाग के सदस्य, IQAC, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित "Between Abhinava Gupta and Daya Krishana: K.C. Bhattacharya on other minds" विषयक प्रो. जे. गार्फिल्ड द्वारा दिये गये व्याख्यान में सम्मिलित हुए।

(19) 19 जनवरी 2023 - डॉ. रवि गुप्त मौर्य, अतिश सभागार, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में धर्म संस्कृति संगम एवं स्वदेशी जागरण मंच, काशी द्वारा आयोजित "हिमालय बचाओ मानवता बढ़ाओ" विषयक एक-दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।

(20) 13 फरवरी 2023 - विभाग के सदस्य, यूको बैंक द्वारा आयोजित "A Programme on Cyber Security and Financial Awareness" विषयक चर्चा में सम्मिलित हुए।

(21) 03 मार्च 2023 - विभाग के सदस्य, संस्थान में आयोजित "केदारनाथ सिंह सम्मान समारोह" में सम्मिलित हुए।

(22) 04 मार्च 2023 से 05 मार्च 2023 - विभाग के सदस्य, संस्थान में प्रेमचन्द साहित्य संस्थान, गोरखपुर तथा के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित "बुद्ध की धरती पर कविता" विषयक दो-दिवसीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।

(23) 06 मार्च 2023 - श्री टी. आर. शाशनी तथा डॉ. छेरिङ् डोलकर ने तिब्बत के महान् योगी "मिला-रेपा महापरिनिर्वाण-दिवस" के अवसर पर KRPC (CIHTS) द्वारा आयोजित व्याख्यान में प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी द्वारा प्रदत्त व्याख्यान "कर्ग्युद-आम्नाय की गुरु-परम्परा, दर्शन एवं साधना" में सम्मिलित हुए।

(24) 18 मार्च 2023 - डॉ. रवि गुप्त मौर्य, एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसीन एवं हॉस्पिटल, चुनार, मिर्जापुर में आयोजित "ट्रांजिशनल करिकुलम" कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए।

(25) 25 मार्च 2023 - विभाग के सदस्य, संस्थान में वाणी प्रकाशन ग्रूप द्वारा आयोजित "लोकार्पण एवं परिचर्चा" कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(26) 27 मार्च 2023 - विभाग के सदस्य, अन्तरराष्ट्रीय महिला-दिवस के अवसर पर संस्थान में आयोजित "प्रौद्योगिक और डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान" व्याख्यान में सम्मिलित हुए।

10. विभागीय सदस्यों द्वारा सम्पन्न अन्य शैक्षणिक कार्य–

1. श्री टी. आर. शाशनी ने नैक कमेटी के आगमन के तहत "दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग का परिचय" की रचना की, जिसमें विभाग का उद्देश्य, स्थापना एवं योगदान सहित स्थापना-काल (नवम्बर, 1985) से लेकर वर्ष 2022 तक सम्पादित एवं प्रकाशित ग्रन्थों के विवरण संकलित हैं।
2. डॉ. रवि गुप्त मौर्य ने संस्थान के वेबसाइट हेतु दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग के शोध-कार्यों एवं उपलब्धियों के विवरण का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया।
3. श्री टी. आर. शाशनी ने प्रो. कामेश्वरनाथ मिश्र जी द्वारा सौंपे गये 'कालिदासकृत मङ्गलाष्टकस्तोत्र'' के आरम्भिक चार श्लोकों को शारदा लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यन्तरित किया।
4. डॉ. वज्राचार्य ने स्व. प्रो. बनारसी लाल द्वारा लिखित 34 शोध-निबन्धों के संग्रह का दूसरी बार प्रूफ-संशोधन कार्य सम्पन्न किया।
5. श्री टी. आर. शाशनी ने राजभाषा-पत्रिका 'बोधिप्रभ' में प्रकाशनार्थ स्व. प्रो. बनारसी लाल जी द्वारा लिखित "क-ग्युर एवं तन-ग्युर वचन के गुण, लाभ एवं अनुशंसा" नामक आलेख का सम्पादन किया।
6. श्री टी. आर. शाशनी ने राजभाषा-पत्रिका 'बोधिप्रभ' में प्रकाशनार्थ "बौद्ध जातक एवं अवदान साहित्य का संक्षिप्त परिचय" नामक आलेख की रचना की।
7. विभाग के सभी सदस्यों ने नैक पीयर टीम के आगमन के अवसर पर "दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग के प्रकाशन एवं अन्य शोध-कार्यों की प्रदर्शनी" के आयोजन में आवश्यक सहभागिता की।
8. 18 अक्टूबर 2022 - श्री टी. आर. शाशनी (विभागाध्यक्ष) ने नैक पीयर टीम के समक्ष विभाग की पाँच वर्षीय रिपोर्ट को पी.पी.टी. के माध्यम से प्रस्तुत किया।
9. श्री टी. आर. शाशनी ने संस्थान के वेबसाइट हेतु विभाग का परिचय सहित विभाग के सहकर्मियों का संक्षिप्त-परिचिति (हिन्दी एवं अंग्रेजी में) तैयार किया।

11. विभागीय सदस्यों द्वारा प्रशासनिक कार्यों एवं कमेटियों की बैठक में सहभागिता–

(1) 19 अप्रैल 2022 - श्री टी. आर. शाशनी (विभागाध्यक्ष), IQAC के द्वारा आहूत बैठक में सम्मिलित हुए जिसमें संस्थान के द्वारा अनुबन्धित वेब-डिजाईनर के साथ दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग में सम्पन्न शोध-कार्यों के सम्बन्ध में विचार-विमर्श तदनुरूप डाटा का प्रारूप तैयार करने के सम्बन्ध में चर्चा हुई।

(2) दिनांक 09 मई 2022, 13 मई 2022 तथा 23 मई 2022 को IQAC के द्वारा आहूत बैठकों में श्री टी. आर. शाशनी (विभागाध्यक्ष) सम्मिलित हुए, जिसमें आगामी NAAC पीयर टीम के आगमन के समय संस्थान के प्रत्येक विभाग को अपने-अपने दायित्वों को वहन करने हेतु दिशा-निर्देशों पर विस्तृत चर्चा हुई।

(3) 18 मई 2022 - श्री टी. आर. शाशनी, सोवा-रिग्पा विभाग की स्पॉट परचेजिंग कमेटी की बैठक में सम्मिलित हुए।

(4) 20 जून 2022 - श्री टी. आर. शाशनी, राजभाषा-समिति की बैठक में सम्मिलित हुए।

(5) 04 जुलाई 2022 - श्री टी. आर. शाशनी (विभागाध्यक्ष), संस्थान NAAC Peer Team Visit के तहत IQAC द्वारा आहूत बैठक में सम्मिलित हुए।

(6) 26 जुलाई 2022 - डॉ. विजयराज वज्राचार्य, "कैंटीन कमेटी" द्वारा आहूत बैठक में बतौर सदस्य सम्मिलित हुए।

(7) 21 जुलाई 2022 - डॉ. छेरिङ् डोलकर, पुरातन छात्र-समिति की सदस्या के रूप में "Future status of Tibetan Buddhism and Culture" विषयक संगोष्ठी के आयोजन से सम्बन्धित बैठक में सम्मिलित हुई।

(8) 09 अगस्त 2022 तथा 19 अगस्त 2022 - श्री टी. आर. शाशनी, संस्थान के सोआ-रिग्पा एवं ज्योतिष विभाग द्वारा आहूत "स्पॉट परचेस कमेटी" की बैठक में सम्मिलित हुए।

(9) 10 तथा 12 सितम्बर, 2022 - डॉ. छेरिङ् डोलकर, संस्थान की "महिला यौन उत्पीड़न समिति" की वार्षिक रिपोर्ट सम्बन्धी बैठक में सम्मिलित हुई।

(10) 12 सितम्बर 2022 तथा 14 सितम्बर 2022 - डॉ. विजयराज वज्राचार्य, सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा आयोजित "13th Meeting of National Commission for Indian System of Medicine (NCISM) Ministry of Ayush Govt. of India" संगोष्ठी में भोजन-व्यवस्था हेतु आहूत बैठक में सम्मिलित हुए।

(11) 12 सितम्बर, 2022 से 20 अक्टूबर, 2022 - डॉ. रवि गुप्त मौर्य, आई.क्यू.ए.सी. कार्यालय में आवश्यक कार्यों को निष्पादित करने हेतु कार्यरत रहा।

(12) 26 सितम्बर 2022 - श्री टी. आर. शाशनी, राजभाषा साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत उद्घाटन-सत्र में सम्मिलित हुए।

(13) 28 सितम्बर 2022 - श्री टी. आर. शाशनी, राजभाषा तिमाही रिपोर्ट की समीक्षा बैठक में सम्मिलित हुए।

(14) 29 सितम्बर 2022 - श्री टी. आर. शाशनी ने "राजभाषा सप्ताहिक कार्यक्रम" के तहत "वाद-विवाद प्रतियोगिता" में निर्णायक सदस्य के दायित्व का निर्वहन किया।

(15) 15 नवम्बर 2022 - श्री टी. आर. शाशनी (विभागाध्यक्ष), ने भारतीय गुणवत्ता परिषद् (QCI) के तीन सदस्य दल के द्वारा विभागीय निरीक्षण के समय, विभाग में सम्पन्न शोध-कार्यों एवं अन्य गतिविधियों से अवगत कराया।

(16) 18 नवम्बर 2022 - श्री टी. आर. शाशनी, सोवा-रिग्पा विभाग की "स्पॉट परचेजिंग कमेटी" की बैठक में सम्मिलित हुए।

(17) 17 दिसम्बर 2022 - श्री टी. आर. शाशनी "राजभाषा कार्यान्वयन समिति" की बैठक में सम्मिलित हुए।

(18) 31 दिसम्बर 2022 - डॉ. रवि गुप्त मौर्य, कुलसचिव कार्यालय में डिग्री-समिति की बैठक में सम्मिलित हुए।

(19) 16 जनवरी 2023 - श्री टी. आर. शाशनी, "राजभाषा कार्यान्वयन समिति" द्वारा आहूत राजभाषा-पत्रिका 'बोधिप्रभ' के सम्पादक-मण्डल की बैठक में सम्मिलित हुए।

(20) 14 फरवरी 2023 तथा 02 मार्च 2023 - डॉ. विजयराज वज्राचार्य, कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में बुद्ध की धरती पर कविता विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के सन्दर्भ में भोजन-व्यवस्था हेतु आहूत बैठक में सम्मिलित हुए।

(21) डॉ. विजयराज वज्राचार्य ने विभाग में लिपिक के अभाव में कार्यालयीय आवश्यक कार्यों के दायित्व का निर्वहन किया।

12. विभागीय सदस्यों के द्वारा विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में दायित्व–

(1) श्री टी. आर. शाशनी, सदस्य, स्पॉट परचेज कमेटी, फैकल्टी ऑफ सोवा-रिग्पा एण्ड ज्योतिष, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(2) श्री टी. आर. शाशनी, सदस्य, राजभाषा हिन्दी कार्यान्वयन समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(3) श्री टी. आर. शाशनी, सम्पादक-मण्डल, 'बोधिप्रभ', राजभाषा-पत्रिका, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(4) श्री टी. आर. शाशनी, सदस्य, तिब्बती भाषा के ग्रन्थों की खरीद हेतु गठित 'मूल्य-सत्यापन-समिति' शान्तरक्षित-ग्रन्थालय, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(5) डॉ. विजयराज वज्राचार्य, सदस्य, कैंटीन समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा, संस्थान सारनाथ।

(6) डॉ. छेरिङ् डोलकर, समिति-सदस्या, महिला यौन उत्पीड़न समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(7) डॉ. छेरिङ् डोलकर, विशिष्ट समिति-सदस्या, पुरातन छात्र एसोसिएशन, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(8) डॉ. रञ्जनकुमार शर्मा, समिति-सदस्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(9) डॉ. रवि गुप्त मौर्य, सदस्य, उपयुक्त ग्रन्थों के चयन हेतु गठित विशेषज्ञों के पैनल, शान्तरक्षित-ग्रन्थालय, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(10) डॉ. रवि गुप्त मौर्य, समिति-सदस्य, डिग्री समिति, परीक्षा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

4. कोश विभाग

कोश-विभाग की योजनाएँ :

कुछ दशक पहले, जब महायानी बौद्ध परम्परा के प्रति विश्व जन-मानस में जिज्ञासा उत्पन्न हुई, तब इससे सम्बद्ध वाङ्मय तिब्बती, चीनी आदि प्राच्य भाषाओं तक ही सीमित थे। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन आदि के प्रयास से कुछ संस्कृत ग्रन्थ पाठकों के सामने आये, किन्तु वे बहुत त्रुटिपूर्ण एवं अपूर्ण थे। उक्त स्थिति को देखते हुए तत्कालीन विद्वानों ने एक बृहत्-कार्य योजना तैयार की। जिसका मुख्य लक्ष्य इस प्रकार है–

1. उपलब्ध संस्कृत ग्रन्थों का परिष्कृत संस्करण तैयार करना।
2. विनष्ट संस्कृत ग्रन्थों को उनके तिब्बती अनुवाद की सहायता से पुनः अपने मूल रूप में प्रतिष्ठित करना।
3. प्राच्य भाषाओं में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुये उच्चस्तरीय शोध कार्य को प्रोत्साहित करना।
4. प्राचीन भाषाओं में उपलब्ध बौद्ध वाङ्मय को अर्वाचीन भाषाओं में सुलभ कराना।
5. इस महत्त्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत संपादन कार्यों को पूरा करने के लिये विभिन्न प्रकार के कोशों के निर्माण की आवश्यकता का अनुभव किया गया। तदनुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा-संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने एक बृहत् कोश योजना तैयार की, जिसमें दो प्रकार के कोशों के निर्माण का प्रावधान है 1. सामान्य और 2. विषयगत कोश।

सामान्य कोश के अन्तर्गत विभाग ने भोट-संस्कृत-कोश पर कार्य शुरू किया, जो सन् 2005 ई. में सोलह भागों में पूरा हुआ। उपलब्ध भोट-संस्कृत-कोशों में यह सबसे बड़ा कोश है। भोट-संस्कृत धर्मसंग्रह-कोश सहित भोट-संस्कृत सन्दर्भनिर्देशिका-कोश के प्रथम भाग का भी प्रकाशन हो चुका है तथा भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोशके निर्माण का कार्य चल रहा है।

विषयगत कोश के रूप में भोट-संस्कृत आयुर्विज्ञान-कोश (4 भाग)को प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को दे दिया गया है एवं ज्योतिष-कोश का कार्य भी अन्तिम चरण में है।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ. रमेशचन्द्र नेगी - प्रधान सम्पादक (कार्यकारी)
2. डॉ. टशी छेरिंग - शोध सहायक
3. श्री तेन्जिन सिदोन - शोध सहायक

4. डॉ. कर्मा सोनम पाल्मो - शोध सहायक
5. डॉ. लोब्संग छोडोन - शोध सहायक (संविदा)
6. डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी - शोध सहायक (संविदा)
7. श्री रमेशचन्द्र - कनिष्ठ लिपिक (संविदा)

निर्माणाधीन योजनाएँ :

1. आयुर्विज्ञान-कोश:

यह कोश अष्टाङ्गहृदय एवं इसके भोटानूदित तथा कुछ संस्कृत टीकाओं पर आधारित है। यह कोश अष्टांगहृदय की सामग्रियों का व्याख्यान करता है और साथ ही यह सामान्य एवं पारिभाषिक तिब्बती पर्याय तथा उसके संस्कृत पर्यायों को भी सूचित करता है। यह आयुर्विज्ञान कोश (4 भाग) प्रकाशन हेतु प्रकाशन विभाग को सौंप दिया गया है।

2. ज्योतिष-कोष :

यह कोश ज्योतिष एवं खगोल विज्ञान से सम्बन्धित संस्कृत एवं उसके भोटानूदित ग्रन्थों पर आधारित है और इन ग्रन्थों की सामग्रियों का व्याख्यान करता है। कोश में पारिभाषिक शब्दों के अर्थों को बताने के लिये शास्त्रीय उद्धरणों को प्रयोग में लिया गया है। इस कोश के सम्पादन का कार्य उपलब्धभोटी एवं संस्कृत ज्योतिष ग्रन्थों के आधार पर किया गया है। वर्तमान में यह कोश अन्तिम संपादन के पश्चात् प्रकाशन हेतु लगभग तैयार है।

3. भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोश :

यह मुख्यतया स्व. जे. एस. नेगी जी के बृहत् भोट-संस्कृत कोश पर आधारित एक सामान्य-कोश है। बृहत् भोट-संस्कृत-कोश से शास्त्रीय पदों से सम्बन्धित सामान्य व प्रचलित शब्दों का तथा आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन किया जाना है। भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी कोश में भोटी प्रविष्टियों के संस्कृत पर्याय दिये जाने के कारण यह एक शब्द-पर्याय-कोश है। इसके अतिरिक्त भोटी प्रविष्टियों का अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण भी दिया जा रहा है, जिससे भोटी लिपि से अनभिज्ञ छात्र, प्रविष्टि को अंग्रेजी लिप्यन्तरण व उच्चारण के माध्यम से सरलतापूर्वक जान सकें। इसके अतिरिक्त प्रविष्टियों के संस्कृत सहित शब्द-पर्याय भी दिये जा रहे हैं। यह कोश तीन चरणों में सम्पन्न होगा। पहले चरण के रूप में बृहत् भोट-संस्कृत कोश से सरल शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत पर्यायों को दिया जाना है। दूसरे चरण में अन्य आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत पर्यायों को दिया जाना है तथा अन्तिम चरण में संशोधन से सम्बन्धित कार्य होगा। यह कोश दो भागों में प्रकाशित होगा। प्रथम भाग में क वर्ण से लेकर न वर्ण तक के तिब्बती प्रविष्टि,संस्कृत पर्याय एवं उनके प्रयोगों को देने का कार्य पूरा हो चुका है तथा अन्तिम संशोधन के लिये तैयार है। द्वितीय भाग के प्रथमचरण के रूप में ब वर्ण तक के भोटीय प्रविष्टियों का अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण तथा संस्कृत पर्याय देने का कार्य किया गया है।

4. भोट-संस्कृत-अंग्रेजी अभिधर्म-कोश :

इस त्रिभाषी शब्दकोश में सभी आवश्यक पारिभाषिक प्रविष्टियों का पूर्वापर अभिधर्मों से चयन किया जा रहा है। पूर्व-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य असंग द्वारा विरचित अभिधर्मसमुच्चय से है तथा अपर-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य वसुबन्धुकृत अभिधर्मकोश एवं उसके भाष्य से है। इन दो आधारभूत ग्रन्थों के अतिरिक्त आचार्ययशोमित्रकृत अभिधर्मकोशटीका और जिनपुत्रकृत अभिधर्मसमुच्चय-भाष्य एवं अभिधर्मसमुच्चय-व्याख्या आदि से भी आवश्यक पारिभाषिक शब्दों का चयन किया जा रहा है। वर्तमान में चयनित प्रवेश शब्दों के लिए प्रासंगिक स्रोतोंसे उद्धरण एकत्र किए जा रहे हैं और उन्हें वर्णमाला क्रम में तैयार किया जा रहाहै।

5. भोट संस्करणों का सन्दर्भ कोश :

भोट संस्करणों का सन्दर्भ-कोश, भोट-संस्कृत सन्दर्भ-कोश पर आधारित है। इस कोश के माध्यम से भोटानूदित ग्रन्थों के पाँचों संस्करणों (देगे, नर्थङ्, पेकिङ्, चोने और ल्हासा) के सन्दर्भों को दर्शाना है। यह वर्तमान में कार्यकर्ता के अभाव में रुका पड़ा है।

6. विनयकोश :

इस हेतु पुनरुद्धार विभाग के वार्षिक प्रतिवेदन का अवलोकन करें।

7. तिब्बती हिन्दी-कोश

तिब्बती हिन्दी कोश के लिए कार्यकर्ता के अभाव में किन्नौर, हिमाचल प्रदेश से सम्बद्ध आचार्य रोशन लाल नेगी द्वारा संकलित भोट-हिन्दी कोश को विभाग द्वारा सम्पादित कर छापने का निर्णय पूर्व में ही लिया जा चुका है और इस कोश का इन्पुट कार्य वर्तमान में जारी है।

भावी योजनाएँ :

1. भोट-संस्कृत शब्दानुक्रमणिका
2. नाम-कोश (प्राचीन बौद्ध तीर्थ स्थल एवं विद्वानों के नाम का कोश)
3. बौद्ध तन्त्र-कोश
4. बौद्ध न्याय-कोश
5. ग्रन्थ-कोश
6. क्रिया-कोश

अध्यापन कार्य-

1. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी नेकर्युद संप्रदाय में अध्यापनतथा प्रश्नपत्रनिर्माण,उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा लेने का कार्य किया।
2. 18 अप्रैल 2022 ई. को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के 2022 वर्ष के वार्षिक परीक्षा का प्रश्नपत्र निर्माण का कार्य।
3. 10 जुलाई 2022 ई. को सी.आई.बी.एस लेह, लदाख के प्रथम सत्र का प्रश्नपत्र निर्माण कार्य।
4. डॉ. कर्मा सोनम पलमो ने पी.एम. प्रथम वर्ष के छात्रों को 9.30 से 10.15 बजे तक अंग्रेजीपढ़ाने तथा प्रश्नपत्र निर्माण एवं उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकन का कार्य किया।
5. डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी ने शास्त्री तृतीय वर्ष के संस्कृत ख वर्ग के छात्रों एवं यूएम द्वितीय वर्ष के छात्रों को अनिवार्य संस्कृत पढ़ाने तथा प्रश्नपत्र निर्माण एवं उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकनका कार्य किया।

राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय सभाओं में शोध-पत्र प्रस्तुति तथा लेखन :

डॉ. रमेशचन्द्र नेगी

1. 3 अप्रैल 2022 - सिद्धम् द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष वेबिनार के उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष के रूप में सम्मिलित हुए।
2. 24 अप्रैल 2022 - अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध परिषद्, लुम्बिनी, नेपाल द्वारा धम्म लर्निंग सेन्टर, सारनाथ में आयोजित बौद्धधर्म का सर्वाङ्गीण परिचय विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए तथा प्रथम सत्र में वक्ता के रूप में बौद्धधर्म ही क्यों? विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

3. 2 मई 2022 - 1 जून 2022 ई. पर्यन्त विपश्यना विशोधन विन्यास ईगतपुरी, महाराष्ट्र में दस दिवसीय विपश्यना शिविर से सम्बद्ध भोटी में ओडियो रिकोर्डिङ्ग कार्य सम्पन्न किया। इसमें दस दिवसीय शिविर से सम्बद्ध निर्देशन, रात्रि प्रवचन, लघु आनापान, धम्मसेवा तथा एक घण्टे के सामूहिक साधना का ओडियो रिकोर्डिङ्ग सम्मिलित हैं।

4. 5 जून 2022 - औरंगाबाद, महाराष्ट्र में ही बुद्ध तपस्स फाउण्डेशन द्वारा आयोजित रेकी ग्राण्ड मास्टर अनिल भाउ ताईडे से सम्बद्ध प्रथम स्मृति व्याख्यानमाला में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा बौद्धधर्म का सर्वाङ्गीण विकास विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

5. 18-29 जून 2022 - धम्म चक्क विपश्यना केन्द्र सारनाथ, में दस दिवसीय विपश्यना शिविर में सम्मिलित हुए।

6. 4 जुलाई 2022 - आई.क्यु.ए.सी. सेल द्वारा विद्यार्थियों से सम्बद्ध विशेष तैयारी के लिये आहूत विशेष सभा में वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए तथा छात्र-छात्राओं को संस्थान की उन्नति एवं उन्नत चारित्रिक गुण विषय पर व्याख्यान दिया।

7. 5 जुलाई 2022 - धम्म लर्निंङ सेन्टर, सारनाथ में भिक्षु प्रशिक्षण शिविर में वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए तथा बौद्ध कौन? विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया।

8. 6 जुलाई 2022 - परमपावन दलाई लामा जी के जन्म दिवस के विशेष अवसर पर संस्थान द्वारा आयोजित जागतिक ज़िम्मेदारी (युनिवर्सल रिस्पोन्सिबिलिटी) विषयक विशेष संगोष्ठी में भाग लिया।

9. 14 जुलाई 2012 - डॉ. अम्बेडकर शिक्षा समिति, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित धर्मचक्र-प्रवर्तन-दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा उक्त विषय पर व्याख्यान दिया।

10. 1 अगस्त 2022 - अमृत महोत्सव के तहत लातुर, महाराष्ट्र से विशेष यात्रा पर आये एम्स परिवार के प्रतिनिधियों को बौद्ध-तीर्थ एवं धर्मचक्रप्रवर्तन विषय पर व्याख्यान दिया तथा उनके द्वारा आयोजित विशेष जुलूस/पदयात्रा में सम्मिलित हुए, जिसमें तिरंगे का विशेष सम्मान किया गया।

11. 10 अगस्त 2022 - बी.टी.आई. सेक्शन, संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में आहूत विशेष बैठक में सम्मिलित हुए।

12. 5 सितम्बर 2022 - दिल्ली से प्रीस्ट अनिल डालिमडा के नेतृत्व में आये धर्मशास्त्र (क्रिश्चियन) के छात्रों के साथ बौद्धधर्म-दर्शन विषयक व्याख्यान तथा प्रश्नोत्तर सत्र का कार्यक्रम सम्पन्न किया।

13. 13 अक्टूबर 2022 - कोलकाता से आये थियोलोजी के छात्रों को शान्तरक्षित ग्रन्थालय का परिचय कराया तथा बाद में बौद्धधर्म-दर्शन से सम्बन्धित व्याख्यान दिया।

14. 31 अक्टूबर 2022 - श्री गणेश वर्णी जैन शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति एवं श्रमण परम्परा नामक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ।

15. 1-3 नवम्बर 2022 - एन.डी.आर.एफ. कैम्प, वाराणसी में कुल सात (7) सत्र का विशेष परिचयात्मक विपश्यना सिखाने का कार्य किया। इसमें गुग्गुल लिङ्क के माध्यम से एन.डी.आर.एफ. गोरखपुर, प्रयाग, लखनऊ तथा भोपाल (मध्यप्रदेश) के एन.डी.आर.एफ. कैम्पों ने भी भाग लिया।

16. 6 नवम्बर 2022 - भूतपूर्व छात्र (के.उ.ति.शि. संस्थान सारनाथ) तथा के.उ.ति.शि.संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा तिब्बत एवं हिमालयीय अध्ययन विषय पर सामूहिक रूप से आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (11.30-1.00 बजे) में वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए तथा प्रो. सम्दोङ रिन्पोछे जी के द्वारा संस्थापित कोश-विभाग की सफलता के विषय पर भोटी भाषा में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

17. 12 नवम्बर 2022 - हिमाचल बौद्ध छात्र संघ द्वारा आयोजित विशेष सम्मान समारोह में संघ के संरक्षक के रूप में उपस्थित हुए तथा वहाँ संघ के भूतपूर्व कार्यकर्ताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया और साथ ही छात्रों को सम्बोधित भी किया।
18. 8 दिसम्बर 2022 - इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में चार सत्रों में सम्पन्न हुये बुद्ध मत : भारतीय विमर्श विषय पर हुये एक दिवसीय पूर्ण बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
19. 11 दिसम्बर 2022 - विश्व बौद्ध महासंघ द्वारा आयोजित एक दिवसीय बौद्ध प्रवचन सभा में वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए तथा बुद्ध के गुण एवं उनका मूल सन्देश विषय पर प्रवचन दिया।
20. 1 जनवरी 2023 - 20 जनवरी 2023 - एक्सचैंज प्रोग्राम के तहत आये विदेशी छात्रों को विपश्यना सिखाने का कार्य।
21. 18 फरवरी 2023 - तुषिता फाउण्डेशन एवं केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा-संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित वैश्विक परिदृश्य में करुणा विषयक संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।
22. 14-15 मार्च 2023 - संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार के द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित शेयर्ड बुद्धिस्ट हेरिटेज इन शंघाई कॉरपोरेशन ओरगनाईज़ेशन मेम्बर स्टेट की विशेष सभा में भाग लिया।
23. 18 मार्च 2023 - पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया की विशेष बैठक में उक्त संस्था के उपाध्यक्ष के रूप में सम्मिलित हुए तथा 1 अप्रैल 2023 जो पालि दिवस के रूप में मनाया जाता है, उससे सम्बन्धित चर्चा हुई।

डॉ. कर्मा सोनम पलमो

1. 16 जुलाई 2022 - उबेरॉय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, यूएसए के विजिटिंग ग्रुप के लिए बौद्ध धर्म पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान बौद्ध धर्म में महिलाओं - विषय पर एक व्याख्यान दिया।
2. 3-4 जनवरी 2023 - कार्यालयीय आदेशानुसार एक्सचैज प्रोग्राम के तहत आये अमेरिकन छात्रों को Women's Role in Buddhism एवं Gender and Buddhism नामक दो व्याख्यान दिये।
3. 12 मार्च 2023 - क्षेत्रीय तिब्बतन महिला समिति सारनाथ के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "Role of Tibetan Women in the Preservation of Tibetan Identity and Culture" विषय पर व्याख्यान दिया।
4. 28 मार्च 2023 - अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में आयोजित कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शोध निर्देशन/ प्रकाशन एवं अनुवाद

डॉ. रमेश चन्द्र नेगी

1. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने डॉ. प्रभु लाल नेगी द्वारा लिखित नेगी रिन्पोछे तन्जिन ग्यल्-छन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नामक ग्रन्थ का सम्पादन कार्य किया।
2. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने भोटी ग्रन्थ डुग्-पा शल्-दोन् का हिन्दी-अनुवाद का कार्य किया।
3. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने शीघ्रबोध के कुछ छूटे अंशों का डॉ. छोडोन के द्वारा किये गये भोटी-अनुवाद का संशोधन कार्य किया।
4. हृदयसूत्र की टीका सहित अतीश के आठ ग्रन्थों का संशोधन कार्य दिसम्बर से प्रारम्भ किया गया।

5. 22 अक्टूबर को ही गादन फोडङ् के कार्य के रूप में पालि के सडायतन-विभंग-सुत्त का अनुवाद प्रारम्भ किया तथा 29 अक्टूबर 2022 ई. को प्रथम चरण का अनुवाद समाप्त किया और उद्देश-विभंग-सुत्त का अनुवाद कार्य प्रारम्भ किया।
6. 10 दिसम्बर 2022 - श्री हरिनाम नेगी के साथ उनके द्वारा भोटी से हिन्दी में अनूदित सिद्धेश्वर पद्मा नोरबु के जीवन-वृत्तान्त का संशोधन कार्य।
7. 12 दिसम्बर 2022 - भोटी कंग्युर-तंग्युर हिन्दी-प्रकाशन के तहत अतीश के द्वारा विरचित चर्यागीति आदि आठ ग्रन्थ को अन्तिम रूप प्रदान कर गेशे लोब्जङ् दोर्जे को सौंपा गया।
8. 13 दिसम्बर 2022 - कर्मविभंगसूत्र को अन्तिम रूप देने का कार्य।
9. 28 दिसम्बर 2022 - प्रो. राम सुधार सिंह जी के आग्रह पर हिमाचल प्रदेश की दृष्टि में काशी का वैशिष्ट्य नामक शोधपत्र लिखने का कार्य।
10. 9 मार्च 2023 - छन्नोवादसुत्त के भोटी अनुवाद का प्रथम चरण समाप्त किया।

डॉ. टाशी छेरिंग

1. डॉ. टाशी छेरिंग तथा डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी सांख्यकारिका का हिन्दी अनुवाद एवं उसकी व्याख्या तथा उसके तिब्बती अनुवाद का कार्य कर रहे हैं।
2. मध्यमकावतार नामक ग्रन्थ के सातवें चित्तोत्पाद से लेकर अन्तिम तक के तिब्बती पाठ का अन्य संस्करणों के साथ पाठ भेद का कार्य किया।
3. पालि केकालकारामसुत्त के तिब्बती अनुवाद का कार्य किया।
4. आर्यकाश्यपपरिवर्तो-नाम-महायानसूत्र के तिब्बती पाठ के सम्पादन का कार्य।
5. पूज्य महामहिम पेनोर रिन्पोछे के जीवन-वृत्तान्त का संशोधन कार्य।

डॉ. कर्मा सोनम पलमो

1. 13 जुलाई 2022 - कुलपति कार्यालय के आदेश से आई.बी.सी. एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा धर्मचक्रप्रर्वतन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित नालंदा परंपरा के अनुसारशास्त्रार्थ में सारनाथ में सम्पन्न हुए कार्यक्रम में छात्रों के तिब्बती भाषा में दी गई तीन प्रस्तुतियों का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया।
2. जुलाई-अगस्त 2022 - माननीय कुलपति के आदेशानुसार संस्थान के एम ओ ए का अंग्रेजी से तिब्बती में अनुवाद किया।
3. 11 से 13 अक्टूबर 2022 - कुलपति जी के आदेशानुसार कुलपति कार्यालय में छात्रों की आचारसंहिता आदि के कुछ दस्तावेजों का तिब्बती से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से तिब्बती अनुवाद और संपादन कार्य किया।
4. कुलपति कार्यालय के आदेश से नैक पी.टी. विजिट की तैयारी के दौरान दस्तावेज, पत्र आदि अंग्रेजी से तिब्बती/तिब्बती से अंग्रेजी में अनुवाद का कार्य किया।
5. 18 जनवरी 2023 - माननीय कुलपति के आदेशानुसार अतिशा हाल में आयोजित भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित व्याख्यानमाला के लिए प्रो. जे. गार्डफिल्ड काव्याख्यान "Between Abbinavagupta and daya krishna; K.C. Bhattacharya on Other Minds" का अंग्रेजी से तिब्बती भाषा में अनुवाद किया।

डॉ. लोब्संग छोडोन

1. इंटरनेट पर उपलब्ध एक बहुत मूल्यवान संस्कृत ज्योतिषीय ग्रंथ ज्योतिष रत्नमाला के कुछ विशिष्ट श्लोकों का 17वीं शताब्दी के सितु चोक जुंगने द्वारा अनुवादित तिब्बती ग्रन्थ के साथ तुलना करने पर प्रमुख समानताएँ दिखाई दी। इसके बाद, पुस्तक को प्राप्त कर प्रारंभिक अनुसंधान पूरा करने के बाद, स्पष्ट हुआ कि विशिष्ट और पूरे अध्ययन के लिए और भी पहलुओं की जांच की आवश्यकता है। इस परिणामस्वरूप, इस अध्ययन के आगे बढ़ाने पर काम हो रहा है।
2. 5 नवंबर 2022 - एस. रिनपोछे जी के 83वें जन्मदिन पर शीघ्रबोध तथा ज्योतिष रत्नमाला नामक ग्रन्थ पर शोधपत्र लिखा जिसका प्रकाशन संस्थान के पुरातन छात्र संगठन के दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार के अवसर पर हुआ।
3. 8 मार्च 2022 - सहायक प्रोफेसर जम्पा छोफेल के साथ "शीघ्रबोध" नामक ग्रन्थानुवाद पर तिब्बती टीका लिखी गयी थी उसे संशोधन करने का कार्य किया।
4. 13 मई 2022 - "बैंगलोर में मेंत्सिखांग" के छात्रों को अनुसंधान कार्य पर "मेरा अनुभव और शीघ्रबोध और ज्योतिष रत्नमाला ग्रन्थों का संक्षिप्त परिचय" पर भाषण दिया।
5. प्रत्येक शुक्रवार को प्रमाणविनिश्चय विषय पर ऑनलाइन शिक्षण में भाग लिया और प्रत्येक शनिवार को सिद्धान्तवादी विषय पर 6:30pm बजे से 8:30pm बजे तक भाग लिया, और हर अन्य मूल्यवान भाषण में भाग लिया, जिन्हें गेशे डोर्जे डमडुल, तिब्बत हाउस, न्यू दिल्ली के निदेशक, ने दिया।
6. परमपावन दलाई लामा के ऑनलाइन उपदेशों के प्रत्येक लाइव प्रसारण में भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ :

डॉ. रमेश चन्द्र नेगी

1. 17 जुलाई 2022 - धर्मचक्र विहार मवईया, सारनाथ में रविवासरीय विद्यालय के छात्रों को विपश्यना सिखाने का कार्य।
2. 29 जुलाई 2022 - एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी सेल की विशेष सभा की अध्यक्षता की, जो कोश विभाग के प्रधान सम्पादक कक्ष में सम्पन्न हुयी।
3. 17 अगस्त 2022 - एक महीने अमेरिकन शोध-छात्र प्रतिनिधि (युनिवर्सिटी ऑफ शिकागो डिविनिटी स्कूल) सेठ अस्टर रोसेन को उत्तरतन्त्र (संस्कृत-भोटी) पढ़ाने का कार्य।
4. 31 अगस्त, 2022 - बुक सेलेक्शन कमेटी की बैठक में भाग लिया।
5. 16 सितम्बर 2022 - विश्वविद्यालय के 31वें एकेडेमिक काउन्सिल की मीटिङ में सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ।
6. 26 सितम्बर 2022 - राजभाषा समिति द्वारा आयोजित हिन्दी सप्ताह के उद्घाटन सत्र में समिति के सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ।
7. 1 अक्टूबर 2022 - राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह (कवि गोष्ठी) में उक्त समिति के वरिष्ठ सदस्य के रूप में भाग लिया तथा सभा के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन का कार्यभार सम्भाला।
8. 12 अक्टूबर 2022 - तक एन.डी.आर.एफ. के कमान्डेन्ट, वाराणसी के साथ विश्वविद्यालय में ही मा. कुलपति के साथ विशेष वार्ता सहित ग्रन्थालय का अवलोकन, शोध विभागों का भी उनको परिचय कराया।

9. 18 अक्टूबर 2022 - नैक पीयर टीम के समक्ष शोध विभागों के प्रस्तुतिकरण के अवसर पर कोश विभाग के कार्यों का प्रस्तुतिकरण पी.पी.टी. के माध्यम से किया और साथ ही कोश विभाग के प्रदर्शनी में भी परीक्षक दल के समक्ष विभाग के कार्यों को भौतिक सत्यापन के रूप में प्रस्तुत किया।
10. 14 दिसम्बर 2022 - मा. कुलपति जी के कार्यालय में संस्कृति मन्त्रालय के मन्त्री जी के आने से सम्बद्ध शोध-विभागाध्यक्षों की विशेष सभा में भाग लिया।
11. 10 जनवरी 2023 - शान्तरक्षित ग्रन्थालय की 48वीं ग्रन्थ चयन समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
12. 11 जनवरी 2023 - डी.पी.सी. की मीटिङ् में एस.सी/एस.टी. आब्जर्वर के नामित सदस्य के रूप में भाग लिया।
13. विभिन्न पदों के लिए के.उ.ति.शिक्षा-संस्थान, सारनाथ के नियुक्ति से सम्बन्धित इन्टरव्यू में ए.सी./एस.टी. सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ।

डॉ. टाशी छेरिंग

1. छात्रोपयोगी कोश के तृतीयचरण के रूप में क-वर्ग के लगभग 15 पृष्ठों का संशोधन कार्य किया।
2. छात्रोपयोगी कोश के द्वितीय चरण के रूप में 'म'-वर्ग 20 प्रविष्टियों के अंग्रेजी लिप्यन्तरण व संस्कृत पर्याय देने का कार्य किया।
3. आयुर्विज्ञान-कोश की भूमिका के भोटी पाठ का भाषा संशोधन कार्य किया।
4. तिब्बती-हिन्दी कोश हेतु क-वर्ण की कुछ प्रविष्टियों का संकलन, हिन्दी पर्याय एवं प्रयोग देने का कार्य किया।
5. आयुर्विज्ञान कोश के संस्कृत पाठ की शब्दानुक्रमणिका का कम्प्यूटर पर संशोधन का कार्य पूर्ण हुआ।
6. 30 सितम्बर 2022 - ग्रन्थालय के तिब्बती पुस्तकों के मूल्य सत्यापन का कार्य किया।

आचार्य तेनजिन सीदोन कुलपति कार्यालय से सम्बद्ध।

डॉ. कर्मा सोनम पलमो

1. अभिधर्म पर शब्दकोश के लिए अभिधर्मसमुच्चय भाष्य से प्रविष्टि शब्दों के संकलन का कार्य किया।
2. आयुर्विज्ञान कोश के हिन्दी भूमिका के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य किया।
3. 21 मई 2022 – 04 जून 2022 : कुलपति महोदय के आदेश पर कुलपति कार्यालय में कार्य किया तथा अंग्रेजी से तिब्बती अनुवाद का भी कार्य किया।
4. 13 जुलाई 2022 : सारनाथ में आई.बी.सी. और एम.ओ.सी., भारत सरकार के धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस कार्यक्रम के दौरान दूसरे सत्र - आषाढ़ पूर्णिमा के महत्व पर संवाद - के लिए एम.सी. का कर्तव्य निभाया।
5. 15 से 20 जुलाई 2022 : उबेरॉय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, यू.एस.ए. के विजिटिंग ग्रुप के लिए बौद्ध धर्म पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम के एसोसिएट समन्वयक का कर्तव्य निभाया।
6. 29 दिसम्बर 2022 - 21 जनवरी 2023 : कार्यालयीय आदेशानुसार एक्चैंज प्रोगाम में आये विदेशी छात्रों के कार्यक्रम में एसोशिएट संहसयोजक के रूप में कार्य किया।
7. नैक पीयर टीम विजिट के तैयारी के दौरान आई.क्यू.ए.सी. के लिए सामग्री लेखन कार्य किया।
8. वेबसाइट डेवलपमैन्ट कमेटी के सदस्य के रूप में कार्य किया।
9. समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के विरुद्ध समिति की बैठकों में भाग लिया।
10. अंतर्राष्ट्रीय छात्र प्रकोष्ठ के सदस्य के रूप में समिति की बैठकों में भाग लिया।

डॉ. लोब्संग छोडोन

1. डॉ. लोब्संग छोडोननेज्योतिष कोशके अन्तिम संपादनका कार्य किया।
2. मुख्य संपादक के साथ "आयुर्विज्ञान कोश" कीपूर्ण रूप से अंतिम सेटिंग तैयार की।

डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी

1. डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी ने भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी कोश का संशोधन कार्य किया।
2. डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी ने प्रमाणवार्तिक से शब्द चयन करने का कार्य किया।
3. डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी ने मध्यमकहृदयम् नामक ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद कार्य किया।

सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान और कर्तव्यों में भागीदारी

1. विभाग के सभी सदस्यों ने संस्थान में आयोजित सेमिनारों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों में सक्रिय रूप से भाग लिया और संस्थान द्वारा सौंपे गए सभी अतिरिक्त कर्तव्यों को पूरा किया।

5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध एवं महत्त्वपूर्ण तिब्बती साहित्य का बृहत् इतिहास अभी तक नहीं लिखा गया। इसे ध्यान में रखकर तिब्बती साहित्य केन्द्र की स्थापना की गई। इस बृहत् तिब्बती साहित्य के इतिहास में इसका विकासक्रम व भारतीय साहित्य का तिब्बती पर प्रभाव परिलक्षित होगा। पूरे तिब्बती साहित्य की दो विधाएँ हैं - 1. भारतीय भाषाओं में मुख्यतः संस्कृत से अनूदित पाँच हजार से अधिक ग्रन्थ, 2. तिब्बती विद्वानों की विविध विषयों पर रचनाएँ जो लाख से भी अधिक हैं। इतने विशाल साहित्य के होते हुए भी बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास नहीं लिखा गया है। अतः संस्थान ने बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास तैयार करने का निर्णय लिया, जिसे मूर्त रूप देने के लिए संस्थान ने तिब्बती साहित्य केन्द्र नामक शोध अनुभाग की कल्पना की, जो कि बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास प्रस्तुत कर सके और साथ ही अन्य साहित्यिक रचनाओं का अनुवाद, शोध, कार्यशाला व सम्मेलन कर सके। इन तथ्यों को दृष्टिगत कर संस्थान ने वरिष्ठ प्रसिद्ध विद्वानों को इस योजना में नियुक्त करने की योजना बनाई।

तदनुसार एक वरिष्ठ अनुसन्धाता को तिब्बती साहित्य केन्द्र में प्रमुख बनाया गया है जिन्होंने आठ साल तक इस योजना में कार्य किया है और बृहत् तिब्बती साहित्य इतिहास के प्रारूप की चार भागों में रचना की जो सम्पन्न होने की स्थिति में है। इस योजना के साथ ही केन्द्र ने अनुवाद व व्याख्याग्रन्थ के रूप में अन्य साहित्यिक रचनाएँ भी प्रकाशित की हैं। केन्द्र ने संस्कृत व हिन्दी साहित्य पर एक कार्यशाला भी आयोजित की तथा तिब्बती साहित्य-इतिहास के प्रारूप पर परिचर्चा करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की।

4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का शान्तरक्षित ग्रन्थालय एक विशिष्ट ग्रन्थालय है। इस ग्रन्थालय में प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपियों के तिब्बती अनुवाद के रूप में भारतीय बौद्ध-वाङ्मय का समृद्ध संग्रह अपने मौलिक स्वरूप में काष्ठोत्कीर्णित (Xylograph), मुद्रित एवं मल्टीमीडिया ग्रंथों के रूप में विद्यमान है। ग्रन्थालय में विद्यमान ग्रन्थों का यह संग्रह विश्वविद्यालय के उद्देश्यों पर आधारित है, जिसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का संग्रह घोषित किया गया है।

ग्रन्थालय का नामकरण प्राचीन नालन्दा महाविहार के प्रसिद्ध भारतीय बौद्ध विद्वान् आचार्य शान्तरक्षित के नाम पर हुआ है जिन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं एवं परम्पराओं के प्रसार हेतु 8वीं शताब्दी में तिब्बत की यात्रा की थी।

ग्रन्थालय में संरक्षित बौद्ध, तिब्बती और हिमालयीय-अध्ययन विषयक ग्रन्थों का समृद्ध संग्रह संसार-भर के विद्वानों के आकर्षण का केन्द्र है। बौद्ध-वाङ्मय की दृष्टि से यह अद्वितीय ग्रन्थालय है।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय अत्याधुनिक सूचना तकनीकि सुविधाओं से सम्पन्न हैं तथा ग्रन्थालय में संग्रहीत समस्त प्रलेखों की कम्प्यूटरीकृत बहुभाषी ग्रन्थसूची के आधार पर ग्रंथालय सेवाएं प्रदान की जाती है, यह बहुभाषी सूचीपत्रक (ओपेक) विश्वविद्यालय परिसर के कम्प्यूटर नेटवर्क (LAN) के साथ ही विश्वविद्यालय की बेवसाईट (www.cihts.ac.in) से कहीं भी देखा जा सकता है।

शान्तरक्षित ग्रंथालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्विश्वविद्यालयी केन्द्र इनफ्लिब्नेट, अहमदाबाद, (www.inflibnet.ac.in) द्वारा ई-शोधसिन्धु (ऑन लाइन जर्नल्स योजना) का सदस्य है, जिसके फलस्वरूप अर्थशास्त्र एवं राजनीति की साप्ताहिकी (www.epw.in) तथा आई. एस. आई. डी. (www.isid.org.in) डेटाबेस, विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के इण्टरनेट नेटवर्क का प्रयोग कर मुफ्त में देखें, पढ़ें और डाउन-लोड किए जा सकते हैं।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय को बी.डी.आर.सी. (बुद्धिस्ट डिजिटल रिसोर्स सेण्टर) https://www.bdrc.io/ तथा वर्ल्ड पब्लिक लाइब्रेरी http://community.worldLib.in और साउथ एशिया आर्काइव (एस.ए.ए.) http://www.southasiaarchive.com के संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग की अनुमति भी प्राप्त है।

मुद्रित और ऑनलाइन प्रलेखों के साथ ही यह ग्रन्थालय माइक्रोफिच, माइक्रोफिल्म और ऑडियो और वीडियो प्रलेखों के समृद्ध संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करता है तथा इन अमूल्य संसाधनों का प्रबंधन करता है। ग्रन्थालय तिब्बती साहित्य और संस्कृति के विकास के लिए दलाई लामा फाउंडेशन, धर्मशाला, के साथ जुड़ा हुआ है।

1. प्रो. टशी छेरिंग (एस.), ग्रंथालय प्रभारी
2. श्री सुधृति विश्वास, कार्यालय सहायक, संविदा

शान्तरक्षित ग्रंथालय के सात प्रमुख अनुभाग हैं–

1. अवाप्ति, तकनीकी एवं इनफ्लिब्नेट अनुभाग।
2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका एवं सन्दर्भ अनुभाग।
3. तिब्बती अनुभाग।
4. आदान-प्रदान अनुभाग।
5. संचयागार अनुभाग।

6. मल्टीमीडिया अनुभाग।

7. कम्प्यूटर अनुभाग।

1. अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग

1.1 ग्रंथ अवाप्ति

(क) ग्रन्थालय के अवाप्ति अनुभाग द्वारा वर्ष 2022-23 में ₹4232395.00 मूल्य के कुल 1981 ग्रन्थों की अवाप्ति कर आगम संख्या 125288-127268 तक पंजीकृत किया गया।

इनमें से ₹4103611.00 मूल्य के 1643 ग्रंथ खरीदे गये तथा ₹128784.00 मूल्य के 328 ग्रंथ दानस्वरूप प्राप्त हुए और सामयिकी अनुभाग द्वारा पूर्व में अवाप्त 10 जिल्दबन्द सामायिकों का परिग्रहण किया गया।

वर्ष 2022-23 में अवाप्त ग्रंथों का विवरण

तिब्बती	921
संस्कृत	36
हिन्दी	305
अंग्रेजी	558
बहुभाषी	147
अन्य	14
कुल	**1981**

क्रय	1643
दान	328
विनिमय	0
जिल्दबन्द सामयिकी	10
कुल	**1981**

क्रय मूल्य	4103611.00
दान मूल्य	128784.00
कुल मूल्य	**4232395.00**

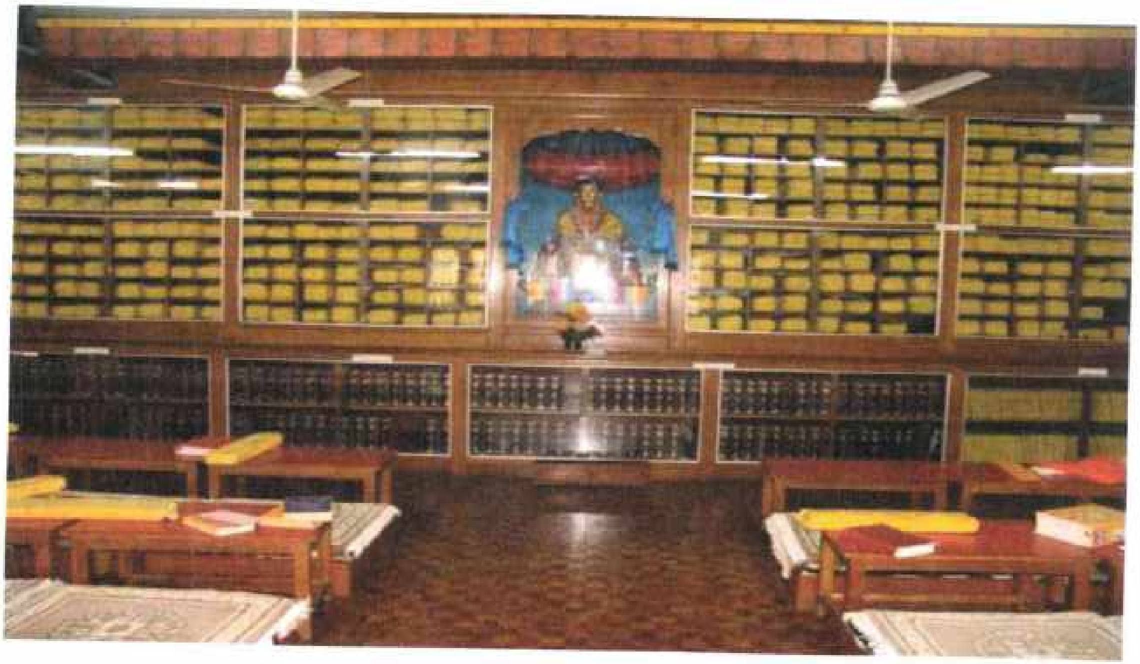

1.2 तकनीकी अनुभाग

1. 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 की अवधि के दौरान कुल संख्या 554 ग्रंथों का कोलन वर्गीकरण पद्धति (6वां संस्करण) की मदद से वर्गीकरण किया गया था और सूचीकरण कर इन्हें स्लिम ग्रंथालय साफ्टवेयर द्वारा

डेटाबेस में निवेशित किया गया था तकनीकि प्रक्रिया के बाद इन्हें सम्बन्धित अनुभाग/संचयागार मे स्थानान्तरित कर दिया गया है।

2. 1190 तिब्बती ग्रन्थों का वर्गीकरण किया गया एवं कम्प्यूटर के माध्यम से सूचीकरण कर ग्रन्थों का स्थानान्तरण तिब्बती अनुभाग में किया गया।
3. नए ग्रन्थों का स्लिम साफ्टवेयर के माध्यम से प्रतिलिपि जाँच की गयी।
4. माँग के आधार पर ग्रन्थों की तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण की गयी।
5. सभी तिब्बती ग्रंथों को कोलन वर्गीकरण पद्धति की सहायता से वर्गीकरण (सी.सी. तिब्बती संस्करण) और सूचीकरण स्लिम लाइब्रेरी साफ्टवेयर में की गयी।
6. आवेदकों को संदर्भ सेवा प्रदान की गयी।

1.4 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी
2. श्री रवि कान्त पाल, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
3. श्री तेनजिन छुंडक, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेण्ट (संविदा)
4. श्रीमती डिक्की डोल्मा, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेण्ट (संविदा)
5. सुश्री नवङ लोछो लामा (संविदा)
6. श्रीमती मीना, ग्रंथालय परिचारिका
7. श्री शिवबचन शर्मा, विविध कार्य कर्मचारी

2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका व सन्दर्भ अनुभाग

2.1 अवाप्ति-

आलोच्य वर्ष 2022-23 में अनुभाग द्वारा सामयिकी एवं समाचार, पत्र-पत्रिकाओं की अवाप्ति पर ₹ **4,03,452.00** व्यय किये गये, जिनका विवरण निम्नवत् है-

क्रम सं.	फर्म का नाम	सामयिकी का प्रकार	शीर्षक	भाग	कुल प्राप्त अंक	मूल्य
1.	भारतीय प्रकाशन	राष्ट्रीय सामयिकी	7	7	19	2500.00
2.	विदेशी प्रकाशन	विदेशी जर्नल	9	9	32	368110.00
3.	आभार स्वरूप	आभार स्वरूप प्राप्त	25	25	28	00.00
4.	विनिमय सामयिकी	विनि. सामयिकी	4	4	4	00.00
5.	स्थानीय विक्रेता	समाचारपत्र-पत्रिका एवं (18)	18	19	196	32842.00
	योग		**63**	**64**	**279**	**403452.00**

2.2 सेवाएँ-

1. आलोच्य वर्ष में सामयिकीयों में उपलब्ध **228 आर्टिकल्स** का स्लिम डेटाबेस में इनपुट किया गया। इस समय डेटाबेस में कुल लेख प्रविष्टियों की संख्या **18163** हो गई है।
2. वर्तमान सत्र में **1745** प्रेस क्लिपिंग को स्कैन किया गया इस समय डेटाबेस में कुल संख्या **24784** हो गई है।

3. अनुभाग में बाइंडिग हेतु लगभग **350** शैक्षणिक जर्नल्स की सूची तैयार की गयी।
4. पाठकों के मांग पर सामयिकीयों में प्रकाशित लेखों की छाया प्रति उपलब्ध करायी गया।
5. विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके शोध से संबंधित संदर्भ सेवाएं (ग्रंथ) उपलब्ध करायी गयी।

2.3 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री कृष्णानन्द सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
2. श्री सतीश कुमार राय, दैनिक वेतनभोगी

3. तिब्बती अनुभाग

शांतरक्षित ग्रंथालय के तिब्बती अनुभाग को कग्यूर (बुद्ध वचन) और तेंग्यूर (बुद्ध वचनों पर भारतीय बौद्ध आचार्यों की संग्रह) के रूप में जाना जाता है। संस्कृत से तिब्बती में अनुवादित बौद्ध साहित्य इस अनुभाग का एक महत्वपूर्ण संग्रह है। बौद्ध अध्ययन के इस विशाल संग्रह में कग्यूर व तेंग्यूर के कई संस्करण हैं। इसके साथ, बोनपो (तिब्बत में बौद्ध धर्म से पहले का स्वदेशी धर्म) के ग्रंथों और सुंगबुम (विभिन्न तिब्बती विद्वानों के समग्र) भी उपलब्ध हैं। तिब्बती चिकित्सा (Sowa-Rigpa), तिब्बती ज्योतिष, भाषा विज्ञान, साहित्य, इतिहास और समकालीन पुस्तक प्रारूप में तिब्बती पत्रिकाएँ भी इसके संग्रह का अपरिहार्य हिस्सा हैं। तिब्बती अनुभाग में कग्यूर और तेंग्यूर के निम्नलिखित भौतिक प्रारूप हैं।

i. तिब्बती अनुभाग में वर्तमान में कग्यूर (पोथी, देब-चेन और ग्रंथ) और तेंग्यूर (पोथी, देब-चेन और ग्रंथ) रुप में विभिन्न संस्करण विद्यमान हैं।
ii. ग्रंथ प्रारुप में पाली और चीनी त्रिपिटक।

3.2 वर्तमान समय में तिब्बती अनुभाग में कुल धारित प्रलेख-

ग्रंथ का प्रकार	शीर्षक	प्रतियां	आख्या
ग्रंथ	8601	28309	कैटलॉग ब्राउजर में नई पूछताछ से उत्पन्न रिपोर्ट के अनुसार तिब्बती भाषा में ग्रंथ के साथ ग्रंथ के प्रकार का प्रावधान
पोथी	1557	7850	ग्रंथ के प्रकार के अनुसार रिपोर्ट
देबचेन	481	1959	"
पत्रिका	279	2143	कैटलॉग ब्राउजर में नई पूछताछ से उत्पन्न रिपोर्ट के अनुसार तिब्बती भाषा में ग्रंथ के साथ ग्रंथ के प्रकार का प्रावधान
कुल	**10918**	**40261**	2022-23

3.3 तकनीकि कार्य:

1. तिब्बती अनुभाग के कुल ग्रंथ संग्रह में से 75 प्रतिशत ग्रंथों की तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण की गयी।
2. क्रमांक संख्या के अनुसार पाठकों के लिए शेल्फ गाइड प्रदान किया गया था।
3. सभी तिब्बती आरक्षित प्रति को संदर्भ अनुभाग में स्थानांतरित कर दिया।
4. कंप्यूटर (स्लिम) में क्रमांक संख्या प्रदान करते समय कैटलॉग के एक्सेस पॉइंट को भी संपादित/सही किया गया था।
5. ग्रंथों पर क्रमांक संख्या का ट्रांसक्रिप्शन और ट्रांसक्राइबिंग (बुक पॉकेट चिपकाना, लेबलिंग) पूरा किया गया।
6. ग्रंथों की 334 विश्लेषणात्मक प्रविष्टि तैयार की।
7. तिब्बती ग्रंथों और पोथी को अधिग्रहण अनुभाग में स्थानांतरित कर दिया गया था।

8. स्लिम (कंप्यूटर डेटाबेस) में ग्रंथों के 5735 अपूर्ण कैटलॉग के साथ-साथ पोथियों को भी प्रविष्ट किया गया था।
9. सुम्बम संग्रह से पुराने पोथियों की विश्लेषणात्मक प्रविष्टियों का सम्पादन किया गया।
10. पाठक सेवाओं के लिए उचित शेल्विंग बनाए रखने के लिए समय-समय पर शेल्फ सुधार किया गया है।

3.4 अंतर-ग्रंथालय सेवाएं:

1. अवाप्ति अनुभाग: अवाप्ति अनुभाग के रिकॉर्ड के संदर्भ में, खरीदने से पहले 1190 नए ग्रंथों की डुप्लिकेट जाँच की गयी।
2. मल्टीमीडिया अनुभाग के लिए समन्वय कार्य: तिब्बती अनुभाग आंतरिक सेवा रिकॉर्ड बुक के संदर्भ में इस अनुभाग ने डिजिटलीकरण के लिए मल्टीमीडिया अनुभाग को 25 ग्रंथ डिजिटाइजेशन हेतु चिन्हित कर प्रदान किए।
3. आदान-प्रदान अनुभाग: अनुभाग कर्मचारी सुश्री टशी ल्हामो को समय-समय पर सम्बन्धित कर्मचारी के अवकाश पर होने पर आदान-प्रदान अनुभाग में सेवा प्रदान की।

3.5 पाठक सेवाएं:

शैक्षणिक विद्वानों, पीएचडी विद्वानों, रिसर्च फेलो के साथ-साथ सामान्य पाठकों को प्रभावी पाठक सेवाएं प्रदान की गई हैं। रीप्रोग्राफिक अनुभाग की मदद से पाठकों ने तिब्बती प्रलेखों के 762 पृष्ठों की फोटोकॉपी ली है। सेवाओं का विवरण नीचे दिया गया है।

1. अध्ययन कक्ष सेवा।
2. शेल्फ पर ग्रंथ की खोज।
3. ग्रंथपरक सेवा।
4. आलेख अनुक्रमणिका।
5. विशेष सूची प्रिंट में।
6. बीडीआरसी (बुद्धिस्ट डिजिटल रिसोर्स सेण्टर) पोर्टल पर ऑनलाइन खोज।

3.6 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री लोब्संग वांगड्, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट (प्रभारी, तिब्बती अनुभाग)
2. श्री चोंगा छेरिंग, संविदा
3. श्रीमती टशी ल्हामो, संविदा
4. श्री अनिल कुमार यादव, संविदा

4. आदान-प्रदान अनुभाग

ग्रंथालय का आदान प्रदान अनुभाग ग्रंथालय में नए सदस्यों का पंजीकरण, सदस्यता नवीनीकरण, ग्रंथों का आगम, निर्गम, आरक्षण, अदेयता प्रमाण पत्र जारी करना तथा ग्रंथालय उपयोग की सूचनाओं का संग्रहण एवं अन्य सम्बन्धित कार्य सम्पादित करता है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुभाग द्वारा पंजीकृत ग्रंथालय सदस्यों का विवरण निम्नवत है-

सदस्यता का प्रकार	संख्या
विद्यार्थी	342
कर्मचारी	062

तदर्थ तथा अनुरोध सदस्य	024
विभागीय	07
अतिथि सदस्य	02
निदेशक कक्ष	01
योग	**438**

4.1 वर्ष 2022-23 में 124 नये ग्रंथालय सदस्यों का नामांकन किया गया, जिनमें 82 विद्यार्थी, 04 कर्मचारी, 24 गैर-नियमित सदस्य, 01 विभागीय व 13 अस्थायी सदस्य सम्मिलित हैं। इस अवधि में 62 अदेयता प्रमाणपत्र जारी किए गए।

4.2 वर्ष 2022-23 में आदान, प्रदान, आरक्षण आदि से सम्बन्धित 45290 प्रविष्टियों का ग्रन्थालय डेटाबेस में निवेश किया गया।

4.3 वर्ष 2022-23 में ग्रंथालय के संग्रह से 4490 ग्रंथ पाठकों द्वारा आहरित किए गए तथा 4517 ग्रंथ वापस किए गए।

4.4 आलोच्य वर्ष में कुल 35902 पाठकों ने ग्रंथालय का प्रयोग किया।

4.6 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्रीमती तेनजिन कलदेन, (संविदा)

5. संचयागार अनुभाग

भूतल व प्रथम तल पर अवस्थित विशिष्ट संग्रहों सहित सभी मुद्रित ग्रंथों (तिब्बती भाषा के अतिरिक्त) का संचयागार कोलन वर्गीकरण पद्धति के छठे संस्करण के आधार पर विषय क्रम से व्यवस्थित है, यह अनुभाग इस संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ संग्रह के संरक्षण व रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करता है।

संचयागार द्वारा प्रदान सेवाओं एवं रख-रखाव के कार्यों का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत है-

5.1 सेवाएँ-

1.	संचयागार में आए पाठकों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर)	501
2	फलक से निकाले गए ग्रंथों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर)	736
3.	अध्ययन कक्ष से फलक पर व्यवस्थित किए गए ग्रंथों की संख्या	18415
4.	विशेष संग्रह से प्रदान की गई पाठक सेवाएं	21

5.2 संग्रह में आए नए ग्रन्थ तथा संचयागार का रख-रखाव-

1.	संग्रह में आए नए ग्रंथों की संख्या	113
2.	तकनीकी सुधार हेतु निकाले गए ग्रंथों की संख्या	182
3.	तकनीकी सुधार के पश्चात संग्रह में आए पुराने ग्रंथों की संख्या	264
4.	संग्रह संशोधन	A, B, O, M, N, X, W, Q, R,T, LJC, KNC, AKS,
5.	ट्रांसक्राईब किए गए नए व पुराने ग्रंथों की संख्या	610

5.3 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. डॉ. देवी प्रसाद सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट (जुलाई 2022 तक)
2. श्री रमेशचन्द्र सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट (जुलाई 2022 तक)
3. श्रीमती तेनजिन रिगसंग, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
4. श्री विजय कुमार पटेल, ग्रंथालय परिचारक
5. मु. मुमताज, ग्रंथालय परिचारक

6. मल्टीमीडिया अनुभाग

ग्रन्थालय का मल्टीमीडिया अनुभाग, अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित है। ग्रन्थालय का यह अनुभाग डिजिटल प्रलेख, माइक्रोफिल्म, माइक्रोफिश, आडियो-विडियोकैसेट्स, सी.डी., डी.वी.डी एवं डिजिटल आदि प्रारूपों में उपलब्ध प्रलेखों का निर्माण, संग्रहण, संवर्धन व संरक्षण करता है तथा इन प्रलेखों पर आधारित पाठक सेवाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक कार्यक्रमों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कर प्राप्त प्रलेखों का तकनीकि सम्पादन कर उन्हें संग्रह व सेवा के लिए उपयुक्त बनाता है साथ ही शैक्षणिक उद्देश्य हेतु फोटोकापी, स्कैनिंग, प्रिंटिंग व प्रतिलिपिकरण की सेवा भी प्रदान करता है। अनुभाग संस्थान की प्रमुख गतिविधियों का सोशलमीडिया पर सीधा प्रसारण तथा डिजिटल सामग्री का प्रबंधन भी करता है। अनुभाग द्वारा देश के सुदूर व दुर्गम स्थानों में उपलब्ध बौद्धधर्म एवं दर्शन की प्राचीन पाण्डुलिपियों व ग्रंथों के डिजिटलीकरण का कार्य भी सम्पादित किया जाता है। मल्टीमीडिया अनुभाग समय की बदलती जरूरतों और तकनीक के अद्यतन बने रहने के लिए सतत् प्रयासरत रहता है। अस्सी के दशक में यह अनुभाग सक्रिय रूप से माइक्रोफॉर्म के कार्य में लगा हुआ था तथा नब्बे के दशक में अनुभाग ने मैग्नेटिक टेपों के साथ काम किया और अब यह अनुभाग संस्थान के लिए डिजिटलीकरण कार्य का केंद्र है। नवीनतम आई.सी.टी. उपकरण से लैस यह अनुभाग दुर्लभ बौद्ध पांडुलिपि और मूल्यवान प्रलेखों को डिजिटल रूप से संरक्षित करने के लिए डिजिटलीकरण कार्य से जुड़ा हुआ है।

1. आडिओ वीडियो एवं फोटो प्रलेखन

वर्ष 2022-2023 में संस्थान के निम्नलिखित कार्यक्रमों की फोटोग्राफी, विडियोग्राफी एवं विडियोसंपादन कर ग्रन्थालय में संग्रहण तथा पाठकों/उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराए हैं।

1. 21 अप्रैल 2022 - "छात्रों और कुलपति के बीच बातचीत" का वीडियोग्राफी, संपादित और संरक्षित किया गया।
2. 21 जून 2022 - "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022" का वीडियोग्राफी, संपादित और संरक्षित किया।
3. 30 जुलाई 2022 - "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर राष्ट्रीय सम्मेलन" का वीडियोग्राफी संपादित और संरक्षित किया गया।
4. 4 अगस्त 2022 - प्रो. एल.एम. जोशी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह" का वीडियोग्राफी, संपादित किया गया।
5. 2 सितंबर 2022 - "सांस्कृतिक कार्यक्रम" का वीडियोग्राफी, संपादित किया गया।
6. 18 से 20 अक्टूबर 2022 - नैक पीयर टीम की निरीक्षण की संपूर्ण कार्यवाही का कवरेज।
7. 20 अक्टूबर 2022 - "नैक पीयर टीम विजिट की एग्जिट मीटिंग" का वीडियोग्राफी, संपादित और संरक्षित किया गया।

8. 4 नवंबर 2022 - प्रोफेसर समदोंग रिनपोछे द्वारा आचार्य अतिश दीपांकर श्रीज्ञान द्वारा रचित " बोधिपथप्रदीप" का शिक्षण " का (लाइव वेबकास्ट) सीधा प्रसारण तथा वीडियोग्राफी, संपादित किया गया।
9. 5 नवंबर 2022 - महामहिम प्रो. समदोंग रिनपोछे को "तेनशुग भेंट कार्यक्रम" का (लाइव वेबकास्ट) सीधा प्रसारण तथा वीडियोग्राफी, संपादित किया गया।
10. 05 नवंबर 2022 - "प्रो. समदोंग रिनपोछे का जन्मदिन समारोह" का (लाइव वेबकास्ट) सीधा प्रसारण तथा वीडियोग्राफी, संपादित और संरक्षित किया गया।
11. 6 नवंबर 2022 - संस्थान का पुरातन छात्रों द्वारा आयोजित "तिब्बती और हिमालयी अध्ययन पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का (लाइव वेबकास्ट) सीधा प्रसारण तथा वीडियोग्राफी, संपादित और निर्यात किया गया।
12. 26 नवंबर 2022 - "भारतीय संविधान दिवस - प्रस्तावना पढ़ना" का वीडियोग्राफी, संपादित और निर्यात किया गया।
13. 26 नवंबर 2022 - "विशेष वार्ता - संविधान दिवस 2022" का वीडियोग्राफी, संपादित और संरक्षित किया गया।
14. 16 दिसंबर 2022 - "माननीय संस्कृति मंत्री श्री जी किशन रेड्डी द्वारा संस्थान के निरीक्षण" की वीडियोग्राफी कर संपादित किया गया।
15. 18 जनवरी 2023 - प्रोफेसर जे गारफील्ड द्वारा "अभिनवगुप्त और दया कृष्ण के बीच: केसी भट्टाचार्य ऑन अदर माइंड्स" शीर्षक पर व्याख्यान की वीडियोग्राफी कर संपादित किया गया।
16. 12 से 14 फरवरी 2023 - आयोजित "वरिष्ठ छात्रों के शीतकालीन शिविर" की वीडियोग्राफी कर संपादित किया गया।
17. 1 से 15 मार्च 2023 - आयोजित "15 दिवसीय सोवा रिग्पा इंडक्शन प्रोग्राम" की वीडियोग्राफी कर संपादित किया गया।
18. 4 मार्च 2023 - आयोजित "केदारनाथ सिंह सम्मान समारोह" की वीडियोग्राफी कर संपादित और संरक्षित किया गया।
19. 4 मार्च 2023 - "बुद्ध की धरती पर कविता" (उद्घाटन सत्र) का वीडियोग्राफी, संपादित और संरक्षित किया गया।
20. 19 से 20 मार्च 2023 - "छात्र कल्याण समिति का स्वर्ण जयंती समारोह" का वीडियोग्राफी संपादित किया गया।
21. 27 मार्च 2023 - आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" का वीडियोग्राफी, संपादित और संरक्षित किया गया।
22. 30 मार्च 2023 - "डायलेक्टिक्स के माध्यम से आधुनिक विषयों की शिक्षाशास्त्र" का वीडियोग्राफी संपादित और संरक्षित किया गया।

उपरोक्त प्रमुख कार्यकार्मों के अतिरिक्त इस वर्ष संस्थान में विभिन्न विषयों पर प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा दिए गए कई व्याख्यानों एवं वार्ताओं की भी फोटोग्राफी व वीडियो रिकॉर्डिंग की गई तथा संसाधित होने के बाद ग्रंथालय के मल्टीमीडिया अनुभाग के संग्रह में संरक्षित की गयी। यह अनुभाग संदर्भ और रिकॉर्ड के लिए संस्थान में होने वाली प्रत्येक घटना की फोटोग्राफी का भी प्रलेखीकरण करता है।

2. आडिओ कैसेट्स का डिजिटलीकरण

आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा 507 घंटों की अवधि के 390 शीर्षकों वाले 108 आडीओ कैसेटों का एमपी-3 फार्मेट में रूपान्तरण किया गया।

3. दुर्लभ ग्रन्थों एवं प्रलेखों का डिजिटलीकरण

1. "जेडुब सी की सेलजे नीमई वोज़ेर मैनथोस दोर्जे सुंगबूम" के 4 संस्करणों का स्कैनिंग।
2. "द कॉर्पस ऑफ हिज होलीनेस कुंडोल डाकपा" का 1 संस्करणों का स्कैनिंग।
3. "जापे रिनछेन डोनसेल लेस जोरडु ठुलगी देमिग" का 1 संस्करणों का स्कैनिंग।
4. संस्थान की 26 पीएच.डी. थीसिस की स्कैनिंग।
5. माइक्रोफिच में संरक्षित "भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा बौद्ध क्षेत्र पर रिपोर्ट" के 8162 फोलियो को स्कैन किया गया।
6. 14 मई से 25 जून 2022 तक अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में संरक्षित गोल्डन काग्यूर के 97 खंड, 58369 पृष्ठों का डिजिटल फोटोग्राफी किया गया।
7. 14 मई से 25 जून 2022 तक अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में संरक्षित हस्तलिखित काग्यूर के 113 खंडों और 15 अन्य दुर्लभ पांडुलिपियों का कुल 85889 पृष्ठों का डिजिटल फोटोग्राफी किया गया।

4. ऑडियो- वीडियो संग्रह का ऑनलाइन प्रसार

1. अनुभाग द्वारा वीडियोग्राफी तथा संपादित की गई 2 वीडिओ फाइलें 2022-2023 के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब (Youtube) पर अपलोड कर उपयोगकर्तों के लिए उपलब्ध हैं। www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies
2. अनुभाग द्वारा संपादित 33 वीडिओ फाइलें 2022-2023 के दौरान सोशल मीडिया के फेसबुक पेज पर अपलोड कर उपयोगकर्तों के लिए उपलब्ध हैं। www.facebook.com/CIHTS.
3. अनुभाग द्वारा 2022-2023 के दौरान संस्थान के विभिन्न गतिविधियों के 58 फोटो एलबम सोशल मीडिया फेसबुक पेज पर अपलोड कर प्रचारित किया गया हैं। www.facebook.com/CIHTS
4. अनुभाग द्वारा 2022-2023 के दौरान संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के 37 पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम www.instagram.com/cihts_sarnath पर अपलोड किए गए।
5. अनुभाग द्वारा 2022-2023 के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर https://twitter.com/CIHTS_SARNATH पर संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के 30 ट्वीट और अन्य 294 रीट्वीट किए गए।

5. पाठक सेवाएँ

आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा कार्यालयी एवं शैक्षणिक उद्देश्यों से निम्नलिखित विभिन्न सेवाएं प्रदान की गई।

1. शैक्षणिक एवं आधिकारिक उद्देश्य हेतु 31747 पृष्ठों की फोटोकॉपी, मुद्रित और 944 पृष्ठों का स्कैन किया गया।
2. संस्थान के नए पहचान पत्र के लिए लगभग 523 छात्रों और 197 कर्मचारियों की तस्वीरें ली गई।
3. लगभग 12 समितियों एवं विभागों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप स्टिल फोटो की प्रतियां उपलब्ध करायी गयी।
4. आधिकारिक उद्देश्य हेतु 94 सेट स्पाइरल बाइंडिग किया गया।

5. यह अनुभाग न्यूनतम भुगतान पर उपयोगकर्ताओं/पाठकों को भौतिक (हार्ड कॉपी) और डिजिटल (सॉफ्ट कॉपी) की रिप्रोग्राफिक संबंधित सेवाओं प्रदान करता है। आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा शान्तरक्षित ग्रंथालय के संग्रह में उपलब्ध ऑडियो-विजुअल डुप्लिकेट, दस्तावेजों की स्कैनिंग, प्रिंटिंग और फोटोकॉपी जैसी रिप्रोग्राफिक सेवाओं से कुल ₹ 63246.00 प्राप्त हुए।
6. अनुभाग द्वारा वर्तमान जागरूकता सेवाएं, परामर्श, संदर्भ तथा पाठक सेवाएं प्रदान की गयी।
7. अनुभाग के संग्रह तथा आईसीटी उपकरणों का रखरखाव।

6. अन्य गतिविधियाँ

1. मल्टीमीडिया अनुभाग द्वारा एक नया प्रदर्शनी कक्ष स्थापित किया गया जो अनुभागों द्वारा पहले उपयोग किए गए पुराने मल्टीमीडिया उपकरणों तथा ऑफसाइट डिजिटलीकरण कार्य की गतिविधियाँ को प्रदर्शित करता है।
2. सभी प्रदर्शित पुराने उपकरणों की संक्षिप्त जानकारी के साथ टैगिंग किया गया।
3. श्री तेनज़िन दोन्यो और श्री कलदेन गुरुङ को अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में संरक्षित स्वर्ण काग्यूर और हस्तलिखित काग्यूर को डिजिटाइज़ेशन के लिए नियुक्त किया गया था। उन्होंने 14 मई से 25 जून 2022 के दौरान कुल 225 वॉल्यूम, 144258 पेज स्कैन किए।
4. श्री तेनज़िन दोन्यो ने NAAC पीयर टीम का निरीक्षण दौरे से पूर्व IQAC द्वारा नियुक्त "प्रेजेंटेशन, पोस्टर और बैनर डिजाइनिंग के लिए उपयोग की जाने वाली तस्वीरों के चयन समिति" के लिए सहायता की।
5. संस्थान के नए पहचान पत्र का डिजाइन लेआउट तैयार किया।
6. संस्थान की लगभग 720 छात्रों और कर्मचारियों के लिए नई पहचान पत्र तैयार कर मुद्रित किया गया।
7. "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" कार्यक्रम के लिए कई पोस्टर डिज़ाइन और तैयार किए गए।
8. बुद्ध जयंती-2022 के लिए बैनर डिज़ाइन और तैयार किया गया।
9. NAAC पीयर टीम का निरीक्षण दौरे से पूर्व कई बैनर और पोस्टर डिजाइन और तैयार किए गए।
10. "मल्टीमीडिया अनुभाग में माइक्रोफिच एवं माइक्रोफिल्म बॉक्स की सूची" की एक्सेसन रजिस्टर 2-5 का इनपुट एवं संपादन किया गया।
11. शांतरक्षित ग्रन्थालय में माइक्रोफॉर्म संग्रह में संस्कृत बौद्ध पांडुलिपियों की सूची का संपादन और मुद्रण किया गया।
12. कुलपति कार्यालय के आदेश के संदर्भ में, श्री दोर्जे बूम ने 3 इच्छुक छात्रों को वीडियोग्राफी, संपादन और प्री और पोस्ट-प्रोडक्शन प्रक्रिया में अनौपचारिक प्रशिक्षण दिया गया।
13. श्री दोर्जे बूम ने वाराणसी दूरदर्शन केंद्र टीम द्वारा वीडियो डॉक्यूमेंट्री परियोजना के संबंध में संस्थान की यात्रा के दौरान उनकी सहायता किया गया।
14. श्री स्तानजीन तोनयोद को 11 नवंबर से 22 नवंबर 2023 तक 51वें GSWC के वार्षिक ऑडिट कार्य को पूरा करने के लिए ऑडिट टीम के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
15. श्री स्तानजीन तोनयोद को 13 दिसंबर 2022 से 7 जनवरी 2023 तक बोधगया, बिहार में परम पावन दलाई लामा जी के उपदेशों के दौरान संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के लिए भोजनालय और आवास की व्यवस्थापक सदस्य के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया।

16. श्री कलदेन गुरुङ को 3 फरवरी 2023 से 14 फरवरी 2023 तक भोजन प्रबंधन समिति के वार्षिक ऑडिट कार्य करने के लिए ऑडिट टीम के सदस्य के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया।

7. अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री तेनजिन दोन्यो, अनुभाग प्रभारी, संविदा
2. श्री पाल्देन छेरिंग, संविदा
3. श्री दोर्जे बूम, कनिष्ठ लिपिक
4. श्री कलदेन गुरुङ, संविदा
5. सुश्री तेनजिन छोमो, संविदा
6. श्री टाशी दोनडूप, संविदा
7. श्री स्तानजीन तोनयोद, संविदा
8. श्री राकेश गुप्ता, दैनिक वेतनभोगी

7. कम्प्यूटर अनुभाग

ग्रंथालय के संगणक अनुभाग द्वारा सूचना तकनीक से सम्बन्धित समस्त उपकरणों एवं सेवाओं के क्रय एवं अवाप्ति हेतु अनुशंसा एवं उनका संरक्षण तथा प्रबंधन किया जाता है तथा संस्थान के छात्रों के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग में प्रमाणपत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों (सी.सी.ए. व डी.सी.ए) का संचालन किया जाता है। साथ ही अनुभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अस्थायी सदस्यों को इण्टरनेट, टेक्स्ट कम्पोजिंग एवं प्रिन्टिंग तथा अन्य कम्प्यूटर आधारित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। अनुभाग द्वारा विश्वविद्यालय के नेटवर्क, साफ्टवेयर, यूपीएस तथा सर्वर आदि का संचालन और अनुरक्षण भी किया जाता है।

संस्थान को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (NKN) की नेशनल मिशन फॉर एजुकेशन थ्रू इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नॉलाजी (NME-ICT) योजना के अन्तर्गत भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा फाइबर आप्टिक आधारित जी.बी.पी.एस. इण्टरनेट कनेक्सन प्राप्त है जिसका प्रबन्धन व रखरखाव भी संगणक अनुभाग द्वारा किया जाता है। कंप्यूटर अनुभाग नेटवर्क सर्वर और इण्टरनेट सेवाओं सहित संस्थान के विभिन्न विभागों में संस्थापित 319 से अधिक कंप्यूटर, 50 प्रिंटर, 12 स्कैनर और 12 लैपटॉप, 17 स्मार्ट क्लास कक्ष, प्रोजेक्टर, डिजिटल पोडियम और संस्थान के अन्य आईटी उपकरणों और सेवाओं का संरक्षण व प्रबंधन करता है।

आलोच्य वर्ष 2022-23 में अनुभाग द्वारा सम्पादित प्रमुख कार्य निम्नवत हैं-

7.1 विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु सी.सी.ए./डी.सी.ए. पाठ्यक्रम का विधिवत संचालन तथा शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए सीसीए/डीसीए कोर्स से संबंधित अन्य कार्य की व्यवस्था की गयी।

7.2 विश्वविद्यालय परिसर नेटवर्क एवं इन्टरनेट तथा ग्रंथालय साफ्टवेयर तथा अन्य सम्बन्धित सेवाओं का समुचित प्रबन्धन किया गया।

7.3 छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों की मांग पर कम्प्यूटर सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं।

7.4 स्लिम ग्रंथालय साफ्टवेयर द्वारा संचालित डेटाबेस की समय-समय पर वर्ड इन्डेक्सिंग, बैक अप आदि का कार्य किया गया। स्लिम ग्रंथालय साफ्टवेयर से सम्बन्धित क्लाइंट इंस्टालेसन किया गया।

7.5 विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों के लिए आवश्यक हार्डवेयर, साफ्टवेयर की क्रय अनुशंसा एवं अनुरक्षण का कार्य सम्पादित किया गया।

7.6 अनुभाग वेबिनार/ऑनलाइन बैठक आयोजित करने और इसे प्रभावी ढंग से संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेकर तकनीकी सेवाएं प्रदान की गयीं।

7.7 संस्थान परिसर में लगे सीसीटीवी का रखरखाव/प्रबंधन किया गया।

7.8 PFMS, URKUND, GLIS, PROBITY एवं SAP पोर्टलों के संचालन में सहयोग प्रदान किया एवं LIMBS पोर्टल पर आकड़ों के प्रबन्धन का कार्य किया।

7.9 अनुभाग संस्थान के लिए गूगल वर्कस्पेस को संचालन कर रहा है और संस्थान की ई-मेल नीति के अनुसार कर्मचारियों और छात्रों को ई-मेल आईडी प्रदान करता है।

7.10 कंप्यूटर अनुभाग द्वारा इस वर्ष संस्थान के विभिन्न विभागों में 05 स्मार्ट क्लास (मल्टीमीडिया नियंत्रक के साथ इंटरैक्टिव डिस्प्ले बोर्ड) की खरीदारी और स्थापना में शामिल है।

7.11 **अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची**

1. श्री निरंकार पाण्डेय, संविदा
2. श्री ओजस सांडिल्य, संविदा
3. श्री अन्वेष जैन, संविदा
4. श्री नन्दलाल, विविध कार्य कर्मचारी

ग्रंथालय कर्मियों के अन्य दायित्व

1. प्रलेखन अधिकारी, श्री राजेश कुमार मिश्र:-

I. प्रोफेसर, ग्रंथालय प्रभारी के अधीन ग्रंथालय के सभी अनुभागों के कार्यो का पर्यवेक्षण एवं रिपोर्टिंग करना।

II. ग्रंथ चयन समिति के सदस्य सचिव और इनफ्लिबनेट सेवाओं के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करना।

III. गूगल वर्कस्पेस फॉर एजुकेशन फन्डामेंटल (निःशुल्क संस्करण) संस्थान हेतु प्राप्त कर स्थापित कर प्रबंधित किया। संस्थान के सभी सदस्यों के डोमेन नाम-आधारित ई-मेल आईडी की योजना का सफल क्रियान्वयन किया।

IV. शिक्षा मंत्रालय भारत के प्रोजेक्ट के रुप में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालयों के कम्प्यूटरीकरण हेतु विकसित **समर्थ** नामक ई-गवर्नमेण्ट सूट (निःशुल्क) का परीक्षण प्रदर्शन कर संस्थान में प्रयोग हेतु स्थापित किया।

V. 9.9.2022 से प्रभारी अधिकारी (नियुक्ति) के रूप में कार्य कर रहे हैं। समर्थ भर्ती पोर्टल को स्थापित कर पोर्टल के माध्यम से 37 शैक्षणिक पदों का विज्ञापन किया।

VI. एक्सचेंज प्रोग्राम (06.01.2023) और लाइब्रेरी ओरिएंटेशन पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों को संबोधित किया। दिनांक 12.8.2022 को सीएसआईआर-आईआईटीआर लखनऊ में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

VII. क्यूसीआई अध्ययन के लिए नोडल अधिकारी के रूप में क्यूसीआई टीम के दौरे (15-16.11.2022) का समन्वय किया तथा दिनांक 30.08.2022 को नई दिल्ली में आयोजित क्यूसीआई बैठक में भाग लिया।

VIII. 17-19.11.2022 - बीएचयू, वाराणसी में कैलिबर 2022 के सह-प्रतिवेदक के रूप में भाग लिया।

IX. 10-11.12.2022 - डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश) में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की व आमंत्रित व्याख्यान दिया।

X. 4-5.02.2023 - पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की व आमंत्रित व्याख्यान दिया।

XI. ऑनलाइन आर.टी.आई. वेब पोर्टल, सुओ-मोटो प्रकटीकरण आर.टी.आई., आदि के नोडल अधिकारी रूप में कार्य सम्पादित किया।

XII. नैक समिति, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वेबसाइट विकास समिति, एमएसीपी समितियों के अध्यक्ष/सदस्य सहित संस्थान की कुछ अन्य तदर्थ समितियों में अध्यक्ष/सदस्य के रुप में कार्य सम्पादित किया।

2. प्रोफेसनल असिस्टेण्ट **श्री रवि कान्त पाल** ने क्रय एवं आवप्ति समिति के सदस्य-सचिव का कार्य, पोर्टल पर खरीद, ई-निविदा, प्रबन्धन एवं ग्रन्थालय भण्डार प्रभारी का कार्य सम्पादित किया।

3. कार्यालय सहायक, संविदा, **श्री सुधृति विश्वास** ने जनसूचना अधिकार अनुभाग के अन्तर्गत कार्यालय सहायक का कार्य तथा इसके साथ ऑनलाइन आर.टी.आई. पोर्टल (आर.टी.आई.एम.आई.एस.) और सी.आई.सी. पोर्टल व केन्द्रीय जनसूचना अधिकार, ई-मेल का भी कार्य सम्पादित किया।

5. प्रशासन

संस्थान प्रशासन के मुख्यतः पाँच प्रमुख अंग हैं– सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन, वित्तीय प्रशासन एवं प्रकाशन विभाग। संस्थान की प्रमुख प्रशासनिक गतिविधियों को निम्नलिखित संगठन चार्ट के अनुसार संचालित किया जाता है–

कुलपति

कुलसचिव

प्रशासन-1	प्रशासन-2	परीक्षा अनुभाग	अनुरक्षण अनुभाग	वित्त अनुभाग	प्रकाशन विभाग
• शैक्षणिक संवर्ग के कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव • संगोष्ठी, सम्मेलन तथा कार्यशाला • क्रय एवं अवाप्ति इकाई का पर्यवेक्षण • विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार • शैक्षिक एवं शोध प्रस्तावों/योजनाओं का प्रबंधन संचालन • अन्य शैक्षणिक संस्थाओं/निकायों से पत्राचार • शैक्षणिक एवं शोध सम्बन्धी मामलों में सचिवालयीय सहायता • अन्य प्रशासनिक मामले	• सभी शिक्षणेतर कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव • कार्मिक नीति • अस्थाई श्रमिकों की व्यवस्था • सभी संवर्ग की अस्थाई एवं तदर्थ नियुक्तियाँ • सेवा शर्तें • वैधानिक मामले • संस्कृति मंत्रालय से पत्राचार • कर्मचारी कल्याण • सुरक्षा • परिवहन • मानक प्रपत्र एवं उनका मुद्रण • अन्य प्रशासनिक मामले	• परीक्षा संचालन हेतु प्रेलखन • परीक्षकों एवं संशोधकों की नियुक्ति • सारणीकरण • प्रश्नपत्र • परिणाम • प्रमाण-पत्र एवं अंकपत्र जारी करना • परीक्षा से सम्बन्धित अन्य मामले	• परिसर का रख-रखाव एवं सफाई • विद्युत एवं जल व्यवस्था • अतिथि-गृह • विद्युत एवं सिविल रख-रखाव • बागवानी • केन्द्रीय भण्डारण एवं वस्तु-सूची • वार्षिक रख-रखाव संविदाएं • रख-रखाव सम्बन्धी अन्य मामले	• बजट • लेखा परीक्षा • वेतन एवं मजदूरी का भुगतान • बिलों का भुगतान एवं अन्य वित्तीय मामले	• भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन • प्रूफ-रीडिंग का कार्य • प्रकाशित ग्रन्थों का विक्रय

गैर-शैक्षणिक नियमित कर्मचारियों की सूची-

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	श्रेणी
1	2	3	4
1.	प्रो. नवांग समतेन	कुलपति	ए
2.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय	कुलसचिव, प्रभारी	ए
3.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय	उपकुलसचिव	ए
4.	श्री प्रमोद सिंह	सहायक कुलसचिव, प्रशा.-II	ए
5.	श्री सुनील कुमार	सहायक कुलसचिव	ए
6.	श्री आर.के. मिश्र	प्रलेखन अधिकारी	ए
7.	डॉ. डी.पी. सिंह	व्यावसायिक सहायक	बी
8.	श्री रमेश चन्द्र सिंह	व्यावसायिक सहायक	बी
9.	श्री लोब्संग वांग्डू	व्यावसायिक सहायक	बी
10.	श्रीमती तेनजिन रिग्संग	व्यावसायिक सहायक	बी
11.	श्री मनोज कुमार कुशवाहा	सहायक इंजीनियर (सिविल)	बी
12.	श्री के.एन. शुक्ल	अनुभाग अधिकारी, वित्त	बी
13.	श्री जे.पी. विश्वकर्मा	अनुभाग अधिकारी, प्रशासन-I	बी
14.	श्री कपिल दीक्षित	जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिक)	बी
15.	श्री कुन्सांग नमग्याल	वरिष्ठ सहायक	बी
16.	श्री एम.एल. सिंह	वरिष्ठ सहायक	बी
17.	श्री के.एन. सिंह	व्यावसायिक सहायक	बी
18.	श्री रविकान्त पाल	व्यावसायिक सहायक	बी
19.	श्री आनन्द कुमार सिंह	वरिष्ठ सहायक	बी
20.	श्री राजीव रञ्जन सिंह	वरिष्ठ सहायक	बी
21.	श्री दीपंकर	स्टेनोटाइपिस्ट	सी
22.	श्री प्रदीप कुमार	वरिष्ठ लिपिक	सी
23.	श्री विनय मौर्य	कनिष्ठ लिपिक	सी
24.	श्री दोर्जे बुम	कनिष्ठ लिपिक	सी
25.	श्री जैकी	पम्प आपरेटर	सी
26.	श्री राजा राम	प्लम्बर	सी
27.	श्रीमती मीना	ग्रंथालय परिचारिका	सी
28.	श्री सागर राम	ग्रंथालय परिचारक	सी
29.	मु. मुमताज	ग्रंथालय परिचारक	सी
30.	श्री विजय कुमार पटेल	ग्रंथालय परिचारक	सी
31.	श्री फुलचन्द बाल्मीकी	कुक	सी
32.	श्री मिश्री लाल	कुक	सी

33.	श्री केशव प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
34.	श्री लक्ष्मण प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
35.	श्री लालमन शर्मा	एम.टी.एस.	सी
36.	श्री गोपाल प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
37.	श्री दया राम यादव	एम.टी.एस.	सी
38.	श्री रमेश कुमार मौर्य	एम.टी.एस.	सी
39.	श्री प्रेमशंकर यादव	एम.टी.एस.	सी
40.	श्री रामकिशुन	एम.टी.एस.	सी
41.	श्री उमाशंकर मौर्य	एम.टी.एस.	सी
42.	श्री निर्मल कुमार	एम.टी.एस.	सी
43.	श्री मुन्नालाल (चौकीदार)	एम.टी.एस.	सी
44.	श्री विजय कुमार (माली)	एम.टी.एस.	सी
45.	श्री महेन्द्र प्रसाद यादव	एम.टी.एस.	सी
46.	श्री संजय मौर्य	एम.टी.एस.	सी
47.	श्री मुन्नालाल पटेल	एम.टी.एस.	सी
48.	श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा	एम.टी.एस.	सी
49.	श्री भैयालाल	एम.टी.एस.	सी
50.	श्री सुमित बाल्मिकी	एम.टी.एस.	सी
51.	श्री श्याम नारायण	एम.टी.एस.	सी
52.	श्री हौसिला प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
53.	श्री सुभाष चन्द्र गौतम	एम.टी.एस.	सी
54.	श्री प्रकाश	एम.टी.एस.	सी
55.	श्री विरेन्द्र कुमार गौड़	एम.टी.एस.	सी
56.	श्री राजेन्द्र प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
57.	श्री शिव वचन शर्मा	एम.टी.एस.	सी
58.	श्री नन्दलाल	एम.टी.एस.	सी
59.	श्री गनेश प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
60.	श्री ओम प्रकाश	एम.टी.एस.	सी
61.	श्रीमती नीलम देवी	एम.टी.एस.	सी
62.	श्री लालमन	एम.टी.एस.	सी
63.	श्री अशरफ (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
64.	श्री हबीब (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
65.	श्री प्रदीप कुमार (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
66.	श्री इसराइल (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
67.	श्री लालाराम (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
68.	श्री रामकिशन (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी

69.	श्री नन्दलाल (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
70.	श्री यासीन (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी

गैर-शैक्षणिक निश्चित मानदेय /संविदा कर्मचारियों की सूची-

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	विभाग/अनुभाग
1.	श्री सर्वजित सिंह	कनिष्ठ लिपिक	कुलसचिव कार्यालय
2.	श्री नन्द लाल यादव	एम.टी.एस.	प्रशासन द्वितीय
3.	श्री नरेन्द्र भारद्वाज	कार्यालय सहायक/सह साफ्ट वेयर रख-रखाव	वित्त अनुभाग
4.	सुश्री छेरिंग	लिपिकीय कार्य	वित्त अनुभाग
5.	श्री विशाल पटेल	कार्यालय सहायक	वित्त अनुभाग
6.	श्री कुँअर रवि शंकर	कार्यालय सहायक	परीक्षा अनुभाग
7.	श्री अभिमन्यु भंडारी	कार्यालय सहायक	परीक्षा अनुभाग
8.	श्री पेन्पा छेरिंग	कार्यालय सहायक	परीक्षा अनुभाग
9.	श्री गोपेश चन्द्र राय	कनिष्ठ लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग
10.	श्री टाशी सिथर	एम.एम.सी. कार्य सहायक	अनुरक्षण अनुभाग
11.	श्री महेश	विविध कार्य कर्मचारी	अनुक्षण अनुभाग
12.	श्री चन्दिका	विविध कार्य कर्मचारी	अनुरक्षण अनुभाग
13.	श्री पारस	विविध कार्य कर्मचारी	अनुरक्षण अनुभाग
14.	श्री दिनेश यादव	विविध कार्य कर्मचारी	अनुरक्षण अनुभाग
15.	श्री विनोद कुमार सिंह	विविध कार्य कर्मचारी	अनुरक्षण अनुभाग
16.	श्री विरेन्द्र कुमार मौर्य	वाहन चालक	अनुरक्षण अनुभाग
17.	श्री मनीष पाल	वाहन चालक	अनुरक्षण अनुभाग
18.	श्री राम नरेश गुप्ता	सफाई कर्मचारी	अनुरक्षण अनुभाग
19.	श्री तेनजिन दोन्यो	अर्ध-व्यावसायिक सहायक	ग्रंथालय
20.	श्री निरंकार पाण्डेय	सिस्टम मैनेजर	ग्रंथालय
21.	श्री ओजस शांडिल्य	सिस्टम मैनेजर	ग्रंथालय
22.	श्री पालदेन छेरिंग	मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट कार्य	ग्रंथालय
23.	श्री सुधृति विश्वास	कार्यालय सहायक	ग्रंथालय
24.	श्री चोंगा छेरिंग	कैजुअल वर्कर	ग्रंथालय
25.	श्री कालदेन गुरूङ्	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	ग्रंथालय
26.	श्री स्तानजीन तोनयोद	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	ग्रंथालय
27.	श्री नवांग लोछो लामा	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	ग्रंथालय
28.	सुश्री टाशी ल्हामो	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	ग्रंथालय
29.	श्रीमती डिक्की डोलमा	अर्ध व्यावसायिक सहायक	ग्रंथालय

30.	श्री तेनजिन छुंडक	अर्ध व्यावसायिक सहायक	ग्रंथालय
31.	श्रीमती तेनजिन कलदेन	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	ग्रंथालय
32.	श्री अशोक कुमार	बढ़ई	ग्रंथालय
33.	श्री अनिल कुमार यादव	एम.टी.एस.	ग्रंथालय
34.	मो. असलम	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	ग्रंथालय
35.	श्री असगर अली	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	ग्रंथालय
36.	श्री लटूरी	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	ग्रंथालय
37.	श्री रमेश चन्द्र	लिपिक कार्य	कोश अनुभाग
38.	श्री छोटे लाल यादव	विविध कार्य कर्मचारी (वाहन चालक)	कुलपति कार्यालय
39.	श्री शहीद अहमद	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	कुलपति कार्यालय
40.	श्री मोहित कुमार	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	कुलपति कार्यालय
41.	श्री अमित कुमार शर्मा	एम.टी.एस.	दु.बौ.ग्रं.शो.वि.
42.	श्री दया शंकर	एम.टी.एस.	प्रकाशन अनुभाग
43.	श्री काश्मीर	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	गर्ल्स हास्टल
44.	श्री मोहन यादव	एम.टी.एस. (चौकीदार)	गर्ल्स हास्टल
45.	श्री इनायत अली	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	एम.एम. सी.
46.	श्री श्रवण कुमार	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	एम.एम. सी.
47.	श्री महमूद	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	शोध छात्रावास
48.	श्रीमती पासांग डोलमा	कम्पाउंडर/नर्स	छात्र कल्याण समिति
49.	श्री काशी नाथ प्रजापति	एम.टी.एस.	सोवा-रिग्पा विभाग
50.	श्री लव कुमार सिंह	एम.टी.एस.	सोवा-रिग्पा विभाग
51.	श्री शिव शंकर यादव	एम.टी.एस.	सोवा-रिग्पा विभाग
52.	श्री बृज मोहन भारद्वाज	एम.टी.एस.	सोवा-रिग्पा विभाग
53.	श्री सुबास	एम.टी.एस.	सोवा-रिग्पा विभाग
54.	श्री वी.के. पाटिल	पैथालाजिकल	सोवा-रिग्पा विभाग
55.	श्रीमती केलसांग वांग्मो	टेक्निकल असिस्टेंट/पी.ए.	सोवा-रिग्पा विभाग
56.	डॉ. नबांग कुन्छेन	फार्मा कोपिया असिस्टेंट	सोवा-रिग्पा विभाग
57.	श्री कर्मा थरचिन गुरुंङ	फार्मेसी सहायक	सोवा-रिग्पा विभाग
58.	श्री निमा छोग्याल	प्रोजेक्ट एसोसियेट (तवांग प्रोजेक्ट)	सोवा-रिग्पा विभाग
59.	श्री सेंगे वांगचुक	एम.टी.एस. (तवांग प्रोजेक्ट)	सोवा-रिग्पा विभाग
60.	श्री सोनम फुन्छोक	चौकीदार (तवांग प्रोजेक्ट)	सोवा-रिग्पा विभाग
61.	डॉ. छेवांग संग्मो	आर. एण्ड डी. असिस्टेंट	सोवा रिग्पा विभाग **(संस्थान के डोनेशन फण्ड द्वारा भुगतान किया जाता है।)**
62.	डॉ. वांग्याल दोर्जे ठाकुरी	फार्मा कोपिया प्रोजेक्ट असिस्टेंट	-तदैव-
63.	डॉ. दावा डोल्मा	जोंक सहायक (ओ.पी.डी. एवं थेरेपी)	-तदैव-

64.	श्री मस्त राम	कैशियर	-तदैव-
65.	सुश्री युंड्दुड़ वांड्मो रोकाया	डिस्पेंसर	-तदैव-

निश्चित मानदेय/संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों की सूची-

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	विभाग/अनुभाग
1.	श्री शशि प्रकाश त्रिपाठी	अंश कालिक कम्प्यूटर टाइपिंग इंस्ट्रक्टर	छात्र कल्याण समिति
2.	श्री सरस सोनकर	उद्यान विशेषज्ञ परामर्शदाता	अनुरक्षण अनुभाग
3.	श्री भगवान पाण्डेय (सेवानिवृत्त)	राजभाषा परामर्शी	राजभाषा प्रकोष्ठ
4.	श्री केशव प्रसाद यादव (सेवानिवृत्त)	एम.टी.एस.	कुलपति कार्यालय
5.	श्री प्रेमशंकर यादव (सेवा निवृत्त)	एम.टी.एस.	परीक्षा अनुभाग

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम द्वारा पंजीकृत एक मान्य विश्वविद्यालय है, जो संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान से संचालित है। सोसायटी, प्रबन्ध परिषद्, विद्वत् परिषद्, वित्त समिति, ये चार संस्थान के महत्त्वपूर्ण अंग हैं। संस्थान के प्रधान कार्यपालक अधिकारी कुलपति हैं, जो कुलसचिव के सहयोग से कार्य सम्पादित करते हैं।

संस्थान के महत्त्वपूर्ण निकाय

सोसायटी- सोसायटी, संस्थान का सर्वोपरि निकाय है। इसके पदेन अध्यक्ष, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार होते हैं। इसके सदस्यों की संख्या परिशिष्ट-2 में दी गई है।

प्रबन्ध परिषद्- संस्थान के कुलपति, प्रबन्ध परिषद् के पदेन अध्यक्ष होते हैं। परिषद् के सदस्य, संस्कृति मन्त्रालय भारत सरकार, परम पावन दलाई लामा जी एवं संस्थान के कुलपति द्वारा मनोनीत होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-3 में दी गयी है।

विद्वत् परिषद्- संस्थान की विद्वत् परिषद् एक महत्त्वपूर्ण निकाय है, जो शैक्षणिक मामलों में दिशा-निर्देश करती है। संस्थान के कुलपति, इसके भी पदेन अध्यक्ष होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-4 में दी गई है।

वित्त समिति- यह समिति संस्थान के वित्तीय मामलों एवं अनुमानित बजट की संवीक्षा करने के साथ-साथ संस्थान के लिए अनुदान की भी संस्तुति करती है। संस्थान के कुलपति, इसके अध्यक्ष होते हैं। अन्य सदस्य, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-5 में प्रस्तुत की गयी है।

योजना एवं प्रबोधक परिषद्- यह परिषद् संस्थान की योजनाओं की रूपरेखा तथा उसकी निगरानी (मॉनिटेरिंग) करती है। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-6 में दी गई है।

संस्थान को प्राप्त अनुदान

संस्थान का प्रशासन अनुभाग मुख्यतः सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रशासन तथा सहायक सेवाओं का संचालन, रख-रखाव एवं नियंत्रण करता है। संस्थान को वर्ष 2022-2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित अनुदान प्राप्त हुए-

क्र.सं.	विवरण	प्राप्त अनुदान	व्यय	शेष
1.	सामान्य मद - (31) + अर्जित ब्याज	₹ 3,98,64,828.00	₹ 9,40,82,591.33	₹ 0.00
2.	स्वच्छता वार्षिक कार्य-योजना (96-31)	₹ 1,49,500.00	₹ 1,49,702.00	₹ 0.00
3.	पूँजी-सम्पत्ति क्रय मद - (35)	₹ 0.00	₹ 2,90,28,299.00	₹ 12,27,782.00
4.	पूँजी-सम्पत्ति क्रय मद - (35) (सोवा-रिपा योजना)	₹ 8,14,00,000.00	₹ 11,48,42,267.00	₹ 11,55,03,988.00
5.	वेतन मद (36)	₹ 22,94,39,000.00	₹ 25,85,73,376.00	₹ 34,27,079.00

प्रकाशन अनुभाग

प्रकाशन अनुभाग संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक ग्रन्थों का प्रकाशन एवं विक्रय करता है। अनुभाग बौद्ध धर्म एवं दर्शन से सम्बद्ध शोध-विषयक, पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन करता है।

संस्थान द्वारा स्थापित व संचालित विभिन्न शोध विभागों द्वारा पुनरुद्धृत, अनुवादित, सम्पादित एवं संशोधित आदि शोधपरक सामग्रियाँ एवं शोध योजनाएं ही प्रकाशन-सामग्री के मुख्य स्रोत हैं। बाहरी विद्वानों द्वारा भोट-बौद्ध दर्शन पर विरचित एवं सम्पादित स्तरीय शोध ग्रन्थों को भी प्रकाशित किया जाता है। तदनुसार प्रकाशित ग्रन्थों पर बाहरी विद्वानों को निर्धारित दर पर मानदेय भी प्रदान किया जाता है। अब तक प्रकाशित ग्रन्थों में मुख्य रूप से भोट-बौद्ध दर्शन के उच्चस्तरीय, बहुभाषी, शोधपरक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ रहे हैं।

सम्प्रति निम्नलिखित नौ ग्रन्थमालाओं के अन्तर्गत संस्थान के ग्रन्थ प्रकाशित हो रहे हैं। इनके अतिरिक्त सन् 1986 से प्रारम्भ दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका 'धीः' के अब तक 62 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। शोध-पत्रिका धीः विगत 33-34 वर्षों से लगातार प्रकाशित होती आ रही है। कोश के अन्तर्गत भोट संस्कृत कोश के अब तक सम्पूर्ण 16 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा कोश सीरीज के अन्तर्गत अन्य दो कोश ग्रन्थों का भी प्रकाशन किया गया है। वर्ष 2012 में 'नेयार्थ-नीतार्थ सीरीज' नामक एक नई श्रृंखला शुरू की गयी, जिसके अन्तर्गत अब तक 8 ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं।

अनुभाग के कार्यरत सदस्य एवं पदनाम :

1. प्रो. पेमा तेनजिन - प्रकाशन प्रभारी
2. श्री पेमा छोदेन - सहायक सम्पादक
3. श्रीमती छिमे ल्होमो - प्रकाशन सहायक (वरिष्ठ)
4. श्री शिव प्रकाश सिंह - प्रकाशन सहायक
5. डॉ. ललित कुमार नेगी - प्रकाशन सहायक
6. रिक्त (2 पद) - (1 संपादक और 1 प्रकाशन सहायक)

ग्रन्थमालाएँ-

ग्रन्थमालाओं के शीर्षक निम्नलिखित हैं-

(1) **भोट-भारतीय ग्रन्थमाला-** नागार्जुन, असंग आदि नालन्दा एवं विक्रमशील परम्परा के प्राचीन भारतीय विद्वानों के पुनरुद्धृत, अनूदित, सम्पादित ग्रंथों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत किया जाता है।

(2) **दलाई लामा भोट-भारती ग्रन्थमाला-** चार तिब्बती बौद्ध परम्पराओं के प्राचीन विख्यात विद्वानों के ग्रंथों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत होता है।

(3) **सम्यक्-वाक् ग्रन्थमाला-** संगोष्ठियों में प्रस्तुत शोधपत्रों के संकलन का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के माध्यम से होता है।

(4) **सम्यक्-वाक् विशेष ग्रन्थमाला-** स्व. प्रो. ए. के. सरण के महत्त्वपूर्ण कार्यों का संकलन एवं प्रकाशन इस ग्रंथमाला के माध्यम से सम्पन्न हुआ।

(5) **व्याख्यान ग्रन्थमाला-** विभिन्न प्रख्यात आमंत्रित विद्वानों के वक्तव्य, व्याख्यान और विचारों का संकलन इस ग्रंथमाला में प्रकाशित होता है।

(6) **दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थमाला-** दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध विभाग इस संस्थान का अंग है, जिसके अन्तर्गत दुर्लभ बौद्ध तन्त्र ग्रन्थों का प्रकाशन होता है।

(7) **अवलोकितेश्वर ग्रन्थमाला-** परम पावन दलाई लामा जी के प्रवचनों का तिब्बती और अंग्रेजी भाषाओं से हिन्दी भाषा के अनूदित ग्रन्थों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला में प्रकाशित किया जाता है।

(8) **विविध-ग्रन्थमाला-** इस ग्रंथमाला के तहत विशेषज्ञों तथा संस्थान की प्रकाशन समिति द्वारा अनुमोदित ग्रन्थों का प्रकाशन किया जाता है।

(9) **'धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध-पत्रिका-** 'धीः' यह दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध विभाग द्वारा निकाली जाने वाली एक शोध-पत्रिका है, जिसमें तन्त्र से सम्बन्धित विषयों पर लेख, लघुग्रन्थ आदि का समावेश किया जाता है। इसकी शुरुआत सन् 1986 में हुई और अब तक इसके 62 अंकों का प्रकाशन हो चुका है।

(10) **कोश ग्रन्थमाला-** प्रथम चरण में भोट-संस्कृत कोश के 16 अंकों का प्रकाशन सम्पन्न हो चुका है और द्वितीय चरण में धर्मसंग्रह-कोश तथा तृतीय चरण में भोटसंस्कृत-ग्रन्थ सन्दर्भनिदर्शिका का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत किया गया है।

(11) **भोट-मंगोलिया ग्रन्थमाला-** एनड्रीव बाज़ारब द्वारा संकलित की गई कई तिब्बती पाण्डुलिपियों और काष्ठ चित्रों की एक सूची इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित की गयी।

(12) **नेयार्थ-नीतार्थ ग्रन्थमाला-** इस ग्रंथमाला का प्रारम्भ सन् 2012 से किया गया, जिसमें चोंखापा के 'नेयार्थ-नीतार्थ सुभाषितसार' पर सम्पादन का शोध कार्य किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत कई तिब्बती विद्वानों के संबंधित ग्रंथ एवं टिप्पणी भी सम्पादित व प्रकाशित किये जा रहे हैं।

उक्त ग्रन्थों के सम्बन्ध में अनुभाग के सदस्य पूर्णतया ग्रन्थों के हिन्दी, संस्कृत अंशों का अंग्रेजी एवं तिब्बती कम्प्यूटरीकरण, प्रूफ रीडिंग, संशोधन, संपादन, स्वरूपण, सॉफ्ट और हार्ड कैमरा प्रतिलिपि तैयार कर मुद्रण कार्यों के निर्माण आदि प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हैं।

प्रकाशन की भाषा

उपर्युक्त बारह ग्रन्थमालाओं में सन्निहित मौलिक, व्याख्यायुक्त, शोधपूर्ण बौद्धग्रन्थ, संस्कृत-पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन आदि से सम्बद्ध ग्रन्थ हिन्दी, भोट, संस्कृत एवं आंग्ल भाषाओं में प्रकाशित हैं। कुछ ग्रन्थ पालि, अपभ्रंश एवं चीनी भाषा में मूल व अनुवाद के रूप में प्रकाशित हैं। अधिकतर ग्रन्थों की भाषा मिश्रित (दो या दो से अधिक) है।

मार्च 2023 तक लगभग 253 शीर्षक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त 'धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका के 62 अंक तथा भोट-संस्कृत कोश के 16 अंक भी प्रकाशित हैं। कोश सीरीज-2 के अन्तर्गत 'धर्मसंग्रहकोश' तथा कोश सीरीज-3 के अन्तर्गत 'कोनकोर्डेन्स ऑफ टिबेटन एण्ड संस्कृत टेक्स्ट' नामक ग्रन्थ प्रकाशित हुए हैं।

अनेक ग्रन्थ जो आउट ऑफ प्रिन्ट हो चुके हैं, इनमें से कुछ का पुनर्मुद्रण हो चुका है तथा कुछ का संशोधित-परिवर्द्धित संस्करण भी प्रकाशित हो चुका है।

वर्तमान सत्र में प्रकाशित ग्रन्थ

इस आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित नए ग्रन्थ प्रकाशित किए गए-

1. धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध पत्रिका, अंक 62
2. आचार्य भावविवेक कृत मध्यमकरत्नप्रदीप (बहुभाषा में) अनुवादक एवं सम्पादकः आचार्य ङलछेन नमडोल
3. श्रीसर्वबुद्धसमायोगडाकिनीजालसंवरनामतन्त्रम् (हिन्दी एवं संस्कृत) प्रो० ठाकुरसेन नेगी
4. श्रीहेवज्रसाधनवज्रप्रदीपनामटिप्पणीविशुद्धिः (हिन्दी एवं संस्कृत) प्रो० ठाकुरसेन नेगी
5. श्रीमत्काण्हपादविरचित दोहाकोश सम्पादक (हिन्दी एवं संस्कृत) प्रो० ठाकुरसेन नेगी
6. अभिषेकविधिः सम्पादकः (हिन्दी एवं संस्कृत) प्रो० ठाकुरसेन नेगी
7. मौलिक ज्योतिष टिप्पणी के साथ मूल पाठ [भाग 1] (तिब्बती) सम्पादक टाशी छेरिंग ज्योतिष
8. महर्षिणा अग्निवेशेन प्रणीता चरक-संहिता [तृतीयो भाग] (संस्कृत एवं तिब्बती) अनुवादक एवं सम्पादक- प्रो. लोसङ् तेनजिन एवं डॉ. दावा शेरपा
9. तिब्बत के सम्राटों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों का एक व्यापक संकलन [प्रथम भाग] (तिब्बती) टिप्पणियों के साथ संपादित आचार्य शावो तमडीन
10. तिब्बत के सम्राटों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों का एक व्यापक संकलन [द्वितीय भाग] (तिब्बती) टिप्पणियों के साथ संपादित आचार्य शावो तमडीन

विक्रय से प्राप्त धनराशि

इस वित्तीय वर्ष 2022-2023 में प्रकाशित ग्रन्थों के विक्रय से इस अनुभाग ने कुल रु. 4,83,887.00 00 (चार लाख तिरासी हजार आठ सौ सत्तासी) मात्र धनराशि अर्जित की।

प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय

संस्थान के प्रकाशनों का देश-विदेश के प्रकाशनों से विनिमय-वितरण किया जाता है। 'प्रकाशन-विनिमय-योजना' के अन्तर्गत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के उपयोगी प्रकाशन हमें प्राप्त होते हैं, जो संस्थान के ग्रन्थालय में संगृहीत कर रखे जाते हैं तथा यहाँ के अध्ययन-अध्यापन में काफी उपयोगी होते हैं। सम्प्रति निम्नलिखित विश्वविद्यालयों से हमारे प्रकाशनों का आदान-प्रदान हो रहा है–

1. डेर यूनिवर्सिटिट, वियना, ऑस्ट्रिया
2. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, टोकियो, जापान
3. इण्डिका एट टिबेटिका, वेरलाग, जर्मनी
4. हैम्बर्ग यूनिवर्सिटिट, हैम्बर्ग, जर्मनी
5. ड्रेपुंग लोसेलिंग लाइब्रेरी सोसायटी, मुण्डगोड, कर्नाटक, भारत
6. गादेन शार्त्से ड्राछांग, मुन्डगोड, कर्नाटक, भारत

7. अडयार लाइब्रेरी एण्ड रिसर्च सेण्टर, अडयार, चेन्नई, भारत
8. टिबेट हाउस, नई दिल्ली, भारत
9. आई. जी. एन. ए. सी., नई दिल्ली, भारत
10. केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह लद्दाख (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2012 से प्रारम्भ की गयी। दोनो संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
11. सोङत्सेन ग्रन्थालय, केन्द्रीय अध्ययन बौद्ध और हिमालयन, ड्रिकुंग कर्ग्युद संस्थान, कुलहान, देहरादून, उत्तराखण्ड (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2014 से प्रारम्भ की गयी। दोनो संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
12. सेरा जे लाइब्रेरी एंड कम्प्यूटर प्रोजेक्ट, सेरा मोनैस्टिक यूनिवर्सिटी, बैलाकूपी, जिला-मैसूर, कर्नाटक राज्य, दक्षिण भारत (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2017 से प्रारम्भ की गयी। दोनों संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)

सामान्य प्रकाशनों के विनिमय के अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध-पत्रिकाओं से भी हमारी शोध-पत्रिका 'धीः' का आदान-प्रदान वर्ष भर किया जाता है। इस वर्ष विनिमय योजना के अन्तर्गत प्राप्त हुई-

1. ईस्ट ऐंड वेस्ट (रोम, इटली)
2. हावर्ड जर्नल ऑव एशियाटिक स्टडीज (कैम्ब्रिज, यू.एस.ए.)
3. धर्मावर्ल्ड (टोक्यो, जापान)
4. ड्रेलोमा (मण्डगोड)
5. बुलेटिन ऑव डेकन कालेज (पुणे)
6. इण्डियन फिलॉस्फिकल क्वार्टली (पूना विश्वविद्यालय, पूना)
7. जर्नल ऑव ओरिन्टल इंस्टीट्यूट, (ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा)
8. प्राची ज्योति (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र)
9. बुलेटिन ऑव टिबेटोलॉजी (सिक्किम शोध संस्थान, गंगटोक)
10. अन्वीक्षा (जाधवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता)
11. शोधप्रभा (श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली)
12. एनल्स ऑफ दी भण्डारकर ओरिन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट (पुणे)
13. बुलटिन डी इट्यूडे इंडीन्नीस (पेरिस, फ्रान्स)

प्रकाशन समिति

संस्थान के प्रकाशनों के मुद्रण व प्रकाशन पर विचार-विमर्श व निर्णय करने हेतु एक उच्चस्तरीय प्रकाशन समिति का गठन किया जाता है, जिसमें प्रकाशन कार्य से सम्बद्ध कुछ बाहरी विशेषज्ञ सदस्यों सहित संस्थान के विशिष्ट विद्वानों, अधिकारियों व विभागाध्यक्षों को भी शामिल किया जाता है। सम्प्रति इसमें कुल दस सदस्य हैं। संस्थान के कुलपति इस समिति के पदेन अध्यक्ष हैं।

अतिरिक्त कार्य

हमेशा की तरह प्रकाशन अनुभाग अपने नियमित प्रकाशन कार्यों के अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्ट, बोधिप्रभ पत्रिका तथा संस्थान के विभिन्न विभागों के कई अन्य विविध मुद्रण आदि से सम्बन्धित कार्यों में सहयोग करता है।

विशेष क्रियाकलाप

1. प्रकाशन प्रभारी प्रो. पेमा तेनजिन माननीय कुलपति के साथ प्रकाशन अनुभाग को लेकर सदैव सम्पर्क में बने रहते हैं और अध्यापन कार्य सहित कई समितियों के माननीय सदस्य भी हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान एवं अन्यत्र आयोजित कार्यशाला, सेमिनार एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेते हैं।
2. श्री पेमा छोदेन (सहायक सम्पादक) के द्वारा अपने नियमित कार्य के अतिरिक्त संस्थान के सक्षम अधिकारियों के आदेशानुसार समय समय पर संस्थान के विभिन्न अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को भी सम्पन्न किया जाता है।
3. श्रीमति छिमे छोमो (वरिष्ठ प्रकाशन सहायक) श्री शिव प्रकाश सिंह (प्रकाशन सहायक) डॉ. ललित कुमार नेगी (प्रकाशन सहायक) के द्वारा अपने नियमित कार्य के अतिरिक्त संस्थान के सक्षम अधिकारियों के आदेशानुसार समय-समय पर संस्थान के विभिन्न अन्य कार्यों को भी सम्पन्न किया जाता है।

6. गतिविधियाँ

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ

शैक्षिक वर्ष 2022-23 में संस्थान द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:-

I. कार्यशाला, कान्फ्रेंस एवं अन्य आयोजन

1. 1 अप्रैल 2022 : भारत सरकार द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में 1 अप्रैल 2022 को संस्थान के छात्रों ने वर्चुअल रूप से भाग लिया। भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में कार्यक्रम युवा छात्रों की जरूरतों को पूरा करता है जो परीक्षा अवधि के दौरान कई दबावों का सामना करते हैं। संस्थान के छात्र अपने उत्साह को बहाल करने और उत्साह और प्रेरणा के साथ आगामी परीक्षाओं का सामना करने के लिए प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुनने के लिए अपने शिक्षकों के साथ अतिशा हॉल में एकत्र हुए।

प्रधानमंत्री ने छात्रों को समझाया कि हमें अपनी पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को समकालीन जरूरतों के अनुरूप ढालने की जरूरत है। विकास का मार्ग परिवर्तन है और व्यक्ति को समय की जरूरतों का पालन करने की आवश्यकता है। छात्रों ने प्रधानमंत्री के शब्दों से अपने को अत्यधिक आवेशित महसूस किया और एक स्पष्ट और अत्यधिक प्रेरित हृदय से श्रवण पूर्ण किया।

2. 4 अप्रैल 2022 : भाषा किसी भी संस्कृति का एक अनिवार्य हिस्सा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में जहां लोगों द्वारा कई भाषाएं बोली जाती हैं, भोटी वह भाषा है जो मुख्य रूप से लद्दाख और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों के लोगों द्वारा बोली जाती है जहां भाषाओं की बहुलता सह-अस्तित्व में है। भोटी भाषा बोलने वालों में गर्व और आत्म-पुष्टि पैदा करने के लिए, भारत में 1 अप्रैल को हर साल भोटी भाषा दिवस मनाया जाता है। देश की इस जश्न की परंपरा को जारी रखने के लिए संस्थान ने भोटी भाषा दिवस मनाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता रहे डॉ. ताशी सम्फेल, एसोसिएट प्रोफेसर, संप्रदाय शास्त्र विभाग, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान। उन्होंने वर्तमान समय में भोटी भाषा के महत्व पर जोर देते हुए व्याख्यान आयोजित करने वाले आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

संस्थान के छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया और वर्तमान समय और युग में भोटी भाषा के महत्व और आवश्यकता के बारे में अपनी राय व्यक्त की।

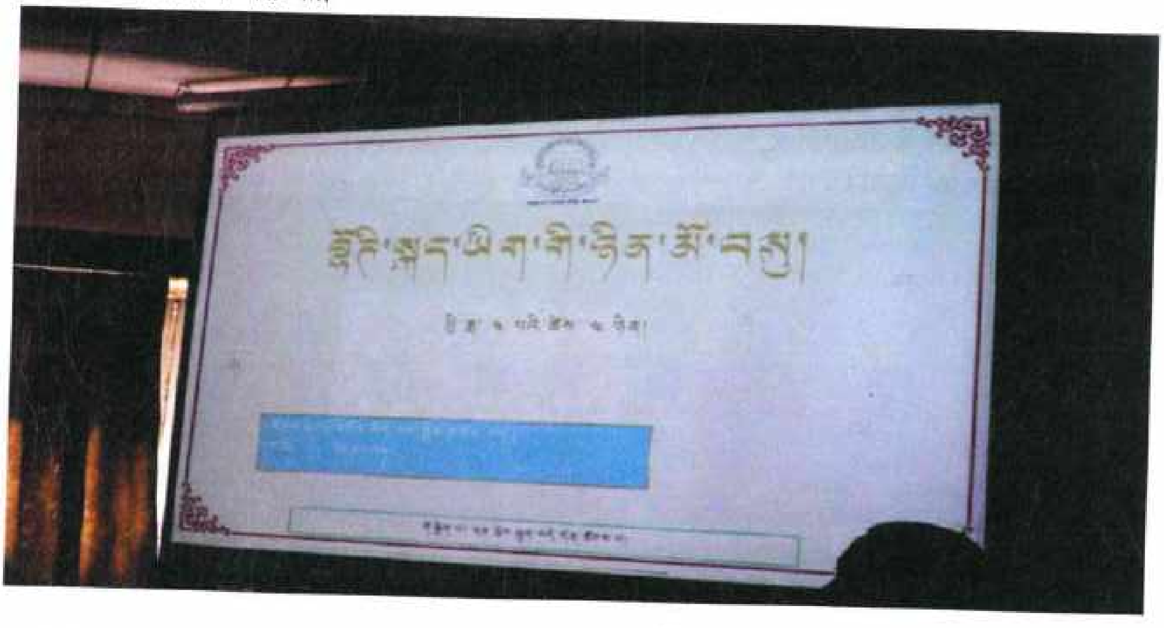

संस्थान का उद्देश्य रोजमर्रा के संचार में भोटी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य लद्दाख की अनूठी सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को बढ़ावा देना और मजबूत करना भी है। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ता ने भोटी भाषा के महत्व और लद्दाख के पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं को संरक्षित करने और सम्मान करने की आवश्यकता के बारे में बात की।

3. 16–30 अप्रैल, 2022 : संस्कृति मंत्रालय के निर्देशों के तहत, संस्थान द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। संस्थान ने स्वच्छता, पर्यावरण उत्थान और प्लास्टिक से बचाव बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ, उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम को अपने कार्यक्रम में शामिल करने का प्रयास किया।

इस सप्ताह के दौरान संस्थान और अपने देश को स्वच्छ बनाये रखने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

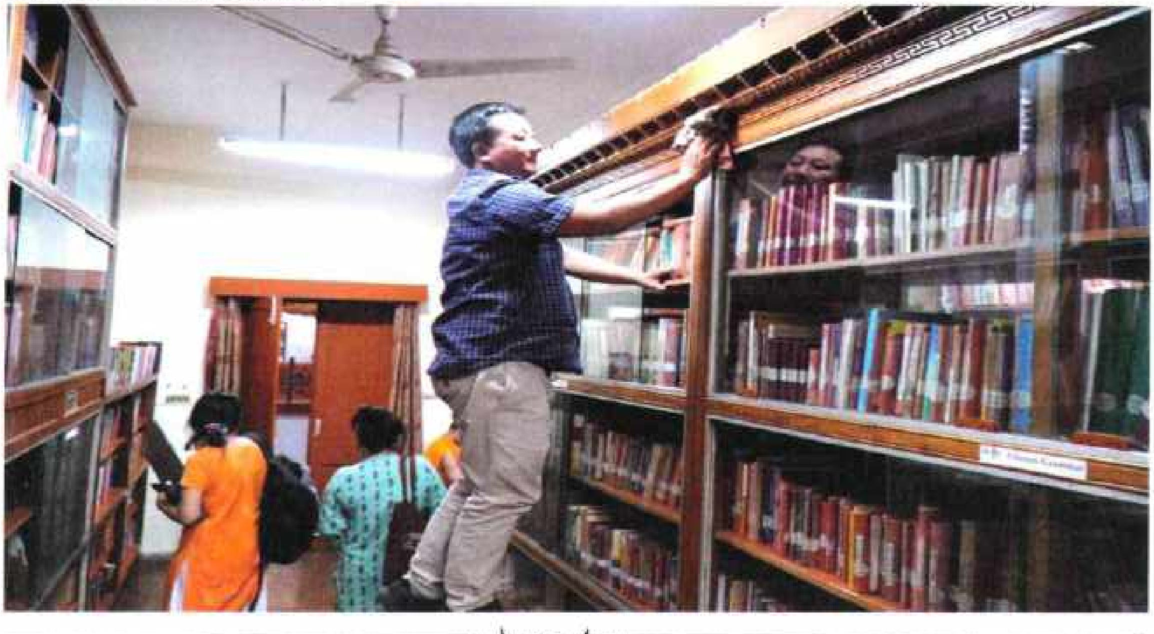

संस्थान की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए की गई गतिविधियों का उचित रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए सभी विभागों और उनके संबंधित भवनों और आसपास के कार्यालय परिसरों का स्वच्छता निरीक्षण किया गया।

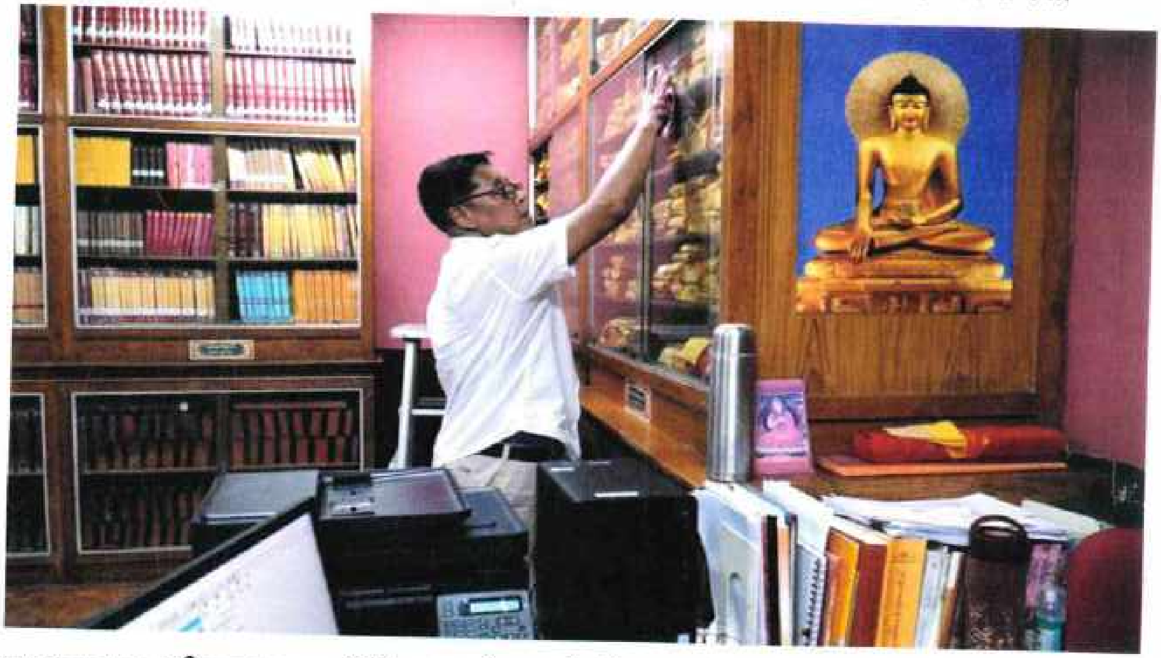

एक स्वच्छता अभियान/*श्रमदान* विभिन्न भवनों, कार्यालयों, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, शौचालयों, हॉल और उद्यानों के अंदर और आसपास के कार्यालय परिसर को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए आयोजित किया गया। सभी शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, छात्रों और अधिकारियों ने *श्रमदान* या संस्थान को साफ करने के लिए मुफ्त श्रम अपनी पेशकश की।

संस्थान में एक प्रकार का कार्निवल वातावरण उत्पन्न किया गया जहां हर कोई मिशन को पूरा करने के लिए एक साथ आया। सफाई का काम केवल एक व्यक्ति का दायित्व नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि उसका आस-पास साफ और स्वच्छ हो।

4. 7 मई 2022 : समकालीन समय में दुनिया तेजी से बदल रही है। समय की मांग को पूरा करने के लिए संस्थान ने अपनी वेबसाइट को अपग्रेड करने और ओवरहाल करने के लिए कड़ी मेहनत की। वेबसाइट के उन्नयन का प्राथमिक कारण इसे छात्रों और उनके अभिभावकों दोनों के लिए अधिक उपयोग करने के अनुकूल और सुलभ बनाना था। संस्थान ने वेबसाइट को अपग्रेड करने और उन्नयन की खोज में चुनौतियों और संभावित बाधाओं पर चर्चा करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया।

इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, संस्थान के कुलपति प्रोफेसर नवांग समतेन के मार्गदर्शन में प्रभावी ढंग से काम किया, जिन्होंने एक तकनीकी टीम और शिक्षकों के एक समूह (वेबसाइट समिति के सदस्यों) के साथ अंतराल को दूर करने की कोशिश की।

वेबसाइट समिति ने वेबसाइट के संचालन के दौरान आने वाली खामियों को इंगित किया और उन तरीकों और साधनों पर चर्चा की जिनके माध्यम से समस्या से निपटा जा सकता है। तकनीकी टीम ने यह दिखाने के लिए एक प्रस्तुति भी दी कि भविष्य में वेबसाइट को कैसे बदला जा सकता है। बैठक में इन बिंदुओं पर सावधानीपूर्वक चर्चा की गई और इसे सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया।

स्वामी विवेकानन्द के कथन- "अभ्यास के माध्यम से योग आता है, योग के माध्यम से ज्ञान आता है, ज्ञान के माध्यम से प्रेम और प्रेम आनंद के माध्यम से आता है।" के अनरूप भारत में योग विषयक जागरूकता अनूदित प्रगतिपथ पर अग्रसर हो रही है।

5. 21 जून 2022 : योग मन, शरीर, आत्मा और सर्वोच्च निर्माता को एकजुट करने की एक प्राचीन भारतीय प्रथा है। भारत में योग के अभ्यास का ज्ञान पवित्र भारतीय ग्रंथों में लगाया जा सकता है और इसके महत्व और प्रभावशीलता को इस तथ्य से महसूस किया जाता है कि यह प्राचीन अभ्यास समय और पश्चिमी प्रभावों के हमले से बच गया है। केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान ने न केवल सिद्धांत रूप में योग के महत्व को महसूस किया है, बल्कि संस्थान अपनी स्थापना के बाद से योग और अन्य जोरदार योग प्रथाओं का एक शौकीन चिकित्सक रहा है।

भारत सरकार ने 2015 से 21 जून को हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा करके योग के अभ्यास को बढ़ावा देने की पहल शुरू की।

संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों की चेतना में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों का आयोजन करके संस्थान हर साल इस दिन को धार्मिक रूप से मनाता रहा है। संस्थान ने एक योग शिविर का आयोजन किया, जिसका नेतृत्व कुलपति प्रो. नवांग समतेन ने किया।

सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे तक आयोजित योग शिविर में सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। शिविर संस्थान के शांति विंग की तरह लग रहा था क्योंकि हर कोई सफेद कपड़े पहने हुए था। सफेद रंग की शांति के साथ-साथ योग किसी के शरीर में शांति को उत्तेजित करता है, संस्थान सद्भाव और संतुलन के अवतार की तरह दिखता था – योग के अंतर्निहित दर्शन।

6. 4 जुलाई 2022 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान हिमालयी क्षेत्र के छात्रों की समग्र शिक्षा और विकास के लिए देश के सबसे बड़े संस्थानों में से एक रहा है। संस्थान में विशिष्ट भाषाओं और रीति-रिवाजों के साथ हिमालयी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों के छात्र रहते हैं। संस्थान की विशिष्टता हिमालयी डायस्पोरा के इक्कीसवीं सदी के युवा छात्रों को प्राचीन ज्ञान और ज्ञानमीमांसा प्रदान करने के अपने लक्ष्य में निहित है। इसलिए, नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के दौरान, नए भर्ती छात्रों को एक अभिविन्यास कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान के दृष्टिकोण, उद्देश्यों और आदर्श वाक्य से परिचित कराया जाता है जो संस्थान द्वारा हर साल आयोजित किया जाता है। पूर्वमध्यमा प्रथम (पी.एम I) के नव प्रवेशित छात्र, उत्तर मध्यमा प्रथम (यू.एम.I), बी.ए.बी.एड. I और बी.एड. I अतिशा हॉल में इकट्ठा हुए।

संस्थान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा 4 जुलाई 2022 को ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत एवं आधुनिक भाषा विभाग के अध्यक्ष व डीन शब्दविद्या संकाय प्रोफेसर धर्मदत्त

चतुर्वेदी तथा शब्दकोश इकाई के सहायक प्रोफेसर डॉ. रमेश चंद्र नेगी ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी डॉ. महेश शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान ने छात्रों और शिक्षकों के बीच की खाई को पाटने की कोशिश और नए प्रविष्ट छात्रों के लिए एक समावेशी और अनुकूल वातावरण बनाने का प्रयास किया। कार्यक्रम में छात्रों को संस्थान के स्वीकार्य व्यवहार और सामाजिक कोड से परिचित कराने की भी कोशिश की गई।

7. 16–19 जुलाई 2022 : केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान (सीआईएचटीएस) के सहयोग से के.उ.ति.शि.सं. के परिसर में उबेरॉय फाउंडेशन ऑफ रिलीजियस स्टडीज द्वारा चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई ।

संप्रदाय शास्त्र विभाग के प्रोफेसर टाशी छेरिंग ने प्रतिभागियों को एक व्याख्यान दिया, जिसमें सीआईएचटीएस के कर्मचारी और संकाय भी शामिल थे। कार्यशाला के प्रतिभागी अमेरिका के विभिन्न स्कूलों के हाई स्कूल के संकाय सदस्य थे, जिनका इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य चार प्रमुख धर्मों, अर्थात् बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म, सिख धर्म और जैन धर्म पर ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना था।

डॉ. टाशी छेरिंग ने चार महान सत्य और बौद्ध कर्म सिद्धांत के महत्व पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. अनिमेष प्रकाश ने बौद्ध धर्म और पालि परंपरा के अभ्यास के सार पर बात की। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कर्मा सोनम पालमो थीं।

8. 23–30 जुलाई 2022 : पाली-बर्मी लिपि पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन पाली-बर्मी लिपि के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिमेष प्रकाश द्वारा किया गया। कार्यशाला में सभी विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए खुली के अवसर पर दिया।

इस कार्यक्रम में लगभग 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के छात्रों ने भी कार्यशाला में भाग लेकर और सीखकर अपना उत्साह दिखाया। कार्यशाला में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी भाग लिया।

कार्यशाला में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में कविता पाठ, क्विज़, पोस्टर मेकिंग और एक लिखित परीक्षा शामिल थी। विजेताओं को पुरस्कार और सहभागिता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

9. 30–31 जुलाई 2022 : 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बती स्टडीज द्वारा किया गया और डीआरओआईटी पेनेल ग्रुप, प्रयागराज और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, भोपाल के सहयोग से हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन और ऑनलाइन) में आयोजित किया गया। विभिन्न प्रसिद्ध संस्थानों के संकाय सदस्यों ने भी ऑनलाइन भाग लिया।

इस अवसर पर विभिन्न विशेषज्ञों ने इस विषय पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में एमएनआईटी प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर रामशंकर वर्मा, आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रोफेसर सुरजीत कुमार दुबे, इलाहाबाद

विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मीडिया स्टडीज प्रो धनंजय चोपड़ा और बीबीएयू, सोनीपत, हरियाणा के रजिस्ट्रार डॉ अमित कांबोज उपस्थित थे।

10. 15 अगस्त 2022 : भारतीय स्वतंत्रता दिवस छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों द्वारा के.उ.ति.शि. संस्थान परिसर में बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे से शुरू हुआ।

संस्थान के कुलपति प्रोफेसर गेशे नवांग समतेन ने ध्वजारोहण किया, राष्ट्रगान के बाद कुलपति ने संस्थान परिवार को संबोधित किया।

कार्यक्रम से पहले, छात्रों और शिक्षकों की एक रैली ने सारनाथ की सड़कों के माध्यम से मार्च किया ताकि वे अपने गौरव का प्रदर्शन कर सकें और हमारे शहीदों के सपनों व देश के निर्माण में अपनी जिम्मेदारियों को महसूस करने के लिए वाराणसी के लोगों की चेतना को जागृत कर सकें।

छात्रों ने अपार उत्साह का प्रदर्शन किया और हाथों में राष्ट्रीय ध्वज और अपने दिल में अपने देश के लिए प्यार के साथ सारनाथ की सड़कों पर परेड की। यह दिन सफलतापूर्वक मनाया गया और देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सभी द्वारा याद किया गया और सम्मानित किया गया।

11. 16–23 अगस्त 2022 : "शुद्ध हिंदी" विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. अनुराग त्रिपाठी और डॉ. ज्योति सिंह, संकाय और राजभाषा समिति के सदस्यों ने किया।

सप्ताह भर चले इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया और इसके बाद भारतीयों के सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन में हिंदी की आवश्यकता और महत्व पर बातचीत की व्याख्यान शृंखला आयोजित की गई।

12. 21 अगस्त 2022 : संस्थान ने अतिशा हॉल में अंतर्राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के सम्मानित कुलपति प्रोफेसर नगवांग समतेन थे। मुख्य वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एस.के. दुबे थे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वाराणसी के अपर नगर आयुक्त राजीव राय उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय कुमार थे। कार्यक्रम का आयोजन वाराणसी के स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के स्वदेशी श्रमिकों का जश्न मनाना था। इसका उद्देश्य छात्रों को आजीविका के साधन के रूप में स्वरोजगार पर विचार करने और इस तरह युवा उद्यमियों के रूप में अपने जीवन को समृद्ध करने का आग्रह करना भी था।

यह न केवल व्यक्ति के जीवन स्तर को बढ़ाने के सूक्ष्म स्तर पर काम करेगा, बल्कि यह मैक्रो स्तर पर भी कार्य करेगा क्योंकि इससे देश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी। इसलिए, कार्यक्रम ने युवा छात्रों के मानसिक ब्लॉकों को उत्तेजित करने की कोशिश की और आत्मनिर्भरता के मार्गों के रूप में स्वरोजगार और उद्यमशीलता का पक्ष लिया।

13. 27 अगस्त 2022 : शांतरक्षित लाइब्रेरी, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान ने सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन के छात्रों के लिए एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम ने नए प्रविष्ट छात्रों को पुस्तकालय के संसाधनों और सेवाओं का परिचय दिया।

अभिविन्यास के मुख्य उद्देश्य थे:-

पुस्तकालय सुविधा, संसाधनों और सेवाओं से छात्रों को परिचित कराना

उन्हें बुनियादी डेटाबेस खोज तकनीकों से परिचित कराना

छात्रों को अकादमिक अखंडता के मुद्दों से परिचित कराना

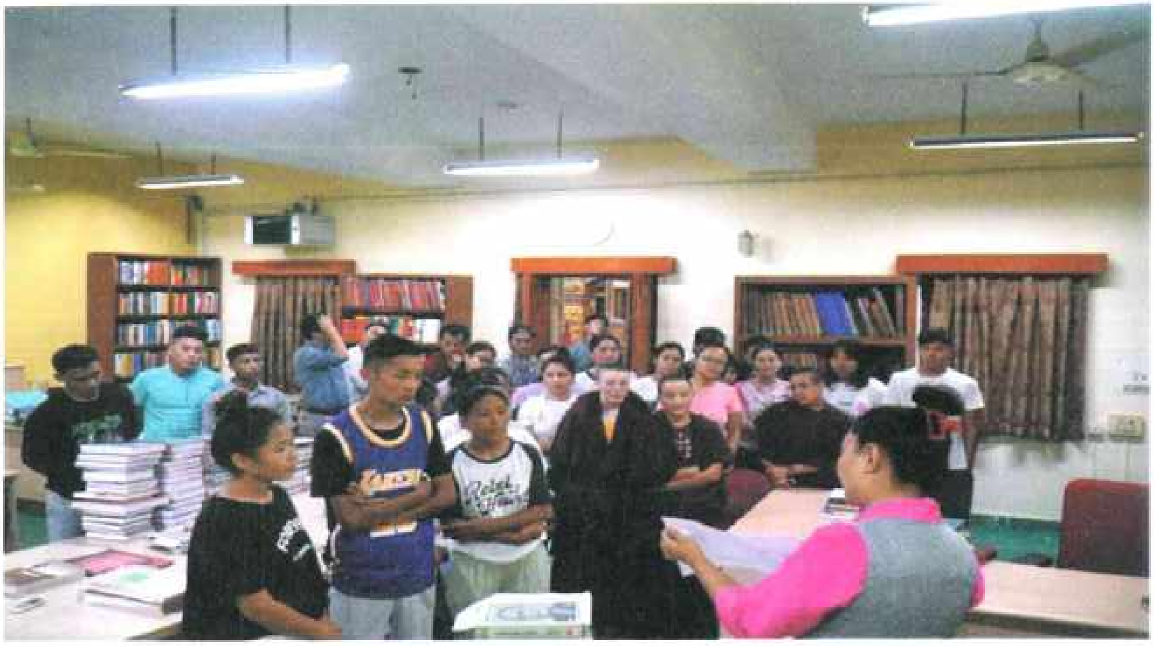

लाइब्रेरियन और सेक्शन इंचार्ज ने भी अपने-अपने सेक्शन में शामिल गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

14. 5 सितंबर 2022 : संस्थान के आईक्यूएसी ने शिक्षक दिवस मनाया। कार्यक्रम संस्थान के अतिशा हॉल में आयोजित किया गया था, जहां विभिन्न विभागों के शिक्षकों को संस्थान के छात्रों द्वारा गर्मजोशी से आमंत्रित किया गया और उनका स्वागत किया गया।

कार्यक्रम माननीय कुलपति, प्रोफेसर गेशे नवांग समतेन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया और आईक्यूएसी के सदस्यों द्वारा सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। कार्यक्रम के बाद शैक्षणिक सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को पुरस्कार वितरण किया गया।

कार्यक्रम के बाद संस्थान के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को प्रोत्साहित करना और छात्रों की वृद्धि और विकास में उनके योगदान के लिए उन्हें पुरस्कृत करना था।

छात्रों का सांस्कृतिक प्रदर्शन शिक्षकों के लिए उनकी प्रशंसा का प्रतीक था और जीवन के हर अवसर को प्यार, ईमानदारी और उत्साह के साथ मनाने के लिए उनकी ओर से एक आह्वान था।

15. 27-29 सितंबर 2022 : नालंदा भवन के आईक्यूएसी समिति कक्ष में एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी के लिए सेवाओं में आरक्षण" पर गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

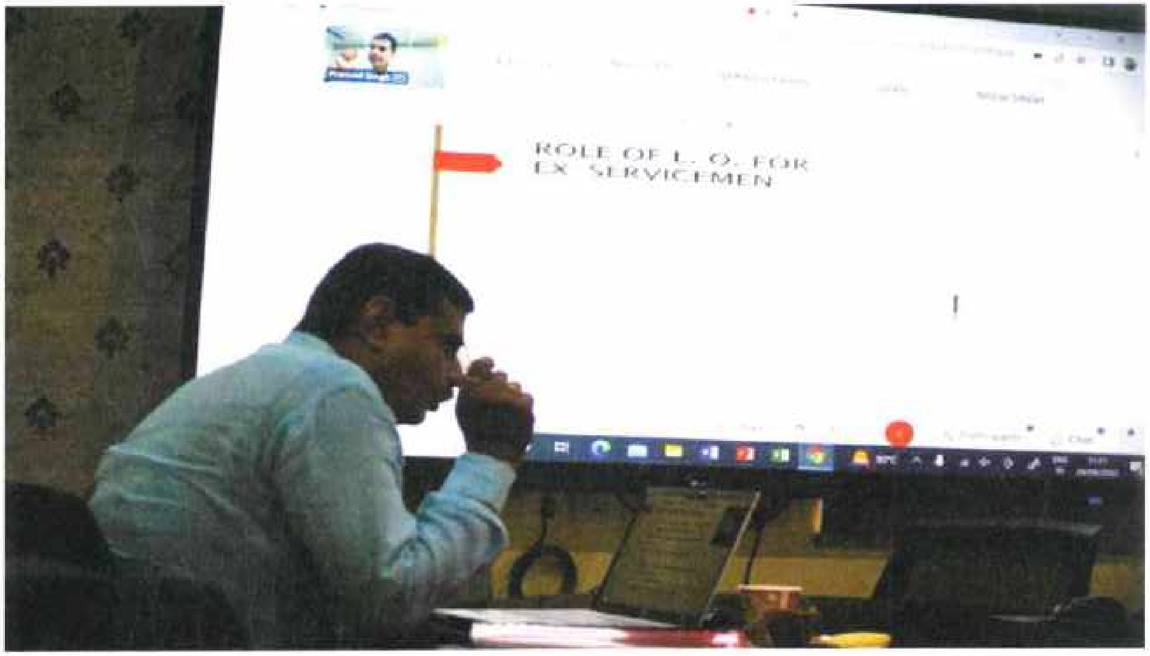

कार्यक्रम का एजेंडा इन कर्मचारियों को उनके पेशेवर जीवन में आरक्षण के विभिन्न पहलुओं के बारे में शिक्षित करना था।

यह कार्यक्रम मुख्य रूप से सेवाओं में आरक्षण की नीतियों के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित था।

संस्थान के सहायक कुलसचिव श्री प्रमोद सिंह ने सक्षम रूप से अपना विशेषज्ञ प्रशिक्षण दिया और प्रतिभागियों के बीच जागरूकता बढ़ाई। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।

16. 2 तथा 8 अक्टूबर 2022 : माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वच्छता' को देश के नागरिकों के लिए जीवन का एक तरीका बनाने और स्वच्छ भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2014 में प्रमुख स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) कार्यक्रम शुरू किया। उच्च शिक्षा संस्थान स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए एक आधार हैं। केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान ने गर्व से स्वच्छता अभियान का पालन किया।

संस्थान हमेशा ऐसे उद्यम करने में सबसे आगे रहा है जो अपने कर्मचारियों, संकायों और छात्रों के जीवन में सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करते हैं और उन्हें स्वच्छता की सर्वोत्कृष्ट आवश्यकता के बारे में जागरूक करते हैं।

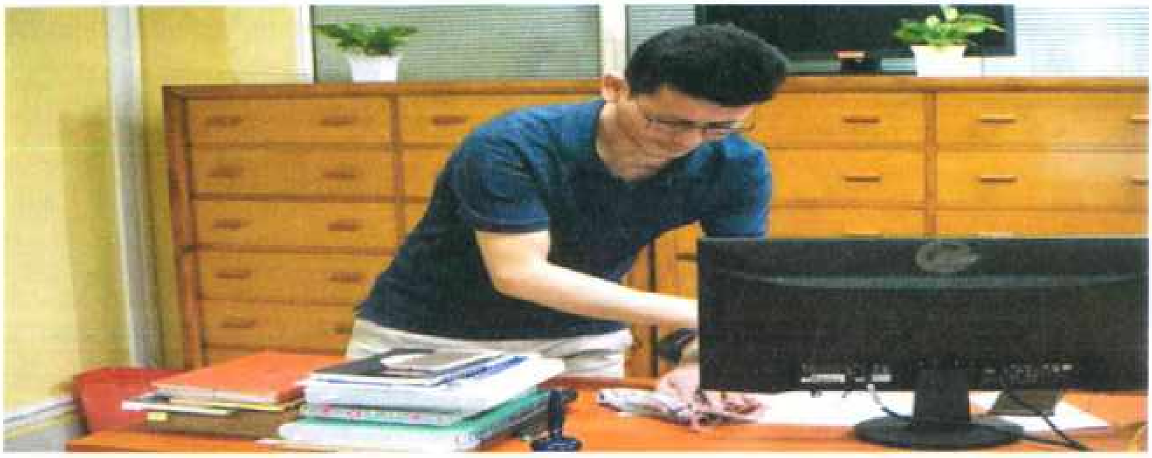

संस्थान हमेशा रहने और काम करने के माहौल को सुरक्षित और स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता और स्वच्छता में शामिल चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

परिसर की सफाई के साथ-साथ वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यह संस्कृति हमारे चारों ओर एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के लिए जागरूकता फैलाने में एक लंबा रास्ता तय करेगी और लोगों के जीवन को महत्वपूर्ण तरीके से प्रभावित करेगी।

17. 18-20 अक्टूबर 2022 : **नैक पीयर टीम विजिट**

एसएसआर को सफलतापूर्वक पास करने के बाद, के.उ.ति.शि.सं. ने अपने दूसरे चक्र के लिए नैक पीयर टीम के दौरे के लिए अर्हता प्राप्त की। संस्थान ने पहले चक्र के दौरान पहले ही पांच स्टार रेटिंग हासिल कर ली थी। के.उ.ति.शि.सं. के आईक्यूएसी ने नैक पीयर टीम के लिए मेजबान की भूमिका निभाई, जिसने 18-20 अक्टूबर 2022 तक परिसर का दौरा किया। मूल्यांकनकर्ता टीम में संस्कृत, तिब्बती विज्ञान, बौद्ध धर्म, शिक्षा और आयुर्वेद क्षेत्र के प्रसिद्ध विद्वान शामिल थे। टीम के अध्यक्ष प्रोफेसर विजयकुमार सी जी, कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन, मध्य प्रदेश थे। सदस्य समन्वयक प्रोफेसर प्रोजीत कुमार पालित, प्रोफेसर, बौद्ध धर्म अध्ययन, इतिहास विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर थे। अन्य प्रसिद्ध सदस्यों में एसवीवाईएएसए योग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मेलुकोटे के श्रीधर, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर शिक्षा प्रोफेसर नीरजा धनखड़ और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर, राजस्थान के विभागाध्यक्ष और आयुर्वेद प्रोफेसर पी हेमंत कुमार शामिल थे।

टीम सुबह संस्थान परिसर में पहुंची, पारंपरिक तिब्बती तरीके से उनका स्वागत किया गया, जहां रंगीन वेशभूषा में छात्रों, संकाय सदस्यों, प्रशासनिक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने मुख्य द्वार से प्रतिनिधियों का शालीनता से स्वागत किया। छात्र बैंड के साथ पारंपरिक नर्तकियों ने तिब्बती मंडल पूजा और प्रसाद के लिए कालचक्र मंडप में माननीय कुलपति, प्रोफेसर नवांग समतेन के निर्देशन में मूल्यांकनकर्ताओं का नेतृत्व किया।

समारोह के बाद संस्थान के माननीय कुलपति प्रोफेसर समतेन द्वारा 60 मिनट की व्यापक प्रस्तुति दी गई। उन्होंने न केवल संस्थान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी, बल्कि परिसर के भविष्य के विकास के लिए अपनी भविष्य की दृष्टि और विस्तृत कार्य योजना भी प्रस्तुत की। टीम के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मेनन सी.जी. कुलपति महर्षि पाणिनि एवं वैदिक संस्कृत वि.वि. उज्जैन म.प्र. के प्रश्नों, जिज्ञासाओं का समुचित समाधान भी दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी संकायाध्यक्ष और आ.गु.आ.प्र. के सदस्य उपस्थित थे।

के.उ.ति.शि.सं. की आ.गु.आ.प्र. टीम के सत्यापन और प्रेजेंटेशन के लिए टीम आ.गु.आ.प्र. कार्यालय पहुंची। मूल्यांकन नैक द्वारा डिजाइन किए गए सात मानदंडों पर आधारित था जिन्हें बहुत व्यवस्थित तरीके से टीम के सामने प्रस्तुत किया गया। टीम सन्तुष्टि के साथ प्रसन्नचित्त होकर आ.गु.आ.प्र. कार्यालय से गई। इसके बाद नैक पीयर टीम सभी संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्षों द्वारा की गई विभागीय पीपीटी. प्रस्तुतियों के लिए आ.गु.आ.प्र. समिति कक्ष की ओर गई, ताकि शैक्षणिक उत्कृष्टता, पाठ्यक्रम की विविधता और पाठ्यक्रम संरचना, रोजगारपरक शिक्षा और अभिनव डिजाइन का समावेश किया जा सके। तेरह विभागों ने टीम के सामने व्यापक प्रस्तुतियां दीं, जिसके बाद एक प्रश्नोत्तर विमर्श सत्र आयोजित किया गया।

इसके बाद टीम मध्याह्न भोजन के लिए गई, जहां उन्हें प्रसिद्ध गणमान्य व्यक्तियों और संस्थान के लाभार्थियों के साथ-साथ बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सोसाइटी, अकादमिक परिषद के सदस्यों के साथ चर्चा करने का अवसर प्राप्त हुआ। पीयर टीम को उत्साह की भावना के साथ, फिर संस्थान के पांच अद्वितीय अनुसंधान विभागों में ले जाया गया।

अनुवाद, पुनरुद्धार, शब्दकोश विभाग, दु.बौ.ग्रं.शोध.वि. और तिब्बती साहित्य केंद्र ने मूल्यांकन वर्ष के दौरान अपनी उत्कृष्ट उपलब्धि और मौलिक कार्य का प्रदर्शन किया। टीम अनुसंधान विभागों की उपलब्धि से मंत्रमुग्ध हो गई और संबंधित अनुभागों के प्रमुखों को बधाई दी। इसके बाद उन्हें प्रकाशन इकाई में ले जाया गया जहां उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, वितरण और विश्वविद्यालय की प्रसिद्ध पत्रिका धीः के आंतरिक तंत्र की जांच की।

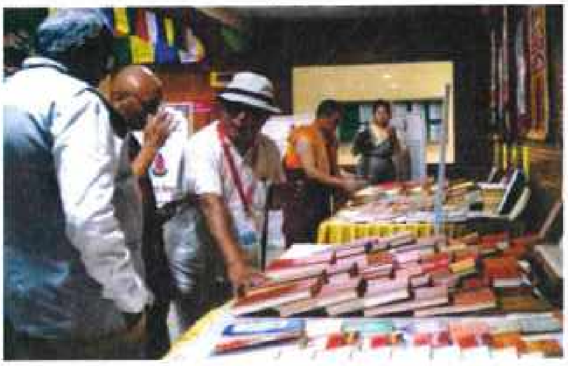

इसके बाद टीम ने संस्थान के अद्वितीय शान्तरक्षित ग्रंथालय का दौरा किया। सहकर्मी टीम को प्रभावित करने के लिए, ग्रंथालय में प्राचीन पारंपरिक तिब्बती कॉर्पस की डिजिटल और भौतिक पांडुलिपियों के रूप में अपनी समृद्ध विरासत का प्रदर्शन किया गया। पुस्तकालय में उपलब्ध ग्रंथों की विविधता को देखकर अभ्यागत आश्चर्यचकित थे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय शोधकर्ताओं के लिए पुस्तकालय में प्रदान किए गए सुदृढ़ तंत्र और अनुसंधान सुविधाओं की प्रशंसा की। पुस्तकालय में एक बहुत ही गहन मल्टीमीडिया और अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब अनुभाग के साथ एक व्यापक माइक्रोफिल्म संग्रह भी है। संस्थान के मल्टीमीडिया अनुभाग ने तिब्बती विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटलीकरण की अपनी समृद्ध विरासत को भी प्रदर्शित किया।

शाम को, टीम ने प्राचीन नालंदा परंपरा की पारंपरिक द्वंद्वात्मक बहस देखी, जो अभी भी के.उ.ति.शि.सं. में जीवित है। टीम उन छात्रों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ गई जो बौद्ध धर्म के दार्शनिक सिद्धांतों पर बहस करने के लिए लयबद्ध तरीके से अपनी हथेलियों से ताली बजा रहे थे। पूरे दिन की व्यस्तता के बाद टीम ने एक मनोरंजक शाम का आनंद लिया, जहां संस्थान के अतिशा हॉल में उनके लिए एक प्रतिभा शो के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नैक पीयर टीम ने अतिश सभागार में प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी द्वारा रचित व निर्देशित "भोट भारतीय ज्ञान-परम्परा की झलक" नामक नाटक देखकर प्रसन्न होकर अभिनेताओं को मंच से आशीर्वाद दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक संस्कृत व तिब्बती परम्परा के इतिहास पर कविता गीत संगीत वाद्यमय नाटक था जिसमें आपसी शिक्षा की भारतीय और तिब्बती परंपराओं के संगम का वर्णन किया गया था।

सबसे मनोरंजक हिम शेर और याक नृत्य के साथ दूसरे भाग में लद्दाखी, भूटानी, तिब्बती, अरुणांचली आदि पारंपरिक संगीत वाद्यमय नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दूसरे दिन की शुरुआत सोवा रिग्पा विभाग और आर एंड डी यूनिट के दौरे के साथ हुई। सोवा रिग्पा विभाग भारतीय आयुर्वेद और तिब्बती चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतरीन अभिनव विभागों में से एक होने का दावा करता है। टीम ने विभिन्न बाहरी रोगियों से मुलाकात की और विभिन्न प्रयोगशालाओं में उपलब्ध सुविधाओं की प्रशंसा की, उपचार चिकित्सा सत्रों को महसूस किया और तिब्बती चिकित्सा विज्ञान की विनिर्माण इकाई का दौरा किया। विभाग द्वारा छात्रों के साथ फार्मेसी, शिक्षण और अनुसंधान सुविधाओं को एक इंटरैक्टिव सत्र में खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया।

पुनः परिसर के खुले लॉन में, टीम को के.उ.ति.शि.सं. के छात्रों द्वारा पूरी तरह से समन्वित डिजाइन प्रस्तुत किए गए विभिन्न स्टालों के रूप में तिब्बती संस्कृति का एक लाइव प्रदर्शन करके आश्चर्यचकित कर दिया गया। के.उ.ति.शि.सं. का इतिहास, बौद्ध धर्म और मन, भोट ज्योतिष, छात्र प्रकाशन, थंका और वुडक्राफ्ट, छात्र सामाजिक सेवा, तिब्बती और हिमालयी कपड़े और संगीत वाद्ययंत्र आदि जैसे विभिन्न स्टाल लगाए गए थे, जिसकी टीम ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। संस्थान में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों और छात्र संस्कृति को देखकर टीम बहुत ही प्रभावित हुई। उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की और पारंपरिक तिब्बती व्यंजनों का आनंद लिया। पीयर

टीम के मनोरंजन के लिए छात्रों द्वारा विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया। तरोताजा होकर टीम फिर संस्थान के पूर्व छात्रों, छात्रों, गैर-शिक्षण और शिक्षण कर्मचारियों के साथ बातचीत सत्र के लिए गई।

दूसरे दिन के मध्याह्न भोजन से पहले, टीम दो समूहों में विभाजित हो गई और विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों के साथ-साथ परिसर जैसे कुलसचिव कार्यालय, लेखा विंग, और परीक्षा विंग के साथ-साथ विभिन्न छात्रावास, कैंटीन, सौर पैनल, एसटीपी, मेडिकल गार्डन और जल रीसाइक्लिंग संयंत्र में सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। परिसर में आधुनिक उपकरणों के साथ उपयोग की जा रही पारंपरिक तकनीकों को देखकर टीम आश्चर्यचकित थी। उन्होंने छात्र कल्याण संघ, छात्र संघ के प्रदर्शनकारी कला, मेस प्रबंधन समिति, छात्र प्रकाशन इकाई रिगलब और छात्र सामुदायिक सेवाएं जैसे विभिन्न छात्र निकायों के साथ बातचीत करने में काफी समय बिताया और छात्रावासों में उनके कार्यालयों का दौरा किया।

पीयर टीम के लिए आकर्षण का विशेष बिंदु संस्थान के योग और विपश्यना केंद्र का दौरा था, जिसके बाद टीम दोपहर के भोजन के लिए गई, जहां उन्होंने स्थानीय समुदाय के नेताओं, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा गोद लिए गए दो गांवों

के प्रधानों और सरपंचों और संस्थान के विभिन्न अन्य लाभार्थियों के साथ बातचीत की। दोपहर के भोजन के बाद, टीम ने संस्थान के क्रीडा क्षेत्र में स्थित खेल सुविधाओं के साथ-साथ दोनों छात्रावासों में स्थित जिम सुविधा का अवलोकन किया। उन्होंने सभी विभिन्न विभागों का भी दौरा किया जहां संकाय सदस्यों की शैक्षणिक उपलब्धियों को व्यवस्थित तरीके से प्रदर्शित किया गया था। अच्छी व्यवस्था और प्रकाशन की एक विशाल सूची और सहायक दस्तावेजों ने वास्तव में पीयर टीम को प्रभावित किया।

तीसरे और अंतिम दिन की शुरुआत परिसर के दौरे के साथ हुई, जिसमें सर्वोत्तम प्रथाओं और संस्थागत विशिष्टता का बारीकी से निरीक्षण किया गया। टीम ने आवासीय संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्रों और शोध विद्वानों के लिए उपलब्ध सभी सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण से संतुष्ट और प्रभावित होकर उन्होंने माननीय कुलपति के साथ अपनी बातों और चिंताओं को साझा किया। इसके बाद, उन्होंने पीयर टीम रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया और इसे अतिशा हॉल में एक एग्जिट मीटिंग में संस्थान के कुलपति को प्रदान किया।

तीन दिवसीय एनएएसी पीयर टीम के दौरे ने संस्थान के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर सीआईएचटीएस बिरादरी को अपनी समृद्ध विरासत, समुदाय में उत्कृष्ट योगदान, उत्कृष्ट शैक्षणिक और साथ ही अनुसंधान योगदान और जीवंत छात्र सामाजिक जीवन से अवगत कराया। तिब्बती विज्ञान और बौद्ध धर्म के क्षेत्र में के.उ.ति.शि.सं. के उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए, नैक ने संस्थान को दूसरी बार प्रतिष्ठित 'ए' ग्रेड प्रदान किया।

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

Certificate of Accreditation

Director

18. 31 अक्टूबर - 6 नवंबर 2022 : **सतर्कता जागरूकता सप्ताह**

केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के आदेश और के.ति.शि.सं. के सतर्कता अधिकारी के निर्देश के अनुसार, संस्थान ने बड़े उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। इस संबंध में इस वर्ष के विषय "एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत" के प्रचार के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। जागरूकता बढ़ाने और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए थीम को फैलाने वाले पोस्टरों का एक परिसर व्यापक प्रसार किया गया।

संस्थानीय शैक्षणिक/गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों, संकाय सदस्यों, अन्य कर्मचारियों और छात्रों, अपने सभी हितधारकों की व्यापक और उत्साहजनक भागीदारी देखी। इस अवसर पर के.उ.ति.शि.सं. समूह ने सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया।

सप्ताह की शुरूआत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाने के साथ हुई, जिसके बाद भ्रष्टाचार मुक्त भारत के सभी महत्वपूर्ण दृष्टिकोण वाले प्रमुख नारों और पोस्टरों का प्रचार-प्रसार किया गया तथा कर्मचारी सदस्यों, व्हिसलब्लोअर्स को बिना किसी भय के शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

संस्थान की सतर्कता इकाई ने सभी हितधारकों और कर्मचारियों को संगठित होकर और न केवल आम सार्वजनिक हित के साथ बल्कि सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता की वास्तविक भावना के साथ इस कार्यक्रम का अवलोकन करने के लिए प्रेरित किया।

अन्य कार्यक्रमों के अलावा कार्यक्रम के विषय को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करने और कार्यक्रम के सभी महत्वपूर्ण संदेश के प्रचार के लिए एक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

19. 4 नवंबर, 2022 : एलुमनी एसोसिएशन, के.उ.ति.शि.सं. ने श्रद्धेय प्रोफेसर समदोङ् रिन्पोछे की दीर्घायु के लिए अतिशा हॉल में एक समारोह का आयोजन किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने महान बौद्ध धर्मगुरु अतिशा पर अपने विचार व्यक्त किए।

विभिन्न संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने उपदेश सत्र में भाग लिया, जिसमें उन्होंने अतिशा के उपदेशों पर विशेष रूप से सबसे प्रसिद्ध पाठ, 'द लैंप फॉर द पाथ टू एनलाइटनमेंट' का उल्लेख करते हुए विस्तृत विचार व्यक्त किया।

20. 6 नवंबर, 2022 : **एलुमनी एसोसिएशन, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी**

एलुमनी एसोसिएशन के.उ.ति.शि.सं. द्वारा द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 'हिमालय बौद्ध अध्ययन' विषय पर अतिशा हॉल में किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान, मुख्य अतिथि भिक्षु प्रोफेसर समदोंग रिन्पोछे ने संगोष्ठी पुस्तक (के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों के एकत्रित लेख) का विमोचन किया।

मध्याह्न भोजन के बाद, सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक और दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.45 बजे तक सम्मेलन के लिए विभिन्न सत्र तीन अलग-अलग स्थानों शांतरक्षित लाइब्रेरी हॉल (बौद्ध दर्शन), सम्भोट भवन हॉल (अनुवाद और इतिहास) और सम्भोट भवन हॉल द्वितीय (सामान्य तिब्बती साहित्य) पर आयोजित किए गए। कार्यक्रम में लगभग एक सौ साठ प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र के अंत में प्रस्तुतिकर्ताओं को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

21. 29 दिसंबर, 2022 - 20 जनवरी, 2023 : **अकादमिक विनिमय कार्यक्रम**

मास, सं.रा.अ. के पांच कॉलेजों, (स्मिथ कॉलेज; एमहर्स्ट कॉलेज; एमहर्स्ट कॉलेज; माउंट होलियोक कॉलेज; मैसाचुसेट्स की यूनि) ने 29 दिसंबर, 2022 से 20 जनवरी, 2023 तक के.उ.ति.शि.स. में एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लिया।

संस्थान के विभिन्न प्रोफेसरों ने दौरे पर आए उपर्युक्त कालेजों के छात्रों को पढ़ाया। छात्रों ने बौद्ध हेर्मेनेयुटिक्स के तहत दो महत्वपूर्ण बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन किया: 1. मध्य मार्ग में प्रवेश (*मध्यमकावतार*) और 2. बोधिसत्व की जीवन शैली (*बोधिसत्वचर्यावतार*)।

इसके अलावा, बौद्ध धर्म में विशेष विषयों पर व्याख्यान जैसे- बौद्ध सिद्धांतों, विभिन्न बौद्ध स्कूलों, बौद्ध इतिहास, तिब्बती कला और शिल्प, तिब्बती चिकित्सा आदि विषयों पर व्याख्यान दिए गए।

दौरे पर आए समूह का नेतृत्व दो प्रोफेसरों ने किया। जे.एल. गारफील्ड, दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर, स्मिथ कॉलेज ने के.उ.ति.शि.सं. के शोध छात्रों को अनुसंधान पद्धति पर व्याख्यान दिया। उन्होंने आईक्यूएसी, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आईकेएस पर आयोजित व्याख्यान शृंखला के तहत 'अभिनवगुप्त और दया कृष्ण के बीच' विषय पर पूरे संकाय और छात्रों को एक व्याख्यान भी दिया।

स्मिथ कॉलेज के डॉक्टर डॉ लेस्ली जाफ ने सोवा-रिग्पा छात्रों को महिलाओं के स्वास्थ्य पर शृंखलाबद्ध व्याख्यान दिया।

प्रो. जम्पा समतेन ने तिब्बत और दलाई लामा का इतिहास पढ़ाया। उन्होंने सारनाथ के साथ-साथ बोधगया और नालंदा में तीर्थ स्थलों पर भी समूह का नेतृत्व किया।

22. 28 मार्च, 2023 : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर संस्थान के अतिशा सभागार में "प्रौद्योगिकी और डिजिटल शिक्षा के विकास में महिलाओं का योगदान" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान का उत्सव मनाने और याद करने के लिए, मुख्य अतिथि, श्रीमती रेणु शर्मा और विशेष अतिथि, प्रोफेसर सुवर्णा सरकार ने विभिन्न महिलाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका और डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के विकास में उनके प्रतिनिधित्व पर अपने विचार साझा किए।

पुरातन छात्र समिति

नीचे चुने गए नए सदस्यों को दो साल की अवधि के लिए कार्यालय आदेश टीयू/एसए/67/2021 दिनांक 13/01/2021 के माध्यम से आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया गया है।

1. डॉ. गेशे नवांग तेनफेल	वाराणसी	अध्यक्ष
2. डॉ. जम्पा छोफेल	वाराणसी	कोषाध्यक्ष
3. श्री लोबसंग वांगदू	वाराणसी	महासचिव
4. श्री तेनज़िन सिदोन	वाराणसी	सदस्य
5. डॉ. दावा छेरिंग	वाराणसी	सदस्य
6. श्रीमती तेनज़िन रिगसंग	वाराणसी	सदस्य
7. डॉ. टाशी दावा	वाराणसी	सदस्य
8. डॉ. संजीव कुमार दास	शांतिनिकेतन	सदस्य
9. श्री नागा संगे तेन्दर	धर्मशाला	सदस्य
10. डॉ. छेरिंग डोलकर	वाराणसी	सदस्य
11. श्री कलसंग फुनछोग	यूएसए	सदस्य

गतिविधियाँ:

- नैक पीयर टीम के द्वारा 18-20 अक्टूबर 2022 तक के.उ.ति.शि.सं. में निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पूर्व छात्र प्रो. जम्पा समतेन ने 2015-2022 के पूर्व छात्रों के मूल्यांकन वर्ष की पीपीटी प्रस्तुति दी।
- कार्यकारी सदस्यों ने सहकर्मी टीम के दौरे के लिए पूर्व छात्र कार्यालय (विद्या कुटी) में स्वच्छता और अन्य तैयारी में सहायता की।
- कुलपति कार्यालय के मौखिक आदेश के अनुसार, एएसीआईएचटीएस द्वारा पीयर टीम के साथ बातचीत कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से बीस के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया।

क. 04 नवंबर 2022 - भारतीय आचार्य दीपंकरश्रीज्ञान द्वारा लिखित बोधिपथप्रदीपः (प्रेरणा के तीन स्तरों से संबंधित व्यावहारिक पहलू) पर प्रो. समदोंग रिनपोछे का प्रवचन आयोजित किया गया।

ख. दोपहर 2 बजे अतिश हॉल में पाँचवीं पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान माननीय कुलपति ने के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों से संबंधित दो पुस्तकों का विमोचन किया, पहली पुस्तक का शीर्षक 'हाउ शुड वन बी. अ लीडर ऑफ़ थॉट इन ए सोसाइटी' है, जो एच.ई. द्वारा दिया गया भाषण है। प्रो समदोंग रिनपोछे; तिब्बती में प्रतिलेखित के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में अनुवादित, एएसीआईएचटीएस, धर्मशाला द्वारा प्रकाशित, 2021 तथा दूसरी पुस्तक का शीर्षक 'प्रैक्टिकल एस्पेक्ट्स ऑफ़ चोंखापा के थ्री स्टेज ऑफ़ पाथ' जो प्रो. सम्दोङ रिनपोछे द्वारा दिया गया एक भाषण है, जिसे एएसीआईएचटीएस के व्यय पर Gyuto द्वारा प्रकाशित और लिप्यंतरित तिब्बती में किया गया।

ग. इस बैठक के दौरान अतिशा हॉल में दोपहर 2.00 बजे एएसीआईएचटीएस के नए कार्यकारिणी सदस्यों का आम चुनाव कराया गया। इस संबंध में निम्नलिखित नए कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव किया गया, हालांकि अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष और सदस्यों के नामांकन के लिए नए सदस्यों के बीच जल्द ही आंतरिक चुनाव का प्रस्ताव किया गया।

प्रो. जम्पा समतेन (सेवानिवृत्त व पुनर्नियुक्त, सारनाथ, वाराणसी), डॉ. लोबसंग दोर्जे रबलिंग (वाराणसी), डॉ. ल्हाक्पा त्सेरिंग (वाराणसी), श्री चोएंगा त्सेरिंग (वाराणसी), श्रीमती चाइम त्सोमो (वाराणसी), श्रीमती केलसांग वांगमो (वाराणसी), कुमारी तेनज़िन त्सोमो (वाराणसी), प्रो. पेन्पा दोर्जे (सेवानिवृत्त) (बायलाकुप्पे), डॉ. वेन. नवांग येशी (लद्दाख), डॉ. ताशी तोपग्याल (कनाडा), डॉ. देचेन दोर्जे (कनाडा)।

घ. 5 नवम्बर 2022 - प्रातः 9.00 बजे से 11.30 बजे तक अतीशा हॉल में प्रो. सम्दोङ् रिनपोछे की उपस्थिति में एक लघु पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ङ. के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों का एक समूह फोटो सत्र आयोजित किया गया।

च. एएसीआईएचटीएस और के.उ.ति.शि.सं. पूर्व छात्रों के सभी सदस्यों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया।

छ. दोपहर 3.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक, पूर्व छात्रों और के.उ.ति.शि.सं. के वर्तमान छात्रों के बीच बातचीत कार्यक्रम और अनुभवों को साझा करने का आयोजन शांतरक्षित मैदान में किया गया।

ज. 6 नवंबर 2022 - के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों के 'हिमालयी बौद्ध अध्ययन' पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह अतीशा हॉल में सुबह 09.00 बजे से 11.30 बजे तक आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान, मुख्य अतिथि प्रो. सम्दोङ् रिनपोछे ने संगोष्ठी पुस्तक (संगोष्ठी के लिए प्रस्तुत के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों के एकत्रित लेख) का विमोचन किया।

झ. मध्याह्न भोजन के बाद, सत्र तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए गए; शान्तरक्षित लाइब्रेरी हॉल (बौद्ध दर्शन), सम्भोट भवन हॉल I (अनुवाद और इतिहास) और सम्भोट भवन हॉल II (सामान्य तिब्बती साहित्य) सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक और दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.45 बजे तक। इसमें करीब एक सौ साठ प्रतिभागी शामिल हुए। सत्र के अंत में, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, उपरोक्त तीनों पुस्तकें और समूह फोटोग्राफ वितरित किए गये।

II. राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. राजभाषा सम्मान-2022

18 मई, 2022 : केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा के लिए अम्बेडकर अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में आयोजित प्रथम तकनीकी सम्मेलन में "राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट मूल कार्य निष्पादन" हेतु श्री एम.एल. सिंह, वरिष्ठ सहायक, केन्द्रीय तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी को "राजभाषा सम्मान-2022" से सम्मानित करते हुए गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्र।

2. **राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक**

18 जून 2022 : माननीय कुलपति की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम- वर्ष 2022-23 पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में माननीय कुलपति महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके साथ ही राजभाषा तिमाही रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के विभिन्न मदों पर गंभीर चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाने का आदेश दिया। साथ ही संस्थान के सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को अपना अधिकाधिक सरकारी कार्य हिंदी में करने के लिए निर्देशित किया।

3. **हिंदी कार्यशाला का आयोजन**

27 जून 2022 : माननीय कुलपति महोदय के आदेशानुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का उद्घाटन एवं अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. हिमांशु पाण्डेय द्वारा की गयी। कार्यशाला में डॉ. रामसुधार सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, यू.पी. कालेज द्वारा राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2022-2023 विस्तृत चर्चा की गयी। इसी प्रकार द्वितीय सत्र में श्री प्रमोद सिंह, सहायक कुलसचिव द्वारा राजभाषा अधिनियम-1963 की धारा-3 (3) विषय पर बिन्दुवार चर्चा की गयी एवं बताया गया कि धारा-3(3) का अनुपालन आवश्यक है एवं इसमें किसी प्रकार की छूट नहीं है।

4. **अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन**

14-15 सितम्बर, 2022 : माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में सूरत (गुजरात) में हिंदी दिवस एवं दूसरे 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान से डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव, रा.का.स. एवं श्री भगवान पाण्डेय, राजभाषा परामर्शी ने भाग लिया।

5. **राजभाषा सप्ताह समारोह-2022 का आयोजन**

26 सितम्बर, 2022 से 01अक्टूबर, 2022 : संस्थान में सामान्य रूप से राजभाषा सप्ताह समारोह का आयोजन हिंदी दिवस अर्थात् 14 सितम्बर से किया जाता है, परन्तु इस वर्ष गृह मंत्रालय के आदेशानुसार हिंदी दिवस का आयोजन 14 सितम्बर, 2022 को सूरत (गुजरात) में किया गया। तदुपरान्त संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा संस्थान में राजभाषा सप्ताह समारोह आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गएः-

हिंदीमय वातावरण तैयार करने एवं प्रेरणाप्रद वातावरण बनाने के उद्देश्य से राजभाषा सप्ताह समारोह के शुभारम्भ से दो दिन पूर्व ही प्रमुख विद्वानों एवं राजनेताओं के हिंदी विषयक विचारों की स्टैंडी बनवाकर आकर्षक ढंग से संस्थान के सभी प्रमुख भवनों के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित कर दिया गया तथा राजभाषा सप्ताह का बैनर भी लगवाया गया।

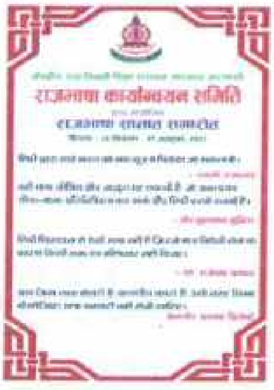

6. **राजभाषा सप्ताह समारोह का उद्घाटन एवं संगोष्ठी**

26 सितम्बर 2022 : सर्वप्रथम माननीय कुलपति, कुलसचिव एवं अतिथि वक्ताओं द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदुपरान्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वक्ताओं को भोट परम्परा के अनुसार खतक एवं साथ ही पौधे देकर स्वागत किया गया एवं माननीय कुलपति प्रो. गेशे ङवङ् समतेन ने राजभाषा सप्ताह का उद्घाटन किया। उक्त अवसर पर राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वैश्वीकरण और हिंदी की दशा विषय पर मुख्य वक्ता-के रूप में श्री विश्व भूषण मिश्रा, अपर आयुक्त (राजस्व), वाराणसी एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में श्री राजेश गौतम, कार्यक्रम प्रभारी (आकाशवाणी एवं दूरदर्शन) ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति महोदय ने कहा कि हिंदी का प्रयोग उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रसर है एवं आज बाजारवाद के युग में हिंदी शीघ्र ही विश्वभाषा के रूप में उभरकर सामने आएगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, स्वागत संबोधन डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री आर. के. मिश्रा द्वारा किया गया।

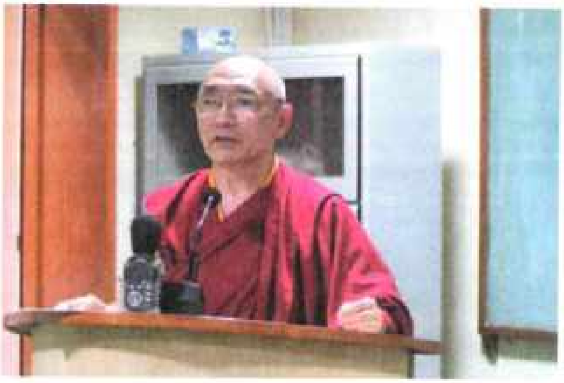

7. **राजभाषा संबंधी निरीक्षण**

27 सितम्बर 2022 : पूर्वाह्न में कार्यालयों में राजभाषा की स्थिति जैसे- नाम पट्ट, सूचना पट्ट एवं फाइलों में टिप्पणियाँ तथा वहाँ हो रहे कार्यों मे राजभाषा के प्रयोग की स्थिति का आकलन करने के लिए प्रकाशन विभाग का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक सुझाव दिए गए।

8. **राजभाषा कार्यशाला का आयोजन**

27 सितम्बर 2022 : अतिथि वक्ताओं द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदुपरान्त श्रेष्ठ जनों को भोट परम्परा के अनुसार खतक एवं पौधे देकर स्वागत किया गया। श्री आर. के. मिश्रा, प्रलेखन अधिकारी की अध्यक्षता में राजभाषा के प्रयोग में झिझक दूर करने के लिए पारिभाषिक शब्दावली एवं मशीनी अनुवाद विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, बरेका. ने पारिभाषिक शब्दावली पर विस्तार से चर्चा की एवं पारिभाषिक शब्दावली बनाने, अन्य भाषाओं के प्रचलित मूल शब्दों को यथास्थिति लिप्यंतरित कर उन्हें ग्रहण करने के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री आर. के. मिश्र, प्रलेखन अधिकारी ने मशीनी अनुवाद की बारीकियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मशीनी अनुवाद से सहयोग लेकर, उसमें सुधार कर कम समय में अच्छा अनुवाद किया जा सकता है और उस तरह के अभ्यास की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, स्वागत संबोधन डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री सुनिल कुमार द्वारा किया गया।

9. **राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक**

28 सितम्बर 2022 : माननीय कुलपति प्रो. गेशे ङवङ् समतेन की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2022-2023 में निर्धारित लक्ष्यों, तिमाही रपट के मदों एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के मदों पर चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय ने लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने का आदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनुराग त्रिपाठी, स्वागत संबोधन डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री टी. आर. शासनी द्वारा किया गया।

10. **राजभाषा के प्रयोग के संबंध में डेस्क प्रशिक्षण**

29 सितम्बर 2022 : प्रशासनिक विभाग के कार्मिकों को राजभाषा के प्रयोग के संबंध में डेस्क प्रशिक्षण दिया गया एवं उन्हें फाइल कवरों पर विषय, रजिस्टरों मे प्रविष्टियाँ, द्विभाषी मुहरों एवं राजभाषा अधिनियम की धारा-3(3) आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

11. **वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन**

29 सितम्बर 2022 : गणमान्य व्यक्तियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। अध्यक्ष एवं निर्णायकों को भोट परम्परा के अनुसार खतक एवं पौधे देकर उनका स्वागत किया गया। प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी की अध्यक्षता एवं डॉ. रामसुधार सिंह, श्री टी. आर. शाशनी तथा श्री प्रमोद सिंह के निर्णायकत्व में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के कार्मिकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया एवं प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशील कुमार सिंह, स्वागत संबोधन डॉ. ज्योति सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री टी. आर. शाशनी द्वारा किया गया।

12. **यूनिकोड एनेबिलिटी की जाँच**

30 सितम्बर 2022 : प्रशासनिक कार्यों में लगे कम्प्यूटरों में यूनिकोड एनेबिलिटी की जाँच की गई एवं शीघ्र ही शेष कम्प्यूटरों पर यूनिकोड एनेबल कराने पर बल दिया गया।

13. **मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन**

30 सितम्बर 2022 : गणमान्य व्यक्तियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदुपरान्त अध्यक्ष एवं निर्णायकों को भोट परम्परा के अनुसार खतक एवं साथ ही गमले में पौधे देकर स्वागत किया गया। डॉ. हिमांशु पाण्डेय, कुलसचिव की अध्यक्षता एवं श्री आर. के. मिश्रा तथा श्री सुनिल कुमार के निर्णायकत्व में मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें श्री भगवान पाण्डेय, राजभाषा परामर्शी द्वारा राजभाषा, हिंदी एवं सम-सामयिक विषयों पर प्रश्न पूछे गए तथा प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान का निर्णय किया गया। स्वागत संबोधन- डॉ. अनुराग त्रिपाठी, संचालन- डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रामजी सिंह द्वारा किया गया।

14. **पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन**

01 अक्टूबर 2022 : प्रो. गेशे ङवङ् समतेन, माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता एवं श्री के. सत्यनारायण पुलिस महानिरीक्षक (वाराणसी परिक्षेत्र) के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उक्त अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदुपरान्त गणमान्य व्यक्तियों को भोट परम्परा के अनुसार खतक एवं अंग वस्त्र तथा पौधे देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी भाषाओं के सम्मान पर बल देते हुए राजभाषा के प्रयोग पर बल दिया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में माननीय कुलपति महोदय ने अन्य भाषा के शब्दों को ग्रहण करते हुए हिंदी को समृद्ध करने एवं वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने पर बल दिया। कार्यक्रम में राजभाषा की विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले 14 कार्मिकों को पुरस्कृत किया गया।

सप्ताह समारोह के समापन के अवसर पर एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. हरिनारायण सिंह हरीश, श्री आर. के. मिश्रा, डॉ. प्रकाश उदय, श्री कुमार प्रवीण, श्री सिद्धनाथ शर्मा, श्री प्रसन्न बदन चतुर्वेदी, श्री ब्रजेश चन्द्र पाण्डेय आदि कवियों ने कविता पाठ किया। उक्त कार्यक्रम में स्वागत संबोधन- डॉ. अनुराग त्रिपाठी, संचालन- प्रो. रामसुधार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रमेश चन्द्र नेगी द्वारा किया गया।

15. **राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक**

17 दिसम्बर 2022 : माननीय कुलपति की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम,तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं संसदीय राजभाषा प्रश्नावली के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। साथ ही संस्थान द्वारा राजभाषा कीवार्षिक गृह पत्रिका बोधिप्रभ के प्रकाशन के संबंध में भी चर्चा की गई एवं निर्णय लिया गया कि पत्रिका को शीघ्र प्रकाशित किया जाय। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव, प्रस्तुति श्रीभगवान पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार सिंह द्वारा किया गया।

16. **हिंदी कार्यशाला का आयोजन**

19 दिसम्बर 2022 : राजभाषा कार्यान्वयन समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का उद्घाटन एवं अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. हिमांशु पाण्डेय द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. सत्य प्रकाश पाल, सहायक आचार्य, हिंदी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने कार्यालयी कार्यों में हिन्दी का प्रयोग, समस्याएँ एवं समाधान तथा श्री राजेश कुमार मिश्र ने मशीनी अनुवाद विषय पर विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान दिया। कार्यशाला का संचालन डॉ सुशील कुमार सिंह, स्वागत संबोधन श्री प्रमोद सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री भगवान पाण्डेय द्वारा किया गया।

17. **राजभाषा की पत्रिका बोधिप्रभ का लोकार्पण**

03 मार्च 2023 : माननीय कुलपति महोदय द्वारा डॉ. केदार नाथ सिंह जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्थान की राजभाषा की गृह पत्रिका बोधिप्रभ के दूसरे अंक का लोकार्पण किया गया और कुलपति प्रो. गेशे ङवङ् समतेन जी को केदारनाथ सिंह सम्मान से सम्मानित किया गया।

18. **हिंदी कार्यशाला का आयोजन**

15 मार्च 2023 : राजभाषा कार्यान्वयन समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का उद्घाटन एवं अध्यक्षता प्रो. उमेश चन्द्र सिंह द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. रामसुधार सिंह, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, यू.पी. कालेज ने देश के विकास में राजभाषा के रूप में हिंदी का योगदान, प्रो. सत्यपाल शर्मा, हिंदी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं भारतीय भाषाएँ एवं श्री प्रमोद सिंह ने राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा-3 (3) पर विषय पर विद्वत्तापूर्ण विचार व्यक्त किए।

19. **राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक**

16 मार्च 2023 : माननीय कुलपति की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम पर व्यापक चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति

महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके साथ ही राजभाषा तिमाही रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के विभिन्न मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने पूरा करने के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाने का आदेश दिया। साथ ही संस्थान द्वारा प्रकाशित की जाने वाली राजभाषा की वार्षिक गृह पत्रिका 'बोधिप्रभ' के प्रकाशन के सम्बन्ध में चर्चा हुई एवं मा. कुलपति महोदय ने आदेश दिया कि पत्रिका आगामी हिंदी दिवस-2023 तक प्रकाशित की जाय एवं साहित्य, संस्कृति, भाषा, कहानी एवं कविता को इसमें समाहित किया जाय।

कुलपति महोदय की शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रो. गेशे ङवङ् समतेन

1. 6 जून 2022 : संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली के साथ बैठक में भाग लिया और उसके बाद शास्त्री भवन, नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।
2. 7 जून 2022 : माननीय सचिव, संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली की अध्यक्षता में आयोजित के.उ.ति.शि.सं. की सोसायटी बैठक में भाग लिया।
3. 21 जून 2022 : गाडेन शरत्से और जांग्त्से मठों की अकादमिक परिषद के निमंत्रण पर, माननीय कुलपति ने एक सत्र की अध्यक्षता की और 'मनोविज्ञान पर द्वितीय भारत-तिब्बत विद्वान सम्मेलन' के सम्माननीय अतिथि के रूप में समापन समारोह में भाग लिया। जो 'चिंतनशील अभ्यास' पर गाडेन मठ, मुंडगोड, कर्नाटक में आयोजित किया गया।
4. 27 जुलाई 2022 : बौद्ध दर्शन और पालि पर एमओओसी पाठ्यक्रमों के विकास के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में एक बैठक की अध्यक्षता की।
5. 28 जुलाई 2022 : संस्कृति मंत्रालय, पुरातन भवन, नई दिल्ली में भारत सरकार के संयुक्त सचिव और बीटीआई के अधिकारियों के साथ बैठक।
6. 10-11 अगस्त 2022 : धर्म एवं संस्कृति विभाग, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला के निमंत्रण पर, माननीय कुलपति ने एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और 'तिब्बती की वर्तमान स्थिति निर्वासन में संस्कृति और इसकी भविष्य की संभावनाएँ' विषय पर सेमिनार के एक सत्र की अध्यक्षता की।
7. 29 अगस्त 2022 : संस्कृति मंत्रालय द्वारा साहित्य अकादमी, रवींद्र भवन, नई दिल्ली में माननीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवालजी की अध्यक्षता में आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।
8. 30 अगस्त 2022 : माननीय सचिव (संस्कृति), भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता में संस्कृति मंत्रालय के तहत सभी संगठनों के सभी ब्यूरो प्रमुखों/मंडल प्रमुखों, विभागाध्यक्षों के साथ एक बैठक में भाग लिया।
9. 20 नवंबर 2022 : तिब्बत हाउस, नई दिल्ली के अनुरोध पर, मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति ने 'ओन्टोलॉजिकल रियलिटी पर क्वांटम भौतिकी और बौद्ध दर्शन' पर सम्मेलन का उद्घाटन किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
10. 21 नवंबर 2022 : माननीय संस्कृति मंत्री और माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन के अधिकारियों के साथ बातचीत।

11. 23 नवंबर 2022 : शंघाई, सहयोग संगठन (एससीओ) में साझा बौद्ध विरासत पर सम्मेलन के संबंध में, माननीय कुलपति ने संस्कृति मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली पुरातत्त्व के संयुक्त सचिव (पी. कला) के कक्ष में आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

12. 6 फरवरी 2023 : शिक्षा मंत्रालय, सरकार द्वारा गठित पालि और बौद्ध अध्ययन पर व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) के मेजबान संस्थान और समन्वयक होने के नाते माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. जगदीश कुमार द्वारा एमओओसी पाठ्यक्रमों के शुभारंभ समारोह में भाग लिया।

13. 4-5 मार्च 2023 : इंडिया फाउंडेशन और सांची यूनिवर्सिटी के अनुरोध पर बौद्ध-इंडिक स्टडीज, भोपाल में माननीय कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन में भाग लिया, और 'नए युग के लिए पूर्वी मानवतावाद' पर व्याख्यान दिया। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा किया गया, जिसमें प्रख्यात विद्वानों ने भाग लिया।

14. 23 - 24 मार्च 2023 : भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के महासचिव के निमंत्रण पर, माननीय कुलपति ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा मेघालय में आयोजित एआईयू 97वीं वार्षिक बैठक और कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

उप कुलसचिव/निदेशक (प्रभारी), शि.शि. केन्द्र की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. हिमांशु पाण्डेय

1. कैरिका पपाया (एल) की पत्तियों के अर्क और अवयवों की गठियारोधी क्षमता का आकलन: हिस्टोपैथोलॉजिकल विश्लेषण, जर्नल आफ फार्मास्युटिकल नेगेटिव रिजल्ट्स पत्रिका में प्रकाशित 291-299, 2022

2. समय और कान्सेन्ट्रेशन आधारित; यूवी लाइट-ZnO का उपयोग करके प्रमुख एंटीबायोटिक कंसोर्टियम का मध्यस्थ फोटोकैटलिटिक क्षरण, ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स में प्रकाशित 52 (5), 183, 2022

3. उच्च वसा युक्त आहार का चूहों पर पड़ने वाले [6]-जिंजरोल-लोडेड यूड्रैगिट पॉलीमेरिक नैनोकणों का हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव और गैस्ट्रिक-प्रतिधारण समय का गामा सिंटिग्राफी मूल्यांकन, जर्नल ऑफ एप्लाइड फार्मास्युटिकल साइंस में प्रकाशित 12 (6), 156-163, 2022

आयोजित निरीक्षण/समीक्षा बैठक:

1. भारतीय भेषजी परिषद (फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न फार्मेसी कॉलेजों का निरीक्षण किया।

2. सीपीसीएसईए, भारत सरकार, नई दिल्ली की समीक्षा बैठकें आयोजित कीं।

पर्यवेक्षित/ सह पर्यवेक्षित पीएचडी

1. श्री वीरेन्द्र सिंह : जैव-मैक्रोमोलेक्युलस के नैनोफॉर्म्यूलेशन की एंटी-हाइपरलिपिडेमिक क्षमता का मूल्यांकन।

2. श्री अमित कुमार सिंह : फंगल त्वचा संक्रमण के उपचार के लिए नैनोपार्टिकुलेट आधारित सामयिक नवीन औषधि वितरण प्रणाली का अध्ययन।

अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारी

कुलसचिव (अतिरिक्त प्रभार)- के.उ.ति.शि.सं. के प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन।

अन्य गतिविधियाँ

1. 17 नवंबर 2022- यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, प्रयागराज में "नैनोटेक्नोलॉजी प्रीक्लिनिकल अनुप्रयोगों की भूमिका" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सत्र की अध्यक्षता की।
3. विभिन्न चयन समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. 30-31 जुलाई 2022 - ड्रोइट पेनाले ग्रुप, एनआईटीटीआर, भोपाल और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत के सहयोग से "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
2. 11-12 नवंबर 2022 - ड्रोइट पेनाले ग्रुप, एनआईटीटीआर, भोपाल और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा के सहयोग से "सुशासन के सिद्धान्त" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
3. 01 दिसंबर 2022 - बी.एड.और बी.ए.बीएड के विद्यार्थियों के लिए "किशोरों में नशीली दवाओं की लत छुडाने में परामर्शदाता की भूमिका" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। सभी स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सहायक कुलसचिव (प्रशासन-द्वितीय) की शैक्षणिक गतिविधियाँ

श्री प्रमोद कुमार सिंह

1. 3 जून 2022 : वेतन निर्धारण, जीपीएफ, एमएसीपी आदि से संबंधित मुद्दों पर विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नव नालंदा महाविहार, डीम्ड यूनिवर्सिटी, नालंदा की निर्धारण समिति की बैठक में भाग लिया।
2. 21-22 अक्टूबर 2022 : गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के पदों के संबंध में नव नालंदा महाविहार, डीम्ड विश्वविद्यालय, नालंदा में कर्मचारियों के लिए 'रेशनोलाइजेशन कमेटी' की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
3. 25-26 नवंबर 2022 : प्रशासनिक और स्थापना मामलों पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (एनआईटीआईई), मुंबई के ग्रुप बी स्तर और समकक्ष गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।
4. 14-16 दिसंबर 2022 : स्थापना संरचना को मजबूत करने के साथ-साथ शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारियों को रोस्टर की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करने के लिए नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू), भोपाल में आमंत्रित किया गया।
5. 13-15 फरवरी 2023 : आरक्षण, रोस्टर और भर्ती प्रक्रिया के नियमों की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, चोगलमसर, लेह, लद्दाख में आमंत्रित किया गया।
6. 15 फरवरी 2023 : नव नालन्दा महाविहार, डीम्ड विश्वविद्यालय, नालन्दा में सीएएस पदोन्नति के मुद्दों पर जांच और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के संबंध में स्क्रीनिंग-सह-मूल्यांकन समिति की बैठक में भाग लिया।

नियुक्ति प्रकोष्ठ

आलोच्य वर्ष 2022-2023 में नियुक्ति प्रकोष्ठ द्वारा निम्नलिखित पद विज्ञापित कर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण की गयी।

5 पद अतिथि प्राध्यापक

1 पद कुलसचिव

1 पद कुलपति

आलोच्य वर्ष 2022-2023 में नियुक्ति प्रकोष्ठ द्वारा निम्नलिखित पद स्थायी नियुक्ति हेतु विज्ञापित किये गये।

37 पद शैक्षणिक एवं शोध विभागों में प्रोफेसर, सह प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर एवं सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद)

नियुक्ति प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों का नाम-

1. श्री आर.के. मिश्र, प्रभारी अधिकारी (नियुक्ति प्रकोष्ठ)
2. श्री एम.एल. सिंह, वरिष्ठ सहायक (नियुक्ति प्रकोष्ठ)
3. श्री अमित कुमार विश्वकर्मा, कार्यालय सहायक (नियुक्ति प्रकोष्ठ)
4. श्री मंतोष कुमार, विविध कार्य कर्मचारी (दैनिक)

आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

1. 19 मई, 2022 - संस्थान की गाइड लाइन एवं मानक अनुमोदित प्रारूप के अनुसार विद्यार्थियों का फीडबैक लिया गया।
2. 23 मई, 2022 - आगामी NAAC पीयर टीम विजिट के लिए, IQAC द्वारा एपी गेस्ट हाउस में सभी गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्यों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी क्यूएलएम मेट्रिक्स पर विस्तार से चर्चा की गई, और आईक्यूएसी, सीआईएचटीएस द्वारा सभी विभिन्न सदस्यों को दस्तावेज़ीकरण कार्य सौंपा गया।
3. 5 जुलाई, 2022 - परम पावन 14वें दलाई लामा के 87वें जन्मदिन के अवसर पर आतिशा हॉल में एक शैक्षणिक सह सांस्कृतिक कार्यक्रम और एपी गेस्ट हाउस में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।
4. 05 सितम्बर, 2022 - आईक्यूएसी द्वारा आतिशा हॉल में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। "प्रेरणा और शिक्षण" पर एक विशेष वार्ता आयोजित की गई और संकाय सदस्यों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार दिए गए।
5. 20-25 सितंबर, 2022- एसएसआर के विभिन्न मेट्रिक्स के बारे में ज्ञान का प्रसार करने के लिए शिक्षण, गैर-शिक्षण, छात्रों और पूर्व छात्र कर्मचारियों के लिए विभिन्न अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए।
6. 27-29 सितंबर, 2022- संस्थान के सहायक कुलसचिव श्री प्रमोद सिंह द्वारा "एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी के लिए सेवा में आरक्षण" पर गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
7. 18 अक्टूबर, 2022- NAAC पीयर टीम के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और एक सांस्कृतिक काव्य नाटक का आयोजन किया गया।
8. 18-20 अक्टूबर, 2022- NAAC पीयर टीम के लिए IQAC द्वारा तीन दिवसीय यात्रा का समन्वय किया गया। गतिविधियों के टैब के अंतर्गत अलग से पूरी रिपोर्ट संलग्न है। संस्थान की कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता को स्वीकार करते हुए, CIHTS को NAAC द्वारा प्रतिष्ठित "ए" ग्रेड से सम्मानित किया गया।

सूचना का अधिकार कार्रवाई

सूचना का अधिकार अधिनियम (आर.टी.आई. एक्ट)-2005 के अनुसार भारतीय नागरिकों को संस्थान के कार्यकलापों से सम्बन्धित सूचना प्रदान करने के लिए केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी प्रतिबद्ध है। संस्थान के कार्यकलापों में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान के अधीन सूचना को

नागरिक हासिल कर सकें इसलिए सूचना का अधिकार की व्यावहारिक कारवाई की व्यवस्था का हर वांछित प्रावधान संस्थान ने किया है। संस्थान के सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 के तहत प्रकटीकरण की पारदर्शिता ऑडिट माह अक्टूबर, 2022 में की गई है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्थान द्वारा नियुक्त पदाधिकारी निम्नांकित हैं -

भाग 1 (नोडल अधिकारी)

क्र.सं.	नाम	पद	फोन नं.	ईमेल-	पत्राचार का पता
1	श्री राजेश कुमार मिश्र	नोडल अधिकारी, सुओ मोटो प्रकटीकरण एवं नोडल अधिकारी ऑन-लाइन आर.टी.आई.	0542-2586515 7080276699	rkmishra@cihts.ac.in	प्रलेखन अधिकारी शांतरक्षित ग्रंथालय के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी

भाग 2 (प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं केन्द्रीय जन सूचना अधिकारियों का विवरण)

क्र.सं.	नाम	प्रथम अपीलीय अधिकारी या केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी	फोन नं.	ईमेल	पत्राचार का पता
1.	डॉ हिमांशु पाण्डेय	प्रथम अपीलीय अधिकारी	0542-2585149 8318287410	droffice@cihts.ac.in	उपकुलसचिव के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी
2.	श्री सुनील कुमार	केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी	0542-2555242 7007270180	cpio@cihts.ac.in	सहायक कुलसचिव के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी

सूचना का अधिकार के अन्तर्गत प्राप्त आवेदन पत्र का विवरण इस प्रकार है:-

1. प्राप्त सूचना का अधिकार आवेदनों की संख्या - 17
2. सूचना का अधिकार आवेदन का निपटारा - 17
3. उत्तर देने से इनकार - 00

सूचना का अधिकार के अन्तर्गत प्राप्त प्रथम अपीलीय अधिकारी के आवेदन पत्र का विवरण इस प्रकार है:-

1. प्राप्त प्रथम अपीलीय अधिकारी आवेदनों की संख्या - 01
2. प्रथम अपीलीय अधिकारी आवेदन का निपटारा - 01
3. उत्तर देने से इनकार – 00

V. छात्रों की गतिविधियाँ

1. छात्र कल्याण समिति (एस. डब्ल्यू. ए.)

संस्थान के विद्यार्थियों के सामुदायिक कार्य संस्थान के नियमानुसार छात्र-कल्याण परिषद (एस. डब्ल्यू. ए.) द्वारा संचालित किए जाते हैं। इस परिषद की स्थापना 1972 में हुई थी। इसके द्वारा छात्रों के सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों में जागरूकता तथा इस दिशा में कार्य करने के लिए अवसर प्रदान किया जाता है। इसके सदस्यों का चुनाव प्रतिवर्ष लोकतांत्रिक ढंग से किया जाता है। वर्तमान 50वीं छात्र-कल्याण परिषद के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	तेनजिन ल्हुलडुब	अध्यक्ष	आचार्य, प्रथम
2.	सांग्ये डक्पा	उपाध्यक्ष	बी.एड., प्रथम
3.	तेनजिन सेल्डन	सचिव	आचार्य, प्रथम
4.	सम्तेन शेरब तमंग	कोषाध्यक्ष	आचार्य, प्रथम
5.	अंगदोर्जे शेरब	सहायक कोषाध्यक्ष	शास्त्री, तृतीय
6.	निमा दोर्जे दोलू	खेल प्रभारी	आचार्य, प्रथम
7.	फुर्बू दोर्जे गुरुंग	शिक्षा सचिव	आचार्य, द्वितीय
8.	छेरिंग टशी	चिकित्सा प्रभारी	बी.एस.आर.एम.एस., चतुर्थ
9.	छेरिंग युमत्सो	संस्कृति सचिव	आचार्य, प्रथम
10.	वांगछेन गोम्बू	पी. आर. आई.	बी.ए. बी.एड., तृतीय

परिषद् के उद्देश्य

- विद्यार्थियों के कल्याण तथा ज्ञानवर्धन के निमित्त संसाधनों का प्रबंध करना।
- अतिरिक्त कक्षाओं, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, शिविरों, कार्यशाला आदि के आयोजन द्वारा विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिरुचि एवं स्वस्थ शैक्षणिक परिस्थिति पैदा करना।
- विख्यात भारतीय एवं विदेशी विद्वानों को निमंत्रित कर वाक्यांश संपन्न कराना।
- विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- यक्ष्मा एवं अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित विद्यार्थियों को चिकित्सा हेतु आर्थिक सहायता की व्यवस्था कराना।
- छात्रों को इंटरनेट में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं टेक्नोलॉजी आदि विषयों के प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार कराना।
- संस्थान के शैक्षणिक एवं पर्यावरण के विकास के लिए छात्रों के सुझावों का संकलन कराना।

गतिविधियाँ-

शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के दौरान एस.डब्ल्यू.ए. द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की गई-

शैक्षणिक-

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पचासवें छात्र कल्याण समिति ने 1 अप्रैल 2022 से अपनी सेवाएं शुरू की हैं तब से हमने विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से भिन्न भिन्न सहपाठी कार्य की गतिविधियों का आयोजन किया।

1. 26 अप्रैल 2022 - पंचमेश लामा की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से तिब्बती कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2. 28 अप्रैल 2022 - छात्र कल्याण समिति के देख रेख में वरिष्ठ छात्र विदाई सभा का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।

मई-जून 2022 ग्रीष्म अवकाश

1. 31 जुलाई से 3 अगस्त 2022 तक पूर्व मध्यमा, उत्तर मध्यमा, ललित कला और BSRMS प्रथम वर्ष के नवीन छात्रों के तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।

2. 5 से 15 अगस्त तक केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के खेल के मैदान में प्रतिष्ठित एल एम जोशी स्मारक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जो एक अंतर कक्षा प्रतियोगिता थी, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

3. 17 अगस्त 2022 - डा टाशी छेरिंग (तिब्बती भाषा व साहित्य के सह-आचार्य) के निधन पर शोक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

4. 2 सितंबर 2022 - छात्र कल्याण समिति ने तिब्बती लोकतंत्र दिवस की 62वीं वर्षगांठ पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

5. 5 सितंबर 2022 - छात्र कल्याण संघ ने शिक्षकों के लिए हार्दिक प्रतिभार व्यक्त करने के लिए केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के IQAC की देखरेख में शिक्षक दिवस का आयोजन किया, जिसमें 25 वर्षीय सेवा पूर्ति कर चुके आचार्यों को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया गया।

6. 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक छात्र कल्याण संघ ने छात्रों के बौद्धिक ज्ञान को बढ़ाने तथा साफ्टवेयर (software) के अनुभव को प्राप्त करने के उद्देश्य से जिन छात्रों की इस क्षेत्र में रुचि थी, उनके लिए इनडिजाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

7. 18 से 21 अक्टूबर 2022 – नैक टीम के सदस्यों ने हमारे संस्थान का दौरा किया, IQAC और सभी छात्रों के साथ छात्र कल्याण संघ ने अपने सर्वश्रेष्ठ दायित्व का निर्वाह परिश्रमपूर्वक कार्य किया। जैसे- प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक आदि का मंचन।

8. 27 अक्टूबर से 19 नवंबर तक पचासवें छात्र संघ के सदस्यों सहित आचार्य द्वितीय और आचार्य प्रथम वर्ष के 45 छात्र वरिष्ठ शैक्षणिक यात्रा के लिए राजस्थान गए। हमने राजस्थान में 10 महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थानों और दिल्ली में सभी स्मारकों का दौरा किया।

9. 24 से 29 अक्टूबर 2022 - छात्र कल्याण संघ ने गेशे वैरी जिग्मे वाङ्ग्याल द्वारा संस्थान के कनिष्ठ छात्रों के लिए तिब्बती कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन किया।

10. 29 अक्टूबर 2022 - महामहिम समदोंग रिन्पोछे जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता के साथ तीन भाषाओं में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

11. 6 नवंबर 2022 - संस्थान के पुरातन छात्रों के साथ महामहिम समदोंग रिन्पोछे जी के जन्मदिवस पर छात्र कल्याण संघ ने सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा संस्थान के पूर्व छात्रों के लिए सभा का आयोजन किया।

12. 12 नवंबर 2022 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में 50वें छात्र कल्याण संघ के सहयोग से तिब्बती युवाओं के लिए वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

13. 17 से 19 नवंबर 2022 - स्वास्थ्य विभाग CTA की एक टीम ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का दौरा किया और सभी छात्रों की TB जांच की।

14. 18 नवंबर 2022 - The books and beyond books club ने पचासवें छात्र कल्याण संघ के सहयोग से अतीश सभागार में तीन घंटे के लिए 'Reading books' विषय पर एक लघु फिल्म उत्सव का आयोजन किया।

15. 28 दिसंबर 2022 - पचासवें छात्र कल्याण संघ के मार्गदर्शन में सभी छात्रों ने परमपावन दलाई लामा जी के तीन दिवसीय उपदेश का श्रवण बुद्धगया में किया।

16. 19 से 26 जनवरी 2023 - छात्र और छात्राओं के लिए अंतर कक्षा बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

17. 26 जनवरी 2023 - अंतर कला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह के साथ भारतीय गणतंत्र दिवस भी मनाया गया।

18. 15 से 17 फरवरी 2023 - छात्र कल्याण संघ की देखरेख में वरिष्ठ छात्राओं के लिए ग्रीष्म कालीन कैंपेन का अच्छी तरह से आयोजन किया गया।

19. 19 तथा 20 मार्च 2023 - छात्र कल्याण संघ के 50 गौरवशाली वर्षों की उपलब्धि पर 'तिब्बती अध्ययन पर एक सम्मेलन और छात्रों के शोध पत्र प्रस्तुति' विषयक कार्यक्रम किया गया। संस्थान के ललित कला के छात्रों द्वारा कला प्रदर्शनी का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।

2. भोजन प्रबन्ध समिति (छात्र-संगठन)

छात्र भोजन प्रबन्ध समिति द्वारा सभी छात्रों का भोजन प्रबंध किया जाता है। इस समिति में कुल 10 सदस्य हैं, जो भिन्न-भिन्न संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में कार्यरत समिति 39वीं है। इस समिति का मुख्य लक्ष्य छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना, समस्त छात्रवास के निर्धारित नियमों तथा स्वच्छता की देख-रेख करना है। वर्तमान छात्र भोजन प्रबन्ध समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	कुंगा रिगजिन	कोषाध्यक्ष	आचार्य, प्रथम
2.	पेमा रंगड्रोल	सहायक-कोषाध्यक्ष	आचार्य, प्रथम
3.	पद्मा छोकडुप	सचिव	आचार्य, प्रथम
4.	जम्पा टशी	सहायक सचिव	आचार्य, द्वितीय
5.	तेनजिन संगपो	रसोई प्रभारी	एम.एफ.ए., प्रथम
6.	सांग्ये रिनछेन	कोटेशन प्रभारी	एम.एफ.ए., द्वितीय
7.	कर्मा सोनम छोमो	सदस्य	बी.एस.आर.एम.एस., पंचम
8.	सोनम वांगमो	सदस्य	बी.एस.आर.एम.एस., पंचम
9.	छेरिंग वांगछुक	सदस्य	बी.ए. बी.एड., तृतीय
10.	जिम्पा ग्यलेछन	सदस्य	शास्त्री, तृतीय

भोजन प्रबन्ध समिति के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- छात्रावासों में रहने वाले सभी छात्रों के लिए पौष्टिक और स्वस्थ भोजन की व्यवस्था करना।
- छात्रावास और उसके परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करना।
- सभी छात्रों के लिए संस्थान के उचित नियमों और आचरणों को विनियमित करना।
- सभी छात्रों को प्रतिवर्ष छात्रावास के कमरे आवंटित करना।
- सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए वार्षिक तिब्बती नववर्ष का आयोजन करना।

गतिविधियाँ -

40वीं मेस प्रबंधन समिति, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान ने जनवरी 2022 से अपनी सेवा शुरू कर दी है। तब से छात्रों के पर्यावरण नैतिकता और सामाजिक मूल्य के निर्माण के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गये।

1. 22 अप्रैल 2022 : हमारे संस्थान के परिसर को छात्रों द्वारा एक नया रूप दिया गया जो हमारे आस-पास के हर कोने को साफ़ करता है। शांतरक्षित पुस्तकालय से लेकर प्रशासन और छात्रावास तक। हर संभावित क्षेत्र की सफ़ाई की गई। हमने प्रकृति माँ के सम्मान में कुछ पौधों को भी सींचा और रोपा, जो हमारे अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह एक बहुत ही सार्थक घटना रही।

2. 6 जुलाई 2023 : एम.एम.सी. ने 6 जुलाई को परमपूज्य दलाई लामा की जयंती का आयोजन किया, इसमें प्रार्थना-पाठ आयोजित किया गया। जिसमें संकाय और छात्रों के लिए व्यवस्था भी तीन भोजन शामिल हैं। यह एक सुंदर उत्सव रहा।

3. 1 अगस्त से 3 अगस्त 2022 : एम.एम.सी. ने काग्यूर और तंग्युर सस्वर पाठ का वार्षिक प्रार्थना सत्र आयोजित किया। 3 दिवसीय प्रार्थना सत्र, जिसमें संकायों और छात्रों के लिए दोपहर का भोजन और रात का खाना शामिल है; यह 3 अक्टूबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

4. 6 अक्टूबर 2022 : पर्यावरण को स्वच्छ और मनोरंजक बनाए रखने के लिए। एम.एम.सी. ने छात्रों की मदद से बास्केटबॉल कोर्ट और उसके क्षेत्र की अच्छी तरह से सफाई की।

5. 10 अक्टूबर 2022 : छात्र छात्रावासों की पूरी सफाई करते हैं, जैसे पद्म संभव छात्रावास, महाप्रजापति गौतमी बालिका छात्रावास और माया देवी बालिका छात्रावास हैं। छात्र, फर्श, सामने के आँगन की सफाई और सफ़ाई में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। यह सफाई स्वच्छता की दृष्टि से सकारात्मक रही और C.I.H.T.S को अपनी प्राकृतिक चमक मिली।

6. 18-21 अक्टूबर 2022 : एनएएसी ने 18 अक्टूबर को हमारे संस्थान का दौरा किया और 21 अक्टूबर तक मेस प्रबंधन समिति ने कभी-कभार भोजन की व्यवस्था करने के लिए आयोजकों के साथ काम किया।

7. 05 फरवरी से 14 फरवरी तक हम नए एमएमसी सदस्यों ने मुख्य लेखा परीक्षक श्री तेनज़िन चुंगटाक, श्री के पर्यवेक्षकों के तहत 40वें और 41वें एमएमसी सदस्यों के बीच काल्डेन गुरुंग, श्री. ताशी गेलेक और आदि वार्षिक ऑडिट किया था।

8. 18 फरवरी 2023 : आगामी ग्रैंड तिब्बती लूजर के लिए के.उ.ति.शि.सं. के परिसर की गहन सफाई की है।

9. 20 फरवरी 2023 : 41वें एमएमसी सदस्यों ने तिब्बती नववर्ष का उत्सव मनाने के लिए तिब्बती नववर्ष के पहले दिन नए एमएमसी सदस्यों ने कुलपति प्रोफेसर गेशे नवांग सामतेन के साथ दौरा किया। तिब्बती नववर्ष की शुभकामनाओं के लिए उस शुभ दिन पर हमें उनसे अद्भुत प्रेरणा मिली।

10. 21 मार्च 2023 : 41वें एमएमसी और 51वें एसडब्ल्यूए के कार्यकारी सदस्यों ने मेस के भोजन, नियम, स्वास्थ्य, सफाई, शिक्षा, नैतिकता आदि के संबंध में बड़ी चर्चा की और उस समय उस अधिवेशन में सभी सम्प्रदायों के अध्यक्ष और वार्डन भी सम्मिलित हुए।

3. रिग्-लब छात्र पत्रिका का प्रकाशन एवं कार्यशाला का आयोजन

वर्नाई-रिगलब एक स्वतंत्र छात्रों का संपादकीय बोर्ड है जिसका उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक कौशल का विकास और तिब्बती संस्कृति और भाषा का संरक्षण है। हर साल, हम कार्यशाला, निबंध प्रतियोगिता आयोजित करते हैं और एक वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करते हैं।

गतिविधियाँ-

1. 17 सितंबर 2022 - छात्रों की वार्षिक पत्रिका 'वर्नाई रिग्लैब' प्रकाशित हुई।
2. 19 सितंबर 2022 - पत्रिका का उद्घाटन पूर्व संपादकों एवं हमारे सदस्यों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

3. हमारे संस्थान में NAAC सहकर्मी टीम के दौरे के दौरान रिग्लब की पुस्तक प्रदर्शनी ने भाग लिया।
4. गेशे बेरी जिग्मे द्वारा बुनियादी तिब्बती कविता कार्यशाला 25 से 31 अक्टूबर, 2022 तक दीपावली की छुट्टियों के दौरान वरिष्ठ छात्रों के साथ-साथ पीएम और यूएम के उभरते छात्रों के लिए एक सप्ताह के लिए आयोजित की गई।
5. 2 फरवरी, 2023 - संभोट भवन में 'एमए थीसिस का महत्व और लेख लिखने के तरीके' विषय पर श्री शाहो तामडिंग की एक वार्ता आयोजित की गई।

वर्नाई-रिगलब के सक्रिय सदस्यों को (वी.आर.) वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दो वर्षों में चुना जा रहा है। वर्नाई-रिगलब के वर्तमान सदस्य निम्नलिखित हैं।

क्र.सं.	नाम	स्थिति	वर्ग
1.	फुरपा ग्याल गुरुंग	संपादक	आचार्य द्वितीय
2.	नवांग देचेन	सह-संपादक	आचार्य द्वितीय
3.	यिदाम छीरिंग	सचिव	आचार्य प्रथम
4.	फुर्बु दोरजी गुरुंग	सहायक	आचार्य द्वितीय
5.	तेनज़िन लुंडुप	कोषाध्यक्ष	आचार्य प्रथम
6.	सोनम छूकी	सहायक कोषाध्यक्ष	शास्त्री द्वितीय
7.	ताशी छीरिंग	सदस्य	शास्त्री तृतीय

4. नाट्य-कला छात्र संगठन

स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (एसएपीए) तिब्बत की वेशभूषा और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए प्राथमिक लक्ष्य के साथ छात्रों द्वारा स्थापित एक लघु समिति है। जो SAPA छात्रों को उनकी सांस्कृतिक विरासत के बारे में अभ्यास करने और सीखने के अवसर प्रदान करती है। समिति अक्सर विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती है, न केवल दर्शकों को उनकी प्रतिभा से मनोरंजन करने के लिए बल्कि उन्हें तिब्बत की संस्कृति के बारे में शिक्षित करने के लिए भी। इसके अलावा, SAPA ने विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कई सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में गर्व से अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया है, और अपने प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार अर्जित किए हैं। समुदाय में पाँच सदस्य होते हैं जो पूर्व मध्यमा से उत्तर मध्यमा के कनिष्ठ छात्रों के बीच मतदान के माध्यम से चुने जाते हैं। सदस्य इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	नामगे खांडू	अध्यक्ष
2	त्सेरिंग त्सोमू	उपाध्यक्ष
3	तेनज़िन नोरसांग	सचिव
4	बैर बेरुलोव	कोषाध्यक्ष
5	तेनज़िन पेमा	सहायक कोषाध्यक्ष

1) 2 सितंबर 2022 - छात्र अंतर सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पूर्व मध्यमा से उत्तर मध्यमा तक के जूनियर वर्ग ने भाग लिया जिसमें 120 से अधिक छात्र शामिल रहे।

2) 2 अक्टूबर 2022 - गांधी जयंती पर हमने छात्रों के लिए सीआईएचटीएस गॉट टैलेंट का आयोजन किया, जिसमें 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

3) 19 अक्टूबर 2022 - हमारे संस्थान में NAAC विजिट के दौरे पर प्राचीन तिब्बती व भारतीय ज्ञान परम्परा पर एक नाटक का प्रदर्शन किया है और विभिन्न हिमालयी अरुणांचली, तिब्बती आदि सांस्कृतिक नृत्यों का प्रदर्शन किया गया है।

5. समाजसेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ

VCSS की स्थापना 1986 में हुई थी। हमारे संस्थान के दो शिक्षकों, आचार्य स्व. लोबसांग नोर्बू शास्त्री और उनके साथ, अब तक 37 साल हो चुके हैं, और वर्तमान में 37 कार्यकारी सदस्यों के साथ एक सलाहकार और अन्य सदस्यों के साथ है। सदस्य निम्नांकित हैं-

क्र.सं.	नाम	पद	कक्षा
1	नमग्ये खण्डू	अध्यक्ष	शास्त्री, तृतीय
2	ग्युरमे गुरुंग	कोषाध्यक्ष	शास्त्री, प्रथम
3	मिगमर डोलमा	सहायक कोषाध्यक्ष	शास्त्री, प्रथम
4	शान्ती सुब्बा	सचिव	शास्त्री, प्रथम

संक्षिप्त इतिहास

हमारे संस्थान का बाहरी पड़ोस ऐसे क्षेत्र में है जहां अधिकांश लोग सिगरेट, ड्रग्स और शराब के नशे में अड़ियल होते हैं, इसलिए हमारे प्रोफेसर को लगा कि यह छात्रों पर प्रभाव डाल सकता है, इसलिये उन्होंने यह समिति बनाई। समदोंग रिनपोचे की मंजूरी के तहत, यह समुदाय 1986 में स्थापित किया गया था।

इस समिति का मुख्य उद्देश्य है:

1) हमारे संस्थान के छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी प्रदान करना।
2) सामाजिक गतिविधियों को प्रदान करना।
3) पर्यावरण की सुरक्षा करना।
4) उन लोगों को नकारात्मक बनाना जो नशा, शराब और सिगरेट पीते हैं।

2023 में VCSS द्वारा प्रदत्त वार्षिक रिपोर्ट:

1. 21 सितंबर 2022 - हमने हमारे श्रेष्ठ प्रोफेसर स्व. लोबसांग नोर्बू शास्त्री के लिए एक प्रार्थना का आयोजन किया और साथ ही पेड़ लगाए।
2. 18 अक्टूबर 2022 - हम VCSS ने NACC दौरे के दौरान भाग लिया।

3. 4 और 5 जनवरी 2023 - हमें बोधगया में दलाई लामा इंस्टीट्यूट फॉर बुद्धिस्ट फिलॉसफी बिहार के उद्घाटन के दौरान सामाजिक सेवाएं प्रदान करने का मौका मिला।

6. जानवरों के लिए वर्न स्वैच्छिक समिति

यह समिति 2018 में सस्थानीय स्वर्ण जयंती के दौरान भूतपूर्व छात्र रीनछेन लहनजे के मार्गदर्शन में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र अङ् दोरजे शेर्पा और उनके कुछ मित्रों द्वारा स्थापित की गयी है। इस समिति के गठन का मुख्य उद्देश्य, घायल जानवरों को चिकित्सा इलाज देना है। जैसे आवारा कुत्ता एवं अन्य जानवर जो पालतू नहीं हैं। यह समिति जानवरों के हित के लिए कार्यरत है। वर्तमान में इसके सलाहकार गेशे नवाङ् तेनफेल जी हैं।

समिति के सदस्य:-

क.सं.	नाम	पद	कक्षा
1.	जङछुप छोमो	अध्यक्ष	शास्त्री प्रथम वर्ष
2.	पेमा टाशी	सदस्य	बी.ए.बी.ऐट 2
3.	तेनजिन छोइयिङ	सदस्य	शास्त्री प्रथम वर्ष
4.	छेरिङ वङछु	सदस्य	बी.ए.बी.ऐट 2

परिशिष्ट-1

संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें मानद उपाधि से सम्मानित विशिष्ट विद्वानों की सूची

विशेष दीक्षान्त समारोह	परम पावन दलाई लामा	14-01-1990	वाचस्पति
पहला	1. श्री पी.वी. नरसिम्हा राव	19-02-1990	वाक्पति
	2. भिक्षु लोबुगामा लंकनन्दा महाथेरो, श्रीलंका	19-02-1990	वाक्पति
	3. भिक्षु खेनपो लामा गादेन, मंगोलिया	19-02-1990	वाक्पति
दूसरा	1. डॉ. राजा रमन्ना	15-07-1991	वाक्पति
	2. प्रो. जी.एम. बोनगार्ड लेविन, रूस	15-07-1991	वाक्पति
तीसरा	1. डॉ. जी. राम रेड्डी, चेयरमैन, यू.जी.सी.	08-04-1993	वाक्पति
	2. आचार्य तुलसी महाराज	08-04-1993	वाक्पति
चौथा	1. एच.एच. सक्या ठ्रिजिन रिनपोछे	16-04-1994	वाक्पति
पाँचवाँ	1. डॉ. एस.डी. शर्मा, राष्ट्रपति, भारत सरकार	21-08-1996	वाक्पति
	2. प्रो.के. सच्चिदानन्द मूर्ति	21-08-1996	वाक्पति
	3. प्रो. रल्फ बूल्टी जीन, श्रीलंका	21-08-1996	वाक्पति
छठाँ	1. डॉ. ए.आर. किदवई, राज्यपाल, बिहार	5-01-1998	वाक्पति
	2. प्रो. जी.सी. पाण्डेय	5-01-1998	वाक्पति
सातवाँ	1. डॉ. कर्ण सिंह	27-12-1998	वाक्पति
	2. डॉ. (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन	27-12-1998	वाक्पति
आठवाँ	1. प्रो. रामशरण शर्मा	31-10-1999	वाक्पति
	2. प्रो. रवीन्द्र कुमार	31-10-1999	वाक्पति
नवाँ	1. प्रो. डी.पी. चट्टोपाध्याय	25-12-2000	वाक्पति
	2. आचार्य एस.एन. गोयनका	25-12-2000	वाक्पति
दसवाँ	1. प्रो. विष्णुकान्त शास्त्री, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश	29-12-2001	वाक्पति
	2. प्रो. वी.आर. अनन्तमूर्ति	29-12-2001	वाक्पति
	3. गादेन ठ्रि रिनपोछे लोब्संग ञीमा	29-12-2001	वाक्पति
	4. डॉ. किरीट जोशी	29-12-2001	वाक्पति

ग्यारहवाँ	1. प्रो. मुरली मनोहर जोशी,		
	मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार	09-03-2003	वाक्पति
	2. प्रो. डेविड सेफॉर्ड रूइग, इंग्लैण्ड	09-03-2003	वाक्पति
बारहवाँ	1. श्री बलराम नन्दा	18-02-2005	वाक्पति
	2. श्री जे.एस. वर्मा, न्यायाधीश	18-02-2005	वाक्पति
तेरहवाँ	1. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम		
	पूर्व राष्ट्रपति, भारत सरकार	06-03-2008	वाक्पति
	2. प्रो. सुलक शिवरक्श	06-03-2008	वाक्पति
चौदहवाँ	1. श्रीमती मीरा कुमार		
	अध्यक्ष, लोकसभा	17-03-2012	वाक्पति
	2. प्रो. रोबर्ट थरमन	17-03-2012	वाक्पति
	3. प्रो. लोकेश चन्द्र	17-03-2012	वाक्पति
पन्द्रहवाँ	1. आचार्य भिक्षु तिक-न्यात-हन्ह, वियतनाम	25.10.2018	वाक्पति
	2. विद्याश्रीशतीर्थस्वामी महाराज (डी. प्रह्लादाचार्य)	25.10.2018	वाक्पति
	3. श्रीमती जेचुन पेमा	25.10.2018	वाक्पति

परिशिष्ट-2

सोसायटी के सदस्य (दिनांक 31-3-2023)

क्रमांक	नाम	पद
1	सचिव संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2	कुलपति के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
3	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4	प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल कुलपति महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र - 442001	सदस्य
5	प्रो. बैद्यनाथ लाभ कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा (बिहार)	सदस्य
6	प्रो. भाइचुंग छिरिंग भूटिया एसोसिएट प्रोफेसर सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम	सदस्य
7	प्रो. लल्लन प्रसाद सिंह 142, महाराजा अपार्टमेंट, द्वारका, नई दिल्ली	सदस्य
8	डॉ. नमिता निम्बालकर एसोसिएट प्रोफेसर दर्शन विभाग, मुंबई विद्यापीठ (विश्वविद्यालय), मुंबई	सदस्य
9	श्री मृत्युञ्जय बेहेरा आर्थिक सलाहकार ,शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
10	गेशे ल्हकदर निदेशक, लाइब्रेरी ऑफ़ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला, (हि.प्र.)	सदस्य

11	गेशे दोर्जे दमडुल निदेशक, तिब्बत हाउस, 1, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
12	श्री नवीन श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव (ईस्ट एशिया) परराष्ट्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
13	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
14	डॉ. अनिर्वाण दास एसोसिएट प्रोफेसर केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
15	डॉ. ल्हक्पा छेरिंग असिस्टेंट प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
16	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	गैर-सदस्य सचिव

परिशिष्ट-3

प्रबन्ध परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2023)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	गेशे ल्हकदर निदेशक लाइब्रेरी ऑफ़ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला, (हि.प्र.)	सदस्य
3	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4	श्री नवीन श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव (ईस्ट एशिया) परराष्ट्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
5	वित्तीय सलाहकार / प्रतिनिधि संस्कृति मंत्रालय (आइ.एफ.डी.) सी-विंग, तीसरी मंजिल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
6	प्रो. राणा पुरुषोत्तम कुमार सिंह प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, बिहार	सदस्य
7	प्रो. राजीव कुमार सिन्हा अध्यक्ष, इतिहास विभाग, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार	सदस्य
8	प्रो. अमरजीव लोचन एसोसिएट प्रोफेसर शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य

9	प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी अध्यक्ष, शब्द विद्या संकाय केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
10	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
11	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	गैर-सदस्य सचिव

परिशिष्ट-4

विद्वत् परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-03-2023)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. गेशे एन. समतेन कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	अध्यक्ष
2.	प्रो. लालजी श्रावक डिपार्टमेन्ट ऑफ पालि एण्ड बुद्धिस्ट स्टडीज बी.एच.यू., वाराणसी।	सदस्य
3.	प्रो. जे.एस. त्रिपाठी डिपार्टमेन्ट ऑफ काय चिकित्सा आयुर्वेद संकाय, आई.एम.एस. बी.एच.यू., वाराणसी।	सदस्य
4.	प्रो. डब्ल्यू. डी. नेगी प्रोफेसर, मूलशास्त्र केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
5.	प्रो. यू.सी. सिंह प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
6.	प्रो. डी.डी. चतुर्वेदी प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग संकायाध्यक्ष, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
7.	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, साक्य सम्प्रदाय एवं अध्यक्ष, सम्प्रदाय शास्त्र विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य

8.	भिक्षु तेन्जिन नोर्बू अध्यक्ष, मूलशास्त्र विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
9	भिक्षु सी.जी.एस. फुनछोग ञिङ्मा अध्यक्ष, बोन सम्प्रदाय विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
10.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय शिक्षक शिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
11.	भिक्षु ल्हक्पा छेरिंग अध्यक्ष, तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
12.	डॉ. अमित मिश्रा अध्यक्ष, समाज शास्त्र विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
13.	डॉ. टाशी दावा अध्यक्ष, सोवा रिग्पा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
14.	डॉ. जम्पा छोफेल अध्यक्ष, भोट ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
15.	डॉ. शुचिता शर्मा अध्यक्ष, टी.टी.पी. विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य

16. डॉ. दोर्जे दमडुल — सदस्य
सह आचार्य, सोवा-रिग्पा विभाग,
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,
सारनाथ, वाराणसी।

17. गेशे लोब्संग वंगड्रक — सदस्य
सहायक आचार्य, मूलशास्त्र विभाग
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,
सारनाथ, वाराणसी।

18. भिक्षु डक्पा सेंगे — सदस्य
सह आचार्य, सम्प्रदाय शास्त्र विभाग
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,
सारनाथ, वाराणसी।

19. डॉ. अनुराग त्रिपाठी — सदस्य
सहायक आचार्य, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,
सारनाथ, वाराणसी।

20. डॉ. उर्ग्येन — सदस्य
सहायक आचार्य, तिब्बती इतिहास,
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,
सारनाथ, वाराणसी।

21. डॉ. टशी छेरिंग (जे) — सदस्य
सह आचार्य, भोट ज्योतिष
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,
सारनाथ, वाराणसी।

22. डॉ. महेश शर्मा — सदस्य
सहायक आचार्य, आई.क्यू.ए.सी.
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,
सारनाथ, वाराणसी।

परिशिष्ट-5

वित्त समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2023)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	निदेशक (एकीकृत वित्त प्रभाग) संस्कृति मंत्रालय (आई.एफ.डी.) भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
3	प्रतिनिधि (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, द्वितीय तल, डी-ब्लॉक, पुरातत्त्व भवन, जी.पी.ओ. कम्पलेक्स, आई.एन.ए., नई दिल्ली-23	सदस्य
4	डॉ. एस. पी. माथुर कुलसचिव आई.आई.टी., बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
5	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-6

योजना एवं प्रबोधक परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2023)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
3	वित्तीय सलाहकार संस्कृति मंत्रालय (आइ.एफ.डी.) सी-विंग, तीसरी मंजिल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
4	प्रो. लोब्जंग तेन्जिन सोवा रिग्पा विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
5	प्रो. बैद्यनाथ लाभ कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, बिहार	सदस्य
6	प्रो. भुवन चन्देल सेंटर फॉर स्टडीज़ इन सिविलाइज़ेशन डी.डी.-16, कालकाजी (नेहरू एनक्लेव के समीप नई दिल्ली - 110019	सदस्य

परिशिष्ट-7

प्रकाशन समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2023)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. गेशे एन. समतेन कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	अध्यक्ष
2.	कुलसचिव, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
3.	प्रो. लोसंग तेनज़िन केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
4.	प्रो. प्रद्युम्न दुबे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।	सदस्य
5.	प्रो. पी. पी. गोखले केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
6.	प्रो. आर. के. द्विवेदी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।	सदस्य
7.	ग्रन्थालयाध्यक्ष शान्तरक्षित ग्रन्थालय, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
8.	सम्पादक पुनरुद्धार विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य

9.	सम्पादक अनुवाद विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
10.	श्री सङ्ग्ये तेन्दर अध्यक्ष, तिब्बती प्रकाशन, लाइब्रेरी ऑफ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला (हि.प्र.)।	सदस्य
11.	प्रकाशन प्रभारी केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य-सचिव

Contents

Chapters	Page Nos.
1. A Brief Profile of the Institute	3
2. Faculties and Academic Departments	10
3. Research Departments	77
4. Shantarakshita Library	113
5. Administration	126
6. Activities	137

Appendices	
1. List of Convocations Held and Honoris Causa Degrees Conferred on Eminent Persons by CIHTS	204
2. List of Members of the CIHTS Society	206
3. List of Members of the Board of Governors	208
4. List of Members of the Academic Council	210
5. List of Members of the Finance Committee	213
6. List of Members of the Planning and Monitoring Board	214
7. List of Members of the Publication Committee	215

Editorial Committee

Chairman:
Prof. Dharma Dutt Chaturvedi
Professor,
Dean, Faculty of Shabdavidya,
Head, Department of Classical and
Modern Languages

Members:
Geshe Tenzin Norbu
Assistant Professor,
Dept. of Moolshastra

Dr. Lhakpa Tsering
Assistant Professor (Tibetan)
Dept. of Tibetan Language

Dr. Anurag Tripathi
Assistant Professor (Hindi)
Dept. of Classical & Modern Languages

Dr. Jyoti Singh
Assistant Professor (Hindi)
Dept. of Classical & Modern Languages

Geshe Ngawang Tenphel
Assistant Professor (Gelug Sampradaya)

Dr. Jasmeet Gill
Guest Faculty (English)
Dept. of Classical & Modern Languages

Dr. P. Sushmita Vatsyayan
Guest Faculty (English)
Dept. of C.T.E.

Shri Lobsang Wangdu
Professional Assistant,
Shantarakshita Library

Member Secretary:
Shri Deepankar
Personal Assistant (Registrar)

1. A BRIEF PROFILE OF THE INSTITUTE

The **Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS)** at Sarnath is one of its kind in the country. The Institute was established in 1967. The idea of the Institute was mooted in course of a dialogue between Pandit Jawaharlal Nehru, the first Prime Minister of India and His Holiness the Dalai Lama with a view to educating the young Tibetan in exile and those from the Himalayan regions of India, who have religion, culture and language in common with Tibet.

In the beginning, Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) began functioning as a constituent wing of the Sampurnananda Sanskrit University, and eventually emerged as an autonomous body in 1977 under the Department of Culture of Ministry of Education, Government of India. The Institute's unique mode of functioning was duly recognized, and on the recommendation of the University Grants Commission, the Government of India bestowed upon it the status of a **'Deemed University', under Section 3 of the UGC Act 1956 on the 5th of April, 1988.** Ven. Prof. Samdhong Rinpoche was the first Director of the Institute, who continued his office till 2000. Presently, the Hon'ble Culture Minister, Government of India, Ministry of Culture, is the Chancellor of the Institute. Professor Geshe Ngawang Samten is the present Vice-Chancellor. Under his able leadership and with the support of the learned faculty-members, the Institute is on its march towards achieving further excellence in the fields of Tibetology, Buddhology and Himalayan Studies.

Besides the regular academic projects, the Institute is furthering various research programmes by in-house scholars, and visiting fellows from other academic institutions of India and abroad. CIHTS provides a large platform for interaction between the Buddhist and other philosophical schools of India, and also between the Buddhist and the Western philosophers and scientists. In recognition of this, the Institute has been collaborating with and conducting exchange programmes with many academic institutions as well as organizations around the world.

Projects Envisioned

The Institute has envisaged projects jointly by eminent scholars under the guidance of His Holiness the Dalai Lama and the Government of India, to cover the following objectives for over four decades:

- To preserve Tibetan culture and tradition,
- To restore ancient Indian science and literature preserved in the Tibetan language, but lost in originals,

- To offer an alternative educational facility to students from the Tibetan diaspora and the Indian Himalayan border areas those who formerly used to avail themselves of the opportunity of receiving higher education in Tibet,
- To impart education in traditional subjects within the framework of a modern Institute system with provision for award of degrees in Tibetan studies and
- To impart education on modern disciplines along with Buddhism and Tibetan studies for the inculcation of moral values with a view to developing an integrated personality.

The academic and research projects of the Institute are carried out through the following Faculties and Departments:

(1) ACADEMICS

A. Faculty of Hetu and Adhyatma Vidya

I. Department of Moolshastra
II. Department of Sampradaya Shastra
III. Department of Bon Sampradaya Shastra

B. Faculty of Shabda Vidya

I. Department of Sanskrit
II. Department of Tibetan Language and Literature
III. Department of Classical and Modern Languages
IV. Department of Education

C. Faculty of Adhunika Vidya

I. Department of Social Sciences

D. Faculty of Shilpa Vidya

I. Department of Tibetan Traditional Painting
II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft

E. Faculty of Sowa Rigpa and Bhot Jyotish Vidya

I. Department of Sowa Rigpa
II. Department of Bhot Jyotish Vidya

(2) RESEARCH DEPARTMENTS

A. Restoration Department
B. Translation Department
C. Rare Buddhist Texts Research Department
D. Dictionary Department
E. Centre for Tibetan Literature

(3) SHANTARAKSHITA LIBRARY

A. Acquisition and Technical Section

B. Periodical and Reference Section

C. Tibetan Section

D. Circulation

E. Stack Section

F. Multimedia Section

G. Computer Section

H. Maintenance Section

(4) ADMINISTRATION

A. Administration Section I

B. Administration Section II

C. Examination Wing

D. Maintenance Wing

E. Accounts Wing

F. Publication Wing

The academic and research activities detailed above are illustrated in the organisational chart given below:

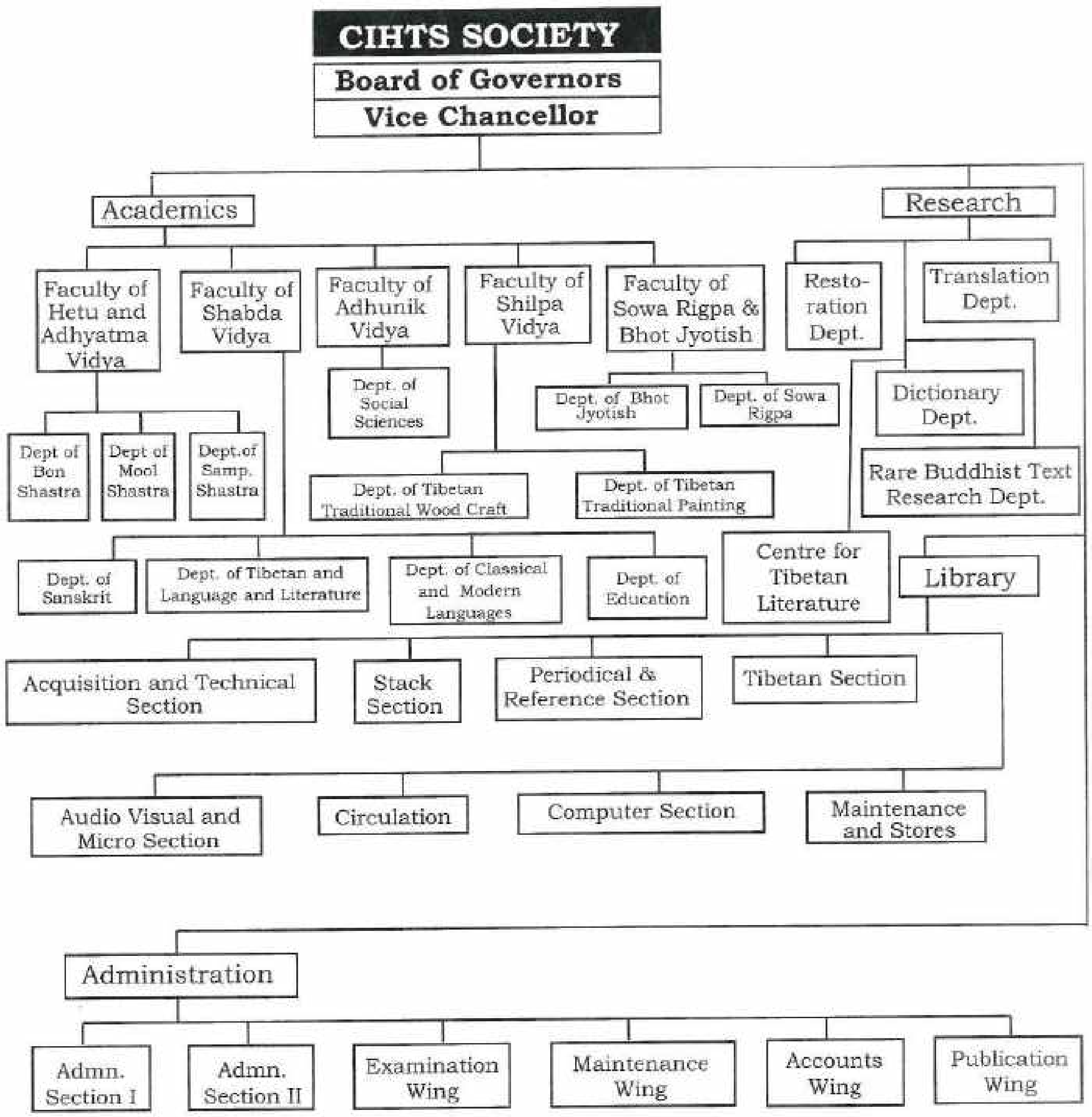

Teaching : Enrolment and Examination 2022-23

The Institute enrolls students for various courses of studies and holds examinations. The results of various courses for the year 2022-23 are shown in the following table.

Odd Semester Examination (Session 2022-2023)

Class	No. of Exam Forms Received	No. of Absent Students	No. of Enrolled Students	No. of Failed Students	No. of Passed Students
P.M. 1st Semester	44	00	44	02	42
P.M. 3rd Semester	31	01	30	00	30
U.M. 1st Semester	32	00	32	03	29
U.M. 3rd Semester	36	00	36	00	36
Shastri 1st Semester	24	02	22	00	22
Shastri 3rd Semester	22	01	21	00	21
Shastri 5th Semester	34	01	33	00	33
Acharya 1st Semester (B.P.)	11	00	11	00	11
Acharya 1st Semester (T.L.)	04	00	04	00	04
Acharya 1st Semester (T.H.)	02	00	02	00	02
Acharya 3rd Semester (B.P.)	12	00	12	00	12
Acharya 3rd Semester (T.L.)	03	00	03	00	03
Acharya 3rd Semester (T.H.)	03	00	03	00	03
Fine Arts U.M. 1st Semester	06	00	06	00	06
Fine Arts U.M. 3rd Semester	04	01	03	00	03
BFA 1st Semester	01	00	01	00	01
BFA 3rd Semester	04	01	03	00	03
BFA 5th Semester	07	00	07	00	07
M.F.A. 1st Semester	01	00	01	00	01
M.F.A. 2nd Semester	02	00	02	00	02
Bhot Jyotish U.M. 1st Semester	01	00	01	00	01
Sowa Rigpa U.M. 3rd Semester	09	00	09	01	08
Bhot Jyotish 5th Semester	01	00	01	00	01
BSRMS 1st Year	15	01	14	01	13

BSRMS 5th Year 1st Sem.	11	00	11	00	11
B.Ed 1st Semester	22	00	22	00	22
B.Ed. 3rd Semester	21	00	21	00	21
B.A. B.Ed. 1st Semester	15	03	12	03	09
B.A. B.Ed. 2nd Semester	20	00	20	00	20
B.A. B.Ed. 3rd Semester	08	00	08	00	08
B.A. B.Ed. 4th Semester	08	00	08	00	08
Computer 1st Semester	11	06	05	00	05
Computer 3rd Semester	05	01	04	00	04
Computer 1st Semester	06	00	06	00	06
Computer 3rd Semester	04	00	04	00	04
Total Strength	**440**	**18**	**422**	**10**	**412**

Even Semester Examination (Session 2022-2023)

Class	No. of Exam Forms Received	No. of Absent Students	No. of Enrolled Students	No. of Failed Students	No. of Passed Students
P.M. II Semester	49	--	49	04	45
P.M. IV Semester	32	--	32	--	32
U.M. II Semester	31	--	31	01	30
U.M. IV Semester	38	--	38	02	36
Shastri II Semester	22	--	22	02	20
Shastri IV Semester	21	01	20	02	18
Shastri VI Semester	32	--	32	--	32
Acharya (B.P.) II Semester	11	--	11	--	11
Acharya (T.L.) II Semester	04	--	04	--	04
Acharya (T.H.) II Semester	02	--	02	--	02
Acharya (B.P.) IV Semester	12	--	12	--	12
Acharya (T.L.) IV Semester	02	--	02	--	02
Acharya (T.H.) IV Semester	03	--	03	--	03
Fine Arts U.M. II Semester	05	01	04	--	04

Fine Arts U.M. IV Semester	03	--	03	--	03
B.F.A. II Semester	01	--	01	--	01
B.F.A. IV Semester	03	--	03	--	03
B.F.A. VI Semester	07	--	07	--	07
M.F.A. II Semester	01	--	01	--	01
M.F.A. IV Semester	02	--	02	--	02
Bhot Jyotish U.M. II Semester	03	--	03	--	03
Sowa Rigpa U.M. IV Semester	08	--	08	--	08
Bhot Jyotish Shastri VI Semester	01	--	01	01	00
BSRMS 3rd Year	14	--	14	05	09
BSRMS 5th Year	11	--	11	00	11
B.Ed. II Semester	22	--	22	--	22
B.Ed. IV Semester	21	--	21	--	21
B.A. B.Ed. II Semester	11	--	11	--	11
B.A. B.Ed. IV Semester	19	--	19	--	19
B.A. B.Ed. VI Semester	08	--	08	--	08
B.A. B.Ed. VIII Semester	08	--	08	--	08
Computer II Sem.	03	--	03	--	03
Computer IV Sem.	07	--	07	02	05
Computer II Sem	06	--	06	---	06
Computer IV Sem.	02	--	02	--	02
Total strength	**425**	**02**	**423**	**19**	**404**

2. FACULTIES

The academic function of the Institute is mainly concerned with teaching and research. The Institute was granted the status of 'Deemed to be University' by the Government of India in 1988 and since then it has been awarding its own Certificates, Diplomas and Degrees for the courses of studies conducted by it.

The Institute offers Shastri (B.A.), Acharya (M.A.), M.Phil., Ph.D. and BSRMS degrees in Buddhist Studies, Tibetan Medicine, Astrology, Tibetan Painting and Woodcarving. Students are enrolled for the courses at the Secondary School Level (equivalent to Grade 9). They are required to complete four year's Pre-University education, before entering rigorous traditional training combined with modern pedagogy at the University level.

Through an integrated course of nine years of Buddhist Studies programme from Secondary School to Acharya, students study Tibetan, Sanskrit, Hindi, English, Indian Buddhist texts, Tibetan commentaries and other treatises. The indigenous Tibetan Bon tradition is also taught parallelly with Buddhist studies. Besides, students are taught such subjects as Pali, Asian History, Economics and Political Science.

Students of the Sowa-Rigpa study the theory and practice of traditional Tibetan medicine as well as modern Western pathology, anatomy and physiology, and receive complete clinical training so as to qualify them to practice Tibetan medicine.

Students of Tibetan fine arts learn Thanka painting and Tibetan woodcarving along with subjects like Buddhist philosophy, Tibetan Language and Literature, English Language and History of Arts and Aesthetics.

Methodology and Approach in Teaching

The various courses of studies are designed keeping in view the educational needs emanating from the objectives laid down for the Institute. Course designing is carried out on the suggestions of the Faculties, approval of the Board of Studies, which consists of subject experts, and final approval by the Academic Council and the Board of Governors.

Examination and Evaluation

Students enrolled in any of the courses of studies conducted by the Institute are required to have at least 85% attendance to be eligible to appear for the examinations. The examinations are conducted Semester-wise.

The statistics of entrance examination results of students enrolled in various courses for the year is shown through the following chart:

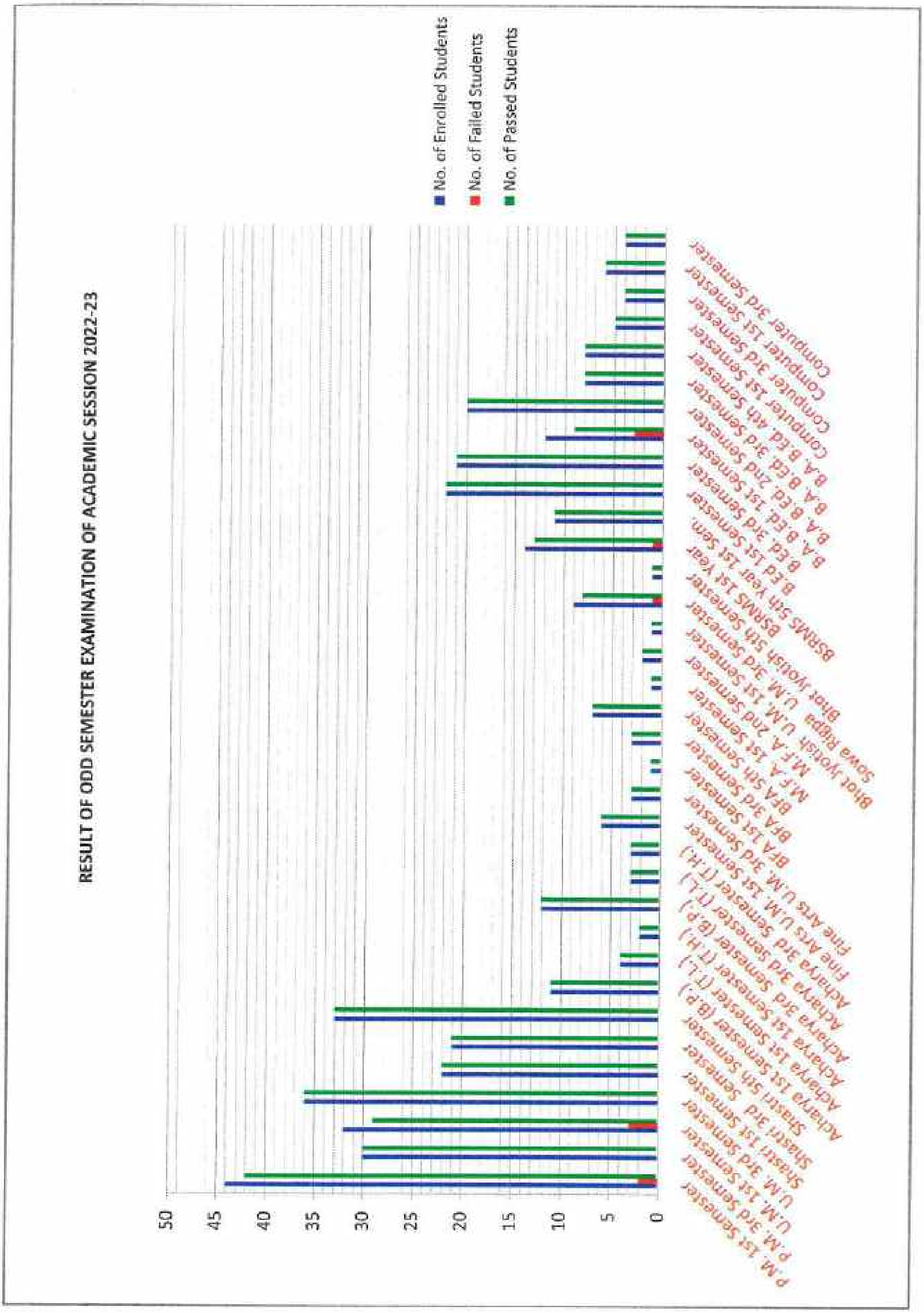
RESULT OF ODD SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2022-23
50
45
40
35
30
25
20
15
10
5
0
No. of Enrolled Students
No. of Failed Students
No. of Passed Students
P.M. 1st Semester
P.M. 3rd Semester
U.M. 1st Semester
U.M. 3rd Semester
Shastri 1st Semester
Shastri 3rd Semester
Shastri 5th Semester
Acharya 1st Semester (B.P.)
Acharya 1st Semester (T.L.)
Acharya 1st Semester (T.H.)
Acharya 3rd Semester (B.P.)
Acharya 3rd Semester (T.L.)
Acharya 3rd Semester (T.H.)
Fine Arts U.M. 1st Semester
Fine Arts U.M. 3rd Semester
BFA 1st Semester
BFA 3rd Semester
BFA 5th Semester
M.F.A. 1st Semester
M.F.A. 2nd Semester
Bhot Jyotish U.M. 1st Semester
Sowa Rigpa U.M. 3rd Semester
Bhot Jyotish 5th Semester
BSRMS 1st Year
BSRMS 5th Year
B.Ed 1st Sem.
B.Ed. 3rd Semester
B.A. B.Ed. 1st Semester
B.A. B.Ed. 2nd Semester
B.A. B.Ed. 3rd Semester
B.A. B.Ed. 4th Semester
Computer 1st Semester
Computer 3rd Semester
Computer 1st Semester
Computer 3rd Semester

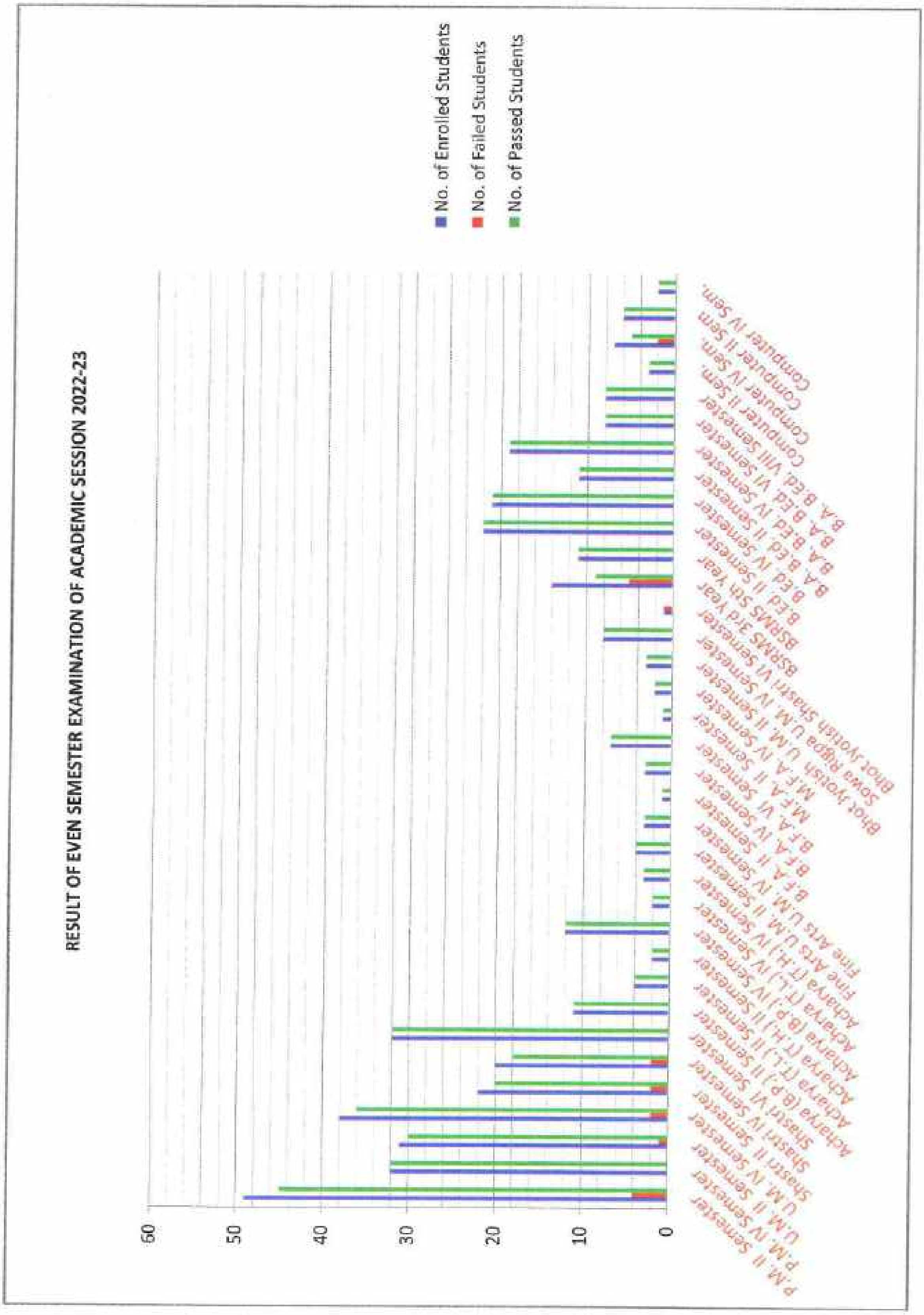
RESULT OF EVEN SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2022-23
60
50
40
30
20
10
0
No. of Enrolled Students
No. of Failed Students
No. of Passed Students
P.M. II Semester
P.M. IV Semester
U.M. II Semester
U.M. IV Semester
Shastri II Semester
Shastri IV Semester
Shastri VI Semester
Acharya (B.P.) II Semester
Acharya (T.L.) II Semester
Acharya (T.H.) II Semester
Acharya (B.P.) IV Semester
Acharya (T.L.) IV Semester
Acharya (T.H.) IV Semester
Fine Arts U.M. II Semester
Fine Arts U.M. IV Semester
B.F.A. II Semester
B.F.A. IV Semester
B.F.A. VI Semester
M.F.A. II Semester
M.F.A. IV Semester
Sowa Rigpa U.M. II Semester
Bhot Jyotish U.M. IV Semester
Bhot Jyotish Shastri VI Semester
BSRMS 3rd Year
BSRMS 5th Year
B.Ed. II Semester
B.Ed. IV Semester
B.A. B.Ed. II Semester
B.A. B.Ed. IV Semester
B.A. B.Ed. VI Semester
B.A. B.Ed. VIII Semester
Computer II Sem.
Computer IV Sem.
Computer II Sem.
Computer IV Sem.

DETAILS OF FACULTY RESOURCES AND ACTIVITIES

A. FACULTY OF HETU EVAM ADHYATMA VIDYA

Prof. Wangchuk Dorjee Negi - Dean

I. Department of Mool Shastra

The objective of this Department is to preserve and promote Buddhist philosophy and its culture and enable oneself to understand the profound philosophy and the true meaning and purpose of life and to help other fellow-beings to make this world a better place to live in not only for the humans, but also for all sentient beings. The emphasis is not only on the betterment of one's own living but also on inculcating the essence of compassion and peace in oneself and to promote it in the world.

This Department, in addition to imparting teaching of Buddhist Philosophy, Epistemology, Nyaya and Psychology, carries out research on the works of Indian Buddhist seers of yore like Nagarjuna, his disciples and the Mahasiddhas.

Faculty Members:

(1)	Prof. Wangchuk Dorjee Negi	-	Professor
(2)	Geshe Tenzin Norbu	-	Assistant Professor & Head
(3)	Geshe Lobsang Wangdrak	-	Assistant Professor
(4)	Geshe Lobsang Tharkhey	-	Guest Lecturer
(5)	Lopon Tsultrim Gyurmey	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Prof. Wangchuk Dorjee Negi

1. 02 December 2021 to 12 April 2022 : Assumed additional charge of Vice Chancellor, In-Charge, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
2. 6 May 2022 : Participated in the Expert Advisory Committee Meeting for Financial Grant Scheme for Tibetan Buddhist Cultural Institutions/Arts for 2021-2022 of BTI, Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi.
3. September 2022 : *Buddhism: Science of Mind*, a chapter was published in the edited book *Dhamma-Anusilana*, Published by D.K Printworld, Delhi.
4. 18-20 October 2022 : As the Dean of Faculty of Hetu Evam Adhyatma Vidya, made a ppt presentation of the faculty during the NAAC Peer Team Visit to the Institute.
5. 24 November 2022 : Completed a bi-weekly teaching on Atisha's *Bodhipathpradipa* to a Himalayan Group through *WhatsApp* organized by Ven. Stanzin Gyatso of Thiksey Monastery, Ladakh which started from 02 December 2021.
6. 14 December 2022 : Participated in the Jury Meeting of the Award for the Promotion of Buddhist Studies (2022-23) instituted by Indian Council for

Cultural Relations (ICCR), Ministry of External Affairs, Govt. of India, New Delhi.

7. 29 December 2022 to 1 January 2023 : Attended His Holiness the Dalai Lama's Teachings in Bodh Gaya.
8. 2 to 11 January 2023 : Writing Retreat - writing a paper on the *Origin of Tara* - in Odantapuri, Bihar Sharif, Bihar.
9. 12 to 23 January 2023 : Attended a 10 Day Vipassana Retreat Course in Bodh Gaya, Bihar.
10. 10 March 2023 : Started giving online teaching through WhatsApp group on the text *'Six Sessions Guru Yoga'* to the group from Ladakh and other Himalayan regions on their request.
11. 25 March 2023 : Participated in the Indo-Sri Lanka Intercultural Festival - 2023 at the Nagananda International Institute for Buddhist Studies, Colombo, Sri Lanka in collaboration with the High Commission of India.
12. 17-24; 26-29 March 2023 : Field visit to prominent Buddhist Pilgrimage Sites in Sri Lanka for my Book Project on "Buddhist Pilgrimage Sites in India and Neighboring Countries".

Member of Bodies:

1. Member, Finance Committee, Central Institute of Buddhist Studies, Leh, Ladakh.
2. Member, Board of Management, Central Institute of Buddhist Studies, Leh, Ladakh.
3. Member, Jury - ICCR-Award for Promotion of Buddhist Studies, Ministry of External Affairs, Govt. of India.
4. Member, Expert Advisory Committee for Financial Assistance Scheme for the Preservation and Development of Tibetan Buddhist Organizations, Ministry of Culture, Govt. of India.
5. Director, Research and Development Cell, CIHTS, Sarnath.
6. Member, Academic Council, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
7. Member, Academic Council, Nyingma Institute, Sikkim (Affiliated to SSVV, Varanasi).
8. Member, Academic Council, Drikung Kagyu College, Dehradun (Affiliated to SSVV, Varanasi).
9. Member, Research Degree Award Committee, Faculty of Shraman Vidya Faculty, Sampurnanand Sanskrit Visva Vidyalaya, Varanasi.
10. Member, Educational Advisory Committee, Drikung Kagyu College, Dehra Dun (Affiliated to SSVV, Varanasi).
11. Member, RDC (Research Development Committee) - Buddhist Studies, Department of Buddhist Philosophy, Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, Sanchi, M.P.

Geshe Lobsang Wangdrak

Administration and other Academic activities

1. 6 July 2022 : Participated in a one-day symposium on "universal responsibility" to observe and mark the 87th Birth Anniversary of H.H. the 14th Dalai Lama.
2. 15 August 2022 : Participated in contest on Importance of tribal heroes in freedom struggle'.

Geshe Tenzin Norbu

Administration and other Academic activities:

HOD and Assistant Professor in Moolshastra Department, President of Geluk Students' Welfare Committee.

Committee member:

1. 13 July 2022 : Appointed and taken the responsibility of presentation of debate Ashadha Purnima as the Dharmachakrapravartana Divas at Sarnath organized by government of India.
2. 12 Jan 2023 : Appointed as Chairman for the Riglam Test Evaluation of CTE.

Other academic activities:

1. 6 July, 2022 : Attended the symposium on the theme **"Universal Responsibilities"** on the 87th Birthday of His Holiness the 14th Dalai Lama at Atisha Hall.
2. 30 July 2022 : Attended the Inaugural Ceremony of the Two-day 'National Conference on 'National Education Policy: 2020' organized by CTE.
3. 11 September, 2022 : Attended the **Sowa Rigpa day celebration** at AP Guest House as per the Invitation from the Dean of Sowa Rigpa.
4. 28 September, 2022 : Taken the responsibility of **Mentorship programme** as per the Institute rules and became the mentor of 6 students to look after them on the field of education, discipline and so forth.
5. 6 Nov 2022 : Attended the 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies jointly organized by CIHTS & CIHTS ALUMNI.
6. 29 Dec 2022 to 20 Jan 2023 : Gave series of lectures on the text of Madhyamakavatara by Chandra Kirti on 30th Exchange Program between Five Colleges, Mass., USA and CIHTS in Varanasi.

Lopon Tsultrim Gyurmey

Academic activities:

1. 18 January, 2023 : Attended the lecture by Prof. Jay Garfield on "Between Abhinavagupta and Daya Krishna: KC Bhattacharyya on Other Minds" at Atisha Hall.
2. 6 July, 2022 : Attended the symposium on the theme "Universal Responsibilities" on the 87th Birthday of His Holiness the 14th Dalai Lama at Atisha Hall.

3. 6 November 2022 : Attended the 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies jointly organized by CIHTS & CIHTS ALUMNI.
4. 12-13 February 2023 : Delivered a talk on the establishments of Interdependence according to four Schools in Buddhist on Winter Senior Students' camp organized by SWA, CIHTS.
5. September 2022 to May 2023 : Been taking online classes of Abhidharma and Maitreya's Ornament for Clear Realization (abhisamayalamkara) for Songtsen Library, Dherahdhun as per their request.

II. Department of Sampradaya Shastra

One of the key ideas behind establishing the Institute was to teach the young-generation of the followers of the Tibetan Buddhist tradition, both ordained and lay students, all the four Tibetan Buddhist traditions at one time. Though monks can study Buddhist Philosophy in various monasteries, there is no place in the country where the facility for studying all the four Tibetan traditions is provided. Moreover, there is no opportunity for lay students to learn Buddhist religion and philosophy in a thorough manner. The Department conducts courses on Buddhist texts and the commentaries by Tibetan scholars. The Department conducts teaching and research in the following four traditions:

a. Kargyud School

(1)	Dr. Tashi Samphel	-	Associate Professor
(2)	Dr. Ramesh Chandra Negi	-	Associate Professor (In-charge, Dictionary Dept.)
(3)	Dr. Mehar Singh Negi	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Ven. Mehar Singh Negi

Academic activities related book publication:

1. Udana Pali Translated from Pali language to Tibetan.
2. Edited a Buddhist Philosophical book of Chenga Rinchen Jangchub entitled "Dam chos dGongpa gChig pa' rNam bShad Rin Po Che' gTer mDzod"

Seminars and workshops attended.

1. 24 April 2022 : Participated as a speaker in **International Buddhist Council** at Sarnath.
2. 6 July 2022 : Attended the symposium on the theme **"Universal Responsibilities"** on the 87th Birthday of His Holiness the 14th Dalai Lama at Atisha Hall.
3. 2 August 2022 : Participated as a speaker in summer workshop for newly admitted students on the topic of Introduction of **Kagyud linage and its Philosophy**. Organised by SWA.

4. 6 November 2022 : Participated as a speaker in Second International Conference on Tibetan and Himalayan Studies, organized by Alumni Association CIHTS.
5. 10-12 February 2023 : Participated as a speaker and co-organizing committee members of the International seminar on Multifaceted Aspects of Cultural & Historical Interaction between India and South East Asia jointly organized in Ghasidas Central University, Bilaspur, Chhattisgarh.

Committee member:

1. 4 to 6 November 2022 : Appointed for presentation of Traditional ritual during inauguration of 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies" and "Prof. S. Rinpoche's Teaching" and "Short Puja".

b. Sakya School

(1)	Dr. Tashi Tsering (S)	- Professor & Head (Sampradya Shastra)
(2)	Ven. Dakpa Sengey	- Associate Professor
(3)	Ven. Ngawang Zodpa	- Guest Lecturer
(4)	Shri Tsering Samdup	- Teacher Assistant
(5)	Lopon Ngawang Thokmey	- Guest Lecturer

Academic Activities:

Prof. Tashi Tsering (S)

1. Chief Vigilance Officer
2. Dean, Academic
3. Head of the Sampradaya Department
4. Library Incharge
5. Chief Coordinator of Academic Exchange Program
6. Member of Board of Governor
7. Society Member
8. Chairman of various committees such as Book Selection Committee etc.
9. Received Momento from Students Welfare Association of CIHTS for giving service for more than 25 years.
10. Tara Sadhana, written by Sakya Pandita and translated by me into English, Hindi and Sanskrit had been published in Dhih Journal, CIHTS, in May 2022.
11. Taught Buddhism to the participants of "Oberio Teacher Training Program in India from USA" during their four day stay at CIHTS, in July 2022.
12. My article on the subject of "Inter Religious Harmony (proving through logics)" had been published in the Dharma White Conch Journal, Dehradun, in July 2022.
13. Given speech on the subject of Universal Responsibility during the 87th birthday celebration of H.H. the Dalai Lama at CIHTS, 6th July 2022.

14. My translation of Sakya Religious History in English had been published by Sakya College, Dehradun, during their Golden Jubilee Celebration, in October 2022
15. My review on Dr. Animesh Prakash's publication of "Taming the Serpent King Nandopanana: History, Transmission and Translation of Pali and Tibetan Discourse" had been published by the Maha Bodhi Society of India, Kolkata, UGC Care Journal, in August 2022 ISSN: 0025 0406.
16. My article on the subject of "The Practice of Meditation" had been published by D.K. Print world Limited, New Delhi, in October 2022.
17. My article on the subject of differences between Svatantrika and Prasangika Madhyamaka School had been published by Sakya College, Dehradun, in October 2022.
18. My article on the subject of differences between Sakya and Gelug School had been published by Alumni Association of CIHTS, in November 2022.
19. 28-29 October 2022 : Participated and read paper during the seminar of "Fourth Council" organized by Sakya College, Dehradun which was inaugurated by H.H. Sakya Trichen and Meenakshi Lekhi Ji.
20. Done UGC MOOC Course Video Shooting of Buddhist Philosophy under MEA and MOE, Government of India. Modules were: Dependent Origination, Emptiness, Essence of Entry Into the Middle and Precious Garland.
21. 31 Oct. to 6 Nov. 2022 : Organized Vigilance Awareness Week at CIHTS.
22. 4-6 Nov. 2022 : Read paper in the International Seminar, organized by Alumni Association of CIHTS during 83rd birthday celebration of Prof. Samdhong Rinpoche.
23. Published my article on the subject of "Mindfulness, Dependent Origination and the Four Seals", in Dharmadoot, UGC Care Journal, by the Maha Bodhi Society of India, ISSN: 2347 3428.
24. 27-28 Dec. 2022 : Moderated and participated in Pali and Sanskrit International Bhikkhu Exchange Program 2022 organized by H.H the Dalai Lama's South East Asian Office held at Watpa, Bodhgaya.
25. Taught Buddhist Philosophy to the Academic Exchange Program students from USA.
26. 4-13 January 2023 : Given talk during the inaugural session of workshop for Tibetan Language Teachers from all over India on the topic of "Padagogy of Modern Science through Dialectics at CIHTS.
27. 10-12 Feb. 2023 : Participated in Three Day International Seminar at Pandit Dindayal Upadhyay University, Raipur, Chattisgarh.

Ven. Dakpa Sengey

Academic activities:

1. 2 Aug 2022 : Delivered lecture on *the Philosophy of the Sakya School of Tibetan Buddhism* during the workshop for PM 1st Year organized by the 50th Students' Welfare Association.

2. 28 September, 2022 : Taken responsibility of Mentorship programme as per the Institute rules and mentored 6 students from Shastri 3rd year as listed in the notice to look after them in the fields of education, discipline and overall individual growth.
3. Co-Guide to Rev. Tsewang Dorjee, Research Scholar CIB Leh Ladakh on the title: *Kunzhi la dbu sems gnyis kyi grangs nges tshul dang de dag la bod kyi chos rgyud cenpo bzhi' bzhedpa mthun min la dpyad pa.*
4. Guide to Ph.D. student Ven. Dechen Wangmo on her research title: *In what manner the term "Gotra" elucidated in Buddhist Philosophy and what is its Relevance in Equality?*
5. 30 Dec 2022 to 17 Jan. 2023 : Assigned to deliver lectures on *Bodhisattva-caryavatara* (Bodhisattvas' Way of Living) to the visiting students under the Academic Exchange Program.

Participation:

1. 13 July 2022 : Delegated to *Ashadha Purnima Conference on Dharmachakra-pravartana Divas* (Turning the Wheel of Dharma Sarnath, India organized by International Buddhist Confederation and Ministry of Culture as symbolic of chronology *Azadi ka Amrit Mahotsav.*
2. 13 July, 2022 : Attended Dharma Chakra Pravartana sutra ceremony of Dharmachakrapravartana Divas.
3. 25 to 30 Oct 2022 : Invited as the Chairperson of the Grand Tibetan Seminar: *The Council on the Tenets of Sakya Tradition* during the 50th Anniversary of the founding of the Sakya College at Dehradun.
4. 4 to 6 Nov, 2022 : Attended a 3 day program of Prof. S. Rinpoche's teaching on *Path of three persons shown in Bodhisattvacaryavatara at the* 2nd International Conference of CIHTS Alumni on *Tibetan & Himalayan Studies.*
5. 4-6 November 2022 : Participated in International Conference on *Tibetan & Himalayan Studies* organized by Alumini Association of CIHTS and Central Institute of Higher Tibetan Studies Sarnath Varanasi.
6. 18 Jan, 2023 : Attended lecture by Prof. Jay Garfield on *"Between Abhinavagupta and Daya Krishna: KC Bhattacharyya on Other Minds"* at Atisha Hall.

Minor Projects

1. Published abstract of the article "*Views on the Buddha Nature by Lord Rontong, et al*" in the publication of 'A Tsadra Foundation Initiative' and Shechen Monastery, Kathmandu Nepal.
2. 25 to 30 Oct. 2022 : Published article "*Views of Madhyamika and Cittamatrins' on the Nature of Mind*" in the publication of 'Splendiferous 50 Years 1972-2022' by Sakya College Dehradun India, during its 50th Anniversary of the founding of the Sakya College, Dehradun.

Nominated for member of the committees:

1. 15 July, 2022 : Nominated as member of Admission Committee for Academic session 2022-2023.

2. 26 Jul 2022 : Appointed as one of the teachers for Boudh Darshan PM 1st year, Fine Arts UM 1st year and Bhot Jyotish UM 1st year classes commenced for the academic session 2022-2023.
3. 2 August, 2022 : Appointed as Scrutiny Committee of 1st & 2nd Semester.
4. 28 September 2022 : Elected as the President of SSU for 2022-2023.
5. Nominated as member of team for organizing Maha-Shastrartha (Philosophical Dialectic Debate) presentation during the NAAC Peer team visit to the Institute in November 2022.
6. Nominated as member of the Departmental Research Committee (DRC) 2022-23.
7. Nominated as member of Riglam (Philosophical Debate) Test Evaluation "Pedagogy of Modern Subjects through Dialectics 2022-23.
8. Nominated as member of kanthas vak-pariksha (annual oral test) 2022-2023.

c. Nyingma School

(1)	Khenpo Sanga Tenzin	-	Assistant Professor
(2)	Ven. Sonam Dorjee	-	Guest Lecturer
(3)	Khenpo Ogyen Jampa	-	Guest Lecturer
(4)	Pelzang Thargye Gurug	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Khenpo Sanga Tenzin

Nominated for the committee member:

1. Nominated as the member of the Moderation Board for the subject of Nyingma Sampradaya, 2022.
2. 2 August, 2022 : Appointed as Scrutiny Committee of 1st & 2nd Semester and Prize Distribution Committee.
3. 15 August, 2022 : Appointed as organizing committee of a contest on 'Importance of Tribal Heroes in freedom struggle' among students in Atisha Hall.
4. 12 January 2023 : Appointed teachers committee member of Riglam Test Evaluation at Nalanda Bhaban of the institute. To evaluate the Participants participating in "Pedagogy of Modern Subject through Dialectics".
5. 1 March 2023 to 15 March, 2023 : Appointed to talk for first Professional BSRMS, prescribed by National commission for Indian System of Medicine, the Department of Sowa-Rigpa organize 15 days induction Programme for BSRMS.

Khenpo Ogyen Jampa

Academic Activities:

1. 28 September, 2022 : Taken the responsibility of Mentorship programme as per the Institute rules and became the mentor of 6 students to look after them on the field of education, discipline and so forth.

d. Gelug School

(1) Ven. Lobsang Gyaltsen - Professor & Head, Dept. of Sampradaya Shastra

(2) Dr. Ngawang Tenphel - Assistant Professor

(3) Geshe Tharkey - Assistant Professor

Academic Activities:

Geshe Ngawang Tenphel

Nominated for the committee member:

1. 6 July, 2022 : Nominated as an organizing committee member for organizing one day Symposium on **"Universal Responsibility"** to observe and mark the 87 Birth Anniversary of His Holiness the 14th Dalai Lama.
2. Elected as **In charge of Gelugpa Students' Welfare Committee (GSWC)**. 2022-2023.
3. Elected as a **President of Alumni, CIHTS** 2022-2023.
4. 15 July, 2022 : Nominated as a **Chairman of Admission Committee** for the Academic session 2022-2023.
5. 13 July, 2022 : Appointed and taken the responsibility of arranging the monk students to chant Dharma Chakra Pravartana sutra at Dhammekh stupa and arranging students and teachers to attend the ceremony of Dharmachakrapravartana Divas.
6. 1 and 3 August, 2022 : Appointed to look after the overall arrangement of reading **Sutrapath of complete Translation in Tibetan** by all the students and staffs at Atisha Hall.
7. 2 August, 2022 : Appointed as Scrutiny Committee the Prize Distribution Committee.
8. 15 August, 2022 : Appointed as organizing committee of a contest on **'Importance of Tribal Heroes in Freedom Struggle'** among students in Atisha Hall.
9. Nominated as a member of *Kanthas* or oral text 2022-2023.
10. Member of "**Chanting Committee**" for the Seminars. Conferences, teaching and inauguration ceremony of CIHTS session 2022-2023.
11. 18 to 20 October, 2022 : During the NAAC Peer Team visit to our Institute the responsibility of looking after the Alumni and parents of the Institute was successfully maintained as per the order received from authority of Institute.
12. 4 to 6 Nov, 2022 : Chairman of organizing Committee of 3 days program of **Prof. S. Rinpoche's teaching on the path of three person shown in Choejug, 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies and Short Puja gathering** of all the staffs, Students and Alumni students.
13. Appointed as a responsibility of preparing Traditional ritual during inauguration of 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan &

Himalayan Studies" and "Prof. S. Rinpoche's Teaching" and "Short Puja" from 4 to 6 Nov, 2022.

14. Nominated as a **superintendent** during 1st semester examination 2022-2023.
15. 5 Nov, 2022 : Appointed as an organizing Committee Members of International Conferences, Teaching, and Felicitation during the celebration of His Eminence Prof. Samdhong Rinpoche's Birthday.
16. 29 Dec, 2022 to 2 January, 2023 : Worked as Dean of Students' Welfare, during the **Bodh Gaya teaching of His Holiness the 14th Dalai Lama** the Institute has given a responsibility of supervising overall arrangements of the Bodh Gaya visit along with maintaining the discipline of students during the session.
17. Appointed and successfully taken the charge on 1st September to contact Gyuto Tantric Monastery and invite monk artists to make Mandala and to take care of their hospitality and performance of rite and rituals during the NAAC visit to our Institute.

Other academic activities:

1. 10 June 2022 : I have been invited and gave special lecture on Intentions for worshipping organized by Himalayan Buddhist Library & Cultural Center Kathmandu, Nepal.
2. 5 July, 2022 : Being a President of Alumni of CIHTS, Organized reciting six digit mantra of Avalokitasvara and submitted the lists of mantra recited to His Holiness the 14th Dalai Lama on his Birthday by Alumni Association of CIHTS.
3. 3 September, 2022 : Created a Power Point Presentation regarding the responsibility of Dean of students' Welfare in committee Room of Nalanda Bhavan for the NAAC Peer team visit.
4. 5 September, 2022 : Attended and received **'award of excellence in teaching'** during the Teachers' Day celebration at Atisha Hall, organized by IQAC of CIHTS.
5. 28 September, 2022 : Taken the responsibility of **Mentorship programme** as per the Institute rules and became the mentor of 6 students from Shastri 3rd year to look after them on the field of education, discipline and so forth.
6. 2 October, 2022 : Attended as Chief Guest on **Gandhi Jyanti Students' Talent Show,** organized by Students Association of Performing Arts.
7. October, 2022 : Delivered a lecture on **"The Importance of Buddha's Teachings"** to the students of CIHTS during the opening of workshop on **"How to search Buddha's Teaching through BDRC"** and **"Photoshop & Indesign"**, organized by 50th SWA.
8. 4-6 November, 2022 : As president of CIHTS Alumni Association, CIHTS ALUMNI & CIHTS jointly organized 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies and Teaching on Bodhipathpradipa of Acharya Dipankarshrijana (Practical aspect of three stages of motivation) by H.E. Prof. Samdhong Rinpoche.

9. 6 November, 2022 : Delivered a welcome speech as a President of CIHTS Alumni during the opening ceremony of 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies at Atisha Hall.
10. 16 January, 2023 : Attended as a chief Guest during the **Inter class Basketball tournament** of CIHTS students, organized by 50th SWA.
11. 19 Jan, 2023 : Attended as a chief Guest and delivered speech to the students of CIHTS during the **'Inter-class Tibetan Extempore speech competition'** organized by 50th SWA on the occasion of SWA Golden Jubilee.
12. 26 January, 2023 : Attended as a chief Guest during the Final match of **Interclass Basketball tournament to celebrate Republic Day of India**.
13. Written the foreword of the book **"Collected Articles of students on various subjects"** as Dean of Students' Welfare during the **Golden Jubilee Celebration of Students' Welfare Association**, CIHTS, Sarnath, Varanasi, 2023.
14. Contributed a message as Dean of Students' Welfare on the **Golden Jubilee Souvenir of Students' Welfare Association,** celebrated in the year 2023.

Minor Project:

1. Worked as editorial member for the book, **"Collection of Articles on Tibetan & Himalayan Studies"** of 2nd International Conference of CIHTS Alumni, 2022. Printed at Dhi Publication & Sattanam Printers, Pandeypur, Varanasi. ISBN: 9781948203180.
2. Worked as co-editor of **"gos pad+ma rgyal mtshan gyi gsung rtsom phyogs bsrigs lhag bsam dkar po/(pod bzhi pa/)** collected writings of **Ven. Goe Pema Gyaltsen (Volume IV)** printed in New Delhi, India.
3. Worked as the editor of the book on **"Collected speeches of Khen rinpoche Karma Tensung"** 8th edition. Printed at Dhi publication, 2023. ISBN: 9781948203197.
4. Worked as the editor of **Golden Jubilee Souvenir of Students' Welfare Association,** celebrated in the year 2023.
5. Worked as Advisor to the editorial committee for the book **"Collected Articles of students on various subjects"** during the **Golden Jubilee Celebration of Students' Welfare Association,** CIHTS, Sarnath, Varanasi, 2023.
6. Worked as Co-editor of **"Gelug Choejod"** published by GSWC, 2022.

Geshe Tharkey

Nominated for the committee member:

1. 6 July, 2022 : Nominated as an organizing committee member for organizing one day Symposium on "Universal Responsibility" to observe and mark the 87th Birth His Holiness the 14th Dalai Lama.
2. Elected In-charge of GSWC. 2022-2023.
3. 13 July, 2022 : Appointed and taken the responsibility of arranging the monk students to chant Dharma Chakra Pravartana sutra at Dhammekh stupa and

arranging students and teachers to attend the ceremony of Dharmachakrapravartana Divas.

4. 1 and 3 August, 2022 : Appointed to look after the overall arrangement of reading Sutrapath of complete Translation in Tibetan by all the students and staffs at Atisha Hall.
5. 15 August, 2022 : Worked in the organizing committee of a contest on 'Importance of Tribal Heroes in freedom struggle' among students in Atisha Hall.
6. Nominated as a member of kanthas or oral text 2022-2023.
7. Member of "Chanting Committee" for the Seminars. Conferences, teaching and inauguration ceremony of CIHTS session 2022-2023.
8. 4 to 6 Nov, 2022 : Appointed as member for preparing Traditional ritual during inauguration of 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies" and "Prof. S. Rinpoche's Teaching" and "Short Puja".
9. 5 Nov, 2022 : Appointed as an organizing Committee member of International Conferences, Teaching, and Felicitation during the celebration of His Eminence Prof. Samdhong Rinpoche's Birthday.

Other Academic Activities:

1. 28 September, 2022 : Taken the responsibility of Mentorship programme as per the Institute rules and became the mentor of 6 students from Shastri 3rd year to look after them on the field of education, discipline and so forth.
2. 4-6 November, 2022 : Attended CIHTS ALUMNI & CIHTS jointly organized 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies and Teaching on Bodhipathpradipa of Acharya Dipankarshrijana (Practical aspect of three stages of motivation) by H.E. Prof. Samdhong Rinpoche.

III. Department of Bon Sampradaya Shastra

Bon is an indigenous Tibetan religion with a history of several thousand years of uninterrupted tradition of philosophy and spiritual practice. It has a huge corpus of literature on philosophy, epistemology, metaphysics and logic. The Institute has been conducting Degree Courses in Bon Sampradaya Shastras by categorizing the courses into two sections on the basis of the development of its literature. Firstly, the texts comprising teachings of Bonton Shenrap (the founder of the Bon tradition) and its commentaries authored by earlier masters. Secondly, the texts and commentaries authored by the later masters from around 8th century onwards.

(1) Ven. G.T. Chogden - Associate Professor & Head (On Leave)
(2) Ven. Gorig Lungrig Loden Wangchuk - Associate Professor & Students' Dean
(3) Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima - Assistant Professor
(4) Geshe Namdak Tsukphus - Guest Lecturer

Academic Activities:

Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima

Seminars, workshops, Book-Editings and Research Articles

1. 13th July 2022 : Attended the ASHADHA PURNIMA Dharmacakrapravartana Divas (The Turning of The Wheel of Dharma) as Delegate.
2. 13-14th Sept 2022 : Gave a paper presentation on Bon Study Symposium.
3. 4-6 Nov 2022 : Participated in 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies.
4. 12-14th Feb 2023 : Gave paper presentation on Senior Students' Winter Campaign, CHITS.
5. Published a research article in 30th Bon-sGo journal of sMenri Monastery «བན་དེའི་གསུང་རབ་ཁྲོད་ནས་རྙེད་པའི་ཞང་ཞུང་གི་སྐད།»
6. Written a Introduction of Meton Sherab Woser the author of the book «བྱང་ཆུབ་སྒྲུབ་ཐབས་ཀྱི་བོན་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་སུམ་བརྒྱ་ཉི་ཤུ་པ།» Byang chub sgrub thabs kyi bon tshigs su bcad pa sum brgya nyi shu pa ISBN 978-81-948913-8-3 published in 2022, Delhi
7. Edited the book «མཛད་བཅུ་དང་རྣམ་རྒྱལ་བསྟོད་ཕྱག་གི་འགྲེལ་བ།» Mdzad bchu dang rnam rgyal bstod Phyag gi 'grel ba published in 2022 New Delhi
8. Participated in National Non-Sectarian Sapan Seminar in 2022
9. Gave a paper presentation in Summer Campaign, "Introduction of Yungdrung Bon", CHITS, 2022

Members of various organizations and Committees

1. Appointed as the Head of Department Bon Sampradaya 2022-2023
2. Appointed as member of Academic Council CIHTS, Varanasi 2022-2023
3. Appointed as the Member of Admission Committee, CIHTS 2022-2023
4. Member of Research Degree Committee (RDC) 2022-2023
5. Member of Mahashastrarth 2022-2023

Geshe Namdak Tsukphus

Teaching Conduct:

1. Elected as president of 30th Yundrung Bon Students committee, CIHTS 2022-2023.
2. 10 June 2022 : Delivered a special lecture on Intentions for worshipping organized by Himalayan Buddhist Library & Cultural Center Kathmandu, Nepal.

B. FACULTY OF SHABDA VIDYA

Prof. Dharma Dutta Chaturvedi - Dean

In this faculty, introduction of Indian ancient and modern languages and its nature including Tibetan language and their literature are taught. Buddhism and especially Mahayana philosophy, the basic language of the literature, Sanskrit

grammar, prose, poetry, epics, dramas, Kavya, etc., treatise are studied under compulsory Sanskrit course. Under the optional category (khavarga), Buddhist Jataka, Avadana, Ethics, Poetry, Sankhya, Vedanta and Pramana etc. are studied. After the master degree, for the Ph.D. course students are engaged doing the restoration of the Sanskrit text from Tibetan source. For this purpose the Department of Sanskrit is established. There is an Independent Department of Tibetan Language and Literature to study the Tibetan language and its literature. Tibetan Language is a compulsory for all the students.

Apart from this, the Hindi, English and Pali languages are studied under the Department of classical and Modern Languages. Under this program study of either Hindi or English language is mandatory. Pali language and its literature also studied as an optional subject.

I. Department of Sanskrit

(1) Prof. Dharma Dutta Chaturvedi - Professor, Dean of Shabdavidya and Head of Sanskrit Dept. (from Nov. 2022)

(2) Dr. Anirban Dash - Associate Professor & Head of Dept. (On Deputation Leave from Nov. 2022)

(3) 2 Posts Vacant - Professor-1, Asstt. Professor-1

Departmental Activities:

Teaching carried out by other departmental teachers:

(1) Prof. Pema Tenzin, Head – Translation Department – Uttar Madhyamik First Year, Compulsory Sanskrit Class.

(2) Dr. Ramji Singh, Assistant Professor, Translation Department - Four Sanskrit classes in both sections of Purva Madhyama and Uttar Madhyama.

(3) Dr. Dawa Sherpa - Purvamadhyama first, Shastri first, Compulsory Sanskrit and Uttarmadhyama first and second year classes of Sowa-Rigpa department.

(4) Dr. Vishwaprakash Tripathi, Research Assistant (Contract), Dictionary Department – Purva Madhyama II Compulsory Sanskrit, Shastri III Khavarga Sanskrit Class.

(5) Dr. Umashankar Sharma, Guest Faculty, Astrology, Uttarmadhyama II, Shastri II Compulsory Sanskrit and Shastri First Khavarga Sanskrit Classes.

Prof. Dharma Dutta Chaturvedi

Departmental Activities-

1. 18 October 2022 – Presented Sanskrit Departmental Five Year activities through PPT before NAAC evaluation team.
2. 18 October 2022 – Narrated and directed a play entitled 'Bhot and a glimpse of Indian knowledge-tradition' in Atisha Auditorium on the arrival and welcoming of NAAC Evaluation Committee through the Sanskrit Department, as part of the cultural program.

3. 6 February 2023 - A month-long Sanskrit training workshop was organized, in which students of all classes did special practice in Sanskrit speaking, translation and usage.

Research publications:

1. Essay titled "Marriage Message of the First Act of Chitra-Darshan of Uttarramcharit Drama" published by the Rajbhasha Implementation Committee, KUTTI, Sarnath, Varanasi in Bodhiprabh Issue-2, 2022.
2. Research essay titled "Sarangnath Shiv Temple Introduction and Discussion" The book titled Shiv Vigraha and Shiv Temple of Kashi, published in the year 2022, Publisher – Gyanpravah Study and Research Center, Samenghat, Varanasi.
3. Essay titled "Muktalavadanakathakavyagatam Bhavasoundaryam", a book titled "Rajendrayashobhushanam", published in the year 2023, Publisher – Professor Rajendra Nanavati Commemoration Committee, Vadodara, Gujarat.
4. The work titled "Appreciation of a commendable thesis" published in "Shri Krishnakarnamrit – Ek Anushilan Granth", ISBN- 978-93-91297-08-4
5. 'Role in Poetry' written by "Gopangnavaibhavam" Dr. Pramod Kumar Sharma Asso. Prof. J.N.U., New Delhi, p. 33-91, Writing- ISBN- 978-93-95533-03-4, 2022, Literary Circle C. 13, 1st Floor, Opposite Khandelwal Girls College, Sansar Chandra Road, Jaipur-303001
6. Composition titled "Aho Kavitvam Madhuramritam Pibeh" – Published in the book "Arvachinkavisanstavah", author Mahacharya Mantosh Bhattacharya, editor Vats Deshraj Sharma, publisher-C. 26, B. Gali No.3 Saadatpur Extension Karawalnagar Road, New Delhi, 2022, ISBN- 81-85504-54-7

Awards and Honors

1. 20 March 2023 – Received the honor named "Vyakaran Kavyvidya Kaustubhamani" in Shri Swami Narayan Temple, Bhuj, district Kutch, Gujarat.

2. 29 March 2023 – Received Maharishi Narad Award-2021, with a check amount of Rs. 1 lakh, 1 thousand, through Uttar Pradesh Sanskrit Sansthan Language Department, Lucknow.

3. Received a memento on the golden jubilee from the Student Welfare Committee on completion of 25 years of service.

Honorary Lecture

1. 25 September 2022 - Kashi Hindu University, Varanasi Lecture was given on the third chapter of Gita under the weekly Sunday Malviya Bhavan Gita discourse.

2. 29 September 2022 – Delivered the presidential address in the debate competition organized by the Rajbhasha Implementation Committee.
3. 9 October 2022 – Performed the responsibility of adjudicator of Shastrarth competition under Valmiki Jayanti organized by Uttar Pradesh Sanskrit Sansthan, Lucknow and gave a lecture.
4. 3 November 2022 – Gave a lecture in the seminar "Mathmanaya Mahanushasan Vimarsh" organized by Shankaracharya Parishad.
5. 4 December 2022 – Gave a lecture as the chief guest in the prize distribution ceremony of the Sunday Gita competition organized by Geeta Samiti at Kashi Hindu University, Varanasi.
6. 11 December 2022 – Gave a lecture in the Bharatbhasha Utsav program as the nodal officer from the post of president.
7. 20 December 2022 – Felicitation program of Astrologer Shri Avimukteshwara-nand Saraswati – Lecture given at Srividyamath, Kedarghat, Varanasi.
8. 3 Janurary 2023 – Presentation of the Prashasti patr of two scholars on Rangbhari Ekadashi on the birth anniversary of Pandit Vasudev Dwivedi Shastri ji.

9. 5 January 2023 – Gave a sessional lecture as the nodal officer and chairman of the two-day seminar on "Poetry on the Earth of Buddha".
10. Written and presented Sanskrit Abhinandan Patram on the Padma Abhisheka of Jagadguru Swami Avimukteshwaranand Saraswati Badrikapeeth Shankaracharya and Jagadguru Swami Sadanand Maharaj Shardapeeth Shankaracharya.
11. 19 January 2023 – Gave a lecture on the topic "Measures to mitigate air pollution and Sanskrit literature" organized by Uttar Pradesh Government Tourism and Forest Department at Renusagar, Anpara Sonbhadra.
12. 18 February 2023 – Delivered a lecture on the topic "Compassion in the Global Scenario" on the death anniversary of Padmashree Prof. Ramshankar Tripathi ji, in a seminar organized at Anathpindad Auditorium, K.U.T.S.I., Sarnath, Varanasi.
13. 18 February 2023 – On Sanskritshauryam Facebook page, delivered an online lecture on the topic "Prof. "Radhavallabhatripathiṇam śrācṇavīm śravam".

Poetry presentation in poetry conferences

1. 27 April 2022 – Presided over the Kavi Sammelan organized on the Facebook page of Vedic Gana Group and recited poetry.
2. 14 August 2022 – Online Sanskrit poetry recitation was presented in the Sanskrit Kavi Sammelan organized by Utkal Sanskrit Samiti.
3. 26 August 2022 – Recited poetry in the Sanskrit Kavi Sammelan organized by Nandi Seva Nyas Samiti Sigra, Varanasi on the death anniversary of late. Prof. Rajendra Prasad Pandey.
4. 7 November 2022 – Poetry presentation in the Sanskrit Kavi Sammelan under the All India Kalidas Festival organized by Vikram University, Ujjain.
5. 30 December 2022 – Presented the poem "Deekshotsve Devbhashaya: Swagatvandanmangalayam" in the Sanskrit poets' conference organized on the convocation ceremony of Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi.
6. 14 February 2023 – Recited Sanskrit poetry in the Kavi Gosthi organized at N.U.V., Varanasi on the death anniversary of Padma Bhushan Prof. Vidyanivas Mishra.
7. 22 March 2023 – Recited poetry in the Sanskrit Kavi Sammelan organized at Malviya Bhawan, Kashi Hindu University.
8. 25 March 2023 – Performed the responsibility of Niṣiddhaakṣaree praashnik expert in Ashtavadhani poetry test at Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi.

Participation and presentation in Sanskrit programs

1. 12 May 2022 – Participated in the tribute meeting organized at 28 Mahamanapuri, Varanasi on the death anniversary of Prof. Revaprasad Dwivedi ji and received honour.

2. 26 May 2022 – Online presentation of Prashasti patr of two scholars in the Sanskrit seminar organized on the death anniversary of Pandit Vasudev Dwivedi Shastri ji.
3. 4 June 2022 – Received honor from Jagadguru Swami Raghavacharya and presentation of his 'Abhinandanapatram' at the Ramlala Temple Consecration Festival in Ramlala Sadan, Ramkot, Ayodhya.
4. Gave a Sanskrit speech in the meeting of Jagadguru Vidyabhaskar Swami ji in Tridandi Ashram, Ayodhya and presented Abhinandanapatram.

Participation in committees

1. 2 May 2022 – Participated as a member in the meeting of the Research Degree Committee held under the chairmanship of the Honorable Vice-Chancellor.
2. 9 May 2022 – Participated as a member in the NAAC committee meeting convened by I.Q.A.C.
3. 10 September 2022 – Participated as a member in the NAAC Core Committee meeting.
4. 16 September 2022 – A meeting of the members was called as the Chairman of the Annual Report Committee 2021-22.
5. 12 January 2023 – Participated as a member in the Board of Governors committee, CIHTS.
6. 1 March 2023 – Participated as a member in the Institute's Academic Council.
7. 4-5 March 2023 – Fulfilled the responsibility of nodal officer in the Joint International Seminar of CIHTS Sarnath and Premchand Sahitya Sansthan, Gorakhpur, on the topic "Poetry on the land of Buddha".

Thesis evaluation and oral examination (viva)

1. 22 April 2022 – Sent the evaluation report after evaluating the research paper titled "Chaturvarnyasanskritivimarsha" received by Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi.
2. 24 April 2022 – Completed the work of oral question examiner in the Shalaka examination organized by Sanskrit Bharati Sanstha at Shri Gurukarshni Vidya Bhavan Durgakund, Varanasi.
3. 07 May 2022 – Revised the Sanskrit-Pali Dhatukosh edited by Dr. Anirbandash.
4. 10 May 2022 – Worked as a research examiner for PhD student Mrityunjay Pandey of the Department of Purvamimamsa, Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi.
5. 22 August 2022 – Performed the responsibility of Sanskrit subject-expert in the selection process for the post of Sanskrit Professor in Bundelkhand University, Jhansi.
6. 19 December 2022 – Sent the report after examining the dissertation titled "Buddhacharitashritanatake Kavyatattvani Iti", Sanskrit University, Varanasi.
7. 26 December 2022 – took the viva of the Research student of Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi –
8. 28 December 2022 – Revised the articles of 'Bodhiprabh' magazine.

Seminars

1. 21 July 2022 – Gave the inaugural speech as the chief guest in the workshop on "Linguistics and Grammar" organized by Vedavani Vitaan Kendra, Satna Madhya Pradesh. In collaboration with Central Sanskrit University, New Delhi.

2. 24-25 November 2022 – Two-day teaching was conducted for assistant professors, associate professors and research students in the workshop on "Sarvadarshansangraha – Teaching" organized at Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University, New Delhi.
3. 15 February 2023 – Presented research paper in the International Seminar on Grammar organized at Ganganath Jha Central Sanskrit University, Azad Park Prayagraj.
4. 4-5 March 2023 – Chaired a session of the International Seminar on "Poetry in the Land of Buddha" at CIHTS, Sarnath.
5. 17 March 2023 – Presented a research essay on "Shikshapatriya Narivirmarsh" in the scholarly seminar organized at Shri Swaminarayan Mandir, Bhuj, Kutch Gujarat and presided over a session.
6. Presented a research essay on the topic "Raghuvansh Mahakavye Patipatni Vivahpadanaam Prayogsthitivimarsh" in the National Research Seminar under the All India Kalidas Festival organized by Vikram University, Ujjain.

Research Guidance

1. Supervising the research work of Pasang Tenzin, research student.
2. Supervision and editing of research work of Konchok Samdup, research student.
3. Co-superisor of the research work of Ngwang Gyalchan Negi, research student.
4. Fulfilling the responsibility of co-supervision of the research work of Lobsang Choedak.
5. Supervision of the research work of Buddha Lama, research student.
6. Supervision of the research work of Vimalmitra, research student.

Research lectures

1. 4 April 2022 – Gave lecture as the speaker in the National Sanskrit Research Seminar organized by Sant Ganinath Post Graduate College, Gohna, Mau (Uttar Pradesh).
2. 9 August 2022 – Gave an online lecture on the contribution of Pt. Vasudev Dwivedi Shastri to the promotion of Sanskrit in the lecture series titled "Sanskritsansthapracharpramukhanaam parichayah" organized by Chaturveda Sanskrit Sansthan, Varanasi.
3. 12 August 2022 – gave a lecture on the topic "Linguistic Utility of Sanskrit" in the Sanskrit seminar organized at Shri Vinod Vihari Mehto Coyenchal University, Dhanbad, Jharkhand.
4. 12 August 2022 – Gave online lecture as the chief guest in the Sanskrit Day celebration organized by Gaya Sanskrit College.
5. 15 August 2022 – Gave Sanskrit lecture to the school group present on Independence Day at Shri Bhagwandas Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya, Haridwar, Uttarakhand.

6. 27 March 2023 – Gave lecture under Vedic conference at Shri Kalikavedant Ashram Sonarpura, Varanasi and received honour.

Dr. Anirban Dash

1. Performed all the responsibilities from the post of Coordinator, I.Q.A.C., CIHTS during the visit of NAAC Peer team.
2. Took charge on deputation leave at the post of Director, National Manuscript Mission Centre, New Delhi in November 2022.

II. Department of Tibetan Language and Literature

(1) Dr. Lhakpa Tsering - Assistant Professor & Head
(2) Dr. Tashi Tsering (T) - Associate Professor
(3) Mr. Lobsang Dhonden - Guest Lecturer

Academic Activities:

Dr. Lhakpa Tsering

1. 28 April 2022 : Attended a discussion ***with Host of Station Director, All India Varanasi on Tibetan Language and Literature*** at Conference Room of Library organized by All Indian Radio Station Varanasi.
2. 7 June 2022 : Attended the ***24th Society meeting of CIHTS*** held at Shastri Bhavan, New Delhi.
3. 20 to 28 June 2022 : As a member of Education Council and Advisory Committee of Department of Education of office, CTA Exile Govt. of Tibet, went for education visit to three Tibetan Settlement and four schools are details are below:
4. 20 June 2022 : delivered lecture to parents of Sambhota Gothangaon School "***How Parents Support to Child's Education and Ethics*** "and meeting was organized by the school as directed by Office of Education Department, CTA Dharamsala.
5. 20 June 2022 : Delivered a lecture to Teachers of Sambhoto Gathangaon School ***"Introduction of New Education Policy of Tibetan in Exile"*** and answered the questions of teachers too.
6. 20 June 2022 : Inspected Teaching and School Library, Reading Room, Classrooms and Hostels etc. and discussed with students too.
7. 22 June 2022 : Delivered lecture to the parents of Mainpat Sambhota School ***"Importance of Family Education and Role of Parents."*** The meeting was organized by the School.
8. 23 to 24 June 2022 : Delivered a lecture to Teachers of the School ***"Introduction of New Education Policy of Tibetan in Exile"*** and answered the questions of teachers too. And inspected Teaching and School Library, Reading Room etc. and discussed with students too.
9. 27 June 2022 : Delivered lecture to parents of Chandragiri Sambhota School of Odisha "How to support the youngsters and how the parents' role is important to children's life and also answered the questions of parents.

10. 28 June 2022 : Delivered lecture to the School teachers and inspected all the facilities of school and met students of every classes.
11. Delivered a lecture to Students' orientation on 4th organized by IQAC of CIHTS at Atisha Hall.
12. 4 July 2022 : Attended the IQAC meeting of Deans and Heads of CIHTS organized by IQAC at Anathpindad Guest House.
13. 13-15 July 2022 : Attended Syllabus framing workshop for First Professional of BSRMS program at All India Institute of Ayurveda New Delhi organized.
14. 26-28 July 2022 : Attended final Ph.D. progressive meeting of Dalai Lama College, Bangalore.
15. 30-31 July 2022 : Attended National Conference on National Education Policy.
16. 31 July 2022 : Delivered lecture on the topic "Importance of Tibetan Language and Its Learning Method" and answered to the question on Freshers' Induction Programme of the Institute organized by Ammm IQAC, CIHTS.
17. 6 November 2022 : Attended as a chairperson to 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan and Himalayan Studies (General Literature) organized by Alumni Association of CIHTS & CIHTS Sarnath.
18. 11 November 2022 : Attended to National Conference of The Best Practices in Good Government in Atisha Hall which was organised by CIHTS.
19. 18 December 2022 : Delivered a lecture on Linguistics to MA students of Dalai Lama College organized by concerned teacher and students in their classroom.
20. 25 December 2022 : Lecture delivered and answered questions on a meeting of research students Dalai Lama College Bengaluru.
21. 19 January 2023 : Delivered a lecture on senior students' lecture competition of the institute in concerned classroom organized by class teacher and students.
22. 29 January 2023 : Invited as Chief Guest and delivered a lecture to Inter-college students of CIHTS and BHU international exchange programme at BHU organized by students of CIHTS and BHU.
23. 10 Feb 2023 : Participated in one day women empowerment workshop in Library Hall organized by TWO of CTA Dharamasala.
24. 12 Feb 2023 : Delivered lecture on Tibetan Language Honorific to the senior students camp of CIHTS during in AP Guest House organized by SWA of CIHTS.
25. 2-7 March 2023 : Delivered five lectures on Tibetan language and Literature to the workshop of BSRMS 1st year students in Sowarigpa Hall and organized by Sowarigpa of CIHTS, Sarnath.

III. Department of Classical and Modern Languages

(1) Prof. Dharma Dutta Chaturvedi - Head
(2) Dr. Anurag Tripathi - Assistant Professor (Hindi)
(3) Dr. Jyoti Singh - Assistant Professor (Hindi)

(4) Dr. Animesh Prakash - Assistant Professor (Pali)
(5) Dr. Mahesh Sharma - Assistant Professor (English)
(6) Dr. Ravi Ranjan Dwivedi - Guest Lecturer (Pali)
(7) Dr. Jasmeet Gill - Guest Lecturer (English)

Departmental Activities:

1. 5 July 2022 : Organized a one-day online quiz on "The Philosophy and works of His Holiness the 14th Dalai Lama".
2. 6 July 2022 : Organized a one-day "Universal Responsibility" symposium on His Holiness the 14th Dalai Lama's 87th Birthday at CIHTS.
3. 16–23 August 2022 : A seven-day workshop was organized on the topic 'Shuddh Hindi'. In the workshop, Prof. Baburam Tripathi, Prof. Ramsudhar Singh, Prof. Shraddhanand, Dr. Anurag Tripathi, Dr. Jyoti Singh and Dr. Sushil Kumar Singh gave lectures.

4. 11 December 2022 : In order to celebrate the nectar 75th anniversary of independence, Indian Language Festival was celebrated on 11 December on the auspicious occasion of the birth anniversary of Mahakavi Subramaniam Bharati in accordance with the spirit of "Ek Bharat Shrestha Bharat". On this occasion, Meri Bhasha Mera Signature campaign was launched and a seminar and poetry recital was organized on the topic "Contribution of Indian Languages in the Development of India".

   Presiding over the seminar, President of the Faculty of Languages, Prof. Dharma Dutt Chaturvedi said that Sanskrit is the mother of all the languages of India and it is necessary for all of us to know at least two languages.

   Keynote speaker Prof. Ram Sudhar Singh, former Head of the Hindi Department, Uday Pratap Autonomous College, Varanasi said that it is important to create a conducive environment in the university to learn as many languages as possible along with one's mother tongue and to develop linguistic harmony to feel love and joy for the neighboring language.

   As the Chief Guest, the Registrar of the Institute, Dr. Himanshu Pandey said that Mr. Subramaniam Bharati is the pioneer of modern Tamil literature. His works have played an important role in awakening patriotism and nationalism. The students of the institute recited poetry in their own language.

   The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi and welcomed by Dr. Suchita Sharma and Dr. Jyoti Singh. Dr. Sushil Kumar Singh, Dr. Umashankar

Sharma, Dr. Prashant Kumar Maurya, Dr. Ravirinjan Dwivedi, Dr. Krishna Pandey, Mr. Dipinkar, Mr. Sarvajeet Singh, Mr. M.L. Singh were present.

5. 23 January – 23 February 2023 : Conducted 30 Hour course on "English Langauge, Linguistics and Phonetics" for the students of CIHTS (80 students).

6. 4-5 March 2023 : A two-day international seminar entitled "Kavita in the Land of Buddha" was organized under the joint aegis of Premchand Sahitya Sansthan, Gorakhpur and the Department of Classical and Modern Languages, Central Institute of Higher Tibetan Studies. Chief Guest, Prof. Radha Ballabh Tripathi expressed his views on the topic 'Samvada Purush Buddha' in the inaugural session of the symposium on 4th March 2023 and said that even the biggest problems can be solved through dialogue and peace can be established.

   Buddha also solved many problems by talking to people. Breaking of dialogue gives rise to anger. This is the root of courage. The path of Buddha can also establish peace in the world. Special guest, Prof. Anand Kumar said that at present goodwill is being eroded. Its weight has given birth to hatred towards others.

Its eradication is also possible through the kindness and compassion of Buddha. Presiding over the seminar, Prof. Wangchuk Dorjee Negi said that through compassion, kindness and love, harmony and peace can be established in the entire world. Welcome note was delivered by Prof. Sadanand Shahi, Dr. Ramsudhar Singh convened the seminar and vote of thanks was given by the Registrar of the institute, Dr. Himanshu Pandey.

In the seminar, Prof. Sandhya Singh, National University, Singapore, Prof. Avadesh Pradhan, Prof. Dhamayadutt Chaturvedi Programme Nodal Officer, Prof. Harish Trivedi, Prof. Arun Kamal, Dr. Shuchita Sharma, Dr. Anurag Tripathi, Dr. Jyoti Singh, Dr. Sushil Kumar Singh, Dr. Raghuvansh Mani expressed their views. Under the chairmanship of Naresh Saxena, Arun Kamal, Madan Kashyap, Svapnil Srivastav, Rajesh Mal, Usha Rani Rao, Brijraj Singh recited poetry.

Dr. Anurag Tripathi

Participation in workshop/seminar and presentation of research paper-

1. 16-23 August 2022 – Organized a seven-day workshop on the topic 'Shuddh Hindi'.
2. 26 September to 1 October 2022 – Official Language Week celebration was organized at the Central Institute of Higher Tibetan Education.
3. 19-20, November, 2022 – Presented a research paper on the topic "Women's Discourse and Women Novelists" in a two-day national seminar organized by All India History Collection, West Bengal.
4. 11 December, 2022 – On the auspicious occasion of the birth anniversary of great poet Subramaniam Bharati, in accordance with the spirit of "Ek Bharat Shreshtha Bharat" in the sequence of Amrit Mahotsav of Independence on the occasion of 75th anniversary of independence, Meri Bhasha Mera Signature

campaign and organized a seminar and poetry recital on the topic "Contribution of Indian Languages in the Development of India".

5. 14-16 January, 2023 – Presented a research paper on the topic "National and Cultural Consciousness in Medieval Poetry" in a three-day national seminar on "Medieval Poetry: Reinvention of Concepts" organized by Vidyashree Trust in collaboration with Uttar Pradesh Hindi Institute, Lucknow, Sahitya Academy, New Delhi and Lal Bahadur Shastri Postgraduate College, Chandauli.
6. 4-5 March, 2023 – Presented a research paper on the topic "Modern Hindi Poetry and Buddhism" in a two-day international seminar on "Poetry on the Land of Buddha" organized under the joint auspices of Premchand Sahitya Sansthan, Gorakhpur and the Department of Oriental and Modern Languages, Central Institute of Higher Tibetan Education, Sarnath, Varanasi,
7. 28 March, 2023 – On the occasion of International Women's Day, a lecture was organized on the topic "Contribution of women in the development of technology and digital education" at the Central Institute of Higher Tibetan Education, Sarnath, Varanasi.

Publications-

1. "Conductor of Indian Culture – Indonesia" (Travel Literature) Book edited by Dr. Yogendranath Sharma Dr. Nishank's literary creation, contemplation and evaluation, published in Anang Prakashan, New Delhi, 2022, I.S.B.N. - 978-93-80845-24-1
2. "Contribution of Hindi as national language during the national movement" – Book edited by Dr. Okendra, National Education Policy-2020, J.T. S. Prakashan, New Delhi Published in 2023, ISBN- 978-93-5912782-8
3. "Current Cultural Educational Scenario in Tibet" – Book edited by Dr. Sachin Srivastava and Dr. Ravi Kumar Gaur, Tibet Current Scenario and People's Future, published in Anang Prakashan, New Delhi 2023, ISBN- 978-93-91881-42-9

Committee member-

(a) Member Secretary, Rajbhasha Language Implementation Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
(b) Member, Annual Report Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
(c) Member, Website Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
(d) Member, Research and Development Cell, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
(e) Member, Academic Council, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Dr. Jyoti Singh

Participation in workshop/seminar and presentation of research paper-

1. 16-23 August, 2022 – Organized a seven-day workshop on the topic 'Shuddh Hindi'.
2. 14-16 January, 2023 – Presented a research paper on the topic "National and Cultural Consciousness in Medieval Poetry" in a three-day national seminar

on "Medieval Poetry: Reinvention of Concepts" organized by Vidyashree Trust in collaboration with Uttar Pradesh Hindi Institute, Lucknow, Sahitya Academy, New Delhi and Lal Bahadur Shastri Postgraduate College, Chandauli.

3. 4-5 March, 2023 – Presented a research paper on the topic "Modern Hindi Poetry and Buddhism" in a two-day international seminar on "Poetry on the Land of Buddha" organized under the joint auspices of Premchand Sahitya Sansthan, Gorakhpur and Department of Oriental and Modern Languages, Central Institute of Higher Tibetan Education, Sarnath, Varanasi.

Other institutional responsibilities-

1. Chairman, Sexual Harassment Cell
2. Member, Scheduled Caste/Tribe and Other Backward Class Compliance
3. Member, Annual Report Committee
4. Member, Book Selection Committee
5. Member, Editorial Committee of 'Bodhiprabha' Patrika, Rajbhasha Implementation Committee, CIHTS.
6. Member of the Review Board of the Journal 'The Eternity' (an international multidisciplinary research journal).

Dr. Animesh Prakash

Publication (Research Paper in Journal)

Prakash, A. (2022). Gaccha Gaccha Koronā Tvaṃ Vīsapūre Nighātike. The Maha Bodhi, 131, 79, ISSN: 0025- 0406.

Participation in Conference(s)/Seminar(s)

- ***Theme of the Conference and date:*** National Conference on Bauddha Dharma ke Pariprekshya mein Pali aur Sanskrit ki Prasangikata, May 16, 2022

  Organiser: Subharti University, Merrut

  Title of Paper: Translations and Translators of Pali in Tibet

- ***Theme of the Conference and date:*** National Conference on Idea of Cultural Nationalism in Indian Tradition, November 11, 2022

  Organiser: Pārśvanātha Vidyāpītha, BHU, Varanasi

  Title of Paper: Some Reflections on the Idea of Nationalism in Pali Literature

Invited Lecture(s)

- 17-18 July 2022 : Two lectures on "Theravāda Tradition" in the Orientation Program on Buddhism for the visiting group of Uberoi Teacher Training Institute from USA, CIHTS, Sarnath.
- 31 August 2022 - September 01, 2022 : Delivered Prof N. K. Bhagwat Memorial Lecture (two sessions) at the Department of Pāli, Mumbai University, Mumbai
- 06-12 January 2023 : Three lectures on "Theravāda Studies" in the 30th exchange program between CIHTS, Sarnath and The Five College Consortium, USA.

Other Activities

- Designed six modules for the MOOC at Swayam Portal, Ministry of Education, GOI.

MOOC on Buddhist Philosophy

a. The Concept of Nirvāṇa and the Path Leading to Nirvāṇa

MOOC on Abhidhamma (Pāli)

a. Material Quality (Rūpa) in Theravāda Abhidhamma
b. The Four Generating Principles (Samuṭṭhāna) and Grouping (Kalāpa) of Material Qualities (Rūpa)
c. Nibbāna in Theravāda Abhidhamma
d. Morality (Sīla) in Theravāda Buddhism
e. Concentration (Samādhi) in Theravāda Buddhism.

Dr. Mahesh Sharma

1. 2022-23 : Post Graduate Diploma in the Teaching of English (PGDTE), One-year Teacher Training Programme with 'A' grade from The English and Foreign Languages University, Hyderabad (Specialization in Phonetics, Linguistics, Testing of Language and Literature, Principles of Language Teaching and Stylistics).
2. 6 July 2022 : Organized a one-day "Universal Responsibility" symposium on His Holiness the 14th Dalai Lama's 87th Birthday at CIHTS.
3. 5 July 2022 : Organized one-day online quiz on "The Philosophy and works of His Holiness The 14th Dalai Lama".
4. 29 August - 4 September 2022 : One Week Online Faculty Development Programme on "NEP-2020, New Trends in Higher Education" with A grade Organized by Teaching Learning Centre, Ramanujan College (University of Delhi) in collaboration with the Ministry of Human Resource Development and PMMMNMTT.
5. 26 September 2022 : Delivered a plenary lecture on "Understanding Literary Theory" in 'Text and Context: Reading and Writing Skills in Literary Studies' organized by MMV, BHU, Varanasi.

   26 September 2022 : Moderated an interactive session with Portuguese writer Dora Nunes Gago at 'Long Night of Literatures' organized by Alice Boner Institute, Varanasi.
6. 27 September 2022 : Delivered a plenary lecture on "Applying Theory on Literary and Cultural Texts" in Text and Context: Reading and Writing Skills in Literary Studies organized by MMV, BHU, Varanasi.
7. 20 December 2022 - 04 January 2023 : 12 Hour online Professional Development Training Programme of Teaching English in "Teaching English through Literature" by British Council, London.
8. 2-16 January 2023 : Completed online Two Week Online Refresher Course on "English Studies and Trends" with an A+ grade Organized by Teaching

Learning Centre, Ramanujan College (University of Delhi) in collaboration with the Ministry of Human Resource Development and PMMMNMTT.

9. 2-8 January 2023 : One Week Online Faculty Development Programme on "Academic Research Writing" with A grade Organized by Teaching Learning Centre, Ramanujan College (University of Delhi) in collaboration with the Ministry of Human Resource Development and PMMMNMTT.
10. 18 January 2023 : Organized a plenary lecture by Professor Jay Garfield on "Between Abhinavagupta and Daya Krishna: KC Bhattacharyya on Other Minds" as Indian knowledge systems special lecture series
11. 23 January - 23 February 2023 : Conducted 30 Hour course on "English Langauge, Linguistics and Phonetics" for the students of CIHTS (80 students).
12. 22-25 January 2023 : Delivered three lectures in Sowa-Rigpa Induction Programme.
13. 14 February 2023 : Delivered lecture on 'Philosophy of Pandemics', organized by SWA, CIHTS.
14. 15 March 2023 : Delivered training lectures for the preparation of SSR at IQAC, Vasanta College, Varanasi.

Publications

1. "The Current Pandemic and Changing Role of Classroom Analysis Theories" in *International Journal of Trends in English Language and Literature*, An International Peer-Reviewed English Journal; ISSN: 2582-8487, Volume-3, Issue-3; June 2022.
2. "Pedagogical Implication of New Criticism and Stylistics" in the International Peer-Reviewed English Journal *Research Journal of English,* Impact Factor: 6.67(SJIF), ISSN: 2456-2696, Vol-7, Issue-3, July 2022, 137-145.
3. "Synthesizing the Approaches and Critical Pedagogy to Tibetan English Classroom" in *Literary Herald: An International Refereed/Peer-reviewed English e-Journal,* ISSN: 2454-3365, Impact Factor: 6.292, Volume 8, Issue 2, August 2022.
4. "Reassessing Saussure and Jakobson in the Area of Applied Stylistics" in the national peer-reviewed journal *The Creative Launcher*, Vol. 7 & Issue 4, ISSN NO- 2455-6580, August 2022.
5. Postcolonial Stylistics in R.K. Narayan's 'A Horse and Two Goats'" in *The Criterion: An International Journal in English*, ISSN: 0976-8165, Peer-Reviewed and Indexed Open Access Journal, Impact Factor: 7.86, September 2022.

Other Responsibilities

1. Member Secretary- IQAC, CIHTS
2. Member Secretary- Teacher and Student Feedback Committee
3. Member Secretary- Research and Development Cell
4. Member- University Purchase Committee
5. Coordinator- CIHTS English Learning and Documentary Club

Dr. Ravi Ranjan Dwivedi

Workshop/Special Lecture

1. 13 August 2022 : Organised Special Lecture as coordinator on topic "Rashtra Nirman me Rashtriya Pratik Chinho ka Mhatav" under Har Ghar Tiranga campaign.
2. 16-23 August, 2022 : Participated as member of organizing committee of Workshop on topic "Shudh Hindi".
3. 26 November 2022 : Organised one Special Lecture as coordinator on Bhartiya Sanvidhan ke Saidhantik Mulya evam Maulik Sidhant" the occasion of Sanvidhan Diwas.
4. 31 January 2023 to 04 February 2023 : Organised one week Workshop as convener on topic "Basic (General) concepts of Economics".
5. 28 March 2023 : Organised Special Lecture as convener on topic "Pradaogiki evam Digital Shiksha ke Vikas me Mahilao ka Yyogdan" in order to the occasion of Women's Day.

Seminar/Conference

1. 4-5 March, 2023 : Participated as member of organizing committee in international conference "Buddh ki Dharati Par Kavita-4".

Research Paper Publications

1. Paper published on topic "Kushala evam Akushala Dharmo ka Pravichaya evam Samyak Pradhana" in Shodh Darpan, An international Refereed Journal ISSN no. 2231-1688.

Dr. Jasmeet Gill

1. April, 2022 : Worked in the Editorial board, in the 'Monpa Students' Educational Committee', Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, that published, 'The New Dawn of Monyul'.
2. 2 Aug 2022 : Delivered guest lecture to Freshers Induction on 'Improving Language Skills' at Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
3. 19 November, 2022 : Organized a one-day 'Short Film Festival', under the book club, 'Books and Beyond' in collaboration with Students' Welfare Association, CIHTS at Atisha Hall
4. 2-16 Jan. 2023 : Completed a Two week online Refresher Course in English with A+ Grade from Teaching Learning Centre, Ramanujan College, University of Delhi.
5. Worked in the Editorial Board and edited the 'Ladhaki Cultural Magazine', 2023, published by the Ladhaki Students' Welfare Association, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
6. 12 March 2023 : Organized and Conducted an Essay Writing Competition organized by the Regional Tietan Women's Association in collaboration with the book club, 'Books and Beyond'.

Committees:

1. Institute Annual Report Committee,

2. English Learning and Documentary Club, CIHTS, Sarnath.
3. Incubation and Student Placement Cell

IV. Department of Education

Education stands as the prominent element in the development of any community. The emergent need of holistic education and competent teachers in educational institutions is felt by the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) and therefore, it has initiated to design its own curriculum for Teacher Education and get approval by apex body of Teacher Education NCTE. The four-year integrated B.A.B.Ed. innovative course (Shastri cum Shiksha shastri) since 2014-15 academic session. National Council for Teacher Education (NCTE) has approved the four-year integrated course enthusiastically and uploaded the curriculum on its website as sample.

CIHTS has the approval to conduct B.Ed. course (Shiksha shastri) since 1999-2000 academic year. Two-year Innovative M.Ed. course is also approved by NCTE in 2018. Permission to run the course is underway.

CIHTS has designed its own curriculum for the above-mentioned programs which have been approved by NCTE and are running under CIHTS as Centre for Teacher Education (CTE).

The uniqueness of the courses is that besides regular discipline of studies, Tibetan Language & Literature is a compulsory subject, and the essential components of Buddhist philosophy (Nalanda tradition), science of mind, epistemology, logic, psychology, metaphysics and concept of modern cognitive science are also taken into account to enrich the curriculum and to materialize the objectives of the programme.

Programmes Offered:

1. Two Year B.Ed. Programme
2. Four Year Innovative Integrated B.A. B.Ed. Programme

Faculty Members:

1. Dr. Himanshu Pandey - Director (In charge)
2. Dr. Huma Kayoom - Academic Coordinator & Asst. Prof., Education
3. Dr. Jampa Thupten - Assistant Professor, Geography
4. Ven Tashi Dhondup - Asst. Prof., Tibetan Language & Literature
5. Geshe Lobsang Gyatso - Assistant Professor, Buddhist Philosophy/logic
6. Mr. Thinlay Wangchuk - Assistant Professor, History
7. Dr. Krishna Pandey - Assistant Professor, Political Science
8. Dr. Shusheel Kumar Singh - Assistant Professor, Hindi
9. Dr. P. Shushmita Vatsyayan - Assistant Professor, English
10. Mr. Tenzin Namgang - Assistant Professor, Tibetan History
11. Mr. Anil Kr. Gupta - Assistant Professor, Education
12. Dr. Shikha Sharma - Assistant Professor, Economics

Administration Staff:

1. Mrs. Reena Pandey - Office Assistant
2. Mr. Tenzin Tsetan - Office Assistant
3. Mr. Vishal Patel - Office Assistant
4. Ms. Yangchen Sangmo - Librarian (CTE Library)
5. Mr. Rajoo Bharadwaj - MTS

Academic Activities:

The Centre for Teacher Education had conducted various academic activities for the Pre-service Teachers, In-service Teachers and Higher Education Teachers, students and policy makers during the academic session 2022-23.

Descriptions of activities are as follows:

1. 13-14 April 2022 : Centre for Teacher Education, organised a one-day educational excursion for the students of CTE from 13 April 2022. All the students of Two-year B.Ed. programme and Four-year integrated B.A.B.Ed. programme enthusiastically participated in the excursion. Faculty members Dr. Huma Kayoom, Dr. Jampa Thupten, Dr. Sushil K. Singh, Mr Tenzin Namgang, accompanied the students to the two-days expedition to Bodh Gaya, Magadha University. Office Assistant Mrs Reena Pandey also accompanied the whole staff and the students.

2. 19 April, 2022 : Centre for Teacher Education Jointly organized "World Heritage Day" with Central Institute of Higher Tibetan Studies. All CTE Staff Members and Students participated in the programme.

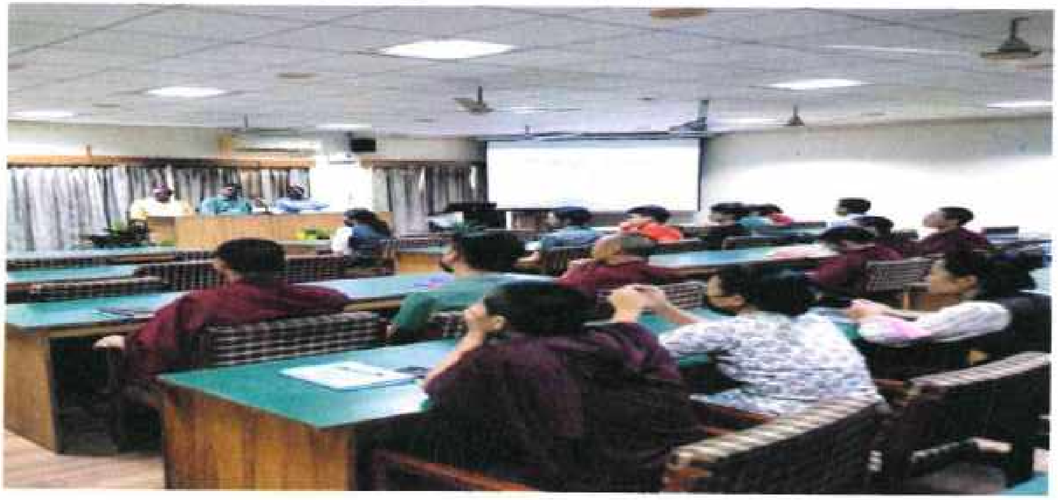

3. 21 April, 2022 : The Centre for Teacher Education organized one day Resource lecture on "Inclusive Education: Need and Challenges" For the student of B.A.B.Ed-IV Year and B.Ed. II Year. The resource person for this programme was Dr. Sunita Singh, Associate Professor, Faculty of Education BHU Varanasi. The programme was organized by Dr. Huma Kayoom (Asst. Prof. Education)

4. 30-31 July 2022 : Centre for Teacher Education organised a Two-day National Conference on the topic **"National Education Policy-2020"** in collaboration with Droit Penale Group, NITTR, Bhopal and National Law University, Sonipat for Students and faculties in Hybrid mode. Professor Ramashankar Varma, Director MNIT Pryagraj, Prof. Surjeet Kumar Dubey IMS, BHU, Professor Dhananjay Chopra, Media Studies, University of Allahabad, and Dr. Amit Kamboj, Registrar, BBAU, Sonepat, Haryana, were the resource person. The presidential address was given by Prof. Nawang Samten, VC, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

5. 11-12 November 2022 : Centre for Teacher Education organised a Two-day National Conference on the topic **"Best Practices in Good Governance"** in collaboration with Droit Penale Group, NITTR, Bhopal and National Law University, Sonipat, Haryana. The resource persons were Prof. PK Joshi, former chairperson UPSC, Prof. V. Vijaykumar, VC, National Law University, Bhopal, Prof. Archana Mishra, VC, Dr. BR Ambedkar National Law University, Sonepat, Dr. RC Mishra, D.G. Govt. of Haryana, Dr. Vinay Sahastrabuddhe, President, Indian Council for Cultural Relation, New Delhi, Mr. Santosh Gupta, CEO, ISRN, New Delhi. The presidential address was given by Prof. Nawang Samten, VC, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

6. 01 Dec 2022 : Centre for Teacher Education organised a resource lecture on the topic **"Role of Counsellor in Drug Habituation among Adolescents"** for the students of B.Ed. and B.A. B.Ed. All Staff Members and Students participated in programme. The resource person was Prof. Alok Mukerjee, Principal, IoP, UCER, Prayagraj.

7. 4-13 Jan 2023 : Centre for Teacher Education, organised a ten-day workshop for teachers on the topic Pedagogy of Modern Subjects through Dialectics. The

participants were secondary school teachers from different Sambhota Tibetan Schools all over the country. The resource person was Geshe Lobsang Gyatso, and the evaluaters were Geshe Sherap Namgyal, Khenpo Palsang Dargay, Dr. Khenpo Tashi Samphel and Geshe REigzin Dorjee. The presedential address in the inaugural eremony was delievered by Geshe Nawang Samten, VC, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

8. 30 January 2023 : Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies organised a one-day visit to a heritage site for an **awareness about Indian cultural heritage** for the students of CTE dated 30th January 2023. All the students of two-year B.Ed. programme and four-year integrated B.A.B.Ed. programme enthusiastically participated in the excursion. Faculty members Dr Huma Kayoom, Mr Thinley Wangchuk, Dr Jampa Thupten, Dr Krishna Pandey, Ms Sushmita Vatsyayan and others, accompanied the students to the one-day expedition to Sarnath Heritage site. Office Assistant Mrs Reena Pandey also accompanied the whole staff and the students.

9. 17 February 2023 : A resource talk on **"Counselling of Student-Teacher for Coping with Exam Stress"** was held at CTE on 17th February 2023. This resource talk was organized under "Azadi ka Amrit Mahotsav" Celebration as directed by National Council for Teacher Education, New Delhi, for the students of Two-year B.Ed. and 4- year B.A. B.Ed. programme. The resource person for the session was Prof. P.C. Shukla, former HoD and Dean, Faculty of Education & Founder Coordinator of Career Guidance and Counselling Cell, Banaras Hindu University. Director, CTE, Dr. Himanshu Pandey presented a brief introduction of the resource person, the objective of the guest lecture and felicitated sir with the traditional khatak and a memento.

10. 29 March 2023 : Centre for Teachers Education, CIHTS had successfully conducted the screening of a documentary film on **Tribes of Assam: Tea Garden Tribes** on 29.03.2023. The timing of documentary film was from 3:30 p.m. - 4:30 p.m. under the theme **Tribal Empowerment.** During the first 10 minutes, Mr. Thinley Wangchuk (Asst. Prof in History) of CTE, CIHTS explained various aspects related to the livelihood of tribes of Assam, their day to day problems and grievances regarding health care facilities, wage payment system and their demand to the state government. The documentary was on the plight of the tea tribe of Assam, a conglomeration of various Adivasis brought to Assam during the colonial era. After working at the tea garden for centuries however this (tea tribe) are still struggling to be recognized as one of the tribal of Assam.

Faculty Academic Activities:

Dr. Huma Kayoom

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 13 April 2022 : Organized a one-day **educational excursion** (Bodh Gaya) for the students of CTE.
2. 21 April, 2022 : Organised a one day Resource lecture on "**Inclusive Education: Need and Challenges**" For the student of B.A.B.Ed-IV Year and B.Ed. II Year.
3. 21 to 30 April, 2022 : Organized a 10 day **"School Attachment Programme-I for B.A.B.Ed 1st Year** at Amar Memorial St. George Preparatory School, Sarnath, Varanasi,
4. 25 to 26 April, 2022 : Organized a two-day **"Visit to Inclusive School for B.A.B.Ed. 4th Year and B.Ed. 2nd Year** at Jeevan Jyoti School, Sarnath, Varanasi.
5. 30-31 July 2022 : Coordinate a two-day National Conference on the topic **"National Education Policy-2020".**
6. 11-12 November 2022 : Coordinated a two-day National Conference on the topic **"Best Practices in Good Governance".**
7. 01 December 2022 : Organised a resource lecture on the topic **"Role of Counsellor in Drug Habituation among Adolescents".**
8. 30 January 2023 : Organised a one-day visit to a heritage site for **awareness about Indian cultural heritage**.

Geshe Lobsang Gyatso

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 4-13 Jan 2023 : Organised a ten-day workshop for teachers on the topic Pedagogy of Modern Subjects through Dialectics

Mr. Anil Kr. Gupta

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 17 February 2023 : Organised a one-day resource talk on "Counselling of Student-Teacher for Coping with Exam Stress".

Mr. Thinley Wangchuk

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 29 March 2023 : Conducted the screening of a documentary film on **Tribes of Assam: Tea Garden Tribes** under the theme **Tribal Empowerment.**

Dr. Krishna Pandey

Publication:

1. "Vinoba Bhave and the Concept of Freedom", June 2022, Impact Factor: 5.427, Sodh Drishti (An International Peer Reviewed Journal), Vol. I, No. 13, 6 June 2022, ISSN: 0976-6650.

Dr. Susheel Kumar Singh

Published research articles-

1. "Investigation of farmers' problems in Premchand's literature" Asian journal of advanced studies (An international peer-reviewed refereed research journal), ISSN: 2395-4965, SJIF-6.069, July-September 2022
2. "Farmers in Premchand's literature: Analysis of social and economic situation" Journal of humanities and culture An international peer-reviewed refereed research journal, ISSN: 2393-8285, Impact factor-3.915, July-September 2022
3. "Language problem of India" Bodhiprabh Magazine-2022, Central Institute of Higher Tibetan Education Magazine published by the Official Language Implementation Committee.

C. FACULTY OF ADHUNIKA VIDYA

Prof. Umesh Chandra Singh - Professor and Dean

I. Department of Social Sciences

(1) Prof. Jampa Samten - Professor (Tibetan History) & Head (Re-engaged)
(2) Prof. Umesh Chandra Singh - Professor (Asian History)
(3) Dr. Amit Mishra - Assistant Professor (Political Science)
(4) Dr. Urgyen - Assistant Professor (Tibetan History)
(5) Dr. Prashant Kumar Maurya - Assistant Professor (Economics)
(6) Dr. Saurabh Dubey - Guest Lecturer (Economics)
(7) Dr. Poornima Tripathi - Guest Lecturer (Political Science)

Academic Activities:

Acharya (Master Degree) course in Tibetan History & Culture is the most recent subject added to the curriculum of the Social Science Department Since from July, 2017. This course is the first of its kind in the Tibetan diaspora, and since there was no textbook or existing model to base it on, the faculty had to design it from the ground up. This comprehensive course covers both cultural and political history of Tibet and its neighbouring Asian countries. This course also incorporates introductory lessons on archaeology, anthropology, historiography and numismatics which is essential part of historical studies. The first batch of the students completed the said course in 2019. Out of the 4 students, two of them are admitted in the Ph.D. Course and one in the M.Phil. Course. One of them opted the Master in Education course conducted by centre for Teacher Education, CIHTS.

Dr. Amit Mishra

1. 3 March 2023 : Participated in an International Seminar on Prospects for sustainable global growth at Govt. PG College, Obra and presented a paper entitled, "Emerging Challenges for the International Community and India's statesmanship at the G-20."

2. 10 March 2023 : Participated as a keynote speaker in a National Seminar on Challenges to Indian Democracy and presented paper on "Emerging Challenges in India's Foreign Policy" organized by Deptt of Political Science at Mar Dionysius College, Pazhanji, Kerala and Institute of Parliamentary Affairs, Govt. of Kerala
3. 27 March 2023 : Specially invited to deliver a lecture in Research Methodology to Ph.D. students at Shivaji College, Udgir, Latur, Maharashtra affiliated to Swami Ramanandteerth Marathawada University, Nanded.

Dr. Urgyen

1. 3-9 July, 2022 : Participated in 16th Seminar of International Association of Tibetan Studies, IATS 2022. Seminar Hosted by Charles University of Czech Republic in Prague. On 9th July tour to old Castle, Big clock, Charles Bridge. On 10th we attended the music festival.
2. 4 July, 2022 : In the Arts Faculty of Charles University, research paper presented, in Hall no.217. Topic: ༄༅། །ཁར་ཁམས་ཁྲི་རྡོའི་ཡུལ་གྱི་གནའ་ཤུལ་གྲགས་ཅན་ཁམས་སྲིན་མོ་རྫོང་གི་བཤད་པ། (Research on famous archaeological site of Kham Sinmo-Zon in the Tridho Region in Tibet)
3. 1st August, 2022 : I delivered lectures about importance of Sarnath sites for PM I students. It is a part of Autumn Campaign for new admitted students, organized by the SWA of CIHTS.
4. 14-20 Nov. 2022 : Attended the "Introductory Course on Stone Age : Men, Tools & Cultures" at Jnana-Pravaha, Centre for Cultural Studies & Research. Prof. Vidula Jayaswal (BHU Retired) and BHU Prof. Jose Raphael taught us the full course of Stone Age.
5. Academic Session 2022 : Under my supervision, Mr. Tashi is in progress of Ph.D. thesis of Degree course in the Department of Social Science.
6. Academic session 2022 : Under my supervision, Mr. Lhamo Kyab enrolled the Ph.D. Degree course in in Department of Social Science.

Dr. Prashant Kumar Maurya

Workshop/Special Lecture

1. 13 August 2022 : Organised Special Lecture as coordinator on topic "Rashtra Nirman me Rashtriya Pratik Chinho ka Mhatav" under. Har Ghar Tiranga campaign.
2. 16-23 August, 2023 : Participated as member of organizing committee of Workshop on topic "Shudh Hindi".
3. 26 November 2023 : Organised one Special Lecture as coordinator on Bhartiya sanvidhan ke Saidhantik Mulya evam Maulik Sidhant" the occasion of Sanvidhan Diwas.
4. 31 January 2023 to 04 February 2023 : Organised one week Workshop as convener on topic "Basic (General) concepts of Economics".
5. 13 February 2023 : Participated as member of organizing committee in "Camp for Banking and Financial Awareness".

6. 28 March 2023 : Organised Special Lecture as convener on topic "Pradaogiki evam Digital Shiksha ke Vikas me Mahilao ka Yyogdan" in order to the occasion of Women's Day.
7. Participated as member of organizing committee of Kavya Pratiyogita/Lecture/ Signature Campaign under Bhartiya Bhasha Utsav.

Debate/Speech Competition

1. 31 October 2022 : Participated as Judge in Debate Competition under Swachtaa Abhiyaan.
2. 15 November 2022 : Organised debate competition as coordinator on topic "Swatantrata Sangram me Janjatiya Nayko ka Mahatv occasion of Birsa Munda Jayanti.

Seminar/Conference

1. 4-5 March 2023 : Participated as member of organizing committee in international conference "Buddh ki Dharati Par Kavita-4".

Research Paper Publications

1. Paper published on topic "Relationship between Non-Tax Revenue and GSDP: A Case Study of Uttar Pradesh" in journal Varanasi Management Review, An international Refereed Journal, ISSN no. 2395-0390.

Dr. Saurabh Dubey

Workshop/Special Lecture

1. 13 August 2022 : Organising member of the special lecture on the topic "Rashtra Nirman me Rashtriya Pratik Chinho ka Mhatav" under the Har Ghar Tiranga campaign.
2. 16-23 August 2022 : Participated as member of organizing committee of Workshop on topic "Shudh Hindi".
3. 31 January 2023 to 04 February 2023 : Organised one week Workshop as co-convener on topic "Basic (General) concepts of Economics".
4. 28 March 2023 : Organising member of the special lecture on the topic "Pradaogiki evam Digital Shiksha ke Vikas me Mahilao ka Yyogdan", in order to commemorate Women's Day.

Debate/Speech Competition

1. 15 November 2022 : Participated as Judge in Debate Competition, Birsa Munda Janm Diwas.

Seminar/Conference

1. 11-12 November 2022 : Participated in the national conference on "Best Practices in Good Governance".
2. 4-5 March, 2023 : Participated as member of organizing committee in international conference "Buddh ki Dharati Par Kavita-4".

D. FACULTY OF SHILPA VIDYA

Dr. Dorjee Damdul - Dean

(1) Dr. Shuchita Sharma - Assistant Professor and HoD (History of Art and Aesthetics)

(2) Shri Kunga Nyingpo - Teacher Assistant (Painting)

(3) Shri Lobsang Sherab - Teacher Assistant (Painting))

(4) Shri Tsering Samdup - Teacher Assistant (Woodcraft)

I. Department of Tibetan Traditional Painting

Fine Art is a self-motivated and multi-dimensional subject. CIHTS is the very first University in India to offer Traditional Tibetan Fine Arts at degree level. The Shilp Vidya faculty was established in 2008 with the initial purpose of preserving, promoting and transmitting the cultural heritage of traditional Tibetan arts and crafts. The Department provides a unique education about traditional Tibetan art of Thangka paintings and woodcraft to students in the University. The students are taught Tibetan Thangka, woodcraft and handicrafts with its philosophy implications and historical aspects. Now, the institute about to introduce the various Tibetan art forms to the advanced academic level. The Department runs 2 years of degree course in university programme, including 3 year graduate and 2 year postgraduate course. M. Phil. Course introduced since 2017; first batch of this course have been successfully passed with excellent ranking.

The faculty is currently running two departments i.e. Traditional Tibetan painting and Traditional Tibetan woodcraft.

Department Activities

1. 23 January to 5 February, 2023 : **The Thangka Workshop** held at the Department of Fine Arts, aimed to provide participants with hands-on experience in the traditional art form of Thangka painting. Thangka, a distinctive form of Tibetan Buddhist art, involves intricate brushwork, vibrant colors, and symbolic depictions of deities and spiritual concepts.

Dr. Shuchita Sharma

Member

1. International Conference "Buddh ki Dharati Par Kavita-4" 2022-23 - Organizing Member
2. One Day Talk Women's Day 2022-23 - Organizing Member
3. Workshop of Shuddha Hindi 2022-23 - Organizing Member
4. Bhartiya Bhasha Mahotsava Signature Campaign 2022-23 - Organizing Member
5. Member, Camp for Banking and Financial Awareness 2022-23 - Organizing Member
6. Workshop on Economics 2022-23- Organizing Member
7. National Conference on Best Practices in Good Governance 2022-23 - Joint Organizing Secretary
8. Conference on Education and culture of Indo- Tibetan Society in the context of global scenario 2022-23 - Member, Advisory Committee

9. Kashi International Art Exhibition IFA Varanasi 2023 - Organizing Member
10. International Seminar on Himalaya Bachao Manavta Badao, organized by Dharma Sanskriti Sangam, Kashi 2023- Organizing Member.

Convenor

1. 2022-23 - Workshop on Thangka Painting, Department of Tibetan Painting, CIHTS.

Publication

Chapter in Book

1. Bharatiya Parytan evam TirthatanHimachal ki Mandir Sthapatya Parmpara 2023, JTS Publication, New Delhi, 978-93-5913-212-9
2. Tibet: Current Scenario: Public Furure, Tibetan Art and Craft Education in Present India, 2023, Anang Publication New Delhi, 978-93-91881-42-9

Paper Presentation in Conference/Seminar

1. November 2022 : Portrayal of Women in Indian Painting and changing dynamics, organised by ICHR New Delhi and Akhil Bhartiy Itihas Sanklan Yojna Siligudi.
2. 26 to 28 December 2022 : National Seminar on "swa', Swatantrata aur Pratirodh: Atit se Vartman tak" organized by Akhil Bhartiya Itihas Sanklan Yojna and ICHR New Delhi, held at Medical Collage, Sasaram.
3. 14-16 January, 2023 – Presented a research paper on the topic "Madhyakalin Hindi Sahitya Aadharit Laghu Chitra" in a three-day national seminar on "Medieval Poetry: Reinvention of Concepts" organized by Vidyashree Trust in collaboration with Uttar Pradesh Hindi Institute, Lucknow, Sahitya Academy, New Delhi and Lal Bahadur Shastri Postgraduate College, Chandauli.
4. March 2023 : Divergent Aspects of Prospects of NEP-2020 Organized by DIET, Sarnath, Varanasi.
5. Conference on Education and culture of Indo- Tibetan Society in the context of global scenario 2022-23.
6. International Conference "Buddh ki Dharati Par Kavita-4" 2022-23.

Participation in Exhibition

1. Kashi International Art Exhibition, inaugurated by Mrs Aanandi Ben Patel, Governor of UP, held at IFA, Varanasi, 2023
2. 12-18 March 2023 : National Exhibition on Painting of Women Artist held at IFA Varanasi.

Shri Kunga Nyingpo

Academic Activities:

1. 30-31 July 2022 : Participated in National Conference on National Education Policy. Organized by the Central for Teaching Education, (PMMMNMYY) Ministry of Education, Government of India.
2. 4 to 6 Nov 2022 : Organizing committee member of 3 days program of Prof. S. Rinpoche's teaching on the path of three persons shown in Choejug, 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies and Short Puja gathering of all the staff, Students and Alumni students.

3. 4 to 6 Nov, 2022 : Appointed for the responsibility of preparing Traditional rituals during the inauguration of the 2nd International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies" and "Prof. S. Rinpoche's Teaching" and "Short Puja".
4. 11-12 November 2022 : Participated in National conference on Best practices in Good Governance. Jointly organised by the Central for Teaching Education (PMMMNMTT) Ministry of Education, the government of India. The Central Institute of Higher Tibetan Studies, Deemed University, Sarnath Varanasi.
5. 23 Jan to 5 Feb 2023 : Program Co-Ordinator of The Department of Fine Arts has organized fifteen days of workshops on thangka painting. Inviting Mr. Kunga Dorjee, An Expert in Thangka Painting, Norbulingka Institute Dharamsala.
6. 1 March to 15 March 2023 : Delivered an Orientation Lecture; Introduction of Fine Arts to BSRMS students at CIHTS.
7. Appointed and successfully took charge on 1st September to contact Gyuto Tantric Monastery and invite monk artists to make Mandala and to take care of their hospitality and performance of rites and rituals during the NAAC visit to our Institute.
8. I have been registered under the PhD program for the academic session 2022-2023.

II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft

The aims and objectives of founding Fine arts, wood craft section, is to provide an opportunity to those students who have keen interest to learn Tibetan traditional woodcraft, along with learning Buddhist Philosophy. The students are taught Tibetan traditional wood crafting skills with its philosophy, history, tradition and its values. Besides, Indian and western art history, as well as aesthetics and languages are also taught to enhance the students.

In the academic year (2021-22), besides teaching, the Department of Tibetan Traditional wood craft held numerous external and internal activities such as yearly educational tour in different historical places and cultural sites. Moreover, the department of Traditional Tibetan wood craft organized several workshops on Tibetan wood craft for the exchange program students from different Universities and institutes.

E. FACULTY OF SOWA RIGPA AND BHOT JYOTISH

Dr. Dorjee Damdul - Dean

I. Department of Sowa Rigpa

Academic Activities:

Status of Sowa Rigpa in India

1. Indian Government recognized this system of Medicine in the year 2010 and the official Gazette Notification was notified in the year 2017.
2. Currently in India this system is under the administrative control of Ministry of Ayush, Government of India.

3. National commission of Indian system of medicine (NCISM) has started the very first Sowa Rigpa NEET examination in February for the Academic session 2021-2022 which was successfully conducted by our University. They designated our University to conduct the second NEET exam for the academic year 2022-2023 which was conducted on 28th August 2022 and the result was declared on 5th September 2022.
4. Sowa Rigpa Department implementing all the curriculum activities including syllabus as per the Gazette Notification of the Government of India i.e Sowa Rigpa MSE and MSR

Sowa Rigpa Department of CIHTS

1. Sowa Rigpa Department in our University is established in the academic Year 1993-1994.
2. The core aims and objective of the Department is to
   - 2.1. Preserve and promote the tradition of Sowa Rigpa and its practices.
   - 2.2. Teach Sowa Rigpa with critical observation and experiential learning to the students,
   - 2.3. Contribute health care services to the public,
   - 2.4. Provide research guidance and facilities to the researchers of Sow Rigpa,
   - 2.5. Preserve endangered medicinal herbs and its pharmaceutical process,
   - 2.6. Enrich the system through research and interaction with other medical systems.
3. Our University offers both the UG and PG program in Sowa Rigpa
4. Department revised the syllabi in the year 2015, 2019, and 2022

UG Program of Sowa Rigpa

Program: UG program in Sowa Rigpa (2015-2020)

Eligibility: 12 with medical (UM II Sowa Rigpa/+2)

Mode of Admission: Entrance test / NCISM NEET-SR-UG

Duration of Program: Four & Half Years plus one year Internship

Program Outcome of Sowa-Rigpa UG

1. The training in Sowa Rigpa, the most ancient medical science of Tibet, trains the students in various branches of Sowa-Rigpa.
2. It provides intensive knowledge of the origin of Sowa Rigpa, the Tibetan medical system, its growth and its different manifestations.
3. It also enables the students to have a sound knowledge of different aspect of the medical system like physiology, anatomy, andrology, pharmacology, clinical medicine, materiamedica and identification, toxicology, Gynaecology, surgery, psychology, pathology, epidemiology and general medicine.
4. The intensive guided training and field trips give the students first-hand knowledge of diagnosis and treatment. The highly specialized program is designed to train students in the emerging field of Sowa Rigpa.

5. The various research labs provide the opportunity to use classroom knowledge in the respective fields.
6. They are capable to conduct PG in Sowa-Rigpa, medical practitioner to serve the public health, researchers, therapists etc.

Manpower of Sowa-Rigpa Department including Contractual/Fixed/Daily wages

Man power of Sowa-Rigpa Department		
S.L	**NAME**	**DESIGNATION**
1	Prof. Ram Harsh Singh	Adjunct Professor
2	Prof. Lobsang Tenzin	Visiting Professor,
3	Dr. Dorjee Damdul	Associate Professor, Dean, MS
4	Dr. Tashi Dawa	Assistant Professor, HoD
5	Dr. A. K. Rai	Guest Faculty cum Researcher
6	Dr. Chime Dolkar	Guest Faculty cum Hospital Incharge
7	Dr. Dawa Tsering	Guest Faculty cum Pharmacy Incharge
8	Dr. Lodoe Munsel	Guest Faculty cum Therapy Incharge
9	Dr. Dawa Sherpa	Guest Faculty of Sanskrit & Trans.Work
10	Dr. Tenzin Delek	Guest Faculty cum Consultant Doctor
11	Dr. Penpa Tsering	Guest Faculty cum VB Library Incharge
12	Dr. Karma Tharchin	Pharmacy Assistant
13	Dr. Sangye Khando	Therapy Assistant
14	Dr. Tsewang Sangmo	R&D Assistant
15	Dr. Wangyal Dorjee Thakuri	Pharmacopeia Assistant
16	Dr. Dawa Dolma	Jong Assistant
17	Dr. Ngawang Kunchen	Pharmacopeia Assistant
18	Mr. V.K.Patil	Lab technician
19	Mrs. Kalsang Wangmo	TA. cum PA
20	Mr. Nyima Choegyal	EDMG Project Associate
21	Ven Tenzin Sangpo	Dispenser
22	Mr. Mast Ram	Cashier
23	Miss Sonam Dolma	Dispenser
24	Miss Youngdrung Wangmo	Dispenser
25	Mr. Sangay Wangchuk	EDMG Project Supervisor
26	Mr. Sonam Phuntsok	EDMG Project Watch man
27	Mrs. Rinchin Lhamo	EDMG Project MTS
28	Mr. Tenzin Chundey	EDMG Project MTS
29	Sri Kashinath Prajapati	Hospital Watch man
30	Sri Lav Kumar	Office peon

31	Sri Brij Mohan Bhardawaj	Pharmacy MTS
32	Sri Shubhash	"
33	Sri Shiv Shankar Yadav	"
34	Mr. Anil Kumar	"
35	Mr. Ashok Kumar	"
36	Mr. Rajesh Kumar	"
37	Mr. Sanjay Kumar Bhardwaj	"
38	Mr. Sudha Devi	"
39	Mr. Rohit Kumar Rajbhar	"
40	Mr. Sunil Kumar Rajbharr	"
41	Mr. Brij Kumar Kannaujiya	R&D peon
42	Mr. Vasim	Hospital MTS
43	Mrs. Dhanvantari Devi	"
44	Mrs. Mala Devi	"
45	Mrs. Swati Kumari Gond	"

1 Conference, Seminar, Workshop and Symposium

- 11 and 12 of July 2022 : Dr. Dorjee Damdul attended CCTM special meeting cum workshop at Dharamsala.
- 22 to 30 of Nov. 2022 : Dr. Tashi Dawa, attended meeting regarding "14th ETSI Translation International Conference on Standardizing Scientific Terms in Tibetan" including terms for SEE Learning for 8 days at Depung Loseling Science centre, Mundgod, Karnataka.

2. Lecture series and Talks

- Orientation programme for (BSRMS) Kachupa Professional –I at 4:30 pm in the meeting hall of PGRH under the chairmanship of Dr. Dorjee Damdul, Dean, Faculty of Sowa-Rigpa.
- 1 April 2022 : Lecture on course work "Research Methodology" by Dr. A.N Singh to PhD scholars at 03:00 pm in the PGRH hall.
- 2 April 2022 : Lecture on "An introduction to general research methodology in humanity studies" by Dr.Tsultrim Gyatso, Department of Asian studies, the University of British Columbia Vancober, Canada at 2:30pm in the PGRH hall.
- 4 to 16 April 2022 : Lecture on Reasearch & problems identification by Dr. R.N Mishra Prof. and coordinator, Centre of Biostatics Institute of Medical Sciences to PhD scholars at 11:00 am in the Lecture Hall of PGRH.
- 30 April 2022 : Lecture on Research Methodology and Gynaecology by Dr. Anjana Saxena to PhD Scholars.
- 6 May 2022 : Lecture on Research Methodology course work by Dr. Ajay Kumar Pandey to PhD Scholars.
- 19 April to 10 May 2022 : Lecture on Plant base research, research methodology and course work to PhD scholars by Dr. A.N. Singh.

- 11 May 2022 and 13 May 2022 : Lecture on course work, scientific writing, Journals & citation writing and research ethics by Prof. Kishore Patwardhan to PhD scholars.
- 17 May 2022 : Lecture on Ayurveda literature and how to frame synopsis by prof. Ajay Singh to PhD scholar.
- 25 May 2022 : Interaction and future plans of course work and research methodology with PhD coordinator and PhD scholars at R&D wing.
- 3, 8, 9 and 10 of August 2022 : Lecture and discussion on synopsis by Prof Ajay Kumar Pandey to PhD scholar Dr. Jigme Migyure.
- 12 to 16 August 2022 : Prof. Dr. Tsering Thagchoe Drungtso gives lectures to all the Ph.D. scholars on each specific topic from 02:00 pm onwards for four days in the SRYH hall.
- 6 to 18 January 2023 : Lecture by Dr. Leslie Jaffe MD former Director of Health Services at Smith College, MA, USA coming for exchange Programe to all the Sorig students for 13 days at Sambhot Bhawan Hall-II.

3. Publications

- Prof. Lobsang Tenzin completed the translation of medical text titled "Charaka Samhita"
- Dr. Dorjee Damdul Associate Prof. of Sowa-Rigpa Department published "Health and Hygiene as per Sowa-Rigpa Treatise", Volume 5, Page No-973, ISBN No: 978-81-936254-1-4
- Dr. Dorjee Damdul Associate Prof. of Sowa-Rigpa Department published "Health through Balanced Diet", Volume 6, Page No: 607, ISBN No: 978-81-950147-4-3

4. Academic and administration Meetings and Appointments.

- 16 April 2022 : Meeting regarding UM medical /Jyotish (Mentsee) admission of the year 2022-2023 was held in the Dean Chamber at 03:00 pm.
- 24 May 2022 : Dr. Dorjee Damdul Attended the meeting of Sowa Rigpa advisory committee held in the office of NCISM, New Delhi.
- 13 June 2022 : Dr. Dorjee Damdul attended Sowa Rigpa Principals meeting at New Delhi.
- 20 June 2022 : Board of Studies meeting of Sowa-Rigpa Department was held for reframing and revising the Sowa-Rigpa UG Kachupa (BSRMS) course at PGRH meeting hall.
- 14 June 2022 : National Commission for Indian System of Medicine, Ministry of AYUSH, Government of India, New Delhi nominated Dr. Dorjee Damdul, Director and Dr. Tashi Dawa, chief-coordinator for NCISM-NEET-SR-UG-2022-2023.
- 14 and 15 July 2022 : Dr. Dorjee Damdul attended as a speaker cum participant for 7th Health Review meeting, Health Department, Dharamsala HP.
- 27 July 2022 : Faculty Council meeting was held at 3:30 pm in R&D Wing with all the Teaching Faculties regarding review on MSE& MSR.

- 11 August 2022 : Faculty council meeting was held regarding orientation programme of the Interns of AY-2021-2022 and AY 2022-2023 and Sowa-Rigpa expert interaction and consultation with Ph.D scholars.
- 26 September 2022 : Meeting with Mr. G. Ravindar an engineer and management professional regarding freezing of equipment required for the New SR Bhawan with all the Sowa-Rigpa staff.
- 8 and 9 September 2022 : Dr. Tashi Dawa HoD, Sowa-Rigpa Department attended Visitations of the existing ASUS colleges under 13C of IMCC Act, 1970/ Section 28 of NCISM Act. 2020 and relevant regulations there under for the academic session 2022-2023 via virtual mode at the NCISM office New Delhi.
- 14 September 2022 : 13th Meeting of the National Commission for Indian System of Medicine (NCISM) held at 11:00 am in Kamalsheel committee hall.
- 19 and 20 Sept. 2022 : Dr. Tashi Dawa HoD, Sowa-Rigpa Department attended physical visitations for ASUs colleges of Medical Assessment and Rating Board for Indian System of Medicine (Marbism) NCISM under 13C of IMCC Act, 1970/ Section 28 of NCISM Act. 2020 and relevant regulations there under for the academic session 2022-2023 via hybrid mode at Bangalore.
- 28 Sept. 2022 : Dr. Dorjee Damdul and Dr. Tashi Dawa attended Hearing zoom meeting with NCISM.
- 1 October 2022 : Board of Studies meeting of Sowa-Rigpa Department on PhD course work and program was held at 02:00 p.m. in the office of Dean, Faculty of Sowa Rigpa & Bhot Jyotish. And the members present during the meeting are (1) Dr. Dorjee Damdul, (2) Prof. Jampa Samten, (3) Prof. Kishore Patwardhan from BHU (4) Prof. K. Nursing Murti from BHU. (5) Dr. A.K.Rai.
- 6 and 7 of Oct. 2022 : Dr. Tashi Dawa attended meeting for review and finalize the draft regulations NCISM- Minimum Standard Requirements for undergraduates Sowa-Rigpa colleges and Hospital regulations, 2022 in the office of NCISM at 10:00 am.
- 10 Oct. 2022 : Dr. Tashi Dawa, HoD attended Hearing meeting of Sowa Rigpa colleges in respect of matter related to issuance of LOI and grand of permission under section 28/29 of NCISM Act, 2020 and relevant regulations there under for the academic session 2021-2022-reg in the office of NCISM at 10:00 am.
- Board of Studies meeting was held on 1st October 2022 in the office of Dean, Faculty of Sowa-Rigpa and Bhot Jyotish with Prof. JampaSamten, Prof. K.N. Murti and Prof. Kishore Patwardhan and Dr. A.K.Rai.
- 2 November 2022 : Sowa-Rigpa Faculty council meeting (SFC) was held at 03:00 pm in the R&D wing regarding Oral exam, Mentorship, Hospital equipment's and pharmacy equipment's etc.
- 18 November 2022 : Meeting of all the faculties and students was held to elect SSC Sowa-Rigpa student council at 02:30pm in the Sambhot Bhawan hall II.
- Dr. Penpa Tsering has been appointed as one of the observer/Visitor to undertake visitation of the ASUS colleges regarding Visitation of the college to

establish a new college/new PG course/increase in take capacity in ASUS College for the academic session 2022-2023 via hybrid mode.

- 22 December 2022 : Dr. Dorjee Damdul, Dean. Faculty of Sowa-Rigpa attended a Research & Development Cell meeting held in the committee room of Kamalsheel Bhawan on Thursday at 12:00 pm under the chairmanship of the Honorable Vice-Chancellor.
- 28 December 2022 : Dr. Tashi Dawa HoD, Sowa-Rigpa Department appointed a member of the committee "to Identify the Diagnostic Procedures and Tools that are essential for BAMS Graduates and suggest the mode of training" and attend the meeting in the NCISM Office.
- 29 December 2022 : Dr. Tashi Dawa HoD, Sowa-Rigpa Department appointed a member of the online elective courses for the ASU colleges are being lunched and elective course as Sanskrit Promotion Foundation in Delhi. Thus to provide Sowa-Rigpa elective course for the Ayurved, Unani and Siddha undergraduate at Delhi.
- 06 January 2023 : Dr. Tashi Dawa HoD, Sowa-Rigpa Department appointed a member of the committee" to decide the criteria for the Development of Assessment Scales for Reference books" and invited to attend the first meeting in the NCISM Office Delhi at 11:00 am.
- 23 Jan 2023 : Dr. Tashi Dawa HoD, Sowa-Rigpa Department has been invited to attend the 2nd and Final meeting of the committee for "Development of Assessment Scales" at 11:00am in the NCISM Office, New Delhi.
- 1 to 5 March 2023 : Dr. Dorjee Damdul, Dean. Faculty of Sowa-Rigpa attended the 37th Board Meeting regarding CCTM General Rules & Regulations, held at Dharamsala.
- 1 March 2023 : Dr. Dorjee Damdul, Dean. Faculty of Sowa-Rigpa attended the 32 meeting of the Academic Council. CIHTS was held at 02:30 pm in the committee Room of the Vice Chancellor's office, CIHTS.

5. Training Programs

- Dr. Lodoe Munsel, Dr. Karma Tharchin, Dr. Tsewang Sangmo, Dr. Dawa Dolma, Dr. Sangye Khando and Dr. Wangyal Dorjee participated and attended four month medical retreat and spiritual enhancements organize by Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) from month of April to August 2022. (Yuthok Nyingthik is a composed or re-discovered by Yuthok Yonten Gonpo the younger. It is a system of Bhddhist practice which combines Traditional Tibetan Medicine and Vajrayana practices. These are the primary Vajrayana practices of Tibetan Medicine practitioners received the empowerments, reading, transmission and instructions by Guru Vajradhara His Holiness the 12th Chamgon Kenting Tai Stupa at Palpung Sherabling Monastic Seat Himachal Pradesh.
- 7, 23 and 27 of July 2022 : Faculty council meeting was held under the chairmanship of Dean, Faculty of Sowa-Rigpa on review of draft MSE & MSR.
- 1 to 15 August 2022 : Under the leadership of Dr. Ngawang Kunchen, BSRMS IVth year students successfully conducted the annual medical excursion at the

Himalayan region, Tawang, Arunachal Pradesh. Herb Identification test with evaluation also conducted and the evaluation sheet has been submitted to Exam Wing and report submitted and group presentation was also made by students upon return in the campus with the entire faculty and students of Sowa-Rigpa.

- 24 August 2022 : BSRMS IV year students shared their knowledge and experience to all the faculties and students after completed their Medical excursion at Tawang Arunachal Pradesh areas.
- 20 November 2022 : Meeting on the status of the individual Ph.D scholars study and research work was held at PGRH Hall at 3.00pm
- 1 to 15 March 2023 : 15 Days Induction Programme for BSRMS fresher's.

6. Health Programs

- 17 April 2022 : Free medical eye check-up camp by Mr. Raghvendra Pratap Singh, L.S Eye care centre was organizedby Sowa-Rigpa Department on Sunday at Yuthok Sowa-Rigpa Hospital.
- 27 September - 10 October 2022 : Dr. Karma Tharchin, Department of Sowa-Rigpa escort of the Medical tour in and around Dehradun specially in the Monastic Institutions and Tibetan old age home as part of the project "Trans – Himalayan Outreach Program" along with 6 students of BSRMS.
- 11 September 2022 : Sowa-Rigpa Day celebration was held Sunday for whole day in the A.P. Guest House.

7. NEET Examination

- 28 August 2022 : NCISM designated CIHTS as a designated Institute for conducting very fast National Commission of Indian System of Medicine – National eligibility entrance test for Sowa-Rigpa under graduate for the academic session 2022-2023 (NCISM NEET SR-UG-2022-2022) exam which was successfully conducted by the Department and the appreciation letter was also received from NCISM, AYUSH ministry, Government of India, New Delhi for successful conduction of NCISM NEET Exam.

NEET Entrance Exam of 2022

Annual Medical excursion at Tawang

Orientation for fresher

Yuthok Nyingthik Retreat at Palpung Sherabling Monastic, Himachal Pradesh

Appreciation letter received from NCISM, AYUSH ministry, Government of India, New Delhi for successful conduction of NCISM NEET Exam.

Appreciation letter received from NCISM, AYUSH ministry, Government of India, New Delhi for successful conduction of NCISM NEET Exam.

Medicine Buddha Day and Oral Transmission

Inspection team came from CCTM, Dharamsala

LUDRUB PHARMACEUTICAL UNIT

Aims & Objectives:

The core aims of this unit are-

1. To give hands-on practical training on Sowa-Rigpa pharmaceutical procedures and processes.
2. To facilitate routine Sowa-Rigpa products and supplies for visiting patients of Yuthok Sowa-Rigpa Hospital.
3. To standardize and assure the quality of formulations of Sowa-Rigpa products.
4. To research and innovate new products from students' initiatives and activities.

- **Current Manpower at the Unit.**

Sl.	Post/Category	Permanent	Guest Faculty	Contractual (Fixed)	Daily wages
1	Manager/In-charge	-	1	-	-
2	Assistant Manager/In-charge	-	-	1	-
3	MTS	2	-	1	7
	Total	**12**			

- **Details of Raw Medicine/Materials *(Appendix-1)***

Total varieties of Raw Material 406 (Wt. in Gm:395, Ltr:7, Pc/Pkt: 4)					
	Opening Balance	**Annual Received**	**Annual Consumption**	**Annual Wastage**	**Net Balance**
Quantity in Kg	5285392.24	3265842	3910524	21787	4614203.24
Value (Rs)	3790000.85	986099.74	1177079.44	2173.23	3596257.91
Quantity in Ltr	98883	691625	697355	8540	84613
Value (Rs)	29363.18	97505.60	106884.78	1451.65	15113.24
Quantity in Pc/Pkt	114	200	122	0	192
Value (Rs)	12535.00	20000.00	12200.00	0.00	20335.00
GT	**5384389.24**	**3957667**	**4608001**	**30327**	**4699008.24**
GT Value (Rs)	**3831899.03**	**1103605.34**	**1296164.22**	**3624.88**	**3631706.15**

Note: Rate as of 1st April 2022

- **Raw Medicine/Materials**

3.a. Annual Purchased & Sources ***(Ref: Stock Register: RMP/22-23/01)***

Raw Medicine Source		**Qty (Kg)**	**Qty (Lt)**	**Qty(Pkt/Pc)**	**Value (Rs)**
1	Himalayan Region (HR)	343.134	0	0	522256.00

2	Local Farmer/Market (LFM)	1631.980	690.000	201	535442.00
3	Herbal Garden (KHG)	753.465	0	0	75346.50
4	EDMG, Tawang Project (EDMG)	211.500	0	0	193277.44
5	Collected & Donated (C&D)	264.500	0	0	13375.00
	Total	**3204.579**	**690.000**	**201**	**1339696.94**

Note: Rate as per actual purchased rate.

Sowa-Rigpa Therapy Wing:

The Sowa-Rigpa Therapy Wing is a part of the Yuthog Sowa-Rigpa Hospital, which has been providing traditional healthcare services since its establishment. This Therapy Wing was established in 2017 with the primary aim of providing healthcare services for patients and supporting the teaching learning process for Kachupa students under the BSRMS program. The therapies administered are based on the referral from the Sowa-RigpaMenpas from its 4 different OPDs. In addition to providing individualized therapies for respective diseases, the Therapy Wing provides real-time exposure to Sowa-Rigpa therapeutic effects and procedures under the supervision of senior and assistant therapists.

Therapies Provided:

The Therapy Wing provides various therapies, including sNasMen, Shel, Jamtsey, Jugpa, Zangbum, Shel Bum, rLangLums, Kam Khap, gTar, and non-invasive therapies.

Patient Numbers:

Before the pandemic, the number of patients receiving Sowa-Rigpa therapy was 3865 in 2019-2020. Due to the COVID-19 pandemic, the therapy facility was closed for two months (April and May 2020). After the initial phase of unlock-l, the therapy services were restarted strictly for in-campus students, staffs, and their family members from June 2020 onwards. In 2020-2021, the number of patients receiving therapy was 409. In 2021-2022, it was 332. From 1st April 2022 to 1st April 2023, the total number of patients who received Sowa-Rigpa treatment and therapy was as follows:

SL.No	Month/Year	Male Patients	Female Patients	Total Patients
1	April 2022	6	14	20
2	May 2022	5	3	8
3	June 2022	5	1	6
4	July 2022	17	26	43
5	August 2022	40	29	69
6	September 2022	69	107	176
7	October 2022	34	61	95
8	November 2022	85	123	208
9	December 2022	82	95	177

10	January 2023	68	104	172
11	Febuary 2023	79	143	222
12	March 2023	79	128	207
Total No. of Patients		**569**	**834**	**1403**

The Therapy Wing not only catered to the healthcare needs of the patients but also supported the teaching-learning process for Kachupa students under the BSRMS program. The Therapy Wing remains committed to providing quality healthcare services and training to the students, thus contributing to the preservation and promotion of traditional healthcare practices.

Pharmacopoeia Unit:

Since the awareness of Sowa-Rigpa is increasing globally, the number of patient all over world and particularly in India has been growing promptly with the demand of Sowa-Rigpa products/medicine. But since, the general scientific acceptability of these products/medicines very much depends upon the compliance with the quality standards and quality control of the medicine and its manufacturing process. It is been indispensably required to have scientific standards for the identity, purity, efficacy etc. of the traditional medicine of Sowa-Rigpa as well. Therefore, keeping in view for publishing Pharmacopoeial standards of Sowa-Rigpa system, Pharmacopoeia Unit of Sowa-Rigpa Department has established to undertake pharmacopoeial work. Subsequently, conserving and preserving rare text book, restoring the disseminated and disperse longstanding edition are to be upgraded and complementing the Tibetan Medical Text to the practitioners of Sowa-Rigpa has been kept in view as well.

Aim and Objective of the project is:

- To provide QC & QA of Sowa-Rigpa product
- To introduce an authentic pharmacopoeia book
- To provide information about the ingredients and methods of preparation of Sowa-Rigpa medicine.

Work Completed:

- Compiled "Sowa-Rigpa Anatomy Book" as per instruction of HoD, Department of Sowa-Rigpa

Work in Progress:

- The third edition of Pharmacopoeia Book on "Ko-byi 13 formulation" is in the process

Pathology Unit:

1) Sowa –Rigpa pathology center received about -644/= patient between 1st April 2022 to 31st March 2023. In which they were tested for various pathological diagnostics.

   Like :- Blood , urine , stool , sputam and soon.

2) Various year BSRMS student of Sowa-Rigpa Medical college in Sowa- Rigpa pathology department continued to come per the time, who provided help in practical tests and technology as per requirement and students from our Sowa –Rigpa pthology centre got information about various type of disease. As it continuous to help them in the treatment of patient. In future, students need Sowa- Rigpa pathology.

3) In Sowa-Rigpa pathology center, patients are coming from different areas and in numbers for various types of tests which are being investigated under the help of which, the Rich –poor every one getting all the benefits, no discrimation between any patients. A uniform facility provided to all the patients, with the help of this great services patients are extremely happy and living their precious life.

4) Patients are coming from different areas in Sowa-Rigpa pathology center. In which patient from different districts of Madhaya pradesh, Bihar, Ballia, Ghazipur, Chandauli, Mirzapur, Bhadohi, Jaunpur, Azamgarh, Deoria, Mau, etc. Patients are benefited and taking advantage of Sowa-Rigpa Pathology center in easy way.

5) The number of out Patients and the number of students in Sowa-Rigpa Pathology center are shown below I the graph .All the number will be in per-cent, this number is from April 1st to March 31st 2023.

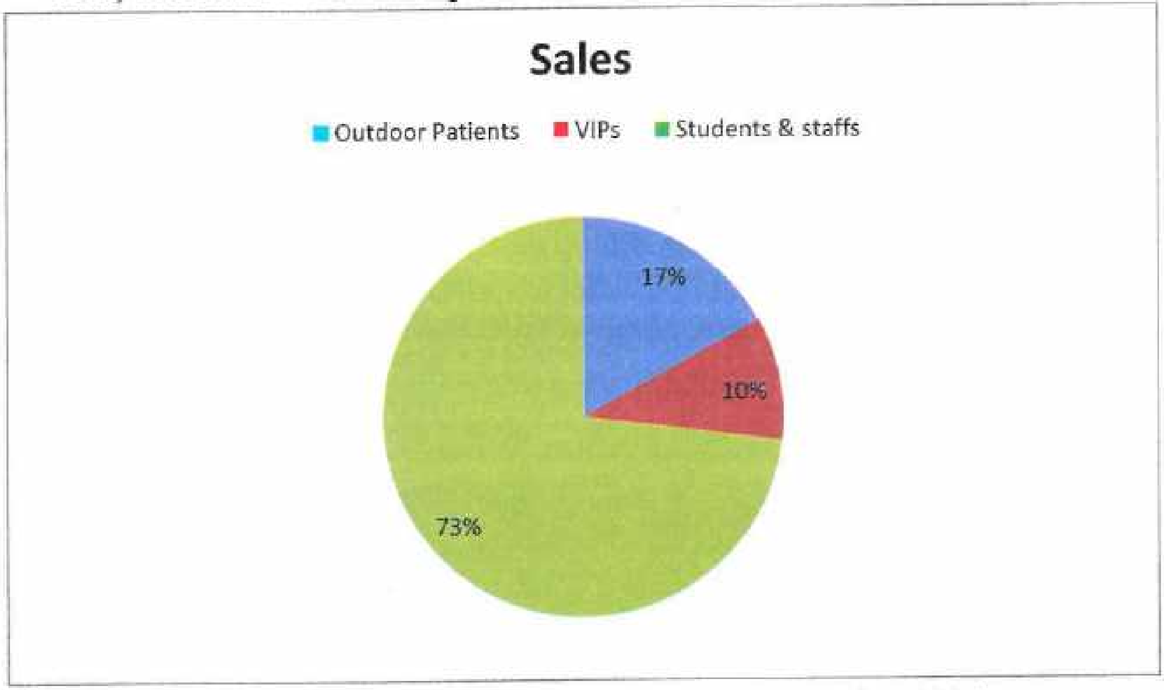

Total Number of Patients in a year is around = 644/-

Research Unit:

Research works which have been completed:

1. Wrote a research article in Hindi:- Tibetan Chikitsa-Vigyan me Chitta chikitsa.
2. Wrote an article in Hindi – Methods and benefit of Yognidra.

3. Write an article in Hindi Baudhmanovigyanmereesamajh.
4. Pilot study has been completed Effect of Yagya (Hawan) chikitsa on Asthama.
5. Pilot study has been completed. Topic- "Effect of Yogasanaon IBS and digestive Disorder".
6. Prepared, completed and submitted the course work syllabus of Research Methodology and Biostatistics for PhD program.
7. Prepared a progress report format for Ph.D. scholars.

Other works:

A. Treated patients with Psychotherapy techniques.

B. Treated Psychosomatic patients with Yoga techniques.

C. Took (BSRMS 2rd and 3th year) classes on Clinical Psychology, Behavior Disorder and Psychotherapy.

D. Help and guidance of internship students of BSRMS as Coordinator.

E. Coordinate international Yoga Day Program.

F. Coordinate Faculty PhD program.

G. Participated in NCISM workshop.

H. Translate Gazette of Sowa- Rigpa translate in Hindi (published).

I. Translate 2021 -2022 Year report in Hindi.

J. Help and support to Raj Bhasha as committee Member.

K. Delivered a lecture on Personality Development and Yoga for Sowa-Rigpa Induction Program.

L. Support to IQAC.

M. **Future Research works:**

a. Prepare a project for Tawang (Arunanchal Pradesh)

b. Stress Management of students and I.P.D.O.P.D patients.

c. Write a book on Chitta-Vigyan in Hindi with the help of Prof. L Tenzin (Tibetan-Psychology or Psychotherapy)

d. Support to our Ph.D. students to complete his research work.

e. Effect of classical healing (Hawan Chikitsa) on Diabetes and some other diseases.

Herberium Unit:

1) Aims and Objectives:-

- Proper identification, study and usage of Sowa-Rigpa based medicinal herbs.
- Students' knowledge and exposure to herbs and minerals used in Sowa-Rigpa medical system.
- Preservation of extinct or endangered herbs sample in herbaria sheet.
- To improve quality standard of each herb in future by conserving seeds and DNA sampling.

2) Herbarium works:-

- Total of 1211 herbaria samples collected from Manali, Garsha, Spiti, Manikaran and other regions of Himachal Pradesh and Tawang region of Arunachal Pradesh.
- Total of 63 herbs collected from Kalchakra garden of Sowa-Rigpa (CIHTS) have been attached separately on herbarium sheet.
- Total of 130 crude drug samples from minerals, natural salts, trees and herbs which are used in Sowa-Rigpa pharmaceuticshave kept separately in Herbarium unit.
- Total of 169 Voucher specimens for herbs collected from Himalayan region out of which fill-up of 59 herbs have been completed in both Tibetan and English language.
- Total of 106 preserved small animal and plant specimen conserved in formalin procured from the market.

3) Future Projects:-

- Continuation of Voucher specimen fill-up work.
- More collection and research on herbs from Kalachakra garden (CIHTS) and other Himalayan region of India.
- Herb based Summer Project to students who will be in campus.
- DNA finger printing of plant samples and conserving their genes for potential propagation in times of rarity and extinction.
- GPS co-ordinated collection of specimens from different location to maintain standards for each collection.

Students presentations

Oral test examinations

National Sowa-Rigpa Day Celebration

Students exhibition

Translating medical text "Sushrut Samhita"

13th Meeting of the (NCISM)

Meeting of Monthly R&D medicine

Free medical eye check up camp

PhD coursework

Varanasi Commisioner Visitation

Exchange Programe

During NAAC Visitation

Yearly NCISM Visitation

NCISM (NYIPA) Visitation

Future plan of the Department

To establish & develop a full-fledged Sowa-Rigpa Centre of Excellence with the construction of New Academic and Hospital building separately.

- On-going Project of Commentary of rGyud-bZhi, Commentary of Dawe Gyalpo, by Prof. Lobsang Tenzin.
- On-going Project of "**Pharmacopoeia in Tibetan Medicine**".
- On-going Project of "**Herbarium Specimen**" in Tibetan and English.
- To research on medicinal herbs and products & formulation.
- To render and improve the health of local people through Sowa-Rigpa.
- To explain and promote effectiveness of Sowa-Rigpa medicines on Gynecological disease through mother-child healthcare in remote area.
- To do clinical research on chronic and infectious diseases through collaboration with other system of medicine.
- To research on drug standardization in collaboration with other universities (National and International).
- To translate ancient text of Indian medicine into Tibetan.
- Herbal garden was established in Tawang, Arunachal Pradesh to cultivate endangered and rare species of high altitude plants.
- Increment of student intake for the undergraduate program.
- Starting 2nd batch of Sowa-Rigpa PG program.
- To train and initiate more programs and specialty in PG and Ph.D. courses.
- To promote Sowa-Rigpa internationally and serve more patients globally.
- To establish & develop full-fledged Sowa-Rigpa center of Excellence with the construction of New Academic and Hospital building separately.
- To recruit more manpower in the academic and hospital management to sustain and establish the set target.

Present status:

Present status of establish & develop a full-fledged Sowa-Rigpa Centre of Excellence with the construction of New Academic, Pharmacy and Hospital building separately

Dr. Dorjee Damdul

Administrative Responsibilities held during the academic year:

1. Dean, Faculty of Sowa Rigpa & Bhot Jyotish, Faculty of Shilpa Vidya, CIHTS

2. Chief Vigilance Officer, CVO, CIHTS, Sarnath, Varanasi
3. Chairman, Departmental Research Committee, Department of Sowa Rigpa,
4. Chairman, Spot Purchase Committee, Sowa Rigpa Department, CIHTS
5. Director, NCISM NEET SR UG Sowa Rigpa Undergraduate 2022
6. Member, Board of Studies, Sowa Rigpa, University of Ladakh
7. Member, Sowa-Rigpa Central Counselling Committee (SRCCC), NCISM
8. Member, Advisory committee for Sowa Rigpa, NCISM, New Delhi
9. Member, Academic & Scientific Advisory Committee of NIT, Leh Ladakh, UT
10. Director, NCISM NEET SR UG Sowa Rigpa Undergraduate 2023
11. Medical Superintendent, Sowa Rigpa Yuthog Hospital, CIHTS
12. Co-Investigator, EDMG, Tawang Project, Arunachal Pradesh

Seminars/Conferences/Workshops and other university activities.

1. 4 May 2022 : Attended "Sowa Rigpa advisory committee meeting" held at NCISM office New Delhi.
2. 20-21 May 2022 : Attended and delivered a lecture on "National Workshop on Sowa Rigpa for Practitioners of Sowa Rigpa from North Eastern States" organized by NISR Leh in collaboration NIT Sikkim, Funded by Ministry of Ayush, Govt of India.
3. 13 June 2022 : Attended "Sowa Rigpa Principals meeting" held at NCISM office, New Delhi.
4. 14-15 July 2022 : Attended and delivered a lecture on "7th Health Review meeting" held at Dharamsala, Himachal Pradesh, India, organized by the Department of Health, CTE.
5. 30-31 July 2022 : Attended "National Conference on National Education Policy" organized by the Centre for Teacher Education, CIHTS.
6. 9 September 2022 : Attended "Sowa-Rigpa Central Counselling Committee (SRCCC), meeting" held at NCISM office, New Delhi.
7. 8 October 2022 : Attended and deliver a lecture on "a one day Conference on Herbal Therapeutics: Relevance in Modern Medicine" organized by Department of Biotechnology, Motilal Nehru National Institute of Technology, Allahabad, Prayagraj UP. India.
8. 4-6 November 2022 : Attended "Second International Conference on Tibetan and Himalayan Studies" organized by the Alumni Association of CIHTS.
9. 11-12 November 2022 : Attended "National Conference on Best Practices in Good Governance" organized by Centre for Teacher Education of CIHTS.
10. 1-5 March 2023 : Attended "CCTM 37th Board meeting" held at Dharamsala, Himachal Pradesh.

Publication of the year:

1.	Materia Medica Part I,	Volume-VII,	Page-684,	ISBN 97881950147-0-5
2.	Materia Medica Part II,	Volume-VIII,	Page-759,	ISBN 97881950147-1-2
3.	Materia Medica Part III,	Volume-IX,	Page-778,	ISBN 97881950147-8-1
4.	Materia Medica Part IV,	Volume-X,	Page-935,	ISBN 97881950147-2-9

5. Diagnostic technique, Volume-XI, Page-725, ISBN 97881950147-9-8
6. Ethics of Physician, Volume-XII, Page-353, ISBN 97881959731-0-1

II. Department of Bhot Jyotish

(1) Dr. Tashi Tsering (J) - Associate Professor
(2) Dr. Jampa Chophel - Assistant Professor & Head
(3) Dr. Umashankar Sharma - Guest Faculty

Academic Activities:

Dr. Tashi Tsering (J)

1. 13-15 July 2023 : On the request of NCISM and consequent order of the institute, I have attended the meeting designing the course of Sowarigpa at Delhi for three days.
2. 26 July 2023 : Participated in the syllabus modification committee of the department.
3. Paper settings of both the Frist and Second Semester, CIHTS, Sarnath.
4. Evaluation of both the Frist and Second Semester, CIHTS, Sarnath.
5. Moderation of both the Frist and Second Semester papers, CIHTS, Sarnath.
6. Evaluation of class Assignments for both the semesters, CIHTS, Sarnath.
7. Invigilator during second semester 2023 CIHTS, Sarnath.
8. Contribution of book called "spor thang rtis kyi skor 'go" which is further published in August 2023, CIHTS, INDIA. ISBN 978-81-953904-8-9

Dr. Jampa Chophel

With reference to your notification dated August 31, 2023, which I received on September 4, 2023, directing the submission of the annual report for the year 2022-2023, I would like to inform you that I have successfully completed all teaching and learning activities. Furthermore, I would like to highlight the following programs conducted during the given cycle:

1. 6 July 2022 : Attended an International Seminar in Prague where I presented a paper on "Sexagenary and its Application in Tibetan Astroscience."
2. 6 November 2022 : Participated in an International seminar of Alumni at CIHTS and presented a paper on the "Sixty-Year Counting System".
3. Nov. 2022 : Contributed a research paper on the "Sixty-Year Counting System" in the Tibetan Community.
4. Added another research paper to the Nalanda Dialogue Series-I of Nav Nalanda Mahavihara at the end of 2022.
5. 05 January 2023 : Invited as a resource person to deliver a talk on Tibetan Astroscience for exchange program participants.
6. 7 March 2023 : Invited as a resource person to deliver a talk on Tibetan Astroscience for the Sowarigpa Induction program.

In addition to these academic programs, I also served as the Nodal Officer of NAD, AISHE, AIU, Chairman of Swachh Bharat, Member of IQAC, Admission committee, Scrutiny Committee, and was actively involved in various sections of NAAC

preparatory work. I also held the position of Treasurer of the Alumni Association of CIHTS and was engaged in other official activities, alongside uninterrupted academic teaching.

Dr. Uma Shankar Sharma

Workshop/Special Lecture

1. 13 August 2022 : Organised Special Lecture as coordinator on topic "Rashtra Nirman me Rashtriya Pratik Chinho ka Mhatav" under. Har Ghar Tiranga campaign.
2. 16-23 August, 2023 : Participated as member of organizing committee of Workshop on topic "Shudh Hindi".
3. 26 November 2023 : Organised one Special Lecture as coordinator on Bhartiya sanvidhan ke Saidhantik Mulya evam Maulik Sidhant" on the occasion of Sanvidhan Diwas.
4. 31 January 2023 to 04 February 2023 : Organised one week Workshop as convener on topic "Basic (General) concepts of Economics".
5. 28 March 2023 : Organised Special Lecture as convener on topic "Pradaogiki evam Digital Shiksha ke Vikas me Mahilao kaYyogdan" in order to the occasion of Women's Day.

Seminar/Conference

1. November 2022 : Portrayal of Women in Indian Painting and changing dynamics, organised by ICHR New Delhi and Akhil Bhartiy Itihas Sanklan Yojna Siligudi.
2. 10-11 November : International Astrology Conference organized on the topic "Purushartha Chatushtya in Astrology" Department of jyotish, Faculty of SVDV, BHU Varanasi.
3. 26-28 December 2022 : National Seminar on "swa', Swatantrata aur Pratirodh: Atit se vartman tak" organized by Akhil Bhartiy Itihas Sanklan Yojna and ICHR New Delhi, held at Medical Collage, Sasaram.
4. 4-5 March, 2023 : Participated as member of organizing committee in international conference "Buddh ki Dharati Par Kavita-4".

□

3. RESEARCH DEPARTMENTS

Research relating to restoration of Tibetan into Sanskrit and translation of Tibetan texts into Hindi, Sanskrit and English and critical editing of rare manuscripts of Buddhist texts, compilation dictionaries of general and technical nature and various research works on Tibetan language & Literature and publication thereof are the major activities of the Research Departments of the Institute. The research activities pursued at the Institute are in the forms of restoration, translation, critical editions and publication through the following Departments:

1. **Restoration Department**
2. **Translation Department**
3. **Rare Buddhist Texts Research Department**
4. **Dictionary Department**
5. **Centre for Tibetan Literature**

1. Restoration Department

Vision

The Restoration Department was established as an independent Department within the Research Department to restore ancient Indian science and literature preserved in Tibetan language, into original Sanskrit. It is not only aimed to restore the texts for research purpose, but to revive a lost Indian culture into its original form. This is the only university in the world, where such work is being carried out. The top priority is given to important works of Acharya Nagarjuna, Aryadeva, Shantarakshita, Kamalashila and Atisha and so on.

To restore the text into Sanskrit, the scholar of this Department works in collaboration with Indian Sanskrit scholars. This is a well-known tradition coming from the 9th century in Tibet. When these texts of Indian cultural heritage were first translated into Tibetan from Sanskrit, it was compulsory for a Tibetan translator to work with an Indian Pandit as a subject expert. Abiding by that tradition, this Department is also working with Indian scholars who are well versed both in Sanskrit and in Buddhist Philosophy. It is a matter of great honour that late Prof. Ram Shankar Tripathi, a President Award winner as well as a Padmashri Awardee, was working with this Department.

So far many important titles have been published from this University in the forms of restoration, translation and critical editions done by the scholars of this Department. Few of the works of this Department have received U.P. Sanskrit Academy Award.

Staff Members and their Designations:

1. Dr. Losang Dorjee - Associate Professor (HOD)
2. Ven. Ngawang Gyaltsen Negi - Research Assistant

Main Project Works:

Nature of Work: This Unit is mainly engaged with restoration of ancient Indian literature, translating them into English and Hindi languages. The scholars of this department work on critical editing of the text and prepare CRC for publication. The Department has also conducting workshop and conferences. They teach classes in the option of professors when they left for long holiday. Currently following project works are carried out:

Published work:

Madhyamakaratnapradipa of Acharya Bhava Viveka: Critical edition of Tibetan version and Hindi translation completed and published by CIHTS Publication 2022.

A. Main Research Project/Works:

1. ***Acharya Nagarjuna's Bodhicittavivarana*** was restored with Prof. Gokhale was completed late Ven. Gyaltsen Namdol. This is a revise edition of the previous edition and restored edition will be added in revise edition. The project is taken by department and introduction and appendix work is under progress. The main project holder was retired and later demised.
2. ***Bodhipadapradipapañjika of Acharya Dipankarasrijñāna:*** Restoration into Sanskrit and Hindi translation of the text with late Prof. Ram Shankar Tripathi was completed. Most of the long verses restoration into Sanskrit was completed under the guidance of Prof. P.P. Gokhale Ji. Working on research oriented introduction and preparation of appendix of the text is under progress.
3. ***Aryasarva-buddha-vishayāvatāra-jnanāloka-alamkāranāma-mahayāna-sūtra***: Completed the critical edition of the Sanskrit manuscript collating with Tibetan version. The work was being done with Prof. P.P. Gokhale and going to publish soon. Doing research for its introduction.
4. ***Mahavyutpatti:*** A comprehensive Sanskrit-Tibetan dictionary compiled in the 9th century by Indian masters with the Tibetan translators. Collating work with two other Tibetan editions has been completed. Presently working on introduction and appendices.
5. ***Yuktishastika of Acharya Nagarjuna and its commentary by Acharya Chandrakirti:*** Revision of restoration is under progress with Prof. P.P. Gokhale. The introduction and appendix works are under progress. This is joint project work with Translation Department.
6. ***Dharmadhatustava by Acharya Nagarjuna***: Restoration and translation into Hindi and English is almost completed. Last few years earlier, a diplomatic edition was published from Austria. At present collating the text with newly published edition and other manuscripts. The critical editing and correction of all four languages (Sanskrit, Tibetan, Hindi and English) is under progress with Prof. P.P. Gokhale. Both Tibetan and Hindi introduction work is under progress.
7. ***Prahanapurakaśhatavandānamahāyāanasūtra, Karand-vyuhamahā-yānasūtra, Pratitya-samutapadasūtra and Dashakushalasūtra:*** Restoration into Sanskrit and some Hindi translation of these texts is

completed. Translation into Hindi and critical editing etc. work is under progress.

8. ***Mahayanapathakrama of Acharya Subhagavajra:*** Critical edition of Tibetan version is completed. Restoration and Translation into Hindi second draft of same text is completed with Prof. P.P.Gokhle. Restored was revised second time and related text were examine and quoted references for the preparation of introduction.

9. ***Vinaya Paribhasik Shabda Kosha:*** Working on the compilation of a dictionary on technical terms in Vinaya. This is a bilingual dictionary in Tibetan and Sanskrit. The work is being done in collaboration with the Dictionary department of the CIHTS.

10. ***Samkshiptananadristivibhajya*** by ***Acharya Umai Senge:*** Restoration of this text is completed with Prof. P.P. Gokhale. The introduction is under progress.

11. ***Abodhabodhakanama Prakaranam*** by ***Acharya Nagarjuna:*** Restoration of this text is completed with Prof. P.P. Gokhale. The work on introduction is under progress.

B. Team Work:

1. **'Buddhapalita's Commentary on Mulamadhymakakarika:** Some portion of original Sanskrit manuscript diplomatic editing was done by Chinese scholar YE Shaoyong. On the basis of this manuscript Department of Restoration and Translation has mutually accepted to work on critical editing and restored the lost portion of the seven chapters under the direction of Prof. P.P. Gokhale on the basis of Tibetan edition. Thus, seventh chapter was completed and published in the Dhih Patrika serial 62, CIHTS, ISSN 2395-1524, page no. 151-170.

2. ***Shri Vanaratna-Mukhagamratna-Sarmala*** manuscript is available in Tangyur collection with multi languages of Sanskrit and Tibetan in Tibetan script. This text is complied and composed by Acharya Vana Ratna. The Sanskrit language is mostly corrupted and unable understand easily. Thus they have decided to edited entire text and find out references and place the notes. Prof. P.P. Gokhale (retired) has assured to help for the editing of Sanskrit version with Hindi translation.

   The Restoration department is working on the critical editing of the Tibetan editions, editing of the original Sanskrit text, Hindi translation and search for the source texts of the verses compiled in the book.

3. All the scholars of the department are engaged in translation of **'Completive of Buddhist Science and Philosophy'** into Hindi, a translation project for the private office of the His Holiness the Dalai Lama. The first draft translation of the text has completed. Final checking of the translation is under progress.

4. All the scholars of the department are engaged in translation of Translation of Kagyur, Tengyur and Sungbum into Hindi from the collection of **Mahapandit Rahulsamkritayayan** brought from Tibet. This is collaboration project work between CIHTS, Sarnath and Art, Culture and Youth Department, Government of Bihar.

Restoration and Translation Department scholars are working jointly with Prof. P.P. Gokhale Ji

C. Other Academic Activities:

1. ***Shri Vanaratna-Mukhagamratna-Sarmala*** is written by Acharya Vana Ratna. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi has translated this text into Hindi as a first draft. The critical editing of this text was done with other Tibetan editions. The searching of the Sanskrit and Tibetan references available in verses form is under progress.

2. **Buddhapalita's Commentary on Mulamadhymakakarika:** Acharya Ngawang Gyaltsen Negi has edited entire seventh chapter of Sanskrit version compared with Tibetan editions. The published diplomatic edition was not compared with Tibetan editions and many words and sentence are missing according to Tibetan editions. Thereafter, with the help of co-editor of Dhih Patrika, Tibetan version were compared with Sanskrit manuscript and those error and missing portions were restored and corrected according to the Sanskrit version as much as possible.

   Later, some doubtful and unclear sentences were submitted to the Prof. P.P. Gokhale ji for final correction and he re-edited the entire seventh chapter. Thereafter, it was refit in the computer and submitted it for Dhih: 62 Patrika for publication.

3. Dr. Geshe Lobsang Dorjee, HOD, has prepared a brochure **'A brief introduction of Restoration Department and its achievements'** in English and Hindi version before NAAC peer team visit in our Institute for the Assessment of University. The brochure has highlights the following topics: 1) An establishment of Restoration Department, 2) Preservation of Indian Literature in Tibet, 3) Concept of Restoration, 4) Appreciation on Restoration works, 5) Process of Restoration, 6) Priority to the works of Indian masters, 7) Tibetan Language and its relation with Sanskrit, 8) Restoration based, Buddhist technical term texts. In addition with these activities the list of restored, translated and critically edited book, by the Department and the list of translated and critically edited books, the list of restored, translated and critically edited by others departments, team work publication and on-going projects were also included.

4. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi translated the brief and details introduction of Restoration Department and its achievements English version to Hindi language for the website of the Institute.

5. The Restoration Department has prepared complete list of published, un-published restored texts, and added the Der-ge text number on each texts that it can easily find out from the catalogue of Ka-gyur and Tangyur.

6. Dr. Geshe Lobsang Dorjee has composed an article on ***'Development and achievement of Buddhism in Koshambhi'.*** This article was published in the recently released **'Bodhiprabha',** vol. II, 2022, page no. 85-98, CIHTS.

7. Dr. Lobsang Dorjee has composed an article on ***'An analysis on Seven Abhidharma of Theravada and Mulasarvastivada tradition.'*** in Tibetan version. This article was published in the Tam-Tshogs 42, Library of Tibetan work and archive, Dharamsala, page no. 99-124, ISSN: 2454-5066.

8. Under the Ph. D course work program on the behalf of Restoration Department Dr. Geshe Lobsang Dorjee has given a two-day **"Research Methodology"** talk to Ph. D students on 29th April and 11th May 2022 at A.P. Guest house, CIHTS.

9. Dr. Geshe Lobsang Dorjee has given a talk on **'Research Methodology'** from 22-24 May 2022 for three days workshop more than twenty Geshe Lharampa Degree holders as well as research scholar attended from six Geluk monasteries, South India. These Geshe are researching on five major Buddhist philosophy texts and its practice. This talk is organized by Geluk International Foundation, Mundgod, South India.

10. During the arrival of the NAAC peer team from 18-20 October 2023 in our Institute, the members of all NAAC peer teams visited "Displayed of Restoration Department Publications and other Research Department publications" in front of Atisha hall. The Restoration Department members were also present during that occasion. The Head of Department has introduced the restored, translated and edited books to the NAAC peer team members.

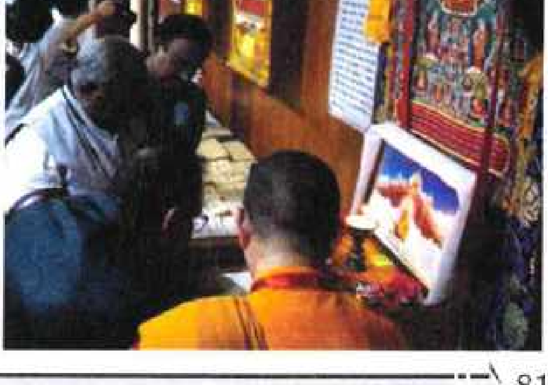

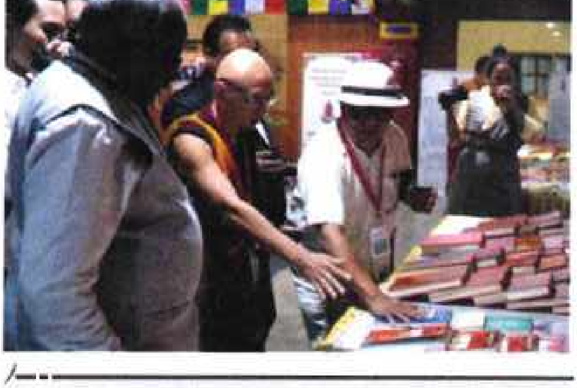

Five Research Departments presenting their five years academic activities during the NAAC peer team visited in our University from 18-20 October 2022.

11. Dr. Lobsang Dorjee (Head of the Department) presented the Five Years Report of the Department in front of NAAC Peer Team on 18 October 2022 through Power point Presentation (PPT) along with other Research Departments heads.

12. Dr. Lobsang Dorjee, HOD, prepared and presented a brief introduction (Hindi & English) of the Department members along with introduction of the department for the website of the institute.

13. During the visit of NAAC team in our Institute, department has placed a well-known 17 the great Indian masters of Nalanda images in the Thangka paintings along with their work books were displayed in the exhibition of research departments. These books are restored, translated and critically edited by these great scholars' works.

    In order to introduce these great masters they have pasted a small piece of paper on each Thangkas where they have mentioned each master's birth place, period, explanation of Buddhist sects, number of texts they have composed.

14. On December 16, 2022, Honorable Mr. Kiren Reddy, Culture Minister, visited here in Varanasi to review meeting with Central Institute of Higher Tibetan Education and Archaeological Survey of India (Sarnath circle). As per the program he wishes to interaction with the students and members of our Institute. During his visited in our institute he addressed to the entire University family members and visited all departments. He visited Restoration Department and look upon displayed restored texts and research books.

15. Dr. Lobsang Dorjee was appointed as the coordinator of Ancient Indian Knowledge project. This project is a joint venture between CIHTS and Dalai Lama Trust, Dharamsala, engaged in preparation of syllabus Ancient Indian traditional for primary schools of India. This project is envisioned to promote human value, ancient Indian knowledge and moral ethics among the young Indian students. This project course will introduce the basic Ancient Indian traditional thought such as philosophy, logic, emotions: destructive and positives, and moral ethics. Four meeting were taking placed with Vice Chancellor. The drafts of junior and middle standard course were prepared.

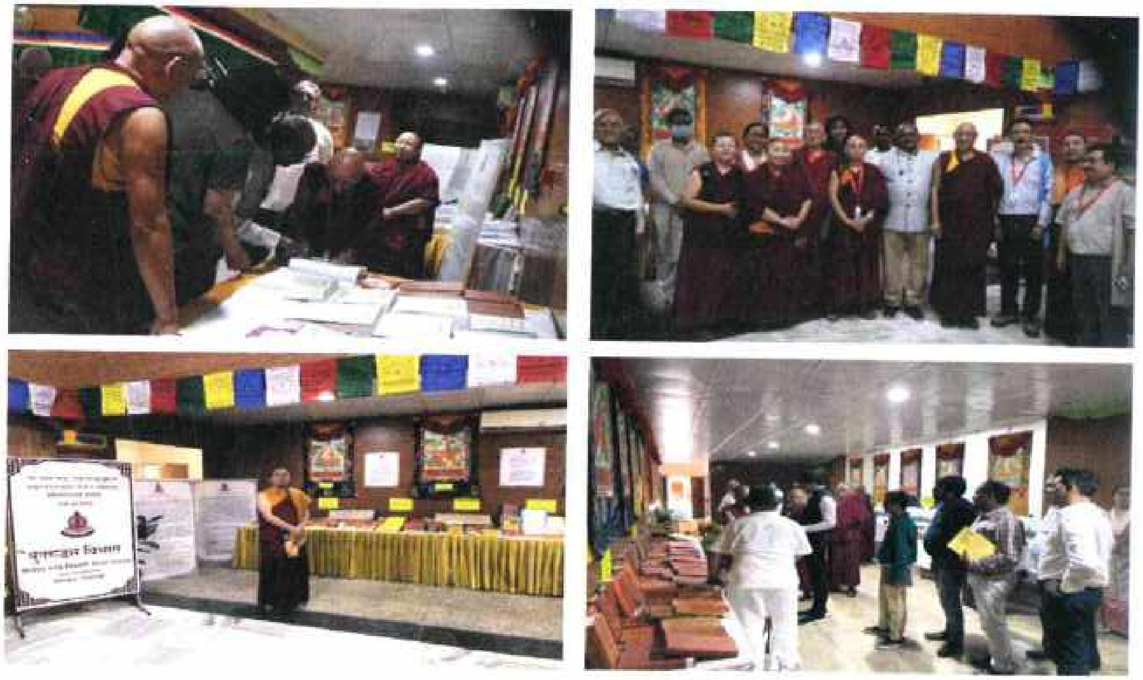

Five Research Departments has displayed restored, translated and critically edited books during the NAAC peer team visited in our University from 18-20 October 2022.

D. Manuscript Survey and Related Academic Works

1. Dr. Lobsang Dorjee and Acharya Ngawang Gyaltsen Negi both are nominated as a coordinator and member secretary to look after the entire Hindi translation work of 'Kagyur, Tengyur and Sungbum manuscript brought from Tibet by Mahapandit Rahulsamkritayayan. This is a joint project between Bihar Government and CIHTS, Sarnath. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi, member of secretary is also taking the responsibility of corresponding work on the project.

2. Dr. Lobsang Dorjee and Acharya Ngawang Gyaltsen Negi are jointly working on Hindi translation of Kagyur, Tangyur and Sungbom as a coordinator and member Secretary apart from his regular project work. They are also initiating related Hindi translation projects for local and abroad scholars.

   They also take the responsibility to introduce newly project holder scholars' about the process of critical editing of Tibetan version, noting and applying of references in order, connecting with scholars from time to time and providing related materials, collection of translated texts and analyzing, preparing bills providing wages according to their pages.

3. The joint project works with the Bihar Government and our Institute on the translation of Kagyur, Tangyur and Sungbum from Tibetan to Hindi language. More than 21 small texts critical editing and translation into Hindi work has been done and some of them are already completed.

   At present, the editing works of translated text are going on continuously. Among the translated works some texts being selected for publication.

   The hon'ble Vice-Chancellor has verbally instructed the coordinators to complete the work of translation and editing and publishing the five books to

be released in the presence of His Holiness the Dalai Lama and Honorable Chief Minister Shri Nitish Kumar, Government of Bihar, in Bodh Gaya.

Thus committee has selected five books and made it dame form namely: (1) Three Sutra of Karmavibhanga (2) Acharya Shantirakshita's Madhyamaka-lankara Auto-Commentary and Kamalashila's commentary (3) Prajnapara-mitahridayasutra and its six Indian commentaries (4) Eight minor texts including caryagiti by Acharya Dipamkasrijnana (5) Nairatmyaya Bhagavatya Ashistutyadi twenty one Vajrayana texts (critically edited 21 Sanskrit manuscripts minor texts).

4. The coordinating members have prepared a chart of Kagyur, Tangyur and Sungbum brought from Tibet by Mahapandita Rahul Sankrityayan to be translated into Hindi. It has also given the author's name and the numbers of Derge and Lhasa editions.

Kagyur, Tangyur and Sungboom Hindi translation project of CIHTS with Bihar Government. Scholars engaged in survey & workshop program.

E. Seminar, Lecture attended:

1. 14 May 2022 : 2566th Buddha Jayanti celebrations was held at 6.30 p.m. at A.P Guest House, CIHTS. The Department of RBTRP has organized a lecture on **"Buddhism in the 21st Century"** in which Geshe Ngawang Samten, Vice Chancellor, Chief Guest and many other invited scholars has contribute their views on related topic.

   In the beginning of program 62nd Dhih Patrika (Research Journal) was dedicated to the Buddha statue and it was released by Hon'ble Chairman and other invited scholars. On the behalf of our Department Acharya Ngawang Gyaltsen Negi has cooperated in arranging the above ceremony and thanks given to the invited guests.

2. 20 June 2022 : One day National **'Yoga Divas'** is being organized in collaboration our Institute and Inter University Centre for Yogic Science, Bengaluru at 7.00-9.00 am at Shantarakshita Library lawn. All our department scholars have also attended the Yoga.

3. 6 July 2022 : His Holiness the XIV Dalai Lama's 87th Birthday celebration was organized by the institute. During that occasion a one day symposium was conducted. The topic of the symposium is **'Universal Responsibility.'** During that occasion Prof. Harey Ram Tripathi, Vice-Chancellor, Sanskrit University, and Prof. Anand Kumar Tyagi, Kashi Vidhayapitha has delivered talk on concern topic. Our Institute Prof. Geshe Ngawang Samten, Vice- Chancellor has chaired symposium. Many other renowned scholars have participated. All

the participants have highly appreciated. All the members of the department attended the ceremony.

4. 01 August 2022 : Buddha's first **Dharmachakra Pravartan** day was organized by the Institute 'Buddhist Tripitaka' (Kagyur) was recited in the Atish hall and all the families of the Institute have taken participation. All the department members have actively participated on this auspicious occasion.

5. 16 August 2022 : Our Institute held a program on **"Internal Quality Assurance Cell Orientation"** at Atisha hall. All the department members attended the program.

6. 4 November 2022 : Alumni Association of CIHTS & CIHTS has jointly organized three days **'2nd International Conference on Tibetan & Himalayan Studies'.** H.E. Professor Samdhong Rinpoche the former Director of this Institute has given teaching on Bodhipathpradipa of Acharya Dipankarashrijnana (Practical aspect of three stages of Motivations).

   5 November 2022 : Alumni Association of CIHTS & CIHTS has jointly organized a Prayer on **'World peace'** in which all the Institute members has attended.

   6 November 2022 : Alumni Association of CIHTS & CIHTS has jointly organized three days **'2nd International Conference on Tibetan & Himalayan Studies'** at Atisha hall. The conference was inaugurated by H.E. Professor Samdhong Rinpoche, former Director has also released **'Collection of Articles'** authored by CIHTS Alumni' in the presence of all the staff and students. Later conference has been divided into three sections according to the different topics namely: 1. Philosophy 2. History 3. Literature.

   On the behalf of our Restoration Department Dr. Geshe Lobsang Dorjee Rabling has attended the conference and given talk on **'The introduction of Pali Tripitaka and its history.'** His presentation is introduced through power point and article has been published in the '2nd International Conference of CIHTS Alumni on 'Tibetan & Himalayan Studies' page no. 365-410, Published by Alumni Association of CIHTS and CIHTS, Sarnath, Varanasi, India, 2022, ISBN no. 978-1-948203-18-0. He and Ven. Ngawang Gyaltsen Negi is also the member of organizing committee of the conference. All the department members have attended the teaching; prayer and conference actively.

7. 11-12 November 2022 : Two days **'National Conference on Best practices in good Governance'** was held in our University at A.P. Guest house. This conference was jointly organized by seven institutions. On the behalf of our University it was organized by Centre for Tibetan Education, Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers & Teaching (PMMMNMTT) Ministry of Education, Government of India. On the behalf of our Department Dr. Lobsang Dorjee has taken participation.

8. 1-3 December 2022 : Dr. Lobsang Dorjee Rabling has attended three days **"4th International Vinaya Conference"** at Sera Jey Monastery. He has given presentation on **"An analysis and establishment of 13 Sanghavashesha rules among four different Buddhist Schools"**. The conference was organized by Department of Education, Sera Jey Monastery, Bylakuppe, Mysore, Karnataka state.

9. 4-5 March 2023 : A two-day National seminar on "**Poetry on the Earth of Buddha**" was jointly organized by Premchand Sahitya Sansthan, Gorakhpur and CIHTS. All the Department members have taken participation of this Seminar.

F. Lectures attended:

1. 13 August 2022 : Institute has organized one day National Seminar on **'Rastra Nirmana me Pratik Cinhon ka Mehatowa'.** The invited distinguish guest has delivered talk on related topic and all the participants have highly appreciated. During that occasion all the members of the department attended the ceremony.

2. 20 August 2022 : Under the aegis of Swadeshi Jagran Manch Kashi Province and Swavalambi Bharat Abhiyan, an Entrepreneurship Promotion Conference on the **theme "Global Impact of Contemporary Indian Entrepreneurship"** was organized on the eve of International Entrepreneurship Day under the joint aegis of Swadeshi Jagran Manch Kashi Province and Swavalambi Bharat Abhiyan.

   This conference was conducted under the Chairmanship of Hon'ble Ajay Kumar, Ministry of Organization, Main speaker Dr. S. K. Dubey, Kashi Hindu University and Vice-Chancellor Prof. Geshe Ngawang Samten as a Chief Guest. All the Department members have actively attended the conference.

3. 11 September 2022 : Ministry of Culture, Government of India has organized one **Dharmacakra Parivartan** Divas at Buddha Theme, Sarnath and invited members of Department have participated.

4. 26 November 2022 : Constitution Day was celebrated by the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi and it organized a meeting at Atish hall at 02.30 p.m. A special lecture on "**Constitutional Values and Fundamental Principles of the Indian Constitution**" was organized under the chairmanship of Geshe Ngawang Samten. The keynote speaker was Prof. Dr. Siddharth Singh, Kashi Hindu University and Special Speaker Dr. Abhay Pandey, Law Officer Kashi Hindu Vishvavidyalaya delivered the lecture on above topic. All the department members have attended the celebration.

5. 29-31 December 2022 : His Holiness Dalai Lama has given teaching on ***'Bodhicittavivarana'*** by Acharya Nagarjuna at Bodh Gaya, Bihar. Dr. Lobsang Dorjee attended the teaching.

6. 18 January 2023 : IQAC has organized talk on "**Between Abhinava Gupta and Daya Krishna K.C. Bhattacharya on other minds**" at Atisha hall. The lecture was delivered by J. Garfield, USA and all the Restoration Department members have attended the talk.

7. 27 March 2023 : On the occasion of International Women's Day was celebrated in our Institute, the members of the department participated in the lecture on "**Contribution of women in the development of technological and digital education**" organized in the institute at Atisha hall.

8. Dr. Lobsang Dorjee nominated as a Co-Guide of Ven. Lobsang Nyendak and Ven. Tseten Tashi, Ph. student at The Dalai Lama Institute, Bangalore. Dr. L.D. Rabling attended two meeting related to their thesis topics and courses.

G. Other Administrative Assignments:

1. In the context of Swachh Bharat Mission, under secretary letter no. F.N.-H/13011/101/2018, Est. Dated 16-30th April 2022 Cleanliness fortnight has been celebrated. Under which, on 20.04.2022, all the employees did ***Shramdaan*** for cleaning inside and outside their respective offices. On 25.04.2022, employees of the Vice Chancellor's Office, employees of Research and Publication Section, Shramdaan for cleanliness around Kamalsheel Bhawan and Sambhot Bhawan. On 29.04.2022, the employees residing in the staff residence of the institute participated in the Shramdaan works related to cleanliness. In this mission all the department members have actively participated.
2. Dr. Lobsang Dorje participated in the meetings convened by IQAC on 09.05.2022, 13.05.2022, and 23.05.2022, in which each department of the institute was asked to fulfill its respective responsibilities at the time of arrival of the upcoming NAAC peer team. Detailed discussions were held on the guidelines for the same.
3. 21 June 2022 : International Yoga Day is celebrated across the world by the United Nations to establish global health, harmony and peace. In this regard our University and Inter University Yoga Center, Bengaluru, have agreed to jointly organize a **'National conference cum workshop'** on 20.06.2022 from 7.00 am to 9.00 am in front of Shantarakshita Library.

   During that occasion our employees and students have attended the Yoga practice with full of joy and enthusiasm. Thereafter, the members of the department actively participated in the lecture given by the Honorable Vice-Chancellor on the subject related to Yoga.
4. 5 September 2022 : IQAC has organized **'Teachers day'** at Atsha Hall at 2.30 p.m. During that occasion all the Institute teachers, Staff members and Scholars have honored flowers by the students for providing teaching and knowledge. Distinguished dignities and teachers, the Vice Chancellor has delivered talks. On this occasion all the department members attended.
5. 26 September - 1 October 2022 : Our Institute Rastra Bhasha Committee has organized one week long **Rastra Bhasha Samaroh** program. Committee has conducted a lecture program on 'Globalization and Hindi condition, terminology and whether mother tongue is useful in the development of higher education" at Shantarakshita Library seminar hall. All the Department members have attended the program.
6. 02 October 2022 : Our Institute celebrated 153rd **Gandhi Jayanti.** The very day cleanliness fortnight work plan was organized, the members of the department participated in the oath-taking, Shramdan and tree planting program under the chairmanship of Honorable Vice-Chancellor in the lawn of the Institute's Nehru Guest House.
7. 31 October 2022 – 04 November 2022 : The Vigilance Committee of our Institute has organized programs on various topics under the Vigilance Week celebrations. In which the members of the department actively participated.
8. 01 November 2022 : At 2.30 pm, after the inspection of NAAC peer team, while addressing our University on the achievement of getting **'A'** grade by NAAC,

the Honorable Vice-Chancellor expressed satisfaction to the entire university family with double the enthusiasm than before encouraged to work. All the members of the department participated in this auspicious occasion.

9. 10 November 2022 : Dr. Lobsang Dorjee Rabling has nominated member of auditors of 51st GSWC account. The said member has checked and balance of 51st GSWC account and well settled.
10. 11-12 November 2022 : Our Institute has issued an ordered that Acharya Ngawang Gyaltsen Negi was nominated member of auditors of Nyingma Students Welfare Committee. The above said member has successfully completed checked and balance of NSWC annual accounts of year 2022-2023 and well settled.
11. 14-15 November 2022 : **'11th Vahini Rastriya Apada Mocan Bal'** was introduced to the Staff and Students for two days. This is organized by the Institute and all the Department members have participated for under-standing of self protection during the deserter.
12. 15 November 2022 : The direction of the Ministry of Culture, Government of India, a three member team of Quality Council of India (QCI) visited in our institute for inspection. During that time, the department informed about the exhibition of departmental research works and other academic activities. The department has arranged as per instruction and three team members are fully satisfied of our achievements and presentation.
13. The responsibility of overseeing the construction works by the office was entrusted to the concerned department for re-designed of the offices of the Research Department including the Restoration Department and the Translation Department. Accordingly, as an assistant to the head of the department, from the beginning till the end, all department heads have fully cooperated in completing the re-design works of the both offices. Internal furniture, stationeries and mats of the offices were completely changed. The Research Professor Office was re-designed and converted into the entire five research department meeting hall, teaching and conference room. It has provided the latest facility of Video conferencing system (Smart class) for distance education, meeting and research project works and classes.
14. 15-16 December 2022 : On the behalf of Restoration Department, CIHTS, Dr. Lobsang Dorjee Rabling has been nominated as a Co-Guide of Dalai Lama Institute of Higher Education, Bangalore. Thus concern scholar has requested to attend two days Ph.D. Pre Submission Seminar. He attended the seminar and contributed his opinion and suggestions.
15. 13 February 2023 : Our Institute administration declared a notification that UCO Bank has organized a program on "Cyber Security and Financial Awareness" at Atisha hall. All the member of Department has attended program.
16. 03 March 2023 : All the Restoration Department members have participated in the program of **"Kedarnath Singh Samman Samaroh"** organized in the institute at Atisha hall.
17. Acharya Nawang Gyaltsen Negi has prepared and presented the annual report of the department for the year of 2021-2022 in the Hindi.

On May 17, 2023, he also submitted the annual progress report of Kagyur, Tangyur and Sungbum Hindi Translation Scheme to the Government of Bihar.

18. Dr. Lobsang Dorjee (HOD) has submitted an annual report of 2021-2022 in Tibetan version to the Religion and Culture Department, Centre for Tibetan Administration, Dharamsala (H.P.)
19. Dr. Lobsang Dorjee has attended both housing allotment meeting during the session of 2022-2023 year.

Member of the Committee:

Dr. Lobsang Dorjee

Member: HAC Committee
Member: Students Voluntary Committee
Member: Vice-President, Alumni Association of CIHTS
Member: Medal preparation Committee

Ven. Ngawang Gyaltsen Negi

Member: ST & SC

2. Translation Department

The Translation Unit of the Research Faculty is one of the important constituents of the Research Department established in year 1988 with an aim to translate the canonical texts of both ancient Indian and Tibetan scholars of par excellence. Besides translating into Hindi, English, Tibetan and Sanskrit, the lost Sanskrit texts are being restored mainly from Tibetan texts.

The Translation Department has four dimensions: editing of Tibetan and Sanskrit texts, restoration of lost Sanskrit texts with the help of Tibetan translations, the translation of extant Buddhist works from Tibetan, Sanskrit and Pali into Hindi and English, and translation of important Sanskrit texts into Tibetan.

During this session Department has not only restored the lost parts and edited the whole chapter with the help of Tibetan equivalent translation but also published the said seventh chapter of a book called संस्कृतपरीक्षा (सप्तमं प्रकरणम्, मूलमध्यमकशास्त्रबुद्धपालिती टीका) in Sanskrit and Tibetan.

Besides, department head also engaged in other activities like regular Sanskrit Language teaching and In-charge, publication Unit as per office order. He is also responsible for Ph.D. Viva, Evaluation of Thesis, exams and Chairperson of many committees etc.

Staff Members and their Designations:

1. Dr. Pema Tenzin - Professor and HoD
2. Dr. Ramji Singh - Assistant Professor (retired on 30th June 2022)
3. Associate Professor - Vacant
4. 2 Research Assistants - Vacant

(1) Departmental main works:

A. Published:

1. **Madhyamakashastra Buddhapaliti Tika (Sanskritpariksha, VIIth chapter)** : A team work contributed to the editing and restoration of the

fragmented Sanskrit manuscript with the help of Tibetan Translation and got published in Dhi-journal. DHI-62, 2022, ISSN: 2395-1524

B. Main works in process:

1. **Sandhinirmocana Sutra:** Restoration into Sanskrit, editing of Tibetan text have been completed and presently working on introduction, indexes and bibliography etc.
2. **Mahayanasutralankara (Asanga):** Hindi translation with language correction of whole text is now completed and very soon this work will be started with other remaining parts.
3. **Svarthanumana (3rd chapter of Pramanavartika) :** A Hindi translation work of late Prof. Ramshankar Tripathi. This work is a handwritten manuscripts exist in three parts. Prof. Pema Tenzin has been assigned to edit and proof in the month of Jan. 2021 and now it is in its final stage.

Note: (Department mainly engaged with editing, restoration, translation, proof-reading, computer composing, making cards, giving references, finding quotations, writing analytical introduction, bibliograph, indices, preparing camera ready copy, reading related texts, attending library and meeting experts to solve problems etc. to publish one complete research oriented book.)

C. Research Team Work:

1. **Bodhipathapradipa Panjika:** Restoration into Sanskrit, translation into Hindi, editing of Tibetan version and computer input of the text are completed. Other related works are lingering due to some other important works.
2. **Yuktishasthika Vritti :** (Acharya Nagarjuna and Chandrakirti) A team work being carried out for the restoration and translation into Sanskrit and Hindi respectively. Due to delay in Tibetan editing, introduction and indices it remained pending.

(2) Teaching work:

1. Prof. Pema Tenzin is also engaged to take one regular Sanskrit language class of Uttar Madhyama Ist year and responsible for all related works like class-assignment, presentation, attendant, recitation along with memorisation of Mangalacarana in Sanskrit, Shlokas from lessons, Nititshataka and exam paper setting evaluation of students etc.

(3) Seminar/Workshop:

1. 5-6 November 2022 : An International Conference on "Tibetan and Himalayan Studies" organized by Alumni association, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

(4) Articles and lectures:

Prof. Pema Tenzin

1. 17-18 May 2022 : Two lectures were delivered to the new batch of PhD students on "Research, Editing & Translation"
2. "प्रतीत्यसमुत्पाद : व्युत्पत्ति, स्वरूप एवं सिद्धान्त" published in Collection of Articles, Alumni Association, CIHTS, Sarnath, ISBN: 978-1-948203-18-0, 2022

3. "आचार्य नागार्जुन एवं भावों की निःस्वभावता" submitted to Agartalla Univercity, Tripura for its publication.
4. An article is prepared on "प्राचीन भारतीय विद्याओं का तिब्बत पर प्रभाव"
5. 13 March 2023 : Delivered a talk on "know your Campus" (Trans./ Restoration/R B Texts/Dictionary /Publication) to new PhD students.
6. A detailed PPT in Hindi-English is prepared to present during NAAC Peer Team visit.

(5) Extra-curricular activities:

1. Bauddhavijnana evam Siddhantasamuccaya: Prof. Pema Tenzin has completed the Hindi translation of given portion and soon I[st] volume will be ready to publish.
2. 19 April 2022 : Oral test of Shastri third year students is taken and report submitted.
3. Prof. Pema Tenzin as an expert to evaluate PhD thesis of Tsewang Dorjee on his topic "Concept of Alayavijnana in Sakya tradition" from Leh Buddhist Institute.
4. 7 May 2022 : A talk on "Buddha and Mediation" delivered to two vsiting PhD scholars from Denmark.
5. 30 March 2023 : An interview is given to an Indonesian scholar Elizabeth D. Inandiak.
6. 30 March 2023 : A videography interview is given to Tibet Radio (Voice of America) about the contribution of Translation Dept. and Publication Unit of CIHTS.
7. Editing and Language correction works of Hindi translation of "Middle Bodhikrama" of Tsongkhapa by Dr. Tashi Paljor is under process.

(6) Other Administrative Responsibility:

(a) **Publication In-Charge**

Prof. Pema Tenzin is also looking after Publication Unit as an In-charge since more than one decade. Looking official works, editing and printing works of Publication.

(b) **Member of Committees**

Prof. Pema Tenzin is member of Publication Committee, Staff house allocation committee, member of Rigorous Training Course, member of screening committee for ST/SC and DRC, Chairman of Screening Committee for Registrar selection, Chairman of Pay protection committee etc.

3. Rare Buddhist Texts Research Department (RBTRD)

1. Academic Background of the Department:

A. Vision:

As a result of historical irony, much of the ancient Buddhist-Sanskrit literature from India has almost became extinct. Part of this ancient intellectual heritage of India have been available in the form of manuscripts and xylographs in the neighbouring countries of India, especially in Nepal and

Tibet. In later times many manuscripts from these countries reached many libraries of the world. This department has been established with the vision of restoration, editing, research and publication of those extinct literature, especially on Buddhist Tantra literature.

B. Establishment:

This very important and ambitious scheme of research and publication of Rare Buddhist Texts commenced in November, 1985 at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, (Deemed University) Sarnath, Varanasi, with the financial assistance by the Ministry of Human Resource Development, Government of India. Initially, a five-months pilot project was conducted to determine its scope of work and dimensions of study and research. After that, keeping in view of its achievements, importance and breadth of the subject, it was operated from April 1, 1986 under the five-year plan, which was later approved as a permanent section of the institute. Presently, this department is functioning as a permanent department under the Research Faculty of the institute. The first director of this research department was visionary Late Prof. Jagannath Upadhyaya.

C. Staff Members and their Designations:

1. Prof. Kameshwar Nath Mishra - Visiting Professor (Deceased on 10th January, 2023)
2. Shri Thinlay Ram Shashni - Associate Professor
3. Dr. Vijay Raj Vajracharya - Research Assistant
4. Dr. Tsering Dolkar - Research Assistant
5. Dr. Ranjan kumar Sharma - Research Assistant
6. Dr. Ravi Gupt Maurya - Research Assistant
7. Vacant - Assistant Professor
8. Vacant - Assistant Professor
9. Vacant - Research Assistant

D. Departmental Library:

Since the beginning, a separate departmental library has been established in the Rare Buddhist Texts Research Department. Books on Buddhism, Shaivism, Shaktism and other books related to tantric literature were collected in this Library for research work of the department.

E. Selection and purchase of new texts in the year 2022-2023:

In the year 2022-2023, no books were purchased for the departmental library. During this period 16 newly published books from the publication department, CIHTS and 01 book as a gift have been received. Their total value is Rs. 3400.00. It includes 13 bi-lingual and 04 multi-lingual books have been entered in the accession register of the department library from serial number 02398 to 02414.

2. Publications, Editing and Research:

A. Brief introduction and contribution of Research Journal 'Dhīḥ':

(1) The department publishes the annual research journal Dhiḥ to bring new research work related to Buddhist Tantra and its findings and new

information about the research being done by the scholars and researchers. Since the inception of the department, this Journal is being published regularly. It is being widely appreciated by the Scholars engaged in the study of Buddhist Studies, especially Buddhist Tantric Studies. Presently, it is being exchanged with 15 national and international research journals published in India and other countries. Almost all the articles of this research journal are contributed by the departmental members. Till the reporting year, 62 issues of 'Dhīḥ' have been published.

B. Publication of 62nd issue of 'Dhīḥ' Research Journal:

This year, the publication of 62nd issue of the research journal 'Dhīḥ' was carried out on May 16, 2022, on the occasion of Vaiśakha-Purṇimā (Buddha-Jayanti). In this issue, 02 new hymns and 13 minor texts are included under the publication of Buddhist Sanskrit Manuscripts brought from Tibet by *Mahāpaṇḍita Rāhula Sāṃkṛtyāyana.* Apart from these, an introduction of manuscripts of 7 texts available in *Bhūtaḍāmaratantra-saṃgraha* has also been published under the title *An Introduction to Rare Texts.*

C. Compilation of material for the upcoming 63rd issue of Research Journal 'Dhīḥ':

In this year, editing of hymns and minor-texts from Rāhula-Saṁgrah, collection of other related research materials, data-input of edited texts, proof-readings and corrections in computer were done for the forthcoming 63rd issue of the Research Journal 'Dhīḥ'.

D. The Hymn (Stotra), Minor texts and other research material published in the 62nd issue of Research Journal 'Dhīḥ':

1. Mahāpaṇḍita-Śrīśūnyasamādhivajrapādānām Bhagavataḥ Śrīhevajrasya Guṇasragdharānāmastutiḥ
2. Nairātmyāyā Bhagavatyā Āśīḥstutiḥ
3. An Introduction to Rare Texts (Details of manuscripts available in Bhūtaḍāmaratantra-saṃgraha)
4. Ācāryacandrakīrtikṛtaṃ Vajrasattvaniṣpādanasūtram
5. Ācāryacandrakīrtipādakṛtaḥ Śrīguhyasamājamahāyogatantre Utpatti-kramasādhanasya Mantroddhāraḥ
6. Ācāryanāgabuddhipādakṛitā Vyavastholiḥ
7. Amṛtaprabhānāma-Sādhanopāyikā Hevajrasya Nairātmyā-sādhanam
8. Ācārya Śrīmad-Alalavajrapādānām Sahajadvibhujahevajra-sādhanam
9. Paṇḍita-Sthavira-Mañjukīrtipāda-Viracitaḥ Ādikarmāvatāraḥ
10. Ādikarmāvatārapratibaddham
11. Buddhādi-Pūjāvidhiḥ
12. Buddhapālitamūlamadhyamakavṛttiḥ: Saṃskṛtaparīkṣā (7th Chapter)
13. Ānandadhvaja-Śrībhadra-Viracitaḥ Tārā-Bhaṭṭārikābhisamayaḥ
14. Triskandhakam(=Ārya-triskandhasūtram)
15. Antarābhava-Adhyeṣnā of Gyal-wa'i wang-po kun-ga pal-jor
16. Antarābhava-Adhyeṣaṇā kī Gambhīra-Āśu-Mārga-Sopāna-Nāma-Saṃkṣipta-abhidheyārtha-ṭīkā by Śrī-Kun-ga mi-gyur dorjee

3. The Process of Editing and Publishing Sanskrit and Tibetan Texts and the Details of the Accomplished Research Works during this Financial Year:

Process of Critical Editing: Firstly, selection of the text for editing, research about the selected text, collection of the manuscripts from different libraries, classification of manuscripts, transcription in Devanāgarī script, data input in computer, collation of various versions from Sanskrit manuscripts/Tibetan versions of Kagyur and Tangyur, reading justification of collated version, collation between Sanskrit and Tibetan versions, input of the text with critical edition in computer, proof-reading and correction, preparing of indexes and appendices (index of verses of Sanskrit/Tibetan, index of quotations, glossary of technical terms etc.), collection of text related research materials, preface & introduction-writing and prepare final camera ready copy for publication.

4. Names of books published by the department:

I. Śrīhevajrasādhanavajrapradīpanāma Ṭippaṇī Viśuddhiḥ (Sanskrit- Version)

II. Śrīmatkāṇhapādaviracitaḥ Dohākošaḥ, Siddhācāriṇī Mekhalā Praṇītayā Ṭikayā, Paṇḍit-Amṛta-Vajra-Praṇītayā Ca Ṭīkayā Sahitā (Sanskrit- Version)

III. Abhiṣekavidhiḥ (Sanskrit-Version)

IV. Śrīsarvabuddhasamāyogḍākinījālasaṁvaratantraṁ (Sanskrit-Version)

5. Books sent for publication to the publication department:

I. **Śrīcatuṣpīṭhamahātantrarājaḥ (First Part)** (Sanskrit and Tibetan edition): The editing work of Śrīcatuṣpīṭhamahātantrarājaḥ (First Part) containing 08 folios of Ātmapīṭha and Parapīṭha chapters was finalised with preface, indexes, appendices, Table of Contents, description of manuscripts etc. and handed over to the publication department for publication.

II. **Nairātmyā Bhagvatyā Āśīḥ Stutityādi-Ēkaviṅśati-Vajrayānagran-thāḥ-(First Part)** (Sanskrit edition):

The first part of this collection is being published under the memorandum of understanding between the Department of Art, Culture and Youth, (Government of Bihar) and the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath. Till date 21 hymns and minor texts related to Vajrayāna Sādhanopāyikā are compiled in this collection which have been brought from Tibet by *Mahāpaṇḍita Rāhula Sāṃkṛtyāyana*. In this period, finalised the above-mentioned collection with preface, indexes, appendices, Table of Contents, description of manuscripts, etc. and it has been prepared for publication along with the message of His Holiness the 14th Dalai Lama, but waiting for the message from the Chief Minister (Government of Bihar).

6. Details of books under publication in upcoming plan:

I. **Śrīcatuṣpīṭhatantrarājasya Smṛtinibandhanāma-Ṭīkā** (Sanskrit edition):

The work of text-collation of the second folio of the Ātmapīṭha chapter of this text with 'Ka', 'Kha' and 'Ga' manuscripts was completed.

II. **Sampuṭodbhavatantram** (Sanskrit edition):

The work of proof revision of 11 chapters from the second to fourth chapter of the third Kalpa, from the first to the fourth chapter of the fourth Kalpa and from the first to the fourth chapter of the fifth Kalpa of this text was completed.

III. **Sampuṭodbhavatantram** (Tibetan Version):

The work of data-input and setting of the footnotes of the third and fourth chapters of the fifth Kalpa, the first to fourth chapters of the sixth Kalpa and the first chapter of the seventh Kalpa of this text was re-edited in the computer.

IV. **Pañcaviṁśatyamanasikāradharmagranthāḥ** (Sanskrit-Version):

Under this collection, the work of Hindi translation of two minor texts named "Sekatātparyasaṅgrahaḥ" and "Sekanirdeśaḥ" composed by Maitripāda was completed.

7. Details of editing works of Minor-Texts for publication in the 63rd issue of Research Journal 'Dhīḥ' and upcoming issues:

I. **Nairātmyāstutiḥ:**

Transliteration from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, proof revision, editing etc. were completed and the final form was given to this hymn.

II. **Mahāpaṇḍita-Mahāmaṇḍalācārya-Subhūtipālitpādānām Śribhutaḍāmara-bhaṭṭārakasya Sādhanam:**

Transliteration of this minor text from Vartula script to Devanāgarī, data-input, collation from Tibetan version, search for references in various texts, proof revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

III. **Mahācārya-Subhutipālitapādānām Śrībhutadāmaramaṇḍalavidhiḥ:**

Transliteration of this minor text from Vartula script to Devanāgarī, data-input, collation from Tibetan version, search for references in various texts, proof revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

IV. **Paṇḍitratnākaraśāntipādānām Bhramaharasādhanam Nāma Hevajra-sādhanopayikā:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, collation from Tibetan version and other printed-texts, search of references in various texts, proof revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

V. **Ācāryasaroruhavajrapādānām Śrīhevajrasya Sādhanopāyikā:**

Transliteration of this minor text from Bhujimol script to Devanāgarī, data-input, collation from Tibetan version and other printed-texts, search of references in various texts, proof revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

VI. **Balitattvādhikāraḥ:**

Transliteration of this minor text from ancient Newārī script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof revision editing etc. were completed and the text was finalized.

VII. **Mahāpaṇḍita-Sthavira-Śākyarakṣitapādānām Śrīvajrābhisamaya-tilakam:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts and their data-input, proof-revision editing etc. were completed and the text was finalized.

VIII. **Vajrācāryadurjayacandroddhṛtam Ṣaḍaṅgasādhanam:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

IX. **Hevajrapūjāvidhiḥ:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

X. **Paṇḍitśrīdivākaracandrasya-Nāḍīcakrābhisambodhināma-Sādhanopāyikā (Śrīherukatantrānugatā Paramagambhīrotpannakrama-svarūpā):**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XI. **Nairātmyāsādhanaṁ:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XII. **Hevjratantrasya Yathālabdhsādhnam:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XIII. **Śrīhevajratantroktabalividhiḥ:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision editing, etc. were completed and the text was finalized.

XIV. **Śāśvatavajrasya Bāhyapūjāvidhisaṅgrahaḥ:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XV. **Śrīhevajrabhaṭṭārakasya Pūjāvidhiḥ:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XVI. **Bauddha ēvaṃ Bauddhetara Tantro me Bhagavati Tārā kā svarūpa:**

The editing work of this article received for publication in the 63rd issue of the research journal 'Dhīḥ' has been completed.

XVII. **Review of medical science cited in the Śrīlaghukālacakratantrarāja and its commentary (3):**

The article has been completed for publication in the 63rd issue of 'Dhīḥ' research journal.

XVIII. **Bhoṭācārya Kun-ga mi-gyur dorjee viracita Antarābhava-Adhyeṣaṇā kī Āśu-Mārga-Gambhīra-Sopāna-Nāmaka-abhidheyārtha-Saṃkṣipta-ṭīkā (2):** Hindi translation and editing work of the residual part of this Tibetan text was completed for the 63rd issue of research journal 'Dhīḥ'.

XIX. **Jñānavajrapādānām Sahajasadbījacintāmaṇirnāma Hevajra-sādhanam:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input and collation with manuscript was completed.

XX. **Siddhācāryaśrīmadbhadrapādānām Dveṣavajrasādhanam:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input and collation of second stage with manuscript was completed.

XXI. **Mahāpaṇḍitācārya Divakaracandrapādānām Jñānapradīpābhidhā-nam Śrīhevajrasādhanam:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input and collation of second stage with manuscript was completed.

XXII. **Balicakravidhiḥ:**

Transliteration of this minor text from Bhujimola manuscript to Devanāgarī, data-input and collation of second stage with manuscript was completed.

8. **"Celebration of Buddha Jayantī" and "Buddha Offering Program of Research Journal "Dhīḥ":**

'Budhārpaṇa-programme' of the 62nd issue of the departmental research journal 'Dhīḥ' was organized on the day of 'Vaiśākha Pūrṇimā' on 14 May 2022, under the auspices of the Rare Buddhist Texts Research Department in the Anāth-Piṇḍada Seminar hall of the Institute. Along with this, a seminar on "Relevance of Buddhism in the 21st Century" was also organized under the chairmanship of Honourable Vice-Chancellor of the Institute on the occasion of Buddha-Jayantī. In this function, respected Buddhist scholars from Sampurnananda Sanskrit University, Varanasi and Nava-Nalanda Mahavihar, Nalanda (Bihar), Bhadanta Sumedh Thero, High Priest of Jambudvipa-Sri Lanka Buddhist Temple, Sarnath, Varanasi presented their views in the light of the above-mentioned topic. Representatives of various Buddhist monasteries, viharas and institutions of Varanasi and Sarnath, attended this ceremony and the officers, employees and students of the Tibetan Institute also participated in this event and made the program successful.

9. **Participation of scholars of the department in seminars, lectures and other academic programs organized in university-campus and other educational Institutes:**

I. 28 April 2022 : Sri T. R. Shashani (Head of the Department) invited by Ākāśavaṇi, Varanasi, for radio talk on "Research Activities of Rare Buddhist

Texts Research Department" for the program 'Laghurūpaka' sponsored by All India Radio, Varanasi.

II. 20 June 2022 : The scholars of the department participated in the International Yoga Day organised under the joint auspices of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath and Inter University Yoga Centre, Bengaluru, on the occasion of "Ājādī kā Amṛt Mahotsava".

III. 6 July 2022 : The scholars of the department participated in a one-day seminar on "Global Responsibility" on the auspicious occasion of the birthday of His Holiness the 14th Dalai Lama at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

IV. 10-11 August 2022 : Dr. Tsering Dolkar participated in the two-day seminar on "The Current Status of Tibetan Culture in Exile and its Future Prospects" organized by Department of Religion and Culture, CTA, Dharamshala, Kangra, H.P. at Dharamshala.

V. 13 August 2022 : The scholars of the department attended a one-day lecture on "Importance of National Symbols in Nation Building" at Atisha Hall of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath on the occasion of "Ājādī kā Amṛt Mahotsava".

VI. 16 August 2022 : The scholars of the department participated in the Orientation program organised by "Internal Quality Assurance Cell" of the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath at the Atisha Hall.

VII. 20 August 2022 : The scholars of the department participated in the lecture on "Entrepreneurship Promotion Conference" organized on the eve of International Entrepreneurship Day (August 21) under the auspices of Self-reliant India Campaign, Varanasi at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

VIII. 1 October 2022 : The scholars of the department participated in prize distribution and Kavi Sammelana in the concluding session of the official Rajabhāṣā-weekly program.

IX. 2 October 2022 : The scholars of the department participated in the oath-taking and tree plantation program led by the Vice-Chancellor under the Cleanliness Action Plan on the occasion of Gandhi Jayanti.

X. 28 October 2022 : The scholars of the department attended the lecture program of the Chairman of the NAAC team at Atisha hall.

XI. 31 October 2022 : The scholars of the department participated in the program under the "Vigilance Ceremony" at Atisha hall of the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

XII. 4 November 2022 : Dr. Tsering Dolkar attended a special lecture on "Tripuruṣamārga-Krama" given by Hon'ble Prof. Samdhong Rinpoche in the Second International Seminar on "Tibetan and Himalayan Studies" organised under the joint auspices of Old Students Association, (CIHTS) and Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

XIII. 5-6 November 2022 : Dr. Tsering Dolkar Participated and presented a paper titled "Brief introduction of Buddhist Yoginis available in Tengyur literature and their compositions" in the second international conference on "Tibetan and Himalayan Studies" organized under the joint auspices of the Old

Students Association (CIHTS) and Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

XIV. 15 November 2022 : The scholars of the department attended the security program organized by the 11th Brigade National Disaster Response Force at the Atisha hall of the Institute.

XV. 26 November 2022 : The scholars of the department participated in the reading of the Preamble of the Constitution of India.

XVI. 26 November 2022 : The scholars of the department attended a special lecture on "Constitutional Values and Fundamental Principles of Indian Constitution" in this lecture Honourable Vice-Chancellor Prof. Geshe Ngawang Samten was Chairman, Prof. Siddharth Singh, Banaras Hindu University of Varanasi was the keynote speaker and Dr. Abhay Pandey was the distinguished speaker.

XVII. 29-31 December 2022 : Dr. Tsering Dolkar, attended the lecture and sermon given by His Holiness the 14th Dalai Lama on the text "Ācāharya Nāgārjuna Viracita Bodhicittavivaraṇa" at Bodhgaya, Bihar.

XVIII. 18 January 2023 : The scholars of the Department attended lecture of Prof. J. Garfield on the topic "Between Abhinava Gupta and Daya Krishana: K. C. Bhattacharya on other minds" Organized by IQAC, CIHTS, Sarnath.

XIX. 19 January 2023 : Dr. Ravi Gupta Maurya Participated in International Seminar on "Save Himalayas, Increase Humanity" at Atisha hall, CIHTS, Sarnath organized by Dharma Sanskriti Sangam and Swadeshi Jagran Manch, Kashi.

XX. 13 February 2023 : The scholars of the department participated in the discussion on "A Program on Cyber Security and Financial Awareness" organized by UCO Bank.

XXI. 3 March 2023 : The scholars of the department participated in the "Kedarnath Singh Sammāna Samaroha" organized in the institute.

XXII. 4-5 March 2023 : The scholars of the Department attended the two-days seminar on "Buddha ki dharatī para kavitā" in the institute. Organized under the joint auspices of Premchanda Sahitya Sansthan, Gorakhpur and CIHTS, Sarnath.

XXIII. 6 March 2023 : Sri T.R. Shashni and Dr. Tsering Dolkar attended the lecture of Prof. Wangchuk Dorjee Negi on "Kargyuda-Āmnāya ki Guru-Paramparā, Darśan Ēvama Sādhanā". Organized by KRPC (CIHTS) on the occasion of "Milā-Repā Mahāparinirvāṇa-Day", The Great Yogi of Tibet.

XXIV. 18 March 2023 : Dr. Ravi Gupta Maurya participated as a guest speaker in the "Transitional Curriculum" program at Apex Institute of Ayurvedic Medicine and Hospital, Chunar, Mirzapur.

XXV. 25 March 2023 : The scholars of the department participated in the "Book release and discussion" program in the Institute, organized by Vani Prakashan Group.

XXVI. 27 March 2023 : The scholars of the department participated in the lecture on "Contribution of women in the development of technical and digital education" organized in the institute on the occasion of International Women's Day.

10. Other academic work completed by the scholars of the department:

I. Sri T.R. Shashni compiled and published "An Introduction to the Rare Buddhist Texts Research Department" during NAAC Peer Team visit in CHITS, in which the details of the edited & published texts from the period of establishment of the Department (i.e. November, 1985) to the year 2022 and the purpose, establishment and contribution of the department.

II. Dr. Ravi Gupta Maurya translated the research work and achievements of the Department (RBTRD) into English for the website of the Institute.

III. Sri T.R. Shashni transliterated the first four verses of 'Kālidāsakṛta Maṅgalāṣṭakastotra' from Śārada script to Devanāgarī script which was handed over by Late Prof. Kameshwar Nath Mishra.

IV. Dr. Vajracharya completed the second proof-revision work of the collection of 34 research essays written by Late Prof. Banarsi Lal.

V. Sri T.R. Shashni edited an article written by Late Prof. Banarsi Lal titled "Ka-Gyur ēvam_Tengyur_vacana ke guṇa, lābha ēvama anuśaṅsā" for publication in the Rājabhaṣā magazine 'Bodhiprabha'.

VI. Sri T.R. Shashni composed an article titled "Bauddha jātaka ēvam avadāna sāhitya ka saṅkṣipta paricaya" for publication in the Rājabhaṣā magazine 'Bodhiprabh'.

VII. On the occasion of the arrival of the NAAC Peer Team, all the members of the Department duly participated in organizing the "Exhibition of Publications and other research works of the Rare Buddhist Texts Research Department".

VIII. 18 October 2022 : Sri T.R. Shashni (HoD) presented the PPT of five-year report of the department before the NAAC Peer Team.

IX. Sri T.R. Shashni prepared a brief profile (in Hindi and English) of the department's colleagues including the department's introduction for the website of institute.

11. Participation by the scholars of the department in administrative works and committee meetings:

I. 19 April 2022 : Sri. T.R. Shashni (HoD), attended the meeting convened by IQAC in which discussions were held with the web-designer contracted by the Institute regarding the research work done in the Research Department of Rare Buddhist Texts.

II. 09, 13, 23 May 2022 : Shri T.R. Shashni (HoD) attended meetings called by IQAC in which a detailed discussion took place on the guidelines for each department of the institute to discharge their respective responsibilities at the time of arrival of the upcoming NAAC peer team.

III. 18 May 2022 : Sri T.R. Shashni, attended the meeting of the Spot Purchase Committee of Sowa-Rigpa Department.

IV. 20 June 2022 : Sri T.R. Shashni attended the meeting of the Rājabhaṣā Committee.

V. 04 July 2022 : Sri T.R. Shashni (HoD), attended the meeting convened by IQAC under NAAC Peer Team Visit.

VI. 26 July 2022 : Dr. Vijay Raj Vajracharya attended meeting as a member of "Canteen Committee".

VII. 21 July 2022 : Dr. Tsering Dolkar, as a member of the old student committee, attended the meeting related to the organization of the seminar on "Future status of Tibetan Buddhism and Culture".

VIII. 09 August 2022 and 19 August 2022 : Sri T.R. Shashni attended the meeting of "Spot Purchase Committee" convened by Soa-Rigpa and Astrology Department of the Institute

IX. 10 and 12 September 2022 : Dr. Tsering Dolkar attended the annual meeting of the "Committee Against Sexual Harassment" of the Institute.

X. 12 September 2022 : Dr. Vijay Raj Vajracharya attended the catering committee meeting for the "13th Meeting of National Commission for Indian System of Medicine (NCISM), Ministry of Ayush, Govt. of India". Organized by Department of Soa-Rigpa at institution.

XI. 12 September 2022 to 20 October 2022 : Dr. Ravi Gupta Maurya attached with the I.Q.A.C. office to perform necessary tasks.

XII. 26 September 2022 : Sri T.R. Shashni attended the inaugural session under the Rājabhaṣā weekly programme.

XIII. 28 September 2022 : Sri T.R. Shashni attended the review meeting of the Rājabhaṣā Quarterly Report.

XIV. 29 September 2022 : Sri T.R. Shashni attended Judgement Committee meeting of the "Debate Competition" under the "Rājabhaṣā Weekly Program".

XV. 15 November 2022 : Sri T.R. Shashni (HoD) informed about the research work and other activities completed in the department at the time of departmental inspection by a three-member team of Quality Council of India (QCI).

XVI. 18 November 2022 : Sri T.R. Shashni attended the meeting of "Spot Purchase Committee" of Sowa-Rigpa Department.

XVII. 17 December 2022 : Sri T.R. Shashni attended the meeting of "Rājabhaṣā Implementation Committee".

XVIII. 31 December 2022 : Dr. Ravi Gupta Maurya attended the meeting of the Degree Committee.

XIX. 16 January 2023 : Sri T.R. Shashni attended the meeting of the editorial board of the Rājabhaṣā magazine 'Bodhiprabh' convened by the "Rājabhaṣā Implementation Committee".

XX. 14 February 2023 and 02 March 2023 : Dr. Vijay Raj Vajracharya attended the meeting of catering committee under the chairmanship of the registrar for the international seminar on "Buddha ki dharati para Kavitā".

XXI. Dr. Vijay Raj Vajracharya took a responsibility of office work during the absence of clerk in the department.

12. Responsibilities of scholars of the department as members of various committees:

I. Sri T.R. Shashni, Member, Spot Purchase Committee, Faculty of Sowa-Rigpa and Astrology, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

II. Sri T.R. Shashni, Member, Rājabhaṣā Hindi Implementation Committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

III. Sri T.R. Shashni Member, Editorial Board, 'Bodhiprabha', Rājabhaṣā Magazine, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

IV. Sri T.R. Shashni, Member, 'Price-verification-committee' constituted for the purchase of Tibetan language books Shantarakshita-Library, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

V. Dr. Vijayraj Vajracharya, Member, Canteen Committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

VI. Dr. Tsering Dolkar, Committee-Member, Committee against Sexual Harassment, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

VII. Dr. Tsering Dolkar, Distinguished Committee Member, Alumni Association, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

VIII. Dr. Ranjan Kumar Sharma, Committee-Member, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

IX. Dr. Ravi Gupta Maurya, Member, Panel of Experts constituted for selection of suitable texts, Shantarakshita-Library, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

X. Dr. Ravi Gupta Maurya, Committee-Member, Degree Committee, Examination Department, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

4. Dictionary Department

Projects of Dictionary Department:

Several decades ago, when curiosity arose in the global intellectual community about the *Mahayana Buddhist tradition*, the available literature was limited mainly to Tibetan, Chinese, and other eastern languages. Efforts by *Mahapandit Rahul Sankrityayan* and others brought forward some Sanskrit texts, but they were often incomplete and error-prone. In the light of this situation, contemporary scholars formulated an extensive plan. The main objectives of the plan are as follows:

1. To prepare refined editions of available Sanskrit texts.
2. To restore lost Sanskrit texts to their original form with the help of their Tibetan translations.
3. Encourage high-level research using materials available in ancient languages.
4. Make Buddhist literature available in ancient eastern languages accessible in modern languages.
5. To achieve this ambitious plan, the creation of various types of dictionaries has been deemed necessary. Accordingly, the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi prepared a grand dictionary project that includes the provision to create two types of dictionaries: 1. *General dictionary* and 2. *Thematic dictionary.*

Under the ***General dictionary*** category, the department initiated the work on *Bhota-Saṃskṛta Kosah*, which was completed with sixteen volumes in the year 2005. This is the largest dictionary among *Bhota-Saṃskṛta Kosah* dictionaries available. *Bhoṭa-Saṁskṛta Dharma-Saṅgraha-Kośa* and the first part of the *Bhoṭa-*

Saṁskṛta Sandarbhanirdeśikā-Kośa have also been published. The work on the *Bhota-Sanskrit Chatraupayogi Kosha* is ongoing.

In the form of ***Thematic* dictionary**, the *Āyurvijñāna Kośa* (4 volumes) has been handed over to the Publications Department for publication, and work on the *Jyotiṣa-Kośa* is in its final stage.

Staff Members and their Designations:

1. Dr. Ramesh Chandra Negi - Officiating Chief Editor
2. Dr. Tashi Tsering - Research Assistant
3. Shri Tenzin Sidon - Research Assistant
4. Dr. Karma Sonam Palmo - Research Assistant
5. Dr. Lobsang Choedon - R. A. (On contractual)
6. Dr. Vishwa Prakash Tripathi - R. A. (On contractual)
7. Mr. Ramesh Chandra - Junior Clerk (Contractual)

Ongoing Projects:

1. Āyurvijñāna Kośa:

This dictionary is based on the *Astāṅgahṛdaya*, its Tibetan translations and some of its Sanskrit commentaries. This dictionary explains the contents of the *Astāṅgahṛdaya* and also provides both general and technical Tibetan synonyms and their Sanskrit equivalents. The *Āyurvijñāna Kośa* (4 volumes) has been handed over to the Publications Department for publication.

2. Jyotiṣa-Kośa:

This dictionary is based on astrology and astronomy related Sanskrit texts and their Tibetan translations and it explains the materials from these texts. In order to elucidate the meanings of technical terms, scholarly citations have been used. The compilation of this dictionary has been carried out on the basis of available Tibetan and Sanskrit astrological text sand as well as Tibetan versions of unavailable Sanskrit Texts. Currently, this dictionary is almost ready for publication after the final editing.

3. Bhot-Sanskrit Chhatropayogi Kosh:

This is primarily a general dictionary based on the "*Bṛhat Bhota-Saṃskṛta Kosah*" by late Prof. J.S. Negi. The selection of words includes both traditional and commonly used terms related to classical parts from the "*Bṛhat Bhota-Saṃskṛta Kosah*", as well as words used in contemporary speech and language from modern dictionaries. This is a dictionary of "*Bhot-Sanskrit Chhatropayogi Kosh*" and as it provides synonyms for Tibetan entries in Sanskrit, it can also be called a synonyms-dictionary. In addition to this, English transliteration and pronunciation of Bhota entries are also provided so that students unfamiliar with Bhota scripts can easily gain the knowledge and understand the Tibetan entries through their English transliterations and pronunciations. Furthermore, Bhota entries are accompanied by Sanskrit synonyms and their meanings. This dictionary will be completed in three phases. The first phase involves selecting

simple words from the "*Bṛhat Bhota-Saṃskṛta Kosah*" and providing their Sanskrit equivalents. The second phase involves selecting words related to everyday communication from various modern dictionaries and providing their Sanskrit equivalents. The final phase involves refinement and revision. This dictionary will be published in two parts. The first part which covers entries from the letter "ka" to the letter "na" in the Tibetan script, along with their Sanskrit synonyms and usages, is completed and ready for final revisions. Work related to English transliterations, pronunciations, and Sanskrit synonyms of the entries from the letter "ba" to "va" in the Tibetan script have been done with regards to the first phase of the second part.

4. Bhot-Sanskrit-English Abhidharma-Kosh:

In this trilingual dictionary, all essential technical entries will be compiled from the higher and lower Abhidharma texts. While higher Abhidharma refers to *Abhidharmasamuccaya* composed by Acharya Asanga, lower Abhidharma refers to *Abhidharmakosha* and its auto-commentary by Acharya Vasubandhu. In addition to these foundational texts, essential technical terms are also being compiled from Acharya Yashomitra's *Abhidharmakoshaṭīkā* and Jinaputra's *Abhidharmasamuccaya-bhāṣya* and *Abhidharmasamuccaya-vyākhyā*. Currently citations from the relevant sources are being collected for selected entry words and they are being arranged alphabetically.

5. Bhot-Sanskarno ka Sandarbha Kosh:

Bhot-Sanskarno ka Sandarbha Kosh (Concordance of five Tibetan Buddhist Canons) is based on the *Bhota-Sanskrit Sandarbha Kosh*. Through this dictionary, it is to showcase the references from all five editions (Dege, Narthang, Peking, Cone, and Lhasa) of translated Tibetan texts. Currently, the work on this dictionary has been halted due to lack of staff.

6. Vinaya Kosh:

Regarding this project, please see annual report of the Restoration Department.

7. Tibetan-Hindi Kosh:

Due to lack of staff for the Tibetan-Hindi Dictionary project, it has already been decided to carry on the editing of the Bhota-Hindi Kosh compiled by Acharya Roshan Lal Negi by the Dictionary Department and publish it. Currently the input work of the dictionary is going on.

Future Plans:

1. Tibetan-Sanskrit Glossary
2. Name-Dictionary (Dictionary of Ancient Buddhist Pilgrimage Sites and Scholars' Names)
3. Buddhist Tantra-Dictionary
4. Buddhist Logic-Dictionary
5. Book-Dictionary (Granth Kosh)
6. Verb-Dictionary (Kyiya Kosh)

Teaching & Examination Related Activities:

1. Dr. Ramesh Chandra Negi taught Kargyud Sampradaya Shastra Classes, performed tasks of question paper settings, evaluation of answers sheets and conducting of oral examinations.
2. 18 April 2022 : Dr. Ramesh Chandra Negi performed the task of question paper setting for the annual examination of the year 2022 at Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi.
3. 10 July 2022 : Dr. Ramesh Chandra Negi performed the task of question paper setting for the first semester of C.I.B.S. Leh, Ladakh.
4. Dr. Karma Sonam Palmo taught English Class of P.M1st Year from 9:30 to 10:15 AM and performed the tasks of question paper setting and evaluation of answer sheets.
5. Dr. Vishwaprakash Tripathi taught compulsory Sanskrit Class of Shastri 3rd Year and U.M 2nd year and performed the tasks of question paper setting and evaluation of answer sheets.

Writing/Presentation of research papers/lectures/talks at national & international conferences/seminars/webinars etc.:

Dr. Ramesh Chandra Negi:

1. 3 April 2022 : Participated as the chairman in the inaugural session of a *One-day national astrology webinar* organized by Siddham.
2. 24 April 2022 : Participated in a *one-day international symposium* organized by the International Buddhist Council, Lumbini, Nepal, at the Dhamma Learning Center in Sarnath. In the inaugural session, delivered a lecture on the topic "Why Buddhism? A Comprehensive Introduction to Buddhism" and also spoke as a speaker in the first session.
3. 2 May to 1 June 2022 : Conducted audio recording of *Ten-day Vipassana Meditation Course* Materials in Tibetan language at Vipassana Vishodan Vinyas, Igatpuri, Maharashtra. These audio recordings include instructions from the ten-day evening discourses, mini Anapana sessions, Dhamma service, and an hour-long group meditation session.
4. 5 June 2022 : Participated as the chief guest in the inaugural function of the first memorial lecture series related to Reiki Grand Master Anil Bhau Tyade which was organized by the Buddha Tapas Foundation, Aurangabad, Maharashtra. Also delivered a lecture on the overall development of Buddhism.
5. 18-29 June 2022 : Participated in a *ten-day Vipassana meditation retreat* at Dhamma Chakra Vipassana Center, Sarnath.
6. 4 July 2022 : Participated as a speaker in a special assembly organized by I.Q.A.C. Cell for special preparation related to students, and delivered a lecture to the students on the Institute's progress and the development of ethical qualities in students.

7. 5 July 2022 : Participated as a speaker in a *Bhikshu Training Retreat at* Dhamma Learning Center, Sarnath, and presented a special lecture on the topic *Who is a Buddhist?*
8. 6 July 2022 : Participated in a special symposium organized by the institute on the special occasion of His Holiness the Dalai Lama's birthday on the theme of *Universal Responsibility.*
9. 14 July 2012 : Participated as the chief guest in the *Dharmachakra Pravartan Diwas* event organized by Dr. Ambedkar Shiksha Samiti, Sarnath, Varanasi, and delivered a lecture on the above-mentioned subject.
10. 01 August 2022 : Delivered a lecture on *Buddhist Pilgrimage and Turning the Wheel of Dharma* to a group of representatives from the AIMs (All India Monks) family who had come on a special journey from Latur, Maharashtra under the banner of Amrit Mahotsav. Also participated in the special procession/march organized by them, where a special tribute was paid to the national flag.
11. 10 August 2022 : Participated in a special meeting convened by the B.T.I. Section, Ministry of Culture, Government of India, in New Delhi.
12. 5 September 2022 : Conducted a program for a group of Christian Dharma Shastra students from Delhi led by Priest Anil Dalmida. The program included a lecture on Buddhist philosophy and a question-and-answer session.
13. 13 October 2022 : Students of Theology from Kolkata were given a tour of the Shantarakshita Library which was followed by a lecture on Buddhist Philosophy and Teachings.
14. 31 October 2022 : Participated as the chief guest in the concluding ceremony of the three-day national symposium titled *Indian Culture and Jain Tradition,* organized by Shri Ganesh Varni Jain Research Institute, Varanasi.
15. 01-03 November 2022 : Conducted special *Introductory Vipassana Meditation* Sessions consisting seven sessions in total at the N.D.R.F. (National Disaster Response Force) Camp in Varanasi. Participants from N.D.R.F. Gorakhpur, Prayagraj, Lucknow, and Bhopal (Madhya Pradesh) camps joined the sessions through google meet links.
16. 6 November 2022 : Participated as a speaker in the second international conference on Tibetan and Himalayan Studies, organized collectively by the Alumni Association of CIHTS and the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS), Sarnath; presented a research paper in Tibetan language on the success of the Dictionary Department which was established by Prof. Samdhong Rinpoche.
17. 12 November 2022 : Attended as the guardian of the Himachal Buddhist Students Association in a special honor ceremony organized by the association. During the event, addressed the students and honored the former members of the association with certificates.

18. 08 December 2022 : Participated as an expert in a one-day comprehensive meeting held from 9:30 AM to 5:30 PM at the Indira Gandhi National Centre for the Arts, New Delhi. The meeting consisted of four sessions and focused on the topic *Buddhist Thought: Indian Perspectives.*
19. 11 December 2022 : Participated as a speaker in a one-day Buddhist Discourse Session organized by the World Buddhist Federation and delivered a Teaching on the qualities of the Buddha and his fundamental teachings.
20. 01-20 January 2023 : Conducted meditation sessions for the visiting foreign students under exchange program.
21. 18 February 2023 : Participated in a conference on the theme 'Compassion in the Global Context' organized by the Tushita Foundation and the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
22. 14-15 March 2023 : Participated in a special meeting on the theme *Shared Buddhist Heritage in Shanghai Corporation Organization* (SBCO) member states, at Vigyan Bhavan, New Delhi, organized by the Ministry of Culture, Government of India.
23. 18 March 2023 : Participated as the Vice President of the organization in a special meeting of the Pali Society of India. During the meeting, discussions were held regarding the upcoming Pali Day celebration on 01 April 2023.

Dr. Karma Sonam Palmo:

1. 16 July 2022 : Delivered a lecture on *Women in Buddhism* during the orientation program on Buddhist philosophy for the visiting group from the Uberoi Foundation Teacher Training Institute (UTTI), USA.
2. 3-4 January 2023 : Delivered two lectures on *Women's Role in Buddhism and Gender and Buddhism* to visiting American students under the Exchange Program.
3. 12 March 2023 : Delivered a talk on the topic *Role of Tibetan Women in the Preservation of Tibetan Identity and Culture* at a program organized by the Regional Tibetan Women's Association, Sarnath.
4. 28 March 2023 : Gave a talk on *Women Empowerment* at a program organized by the CIHTS, Sarnath on the occasion of International Women's Day.

Research Supervision/Publications and Translations:

Dr. Ramesh Chandra Negi:

1. Dr. Ramesh Chandra Negi did the editing work of the book titled "Negi Rinpoche Tenzin Gyaltsen's Personality and Achievements" written by Dr. Prabhu Lal Negi.
2. Dr. Ramesh Chandra Negi under took the task of translating the Tibetan text *"Dug-pa'i Shal-don"* into Hindi.
3. Dr. Ramesh Chandra Negi revised the Tibetan translation done by Dr. Lobsang Choedon of certain excerpts from the Jyotish text *"Shighrabodha."*

4. The revision work of Atisha's eight texts, including commentary on *"Hridayasutra"*, began in December.
5. 22 October 2022 : As part of the Gadan Phodang Project, translation work of Pali text *"Sadayatan-Vibhang-Sutta"* was initiated. On October 29, 2022, the first phase of the translation was completed and translation work of *"Uddesh-Vibhang-Sutta"* was started.
6. 10 December 2022 : Along with Shri Harinam Negi, conducted the revision work of the biography of *"Siddheshwar Padma Norbu"*, originally written in Tibetan and translated into Hindi.
7. 12 December 2022 : Under the Tibetan Kangyur-Tengyur Hindi Publication Project, the final versions of eight texts, including *"Charyagitika,"* composed by Atisha, were handed over to Geshe Lobsang Dorjee for publication.
8. 13 December 2022 : The finalization work of the *"Karmavibhanga Sutra"* was carried out.
9. 28 December 2022 : At the request of Prof. Ram Sudhar Singh, the task of writing a research paper titled *"Kashi's Uniqueness from the Perspective of Himachal Pradesh"* was undertaken.
10. 9 March 2023 : The first phase of the Tibetan translation of the *"Channovāda Sutta"* was completed.

Dr. Tashi Tsering:

1. Dr. Tashi Chering and Dr. Vishwa Prakash Tripathi are engaged in the work of translating and providing explanations of the Hindi version of the *"Sankhya philosophy"*, as well as working on its Tibetan translation.
2. Work was done on comparing the Tibetan texts of the seventh to last chapter of the *"Madhyamakavataranam"* with other editions in order to analyze textual variations.
3. The work of translating the Pali *"Kālakārāma Sutta"* into Tibetan has been carried out.
4. The task of editing the Tibetan text *"Arya Kashyapa Parivarta-nama Mahayana Sutra"* has been undertaken.
5. The task of revising the biography of the Venerable *Mahamahim Penor Rinpoche* has been carried out.

Dr. Karma Sonam Palmo:

1. 13 July 2022 : As per V.C office order, translated from Tibetan to English three Group Presentations of Nalanda Debate respectively by Nuns, Monks and Lay Students of the Institute during the Dharmachakra pravartan Divas program of International Buddhist Confederation, Ministry of Culture, Govt. of India at Sarnath.
2. July – August 2022 : As per V.C office order, translated MoA of the Institute from English to Tibetan.

3. 11-13 October 2022 : As per V.C office order, translated some mattes related to Students' Code of Conduct from Tibetan to English for the NAAC Peer team Visit.
4. Sept.-Oct. 2022 : As per V.C office order, English to Tibetan/Tibetan to English translation of miscellaneous forms; documents; letters etc. for IQAC during NAAC Peer Team Visit Preparation.
5. 18 January 2023 : As per V.C office order, translated from English to Tibetan, Professor J. Garfield's Lecture on *"Between Abhinavagupta and Daya Krishna; KC. Bhattacharya on Other Minds"* held in the Atisha Hall and organized by IQAC, CIHTS under the Indian Knowledge System (IKS) Lecture Series.

Dr. Lobsang Choedon

1. 07 May 2022 : She discovered a highly valuable Sanskrit astronomical text named *"Jyotish Ratna Mala"* on the internet. Upon comparing certain stanzas with their Tibetan counterparts, which were translated by Situ Choeky Jungne in the 17th century, she noticed striking similarities. Subsequently, she acquired the book to conduct a comprehensive investigative research. After completing the initial research, it became evident that there are additional aspects that require further exploration. As a result, she has been diligently working on advancing this study.
2. 05 November 2022 : On the occasion of S. Rinpoche's 83rd birthday, a research paper titled "Shighrabodha and Jyotish Ratnamala" was written and published by the alumni association of the institute during the Second International Seminar of the institute.
3. 08 March 2022 : The work of revising the Tibetan commentary on the translation of the text "Shighrabodh," which was written for the missing Tibetan stanzas into Sanskrit in collaboration with Assistant Professor Jampa Chophel, was carried out from 2 to 3:30 PM.
4. 13 May 2022 : I delivered a speech on my experience in research work to the students of "Mentsekhang" in Bangalore, along with a brief introduction to the texts "Shighrabodh" and "Jyotish Ratnamala."
5. Attended every online teaching on Fridays on the subject *"Pramāṇaviniścaya"* (Tsema Namdel) and every Saturday on the subject *"Siddhāntavādī"* (Drubta) from 6.30 p.m.to 8.30.p.m.and every other precious speech by Geshe Dorji Damdul, Director of the Tibet House, New Delhi.
6. Attended every live telecasts of online teachings by His Holiness the Dalai Lama.

Other Academic Activities:

Dr. Ramesh Chandra Negi

1. 17 July 2022 : The task of teaching Vipassana meditation to students of Ravivāsariya Vidyalaya, Dhamma Chakra Vihara, Mavaiya, Sarnath, was conducted.

2. 29 July 2022 : Chaired a special meeting of the SC/ST/OBC Cell in the Chief Editor's chamber of the Dictionary Department.
3. 17 August 2022 : For one month, the task of teaching Uttaratantra (Sanskrit-Tibetan) to American research scholar representative Seth Aster Rosen, University of Chicago Divinity School, was carried out.
4. 31 August 2022 : Participated in the meeting of the "*Book Selection Committee*".
5. 16 September 2022 : Participated as a member in the 31st Academic Council meeting of the university.
6. 26 September 2022 : Participated as a member in the inaugural session of Hindi Week organized by the Official Language Committee.
7. 1 October 2022 : Participated as a senior member of the Official Language Implementation Committee in the concluding event (Poetry Session) of the Hindi Week organized by the committee, and also took on the responsibility of delivering a vote of thanks at the end of the event.
8. 12 October 2022 : Along with the Commander of N.D.R.F., Varanasi, I accompanied the Honorable Vice-Chancellor for a special discussion, including a library tour, overview of the university, and an introduction to research departments.
9. 18 October 2022 : The presentation of the work of the Department of Dictionary was made before the NAAC peer team using PowerPoint presentations, and also physically presented the department's work for physical verification in the department's exhibition before the panel of examiners.
10. 14 December 2022 : Participated in a special meeting of the Heads of Research Departments, convened in the office of the Honorable Vice-Chancellor, on the occasion of the visit of the Minister from the Ministry of Culture.
11. 10 January 2023 : Participated as a member in the 48th Book Selection Committee meeting of the Shantaraksita Library.
12. 11 January 2023 : Participated as a nominated member from the SC/ST community in the D.P.C. meeting as an observer.
13. Participated as a member from the SC/ST community in the interviews related to the appointments of various positions at CIHTS, Sarnath.

Dr. Tashi Tsering:

1. As part of the third phase of the "Student Utilization Dictionary", revisions were made to approximately 15 pages of the Ka-verga.
2. As part of the second phase of the "Student Utilization Dictionary, work was done to provide English transliterations and Sanskrit synonyms for 20 entries in the 'Ma'-verga.
3. Correction work was carried out on Tibetan preface of the "Āyurvijñāna Kośa."

4. Work was done to compile some entries of ka-verga for the Tibetan-Hindi Dictionary, providing Hindi synonyms and usage.
5. The task of computer-based editing of the Sanskrit entry words Glossary of the "Āyurvijñāna Kośa:" has been completed.
6. 30 September 2022 : The verification of the prices of Tibetan books in the Shantarashita library was carried out.

Acharya Tenzin Sidon

1. Associated with the Office of the Vice-Chancellor.

Dr. Karma Sonam Palmo

1. Compilation of entry words and citations from the *"Abhidharmasamuccaya commentary"* for the Abhidharma Dictionary is being carried out.
2. Worked on revising the English translation of the Preface of "Āyurvijñāna Kośa".
3. 21 May - 04 June 2022 : performed duty in Vice-Chancellor's office; also did some work on translating matters from English to Tibetan during that time.
4. 13 July 2022 : performed duty of MC for the 2nd session - Dialogue on the Significance of Ashadha Purnima - during the *Dharmachakrapravartan Divas* program of International Buddhist Confederation, Ministry of Culture, Govt. of India at Sarnath.
5. 15-20 July 2022 : As per office order, performed duty as Associate Coordinator of the Orientation Program on Buddhism for Visiting Group of Uberoi Teacher Training Institute, USA.
6. 29 Dec. 22 - 21 Jan. 23 : As per office order, performed duty as Associate Coordinator of the Exchange Program between Five College Consortium, U.S.A and CIHTS.
7. Did content writing work for IQAC as assigned during NAAC PT Visit Preparation.
8. As a member of Website Development Committee, participated in committee meetings and did assigned work of content writing for faculty/department profiles.
9. As the member secretary of Anti Sexual Harassment Committee (ASHC), participated in meetings of committee, did paperwork, file maintaining etc. prior to NAAC Peer Team Visit.
10. As the member of International Student Cell, participated in meetings of the committee.

Dr. Lobsang Choedon:

1. Dr. Lobsang Choedon worked on the final editing of the *"Jyotish Kosh"*.
2. Prepared the final-setting of the entire *"Āyurvijñāna Kośa"* under the direction of the Chief Editor of the Department.

Dr. Vishwa Prakash Tripathi:

1. Dr. Vishwa Prakash Tripathi performed the revision work of the "*Students Tibetan-Sanskrit Dictionary.*"
2. Dr. Vishwa Prakash Tripathi performed the task of selecting words from "*Pramanavartika.*"
3. Dr. Vishwa Prakash Tripathi did Hindi translation work of the book titled "*Madhyamakahṛdayam.*"

Participation in seminar/workshops/lectures and duties

1. All the members actively participated in the seminars, workshops, lectures held in the Institute and fulfilled all the additional duties assigned by the Institute.

5. Centre for Tibetan Literature

Taking into account the importance and richness of Tibetan Literature, it was felt that its comprehensive history is yet to be written consequently; hence the Centre for Tibetan Literature was established. The comprehensive history of Tibetan literature will reflect its developmental process and influence of Indian literature on Tibetan. The corpus in Tibetan language is available in two forms: (i) Translated from Indian Language primarily Sanskrit-comprises more than five thousand texts, and (ii) Works of Tibetan Scholars in various disciplines running into more than lakhs. Observing that so far no comprehensive history of Tibetan Literature is available despite the fact that the Tibetan Literature is immensely rich, the Institute decided to prepare a comprehensive history of Tibetan Literature. In order to materialize it, the Institute created a unit of Research Department namely "Centre for Tibetan Literature" which can produce comprehensive history of Tibetan Literature as well as translating other literary works and conduct research, workshops and conferences etc. Taking all these facts in view, the Institute made plan to engage senior reputed scholars in this project.

Accordingly, a Sr. researcher was engaged as the primary person in the Centre for Tibetan Literature, who has been working in the project since the last 8 years and has extensively worked on this project and written a comprehensive history of Tibetan literature in draft forms running into 4 volumes, which is under process of completion. Along with this project, the Centre has produced other literature in the form of commentaries and translations. It has conducted symposium on "The History of Literature of Sanskrit and Hindi". A workshop was also organized to discuss some of the draft chapters.

4. SHANTARAKSHITA LIBRARY

The Central Library of the Institute, named as Shantarakshita Library, is a unique treasure of valuable Xylographs, books, periodicals and multimedia documents. The library has a vast collection of Indian Buddhist Sanskrit texts in Tibetan translations. The collection of the library is based on the objectives of the Institute and it has been recognized as the collection of National Importance by the Government of India.

The Library is named after one of the renowned Indian Buddhist scholar Acharya Shantarakshita of Nalanda Mahavihara, who visited Tibet in the 8th century C.E. for the noble cause of Dharma. The collection of documents on Buddhism, Tibetan and Himalayan studies and allied subjects of the library is point of attraction for the Indian and foreign scholars.

The library is well equipped with latest ICT infrastructure, providing services based on the multilingual bibliographical database of the library collections.

Library has full text online access to the resources of BDRC (Buddhist Digital Resource Centre) https://www.bdrc.io/ World Public Library resources http://community.worldLib.in and South Asia Archive (SAA) http://www.southasiaarchive.com

In addition to the printed and online documents, the library manages a rich collection of Microfiches, Microfilms and Audio & Video documents. Library is also linked with The Dalai lama Foundation, Dharamshala, for the development of Tibetan literature and culture.

The library has IP authenticated full text online access to the resources of Economics and Political Weekly (www.epw.in), and databases of ISID (www.isid.org.in), under E-ShodhSindhu program of the INFLIBNET (www.inflibnet.ac.in).

Multilingual catalogue (Web-OPAC) of the library is linked with the website (www.cihts.ac.in) of the Institute and is functioning smoothly.

1. Prof. Tashi Tsering (S), Library In-Charge
2. Mr. Sudhriti Biswas, Office Assistant, On Contract

Shantarakshita Library has the following Sections:

(1) Acquisition, Technical and INFLIBNET Section
(2) Periodical and Reference Section
(3) Tibetan Section
(4) Circulation Section
(5) Stack Section
(6) Multimedia Section
(7) Computer Section

1. Acquisition, Technical and INFLIBNET Section

1.1 Acquisition Section

(A) During the financial year 2022-2023 (1st April 2022 to 31st March 2023) total number of 1981 documents of ₹4232395.00 were procured and entered in the Accession register from accession number 125288-127268.

Out of 1981 documents, 1643 titles valued ₹ 4103611.00 were purchased and 328 documents worth ₹ 128784.00 were received as donation and 10 are bound volumes of journals.

Details of Books Purchase during 1st April 2022 to 31st March 2023

Tibetan	921
Sanskrit	36
Hindi	305
English	558
Multilingual	147
Others	14
Total	**1981**

Purchase	
Donation	328
Ins/Exchange	0
Bound Journals	10
Total	1981

Purchase Value	4103611.00
Non-Purchase Value	128784.00
	4232395.00

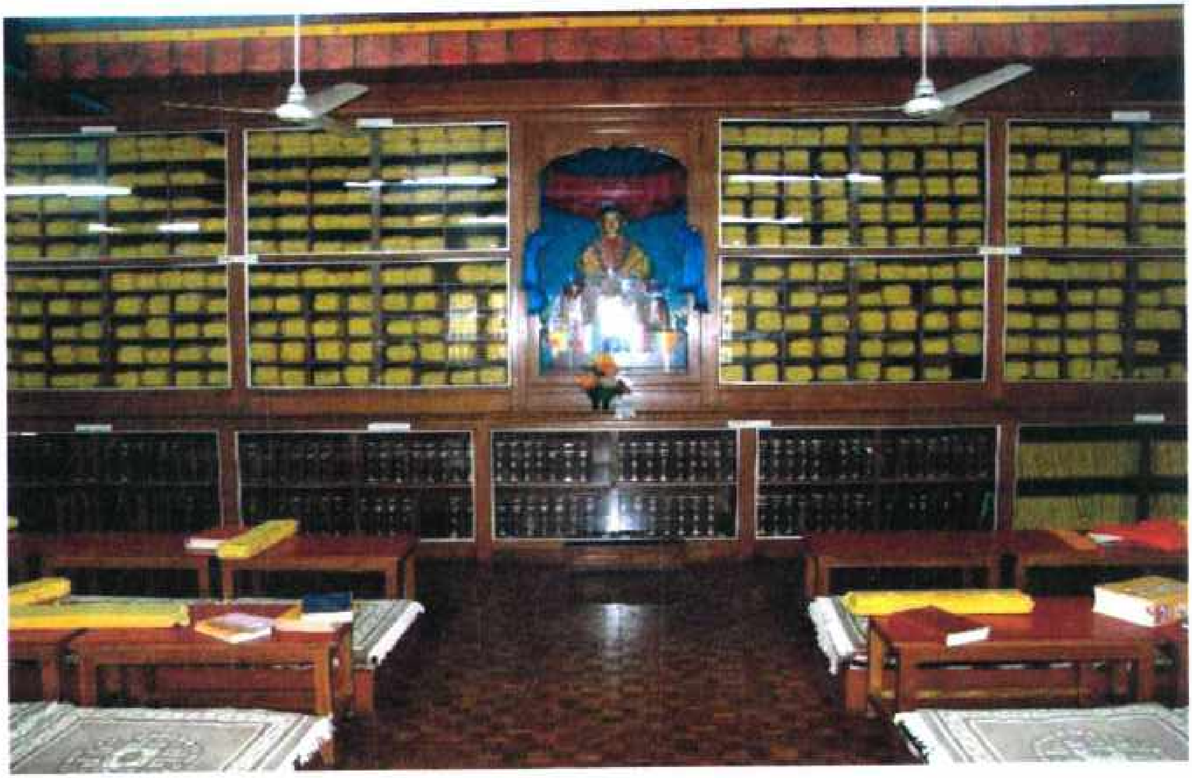

1.2 Technical Section

1. During the period from 1st April 2022 to 31st March 2023 total no. of 554 documents had been classified with help of CC (6th ed.) and catalogued in SLIM database. After technical processing all the books had been transferred to the concerned section/stacks.
2. 1190 individual Tibetan books were classified, catalogued and transferred to Tibetan section.
3. Whenever required on-demand technical processing of books have been done.
4. Duplicate checking of books whenever refereed by acquisition section.

5. All Tibetan books have been classified with the help of Colon Classification (Tibetan version of CC) and catalogued in SLIM database.

1.4 List of Employees working in the Acquisition & Technical Section

1. Mr. Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer
2. Mr. Ravi Kant Pal, Professional Assistant
3. Mr. Tenzin Chungdak, S.P.A. On-Contract
4. Ms. Dicky Dolma, S.P.A. On-Contract
5. Ms. Ngawang Lotso Lama, On-Contract
6. Ms. Mina, Library Attendant
7. Mr. Shiva Bachan Sharma, MTS

2. Periodical and Reference Section

2.1 Subscriptions:

During the year 2022-23 the section spent ₹ **403452.00** to subscribe/acquire journals, Magazines & Newspapers.

S. N.	Items	Mode of Subscription	No. of Title	No. of Vol.(s)	No. of Loose Issues	Amount
1.	Inland Journal	Subscription	7	7	19	2500.00
2.	Foreign Journal	Subscription	9	9	32	368110.00
3.	Complimentary/ Gratis	Gratis	25	25	28	00.00
4.	Exchange Journal	Exchange	4	4	4	00.00
5.	Newspapers and Magazine (18)	Local	18	19	196	32842.00
Total			**63**	**64**	**279**	**403452.00**

Services:

1. Journal Indexing: Title indexing of current Journals is regular feature of the Periodical Section. During the year 2022-2023 total number of 228 articles of English & Hindi journals have been indexed from the subscribed academic journals. As on 31st March 2023, the journal article database of SLIM contains **18163** article entries. This database is accessible through library OPAC.
2. 1745 press clippings were scanned in the current session. At present time total number in the database has become 24784.
3. From 1st April 2022 to 31st March 2023, approx. 350 loose issue of journals have been prepared for binding.
4. On demand of the readers, photocopies of articles published in the periodicals were made available.

5. During the year reference service provided to research students, staff and other readers.

2.3 List of Employees working in the Periodical & Reference Section

1. Mr. K. N. Singh, Professional Assistant
2. Mr. Satish Kumar Rai, Daily Wager Staff

3. Tibetan Section

Tibetan Section of Shantarakshita Library, collects & manages the documents of Tibetan language. The Buddhist canonical literatures in Tibetan language known as *Kagyur* & commentaries on the "Translated Words of Buddha," and *Tengyur*, the "Translated Treatises of Indian Acharyas" are the core repository of this section. Several editions of Kagyur and Tengyur in xylography format along with *Bonpo* Kagyur & Tengyur (Tibet indigenous religion) and *Sungbum* (a collected works of Tibetan scholars) are available in the holdings of the section. Nevertheless, the Tibetan medicine (gso-ba-rig-pa), Tibetan astrology, linguistic, literature, history and periodicals all printed in contemporary book format are part of its inevitable collection.

1. The Tibetan section presently have the editions of canonical texts of Kagyur (Pothi, Debchen, Book) and Tengyur (Pothi,Debchen, Book):
2. Pali and Chinese Tripitaka in Book Format.

3.2 Total Holding of Tibetan Section at Present

Type of books	Title	Copies	Remark
Book	8601	28309	As per report generated in new query in catalogue browser with the provisions of item type, book with Tibetan language.
Pothi	1557	7850	As per item type report.
Debchen	481	1959	--do--
Periodical (Tibetan)	279	2143	As per report generated in new query in catalogue browser with the provisions of item type, periodical with Tib. language.
Total	**10918**	**40261**	**2022-23**

3.3 Technical Work:

1) Seventy five percent of the backlog technical work of the Tibetan section was completed during the year.
2) Shelf guide for readers were provided as per Call number.
3) Shifted all the Tibetan Reserved Copy to Reference Section.
4) The access points of the catalogue were also edited/corrected while providing Call numbers in computer (SLIM).
5) Transcription of call numbers on books, and other related works like pasting of book pockets, labeling were completed.

6) Prepared 334 analytical entry of the book.
7) Tibetan books and pothi found unaccessioned were transfered to acquisition section.
8) 5735 incomplete catalogues of books as well as pothis were entered in SLIM (Computer database)
9) Reconfirmation of analytical entries of Old Pothis from Sumbum Collection.
10) Shelf rectification has been carried out from time to time to maintain the proper shelving for reader services and others.

3.4 Intra-Library services:

1) Acquisition section: With reference to the acquisition section record, 1190 books have been checked for its duplication before new procurements by the Tibetan Section.
2) Co-ordination work to Multi-Media Section: With reference to the Tibetan section Internal Service record book. The Section has provided **25** books to the Multimedia section for digitization.
3) Circulation desk: Section Staff Ms. Tashi Lhamo has been engaged at circulation desk from time to time during the leave of concerned staff.

3.5 Reader's Services:

Effective reader services have been provided to academic scholars, Ph.D. scholars, research fellow as well as to general readers. With the support of the reprographic section the readers have taken photocopy of the 762 pages of Tibetan documents. The details of the services are mentioned as below:

1. Reading Room Service
2. Search of book on shelf
3. Bibliographic Service
4. Article Index
5. Special Catalogue in Print
6. Online search on BDRC (Buddhist Digital Resource Centre) portal

3.6 List of Employees working the Tibetan Section

1. Mr. Lobsang Wangdu	P.A. (I/C Tibetan Section)
2. Mr. Choenga Tsering	On Contract
4. Ms. Tashi Lhamo	On Contract
5. Mr. Anil Kumar Yadav	On Contract

4. Circulation Section

Circulation Section of the library, enrols and renews the library membership and manages the Issue, Return, Reservation and other related processes, the section also maintains usage statistics of the library.

Details of Registered Users in the Library during FY 2022-23

Students	342
Staff	62
Casual & Request Members	24

Departmental	07
Guest Members	02
Direcrot chamber	01
Total	**438**

4.1 During the year total 124 new members, including 82 Students, 04 Staff, 24 Non-Regular members, Departmental 01 and Temporary 13 were enrolled in the library and 62 No-Dues certificates have been issued.

4.2 Total 45290 circulation transactions have been done during the financial year which includes Issue, Return and Reservation etc.

4.3 Total 4490 documents had been issued and 4517 documents returned by the library users during the year.

4.4 Total 35902 users visited the library during the year 2022-23.

4.6 **List of Employees working Circulation Section**

1. Ms. Tezin Kalden, On Contract

5. Stack Section

General Stack section provides user services based on documents of other than Tibetan languages and special collections. The section is housed in two floors and the documents are arranged subject-wise based on Colon Classification Scheme 6th ed. Details of Services and maintenance works done by the Stack Section of the library during the year are as here under –

5.1 Services

1.	Number of users visited (Based on number of requisition slips)	501
2.	Number of Documents taken from shelves (Based on number of requisition slips)	736
3.	Number of Reading Room services (General stack)	18415
4.	Number of User Services based on Special Collection	21

5.2 Additions and Maintenance

1.	New additions	113
2.	Documents sorted out & sent for technical rectification	182
3.	Documents received after technical rectification	264
4.	Shelf rectification	A,B,O,M,N,X,W,Q,R,T, LJC, KNC, AKS,
5.	Number of documents transcribed/re-transcribed	610

5.3 List of Employees working the Stack Section

1. Mr. D. P. Singh, Professional Assistant **(Till July 2022)**
2. Mr. Ramesh Chandra Singh, Professional Assistant **(Till July 2022)**
3. Ms. Tenzin Rigsang, Professional Assistant
4. Mr. Vijay Kumar Patel, Library Attendant
5. Muhammad Mumtaj, Library Attendant

6. Multimedia Section

The Multimedia Section is well equipped with the latest ICT infrastructure and the software to create and edit various digital documents. Since inception the multimedia section has been engaged in the work of Audio and Visual recordings of important teaching and lecture within and outside of the Institute as well as digitization and preservation of rare Buddhist text and manuscripts in contemporary formats to ensure their preservation. The section creates, procures, manages, and provides services based on microfiches, microfilms, Audio Cassettes, CD, MP3, DVD and digital documents. Currently, the resources of the multimedia section include various editions of digital manuscripts, rare text and approx. 40,000 hours of audio recording of lecture and teachings by many scholars. The recordings that were originally done in audio cassettes and video cassettes are now being digitized, edited, and made available to the users. The Section also provides reprographic services such as photocopying, scanning, and printing services to the scholars and users of the library.

1 Documentation of Still Images, Audio and Video and LIVE webcast

During the year 2022-2023, the section documented following academic events of the Institute, which includes videography, editing and added in the library collection and available for reader/user.

1. 21 April 2022 : Edited and exported video titled "Interaction between Students and Vice Chancellor".
2. 21 June 2022 : Edited and exported video titled "International Yoga Day 2022".
3. 30 July 2022 : Edited and exported video titled "National Conference on National Education Policy 2020".
4. 4 Aug 2022 : Edited Video titled "Inaugural ceremony of Prof. L.M. Joshi memorial football tournament.
5. 2 September 2022 : Edited Video Title "Cultural Program".
6. 18 to 20 October 2022 : Coverage of entire proceeding of NAAC PEER TEAM VISIT.
7. 20 October 2022 : Edited and exported video titled "EXIT MEETING NAAC PEER TEAM VISIT".
8. 4 November 2022 : Edited video title "Teaching on the Lamp of the Path to Enlightenment" by Prof. Samdhong Rinpoche.
9. 5 November 2022 : Tenshug offering to His Eminence Prof. Samdhong Rinpoche.

10. 05 November 2022 : Edited and exported video titled "Prof. Samdhong Rinpoche's Birthday Celebration".
11. 6 November 2022 : Edited and exported video titled "2nd International Conference on Tibetan & Himalayan Studies" organized by CIHTS Alumni.
12. 26 November 2022 : Edited and exported video titled "Indian Constitution Day - Preamble Reading".
13. 26 November 2022 : Edited and exported video titled "Special Talk - Constitution Day 2022".
14. 16 December 2022 : Edited Video title "Visit of Hon'ble Minister of Culture Mr. G. Kishan Reddy at CIHTS".
15. 18 January 2023 : Edited video titled "Between Abhinavagupta and Daya Krishna: KC Bhattacharyya on Other Minds" by Professor Jay Garfield.
16. 12 to 14 Feb 2023 : Edited Video titled "Senior Student's Winter Camp" held.
17. 1 to 15 March 2023 : Edited Video titled "15 days Sowa Rigpa Induction Program" held.
18. 4 March 2023 : Edited and exported video titled "Kedarnath Singh Samman Samahroh".
19. 4 March 2023 : Edited and exported video titled "Budh ki dharti par kavita" (Inaugural Session)".
20. 19 to 20 March 2023 : Edited Video titled "SWA Golden Jubilee Celebration".
21. 27 March 2023 : Edited and exported video titled "International Women's Day".
22. 30 March 2023 : Edited and exported video titled "Pedagogy of Modern Subjects through Dialectics".

In addition to the above major events, many lectures and talks delivered by distinguished scholars on various topics in the Institute during the year have also been photographed, recorded, processed, and added to the library collections. The section is also documenting the Still Images of every event happening in the Institute for reference and record.

2 Digitization of Audio cassette Tapes

1. During the year, 390 Audio cassettes, bearing 108 Titles, 507 hours have been digitised and saved in MP3 format.

3 Digitisation Work of Rare Manuscript & other Documents

1. Scanned 4 Volumes sungbum of "Byed rgub rtsis kyi gsal byed ni ma'i od zer man thos rdo rje"
2. Scanned 1 Volume of "The corpus of His Holiness Kun Grol Grags Pa".
3. Scanned 1 Volumes of Nya Pay Rinchen Gronsel les "jor gru 'phrul gi lde mig".

4. Scanned 26 Ph.D. Thesis.
5. Scanned 5 boxes of Microfiche, 8162 folios of reports on the Buddhist sector by Archaeological Survey of India.
6. Scanned 97 Volumes, 58369 pages of Golden Kagyur were digitised at Tawang Monastery, Arunachal Pradesh from 14 May to 25 June 2022
7. Scanned 113 Volumes of handwritten Kagyur and 15 other rare Manuscripts, Total of 85889 pages were digitised at Tawang Monastery, Arunachal Pradesh from 14 May to 25 June 2022.

4 Online access to the Audio & Video Collection:

1. 2 video files video-graphed and edited by the section were uploaded on the social media online platform YouTube during 2022-2023 and made available for user to watch online at the institute YouTube channel www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies
2. 33 video files edited or LIVE webcast by the section were uploaded on the social media of CIHTS facebook page during 2022-2023 and made available for user to watch online
3. Uploaded 58 photo album of various activities of the Institute during 2022-2023 were publicised by uploading on social media online platform Facebook www.facebook.com/CIHTS
4. Uploaded 37 posts of various activities of the Institute during 2022-2023 on the social media platform Instagram www.instagram.com/cihts_sarnath/
5. 30 tweets of various activities of the Institute and 294 retweeted during 2022-2023 on the social media platform Facebook https:/twitter.com/CIHTS_SARNATH

5 Readers Services

During the year 2022-2023, following reader services were provided to the members of the university and visitors.

1. Around 523 students and 197 Staffs were photographed for the new identity card of the Institute.
2. Provided copies of still photos to around 11 committee and departments as per their requirement.
3. Total 31747 pages were photocopied/ printed and 944 pages scanned for academic and official purpose.
4. 94 sets of spiral binding were done on official purpose
5. The section also deals with reprographic services of both physical (hard copy) and digital (soft copy) to the users/ readers on minimal payment. A total amount of ₹63246.00 was collected during the year from the reprographic services such as scanning, printing, photocopies, and duplication of audio-visual documents available in Shantarakshita Library's collection.

6. Provided current awareness services, Consultation, Reference, and reader services.
7. Maintenance of collection and ICT equipment.

6 Other Activities

1) The Multimedia section has set up a new exhibition hall that displays the progress of vintage multimedia equipment used earlier by the sections and activities of off-site digitization work.
2) Tagging of all the displayed vintage equipment with brief Information.
3) Mr. Tenzin Dhonyoe and Mr. Kalden Gurung were deputed to digitize the Golden Kagyur and Handwritten Kagyur preserved at Tawang Monastery, Arunachal Pradesh. They scanned 225 Volumes, 144258 pages from 14th May to 25th June 2022.
4) Mr. Tenzin Dhonyoe assisted the committee appointed by IQAC for the selection of photos to be used for the presentation, poster and banner designing during the NAAC Visit.
5) Designed and prepared the layout of the Institute's new identity card.
6) Prepared and printed around 720 new ID Card of the Institute for the students and the Staffs.
7) Designed and prepared multiple posters for the "Vigilant India, Prosperous India" programme, etc.
8) Designed and prepared Banner for Buddha Jayanti-2022.
9) Designed and prepared Multiple Banners and Posters during the visits of the NAAC peer team.
10) Input and edited the book no 2 to 5 of Accession Register books of "List of the microfiche and microfilm box in multimedia section.
11) Edited and printed "Catalogue of Sanskrit Buddhist manuscripts in Microform collection in Shantarakshita Library.
12) With reference to the order from the VC office, Mr. Dorjee Boom gave informal training in Videography, Editing, and pre & post production procedure to 3 interested students.
13) Mr. Dorjee Boom assisted the Varanasi Doordarshan Kendra team during their visit to the Institute regarding the video documentary project.
14) Mr. Stanzin Tonyot was deputed as a member of the audit team to carry out the annual audit work of 51st GSWC from 11th Nov to 22nd Nov 2023.
15) Mr. Stanzin Tonyot was deputed as a member of the arrangement of boarding and lodging for students and staff of the Institute during the Teachings of His Holiness the Dalai Lama at Bodh Gaya, Bihar from 13th Dec 2022 to 7th January 2023.

16) Mr. Kalden Gurung was deputed as a member of the audit team to carry out the annual audit work of the 40th MMC to 41st MMC from 3rd Feb 2022 to 14th Feb 2023.

6.7 List of Employees in the Multimedia Section

1) Mr. Tenzin Dhonyoe, On Contract, Incharge
2) Mr. Palden Tsering, On Contract
3) Mr. Dorjee Boom, (LDC)
4) Mr. Kalden Gurung, On Contract
5) Ms. Tenzin Tsomo, On Contract
6) Mr. Tashi Dhondup, On Contract
7) Mr. Stanzin Tonyoe, On Contract
8) Mr. Rakesh Gupta, On Daily Wager

7. Computer Section

The Section is responsible for procurement, maintenance and management of all IT devices and services including Internet connectivity, Library database. The section also provides services like, text and presentation, composing and printing to the faculty members, staff, students, casual staff and guest members of the Institute. In addition to above CCA and DCA courses are also being conducted by the section.

The Institute has Optical Fibre based GBPS Internet connectivity provided by BSNL under NKN (National Knowledge Network), NME-ICT (National Mission of Education through Information and Communication Technology) of Ministry of Education, Govt. of India, New Delhi. The computer section manages the smooth functioning of connectivity, networks, servers and more than 319 computers, 50 printers, 12 scanners and 12 laptops, 17 smart class room, projectors, Digital Podiums and other IT equipment & Services of the Institute.

During period from 1st April 2022 to 31st March 2023, major achievements of the section are as follows:

7.1 Conducted CCA/DCA Course – theory & practical classes per week and other tasks related to CCA/DCA course for the academic session 2022-2023.

7.2 Managed campus wide Network for Internet and allied services.

7.3 Provided computing facility to the students & members of the Institute.

7.4 Undertaken the job of Word Indexing, Library database back-up, client installation etc. related to Library Management Software (SLIM).

7.5 Carried out the tasks related to maintenance of H/W & S/W.

7.6 Section is actively participating in conducting webinars/online meeting and effectively handling it.

7.7 Maintenance/Management of CCTV installed in Institute's Campus.

7.8 Handled the data management over LIMBS portal and also provided support over the PFMS, URKUND, GLIS, PROBITY and SAP portals.

7.9 Section is handling the google workspace for the institute and provides email IDs to the staff and students as per the Email Policy of the institute.

7.10 In this year computer section involved in procurement and installation of 05 nos of Smart Classes (interactive Display Board with Multimedia Controller) in different departments of the institute.

7.11 **List of Employees working in the Computer Section**

1. Mr. Nirankar Pandey, On-Contract
2. Mr. Ojas Shandilya, On-Contract
3. Mr. Anvesh Jain, On-Contract
4. Mr. Nand Lal, MTS

Other Assignments of Library Officials

1. Documentation Officer, Mr. Rajesh Kumar Mishra:-

I. Supervising the functioning and reporting of all sections of the library under Prof-In-Charge Library.

II. Working as Member Secretary of the Book Selection committee and Nodal officer for INFLIBNET services.

III. Initiated and managed to get installed Google Workspace for Education Fundamentals (Free Edition). Managed to create domain name-based email ids of all the Institute members.

IV. Initiated and managed to activate the **Samarth eGov Suite** (Beta) - Designed & Developed by University of Delhi as an Initiative by Ministry of Education, Govt. of India.

V. Working as **Officer in-Charge (Recruitment) since 9.9.2022**. Implemented Samarth Recruitment portal and advertised 37 teaching positions through the portal.

VI. Addressed the participants of exchange program (06.01.2023) and library orientation courses. Delivered invited lecture at CSIR-IITR Lucknow 12.8.2022

VII. As Nodal Officer for QCI study coordinated the QCI team visit (15-16.11.2022) and attended meeting on 30.08.2022 at New Delhi.

VIII. Participated as Co-Rapporteur of CALIBER 2022 at BHU Varanasi 17-19.11.2022.

IX. Participated and chaired a session and delivered invited lecture in National Seminar at DHSGU Sagar (M.P.) on 10-11.12.2022.

X. Participated and chaired a session and delivered invited lecture in National Seminar at Parsvanath Vidyapeeth, Varanasi on 4-5.02.2023.

XI. Working as Nodal Officer for RTI On-Line web portal & Suo-Motu Disclosure w.r.t RTI.

XII. Worked/working as Member of the NAAC Committee, Rajbhasha Karyanvayan Samiti, website development committee, MACP committee and Chairman/Member of some other ad-hock committees of the Institute.

2. **Mr. Ravi Kant Pal, Professional Assistant**, worked as Member Secretary of the Purchase and Procurement Cell of the Institute, managed GeM portal and Library Store.

3. **Mr. Sudhriti Biswas, Office Assistant, On Contract** worked as Office Assistant of the R.T.I. Section of the Institute and also worked as On-Line RTI portal (RTIMIS), CIC portal and CPIO E-Mail.

5. ADMINISTRATION

The Administration of the Institute consists of General Administration, Personnel Administration, Academic Administration, Financial Administration and Publication Unit. The major activities of the administration of the Institute are organized as per the following chart:

VICE-CHANCELLOR

REGISTRAR

Administration Section I	Administration Section II	Examination Wing	Maintenance Wing	Accounts Wing	Publication Wing
• Handling & record keeping of all service matters related to all teaching and research staff. • Conferences, Workshops & Seminars • Supervision of Purchase and Procurement service through P&P wing • Correspondence with the UGC • Academic & Research Projects/Proposal Schemes • Correspondence with other Academic Bodies/Regulators • Secretarial support for matters relating to Academics and Research • Other administrative functions	• Handling & record keeping of all service matters related to all non-teaching staff • Personnel policies • Casual labourers • Temporary/ Adhoc engagement for all categories • Service contracts • Legal matters • Correspondence with MOC • Staff canteen • Staff welfare • Security • Transport • Standard forms of ad printing thereof • Miscellaneous administrative matters	• Documentation for conduct of exam • Appointment of Examiners/ moderators • Tabulation • Question papers • Result • Issue of certificates and marksheets • Any other matter related to Examination Wing	• Maintenance and sanitation of campus • Electricity and water • Guest House allotment • Civil and electricity maintenance • Horticulture • Central stores and inventory • Annual Maintenance contracts • Other matters relating general maintenance of Institute	• Budgeting • Auditing • Payment of salaries & wages • Payments of bill and all other financial matters.	• Publication of Research work on Tibetan Buddhism in accordance with the objectives of the Institute • Proof reading of proposed Publication • Sale of Publication

List of Non-Teaching Regular Employees:

S.No.	Name of Employee	Designation	Category
1	2	3	4
1.	Prof. Ngawang Samten	Vice-Chancellor	A
2.	Dr. Himanshu Pandey	Registrar (In-charge)	A
3.	Dr. Himanshu Pandey	Dy. Registrar	A
4.	Shri Pramod Singh	Assistant Registrar (Admin.-II)	A

5.	Sri Sunil Kumar	Assistant Registrar	A
6.	Sri R.K. Mishra	Documentation Officer	A
7.	Sri D.P. Singh	Professional Assistant	B
8.	Sri Ramesh Chandra Singh	Professional Assistant	B
9.	Shri LobsangWangdu	Professional Assistant	B
10.	Smt. Tenzin Rigsang	Professional Assistant	B
11.	Shri Manoj Kumar Kushwaha	Assistant Engineer (Civil)	B
12.	Shri K.N. Shukla	Section Officer, Account	B
13.	Shri J.P. Vishwakarma	Section Officer, Admin.-I	B
14.	Shri Kapil Dixit	Junior Engineer (Electric)	B
15.	Shri Kunsang Namgyal	Senior Assistant	B
16.	Shri M.L. Singh	Senior Assistant	B
17.	Shri K.N. Singh	Professional Assistant	B
18.	Sri Ravi Kant Pal	Professional Assistant	B
19.	Shri Anand Kumar Singh	Senior Assistant	B
20.	Shri Rajiv Ranjan Singh	Senior Assistant	B
21.	Shri Deepankar	Steno-Typist	C
22.	Shri Pradeep Kumar	Senior Clerk	C
23.	Shri Vinay Maurya	Junior Clerk	C
24.	Shri Dorjee Boom	Junior Clerk	C
25.	Shri Jainky	Pump Operator	C
26.	Shri Raja Ram	Plumber	C
27.	Smt. Meena	Library Attendant	C
28.	Shri Sagar Ram	Library Attendant	C
29.	Md. Mumtaj	Library Attendant	C
30.	Shri Vijay Kumar Patel	Library Attendant	C
31.	Shri Phoolchand Balmiki	Cook	C
32.	Shri Mishri Lal	Cook	C
33.	Shri Keshav Prasad	MTS	C
34.	Shri Laxman Prasad	MTS	C
35.	Shri Lalman Sharma	MTS	C
36.	Shri Gopal Prasad	MTS	C
37.	Shri Daya Ram Yadav	MTS	C
38.	Shri Ramesh Kumar Maurya	MTS	C
39.	Shri Prem Shanker Yadav	MTS	C
40.	Shri Ram Kishun	MTS	C
41.	Shri Uma Shanker Maurya	MTS	C
42.	Shri Nirmal Kumar	MTS	C
43.	Shri Munna Lal (W)	MTS	C
44.	Shri Vijay Kumar (M)	MTS	C
45.	Shri Mahendra Prasad Yadav	MTS	C
46.	Shri Sanjay Maurya	MTS	C
47.	Shri Munna Lal Patel	MTS	C
48.	Shri Surendra Kumar Verma	MTS	C
49.	Shri Bhaiya Lal	MTS	C

50.	Shri Sumit Balmiki	MTS	C
51.	Shri Shyam Narayan	MTS	C
52.	Shri Hausila Prasad	MTS	C
53.	Shri Subhash Chandra Gautam	MTS	C
54.	Shri Prakash	MTS	C
55.	Shri Virendra Kumar Gaur	MTS	C
56.	Shri Rajendra Prasad	MTS	C
57.	Sri Shiv Bachan Sharma	MTS	C
58.	Shri Nand Lal	MTS	C
59.	Shri Ganesh Prasad	MTS	C
60.	Shri Om Prakash	MTS	C
61.	Smt. Neelam Devi	MTS	C
62.	Shri Lalman	MTS	C
63.	Shri Ashraf	MTS (Safaiwala)	C
64.	Shri Habib	--do--	C
65.	Shri Pradeep Kumar	--do--	C
66.	Shri Ishrail	--do--	C
67.	Shri Lala Ram	--do--	C
68.	Shri Ram Kishan	--do--	C
69.	Shri Nand Lal	--do--	C
70.	Shri Yaseen	--do--	C

List of Employees on fixed/contractual basis:

S.N.	Name of Employee	Designation	Department/Unit
1.	Sri Sarvajit Singh	Lower Division Clerk	Registrar Office
2.	Sri Nand Lal Yadav	MTS	Admin.-II
3.	Sri Narendra Bhardwaj	Office Assistant/cum Software Maintenance	Account Section
4.	Ms. Tsering	Clerical work	Account Section
5.	Sri Vishal Patel	Office Asst.	Account Section
6.	Sri Kunwar Ravi Shanker	Office Asst.	Examination Section
7.	Sri Abhimanyu Bhandari	Office Asst.	Examination Section
8.	Sri Penpa Tsering	Office Asst.	Examination Section
9.	Sri Gopesh Chandra Rai	Lower Division Clerk	Maintenance wing
10.	Sri Tashi sithark	MMC work assistant	Maintenance wing
11.	Sri Mahesh	MTS	Maintenance wing
12.	Sri Chandrika	MTS	Maintenance wing
13.	Sri Paras	MTS	Maintenance wing
14.	Sri Dinesh Yadav	MTS	Maintenance wing
15.	Sri Vinod Kumar Singh	MTS	Maintenance wing
16.	Sri Virendra Kumar Mauarya	Driver	Maintenance wing
17.	Sri Manish Pal	Driver	Maintenance wing
18.	Sri Ram Naresh Gupta	MTS (Safaiwala)	Maintenance wing
19.	Sir Tenzin Dhonyo	Semi-Professional Asst.	Library

20.	Sri Nirankar Pandey	System Manager	Library
21.	Shri Ojash Shandilya	System Manager	Library
22.	Palden Tsering	Multimedia Project work	Library
23.	Sri sudhriti Biswas	Office Asst.	Library
24.	Sri Choenga Tsering	Casual worker	Library
25.	Sri Kaledan Gurung	Casual worker (Multi-media)	Library
26.	Sri Stanzin Tonoyot	Casual worker (Multi-media)	Library
27.	Sri Ngawang Lotso Lama	Casual worker (Multi-media)	Library
28.	Ms. Tashi Lhamo	Casual worker (Multi-media)	Library
29.	Smt. Dicky Dolma	S.P.A.	Library
30.	Sri Tenzin Chhundak	S.P.A.	Library
31.	Smt. Tenzin Kalden	Casual worker (Multi-media)	Library
32.	Sri Ashok Kumar	Carpenter	Library
33.	Sri Anil Kumar Yadav	MTS	Library
34.	Md. Aslam	MTS (Safaiwala)	Library
35.	Sri Asghar Ali	MTS (Safaiwala)	Library
36.	Sri Laturi	MTS (Safaiwala)	Library
37.	Sri Ramesh Chandra	Clerical work	Dictionary Unit
38.	Sri Chhotelal Yadav	MTS (Driver)	V.C. Office
39.	Sri Shaheed Ahmed	MTS (Safaiwala)	V.C. Office
40.	Sri Mohit Kumar	--do--	V.C. Office
41.	Sri Amit Kumar Sharma	MTS	RBTRD
42.	Sri Dayashanker	MTS	Publication Unit
43.	Sri Kashmir	MTS (Safaiwala)	Girls Hostel
44.	Sri Mohan Yadav	MTS (Watchman)	Girls Hostel
45.	Sri Inayat Ali	MTS (Safaiwala)	MMC
46.	Sri Shravan Kumar	MTS (Safaiwala)	MMC
47.	Sri Mahmood	MTS (Safaiwala)	Research Hostel
48.	Smt. Pasang Dolma	Compounder/Nurse	Student's Welfare Committee
49.	Sri Kashi Nath Prajapati	MTS	Sowa-Rigpa Dept.
50.	Sri Lave Kumar Singh	MTS	Sowa-Rigpa Dept.
51.	Sri Shiv Shankar Yadav	MTS	Sowa-Rigpa Dept
52.	Sri Brij Mohan Bhardwaj	MTS	Sowa-Rigpa Dept
53.	Sri Subash	MTS	Sowa-Rigpa Dept
54.	Sri V.K. Patil	Pathological	Sowa-Rigpa Dept
55.	Smt. Kelsang Wangmo	Technical Asst./P.A.	Sowa-Rigpa Dept
56.	Dr. Nawang Kunchen	Pharma Copia Project Asst.	Sowa-Rigpa Dept
57.	Sri Karma Tharchin Gurung	Pharmacy Asst.	Sowa-Rigpa Dept
58.	Sri Nyima Choegyal	Project Associate (Tawang Project)	Sowa-Rigpa Dept,

59.	Sri Sangay Wangchuk	MTS (Tawang Project)	Sowa-Rigpa Dept,
60.	Sri Sonam Phutsok	Watchman (Tawang Project)	Sowa-Rigpa Dept,
61.	Dr. Tsewang Sangmo	R&D Assistant	Sowa-Rigpa Dept, (To be paid from the Donation Fund of the Institute.)
62.	Dr. Wangyal Dorjee Thakuri	Pharma Copia Project Asst.	--do--
63.	Dr. Dawa Dolma	Jong Assistant (OPD & Therapy)	--do--
64.	Sri Mast Ram	Cashier	--do--
65.	Ms. Youngdrung Wangmo Rokaya	Dispenser	--do--

List of Employees on fixed/contractual basis:

S.N.	Name of Employee	Designation	Department/Unit
1.	Shri Shashi Prakash Tripathi	Part-time Computer Typing Instructor	Student's Welfare Committee
2.	Shri Saras Sonkar	Horticulture consultant	Maintenance wing
3.	Shri Bhagwan Pandey (Retired)	Official Language Consultant	Rajbhasha Cell
4.	Sri Keshav Prasad Yadav (Retired)	MTS	V.C. Office
5.	Sri Prem Shanker Yadav (Retired)	MTS	Examination Unit

The Institute is a Deemed University registered under the Society Registration Act and it receives Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India.

There are a Society, Board of Governors, Academic Council, Planning and Monitoring Board and Finance Committee. Vice Chancellor is the Principal Executive Officer who is assisted by the Registrar.

Important Bodies of the Institute:

CIHTS Society

It is the apex body of the Institute headed by the Chairman. The Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India, is the ex-officio Chairman of the Society. The list is given in Appendix-II.

Board of Governors (BoG)

The BOG of the Institute has the Vice Chancellor as the ex-officio Chairman with the nominees of the Ministry of Culture, Government of India, and His Holiness the Dalai Lama. The list is given in Appendix-III.

Academic Council

The Academic Council of the Institute is the apex authority of the Institute on academic matters. It is headed by the Vice Chancellor. The list of members of the Academic Council is given in Appendix IV.

Finance Committee

For scrutinizing accounts and budget estimates and to make recommendations on financial matters, the Institute has a Finance Committee headed by the Vice Chancellor with nominees from the Ministry of Culture, Government of India. The list of members of the Finance Committee is given in Appendix V.

Planning and Monitoring Board

The list of members of the Planning and Monitoring Board is given in Appendix-VI.

Grants made to the Institute

The administrative and support services at the Institute consists of sections and wings dealing with General and Personnel Administration, Academic Administration, Examination, Maintenance and Accounts and Financial matters. The Institute received the following Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India, during 2022-23 of which the entire grant in the same financial year has been spent in the following manner:

Sl.N.	Particular	Receipt Grant	Spent	Balance
1.	Grant-in-aid General (31) + Interest earn	₹ 3,98,64,828.00	₹ 9,40,82,591.33	₹ 0.00
2.	Grant-in-aid SAP (96-31)	₹ 1,49,500.00	₹ 1,49,702.00	₹ 0.00
3.	Grant-in-aid Capital Creation Assets (35)	₹ 0.00	₹ 2,90,28,299.00	₹ 12,27,782.00
4.	Grant-in-aid Capital Creation Assets (35) (on Project Sowa-Rigpa)	₹ 8,14,00,000.00	₹ 11,48,42,267.00	₹ 11,55,03,988.00
5.	Grant-in-aid Salary (36)	₹ 22,94,39,000.00	₹ 25,85,73,376.00	₹ 34,27,079.00

Publication Unit

Publication Unit of CIHTS publishes research works on Buddhology and Tibetology in accordance with the objectives of the Institute, as one of the principal means for propagating and promoting Buddhism in general and Tibetan studies in particular. Initially, CIHTS had commenced its publishing works with two booklets of seminar papers in 1972 but regular publication work came to commence in 1983 after its establishment as a separate Unit.

The main source of materials for CIHTS publication is the research works of restoration, translation, editing and independent projects undertaken and duly completed. In addition, it also accepts to publish research works by eminent scholars that meet the standards set by the Institute. Most of the books published

so far are of high standard and research value for advanced studies in the field of Tibetan and Buddhist studies.

At present, Publication Unit of CIHTS is publishing books under twelve general series along with a Rare Buddhist Texts Research Journal, that was launched in 1986, and dictionaries together with reference books under the Kosha Series. In year 2012 a new series called "Neyartha–Nitarth Series" has also been added.

Publication Unit Staff

1.	Prof. Pema Tenzin	Publication In-charge
2.	Shri Pema Choeden	Assistant Editor
3.	Smt. Chime Tsomo	Publication Assistant (Senior)
4.	Shri S.P. Singh	Publication Assistant
5.	Dr. Lalit Kumar Negi	Publication Assistant
6.	(2 Vacant Posts)	(1 Editor and 1 Publication Assistant)

The titles of the series are as under:

1. Bibliotheca Indo-Tibetica Series

Edited, Restored and Translated from Tibetan works of ancient Indian scholars of Nalanda and Vikramshila tradition such as Nagarjuna, Chandrakirti, Asanga, Vasubandhu, Shantarakshita, Kamalashila, Dipankar Shrijnana etc. are brought out under this series.

2. The Dalai Lama Tibeto-Indological Series

Works of ancient renowned Tibetan scholars of the four Tibetan Buddhist tradition including Bon tradition are brought out under this series.

3. Samyak Vak Series

A collection of seminar papers is brought out under this series.

4. Samyak Vak Special Series

Important works of late Prof. A. K. Saran have been brought out under this series.

5. Lecture Series

Eminent scholars are invited by the Institute to deliver talks on specific topics and later subsequently published under this series.

6. The Rare Buddhist Texts Series

Rare Buddhist Texts Research Department has a team of scholars working on rare Buddhist manuscripts which mainly relate to Tantra texts. The works of the team are published under this series.

7. Avalokiteshvara Series

A number of teachings of His Holiness the 14th Dalai Lama were translated into Hindi from Tibetan or English, published under this series.

8. Miscellaneous Series

Works, mostly original writings by modern scholars are published at the recommendation of subject experts and the Publication Committee of the Institute and such books are brought out under this series.

9. *Dhih*: A Rare Buddhist Texts Research Journal

Dhih is an annual research journal of Rare Buddhist Texts Research Department. This journal includes papers, articles and small edited texts related to tantra. It was started in 1986 and since then it has been regularly without any interruption publishing under this series.

10. Kosha Series

The *Tibetan-Sanskrit Dictionary* with sixteen volumes in the first stage and secondly a single volume of *Dharmasamgrah-Kosha* and in the third stage again a single volume of *Concordance of Tibetan and Sanskrit Texts* of this series were brought out.

11. Tibeto-Mongolian Series

A catalogue of Collection of Tibetan Manuscripts and Xylographs "Chos Grwa" compiled by Andrew Bazarov are brought out under this series.

12. Neyartha-Nitartha Series

A new series has been introduced from the year 2012. It is an editing project on Tsongkhap's "Neyartha - Nitartha Subhashitsar" in Tibetan under which other commentaries by Tibetan scholars and related texts will be edited and published.

Nature of Works of CIHTS Publications

The nature of CIHTS publications is mainly like what is given in the following, apart from any special publication:

(a) Critically edited scholarly works.

(b) Sanskrit restoration of lost Buddhist Sanskrit texts.

(c) Translations of Buddhist Sanskrit texts and original or commentaries of Tibetan scholars into Hindi/Tibetan/Sanskrit vice-versa.

(d) Edited seminar papers related to Buddhism and Tibetan studies.

(e) Original scholarly works in the field of Buddhism, Tibetan studies and related subjects.

Language of CIHTS Publications

CIHTS publications are generally brought out in following languages, apart from any special circumstances in which a publication may be made in any other language that is not mentioned below:

(a) Sanskrit language

(b) Hindi language

(c) Tibetan language

(d) Pali language

(e) English language

(f) Multi-language (two or more languages mentioned above)

However, the publications brought out so far are mostly of a multi-lingual nature.

Till now CIHTS has published about 253 standard titles under 10 general series.

Dhih, Journal of Rare Buddhist Texts Research Department, has reached to its 62 volume. The Dictionary Department has so far published 18 volumes under the first of Kosha Series.

Many old publications have gone out of print and some of them were repeatedly reprinted. The Institute is also trying to bring out some revised editions of few titles to meet the demands of scholars, students and general readers interested in advanced studies in Buddhism.

New Publications of the Year

The following new publications were brought out during current academic year:

1. DHIH: Volume 62
2. Mahayamakaratnapradipa of (Multi Language) Translated and edited by Ven. Gyaltsen Namdol
3. *Srisarvabuddhasamayoga-dakinijalasamvaranamatantram* (in Sanskrit & Hindi Language) by edited by Prof. Thakur Sain Negi
4. *Srihevajrasadhanavajrapradipanamatippanivisuddhih* (in Sanskrit & Hindi Language) by edited by Prof. Thakur Sain Negi
5. *Srimatakanhapadaviracita Dohakosah* (in Sanskrit & Hindi Language) by edited by Prof. Thakur Sain Negi
6. *Abhisekavidhih* (in Sanskrit & Hindi Language) by edited by Prof. Thakur Sain Negi
7. Elemental Astrology Root Text with Commentary Vol. I (in Tibetan) by Tashi Tsering (Jotish)
8. Carak Samhita of Maharsi Agnivesa Vol. 3 (in Sanskrit & Tibetan) Translated into Tibetan and edited by Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Dawa Sherpa.
9. Comprehensive Compilation of the Historical Documents Related to the Emperors of Tibet Vol.I (in Tibetan) edited with Annotations by Acarya Shaho Tamding
10. Comprehensive Compilation of the Historical Documents Related to the Emperors of Tibet Vol.II (in Tibetan) edited with Annotations by Acarya Shaho Tamding

Regarding above books, the members of the section complete the processes of computerization, proof reading, revision, editing, formatting, soft and hard camera copies of the Hindi, Sanskrit, English and Tibetan book, preparation of printing works etc.

Besides, a good number of manuscripts are under progress for publication during the next year.

Revenue from the Sales of Publications

By the end of the financial year 2022-2023 the Publication Unit has earned a total revenue of ₹ 4,83,887.00 (₹ four lakh eighty three thousand eight hundred eighty seven only) from the sale of publications during the year.

Exchange of Publications

The published texts of the Institute are being exchanged with national and foreign publications. Under the 'Publication Exchange Programme', we have received several useful publications at the national and the international level. These publications are preserved in Shantarakshita Library from where a number of research scholars are being benefited. Thus, CIHTS publications have reached the international level and have acquired a wide reputation.

The following institutions are currently exchanging our publications:

1. Der Universitat Wien, Austria
2. International Institute for Buddhist Studies, Tokyo, Japan
3. Indica et Tibetica, Verlag, Germany
4. Hamburg Universitat, Hamburg, Germany
5. Drepung Loselling Library Society, Mundgod, Karnataka
6. Gaden Shartse Library, Mundgod, Karnataka
7. Adyar Library and Research Centre, Adyar, Chennai
8. Tibet House, New Delhi
9. I.G.N.A.C., New Delhi
10. Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh Ladakh. It has been started from the year 2012.
11. Songtsen Library, Centre for Tibetan and Himalayan Studies, Drikung Kagyu Institute, Kulhan, Sasastradhara Road, Dehradun (UK). It has been started form the year 2014.
12. Sera jey Library & Computer Project, Sera Monastic University, Bylakuppe-571104, Dist. Mysore, Karnataka South India. It has been started form the year 2017.

Besides the exchange of general publications, we also have exchange of a number of international and national journals.

The following are the titles of the journals that are received on basis of exchange:

1. East & West, (Rome, Italy)
2. Harvard Journal of Asiatic Studies (Cambridge, U.S.A.)
3. Dharma World (Tokyo, Japan)
4. Dreloma (Mundgod)
5. Bulletin of Deccan College (Pune)
6. Indian Philosophical Quarterly (University of Pune) Bulletin of Deccan College (Pune)
7. Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda) Indian Philosophical Quarterly (University of Pune)
8. Prachi Jyoti (Kurukshetra University, Haryana) Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda)

9. Sikkim) "Bulletin of Tibetology", (Sikkim Research Institute of Tibetology, Gangtok, Sikkim)
10. "Anviksha", (Jadavpur University, Calcutta)
11. "Shodh Prabha", (Sri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
12. "Annals of the Bandarkar Oriental Research Institute", (Bandarkar Oriental Research Institute, Pune)
13. "Bulletin d' Etudes Indiennes", (Association Francaise, Paris)

Publication Committee

The Institute has constituted a standard Publication Committee including few expert members from outside to consider and recommend the publication of manuscripts submitted by scholars for publication. The Committee also considers and looks after various problems regarding the publications. The Vice Chancellor serves as the Chairperson of the Committee.

Additional Jobs

As usual, the Publication Unit also has undertaken certain extra works such as printing Annual Reports, Journal Bodhiprabh etc. of the Institute, and many other miscellaneous printing works of the various Departments of the Institute.

Special Events and Activities

1. Publication In-charge Prof. Pema Tenzin held several short and long meetings with honorable VC to meet the problems of Pub. Unit such as, Publisher note, printing works etc. Besides, In-charge represents in many committees as a member and also attends all the related workshop, lecture, seminar and International seminars etc.
2. Shri Pema Choeden, Assistant Editor, besides his regular work is being assigned to meet in various other important works of Institute from time to time by competent authorities of Institute.
3. Smt. Chime Tsomo (Senior Publication Assistant), Shri S.P. Singh (Publication Assistant) and Dr. Lalit Kumar Negi (Publication Assistant) apart from their regular work are also assigned to meet in various other works of the Institute from time to time by competent authorities of the Institute.

6. ACTIVITIES

Academic Events and Programmes in the Campus during 2022-23

The Institute has carried out the following academic activities in the academic session 2022-23 :

I. Workshops, Conferences and other Programmes:

1. 1 April 2022 : Pariksha Pe Charcha programme organized by the Government of India was virtually attended by the students of the institute on 1st April 2022. The programme headed by the Prime Minister of India catered to the needs of young students who face multiple pressures during the exam period. The students of the institute gathered in the Atisha Hall along with their teachers to listen to the words of the minister in order to restore their enthusiasm and face the upcoming exams with zeal and motivation.

The minister explained to the students that we need to mould our traditional knowledge system to suit the contemporary needs. The route to development is change and one needs to adhere to the needs of the hour. The students felt highly charged by the words of the minister and left the Hall with a clear and highly motivated heart.

2. 4 April 2022 : Language is an essential part of one's culture. In a diverse country like India where multiple languages are spoken by people, Bhoti happens to be the language which is primarily spoken by the people of Ladakh and other neighbouring regions where a multiplicity of languages co-exist. To instill pride and self-affirmation in the speakers of Bhoti language, India celebrates the Bhoti Language Day on the 1st of April every year. To continue this celebratory tradition of the country, the institute celebrated the Bhoti Language Day on 4th April 2022.

The chief guest and the speaker of the programme was Dr. Tashi Samphel, Associate Professor, Department of Sampradaya Shastra, Central Institute of Higher Tibetan Studies. He appreciated the efforts of the organisers in organising the lecture emphasizing upon the importance of Bhoti language in the current time.

The students of the institute participated in the programme and expressed their opinions about the importance and need of the Bhoti language in the present day and age.

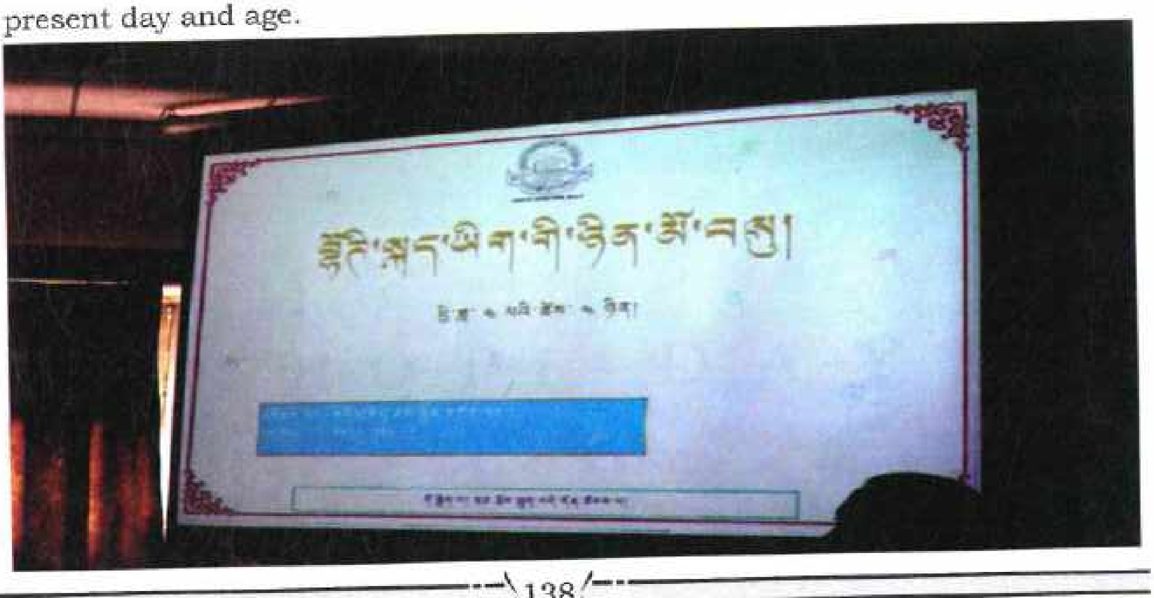

The institute aimed to promote the use of Bhoti language in everyday communication. It also aims to promote and strengthen the unique cultural and linguistic heritage of Ladakh. The students of the institute along with their teachers participated enthusiastically in the programme. The speaker talked about the importance of the Bhoti language and the need to preserve and revere the traditional knowledge and practices of Ladakh.

3. 16–30 April, 2022 : Under the directions of the Ministry of Culture, Swachhata Pakhwada was observed by the institute from 16th to 30th April, 2022. The institute with its commitment to maintain cleanliness, environmental regeneration and plastic avoidance, enthusiastically tried to incorporate this programme in its schedule.

During this week long *pakhwada*, a Swachhata Pledge was administered to all the officers and employees who swore to keep the institute and their country clean.

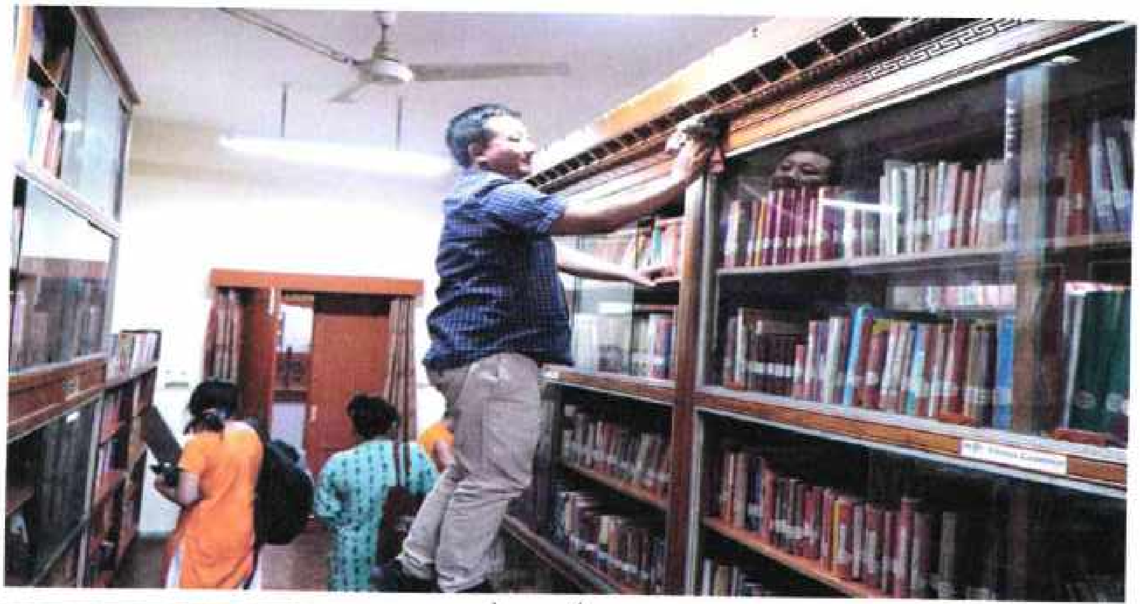

Swachhata Inspection of all Departments and their respective buildings and surrounding office premises was undertaken to ensure cleanliness and maintain a proper record of the activities undertaken in order to ensure the cleanliness of the institute.

A cleanliness drive/*shramdan* was organized to make the inside and surrounding office premises of the various buildings, offices, classes, labs, lavatories, halls, and gardens neat and clean. All the teachers, non-teaching staff, students and officials offered their *shramdan* or free labour in order to clean the institute.

This generated a sort of carnivalesque environment in the institute where everyone came together to accomplish the mission. The boundaries or hierarchies were broken down during this period as the job of cleaning is not

just the liability of one individual but it is every individual's responsibility to ensure that his/her surrounding is clean and hygienic.

4. 7 May 2022 : In the contemporary times, the world is changing at a rapid pace. To keep up with the need of the hour, the institute strove hard to upgrade and overhaul its website. The primary reason for the upgradation of the website was to make it more user friendly and accessible to both the students and their guardians. The institute organized a meeting on 7th May 2022 to upgrade the website and discuss the challenges and probable obstacles in the pursuit of upgradation.

In order to achieve this aim, the institute worked effectively under the guidance of the Vice-Chancellor, Prof. Ngawang Samten, who along with a technical team and a group of teachers (members of the website committee) tried to plug the gaps.

The website committee pointed out the loopholes that they encountered while operating the website and discussed the ways and means through which the problem can be tackled. The technical team also gave a presentation to show how the website can be transformed in the future. These points were meticulously discussed in the meeting and it was successfully executed.

"Through practice comes yoga, through yoga comes knowledge, through knowledge love, and through love bliss." Swami Vivekanand

5. 21 June 2022 : Yoga is an ancient Indian practice of uniting the mind, body, soul and the supreme creator in one's being. The practice of yoga in India can be traced in the sacred Indian texts and its importance and effectiveness is felt from the fact that this ancient practice has survived the onslaught of time and Western influences. Central Institute of Higher Tibetan Studies has not only felt the importance of yoga in theory but the institute has been an avid practitioner of yoga and other emphatic Yogic practices since its inception.

The government of India began the initiative of proliferating the practice of yoga by declaring to celebrate the International yoga day on 21st June every year since 2015.

The institute has been religiously celebrating this day every year by organizing multiple programmes aimed at creating awareness in the consciousness of the students and employees of the institute. The institute organized a yoga camp, led by the Vice Chancellor, Prof. Ngawang Samten.

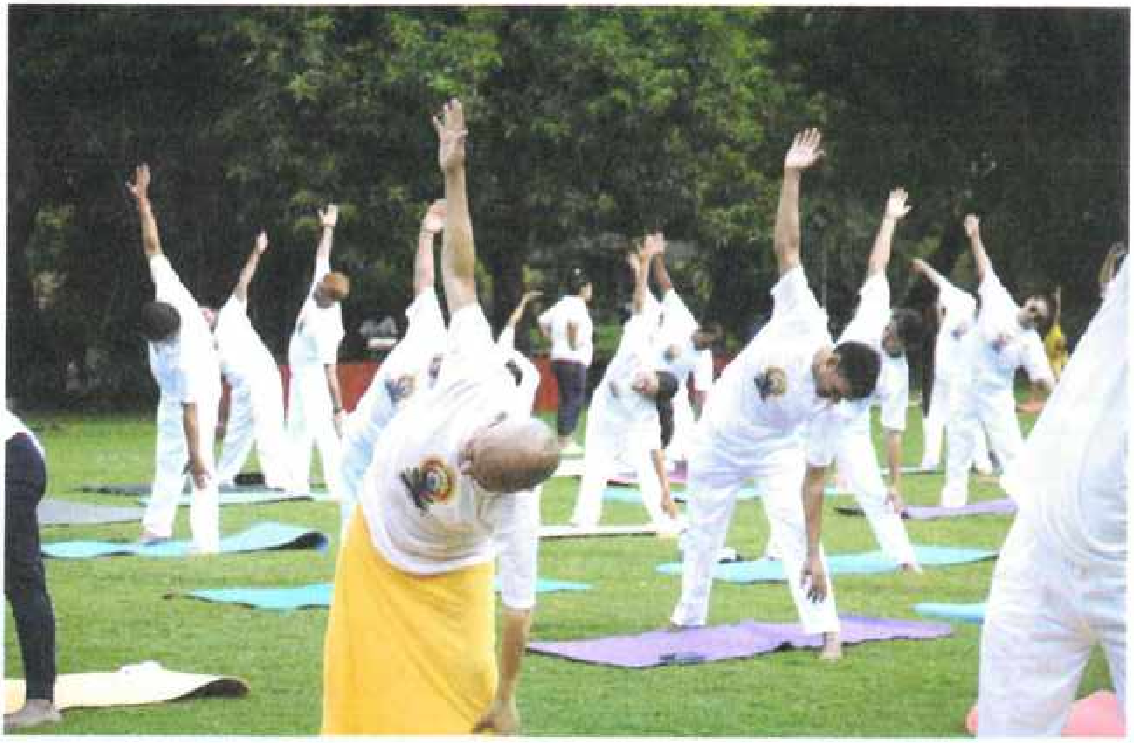

All the teachers, employees, and the students participated in the yoga camp which was scheduled from 7:00 a.m. to 9:00 a.m. The camp looked like the peace wing of the institute as everybody was dressed in white. The peace of the colour white along with the peace that yoga stimulates in one's body, the institute looked like an embodiment of harmony and balance – the underlying philosophies of yoga.

6. 4 July 2022 : Central Institute of Higher Tibetan Studies has been one of the largest institutes of the country catering to the holistic education and development of the students of the Himalayan region. The institute houses students from different parts of the Himalayan region with distinctive languages and customs. The uniqueness of the institute lies in its goal of imparting the ancient knowledge and epistemologies to the young twenty first century students of the Himalayan diaspora. Therefore, during the very outset of the new academic session, the newly admitted students are introduced to the Vision, Objectives and Motto of the institute through an Orientation programme which is organized every year by the institute. The newly admitted students of Purva Madhyama I (P.M. I), Uttar Madhyama I (U.M. I), B.A.B.Ed. I and B.Ed. I gathered in the Atisha Hall.

In keeping with the tradition of the institute, an Orientation programme was organized by the institute on 4th July 2022. Prof. Dharamdutta Chaturvedi, Dept. of Classical and Modern Languages, along with Dr. Ramesh Chandra Negi, Assistant Professor, Dictionary Unit were present in the programme. The programme was conducted by Dr. Mahesh Sharma, IQAC.

Through the programme the institute tried to bridge the gap between students and teachers and attempted to create an inclusive and congenial environment for the newly admitted students. The programme also tried to familiarize the students with the acceptable behaviour and social codes of the institute.

7. 16–19 July 2022 : A four-day teacher training workshop was conducted by the Uberoi Foundation of Religious Studies, in collaboration with Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) from 16th to 19th April, 2022 in the precincts of CIHTS.

Prof. Tashi Tsering, Department of Sampradaya Shastra, delivered a lecture to the participants, which also included staff and faculties from CIHTS.

The participants of the workshop were High School faculty members from various schools in the US, whose objective for this training programme was to gain knowledge and experience on four major religions, namely, Buddhism, Hinduism, Sikhism and Jainism.

Prof. Tashi Tsering delivered his lecture on the importance of the Four Noble Truths and Buddhist Karma Theory. Dr. Animesh Prakash talked on the Essence of Practicing Buddhism and Pali tradition. Dr. Karma Sonam Palmo was the coordinator of the programme.

8. 23–30 July 2022 : A One-week long workshop on Pali-Burmese Script was conducted and organized by Dr. Animesh Prakash, Assistant Professor of Pali, Central Institute of Higher Tibetan Studies. The workshop was open for students of all the universities.

Nearly forty students participated in the programme. The students from the home institute also showed their excitement by participating and learning from the workshop. The students from Banaras Hindu University also attended the workshop.

The various activities conducted in the workshop were, poetry recitation, quizzes, poster making and a written exam. The winners were awarded with prizes and participation certificates.

9. 30–31 July 2022 : A two-day National Conference on 'National Education Policy 2020' was organized by Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, and conducted in Hybrid mode (Offline and Online), in collaboration with the DROIT PENALE Group, Pryagraj, and National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal. Faculty members from various renowned institutes also participated online.

On this occasion, various resource persons and experts deliberated on the topic. The programme was duly graced by the presence of Prof. Ramshankar Verma, Director, MNIT, Prayagraj, Prof. Surjit Kumar Dubey, Director, IMS, BHU was the key note speaker, Prof. Dhananjay Chopra, Media Studies, Allahabad Univ., Prayagraj, as well as Dr. Amit Kamboj, Registrar, BBAU, Sonepat, Haryana.

10. 15 August 2022 : The Indian Independence Day was celebrated with great frevour and enthusiasm by the Central Institute of Higher Tibetan Studies in the institute campus by the students, teachers, and other employees. The program commenced from 9:00 a.m. in the morning.

The flag was hoisted by the Vice Chancellor of the institute, Prof. Geshe Ngawang Samten, followed by the national anthem.

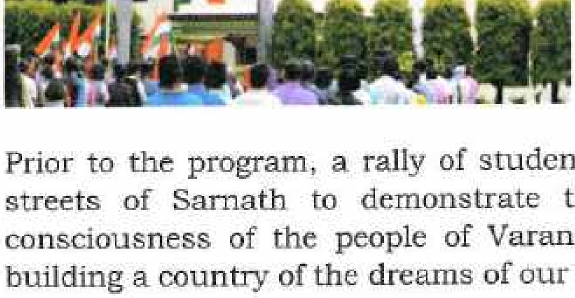

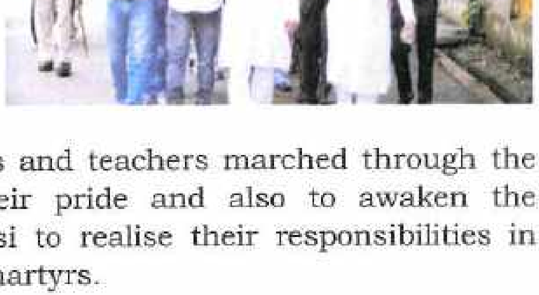

Prior to the program, a rally of students and teachers marched through the streets of Sarnath to demonstrate their pride and also to awaken the consciousness of the people of Varanasi to realise their responsibilities in building a country of the dreams of our martyrs.

The students exhibited immense enthusiasm and paraded the streets of Sarnath with national flag in their hands and love for their country in their hearts. The day was successfully celebrated and the sacrifices of the freedom fighters of the country was remembered and revered by one and all.

11. 16–23 August 2022 : A Seven-day workshop was conducted on the topic "*Shudh Hindi*" from 16th August to 23rd August 2022. The programme was organized by Dr. Anurag Tripathi and Dr. Jyoti Singh, the faculty and members of Rajyabhasha committee.

The week long programme was attended by students and employees of the institute and was followed by a series of talks on the need and importance of Hindi in the cultural and social life of Indians.

12. 21 August 2022 : The institute celebrated the Antarashtriya Udyamita Diwas on 21st August 2022 in the Atisha Hall. The chief guest of the programme was the respected Vice Chancellor of the institute, Prof. Ngawang Samten. The keynote speaker was Prof. S.K. Dubey, Director, Institute of Management, Banaras Hindu University.

The programme was attended by the special guest, Mr. Rajeev Rai, P.C.S., Upper Municipal Commissioner, Varanasi. The chairman of the programme was Mr. Ajay Kumar, Regional Organization Minister. The programme was organized by the Swavalambi Bharat Abhiyan of Varanasi.

The objective of the programme was to celebrate the indigenous workers of Uttar Pradesh. It also aimed to urge the students to consider self-employment

as a means of livelihood and thereby enrich their lives as young entrepreneurs.

This would not only work on the micro level of raising the standard of living of the individual but it would also act on the macro level as it would held in increasing the GDP and per capita income of the country. Therefore, the programme tried to stir the mental blocks of the young students and favored self-employment and entrepreneurial enterprises as routes of self-reliance.

13. 27 August 2022 : The Shantarakshita Library, Central Institute of Higher Tibetan Studies, conducted an orientation course for the students of Centre for Teacher Education. The program offered the newly admitted students an introduction to the library's resources and services.

The salient objectives of the orientation were:

To familiarize the students with the library facility, resources and services

To acquaint them with basic database searching techniques

To introduce students to issues of academic integrity.

The Librarian and Section Incharge also explained in detail the activities involved in their respective sections.

14. 5 September 2022 : The IQAC of the institute celebrated the Teachers Day on the 5th of September 2022. The programme was conducted in the Atisha Hall of the institute where the teachers from different departments were warmly invited and received by the students of the institute.

The programme was held under the guidance of the honourable Vice Chancellor, Prof. Geshe Ngwang Samten, and was successfully executed by the members of the IQAC. The programme was followed by the profound words of the Vice Chancellor along with the prize distribution to the teachers who performed exceptionally in the academic session.

The programme was followed by cultural performance of the students of the institute. The objective of the programme was to encourage the teachers and also to reward them for their contribution in the growth and development of the students.

The cultural performance of the students was both a token of their appreciation for the teachers and a call on their part to celebrate every occasion of life with love, earnestness, and mirth.

15. 27–29 September 2022 : A three-day training programme for non-teaching staff was conducted on "Reservation in Services for SC/ST/OBC/EWS & PWD" from 27th to 29th September, 2022 in the IQAC Committee Room in Nalanda

Bhavan. The programme was attended by a large number of participants from the institute.

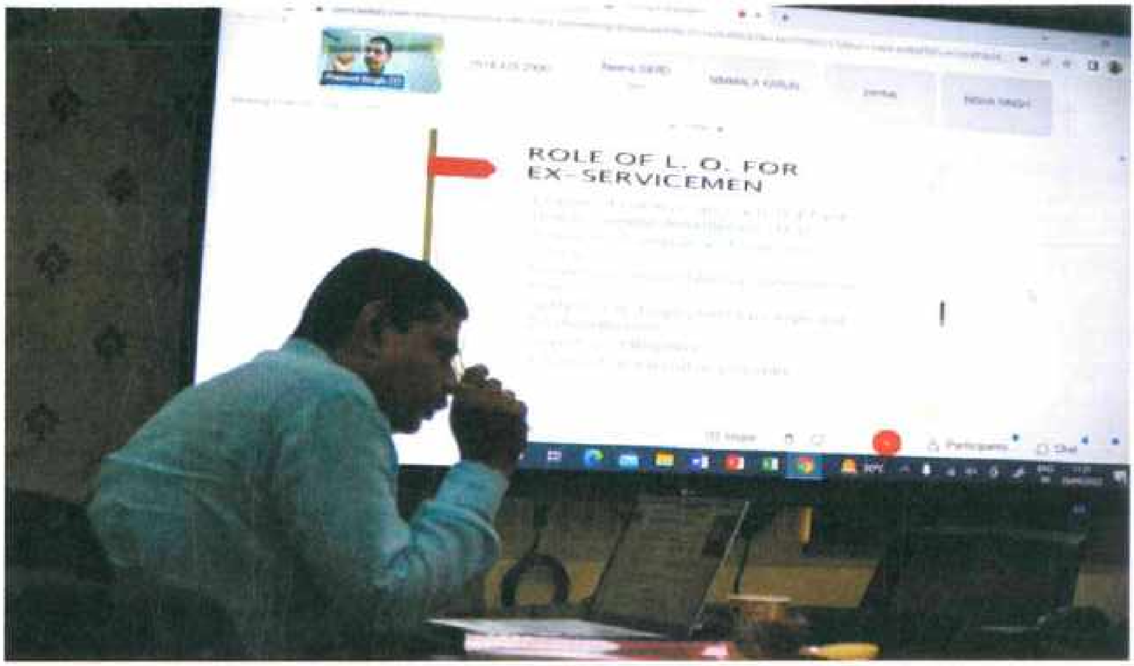

The agenda of the programme was to educate these staff members about the different aspects of reservation in their professional life.

The programme focused, primarily, on various aspects of reservation in services, reservation rooster, and policies of reservation in services.

Shri Pramod Singh, Assistant Registrar of the institute, competently delivered his expert training and raised awareness among the participants. The participants received certificates on the completion of the training.

16. 2 & 8 October 2022 : Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi initiated the flagship Swachhta Action Plan (SAP) programme in 2014 to make 'Swachhta' a way of life for the citizens of the country and accomplish the goal of Swachh Bharat. Higher education institutions are the springboard to a Swachh & Healthy Bharat. The Central Institute of Higher Tibetan Studies proudly observed the cleanliness drive on 2nd and 8th October, 2022.

The institute has always been at the forefront in undertaking ventures that inspires positive changes in the lives of its staff, faculties and the students alike by making them aware of the quintessential need for hygiene.

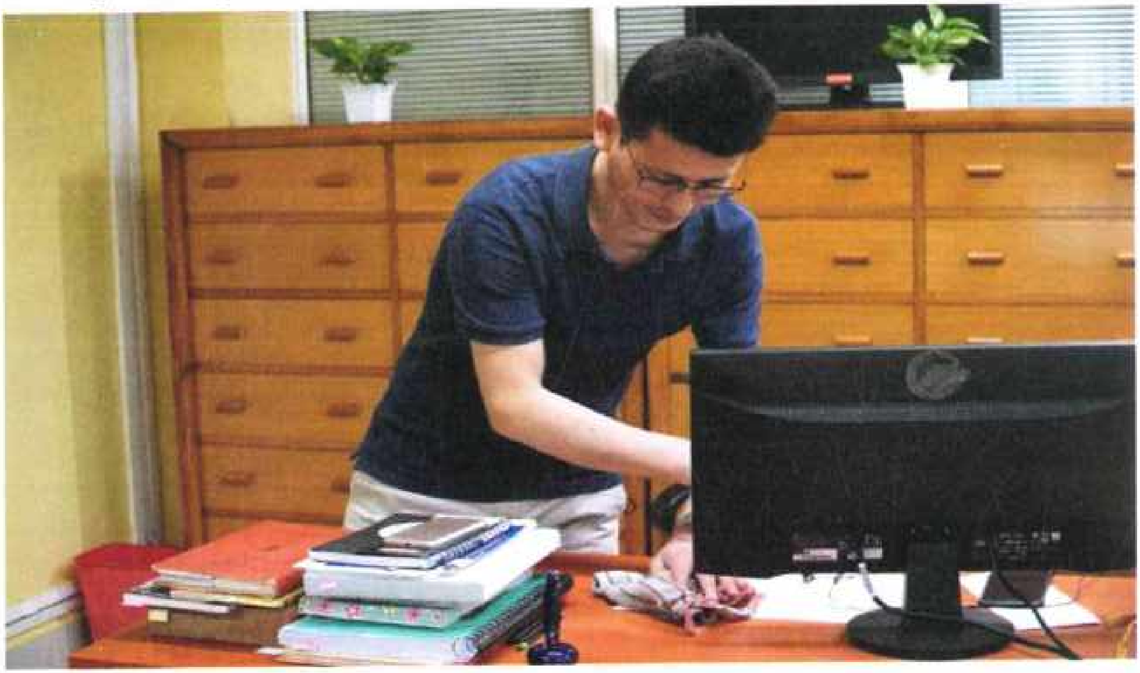

The institute has always been committed in finding out the practical solutions to the challenges involved in sanitation and hygiene to make the living and working environment safe and clean.

Along with cleaning the premises of the campus, a tree plantation drive was also organized, in which the staff members participated enthusiastically.

This culture will go a long way in spreading awareness for a clean & healthy environment around us and affect the lives of people in a significant way.

17. **NAAC Peer Team Visit 2022**

Having cleared the SSR successfully, CIHTS qualified for the NAAC Peer Team Visit for its second cycle. The Institute had already bagged five star rating during the first cycle. The IQAC of CIHTS played the host for the NAAC peer team which visited the campus on a three day visit from 18th to 20th Oct. 2022. The assessor's team consisted of the renowned scholars in the field of Sanskrit, Tibetology, Buddhism, Education, and Ayurveda. The Chairperson of the team was Prof. Vijaykumar C G, Vice Chancellor, Professor of Sanskrit, Maharishi Panini Sanskrit Evam Vaidic Vishwavidayalaya Ujjain, Madhya Pradesh. The Member Coordinator was Prof. Projit Kumar Palit, Professor, Buddhism Studies, Department of History Assam University, Silchair. The other renowned members were Prof. Melukote K Sridhar, Professor, SVYASA Yoga University, Prof. Neerja Dhankar, Former Professor Education, Central University of Haryana, and Prof. P Hemantha Kumar, HOD & Professor Ayurveda, National Institute of Ayurveda, Jaipur, Rajasthan.

The team reached the institute on the campus early morning and were greeted in the traditional Tibetan manner, where a colourful pageant of students, faculty members, administrative and non-teaching staff gracefully received the delegates from the main gate. The traditional dancers accompanied by the student band led the assessors guided by the Honorable Vice Chancellor, Prof. Ngawang Samten, to the Kalachakra mandap for the Tibetan mandala puja and offering.

The ceremonies were followed by a 60 minute extensive presentation by the H'ble Vice Chancellor of the Institute, Prof. Samten. He not only gave the historical background of the Institute, but also presented his future vision and elaborated plan of action for the future growth of the campus. All the deans and the IQAC members were present during the event.

The team reached the IQAC office for the verification and the presentation of IQAC team of CIHTS. The assessment was based on the seven criteria designed by NAAC which were presented in front of the team in a very systematic manner. The team left the IQAC office with a sense of contentment and exhilaration. The NACC peer team then proceeded towards IQAC committee room for the departmental presentations made by all the Deans and HODs to showcase the academic rigour, diversity of the syllabi, and employability and innovative design inculcated in the curriculum structure. The thirteen departments made extensive presentations in front of the team, which was followed by a question answer interactive session.

The team then proceeded for the lunch where they got a chance to interact with the members of Board of Governors, Society, Academic Council, along with the renowned dignitaries and beneficiaries of the Institute. The peer team, with the sense of excitement, was then taken to the five unique research departments of the Institute. The Dept. of Translation, Restoration, Dictionary, RBTRD, and The Centre for Tibetan Literature exhibited their outstanding achievement and seminal work done during the assessment year. The team was mesmerised by the profound output of the research departments and congratulated the heads of the respective sections. They were taken to the publication unit thereafter where they checked the University publications, distribution, and the internal mechanism of the University's renowned journal, *Dhih*.

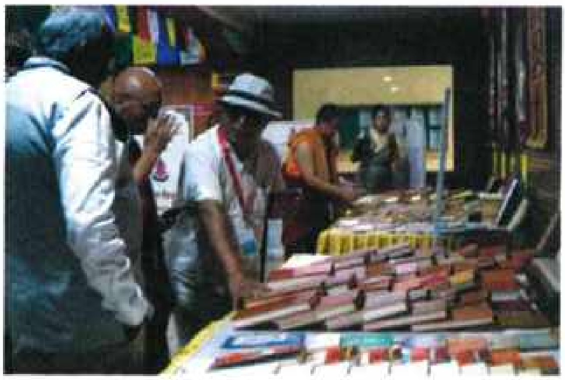

The team then visited the unique library of the Institute. To the amazement of the peer team, the library showcased its rich heritage and legacy housed in

the form of digital as well as physical manuscripts of the ancient traditional Tibetan corpus. They were amazed looking at the variety of the texts available in the library. They praised the robust mechanism and the research facilities provided in the library for the international and national researchers. The library also possesses an extensive microfilm archive along with a very profound multimedia and a state of the art computer lab section. The multimedia section of the Institute also exhibited its rich legacy of the preservation and digitalization of the rare manuscripts available in the area of Tibetology.

In the evening, the team witnessed the traditional dialectic debate of ancient Nalanda tradition, which is still alive at CIHTS. The team got emotionally attached with the students who were clapping their palms in a rhythmic manner to argue the philosophical doctrines of Buddhism. After a hectic day, the team enjoyed an entertaining evening where the cultural programme along with a talent show was organized for them in the Atisha Hall of the Institute. The cultural programme had a Sanskrit poetic play narrating the confluence of Indian and Tibetan traditions of mutual learning. Various traditional dance programmes along with the most entertaining snow lion and yak dance.

The dawn of the second day commence with the visit to the Sowa Rigpa department as well as R&D Unit. The department of Sowa Rigpa boasts of being one of the finest innovative departments in the area of Indian Ayurveda and Tibetan medicine. The team met various outdoor patients and praised the facilities available at various labs, experienced the healing therapy sessions and visited the Manufacturing Unit of Tibetan medical science. The pharmacy and the teaching and research facilities were beautifully showcased by the department in an interactive session with the students as well.

Again, in the open lawn of the campus, the team were taken by surprise by a live showcase of Tibetan culture in the form of various stalls designed, coordinated, and presented solely by the students of CIHTS. Various stalls like History of CIHTS, Buddhism and the Mind, Bhot Jyotish, Students' Publications, Thanks and Woodcraft, Student Social Services, Tibetan and Himalayan Clothing and Musical Instruments, etc. received special praise and attention from the team. The team was literally awestruck, looking at the vibrant academic and student culture on the campus. They interacted with the students and enjoyed the traditional Tibetan cuisine. Various games were

also organized by the students for the entertainment of the peer team. Feeling refreshed, the team then proceeded to the Interaction sessions with Alumni, Students, Non-teaching and Teaching staff of the Institute.

Before the lunch of the second day, the team got divided into two groups and visited various administrative offices as well as the facilities on the campus, like Registrar Office, Accounts Wing, and Examination Wing along with different hostels, canteen, solar panel, STP, Medical garden, and the Water Recycling plant. The team was amazed to see the traditional techniques being used with the modern appliances on the campus. They spent considerable amount of time interacting with different student bodies like Student Welfare Association, Student Association of Performative Arts, Mess Management Committee, Student Publication Unit, *Riglab*, and Student Community services and visited their offices in hostels.

The special point of attraction for the peer team was the visitation of the Yoga and Vipasana Center of the Institute, after which the team proceeded for lunch where they interacted with the local community leaders, the Pradhans and Sarpanch of the two villages adopted by CIHTS and various other beneficiaries of the Institute. Post lunch, the team made a visit to the gym facility situated in both the hostels along with the sports facilities located at the sports corner of the Institute. They also visited all the different departments where the academic achievements of the faculty members were showcased in a systematic manner. The eclectic arrangement and a vast array of publication and the supporting documents really pleased the peer team.

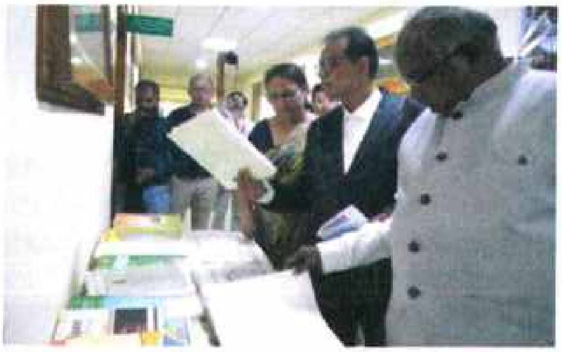

The third and final day commenced with the visitation to the campus minutely observing the best practices and institutional distinctiveness. The team visited all the facilities available for the residential faculty members as well as the students and research scholars. With a sense of satisfaction and generous praise, they shared their points and concerns with the honourable Vice Chancellor. Thereafter, they finalised the peer team report and handed it over to the Vice Chancellor of the Institute in an Exit meeting in Atisha Hall.

The three day NAAC Peer Team visit brought the best out of the institute and made the CIHTS fraternity aware of its rich legacy, outstanding contribution to the community, excellent academic as well as research contribution and the vibrant student social life. Acknowledging the outstanding contribution made by CIHTS, in the field of Tibetology and Buddhism, NAAC awarded the prestigious A Grade to the Institute for the second cycle.

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
Certificate of Accreditation
The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare
Central Institute of Higher Tibetan Studies
Accredited
with CGPA of 3.10 on four point scale
at A grade
Director

18. 31 Oct.–6 Nov. 2022 : **Vigilance Awareness Week:**

In accordance with the order of the Central Vigilance Commission, Government of India, and as instructed by the Vigilance officer of the CIHTS, the Institute organized a pledge taking ceremony with great enthusiasm and active participation. In this regard several activities were organized in order to spread this year's theme – with the theme "Corruption free India for a developed Nation". A campus wide circulation of posters spreading the theme was carried out in order to raise awareness and eradicate corruption.

The Institute saw a wide and encouraging participation of all its stakeholders, from the teaching/non-teaching staffs, faculty members, other employees and students. On this occasion, the CIHTS fraternity participated in the Integrity Pledge taking ceremony.

The week began with the administering of the Integrity Pledge to all officers and staff, followed by circulation and sharing of significant slogans and posters carrying the all important vision of a corruption free India, encouraging staff members, whistleblowers to lodge complaints without any apprehension.

The Vigilance Unit of the Institute motivated all stakeholders and employees to come together and observe the event not only with common public interest but a genuine feeling of integrity and self-reliance.

Among other activities, students participated in a poster-making competition, to project the theme of the event in a creative manner and spread the all-important message of the programme.

19. 4 November 2022 : The Alumni Association, CIHTS organized a gathering to observe the ceremony for the longevity of His Eminence, Ven. Prof. Samdogh Rinpoche in Atisha Hall on 4th November, 2022. Addressing the gathering, His Eminence shared his views on the great Buuddhist religious leader, Atisha.

Various faculty members, staff and students attended the teaching in which His Eminence deliberated extensively on Atisha's teachings specifically

referring to the scholar's most celebrated text, 'The Lamp for the Path to Enlightenment'.

20. 6 November, 2022 : **International Seminar by Alumni Association, CIHTS**

The 2nd International Seminar, organized by Alumni Association, CIHTS on 'Himalayan Buddhist Studies' was conducted at Atisha Hall. During the inauguration ceremony, the chief guest Ven. Prof. Samdhong Rinpoche released the seminar book (collected articles of the Alumni of CIHTS).

After lunch, various sessions for the conference were held at three different venues; Shatarakshita Library Hall (Buddhist Philosophy), Samdhot Bhavan Hall I (Translation and History) & Samdhot Bhavan Hall II (General Tibetan Literature) from 11.30 am to 1.00 pm and from 2.00 pm to 5.45 pm. There were approximately one hundred and sixty participants. At the end of the session, presenters were awarded with the certificates.

21. 29 Dec. 2022 – 20 Jan. 2023 : **Academic Exchange Program**

Fifteen visiting students from Five Colleges, Mass., USA (Smith College; Amherst College; Amherst College; Mount Holyoke College; Uni of Massachusetts), attended and participated in the Exchange program at CIHTS from 29th December 2022 to 20th January 2023.

Various professors from the Institute taught the visiting students. The students studied two important Buddhist texts under Buddhist Hermeneutics: Entry into the Middle Way (*Madhyamakavatara*) and Bodhisattva's way of life (*Bodhisattvacharyavatara*).

Moreover, lectures on special topics in Buddhism were delivered on topics such as Buddhist Tenets, Different Buddhist Schools, Buddhist Histroy, Tibetan Art & Craft, Tibetan Medicine etc.

The visiting group was led by two professors. Prof. J. L. Garfield, Professor of Philosophy, Smith College gave lectures on Research Methodology to the research students of CIHTS. He also delivered a lecture to the entire faculty and students on 'Between Abhinavaguptta and Daya Krishna' under the lecture series on IKS, organized by IQAC, CIHTS.

Dr. Leslie Jaffe, Doctor of Smith College delivered gave a series of lectures on Women's Health to the Sowa Rigpa Students.

Prof. Jampa Samten taught History of Tibet and Dalai Lama. He also led the group to pilgrimage sites in Sarnath as well as Bodh Gaya and Nalanda.

22. 28 March, 2023 : On the occasion of International Women's Day (08 March) in the Atisha Auditorium of the Institute, a lecture on the topic "Contribution of Women in the Development of Technology and Digital Education" was organized.

To celebrate and commemorate the notable contributions in the field of women empowerment, Chief guest, Shrimati Renu Sharma, and special guest, Prof. Subarna Sarkar, shared their views on the significant role played by various women and their contribution in the field of Digital Education as well as their representation in the development of technology.

Alumni Association of CIHTS 2022-2023

The below-elected new members have been officially notified through office order TU/SA/67/2021 dated 13/01/2021 for the two-year terms.

1.	Dr. Ngawang Tenphel	Varanasi	President
2.	Dr. Jampa Choephel	Varanasi	Treasurer
3.	Mr. Lobsang Wangdu	Varanasi	General Secretary
4.	Mr. Tenzin Sidon	Varanasi	Member
5.	Dr. Dawa Tsering	Varanasi	Member
6.	Mrs. Tenzin Rigsang	Varanasi	Member
7.	Dr. Tashi Dawa	Varanasi	Member
8.	Dr. Sanjib Kumar Das	Shantinikatan	Member

9.	Mr. Naga Sangye Tendar	Dharamsala	Member
10.	Dr. Tsering Dolkar	Varanasi	Member
11.	Mr. Kalsang Phuntsok	USA	Member

Activities:

1. NAAC Peer Team Visit CIHTS from 18-20 October 2022.

- Prof. Jampa Samten, the senior alumni at CIHTS took responsibility for the PPT presentation of the alumni assessment year from 2015-2022.
- The executive members assisted in the sanitation and other preparation at the Alumni Office (Vidya Kuti) for the visit of the peer team.
- As per the verbal order of the VC office, the twenty CIHTS alumni from various places have been invited to the interaction program with the peer team by the AACIHTS.

2. Three-day programs at CIHTS from 04-06 November 2022.

04 November 2022

a. Prof. Samdhong Rinpoche's teaching on *Bodhipathapradipah* (Practical aspects referring to three levels of motivation) a text by Indian Acharya *Dipankara-srijnana* was held from 09.00 am to 11.30 am.

b. The fifth Alumni meeting was conducted at 2.00 pm in Atisha hall. During this, the honorable VC released two books pertaining to Alumni of CIHTS, the title of the first book is 'How Should One Be a Leader of Thought in a Society' a speech given by H.E. Prof. Samdhong Rinpoche; transcripted into Tibetan, translated into Hindi and English by Alumni of CIHTS, Published by the AACIHTS, Dharamsala, 2021. The title of the second book is 'Practical Aspects of Tsongkhapa's Three Stages of Path' a speech given by Prof. Samdhong Rinpoche, transcribed into Tibetan, and published by Gyuto on the expenditure of AACIHTS.

c. During this meeting, the general election of the new executive members of the AACIHTS was conducted at 2.00 pm in Atisha hall. In this regard, the following new executive members were elected however, the internal election among the new members for the nomination of the President, General Secretary, Treasurer, and members will be held soon.

Prof. Jampa Samten (retired) (Varanasi), Dr. Lobsang Dorjee Rabling (Varanasi), Ven. Dr. Lhakpa Tsering (Varanasi), Mr. Choenga Tsering (Varanasi), Mrs. Chime Tsomo (Varanasi), Mrs. Kelsang Wangmo (Varanasi), Miss. Tenzin Tsomo (Varanasi), Prof. Penpa Dorjee (retired) (Bylakuppe), Dr. Ven. Ngawang Yeshi (Ladhak), Dr. Tashi Topgyal (Canada), Dr. Dechen Dorjee (Canada).

2.1 05 Noverber 2022

a A short puja program in the presence of Prof. Samdhong Rinpoche at Atisha hall was conducted from 9.00 am to 11.30 am.

b A group photo session of the alumni of CIHTS was conducted.

c The AACIHTS hosts lunch for all the members of the CIHTS and CIHTS alumni.

d From 3.00 pm to 5.00 pm, the interaction program and sharing experiences between the Alumni and the present students of the CIHTS were held at Shantarakshita ground.

2.2 6 November 2022

a. The opening ceremony of the 2nd International seminar of CIHTS Alumni on *'Himalayan Buddhist Studies'* was conducted at Atisha Hall from 09.00 am to 11.30 am. During the inauguration ceremony, the chief guest Prof. Samdhong Rinpoche released the seminar book (collected articles of alumni of CIHTS presented for the seminar).

b. After lunch, the sessions were held at three different venues; Shantarakshita Library Hall (Buddhist Philosophy), Sambhot Bhavan Hall I (Translation and History) & Sambhot Bhavan Hall II (General Tibetan Literature) from 11.30 am to 1.00 pm and from 2.00 pm to 5.45 pm. There were approximately one hundred and sixty participants. At the end of the session, the certificates, the above three books, and the group photographs are distributed to all the participants.

(II) ACTIVITIES OF RAJBHASHA KARYANVAYAN SAMITI

1. 18 May 2022 : Rajbhasha Samman-2022

Sh. M.L. Singh, Senior Assistant, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Varanasi is honoured with "Rajbhasha Samman-2022" for doing original work in Official Language Hindi in the First Technical Conference held for Central Secretariat Official Language Service on 18th May, 2022 at Ambedkar International Centre, New Delhi.

2. 18 June 2022 : Meeting of Official Language Implementation Committee

A meeting of the Official Language Implementation Committee was organized on 18.06.2002 at 2.30 pm under the chairmanship of Honorable Vice-Chancellor. In the said meeting, there was a comprehensive discussion on the Official Language Annual Program for the year 2022-23 issued by the Ministry of Home Affairs. In the course of meeting Honorable Vice Chancellor directed to fulfill the targets. Along with this, there was a serious discussion on various items of the Quarterly Progress Report of the Official Language and the questionnaire of the Parliamentary Official Language Committee. The Honorable Vice Chancellor ordered to make a comprehensive program to achieve the set target. He also directed all the officers/employees of the institute to do most of their official work in Hindi.

3. 27 June 2022 : Organization of Hindi workshop

As per the orders of the Honorable Vice-Chancellor, an official language workshop was organized by the Official Language Implementation Committee of the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi on 27.06.2022 from 2.30 pm. The said workshop was inaugurated and presided over by Registrar Dr. Himanshu Pandey. In the workshop, Dr. Ramsudhar Singh, Ex. HOD, Hindi Department, U.P. college discussed on the official language annual program 2022-2023 in detail. Similarly, in the second session, on the subject of Section 3 (3) of the Official Language Act, 1963 was discussed pointedly by Mr. Pramod Singh, Assistant Registrar and it was

mentioned that compliance of Section 3 (3) is necessary and there is no exemption in it.

4. **14-15 September, 2022 : All India Official Language Conference**

Hindi Day and Second All India Official Language Conference was organized in Surat (Gujarat) on 14-15 September, 2022 under the chairmanship of Honorable Home and Cooperation Minister, Government of India. In which Dr. Anurag Tripathi, Member Secretary, OLIC. and Mr. Bhagwan Pandey, Official Language Consultant participated from the institute.

5. **26 September 2022 to 1 October 2022 : Organization of Rajbhasha Saptah Samaroh-2022**

Normally the Rajbhasha Saptah Samaroh is organized by the institute on Hindi Day i.e. 14th September, but this year as per the orders of the Home Ministry, Hindi Day was organized on 14th September, 2022 in Surat (Gujarat). Subsequently, the Rajbhasha Saptah Samaroh was organized in the Institute by the Official Language Implementation Committee of the Institute from 26th September, 2022 to 1st October, 2022, under which the following programs were organised:-

With the aim of creating a Hindi-oriented atmosphere and creating an inspiring atmosphere, two days before the start of the Rajbhasha Saptah Samaroh, standees with Hindi-related thoughts of prominent scholars and politicians were made and displayed in an attractive manner at the entrance of all the major buildings of the institute. The banner of the week was also posted.

6. **26 September 2022 (afternoon) : Inauguration and Seminar of Rajbhasha Saptah Samaroh**

The wreaths and lamp lighting was done on the idol of Maa Saraswati by Honorable Vice-Chancellor, Registrar and guest speakers. After that the president, vice-president and speakers were welcomed by offering Khatak as well as saplings according to Bhot tradition and Honorable Vice-Chancellor Prof. Geshe Ngwang Samten inaugurated the Rajbhasha Saptah. On this occasion, Rajbhasha Seminar was organized, in which Mr. Vishwa Bhushan Mishra, Additional Commissioner (Revenue), Varanasi as the key note Orator and Mr. Rajesh Gautam, Program Incharge (All India Radio and Doordarshan) as the distinguished speaker on the subject *वैश्वीकरण और हिंदी की दशा* (Globalization and Condition of Hindi) expressed their views. While presiding over the programme, Honorable Vice-Chancellor said that the use of Hindi is progressing on the path of progressive development and in today's era of marketism, Hindi will soon emerge as a world language. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, welcome address was delivered by Dr. Sushil Kumar Singh and vote of thanks was given by Mr. R.K. Mishra.

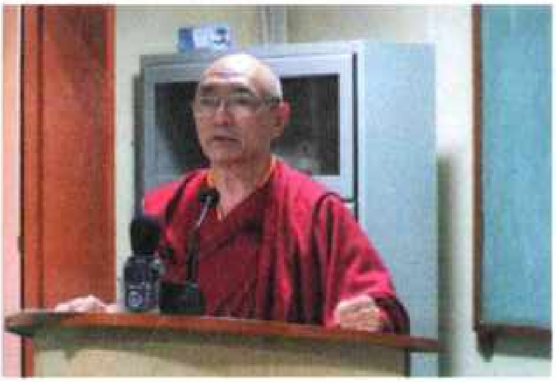

7. **27 September 2022 : Inspection related to Usage of official language**

In the morning, the publication department was inspected and necessary suggestions were given to take stock of the status of official language in offices such as name boards, notice boards and comments in files and regarding the use of official language in the work being done there.

8. **27 September 2022 : Organization of Official Language Workshop**

On 27.09.2022, in the afternoon, guest speakers garlanded and lit the lamp on the statue of Maa Saraswati. After that the best people were welcomed by giving khatak and saplings as per Bhot tradition. In order to remove hesitation in the use of official language, a Hindi workshop was organized on the subject of technical terminology and machine translation, in which Dr. Sanjay Kumar Singh, Senior Rajbhasha Adhikari, B.L.W., Varanasi discussed the technical terminology in detail and gave knowledge regarding making technical terminology, adopting the popular basic words of other languages by transliterating them as per the situation. Presiding over the program, Shri R. K. Mishra, Documentation Officer, while mentioning the nuances of machine translation, said that by taking help from machine translation and improving it, good translation can be done in less time and that kind of practice is needed. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, welcome address by Dr. Sushil Kumar Singh and vote of thanks by Mr. Sunil Kumar.

9. **28 September 2022 : Meeting of the Official Language Implementation Committee**

A meeting of the Official Language Implementation Committee was organized under the chairmanship of Honorable Vice Chancellor Prof. Geshe Ngwang Samten on 28.09.2022 in the afternoon. In which the goals set in the Official Language Annual Program 2022-2023, items of the quarterly report and items of the questionnaire of the Parliamentary Official Language Committee were discussed. The Chairman ordered to fulfil the targets quickly. The program

was conducted by Dr. Anurag Tripathi, welcome address by Dr. Sushil Kumar Singh and vote of thanks done by Mr. T.R. Shashani.

10. **29 September 2022 : Desk training regarding use of official language**

Desk training was given to the personnel of the Administrative Department regarding the use of official language and they were given information regarding the subject on file covers, entries in registers, bilingual seals and Section-3(3) of the Official Language Act etc.

11. **29 September 2022 : Organization of debate competition**

Under the chairmanship of Prof. Dharamdutt Chaturvedi and Prof. Ramsudar Singh, a debate competition was organized under the judgeship of Mr. T.R. Shashani and Mr. Pramod Singh, in which the employees of the institute participated enthusiastically and the first, second and third positions were announced. The program was conducted by Dr. Sushil Kumar Singh, welcome address by Dr. Jyoti Singh and vote of thanks done by Mr. T.R. Shashani.

12. **30 September 2022 : Unicode Enablement Check**

Unicode enablement was checked on 30.09.2022 in the forenoon in the computers engaged in administrative work and emphasis was laid on getting unicode enabled on the remaining computers soon.

13. **30 September 2022 (Afternoon) : Organization of Oral Quiz Competition**

In the Chairmanship of Dr. Himanshu Pandey, Registrar and judgement ship of Shri R. K. Mishra and Mr. Sunil Kumar, an oral quiz competition was organized, in which questions on official language, Hindi and current affairs were asked by Mr. Bhagwan Pandey, Official Language Consultant and the first, second and third places were decided. Welcome address by Dr. Anurag Tripathi, conducted by Dr. Sushil Kumar Singh and thanks giving was done by Dr. Ramji Singh.

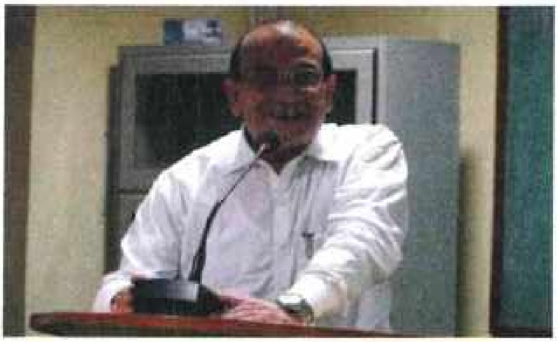

14. **01 October 2022 : Distribution of Award and Kavi Sammelan**

Dated 01.10. On 2022 pm Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Geshe Ngawang Samten presided over and under the chief hospitality of Shri K. Satyanarayan, Inspector General of Police (Varanasi Zone) the prize distribution and Kavi Sammelan programmes were organized. First of all, garlands and lighting of lamps were done on the idol of Maa Saraswati by dignitaries on the said occasion. After that the dignitaries were welcomed by offering khatak and organ clothes and plants as per the Bhot tradition. On the said occasion, the chief guest emphasized on the use of official language while emphasizing on the respect of all the languages. In his presidential address, the Honorable Vice Chancellor emphasized on enriching Hindi by adopting words from other languages and fulfilling the target set in the annual program. In the programme, 14 participants who secured positions in various official language competitions were awarded.

On the occasion of the conclusion of the week celebrations, a grand Kavi Sammelan was organized in which Dr. Harinarayan Singh Harish, Shri R. K. Mishra, Dr. Prakash Uday, Mr. Kumar Praveen, Mr. Siddhanath Sharma, Mr. Prasanna Badan Chaturvedi, Mr. Brajesh Chandra Pandey etc. recited poems. Welcome address in the said program done by Dr. Anurag Tripathi, Prof. Ram Sudhar Singh and the vote of thanks was given by Dr. Ramesh Chandra Negi.

15. **17 December 2022 : Meeting of the Official Language Implementation Committee**

A meeting of the Official Language Implementation Committee was organized under the chairmanship of the Honorable Vice-Chancellor on 17.12.2022 from

2.30 pm. In the said meeting, various issues related to the Official Language Annual Programme, Quarterly Progress Report and Parliamentary Official Language Questionnaire issued by the Ministry of Home Affairs were discussed and the Honorable Vice Chancellor ordered to fulfill the targets. Besides, the publication of the official language annual in-house magazine Bodhiprabh by the institute was also discussed and it was decided that the magazine should be published soon. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary, presentation by Shri Bhagwan Pandey and vote of thanks by Dr. Sushil Kumar Singh.

16. **19 December 2022 : Organization of Hindi Workshop**

Official Language Workshop was organized by the Official Language Implementation Committee, Central Institute of Higher Tibetan Education, Sarnath, Varanasi on 19.12.2022 from 2.30 pm. The said workshop was inaugurated and presided over by Registrar Dr. Himanshu Pandey. On the said occasion, Dr. Satya Prakash Pal, Assistant Professor, Hindi, Kashi Hindu University, gave a scholarly lecture on the use of Hindi in official work, problems and solutions and Mr. Rajesh Kumar Mishra gave a scholarly lecture on the subject of machine translation. The workshop was conducted by Dr. Sushil Kumar Singh, welcome address by Mr. Pramod Singh and vote of thanks by Mr. Bhagwan Pandey.

17. **03 March 2023 : Inauguration of official language magazine Bodhiprabh**

The second issue of the institute's official language in-house magazine Bodhiprabh was launched on 03.03.2023 in a program organized by the Honorable Vice Chancellor on the occasion of the birth anniversary of Dr. Kedar Nath Singh. Prof. Geshe Ngawang Samten was honoured with Dr. Kedar Nath Singh Memento.

18. **15 March 2023 : Organization of Hindi Workshop**

Official Language Workshop was organized by the Official Language Implementation Committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi on 15.03.2023 from 2.30 pm. The workshop was inaugurated and presided over by Prof. Umesh Chandra Singh. On the said occasion, Dr. Ramsudhar Singh, Ex-HoD, Hindi Department, U.P. College, on the contribution of Hindi as the official language in the development of the country, Prof. Satyapal Sharma, Hindi, Benares Hindu University expressed scholarly views on the subject of National Education Policy-2020 and Indian Languages and Shri Pramod Singh expressed scholarly views on Section 3 (3) of the Official Language Act 1963.

19. **16 March 2023 : Meeting of Official Language Implementation Committee**

A meeting of the Official Language Implementation Committee was organized under the chairmanship of the Honorable Vice-Chancellor on 16.03.2023 from 2.30 pm. In the said meeting, there was a wide discussion on the Official Language Annual Program issued by the Home Ministry and the Honorable Vice Chancellor ordered to fulfill the targets. Along with this, there was a serious discussion on various issues of the Official Language Quarterly Report and the questionnaire of the Official Language Parliamentary Committee and the Honorable Vice Chancellor ordered to make a comprehensive program for its completion. Also, there was a discussion regarding the publication of Bodhiprabh, the annual in-house magazine of the official language published by the institute and the Honorable Vice Chancellor ordered that the magazine should be published till the coming Hindi Day - 2023 with incorporating literature, culture, language, stories and poetry.

Academic Visits and Assignments of the Vice Chancellor

Prof. Geshe Ngawang Samten

1. 6 June 2022 : Attended meetings with the Joint Secretary, University Grants Commission, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi, and thereafter with the officials of the Ministry of Culture at Shastri Bhawan, New Delhi.
2. 7 June 2022 : Attended the Society meeting of CIHTS held under the Chairmanship of the Hon'ble Secretary, Govt. of India, Ministry of Culture at Shastri Bhawan. New Delhi.
3. 21 June 2022 : On the invitation of the Academic Council of Gaden Shartse and Jangtse Monasteries, the Hon'ble Vice Chancellor chaired a session and attended the valedictory ceremony, as Guest of Honour, of the 'Second Indo-Tibetan Scholars Conference on Psychology and Contemplative Practices', held at Gaden Monastery, Mundgod, Karnataka.
4. 27 July 2022 : Chaired a meeting at the University Grants Commission regarding the development of MOOCs Courses on Buddhist Philosophy and Pali.
5. 28 July 2022 : Meeting with the Joint Secretary and officials of BTI, Ministry of Culture, Govt. of India at Puratatva Bhavan, New Delhi.
6. 10-11 August 2022 : On the invitation of the Department of Religion & Culture, Central Tibetan Administration, Dharamsala, the Hon'ble Vice Chancellor participated as an expert and chaired a session of the seminar on the theme, 'The Current Status of Tibetan Culture in Exile and its Future Prospects'
7. 29 August 2022 : Attended a meeting of the Hindi Salahkar Samiti, held under the Chairmanship of the Hon'ble Minister of State for Culture, Shri Arjun Ram Meghwalji at Sahitya Academy, Ravindra Bhavan, New Delhi, organized by Ministry of Culture.
8. 30 August 2022 : Attended a meeting with all Bureau Heads/Divisonal Heads, HoDs of all organizations under the Ministry of Culture, under the chairmanship of Hon'ble Secretary (Culture), Govt. of India, New Delhi.
9. 20 Nov. 2022 : On the request of Tibet House, New Delhi, the Hon'ble Vice Chancellor, as Chief Guest, inaugurated the Conference on 'Quantum Physics and Buddhist Philosophy on the Ontological Reality', and chaired a session.
10. 21 Nov. 2022 : Interaction with officials of Hon'ble Minister of Culture and Hon'ble Secretary, Ministry, Govt. of India, Shastri Bhavan.
11. 23 Nov. 2022 : In connection with the Conference on Shared Buddhist Heritage in Shanghai Cooperation Organization (SCO), the Hon'ble Vice Chancellor attended a meeting held in the chamber of Joint Secretary (P. Arts), Ministry of Culture, Puratatva Bhavan, New Delhi.
12. 6 Feb 2023 : Being the Host Institute & Coordinator of the Massive Open Online Courses (MOOCs) on Pali and Buddhist Studies constituted by the

Ministry of Education, Govt. of India, the Hon'ble Vice Chancellor attended the launching ceremony of the MOOCs Courses by the Chairperson of University Grants Commission, Prof. Jagadesh Kumar.

13. 4–5 March 2023 : On the request of the India Foundation and Sanchi Univ. of Buddhist-Indic Studies, Bhopal, the Hon'ble Vice Chancellor participated in the International Dharma Dhamma Conference, and delivered a lecture on 'Eastern Humanism for the New Era'. The conference was inaugurated by Hon'ble President of India, which was attended by eminent scholars.
14. 23–24 March 2023 : On the invitation of the Secretary General, Association of Indian Universities (AIU), the Hon'ble Vice Chancellor attended the AIU 97th Annual Meet and National Conference of Vice-Chancellors, organized by the University of Science & Technology, Meghalaya.

Academic Activities of the Deputy Registrar/Director (I/c), CTE

Dr. Himanshu Pandey

Publications:

1. Assessment of Antiarthritic Potential of Carica Papaya L. Leaves Extract and Fractions: Histopathological Analysis, Journal of Pharmaceutical Negative Results, 291-299, 2022
2. Time and Concentration Dependent; UV Light–Mediated Photocatalytic Degradation of Major Antibiotic Consortium Using ZnO, Brazilian Journal of Physics 52 (5), 183, 2022
3. Hypolipidemic effect of [6]-Gingerol-loaded Eudragit polymeric nanoparticles in high-fat diet-induced rats and Gamma scintigraphy evaluation of gastric-retention time, Journal of Applied Pharmaceutical Science 12 (6), 156-163, 2022

Inspection/Review Meeting Carried out:

1. Inspected various Pharmacy colleges as per requirement of Pharmacy Council of India, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India.
2. Conducted the review meetings of CPCSEA, Govt. of India.

Phd Supervised/Co supervised:

1. Mr. Virendra Singh : *Evaluation of Anti-hyperlipidemic potential of Nanoformulations of Bio-macromolecules.*
2. Mr. Amit Km. Singh : *Studies of Nanoparticulate based topical novel drug delivery system for the treatment of Fungal skin Infection.*

Additional Administrative Responsibility:

Discharged Administrative responsibility of Registrar (Additional Charge)-CIHTS.

Other Activities:

1. 17 November 2022 : Delivered Invited Lecture on the topic: "Role of nanotechnology preclinical applications" at United Institute of Pharmacy, Prayagraj.

2. Chaired the session in the activity organized by Rajbhasha Karyanyavan Samiti, CIHTS.
3. Served as a member of various Selection Committees.

Conference/Workshop/Seminar Organized

1. 30-31 July 2022 : Organized Two-days National Conference on "National Education Policy-2020" in collaboration with Droit Penale Group, NITTR, Bhopal and National Law University, Sonipat.
2. 11-12 November 2022 : Organized Two-days National Conference on "Best Practices in Good Governance" in collaboration with Droit Penale Group, NITTR, Bhopal and National Law University, Sonipat, Haryana.
3. 01 December 2022 : Organized a resource lecture on the topic "Role of Counsellor in Drug Habituation among Adolescents" for the students of B.Ed. and B.A. B.Ed. All Staff Members and Students participated in programme.

Academic Activities of the Assistant Registrar (Admn.-II)

Shri Pramod Kumar Singh

1. 3 June 2022 : Attended the meeting of the Fixation Committee of Nava Nalanda Mahavira, Deemed Univ., Nalanda as special invitee regarding issues related to pay fixation, GPF, MACP, etc.
2. 21-22 October 2022 : Attended as member, the meeting for the 'Rationalization Committee for employees in Nava Nalanda Mahavira, Deemed Univ., Nalanda, with respect to the posts of non-teaching employees.
3. 25-26 November 2022 : Conducted a two-day training session for Group B level and equivalent non-teaching staff of National Institute of Industrial Engineering (NITIE), Mumbai on administrative and Establishment matters.
4. 14-16 December 2022 : Invited to provide vital inputs for the Strengthening of the Establishment structure, as well as the preparation of Roster for Teaching and Administrative staff of the National Law Institute University (NLIU), Bhopal.
5. 13-15 February 2023 : Invited as an Expert Committee Member to review the process of Reservation, Roster registration and recruitment rules at the Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh, Ladakh.
6. 15 February 2023 : Attended a meeting of the Screening-cum-Evaluation Committee regarding the examination and submission of the report on the issues of CAS promotion, at the Nava Nalanda Mahavira, Deemed Univ., Nalanda.

Recruitment Cell

During the year 2022-23 following posts have been advertised and recruitment process was completed.

5 Post of Guest Faculty

1 Post of Registrar

1 Post of Vice-chancellor

During the year 2022-23 following posts have been advertised for permanent recruitment.

37 Permanent Posts- Professor, Associate Professor, Assistant Professor, Assistant Director (Physical Education & Sports)

Name of officers and employees of Recruitment cell-

1. Shri R.K. Mishra, Officer-in-charge (Rect.)
2. Shri M.L. Singh, Senior Assistant (Recruitment cell)
3. Shri Amit Kumar Vishwakarma, Office Assistant (Recruitment cell)
4. Shri Mantosh Kumar, MTS (DW)

IQAC

1. 19 May, 2022 : As per the guide lines and standard approved format of the Institute, the Student Feedback was taken.
2. 23 May, 2022 : For the upcoming NAAC Peer Team Visit, a training program was organized by the IQAC for all the Non-Teaching Staff Members in A.P. guest house. All the QIM metrics were discussed in detail, and documentation work was assigned to all the different members by IQAC, CIHTS.
3. 5 July, 2022 : An academic cum cultural programme was organized on the occasion of His Holiness the 14th Dalai Lama's 87th birthday in Atisha Hall along with a Quiz contest in AP Guest House. The winners were felicitated as well.
4. 05 September, 2022 : Teacher's day celebration festivities were organized by IQAC in Atisha hall. A special talk on "Motivation and Teaching" was organized and the best teachers' awards were given to the faculty members.
5. 20-25 September, 2022 : Various orientation programmes were organized for teaching, non-teaching, students and alumni staff to disseminate the knowledge about different metrics of SSR.
6. 27-29 September, 2022 : A Three-day training programme for non-teaching staff was organized on "Reservation in service for SC/ST/OBC/EWS & PWD" by Shri Pramod Singh, AR of the Institute.
7. 18 October, 2022 : A cultural programme and a poetic skit was organized for the NAAC Peer Team.
8. 18-20 October, 2022 : A three-day visit was coordinated by IQAC for the NAAC Peer Team. Separate full report is attached under the tab of activities. Acknowledging the hard work and excellence of the Institute, CIHTS was awarded the prestigious "A" grade by NAAC.

Right to Information Action

The Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi is committed to provide information to the public on the line of RTI-Act 2005. Institute has made all desired provision to set out the practical regime of Right to Information for citizens to enable them to access the information under the control

of Institute in order to promote transparency and accountability in the working of the Institute. Transparency Audit of Disclosure under Section 4 of the RTI Act of the Institute has been done in the month of October, 2022. Details of RTI officials are given below.

Part-1 Nodal Officer

Sl. No.	Name of Public Authority	Name & Designation	Tel. No./Mobile No./Fax No.	e-Mail Address	Full address for correspondence
1.	Mr. Rajesh Kumar Mishra	Documentation Officer	0542-2586515 7080276699	rkmishra@cihts.ac.in	Shantarakshita Library, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007

Part-2 First Appellate Authorities (FAAs) and Central Public Information Officer (CPIOs)

Sl. No.	Name of Public Authority	Name & Designation	Tel. No./Mobile No./Fax No.	e-Mail Address	Full address for correspondence
1.	Dr. Himanshu Pandey	Deputy Registrar & FAA	0542-2585149 8318287410	droffice@cihts.ac.in	Deputy Registrar Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007
2.	Mr. Sunil Kumar	Assistant Registrar & CPIO	0542-2555242 7007270180	cpio@cihts.ac.in	Assistant Registrar, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007

Details of RTI Applications received are follows-

1. No. of RTI Application received - 17
2. No. of RTI Application disposed - 17
3. Reply denied - 00

Details of First Appellate Authorities RTI Applications received are follows-

1. No. of FAA Application received - 01
2. No. of FAA Application disposed - 01
3. Reply denied - 00

Students' Activities

1. Students' Welfare Association (SWA)

The Students' Welfare Association was first established in 1972. Since then, SWA has predominantly constituted a new horizon to bring better environment regarding the development of students' education and health. The active members of SWA are being elected democratically by the students of the Institute for one year tenure. The chosen members were:

SI.No.	Name	Designation	Class
1	Tenzin Lhundup	President	Acharya 1st
2	Sangay Dakpa	Vice President	B.Ed. 1st
3	Tenzin Seldon	Secretary	Acharya 1st
4	Samten Sherab Tamang	Treasurer	Acharya 1st
5	Angdorje Sherpa	Assistant Treasurer	Shastri 3rd
6	Nyima Dorje Dolu	Sports In-charge	Acharya 1st
7	Phurbu Dorje Gurung	Edu. Secretary	Acharya 2nd
8	Tsering Tashi	Medical In-charge	B.S.R.M.S. 4th
9	Tsering Youmtso	Cultural Secretary	Acharya 1st
10	Wangchen Gombu	Public Relations In-charge	B.A. B.Ed. 3rd

The main objectives of the SWA are:

- to equip resource materials and accessories for students to gain intellectual wisdom.
- to provide an educational platform by organizing extra-curricular events such as classes, debates, campaigns, education tours etc.
- to invite reputed scholars from India and abroad and organize talks and teachings.
- to provide medical preventive and precautionary talks and campaign services for the students.
- to provide required assistance and competent care for treatment of diseases.
- to disseminate awareness amongst students on the uses of internet, education, health, technology etc.
- to gather suggestions and thoughts from students with regard to the improvement of the educational and environmental level of the Institute.
- to organize sports tournaments such as football, basketball etc. and facilitate necessary amenities in both outdoor and indoor games.

Activities:

Following activities had been carried out by SWA during the academic session 2022-2023.

Academic

The 50th Students Welfare Association, Central Institute of Higher Tibetan Studies had started its service from 1st April 2022. Since then they organized various co-curricular activities to improve the students in various fields.

1. 26 April 2022 : To commemorate the Birth Anniversary of Penchen Lama a Tibetan Poetry Writing Competition was held.

2. 28 April 2022 : The senior student's farewell gathering was successfully organized under the supervision of S.W.A on 28th April, 2022.

May–June 2022 : Summer Vacation

1. 31 July to 3 August 2022 : 3 days Fresher's Orientation Program for the New comers of Purva Madhyama, Uttar Madhyama, Fine Arts and BSRMS 1st of the year 2022 was successfully concluded.

2. 5 to 15 August 2022 : The prestigious L.M Joshi Memorial Football Tournament was organized from 5th to 15th August at the sports ground, of the Institute. It is an inter-class competition in which was students participated enthusiastically.

3. 17 August 2022 : A condolence Prayer Gathering in the demise of Dr. Tashi Tsering {lecturer of Tibetan Literature}.

4. 2 September 2022 : On the 62nd anniversary of Tibetan Democracy Day, S.W.A organized various Sport Competitions on 2 September of 2022.

5. 5 September 2022 : Under the supervision of IQAC of C.I.H.T.S, Student's Welfare Association celebrated Teacher's Day to express sincere gratitude towards the teachers.
6. 2 to 8 October 2022 : To expand the intellectual knowledge of our students and to further gain experience of software, S.W.A organized **InDesign workshop** for students interested in this field.

7. 18 to 21 October 2022 : The NAAC PEER TEAM visited the institute and S.W.A. along with IQAC and all the students worked diligently to give their best the students staged Exhibition, Cultural shows and dances.

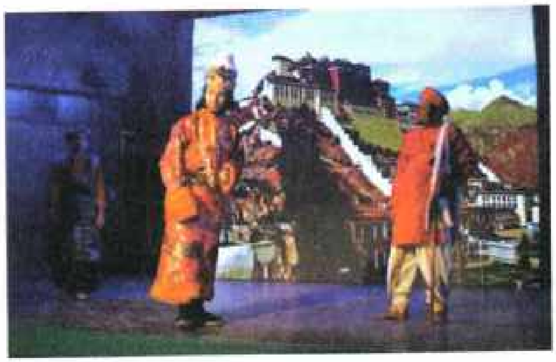

8. 27 October to 19 November 2022 : Under the supervision of 50th S.W.A 45 students from Acharya 2nd to Acharya 1st including S.W.A. members have headed to Rajasthan for Senior Educational Tour, 2022. They visited ten important historical places in Rajasthan and different monuments of Delhi from 27th October to 19th November.

9. 24 to 29 October 2022 : S.W.A. had organized **Tibetan Poetry Writing** Workshop by Geshe Beri Jigme Wanyal for the Junior students of C.I.H.T.S from 24th to 29th October.

10. 29 October 2022 : S.W.A. conducted an **Essay Writing Competition in three Languages** (Tibetan, English and Hindi) along with Drawing Competition on 29th October to commemorate His Eminence Samdong Rinpoche's Birth Anniversary.

11. 6 November 2022 : All the faculty and students of CIHTS has merrily celebrated the birth Anniversary of His Eminence Samdong Rinpocheh's Birthday with some great Scholars and Varna Alumni. S.W.A prepared Cultural Show and students Alumni Gathering Party on 6th November.

12. 12 November 2022 : SARD, CTA Organized **Financial Literacy Training** for Tibetan Youth in collaboration with 50th SWA in Central Institute of Higher Tibetan Studies on 12th November, 2022.

13. 17 to 19 November 2022 : A team from Department of Health, CTA visited CIHTS and conducted **TB screening** for all students from 17th to 19th November.

14. 18 November 2022 : The Books and Beyond Book club in collaboration with 50th SWA organized **A Short Film Festival** with the theme 'Reading Books' in Atisha Hall for 3 hours on 18th November, 2022.

15. 28 December 2022 : Under the guidance of 50th S.W.A all students have headed towards Bodhgaya for three days teaching of His Holiness the Dalai Lama on 28th December, 2022.

16. 19 to 26 January 2023 : S.W.A. organized **Inter Class Basketball Competitio**n for both boys and girls from 19th to 26th January.

17. 26 January 2023 : the closing Ceremony of Inter-class Basketball Tournament marks with the celebration of Republic Day of India on 26th January.

18. 15 to 17 February 2023 : **Summer Campaign for Senior Students** had been organized under the supervision of Student's Welfare Association.

19. 19 and 20 March 2023 : S.W.A. celebrated the Achievements of the **50 glorious years** of Students' Welfare Association under the theme **"A Conference and Students' Research Paper Presentation on Tibetan Studies"** followed by art exhibition organized by the Fine Arts Students of the Institute.

2. Mess Management Committee of Student Body

Management of the mess for the entire campus was carried out by the Mess Management Committee comprising 10 members representing various sections of the student community. The current committee is the 40th. The committee attempted to manage the Mess, and its related activities. The members of MMC were:-

Sl.No.	Name	Designation	Class
1	Kunga Rigzin	Treasurer	Acharya 1st
2	Pema Rangdrol	Assistant Treasurer	Acharya 1st
3	Padma Chokdup	Secretary	Acharya 1st
4	Jampa Tashi	Assistant Secretary	Acharya 2nd
5	Tenzin Sangpo	Kitchen In-charge	MFA 1st
6	Sangay Rinchen	Quotation In-charge	MFA 2nd
7	Karma Sonam Tsomo	Member	BSRMS 5th
8	Sonam Wangmo	Member	BSRMS 5th
9	Tsering Wangchuk	Member	B.A. B.Ed. 3rd
10	Jinpa Gyaltsen	Member	Shastri 3rd

The main objectives of MMC are as follow:

- To arrange nutritious and healthy food to all the students residing in the hostel.
- To ensure the cleanliness of the hostel, and its premises.
- To regulates proper rules and conducts of the institute to all the students.
- To allot hostel rooms annually to all the students.
- To organize the annual Tibetan New year to all the students and staffs.

Activities:

The 40th Mess Management Committee started its service from the month of January 2022. Since then it has organized events to build environmental ethics and social value of the students.

1. 22 April 2022 : Campus of the institute was given a new look by the students. The institute was cleaned and washed by the students. Plants and trees were also tended by the Students.

2. 6 July 2023 : M.M.C. organized the birth anniversary of H. H. the Dalai Lama on 6th July. It was held by reciting prayers and serving tea in between the breaks. It was a beautiful celebration.
2. 1 August to 3 August 2022 : M.M.C. organized the annual prayer session of Kagyur and Stangyur recitation. The 3 day prayer session included serving lunch and dinner for the faculties and students. It was successfully concluded on 3rd Oct.
3. 6 Oct 2022 : In order to keep the environment clean. M.M.C. with the help of students had thoroughly cleaned the basketball court and its area.

5. 10 Oct 2022 : MMC conducted a drive to clean all the has tells of the institute, which were Padma Sambhava hostel, Patsab hostel, Prajapati Girl's hostel and Maya Devi Girl's hostel. The students actively participated in sweeping and cleaning the floors and the front yards.

6. 18–21 Oct. 2022 : NAAC visited the institute on 18th October and till 21st Mess Management Committee worked with organizers to arrange food.
7. 05-14 Feb. 2023 : The new MMC members had carried out the annual audit between 40th and 41st MMC members under the supervison of Chief Auditors. Mr. Tenzin Chungtak, Mr. Kalden Gurung, Mr. Tashi Gelek and others.

8. 18 February 2023 : MMC have conducted cleaning campaign for C.I.H.T.S. campus to host the upcoming Grand Tibetan Losar of 2023.

9. 20 February of 2023 : The 41st MMC members decorated the Atisha Hall for celebrating the Tibetan New Year and on 21st February 2023 or first day of New year the MMC members visited our former Vice Chancellor Prof. Geshe Ngawang

Samten for wishes and greetings and received blessing and advice by him on that auspicious day.

10. 21 March 2023 : The 41st MMC and 51st SWA executive members conducted multiple discussions on Mess food, Rules, Health, cleaning, education, ethics, etc. The Sampradaya abbots and wardens also participated in that session.

3. Publication of Riglab, a Students' Journal and the Organization of a Workshop

Varnai-Riglab is an independent students' Editorial Board which is aimed for the development of the students' academic skills and the preservation of the Tibetan culture and Language. Every year, we organize the workshop, essay competition and publish a yearly journal.

Activities:

1. 17 September 2022 : Yearly journal of students 'Varnai Riglab' was published.
2. 19 September 2022 : The inauguration of journal was successfully done amidst the presence of former editors and members.
3. Participated in book exhibition of Riglab during the NAAC peer team visit at the Institute.
4. 25 to 31 October, 2022 : The basic Tibetan poetry workshop by Geshe Beri Jigmey was organized for one week for the students of PM & UM along with senior students during the holiday of Dipawali.

5. 2 February, 2023 : A talk by Mr. Shaho Tamding on 'The Importance of M.A Thesis and Methods of Writing Articles' was organized at Sambhot Bhawan.

   The active members of Varnai-Riglab were elected by senior members of the group. Following were the members of Varnai Riglab:

S.No	Name	Position	Class
1.	Phurpa Gyal Gurung	Editor	Acharya 2nd
2.	Ngwang Dechen	Co-editor	Acharya 2nd
3.	Yidam Tsering	Secretary	Acharya 1st
4.	Phurbu Dorjee Gurung	Asst. secretary	Acharya 2nd
5.	Tenzin Lhundup	Treasurer	Acharya 1st
6.	Sonam Chokey	Asst. Treasurer	Shastri 2nd
7.	Tashi Tsering	Member	Shastri 3rd

4. Students' Association of Performing Arts (SAPA)

The Students' Association of Performing Arts (SAPA) is a small committee founded by students with the primary goal of preserving the costumes and culture of Tibet. SAPA provides opportunities for students to practice and learn about their cultural heritage. The committee frequently presents cultural shows at various significant events, not only to entertain the audience with their talents but also to educate them about the culture of Tibet. Furthermore, SAPA has proudly represented their institute in numerous cultural competitions hosted in different regions, earning several awards for their performances.

The community consists of five members who are elected through voting among the junior students from Purva Madhyama to Uttar Madhyama.

The members were as follows:

SI. NO.	Name	Designation
1	Namgey Khandu	President
2	Tsering Tsomu	Vice President
3	Tenzin Norsang	Secretary
4	Bair Berulov	Treasurer
5	Tenzin Pema	Assist. Treasurer

1) 2 September, 2022 : Organized the students inter cultural dance competition. In this competition students from Purva Madyama to Uttar Madyama participated 120 students in the competition.

2) 2 October 2022 : On Gandhi Jayanti students organized CIHTS Got Talent, more than 150 students participated in the competition.

3) 19 October 2022 : On the visit of NAAC Peer Team the students performed a play on Ancient Tibetan scholars and performed various Himalayan cultural dances.

5. Activities of the Voluntary Community for Social Service (VCSS)

VCSS was founded in 1986 by the late Professor Lobsang Norbu Shastri and it has been 37 years since its formation. The members of this session were 37 in number comprising an advisor as well.

The members are as follows:

SI.No.	Name	Designation	Class
1	Namgey Khandu	President	Shastri 3rd
2	Gyurmey Gurung	Treasurer	Shastri 1st
3	Migmar Dolma	Assistant Treasurer	Shastri 1st
4	Shanti Subba	Secretary	Shastri 1st

Brief history

As our institute is located in an area where most of the people are addicted to cigarettes, drugs and alcohol so our late professor thought that it could influence the student so he found this committee. Under the approval of His Eminence Samdhong Rinpoche, this community was founded in 1986.

The main objective of this committee is to:

1) provide social responsibility to the students of the institute.
2) provide social activities.
3) protect the environment.
4) discourage the people who take drugs, alcohol and cigarettes.

Annual report that VCSS has provided in 2023

1. 21 September 2022 : Organized a prayer for the late professor Lobsang Norbu Shastri and along with that we planted trees.
2. 18 October 2022 : Participated during the NACC visitation.

3. 4-5 January 2023 : We got the opportunity to provide social services in Bodh Gaya during the inauguration of the Dalai Lama Institute for Buddhist Philosophy, Bihar.

6. Varna Voluntary Committee for Animals (VVCA)

This committee was founded by one of the students of Shastri 2nd Aangdorje Sherpa along with some of his classmates by the advice of the alumnus Mr. Rinchen Lanzey in the year 2018 during the Golden Jubilee of the Institute. The main aim of VVCA is medical treatment and care of animals like stray dogs and others. Overall this committee works for the welfare of animals. The advisor of this committee is Geshe Ngawang Tenphel.

Members of VVCA:

S. No.	Name	Position	Class
1.	Jangchup Tsomo	President	Shastri 1st
2.	Pema Tashi	Member	B.A.B.ED 2nd
3.	Tenzin Choeying	Member	Shastri 1st
4.	Tsering Wangchuck	Member	B.A.B.ED 2nd

APPENDIX-I

LIST OF CONVOCATIONS HELD AND *HONORIS CAUSA* DEGREES CONFERRED ON EMINENT PERSONS BY CENTRAL INSTITUTE OF HIGHER TIBETAN STUDIES, SARNATH, VARANASI

Convocations	Eminent Personalities on whom *Honoris Causa* Degrees were Conferred	Dates of Convocations & Degrees Awarded	
Special	H.H. the Dalai Lama	14.01.1990	Vachaspati
1st	1. Shri P.V. Narasimha Rao	19.02.1990	Vakpati
	2. Ven. Labugama Lankananda Mahathera, Srilanka	"	Vakpati
	3. Ven. Khenpo Lama Gaden, Mongolia	"	Vakpati
2nd	1. Dr. Raja Ramanna	15.07.1991	Vakpati
	2. Prof. G.M. Bongard Levin, Russia	"	Vakpati
3rd	1. Dr. G. Ram Reddy, Chairman, UGC	08.04.1993	Vakpati
	2. Acharya Tulsi Maharaja	"	Vakpati
4th	1. H.H. Sakya Trizin Rinpoche	16.04.1994	Vakpati
5th	1. Dr. S.D. Sharma, President of India	21.08.1996	Vakpati
	2. Prof. K. Satchidananda Murty	"	Vakpati
	3. Prof. Ralph Buultijeen, Sri Lanka	"	Vakpati
6th	1. Dr. A.R. Kidwai, Governor of Bihar	15.01.1998	Vakpati
	2. Prof. G.C. Pande	"	Vakpati
7th	1. Dr. Karan Singh	27.12.1998	Vakpati
	2. Dr. (Mrs.) Kapila Vatsyayan	"	Vakpati
8th	1. Prof. Ramsharan Sharma	31.10.1999	Vakpati
	2. Prof. Ravindra Kumar	"	Vakpati
9th	1. Prof. D.P. Chattopadhyay	25.12.2000	Vakpati
	2. Acharya S.N. Goenka	"	Vakpati
10th	1. Prof. Vishnukant Shastri, Governor of Uttar Pradesh	29.12.2001	Vakpati
	2. Prof. U.R. Anantha Murthy	"	Vakpati
	3. Gaden Tri Rinpoche Losang Nima	"	Vakpati
	4. Dr. Kereet Joshi	"	Vakpati
11th	1. Prof. M.M. Joshi, Union HRD Minister	09.03.2003	Vakpati
	2. Prof. David Seyford Ruegg. England	"	Vakpati
12th	1. Mr. B.R. Nanda	18.02.2005	Vakpati
	2. Justice J.S. Verma	"	Vakpati

13th	1. Dr. A.P.J. Abdul Kalam, Ex. President, Government of India	06.03.2008	Vakpati
	2. Prof. Suluk Sivaraksa	"	Vakpati
14th	1. Ms. Meira Kumar, Speaker, Lok Sabha	17.03.2012	Vakpati
	2. Prof. Robert Thurman	"	Vakpati
	3. Prof. Lokesh Chandra	"	Vakpati
15th	1. Ven. Thick Nhat Hanh, Vietnam	25.10.2018	Vakpati
	2. Vidyashrishatirtha Swami Maharaj (D. Prahladacharya)	"	Vakpati
	3. Smt. Jetsun Pema	"	Vakpati

APPENDIX-II

LIST OF MEMBERS OF THE CIHTS SOCIETY AS ON 31.03.2023

Sl.No.	Name & Address	Capacity
1	Secretary Ministry of Culture Govt. of India, New Delhi	Chairman
2	Vice-Chancellor CIHTS, Sarnath Varanasi - 221007 (U.P.)	Member
3	Joint Secretary (BTI) Govt. of India MoC, New Delhi,	Member
4	Prof. Rajaneesh Kumar Shukla V.C., M.G.A.H.V., Wardha (Maharashtra)-442001	Member
5	Prof. Baidyanath Labh V.C., Nav Nalanda Mahavihar Nalanda (Bihar)	Member
6	Prof. Bhaicung Tshering Bhutia Associate Prof., Dept. of Bhutia, Central University of Sikkim	Member
7	Prof. Lallan Prasad Singh 142, Maharaja Aptmnt. Plot No. 25, Sector 12, Dwarka, New Delhi	Member
8	Dr. Namita Nimbalkar Asstt. Professor, Dept. of Philosophy, University of Mumbai	Member
9	Shri Mrutyunjay Behera Economic Advisor (CU & Admn.), Ministry of Education, Shastri Bhawan, New Delhi	Member
10.	Geshe Lhakdor Director Library of Tibetan Works & Archieves, Dharmasala (H.P.)	Member

11	Geshe Dorjee Damdul Director Tibet House, New Delhi	Member
12	Shri Naveen Srivastava Addl. Secretary (E.A), Ministry of Ext. Affairs, GOI, New Delhi	Member
13	Prof. Tashi Tsering (S) CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
14	Dr. Anirban Dash Associate Professor, CIHTS, Sarnath	Member
15	Dr. Lhakpa Tsering Asst. Professor, CIHTS, Sarnath	Member
16	Registrar, CIHTS, Sarnath, Varanasi	Non-member Secretary

APPENDIX-III

LIST OF MEMBERS OF THE BOARD OF GOVERNORS AS ON 31.03.2023

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1	Vice-Chancellor CIHTS, Sarnath, Varanasi U.P. 221007	Chairman
2	Geshe Lhakdor Director, Library of Tibetan Works & Archives Gangchen Kyishong Dharamsla-176 214 Distt. Kangra (H.P.)	Member
3	Jt. Secretary (BTI) Govt. of India Ministry of Culture, New Delhi.	Member
4	Shri Naveen Srivastava, I.F.S. Addl. Secretary (East Asia) Min. of E Affairs, New Delhi	Member
5	Financial Advisor/or His representative Ministry of Culture Deptt. of Culture (IFD) Room No. 328, C – Wing, Shastri Bhawan New Delhi-110001	Member
6	Prof. Rana Purushottam Kumar Singh, Head of the Department of Buddhist Studies, NNM, Nalanda (Bihar)	Member
7	Prof. Rajiv Kumar Sinha Head of Deptt. of History T.M. Bhagalpur University Bhagalpur (Bihar)	Member
8	Prof. Amarjiva Lochan Associate Professor Ancient Indian History & Culture	Member

	(Shivaji College) University of Delhi Delhi- 110007	
9	Prof. D.D. Chaturvedi Prof. in Sanskrit CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
10	Prof. Tashi Tesiring (S) Prof. In Sakya CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
11	Registrar CIHTS, Sarnath, Varanasi	Non-Member Secretary

APPENDIX-IV

LIST OF MEMBERS OF THE ACADEMIC COUNCIL AS ON 31.03.2023

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Prof. Geshe N. Samten Vice Chancellor, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Chairman
2.	Prof. Lalji Shrawak Department of Pali & Buddhist Studies BHU, Varanasi.	Member
3.	Prof. J.S. Tripathi Department of Kaya Chikitsha Faculty of Ayurveda, IMS, BHU, Varanasi.	Member
4.	Prof. W.D. Negi Professor in Mool Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
5.	Prof. U.C. Singh Professor in Ancient History CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
6.	Prof. D.D. Chaturvedi Professor in Sanskrit & Head Deptt. of Sanskrit & Modern languages CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
7.	Prof. Tashi Tsering (S) Professor in Sakya & Head, Deptt. of Sampradaya Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
8.	Ven. Tenzin Norbu Head, Deptt. of Mool Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
9.	Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima Head, Deptt. of Bon Sampradaya CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member

10.	Dr. Himanshu Pandey Centre for Teacher Education CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
11.	Ven. Lhakpa Tsering Head, Deptt. of Tib. Languages & Literature CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
12.	Dr. Amit Mishra Head, Deptt. of Social Science CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
13.	Dr. Tashi Dawa Head, Deptt. of Sowa Rigpa CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
14.	Dr. Jampa Chophel Head, Deptt. of Bhot Jyotish CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
15.	Dr. Shuchita Sharma Head, Deptt. of T.T.P. CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
16.	Dr. Dorjee Damdul Associate Professor Department of Sowarigpa CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
17.	Geshe Lobsang Wangdrak Assistant Professor Department of Mool Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
18.	Ven Dakpa Senge Associate Professor Department of Sampradaya Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
19.	Dr. Anurag Tripathi Assistant Professor Department of Classical & Modern Languages CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member

20.	Dr. Urgyen Assistant Professor in Tib. History CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
21.	Dr. Tashi Tsering (J) Associate Professor in Bhot Jyotish CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
22.	Dr. Mahesh Sharma Assistant Professor in IQAC CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member

APPENDIX-V

LIST OF MEMBERS OF THE FINANCE COMMITTEE AS ON 31.03.2023

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1	Vice Chancellor CIHTS, Sarnath, Varanasi	Chairman
2	Director/Dy. Fin. Adv. (IFD) Ministry of Culture, GOI Shastri Bhavan, New Delhi	Member
3	Representative BTI Section, Ministry of Culture, GOI II Floor, D-Block, Puratattva Bhavan, GPO Complex, INA New Delhi – 23	Member
4	Dr. S. P. Mathur, Registrar, IIT BHU, BHU, Lanka, Varanasi – 221005	Member
5	Registrar, CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member Secretary

APPENDIX-VI

LIST OF MEMBERS OF THE PLANNING & MONITORING BOARD AS ON 31.03.2023

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Vice-Chancellor, CUTS, Sarnath, Varanasi-221007	Chairman
2.	Joint Secretary Government of India Ministry of culture, Shastri Bhavan, New Delhi	Member
3.	Financial Adviser Ministry of Culture Shastri Bhavan, New Delhi	Member
4.	Prof. L. Tenzin CUTS, Sarnath, Varnasi-221007	Member
5.	Prof. Baidyanath Labh Vice-Chancellor, NNM Nalanda, (Bihar)	Member
6.	Prof. Bjuvan Chandel Centre of Civilization Studies New Delhi	Member

APPENDIX-VII

LIST OF MEMBERS OF THE PUBLICATION COMMITTEE AS ON 31.03.2023

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Vice Chancellor, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Chairman
2.	Registrar CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
3.	Prof. Lobsang Tenzin CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
4.	Prof. Pradyumna Dubey B.H.U., Varanasi.	Member
5.	Prof. P. P. Gokhale CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
6.	Prof. R. K. Dwivedi S.S.U., Varanasi.	Member
7.	Librarian Shantarakshita Library, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
8.	Editor Translation Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
9.	Editor Restoration Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
10.	Shri Sangay Tender Head Tibetan Publication, LTWA, Dharamsala, H.P.	Member
11.	Publication In-charge CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member Secretary

भोट विद्या संस्थानम्

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
Central Institute of Higher Tibetan Studies

(Deemed University)
SARNATH, VARANASI-221007
Tel. No. : 0542-2585148, Fax No. : 0542-2585150
E-mail: registrar@cihts.ac.in

Published by
The Registrar, Central Institute of Higher Tibetan Studies
Sarnath, Varanasi

Printed by
Sattanam Printers
Pandeypur, Varanasi